UPPCS करेंट अफेयर्स

रिवीज़न हैंडआउट

(अगस्त 2024 - अगस्त 2025)

C-171/2,
Block-A,
ector-15,
Noida

641, Mukherjee Nagar,
Opp. Signature
View Apartment,
New Delhi

21,
Pusa Road,
Karol Bagh
New Delhi

Tashkent Marg,
Civil Lines,
Prayagraj,
Uttar Pradesh

Tonk Road,
Vasundhra Colony,
Jaipur,
Rajasthan

Burlington Arcade Mall,
Burlington Chauraha,
Vidhan Sabha Marg,
Lucknow

12, Main AB Road,
Bhawar Kuan,
Indore,
Madhya Pradesh

E-mail : care@groupdrishti.in

Phone: +91-87501-87501

अनुक्रम

- उत्तर प्रदेश विधानसभा ने पारित किया 'लव जिहाद' विधेयक 11
- उत्तर प्रदेश में होगी लॉजिस्टिक्स क्लस्टर्स की स्थापना.. 11
- अयोध्या बना आदर्श सौर नगर 12
- उत्तर प्रदेश को नए मेडिकल कॉलेजों की अनुमति मिली 13
- NGT ने ठोस अपशिष्ट फेंकने पर जुर्माना लगाया..... 13
- उत्तर प्रदेश में एंटी रोमियो स्क्वाड को पुनः सक्रिय किया गया 14
- उत्तर प्रदेश में कृषि व्यवसाय परियोजना शुरू की जाएगी 14
- उत्तर प्रदेश विभाजन विभीषिका का स्मरण करेगा 15
- उत्तर प्रदेश में 2028 तक पर्यटन में पाँच गुना वृद्धि का लक्ष्य 15
- विद्या समीक्षा केंद्रों के लिये टोल-फ्री नंबर..... 16
- राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं में समस्याओं का समाधान..... 17
- युवाओं में उद्यमशीलता को बढ़ावा देने की योजना 17
- भूमि रिकॉर्ड में अनियमितता के कारण UP रेरा द्वारा 400 परियोजनाओं पर रोक..... 18
- कैलिफोर्नियम..... 18
- उत्तर प्रदेश में जन्माष्टमी..... 19
- वाराणसी में SLCR परियोजना..... 20
- उत्तर प्रदेश का 2028 तक अधिक पर्यटकों को आकर्षित करने का लक्ष्य 21
- वायनाड के लिये राहत और पुनर्वास निधि 22
- संस्कृत विद्यालयों के विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति..... 23
- उत्तर प्रदेश नई सोशल मीडिया पॉलिसी 23
- उत्तर प्रदेश बोर्ड व्यावसायिक शिक्षा शुरू करेगा 24
- उत्तर प्रदेश में प्रमुख रोज़गार पहल 25
- आदर्श सौर गाँव..... 25
- UP में फुटबॉल को मिलेगा बढ़ावा 26
- गोरखपुर सैनिक स्कूल का उद्घाटन..... 27
- गोविंद बल्लभ पंत 28
- UP का लक्ष्य सुरक्षित डेटा भंडारण में निवेश करना..... 29
- NIA न्यायालय ने धर्मांतरण मामले में आजीवन कारावास की सज़ा सुनाई..... 30
- अटल आवासीय विद्यालय 31
- बुलडोज़र न्याय 32
- गंगा का जलस्तर चेतावनी बिंदु के पार पहुँचा 33
- आर्थिक प्रक्षेप पथ 34
- मदरसों की शिक्षा 36
- सरयू नदी में बाढ़ 37
- 13 राज्यों से 97% अनुसूचित जाति के विरुद्ध अत्याचार 38

Prepare with DrishtiIAS

राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) — क्लिक करें या स्कैन करें!

हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! — क्लिक करें या स्कैन करें!

राज्य पीसीएस पुस्तकें — क्लिक करें या स्कैन करें!

निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग — क्लिक करें या स्कैन करें!

- उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश ने 8 गीगावाट सौर ऊर्जा परियोजनाओं पर सहयोग किया.....39
- खाद्य पदार्थों में मिलावट पर रोक.....39
- उत्तर प्रदेश में सेमीकंडक्टर सुविधा.....40
- उत्तर प्रदेश में अत्यधिक वर्षा की चेतावनी.....42
- गैंग चार्ट अनुमोदन में लापरवाही.....42
- UP ने नए विश्वविद्यालयों और रोज़गारों को मंज़ूरी दी.....43
- उत्तर प्रदेश का लक्ष्य 'गरीबी शून्य' करना.....44
- उत्तर प्रदेश ने सौर ऊर्जा उत्पादन को बढ़ावा दिया.....45
- "रेडियो मैन ऑफ इंडिया" ने बनाया रिकॉर्ड.....45
- UP अंतर्राष्ट्रीय व्यापार शो, 2024.....46
- कुंभ शिखर सम्मेलन 2024 कुंभ शिखर सम्मेलन 2024.....47
- पीलीभीत टाइगर रिज़र्व में 'शुगरकेन टाइगर्स'.....48
- UP उपचुनाव 2024.....48
- सखी निवास छात्रावास.....49
- उत्तर प्रदेश में नवमी पर सार्वजनिक अवकाश.....50
- उत्तर प्रदेश सरकार ट्रैक्टर-ट्रॉलियों पर यात्रियों की यात्रा पर प्रतिबंध लगाएगी.....51
- उत्तर प्रदेश ने ग्रैंड प्रिक्स से स्ट्रीट रेस को समाप्त कर दिया.....52
- खाद्य सुरक्षा और संदूषण पर उत्तर प्रदेश सरकार के अध्यादेश.....53
- PM वाराणसी में खेल सुविधाओं का उद्घाटन करेंगे.....54
- काशी स्वास्थ्य सेवा के बड़े केंद्र के रूप में उभरेगा.....55
- न्यू नोएडा विकास योजना.....56
- उत्तर प्रदेश में आर्थिक नेतृत्व की राह.....57
- ग्रीन अयोध्या फंड पहल.....58
- अयोध्या दीपोत्सव 2024.....59
- उत्तर प्रदेश ने संस्कृत छात्रवृत्ति योजना का विस्तार किया.....59
- कुंभ मेला 2025 की तैयारियाँ.....60
- सर्वोच्च न्यायालय ने उत्तर प्रदेश मदरसा शिक्षा बोर्ड अधिनियम, 2004 को मान्यता प्रदान की.....60
- अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय को अल्पसंख्यक का दर्जा.....61
- पुलिस प्रमुख की नियुक्ति के लिये नए नियम.....62
- गंगा के जल की गुणवत्ता बिगड़ रही है.....64
- प्रस्तावित काँवड़ यात्रा मार्ग के लिये काटे गए वृक्ष.....65
- आगरा में फुल मोशन सिम्युलेटर सुविधा का उद्घाटन..67
- उत्तर प्रदेश में साइबर सुरक्षा कार्यशाला.....67
- बुद्ध के अवशेष उजागर करने हेतु उत्खनन.....68
- 27वाँ IEEE WPMC 2024.....70
- उत्तर प्रदेश में जामा मस्जिद पर सर्वेक्षण.....71
- उत्तर प्रदेश सिंचाई विभाग परियोजना.....72
- विश्व रोगाणुरोधी जागरूकता सप्ताह (WAAW).....72
- भूमि अधिग्रहण नीतियों के विरुद्ध किसानों का विरोध प्रदर्शन.....73
- उत्तर प्रदेश रत्न एवं आभूषण विकास पर ध्यान केंद्रित कर रहा है.....74
- UP सरकार ने पुलिस और फोरेंसिक क्षमता बढ़ाई.....74
- महाकुंभ की भव्यता में अत्याधुनिक क्रूज़.....75
- NIA मानव तस्करी सिंडिकेट की जाँच करेगी.....76
- संभल मस्जिद पर ASI की प्रतिक्रिया.....77
- उत्तर प्रदेश ने महाकुंभ क्षेत्र को नया ज़िला घोषित किया.....78
- राजा महेंद्र प्रताप सिंह जयंती.....79

Prepare with DrishtiIAS

राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) — क्लिक करें या स्कैन करें!

हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! — क्लिक करें या स्कैन करें!

राज्य पीसीएस पुस्तकें — क्लिक करें या स्कैन करें!

निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग — क्लिक करें या स्कैन करें!

- UP में डिजिटल इंडिया राज्य परामर्श कार्यशाला आयोजित.....80
- महाभारत काल की सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण 81
- उत्तर प्रदेश सरकार मदरसा अधिनियम, 2004 में संशोधन करेगी 82
- उत्तर प्रदेश में आधे से अधिक स्टार्टअप का नेतृत्व महिलाएँ कर रही हैं.....83
- उत्तर प्रदेश GeM को पूर्ण रूप से अपनाने वाला पहला राज्य बना 83
- डॉ. अंबेडकर की पुण्यतिथि.....84
- पीलीभीत टाइगर रिज़र्व.....85
- जेवर हवाई अड्डे पर पहली वैलिडेशन फ्लाइट की लैंडिंग.....86
- GeM प्लेटफॉर्म को पूर्णत: अपनाने वाला पहला राज्य- उत्तर प्रदेश.....86
- UP ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिये अनुपूरक बजट पेश किया.....88
- इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश को हटाया गया.....88
- पटाखों पर पूर्ण प्रतिबंध 89
- अयोध्या ने ताजमहल को पीछे छोड़ते हुए उत्तर प्रदेश का प्रमुख पर्यटन स्थल बना (2024).....89
- प्राचीन बावड़ी उत्तर प्रदेश में खोजी गई.....90
- उच्च न्यायालय ने 17वीं सदी के आगरा स्मारक को संरक्षित करने का आदेश दिया.....90
- उत्तर प्रदेश में गौ-आधारित नेचुरल फार्मिंग.....91
- महाकुंभ 2025 में ड्रोन शो.....92
- पहला 'ऑल-गर्ल्स सैनिक स्कूल'.....93
- पूजा स्थल के धार्मिक चरित्र' को परिभाषित करने हेतु परीक्षण आवश्यक: इलाहाबाद उच्च न्यायालय 93
- उत्तर प्रदेश का आर्थिक विकास.....94
- तुलसीदास का जन्मस्थान.....94
- आपदा पूर्व चेतावनी हेतु राहत वाणी केंद्र.....95
- उत्तर प्रदेश का गंगा एक्सप्रेसवे.....95
- अयोध्या में आध्यात्मिक पर्यटन का उदय 96
- उत्तर प्रदेश में सौर ऊर्जा हब.....96
- नाबालिगों को गाड़ी चलाने की अनुमति देने वाले माता-पिता के लिये जुर्माना.....97
- उत्तर प्रदेश की 'अर्द्धचालक/सेमीकंडक्टर' नीति.....97
- मुरादाबाद का पीतल बर्तन उद्योग.....98
- MSME के लिये उत्तर प्रदेश शीर्ष तीन राज्यों में शामिल 99
- स्वच्छ सर्वेक्षण 2023 100
- उत्तर प्रदेश में फार्मा पार्क..... 100
- उत्तर प्रदेश 1 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर में प्रवेश करेगा 100
- स्वच्छ वायु लक्ष्य में विविध प्रगति..... 101
- उत्तर प्रदेश में 5 और हवाई अड्डे बनेंगे..... 102
- उत्तर प्रदेश के प्राथमिक क्षेत्र में वृद्धि..... 102
- दिव्य अयोध्या' ऐप 103
- लोगों को गरीबी से बाहर निकालने में यूपी अग्रणी 104
- उत्तर प्रदेश: सेमीकंडक्टर विनिर्माण इकाइयों के लिये अनुकूल..... 105
- अयोध्या के लिये हेलीकाप्टर सेवा..... 105
- यूपी सरकार ने YEIDA, UPSIDA, UPEIDA के विस्तार के लिये 2,940 करोड़ रुपए की मंज़ूरी दी..... 106
- अभ्यास-अयुत्थाया और इंडो-थाई कॉर्पेट..... 106
- अयोध्या राम मंदिर..... 107
- उत्तर प्रदेश को अपनी आतिथ्य संस्कृति से परिचित कराने का अवसर..... 108

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- राम मंदिर प्रतिष्ठा: राज्यों ने अवकाश घोषित किया... 108
- रैपिड रेल कॉरिडोर के लिये 16,000 करोड़ रुपए की मंज़ूरी..... 109
- अयोध्या में BHISHM क्यूब..... 109
- कानपुर में GSVM मेडिकल कॉलेज में सुपर स्पेशलिटी ब्लॉक..... 110
- उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस 2024 111
- खेलो उत्तर प्रदेश सेंटर 111
- उत्तर प्रदेश का चौथा कार्यवाहक DGP..... 113
- YEIDA का मेडिकल डिवाइस पार्क गामा विकिरण सुविधा का विस्तार करेगा..... 113
- उत्तर प्रदेश सरकार आगामी ग्रीष्म ऋतु के दौरान वनाग्नि को रोकने के लिये अलर्ट है..... 114
- रूस में भारतीय दूतावास में घुसपैठ करने वाला पाकिस्तानी गिरफ्तार..... 114
- यूपी बजट 2024-25: मुख्य बिंदु और प्रमुख घोषणाएँ..... 115
- उत्तर प्रदेश बजट: नोएडा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के लिये 1,150 करोड़ रुपय आवंटित 116
- लखनऊ को 1500 एकड़ की एयरोसिटी मिलेगी..... 116
- यूपी में 21 हवाई अड्डे होंगे..... 116
- यूपी में पंचायतों की राजस्व प्राप्तियाँ सबसे ज़्यादा 117
- यूपी के प्रमुख शहरों का सोलर हब में परिवर्तन..... 118
- उत्तर प्रदेश में 10 लाख करोड़ रुपए की परियोजनाएँ..... 118
- उत्तर प्रदेश ने एस्केलेटर विधेयक और लोकायुक्त संशोधन विधेयक, 2024 पारित किया..... 119
- उत्तर प्रदेश में निवेश में उल्लेखनीय वृद्धि का अनुभव..... 119
- UPDIC रक्षा उत्पादन में भारत को 'आत्मनिर्भर' बनाना..... 120
- उत्तर प्रदेश का मेगा निवेश अभियान 120
- हरित उद्योग आधार..... 121
- प्रधानमंत्री कल्कि धाम मंदिर की नींव रखेंगे..... 123
- पश्चिमी विक्षोभ से उत्तर प्रदेश में बारिश की संभावना..... 123
- उत्तर प्रदेश ने ESMA लागू किया 124
- यूपी को वर्ष 2000-17 की तुलना में 2019-23 में चार गुना अधिक FDI प्राप्त हुआ 125
- आगरा के जामा मस्जिद मेट्रो स्टेशन का नाम बदला गया 126
- उत्तर प्रदेश में किसानों की मांगों पर विचार करने हेतु समिति का गठन 127
- उत्तर प्रदेश विकास परियोजनाओं के लिये CSR फंड का उपयोग करेगा 127
- उत्तर प्रदेश में जल्द ही 21 हवाई अड्डे होंगे..... 128
- उत्तर प्रदेश: तहसील स्तर पर अग्निशमन केंद्र रखने वाला पहला राज्य..... 129
- MYUVA योजना..... 129
- यूपी सरकार ने स्कूलों और आंगनवाड़ी के लिये धनराशि आवंटित की..... 130
- ओखला पक्षी अभयारण्य ने विश्व वन्यजीव दिवस मनाया..... 131
- बच्चों के लिये शैक्षिक सशक्तीकरण पहल..... 131
- हरित हाइड्रोजन परियोजना 132
- प्रोजेक्ट प्रवीण के तहत कौशल प्रशिक्षण 134
- सोनभद्र में 177 विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया गया 135
- पीएम ने 34,000 करोड़ रुपए से अधिक की परियोजनाएँ लॉन्च कीं 135
- देशभर में CAA लागू होने के बाद उत्तर प्रदेश अलर्ट पर..... 137

Prepare with DrishtiIAS

राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) — क्लिक करें या स्कैन करें!

हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! — क्लिक करें या स्कैन करें!

राज्य पीसीएस पुस्तकें — क्लिक करें या स्कैन करें!

निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग — क्लिक करें या स्कैन करें!

- उत्तर प्रदेश 8 रेलवे स्टेशनों का नाम बदलेगा 137
- सूखे की निगरानी हेतु 'वेदर स्टेशन'..... 137
- उत्तर प्रदेश सरकार ने निजी कंपनियों को ई-मोबिलिटी में निवेश के लिये आमंत्रित किया..... 138
- बुंदेलखंड बनेगा नया पावर हाउस 138
- लखनऊ में धारा 144 लागू..... 139
- दीपक कुमार उत्तर प्रदेश के नए गृह सचिव 140
- उत्तर प्रदेश: फार्मास्युटिकल उत्पादों का प्रमुख उत्पादक और निर्यातक 140
- त्रिनेत्र ऐप 2.0..... 141
- इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने यूपी मदरसा शिक्षा अधिनियम को असंवैधानिक घोषित किया 141
- 5 करोड़ आयुष्मान कार्ड जारी करने वाला पहला राज्य बना उत्तर प्रदेश..... 142
- उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र महामारी के बाद भारत के विकास में अग्रणी: SBI रिपोर्ट..... 143
- मसान होली..... 143
- उत्तर प्रदेश का मक्का उत्पादन बढ़ाने का लक्ष्य..... 144
- ISARC: कम मीथेन उत्सर्जन के साथ चावल का विकास..... 144
- 44% मौजूदा सांसदों पर आपराधिक आरोप: ADR.. 145
- अवमानना कार्यवाही में CAT के आदेश के विरुद्ध अपील..... 146
- अतिरिक्त महाधिवक्ता..... 147
- घाटे की पूर्ति हेतु विद्युत की खरीदारी 147
- गर्मी से संबंधित बीमारी के प्रबंधन हेतु स्वास्थ्य विभाग के दिशा-निर्देश..... 148
- नक्सली साजिश मामले में NIA ने 12 जगहों पर छापेमारी की..... 148
- उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा मदरसों का लाइसेंस रद्द..... 149
- इलाहाबाद उच्च न्यायालय मथुरा मस्जिद हटाने की याचिका पर सुनवाई करेगा..... 150
- मंगल पांडे..... 151
- टोंस नदी..... 151
- प्रयागराज में नए ट्रांसफार्मर..... 153
- धरोहर काशी की..... 153
- विश्व होम्योपैथी दिवस 153
- अग्नि सुरक्षा पर जागरूकता अभियान..... 154
- आतिथ्य क्षेत्र में उत्तर प्रदेश सरकार का निवेश..... 155
- रामनवमी पर विशेष..... 155
- GI टैग में उत्तर प्रदेश शीर्ष पर..... 156
- अयोध्या में सूर्य तिलक परियोजना..... 156
- श्री राम परिवार भक्ति आंदोलन..... 157
- IIT कानपुर का सशस्त्र बल चिकित्सा सेवाओं के साथ सहयोग..... 157
- सबसे हल्की बुलेट प्रूफ़ जैकेट 158
- वर्ष 2025 के लिये महाकुंभ की तैयारी 158
- काशी विश्वनाथ धाम और UPSNA के बीच समझौता ज्ञापन..... 159
- सारनाथ के पवित्र बुद्ध अवशेष..... 159
- उत्तर प्रदेश में 'रात्रिकालीन लैंडिंग' हवाई पट्टी 161
- रेड क्राउन रूफ्ड टर्टल..... 162
- उत्तर प्रदेश में कृषि सखी..... 164
- आनंदीबेन पटेल पर आधारित पुस्तक 165
- मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार..... 166
- ट्रांसजेंडरों के लिये वृद्धाश्रम..... 167
- उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक..... 168
- पिपरहवा अवशेष 169
- ट्रांसजेंडर समुदाय के लिये विशेष राशन कार्ड..... 170

Prepare with DrishtiIAS

राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!

हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!

राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!

निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- उत्तर प्रदेश में वैश्विक सेवा केंद्र 172
- वीर रथ पार्क..... 172
- मिशन शक्ति..... 173
- जीएसटी संग्रह में मेरठ शीर्ष पर..... 174
- उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन (UPSDM) 175
- यूपी-एग्रीस और एआई प्रज्ञा कार्यक्रम 175
- उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन (UPSDM) 177
- ब्रह्मोस मिसाइल..... 177
- CIL और UPRVUNL के बीच समझौता 178
- यूपीएससी के नए अध्यक्ष नियुक्त..... 180
- नोएडा में पहला 3nm चिप डिज़ाइन केंद्र शुरू..... 181
- गोमती नदी..... 182
- एक जनपद एक उत्पाद के तहत नए उत्पाद शामिल.. 182
- भारत का सबसे बड़ा टाइटेनियम और सुपरलॉय सामग्री संयंत्र..... 183
- यंत्रीकृत स्वच्छता पारिस्थितिकी तंत्र के लिये राष्ट्रीय कार्य योजना (NAMASTE)..... 184
- भारत की पहली जंगल सफारी विस्टाडोम ट्रेन..... 186
- शाही जामा मस्जिद विवाद एवं पूजा स्थल अधिनियम 1991..... 186
- बाल श्रम उन्मूलन अभियान..... 188
- भारत के 86वें ग्रैंडमास्टर 189
- उत्तर प्रदेश ने बुनियादी ढाँचे के विकास में बनाए दो विश्व रिकॉर्ड 190
- पर्यटन के लिये बुनियादी ढाँचे का विकास..... 190
- शादी अनुदान योजना..... 192
- सोयाबीन की उच्च उपज देने वाली किस्में 193
- विश्व कछुआ दिवस 2025: उत्तर प्रदेश के कछुआ संरक्षण प्रयास 194
- प्रोजेक्ट अलंकार 196
- नोएडा में उत्तर भारत की सबसे बड़ी फिल्म सिटी 197
- बफर में सफर योजना..... 198
- NFSA के तहत ज़िलेवार कोटा समाप्त किया..... 200
- वीरता पुरस्कार 2025 202
- पंडित जवाहरलाल नेहरू की पुण्यतिथि..... 204
- उत्तर प्रदेश में सेमीकंडक्टर यूनिट..... 205
- मिस वर्ल्ड 2025 208
- घाटमपुर थर्मल पावर परियोजना 208
- बचपन डे केयर सेंटर..... 209
- सतत् विमानन ईंधन विनिर्माण नीति-2025 210
- पवित्र बुद्ध अवशेषों को श्रद्धांजलि..... 211
- उत्तर प्रदेश में अग्निवीरों के लिये क्षैतिज आरक्षण 213
- नमामि गंगे मिशन..... 214
- दुधवा टाइगर रिज़र्व में तितली विविधता 215
- संत कबीरदास जयंती 2025 216
- राष्ट्रीय आपातकाल के 50 वर्ष..... 217
- राम प्रसाद बिस्मिल की जयंती 218
- एक पेड़ माँ के नाम 2.0 अभियान..... 220
- शारदा नदी 220
- ULBs को राज्य क्षेत्रक योजना से वित्तीय अनुदान मिलेगा..... 223
- उत्तर प्रदेश सरकार ने मक्का खेती की ओर बढ़ते रुझान को रेखांकित किया..... 223
- उत्तर प्रदेश में मॉडल रॉकेट का परीक्षण..... 224
- लखनऊ का यूनेस्को गैस्ट्रोनॉमी शहर के लिये नामांकन..... 226
- डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि 227
- वाराणसी में मध्य क्षेत्रीय परिषद की 25वीं बैठक..... 228

Prepare with DrishtiIAS

राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) — क्लिक करें या स्कैन करें!

हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! — क्लिक करें या स्कैन करें!

राज्य पीसीएस पुस्तकें — क्लिक करें या स्कैन करें!

निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग — क्लिक करें या स्कैन करें!

- चंबल नदी में घड़ियाल शावकों की संख्या में वृद्धि ... 230
- उत्तर प्रदेश में बनेंगे चार आधुनिक बचाव केंद्र 232
- IOC की पहली महिला अध्यक्ष 234
- जाह्नवी डांगेती 237
- CIP-दक्षिण एशिया क्षेत्रीय केंद्र (CSARC), आगरा 238
- गाज़ियाबाद में ग्रीन डाटा सेंटर 239
- सलखन जीवाश्म पार्क 240
- रक्षा सामग्री एवं भंडार अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान (DMSRDE) 241
- प्रथम आयुष विश्वविद्यालय 242
- नव्या पहल 245
- लखनऊ बना शून्य अपशिष्ट वाला शहर 245
- ऑपरेशन कन्विक्शन 246
- राष्ट्रीय खेल नीति (NSP) 2025 247
- उत्तर प्रदेश में नया ईवी पार्क 249
- भारत का पहला अश्व रोग-मुक्त कंपार्टमेंट (EDFC) 250
- उत्तर प्रदेश ने वैश्विक विनिर्माण बदलाव का लक्ष्य रखा 252
- उत्तर प्रदेश सरकार के विद्यालय विलय आदेश के विरुद्ध दायर याचिकाएँ खारिज 253
- अस्मिता 2025 254
- CPGRAMS पर 35 वीं रिपोर्ट 255
- उत्तर प्रदेश एग्रीटेक इनोवेशन हब 256
- धम्मचक्र प्रवर्तन दिवस 257
- उत्तर प्रदेश विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम, 2021 258
- 'लर्निंग बाय डूइंग' कार्यक्रम 259
- उत्तर प्रदेश में ऐतिहासिक इमारतों का हेरिटेज होटलों के रूप में विकास 260
- आपदा प्रबंधन को प्रभावी बनाने हेतु UNDP के साथ साझेदारी 262
- नमस्ते दिवस 263
- उत्तर प्रदेश ने 50 नदियों का पुनरुद्धार किया 264
- कौशल मेला 2025 265
- पीलीभीत टाइगर रिज़र्व (PTR) 266
- प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना (PMDDKY) ... 268
- स्वच्छता सर्वेक्षण 2024-25 में उत्तर प्रदेश का प्रदर्शन 270
- महिला आर्थिक सशक्तीकरण (WEE) सूचकांक 271
- मंगल पांडे जयंती 272
- उद्यमी मित्रों के लिये HRMS पोर्टल 274
- FIDE विश्व कप 2025 भारत में आयोजित होगा 276
- काशी घोषणा-पत्र 277
- समर्थ पोर्टल 278
- अमृत सरोवर निर्माण में उत्तर प्रदेश प्रथम 279
- उत्तर प्रदेश मंत्रिमंडल द्वारा प्रमुख विकास परियोजनाओं को मंजूरी 280
- उत्तर प्रदेश का ग्राम-ऊर्जा मॉडल 281
- ABVMU में मियावाकी वन का उद्घाटन 282
- उत्तर प्रदेश में PMAY शहरी 2.0 के लिये वित्तपोषण 282
- लखनऊ विश्वविद्यालय के साथ महिला सुरक्षा पर राष्ट्रीय संगोष्ठी 283
- दिव्या देशमुख महिला विश्व कप चैंपियन बनीं 284
- बुंदेलखंड का कालिंजर दुर्ग 284
- उत्तर प्रदेश में हरित हाइड्रोजन उत्पादन केंद्र की स्थापना 285

Prepare with DrishtiIAS

राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!

हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!

राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!

निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- मुख्यमंत्री के रूप में योगी आदित्यनाथ का सबसे लंबा कार्यकाल 287
- UPSIFS में पुलिसिंग कौशल बढ़ाने हेतु पाठ्यक्रम .. 288
- विद्युत सखी कार्यक्रम 289
- अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस और उत्तर प्रदेश में बाघों की संख्या में वृद्धि 290
- पवित्र जल विनिमय कार्यक्रम 292
- मौसम सूचना नेटवर्क एवं डाटा प्रणाली (WINDS) परियोजना..... 293
- खिलाड़ियों को रोज़गार देकर सम्मानित किया..... 294
- उत्तर प्रदेश में बीज पार्क स्थापित 295
- उत्तर प्रदेश का पहला ट्रांसकैथेटर महाधमनी वाल्व प्रत्यारोपण (TAVI) 297
- दिल्ली अपनाएगी उत्तर प्रदेश का डिजिटल शिकायत निवारण मॉडल..... 298
- सड़क सुरक्षा में एआई अपनाने वाला पहला राज्य..... 299
- मुंशी प्रेमचंद की जयंती..... 299
- पिपरहवा अवशेषों की भारत वापसी..... 301
- उत्तर प्रदेश के नए मुख्य सचिव नियुक्त 302
- उन्नाव में भारत का पहला निजी एआई-संवर्द्धित विश्वविद्यालय परिसर 302
- लखनऊ भारत का पहला AI शहर 303
- मेधा रूपम: गौतमबुद्ध नगर की पहली महिला डीएम..... 304
- 71वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार..... 304
- उत्तर प्रदेश में FDI वृद्धि..... 306
- उत्तर प्रदेश आर्थिक अपराध शाखा का पुनर्गठन..... 306
- पिंगली वेंकैया जयंती..... 307
- ऑपरेशन महाकाल 308
- पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक का निधन 309
- लखनऊ के चारबाग रेलवे स्टेशन के 100 वर्ष पूरे..... 310
- उत्तर प्रदेश ने छात्रों के लिये भरण-पोषण भत्ता बढ़ाया..... 310
- निवेश मित्र पोर्टल 3.0..... 311
- क्षमता निर्माण आयोग की नई अध्यक्ष..... 312
- 11वाँ राष्ट्रीय हथकरघा दिवस..... 312
- WHO-IRCH अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला 313
- राष्ट्रीय मत्स्यपालक दिवस 2025..... 314
- विश्व शेर दिवस 2025 315
- बिजनौर जेल में सचींद्रनाथ बख्शी का सम्मान 316
- कन्नौज FSL ने ISO 9001: 2015 प्रमाणन प्राप्त किया 317
- काकोरी ट्रेन कार्रवाई की शताब्दी..... 317
- विश्व हाथी दिवस 2025 318
- दीन दयाल स्पर्श योजना 320
- उत्तर प्रदेश: दूसरी तेज़ी से बढ़ती अर्थव्यवस्था..... 321
- डॉ. विक्रम साराभाई की 106वीं जयंती 321
- उत्तर प्रदेश की MSME औद्योगिक संपदा प्रबंधन नीति 2025 322
- मेगा टिंकरिंग दिवस 2025..... 325
- उत्तर प्रदेश में बर्ड फ्लू अलर्ट..... 326
- अजय साहनी को राष्ट्रपति वीरता पदक 326
- यूपी पुलिस का 'ऑपरेशन सवेरा' 327
- उत्तर प्रदेश का पहला ग्रीन हाइड्रोजन संयंत्र..... 328
- इटरनल फ्लेम ऑफ होम्योपैथी अवार्ड..... 329
- शोधगंगा पोर्टल 330
- श्री अरबिंदो की 153वीं जयंती..... 331
- कारीकोट गाँव को ICRT पुरस्कार 2025 मिला..... 332
- भारत की पहली ड्रोन फोरेंसिक प्रयोगशाला..... 334

Prepare with DrishtiIAS

राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) — क्लिक करें या स्कैन करें!

हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! — क्लिक करें या स्कैन करें!

राज्य पीसीएस पुस्तकें — क्लिक करें या स्कैन करें!

निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग — क्लिक करें या स्कैन करें!

- वाराणसी: रेलवे ट्रेक के बीच सौर पैनल लगाने वाला भारत का पहला शहर 334
- चिवनिंग-अटल बिहारी वाजपेई छात्रवृत्ति योजना..... 335
- विश्व मानवतावादी दिवस 336
- राष्ट्रीय अनुभव पुरस्कारों की 10वीं वर्षगाँठ..... 336
- पीएम-सूर्य घर योजना में उत्तर प्रदेश अग्रणी..... 337
- काशी विश्वनाथ धाम प्लास्टिक मुक्त क्षेत्र..... 338
- जलालाबाद का नया नाम परशुरामपुरी 339
- उत्तर प्रदेश फुटवियर, चमड़ा एवं गैर-चमड़ा क्षेत्र विकास नीति 2025 341
- प्रथम खेलो इंडिया वाटर स्पोर्ट्स फेस्टिवल 2025..... 342
- IOAA 2025 में भारत का प्रदर्शन..... 343
- द कुंज का उद्घाटन..... 343
- उत्तर प्रदेश पुलिस की सवेरा योजना..... 344
- राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस उत्सव..... 345
- जीबी नगर और श्रावस्ती शिकायत निवारण में अग्रणी 347
- शुभांशु शुक्ला को लखनऊ में सम्मानित किया गया ... 347
- लोक संवर्द्धन पर्व 348
- राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार 2025 349
- भारत ने AIBD के कार्यकारी बोर्ड की अध्यक्षता की 350
- अर्थ ओवरशूट डे 2025 350
- सड़क सुरक्षा मित्र कार्यक्रम 351
- आयुर्वेद दिवस 2025 352
- अटल आवासीय विद्यालयों हेतु आईएमएस..... 354
- विश्व मुक्केबाज़ी कप की मेज़बानी करेगा उत्तर प्रदेश 355
- प्रोजेक्ट आरोहण..... 356
- संत मदर टेरेसा की 115वीं जयंती 357
- भारत FIDE विश्व कप 2025 की मेज़बानी करेगा... 357
- उत्तर प्रदेश भारत की औद्योगिक वृद्धि में अग्रणी..... 358
- उत्तर प्रदेश के एनसीआर ज़िलों में पटाखों पर प्रतिबंध..... 359
- विश्व जल सप्ताह 2025 360
- AI संचालित यूपी स्किल गैप डैशबोर्ड..... 361
- 71वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार..... 362
- राष्ट्रीय मत्स्यपालक दिवस 2025..... 363
- विश्व शेर दिवस 2025 365
- केन्या में निद्रा रोग का उन्मूलन..... 366
- विश्व आदिवासी दिवस..... 366
- विश्व हाथी दिवस 2025 368
- मेगा टिंकरिंग दिवस 2025..... 368
- विश्व अंगदान दिवस..... 370
- अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्यतिथि..... 370
- श्री अरबिंदो की 153वीं जयंती..... 371
- विश्व मानवतावादी दिवस..... 372
- डॉ. शंकर दयाल शर्मा की 104वीं जयंती 373
- राष्ट्रीय अनुभव पुरस्कारों की 10वीं वर्षगाँठ..... 375
- IOAA 2025 में भारत का प्रदर्शन..... 376
- SEMICON इंडिया 2025 का उद्घाटन..... 377
- आयुर्वेद दिवस 2025 378
- संत मदर टेरेसा की 115वीं जयंती 380
- अभ्यास ब्राइट स्टार 2025 380
- विश्व जल सप्ताह 2025 381

Prepare with DrishtiIAS

राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!

हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!

राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!

निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

उत्तर प्रदेश विधानसभा ने पारित किया 'लव जिहाद' विधेयक

चर्चा में क्यों?

हाल ही में उत्तर प्रदेश विधानसभा ने **उत्तर प्रदेश विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध (संशोधन) विधेयक, 2024** पारित किया, जिसके तहत विशिष्ट परिस्थितियों में दोषी सिद्ध किये गए अपराधियों के लिये **अधिकतम आजीवन कारावास** की सज़ा का प्रावधान किया गया है।

मुख्य बिंदु

- इस विधेयक में **धोखाधड़ी या जबरन धर्म परिवर्तन के संबंध में कड़े प्रावधान** निहित हैं।
- यदि यह पाया जाता है कि धर्म परिवर्तन **धमकी, विवाह का वचन या साजिश** के तहत कराया गया है तो **20 वर्ष का कारावास** अथवा **आजीवन कारावास** की सज़ा का प्रावधान किया गया है। विधेयक के तहत इसे **सबसे गंभीर अपराध** की श्रेणी में रखा गया है।
- इस विधेयक के अनुसार न केवल पीड़ित और उसके माता-पिता अथवा भाई-बहन अपितु किसी भी व्यक्ति को **धर्म परिवर्तन से संबंधित मामलों में प्रथम इत्तिला रिपोर्ट (FIR) दर्ज कराने की अनुमति** है।
- इन मामलों की सुनवाई सत्र न्यायालय से अवर किसी न्यायालय में नहीं होगी। विधेयक में इस अपराध को **अज़मानतीय** भी बनाया गया है।
- जो कोई भी व्यक्ति अपनी इच्छा से विवाह के उद्देश्य से धर्म परिवर्तन करना चाहता है, उसे दो माह पहले संबंधित ज़िला मजिस्ट्रेट के समक्ष आवेदन प्रस्तुत करना होगा।

राज्य स्तरीय धर्मांतरण विरोधी कानून:

- **ओडिशा (1967):** ओडिशा, धार्मिक रूपांतरण को प्रतिबंधित करने, बलपूर्वक धर्मांतरण और धोखाधड़ी के तरीकों पर रोक लगाने वाला कानून अधिनियमित करने वाला पहला राज्य है।
- **मध्य प्रदेश (1968):** राज्य में मध्य प्रदेश **धर्म स्वातंत्र्य अधिनियम** क्रियान्वित किया गया, जिसमें कानून के तहत किसी भी धर्मांतरण गतिविधि के लिये ज़िला मजिस्ट्रेट को अधिसूचना देना आवश्यक कर दिया गया।
- अरुणाचल प्रदेश (1978), गुजरात (2003), छत्तीसगढ़ (2000 और 2006), राजस्थान (2006 तथा 2008), हिमाचल प्रदेश (2006 एवं 2019), तमिलनाडु (2002-2004), झारखंड (2017), उत्तराखंड (2018), उत्तर प्रदेश (2021) व **हरियाणा (2022)**।
  - इन राज्यों ने विभिन्न प्रकार के धर्मांतरण पर रोक लगाने के लिये कानून बनाए हैं, जिनमें अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों, नाबालिगों और महिलाओं के धर्मांतरण के लिये दंड को बढ़ाया गया है।
- **केंद्र का मत:** केंद्रीय गृह मंत्रालय ने सर्वोच्च न्यायालय को दिये एक शपथ-पत्र में कहा कि **धर्म के अधिकार में दूसरों को, विशेष रूप से धोखाधड़ी या बलपूर्वक माध्यम से धर्मांतरित करने का अधिकार शामिल नहीं** है।
  - उन्होंने **सर्वोच्च न्यायालय** द्वारा **अनुच्छेद 25** की व्याख्या का उल्लेख करते हुए बल दिया कि धोखाधड़ी से धर्म परिवर्तन व्यक्ति की अंत:करण की स्वतंत्रता को प्रभावित करता है और लोक व्यवस्था को बाधित कर सकता है।
  - केंद्र ने यह स्पष्ट नहीं किया है कि क्या वह याचिका में किये गए अनुरोध के अनुसार धार्मिक धर्मांतरण पर कोई विशेष कानून पेश करेगा।

उत्तर प्रदेश में होगी लॉजिस्टिक्स क्लस्टर्स की स्थापना

चर्चा में क्यों?

हाल ही में **उत्तर प्रदेश सरकार** ने 30 ज़िलों में एक्सप्रेसवे के किनारे 33 **इंटीग्रेटेड मैनुफैक्चरिंग और लॉजिस्टिक्स क्लस्टर (IMLC)** की स्थापना की प्रक्रिया शुरू की।

मुख्य बिंदु

- **पाँच प्रमुख एक्सप्रेसवे** के किनारे IMLC स्थापित किये जाएंगे जिनमें गंगा, बुंदेलखंड, आगरा-लखनऊ, गोरखपुर लिंक और पूर्वांचल शामिल है

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे के किनारे आगरा और अलीगढ़ में डिफेंस कॉरिडोर के निर्माण के लिये अतिरिक्त भूमि आवंटित की जाएगी। फिरोज़ाबाद, इटावा एवं कन्नौज में इंडस्ट्रियल कॉरिडोर को IMLC के रूप में विकसित किया जाएगा

- सभी अनुसूचित परियोजनाओं के लिये पर्यावरण और वन मंजूरी आवश्यक है, **उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवेज़ औद्योगिक विकास प्राधिकरण (UPEIDA)** ने एक परामर्श अभिकरण का चयन करने के लिये **प्रस्ताव के लिये अनुरोध (RFP)** प्रक्रिया शुरू की है।

उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवेज़ औद्योगिक विकास प्राधिकरण (UPEIDA)

- यह **उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा राज्य में एक्सप्रेसवे परियोजनाओं के विकास के लिये वर्ष 2007 में स्थापित एक प्राधिकरण** है।
- UPEIDA का मुख्यालय लखनऊ के **गोमती नगर स्थित पर्यटन भवन में अवस्थित** है।

अयोध्या बना आदर्श सौर नगर

चर्चा में क्यों?

हाल ही में उत्तर प्रदेश ने **अयोध्या** में **सौर ऊर्जा** संयंत्र के माध्यम से **40 मेगावाट विद्युत उत्पादन क्षमता** हासिल की है।

जिसके कारण **अयोध्या** को **उत्तर प्रदेश सौर ऊर्जा नीति 2022** के अंतर्गत आदर्श सौर नगर का प्रतिष्ठित पदनाम **प्राप्त हुआ।**

मुख्य बिंदु

- इस नीति के अनुसार, **सौर शहर को ऐसे शहर के रूप में परिभाषित किया गया है जहाँ नवीकरणीय ऊर्जा संयंत्र पारंपरिक ऊर्जा की अनुमानित कुल मांग को कम-से-कम 10% तक कम कर सकते हैं।**
  - अयोध्या ने आवश्यक क्षमता से **दोगुनी क्षमता हासिल कर इस मानक को पार कर लिया है।**

- यह संयंत्र **राष्ट्रीय ताप विद्युत निगम (National Thermal Power Corporation- NTPC) ग्रीन एनर्जी लिमिटेड** द्वारा माझा रामपुर हलवारा और माझा सरायरासी गाँवों में **सरयू नदी** के पास स्थापित किया गया था।
  - **राज्य सरकार ने** सौर ऊर्जा संयंत्र परियोजना स्थापित करने के लिये **NTPC** ग्रीन एनर्जी लिमिटेड को **165.10 एकड़ भूमि 1 रुपए प्रति एकड़ प्रतिवर्ष की दर से 30 वर्षों के लिये पट्टे** पर दी है।
  - यह संयंत्र **उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड (UPPCL)** द्वारा **25 वर्षों के लिये लागत-प्लस-निर्धारित टैरिफ** पर खरीदा जाएगा, जिससे अयोध्या को एक आदर्श सौर शहर घोषित किया जा सकेगा।

सरयू नदी

- सरयू एक नदी है **जो उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश से होकर प्रवाहित होती है।**
- इस **नदी का प्राचीन महत्त्व है क्योंकि इसका उल्लेख वेदों और रामायण में मिलता है।**
- यह नदी **करनाली और महाकाली नदियों के संगम** पर बनती है। यह गंगा नदी की एक सहायक नदी है।
- भगवान राम के जन्मदिन के उपलक्ष्य में मनाए जाने वाले **रामनवमी** के त्योहार पर **हज़ारों लोग अयोध्या में सरयू नदी में डुबकी** लगाते हैं

उत्तर प्रदेश पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (UPPCL)

- **14 जनवरी, 2000 को** यूपी में विद्युत क्षेत्र के सुधारों और पुनर्गठन के परिणामस्वरूप स्थापित किया गया, **जो विद्युत क्षेत्र का केंद्र बिंदु है** जो विद्युत के **संचारण, वितरण तथा आपूर्ति के माध्यम** से क्षेत्र की योजना एवं प्रबंधन के लिये ज़िम्मेदार है।
- यह पेशेवर रूप से प्रबंधित उपयोगिता है जो राज्य के प्रत्येक नागरिक को विश्वसनीय और लागत कुशल विद्युत की आपूर्ति करती है।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

उत्तर प्रदेश को नए मेडिकल कॉलेजों की अनुमति मिली

चर्चा में क्यों?

हाल ही में **राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (NMC) ने उत्तर प्रदेश में सात नए मेडिकल कॉलेजों** को अनुमति दी और दो मौजूदा कॉलेजों में **सीटें बढ़ाईं।**

मुख्य बिंदु

- **बिजनौर, बुलंदशहर, कुशीनगर, पीलीभीत, सुल्तानपुर, कानपुर देहात और ललितपुर** में स्वायत्त राज्य मेडिकल कॉलेजों के लिये कुल मिलाकर **600 MBBS सीटों** की अनुमति जारी की गई है।
- इसके अतिरिक्त, आगरा और मेरठ के सरकारी मेडिकल कॉलेजों में सीटों की संख्या में क्रमश: 72 तथा 50 की वृद्धि की गई है, **जिससे आगरा मेडिकल कॉलेज में कुल सीटें 200 एवं मेरठ मेडिकल कॉलेज में 150 हो गई हैं।**

राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (National Medical Commission- NMC)

- NMC **भारत में चिकित्सा शिक्षा और अभ्यास के लिये सर्वोच्च नियामक निकाय है।**
- इसकी **स्थापना वर्ष 2020 में राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग अधिनियम, 2019** द्वारा **भारतीय चिकित्सा परिषद (Medical Council of India- MCI) के स्थान** पर की गई थी।
- इसमें चार स्वायत्त बोर्ड शामिल हैं: स्नातक चिकित्सा शिक्षा बोर्ड, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा बोर्ड, चिकित्सा मूल्यांकन और रेटिंग बोर्ड तथा नैतिकता एवं चिकित्सा पंजीकरण बोर्ड।
  - NMC के पास एक चिकित्सा सलाहकार परिषद भी है, जो चिकित्सा शिक्षा और प्रैक्टिस से संबंधित मामलों पर आयोग को सलाह देती है।
- NMC प्रमुख स्क्रीनिंग परीक्षाओं जैसे कि NEET-UG, NEET-PG और FMGE के संचालन एवं देख-रेख के लिये ज़िम्मेदार है।
- यह **चिकित्सा शिक्षा और प्रशिक्षण के मानकों एवं गुणवत्ता,** चिकित्सकों के पंजीकरण तथा नैतिकता एवं चिकित्सा संस्थानों के मूल्यांकन व रेटिंग को भी नियंत्रित करता है।
- NMC ने प्रतिष्ठित **विश्व चिकित्सा शिक्षा महासंघ (World Federation for Medical Education- WFME)** मान्यता भी प्राप्त की है, जिसका अर्थ है कि एनएमसी द्वारा प्रदान की गई चिकित्सा डिग्रियों को विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त है।
  - WFME की स्थापना वर्ष 1972 में विश्व चिकित्सा संघ, विश्व स्वास्थ्य संगठन और अन्य संगठनों द्वारा की गई थी।

NGT ने ठोस अपशिष्ट फेंकने पर जुर्माना लगाया

चर्चा में क्यों?

हाल ही में **राष्ट्रीय हरित अधिकरण (National Green Tribunal- NGT)** ने उत्तर प्रदेश के **अनाधिकृत क्षेत्रों में अपशिष्ट फैलाने या ठोस अपशिष्ट डालने** पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया है, जिसके उल्लंघन पर 5,000 रुपए से 50,000 रुपए तक का जुर्माना लगाया जाएगा।

मुख्य बिंदु:

- न्यायालय के अनुसार, उल्लंघनकर्त्ता को **पहली बार में 5,000 रुपए का पर्यावरण मुआवज़ा देना होगा,** तथा आगे भी अपशिष्ट फेंकने अथवा **ठोस अपशिष्ट डालने की घटनाओं पर 10,000 रुपए का मुआवज़ा** देना होगा।
- यदि कोई **थोक अपशिष्ट उत्पादक,** रियायतग्राही, शहरी स्थानीय निकाय या कोई अन्य व्यक्ति भारी मात्रा में अपशिष्ट फैलाते या डंप करते हुए पकड़ा जाता है, तो **पहली बार अपराध करने पर 25,000 रुपए का जुर्माना** लगाया जाएगा तथा उसके बाद के **किसी भी अपराध के लिये 50,000 रुपए का जुर्माना** लगाया जाएगा।
- NGT ने यह आदेश **राप्ती नदी** के तटबंध पर अपशिष्ट डाले जाने से जल प्रदूषण होने संबंधी याचिका पर पारित किया।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

राष्ट्रीय हरित अधिकरण (National Green Tribunal- NGT)

- यह **पर्यावरण संरक्षण तथा वनों और अन्य प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण से संबंधित मामलों** के प्रभावी व शीघ्र निपटान के लिये **राष्ट्रीय हरित अधिकरण अधिनियम, 2010 के तहत स्थापित एक विशेष निकाय** है।
- ऑस्ट्रेलिया एवं न्यूज़ीलैंड के बाद, **भारत राष्ट्रीय हरित अधिकरण (NGT) के गठन के साथ एक समर्पित पर्यावरण न्यायाधिकरण स्थापित करने वाला विश्व का तीसरा देश** और पहला विकासशील देश बन गया।
- राष्ट्रीय हरित अधिकरण (NGT) को आवेदनों अथवा अपीलों का अंतिम रूप से निपटान दायर होने के 6 महीने के भीतर करना अनिवार्य है।
- राष्ट्रीय हरित अधिकरण (NGT) के पाँच बैठक स्थान हैं, **नई दिल्ली इसकी मुख्य बैठक स्थान है** तथा भोपाल, पुणे, कोलकाता और चेन्नई अन्य चार हैं।

उत्तर प्रदेश में एंटी रोमियो स्क्वाड को पुन: सक्रिय किया गया

चर्चा में क्यों?

हाल ही में **उत्तर प्रदेश** के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने **एंटी रोमियो स्क्वाड टीमों को पुन: सक्रिय करने** के निर्देश दिये।

मुख्य बिंदु:

- मुख्यमंत्री ने **भयमुक्त वातावरण** की आवश्यकता पर बल दिया और **महिला सुरक्षा** को प्राथमिकता दी तथा ज़िला स्तरीय अधिकारियों को जन सुनवाई एवं संवाद सुनिश्चित करने के निर्देश दिये।
- **एंटी रोमियो स्क्वाड:**
  - इनका उद्देश्य **महिलाओं के साथ छेड़छाड़ पर अंकुश लगाना तथा उन्हें अधिक सुरक्षा प्रदान करना था।**
  - इसका उद्देश्य लड़कियों के कॉलेजों के बाहर उनके साथ **छेड़छाड़ और छेड़खानी में शामिल** पाए जाने वाले **लड़कों के खिलाफ कार्यवाही** करना है।
  - लेकिन युगलों को सिर्फ इसलिये रोक दिया गया क्योंकि वे एक साथ देखे गए थे, हालाँकि स्क्वाड के पास उन्हें रोकने का कोई कानूनी अधिकार नहीं था।

उत्तर प्रदेश में कृषि व्यवसाय परियोजना शुरू की जाएगी

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश सरकार ग्रामीण आय को बढ़ावा देने के उद्देश्य से **विश्व बैंक** द्वारा **वित्त पोषित** 4,000 करोड़ रुपए की **कृषि व्यवसाय और उद्यमिता परियोजना** शुरू करने की तैयारी कर रही है।

मुख्य बिंदु

- इस पहल से पूर्वी उत्तर प्रदेश और **बुंदेलखंड क्षेत्र** के 28 ज़िलों के किसानों, कृषि समूहों तथा कृषि **सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (MSME)** को लाभ होगा।
- अनुमान है कि इस परियोजना से दस लाख किसानों को लाभ मिलेगा, जिनमें कृषि **स्वयं सहायता समूहों (SHG)** से जुड़ी 30% ग्रामीण महिलाएँ भी शामिल हैं।
  - परियोजना के तहत 100,000 मछुआरों को वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी
  - इसके अतिरिक्त, 500 किसानों को उन्नत कृषि तकनीकों के प्रशिक्षण के लिये अंतर्राष्ट्रीय दौरों पर भेजा जाएगा।
- सरकार **उच्च उपज देने वाली बीज किस्मों** और कृषि बुनियादी ढाँचे में निवेश करने, कृषि क्षेत्र के लिये एक डिजिटल प्लेटफॉर्म विकसित करने तथा किसानों की आय बढ़ाने के लिये **कार्बन क्रेडिट बाज़ार** का लाभ उठाने में उनकी सहायता करने की आशा रखती है।

कार्बन बाज़ार

- **कार्बन बाज़ार मूलत: कार्बन उत्सर्जन पर मूल्य निर्धारण करने का एक साधन है** - वे व्यापार प्रणालियाँ स्थापित करते हैं जहाँ कार्बन क्रेडिट या अनुमतियाँ खरीदी और बेची जा सकती हैं।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- कार्बन क्रेडिट एक प्रकार का **व्यापार योग्य परमिट** है, जो **संयुक्त राष्ट्र** के मानकों के अनुसार, वायुमंडल से **एक टन कार्बन डाइऑक्साइड को हटाने**, कम करने या पृथक करने के बराबर होता है।
- इस बीच, कार्बन अनुमतियाँ या सीमाएँ, **देशों या सरकारों द्वारा** उनके उत्सर्जन कटौती लक्ष्यों के अनुसार **निर्धारित** की जाती हैं।
- कार्बन ट्रेडिंग की औपचारिक शुरुआत संयुक्त राष्ट्र के **क्योटो प्रोटोकॉल** के तहत वर्ष 1997 में हुई थी।

उत्तर प्रदेश विभाजन विभीषिका का स्मरण करेगा

चर्चा में क्यों?

सूत्रों के अनुसार, **उत्तर प्रदेश** सरकार **14 अगस्त, 2024** को **विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस** मनाने की तैयारी कर रही है।

मुख्य बिंदु

- भारत के **विभाजन के दौरान मृत्यु को प्राप्त होने वालों को श्रद्धांजलि देने के लिये, 'विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस'** मनाने का निर्णय लिया गया है।
- यह **भेदभाव, दुश्मनी और दुर्भावना को समाप्त करने के लिये** एक शक्तिशाली **अनुस्मारक के रूप में कार्य करता है,** साथ ही **एकता, सामाजिक सद्भाव एवं मानवता के सशक्तीकरण को भी प्रेरित करता है।**
- इस अवसर पर, राज्य सरकार राज्य के 75 ज़िलों में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन करेगी।
- स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों के साथ-साथ प्रदर्शनी स्थल पर भी **'विभाजन' से संबंधित फिल्में एवं वृत्तचित्र दिखाए जाएंगे।**
- **विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों के विद्यार्थियों को इन प्रदर्शनियों का भ्रमण कराया जाएगा** और उन्हें इस ऐतिहासिक घटना से अवगत कराया जाएगा।

भारत का विभाजन

- यह **विभाजन धार्मिक भेदभाव पर आधारित** था, जिसमें भारत मुख्यत: हिंदू राष्ट्र के रूप में उभरा तथा पाकिस्तान मुसलमानों के लिये एक पृथक देश के रूप में स्थापित हुआ।
- **वर्ष 1947 में भारत का विभाजन दक्षिण एशियाई इतिहास में एक महत्त्वपूर्ण क्षण था,** जिसके परिणामस्वरूप **ब्रिटिश भारत** दो स्वतंत्र देशों: **भारत और पाकिस्तान** में विभाजित हो गया।
  - विभाजन **बढ़ते धार्मिक तनाव** और अलग राष्ट्र की मांग का परिणाम था।
- इस प्रक्रिया में व्यापक **हिंसा और बड़े पैमाने पर पलायन हुआ, क्योंकि लाखों लोग दो नवगठित राष्ट्रों के बीच आवागमन करते रहे।**
- **विभाजन के कारण इतिहास में सबसे बड़ा और सबसे दुखद मानव पलायन शुरू हुआ,** जिसके साथ **सांप्रदायिक दंगे एवं अंतर-धार्मिक संघर्ष** भी हुए।
  - विभाजन की विरासत इस क्षेत्र को प्रभावित कर रही है तथा भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव जारी है, विशेष रूप से **कश्मीर के विवादित क्षेत्र** को लेकर।

उत्तर प्रदेश में 2028 तक पर्यटन में पाँच गुना वृद्धि का लक्ष्य

चर्चा में क्यों?

सूत्रों के अनुसार, **उत्तर प्रदेश सरकार पर्यटन स्थलों और बुनियादी ढाँचे का पुनरुद्धार कर रही है,** जिसका लक्ष्य **वर्ष 2028 तक पर्यटन को पाँच गुना बढ़ाना है।**

इसका लक्ष्य **70,000 करोड़ रुपए का सकल मूल्यवर्द्धन (GVA)** प्राप्त करना और **80 करोड़ पर्यटकों को आकर्षित** करना है।

मुख्य बिंदु

- राज्य सरकार **राज्य में पर्यटन को बढ़ावा देने हेतु** पिछले साढ़े सात वर्षों से **पर्यटन स्थलों के पुनरोद्धार और परिवहन बुनियादी ढाँचे को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित कर रही है।**

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- इस पहल के परिणामस्वरूप पर्यटकों की संख्या में पर्याप्त वृद्धि हुई है **तथा वर्ष 2023 में 48 करोड़ से अधिक पर्यटकों ने उत्तर प्रदेश** की मनोरम सुंदरता का आनंद उठाया।

- **काशी, अयोध्या, मथुरा, चित्रकूट**, प्रयागराज, नैमिषारण्य और गोरखपुर जैसे आध्यात्मिक महत्त्व के शहरों में पर्यटन बढ़ा है।
  - सरकार इन शहरों में उच्चस्तरीय बुनियादी ढाँचे में सुधार कर रही है और पर्यटकों को विभिन्न स्थलों की खोज करने हेतु प्रेरित कर रही है।
  - **एक ज़िला, एक उत्पाद (One District, One Product- ODOP)** पहल यात्रियों को स्थानीय उत्पादों को दिखाने में महत्त्वपूर्ण है।
- **सरकार होटल, गेस्ट हाउस और होमस्टे की पहुँच बढ़ाने** पर भी ध्यान केंद्रित कर रही है।
  - इसके साथ ही, वे पर्यटकों की बढ़ती संख्या की आवश्यकताओं को पूर्ण करने हेतु **सरकारी पर्यटक और राही बंगलों को पुनर्जीवित** करने की योजना बना रहे हैं।

एक ज़िला एक उत्पाद (ODOP) पहल

- ODOP देश के प्रत्येक ज़िले के एक उत्पाद को बढ़ावा देने और ब्रांडिंग करके **ज़िला स्तर पर आर्थिक विकास को बढ़ावा देने की एक पहल** है।
- इसका उद्देश्य **प्रत्येक ज़िले की स्थानीय क्षमता, संसाधनों, कौशल और संस्कृति का लाभ उठाना** तथा घरेलू एवं अंतर्राष्ट्रीय बाज़ारों में उनके लिये **एक विशिष्ट पहचान बनाना** है।
- ODOP की अवधारणा **पहली बार उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा जनवरी 2018** में शुरू की गई थी।
- **देश के सभी 761 ज़िलों से 1000 से ज़्यादा उत्पादों का चयन किया गया है।** इस पहल में **कपड़ा, कृषि, प्रसंस्कृत सामान, फार्मास्यूटिकल्स और औद्योगिक वस्तुओं** सहित कई क्षेत्रों को **शामिल किया गया है।**
- इसके अलावा, जनवरी 2023 में **स्विट्ज़रलैंड के दावोस** में **विश्व आर्थिक मंच** में **भारतीय मंडप** में कई ODOP उत्पाद प्रदर्शित किये गए।

विद्या समीक्षा केंद्रों के लिये टोल-फ्री नंबर

चर्चा में क्यों?

सूत्रों के अनुसार, **उत्तर प्रदेश सरकार शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार** के प्रयासों के तहत **विद्या समीक्षा केंद्रों** के लिये एक **टोल-फ्री नंबर प्रणाली** लागू करने की तैयारी में है।

मुख्य बिंदु:

- यह टोल-फ्री लाइन **फीडबैक एकत्र करने, चिंताओं का समाधान करने तथा अभिभावकों, छात्रों और शिक्षकों से स्कूल शिक्षा संबंधी पूछताछ का समाधान करने के लिये एक मंच के रूप में** कार्य करेगी।
  - यह विभिन्न शैक्षिक चिंताओं के समाधान के लिये **इंटरैक्टिव वॉयस रिस्पांस (Interactive Voice Response- IVR) तकनीक** का उपयोग करेगा।
- इस पहल से राज्य में प्राथमिक, उच्च प्राथमिक और समग्र स्कूल स्तर पर छात्रों को सहायता प्रदान करने के लिये **सार्वजनिक भागीदारी बढ़ाने तथा शिक्षा प्रणाली को मज़बूत** करने की उम्मीद है।
  - इसके अतिरिक्त, सभी विद्या समीक्षा केंद्रों को भी इस प्रक्रिया में शामिल किया जाएगा।

विद्या समीक्षा केंद्र (Vidya Samiksha Kendras- VSK)

- **परिचय:**
  - VSK का उद्देश्य अधिगम के परिणामों में बड़ी उपलब्धि के लिये **डेटा और प्रौद्योगिकी का लाभ उठाना** है।
  - इसमें **15 लाख से अधिक स्कूलों,** 96 लाख शिक्षकों और 26 करोड़ छात्रों के डेटा को कवर किया जाएगा तथा शिक्षा प्रणाली की समग्र निगरानी को बढ़ाने के लिये बिग डेटा विश्लेषण, **कृत्रिम बुद्धिमत्ता (Artificial Intelligence- AI)** एवं मशीन लर्निंग का उपयोग करके उनका सार्थक विश्लेषण किया जाएगा, जिससे अधिगम परिणामों में सुधार होगा।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- **उद्देश्य:**
  - समग्र शिक्षा के दायरे में **विभिन्न परियोजनाओं/ गतिविधियों की वास्तविक समय स्थिति** की निगरानी करना।
  - नामांकित छात्रों पर नज़र रखना, जिसमें **अधिगम के परिणाम,** स्कूल छोड़ने वाले छात्र, शिक्षकों और स्कूलों द्वारा अपेक्षित सहायता आदि शामिल हैं।
  - **क्षेत्र स्तर की शैक्षणिक और गैर-शैक्षणिक गतिविधियों** की राज्य स्तर पर **निगरानी तथा ट्रैक करना** एवं क्षेत्र में प्रशासकों व शिक्षकों को डेटा आधारित निर्णय लेने हेतु सशक्त बनाना।
  - स्कूल पारिस्थितिकी तंत्र के हितधारकों के लिये **शिकायत निवारण तंत्र हेतु एक केंद्रीकृत सहायता डेस्क** स्थापित करना।
  - निर्णय लेने और कार्यान्वयन में सुधार के लिये क्षेत्रों की पहचान तथा उनका विश्लेषण करना जिन पर तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता है।

राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं में समस्याओं का समाधान

चर्चा में क्यों?

एक आधिकारिक बयान में **उत्तर प्रदेश** के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने **केंद्र को राज्य में राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं के क्रियान्वयन में किसी भी समस्या** का समय पर **समाधान करने का आश्वासन** दिया।

मुख्य बिंदु

- उत्तर प्रदेश में राष्ट्रीय राजमार्गों के विस्तार के लिये **विभागीय भूमि निशुल्क उपलब्ध** कराई जाएगी।
  - भूमि अधिग्रहण एवं मुआवज़ा वितरण की प्रक्रिया निर्धारित समय में पूरी कर ली जाएगी।
- मुख्यमंत्री ने वर्ष 2025 में आयोजित होने वाले **महाकुंभ** से संबंधित परियोजनाओं को पूर्ण करने की आवश्यकता पर भी बल दिया।

महा कुंभ

- कुंभ मेला **संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन (मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की UNESCO प्रतिनिधि सूची)** के अंतर्गत आता है।
- यह पृथ्वी पर तीर्थयात्रियों का सबसे बड़ा शांतिपूर्ण समागम है, जिसके दौरान प्रतिभागी पवित्र नदी में स्नान करते हैं या डुबकी लगाते हैं।
  - यह **नासिक में गोदावरी नदी, उज्जैन में शिप्रा नदी,** हरिद्वार में गंगा और **प्रयागराज में गंगा, यमुना** तथा पौराणिक **सरस्वती नदी** के संगम पर होता है। इस को 'संगम' कहा जाता है।
- चूँकि यह भारत के चार अलग-अलग शहरों में आयोजित किया जाता है, इसमें विभिन्न सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियाँ शामिल होती हैं, जिससे यह **सांस्कृतिक रूप से विविधतापूर्ण** त्योहार बन जाता है। एक **महीने से अधिक समय तक चलने वाले इस मेले** में एक विशाल तंबूनुमा बस्ती का निर्माण किया जाता है, जिसमें झोपड़ियाँ, मंच, नागरिक सुविधाएँ, प्रशासनिक और सुरक्षा उपाय शामिल होते हैं।
  - इसका आयोजन सरकार, स्थानीय प्राधिकारियों और पुलिस द्वारा
  - अत्यंत कुशलतापूर्वक किया जाता है।
- यह मेला विशेष रूप से वनों, पहाड़ों और गुफाओं के सुदूर स्थानों से आये **धार्मिक तपस्वियों की असाधारण उपस्थिति के लिये प्रसिद्ध** है।

युवाओं में उद्यमशीलता को बढ़ावा देने की योजना

चर्चा में क्यों?

हाल ही में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने युवाओं को सशक्त बनाने के उद्देश्य से एक नई पहल, **मुख्यमंत्री युवा उद्यम विकास अभियान योजना** शुरू करने की घोषणा की।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

मुख्य बिंदु

- इस योजना के तहत उद्यमिता में रुचि रखने वाले युवाओं को वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी, जिसका लक्ष्य राज्य भर में दस लाख **सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (MSME)** इकाइयाँ स्थापित करना है।राज्य में किये गए निवेश के माध्यम से **16.2 मिलियन से अधिक युवाओं को रोज़गार** मिला है।
- केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ उठाकर 62 लाख युवाओं को **स्वरोज़गार के अवसरों** से जोड़ा गया है।
- **उद्यमिता को और बढ़ावा देने के लिये,** नए उद्यमों को वित्तपोषित करने के लिये **एक समर्पित स्टार्ट-अप फंड की स्थापना की गई है।**

भूमि रिकॉर्ड में अनियमितता के कारण UP रेरा द्वारा 400 परियोजनाओं पर रोक

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश भू-संपदा विनियामक प्राधिकरण (यूपी रेरा) ने अपने पोर्टल पर लगभग 400 परियोजनाओं को रोक दिया है, क्योंकि डेवलपर्स आवश्यक भूमि रिकॉर्ड, नक्शे या दोनों अपलोड करने में विफल रहे।

- इनमें से कई परियोजनाएँ **राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (NCR)** में स्थित हैं।

प्रमुख बिंदु:

- **कार्रवाई का कारण:** वर्ष 2018 से लगातार नोटिस देने के बावजूद कई प्रमोटरों (प्रवर्तकों) ने इन दस्तावेज़ों को अपलोड नहीं किया।
- **उद्देश्य:** इस निर्णय का उद्देश्य आवंटियों को निवेश करने से पूर्व इन परियोजनाओं की स्थिति के बारे में जानकारी सुनिश्चित करके **संभावित धोखाधड़ी** से बचाना है।
- **वर्तमान अनुपालन: 400 परियोजनाओं में से केवल 57** ने आवश्यक स्पष्टीकरण या दस्तावेज़ प्रदान किये हैं।
- **भविष्य के कदम:** प्रमोटरों को आवश्यक दस्तावेज़ शीघ्र अपलोड करने की चेतावनी दी गई है, अन्यथा उन्हें सख्त दंडात्मक कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा।

भू-संपदा (विनियमन और विकास) अधिनियम, 2016

भू-संपदा (विनियमन और विकास) अधिनियम, 2016 भारत की संसद का एक अधिनियम है, जिसका उद्देश्य घर खरीदारों की सुरक्षा के साथ-साथ भू-संपदा उद्योग में निवेश को बढ़ावा देना है।

- यह अधिनियम 1 मई 2016 से लागू हुआ।
- **उद्देश्य:**
  - **भू-संपदा क्षेत्र** के विनियमन एवं संवर्द्धन के लिये **भू-संपदा विनियामक प्राधिकरण** की स्थापना करना।
  - परियोजनाओं में पारदर्शिता सुनिश्चित करना।
  - भू-संपदा क्षेत्र में उपभोक्ताओं के हितों को संरक्षित करना और विवादों के त्वरित समाधान हेतु न्याय निर्णय व्यवस्था स्थापित करना।
  - बिल्डर के बारे में उचित जानकारी प्रदान करना।
  - भू-संपदा क्षेत्र को कैसे विकसित और बढ़ावा दिया जाए, इस पर सरकार को परामर्श देना।

कैलिफोर्नियम

चर्चा में क्यों?

हाल ही में बिहार के गोपालगंज में पुलिस ने **50 ग्राम कैलिफोर्नियम** नामक पदार्थ ज़ब्त किया, जो कि अत्यधिक रेडियोधर्मी धातु है और इसकी कीमत **850 करोड़ रुपए** है।

- हालाँकि **परमाणु ऊर्जा विभाग (DAE)** और **भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र (BARC)** द्वारा किये गए **प्रारंभिक परीक्षणों** में कोई **रेडियोधर्मिता नहीं** पाई गई।

मुख्य बिंदु:

- **कैलिफोर्नियम के बारे में:**
  - कैलिफोर्नियम का नाम अमेरिकी राज्य कैलिफोर्निया और विश्वविद्यालय के नाम पर रखा गया है।
  - इसे पहली बार 1950 में कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, बर्कले के शोधकर्त्ताओं द्वारा संश्लेषित किया गया था।
  - कैलिफोर्नियम एक **चाँदी-सफेद रंग की सिंथेटिक रेडियोधर्मी धातु** है, जिसकी आवर्त सारणी में **परमाणु संख्या 98** है।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- यह **प्राकृतिक** रूप से नहीं पाया जाता है और इसका उत्पादन **नाभिकीय अभिक्रियाओं** विशेष रूप से **क्यूरियम पर** हीलियम आयनों की **बमबारी** के माध्यम से होता है।
  - **क्यूरियम** एक **कठोर धातु** है जिसका **परमाणु क्रमांक 96** और **प्रतीक Cm** है। यह धातु परमाणु रिएक्टरों में कृत्रिम रूप से उत्पादित की जाती है।
  - **हीलियम आयन** हीलियम का **एक धनात्मक आवेशित परमाणु** होता है, जिसे आमतौर पर He^+ के रूप में दर्शाया जाता है। यह तब बनता है जब हीलियम परमाणु अपने एक या अधिक इलेक्ट्रॉन खो देता है।
- **गुण:**
  - कैलिफोर्नियम **अत्यधिक रेडियोधर्मी** है और मूल्यवान तथा खतरनाक दोनों है।
  - यह आवर्त सारणी पर **एक्टिनाइड श्रृंखला** से संबंधित है।
  - उल्लेखनीय समस्थानिकों में **Cf-251** शामिल है, जो **898 वर्ष की अर्द्ध आयु**के साथ सबसे अधिक स्थिर है, साथ ही **Cf-249** और **Cf-250** भी शामिल हैं, जिनकी **अर्द्ध आयु** इससे भी कम है।

रेडियोधर्मिता:

- यह कुछ अस्थिर परमाणुओं (रेडियोन्यूक्लाइड) का गुण है कि वे स्वत: ही नाभिकीय विकिरण उत्सर्जित करते हैं, आमतौर पर **अल्फा कण** या **बीटा कण**, जिनके साथ प्राय: **गामा किरणें** भी होती हैं।

परमाणु ऊर्जा विभाग:

- **परमाणु ऊर्जा विभाग (DAE)** की स्थापना **3 अगस्त, 1954** को **राष्ट्रपति के आदेश** के माध्यम से **प्रधानमंत्री** के प्रत्यक्ष प्रभार के अधीन की गई थी।
- इस आदेश के अनुसार, **परमाणु ऊर्जा** से संबंधित भारत सरकार के सभी व्यवसाय तथा **परमाणु ऊर्जा अधिनियम, 1948** के अंतर्गत केंद्र सरकार के कार्यों को **परमाणु ऊर्जा विभाग** में ही संचालित करने का निर्देश दिया गया।

भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र (BARC):

- BARC भारत की **अग्रणी परमाणु अनुसंधान सुविधा** है जो **परमाणु ऊर्जा विभाग** के अधीन संचालित होती है।
- एक **बहु-विषयक अनुसंधान केंद्र के रूप में**, BARC परमाणु विज्ञान, इंजीनियरिंग और संबंधित क्षेत्रों की पूरी श्रृंखला में उन्नत अनुसंधान एवं विकास के लिये व्यापक बुनियादी ढाँचे से सुसज्जित है।
- यह **भारतीय परमाणु ऊर्जा निगम (NPCIL)** के लिये प्राथमिक अनुसंधान सहायता के रूप में भी कार्य करता है, जो भारत के सभी परमाणु रिएक्टरों का प्रबंधन करता है।

उत्तर प्रदेश में जन्माष्टमी

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश में विशेष रूप से **अयोध्या** और **वृंदावन** में **जन्माष्टमी उत्सव** मनाया जा रहा है, जहाँ भक्त मंदिरों में जा रहे हैं तथा त्योहार के लिये खरीदारी कर रहे हैं।

प्रमुख बिंदु:

- **कृष्ण जन्माष्टमी**, जिसे **गोकुलाष्टमी** या **श्रीकृष्ण जयंती** भी कहा जाता है, **विष्णु के आठवें अवतार** भगवान कृष्ण के जन्म का जश्न मनाने वाला एक प्रमुख हिंदू त्योहार है।
- कृष्ण जन्माष्टमी आमतौर पर **अगस्त या सितंबर** में **चंद्र-सौर हिंदू कैलेंडर** के **भाद्रपद महीने** में **कृष्ण पक्ष** की **अष्टमी (आठवें दिन)** को मनाई जाती है।
- **जन्माष्टमी** का एक प्रमुख आकर्षण **"दही हांडी"** उत्सव है।

उत्तर प्रदेश के महत्त्वपूर्ण मेले

ताज महोत्सव:

- यह **आगरा के शिल्पग्राम** में प्रतिवर्ष आयोजित होने वाला एक जीवंत **10 दिवसीय उत्सव** है। यह उत्सव 18वीं और 19वीं शताब्दी के दौरान उत्तर प्रदेश में पनपी समृद्ध **मुगल तथा नवाबी संस्कृति** से प्रेरित है।

कुंभ मेला:

- **कुंभ मेला** विश्व के **सबसे बड़े धार्मिक आयोजनों** में से एक है, जिसे **हिंदुओं** द्वारा प्रत्येक **12 वर्ष** में भारत में चार

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

स्थानों पर मनाया जाता है: **प्रयागराज, हरिद्वार, नासिक और उज्जैन।**

- तीर्थयात्री आध्यात्मिक शुद्धि की तलाश में पवित्र नदियों (गंगा, यमुना, सरस्वती, गोदावरी और शिप्रा) में स्नान करने के लिये एकत्र होते हैं।

- **गंगा महोत्सव:**
  - गंगा नदी भारत के लिये बहुत महत्त्वपूर्ण है और इसने अपने तट पर कई सभ्यताओं को पोषित किया है। **कार्तिक महीने** के दौरान **वाराणसी** में नदी देवी को उनके आशीर्वाद के लिये धन्यवाद देने के लिये त्योहार मनाया जाता है।
    - घाटों को रोशनी और फूलों से सजाया जाता है और कार्तिक पूर्णिमा पर लोग नदी के किनारे मिट्टी के दीये जलाने एवं प्रवाहित करने के लिये एकत्रित होते हैं।

वाराणसी में SLCR परियोजना

चर्चा में क्यों?

हाल ही में **भारत और डेनमार्क सरकारों के बीच हरित रणनीतिक साझेदारी** ने प्रमुख सहयोग को सुगम बनाया है, जिसके परिणामस्वरूप **वाराणसी में स्वच्छ नदियों पर स्मार्ट प्रयोगशाला (SLCR)** की स्थापना हुई है।

प्रमुख बिंदु

- यह **भारत सरकार (जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग), भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान - बनारस हिंदू विश्वविद्यालय ((IIT-BHU) तथा डेनमार्क सरकार** के बीच छोटी नदियों के पुनरुद्धार एवं प्रबंधन में उत्कृष्टता लाने के लिये एक अनूठी त्रिपक्षीय पहल है।
- SLCR का उद्देश्य सतत् उपायों का उपयोग करके **वरुणा नदी** को बहाल करना है।
  - इसके लक्ष्यों में सरकारी एजेंसियों, शैक्षणिक संस्थानों और स्थानीय समुदायों के लिये ज्ञान का आदान-प्रदान करने तथा स्वच्छ नदी जल को बनाए रखने के लिये समाधान तैयार करने के लिये एक सहयोगी मंच स्थापित करना शामिल है
  - इस पहल में IIT-BHU में एक हाइब्रिड लैब मॉडल और वरुणा नदी पर एक जीवित प्रयोगशाला शामिल है, ताकि वास्तविक दुनिया के वातावरण में समाधानों का परीक्षण एवं पैमाना बनाया जा सके।
- **भारत-डेनमार्क संयुक्त संचालन समिति (JSC)** SLCR के लिये सर्वोच्च मंच है जो रणनीतिक मार्गदर्शन प्रदान करती है और प्रगति की समीक्षा करती है।
- **राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन (NMCG), केंद्रीय जल आयोग (CWC), केंद्रीय भूजल बोर्ड (CGWB), IIT-BHU और डेनमार्क के शहरी क्षेत्र परामर्शदाता के सदस्यों वाली परियोजना समीक्षा समिति (PRC) परियोजना स्तर पर गुणवत्ता नियंत्रण की देख-रेख करेगी।**
- सहयोग के तहत **चार परियोजनाएँ** शुरू की जाएंगी:
  - पहली परियोजना में **जल प्रबंधन के लिये निर्णय समर्थन प्रणाली (DSS)** का निर्माण करना शामिल है, जिसे जल विज्ञान मॉडल, परिदृश्य निर्माण, पूर्वानुमान और डेटा विश्लेषण का उपयोग करके बेसिन जल गतिशीलता का विश्लेषण करने के लिये डिज़ाइन किया गया है।
  - दूसरी परियोजना उभरते **प्रदूषकों के लक्षण-निर्धारण और फिंगरप्रिंट विश्लेषण** पर केंद्रित है। इसमें प्रदूषकों की पहचान तथा मात्रा निर्धारित करने के लिये क्रोमैटोग्राफी एवं मास स्पेक्ट्रोमेट्री जैसी उन्नत विश्लेषणात्मक तकनीकों का उपयोग किया जाएगा।
  - **रिचार्ज साइट्स के लिये वरुणा बेसिन का हाइड्रोजियोलॉजिकल मॉडल** चौथी परियोजना होगी। इसका उद्देश्य **प्रबंधित जलभृत पुनर्भरण (MAR) के माध्यम से बेस फ्लो को बढ़ाना** है।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

वरुणा नदी

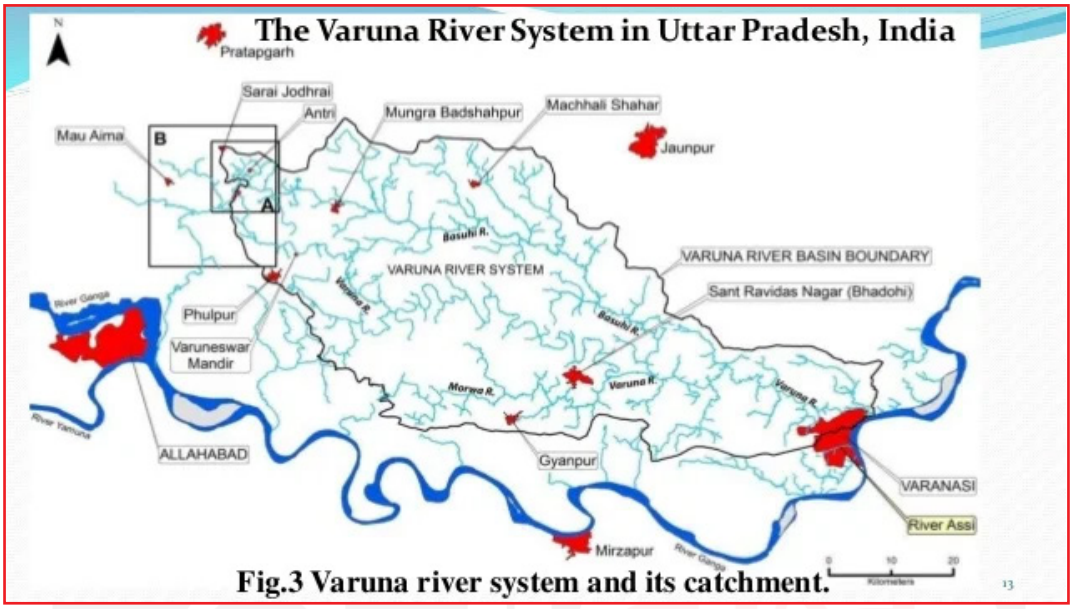

Fig.3 Varuna river system and its catchment.

- यह **गंगा नदी की एक छोटी सहायक नदी** है। यह **प्रयागराज ज़िले के फूलपुर शहर** से बहती है
  - यह **वाराणसी ज़िले** के सराय मोहना गाँव के पास **गंगा नदी में मिल जाती** है
- **'वाराणसी' ज़िले का नाम** दो नदियों, **वरुणा और अस्सी नदियों** के नाम से लिया गया है।

उत्तर प्रदेश का 2028 तक अधिक पर्यटकों को आकर्षित करने का लक्ष्य

चर्चा में क्यों?

सूत्रों के अनुसार, **उत्तर प्रदेश** भारत में एक **प्रमुख पर्यटन स्थल** बनने के लिये तैयार है, जिसका वर्ष **2028 तक 80 करोड़ पर्यटकों को आकर्षित करने का लक्ष्य** है।

मुख्य बिंदु

- **उत्तर प्रदेश में पर्यटकों की संख्या में भारी वृद्धि देखी गई**, जो वर्ष 2016-17 में 23 करोड़ से बढ़कर वर्ष 2023-24 में 48 करोड़ हो गई, जो **51% की वृद्धि** है।
- राज्य सरकार प्रमुख स्थानों को बढ़ावा देने के लिये **राज्य भर में 12 नए पर्यटन सर्किट** विकसित कर रही है।
  - 12 नए पर्यटन सर्किट हैं: **रामायण सर्किट, सूफी-कबीर सर्किट, बुंदेलखंड सर्किट, जैन सर्किट, कृष्ण-ब्रज सर्किट, शक्ति-पीठ सर्किट, महाभारत सर्किट, वन्यजीव और ECO पर्यटन सर्किट, स्वतंत्र संग्राम सर्किट, आध्यात्मिक सर्किट, बौद्ध सर्किट एवं शिल्प सर्किट**।
- पर्यटकों की बढ़ती संख्या को ध्यान में रखते हुए **स्थानीय अवसंरचना और आवास विकल्पों में सुधार** के प्रयास किये जा रहे हैं।
- राज्य **आध्यात्मिक पर्यटन** पर ध्यान केंद्रित कर रहा है, जिसके तहत बड़ी संख्या में श्रद्धालु **अयोध्या, काशी, मथुरा, नैमिषारण्य और प्रयागराज** जैसे धार्मिक स्थलों पर जाते हैं।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- मुख्यमंत्री ने औद्योगिक विकास के साथ-साथ पर्यटन को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर बल दिया है तथा पर्यटन क्षेत्र के योगदान को बढ़ाने के लिये **ताजमहल** और **राम मंदिर** जैसी राज्य की सांस्कृतिक व आध्यात्मिक संपत्तियों का लाभ उठाया है।

उत्तर प्रदेश के महत्त्वपूर्ण मेले

- **ताज महोत्सव:**
  - यह **आगरा के शिल्पग्राम** में प्रतिवर्ष आयोजित होने वाला **एक जीवंत 10 दिवसीय उत्सव** है। यह उत्सव 18वीं और 19वीं शताब्दी के दौरान उत्तर प्रदेश में पनपी **समृद्ध मुगल एवं नवाबी संस्कृति** से प्रेरित होता है।
- **कुंभ मेला:**
  - यह **विश्व के सबसे बड़े धार्मिक आयोजनों में से एक** है, जिसे हिंदुओं द्वारा **हर 12 वर्ष में भारत में चार स्थानों** :प्रयागराज, हरिद्वार, नासिक और **उज्जैन** में मनाया जाता है।
  - तीर्थयात्री आध्यात्मिक शुद्धि की तलाश में **पवित्र नदियों** (**गंगा**, **यमुना**, **सरस्वती**, **गोदावरी** और **शिप्रा**) में स्नान करने के लिये एकत्र होते हैं।
- **गंगा महोत्सव:**
  - **गंगा नदी** भारत के लिये बहुत महत्त्वपूर्ण है और इसने अपने तटों पर कई सभ्यताओं को सहारा दिया है। **कार्तिक महीने के दौरान वाराणसी में** नदी देवी को उनके आशीर्वाद के लिये अपना आभार व्यक्त करने तथा उनसे और अधिक मांगने के लिये यह महोत्सव मनाया जाता है।
  - घाटों को रोशनी और फूलों से सजाया जाता है तथा कार्तिक पूर्णिमा पर लोग नदी के किनारे मिट्टी के दीये जलाने एवं प्रवाहित करने के लिये एकत्रित होते हैं।

वायनाड के लिये राहत और पुनर्वास निधि

चर्चा में क्यों?

हाल ही में **उत्तर प्रदेश सरकार** ने **भूस्खलन प्रभावित वायनाड ज़िले** में **राहत और पुनर्वास** प्रयासों में सहायता के लिये **केरल सरकार को 10 करोड़ रुपए मंज़ूर** किये हैं।

प्रमुख बिंदु

- केरल के वायनाड ज़िले में **भारी वर्षा और नाज़ुक पारिस्थितिक स्थितियों** के कारण **जुलाई 2024 की शुरुआत में विनाशकारी भूस्खलन** आपदा आई
- **चूरलमाला और मुंडक्कई गाँवों में भूस्खलन** से कम-से-कम 144 लोगों की मृत्यु हो गई तथा 197 लोग घायल हो गए, ज़िले में **24 घंटे** में **140 mm** से अधिक वर्ष हुई, जिससे मृदा संतृप्त हो गई एवं नीचे की कठोर चट्टानों से उसकी पट्टी कमज़ोर हो गई।

भूस्खलन

- **परिचय:**
  - भूस्खलन एक ढलान पर **चट्टान, मृदा और मलबे का नीचे की ओर खिसकना** है, जिसमें छोटे-मोटे बदलाव से लेकर बड़े, विनाशकारी घटनाक्रम शामिल होते हैं
  - यह **प्राकृतिक या मानव निर्मित ढलानों पर हो सकता है** और **भारी वर्षा**, **भूकंप**, **ज्वालामुखी गतिविधि**, **मानवीय गतिविधियों** तथा भूजल स्तर में बदलाव जैसे कारकों से शुरू होता है।
- **भारत में भूस्खलन के जोखिम को कम करने के लिये सरकारी पहल:**
  - **राष्ट्रीय भूस्खलन जोखिम प्रबंधन रणनीति (2019):** **राष्ट्रीय भूस्खलन जोखिम प्रबंधन रणनीति (2019)** एक व्यापक रणनीति है **जो खतरे के मानचित्रण, निगरानी, प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली, जागरूकता कार्यक्रम, क्षमता निर्माण, नीतियों और स्थिरीकरण उपायों को संबोधित करती है।**
  - **भूस्खलन जोखिम शमन योजना (LRMS):** **भूस्खलन जोखिम शमन योजना (LRMS)** तैयारी के तहत, जिसका उद्देश्य संवेदनशील राज्यों में **भूस्खलन शमन परियोजनाओं के लिये वित्तीय सहायता प्रदान करना है**, जिसमें आपदा निवारण, शमन रणनीतियों और गंभीर भूस्खलनों की निगरानी के लिये अनुसंधान एवं विकास पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- यह पहल **प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली (EWS)** की स्थापना में योगदान देगी तथा क्षमता निर्माण प्रयासों को बढ़ाएगी।

- **बाढ़ जोखिम शमन योजना (FRMS):** बाढ़ आश्रयों, नदी बेसिन-विशिष्ट प्रारंभिक चेतावनी प्रणालियों और बाढ़ की तैयारी तथा निकासी के लिये डिजिटल उन्नयन मानचित्रों के विकास के लिये **बाढ़ जोखिम शमन योजना (FRMS)**।
- **भूस्खलन और हिमस्खलन पर राष्ट्रीय दिशा-निर्देश:** **राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (NDMA)** द्वारा दिशा-निर्देश, जिसमें खतरा आकलन, जोखिम प्रबंधन, संरचनात्मक और गैर-संरचनात्मक उपाय, संस्थागत तंत्र, वित्तीय व्यवस्था तथा सामुदायिक भागीदारी शामिल है।
- **भारत का भूस्खलन एटलस:** यह एक विस्तृत संसाधन है जो देश के संवेदनशील क्षेत्रों में भूस्खलन की घटनाओं का दस्तावेज़ीकरण करता है और इसमें कुछ स्थलों के लिये क्षति का आकलन भी शामिल है। **भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO)** के तहत **राष्ट्रीय सुदूर संवेदन केंद्र (NRSC)** द्वारा विकसित, यह भारत में भूस्खलन से संबंधित महत्त्वपूर्ण जानकारी और अंतर्दृष्टि प्रदान करता है।

संस्कृत विद्यालयों के विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति

चर्चा में क्यों?

हाल ही में उत्तर प्रदेश सरकार ने राज्य के 500 से अधिक **संस्कृत विद्यालयों** में **पढ़ने वाले सभी छात्रों को छात्रवृत्ति** देने का निर्णय लिया है।

मुख्य बिंदु

- राज्य ने **यह शर्त** भी **हटा दी** कि उनकी **पारिवारिक आय वार्षिक 50,000 रुपए से कम होनी चाहिये।**
- इस नई योजना के तहत **कक्षा 6 और 7 के बच्चों को 50 रुपए तथा कक्षा 8 के** बच्चों को **75 रुपए प्रति माह छात्रवृत्ति** दी जाएगी।
- कक्षा 9 और 10 के विद्यार्थियों को 100 रुपए प्रति माह तथा कक्षा 11 एवं **12 के विद्यार्थियों को 200 रुपए प्रतिमाह दिये जायेंगे।**

उत्तर प्रदेश नई सोशल मीडिया पॉलिसी

चर्चा में क्यों?

हाल ही में **उत्तर प्रदेश मंत्रिमंडल** ने एक **नई सोशल मीडिया पॉलिसी** को मंज़ूरी दी, जिसका उद्देश्य **फेसबुक, एक्स, इंस्टाग्राम और यूट्यूब** सहित सभी प्लेटफार्मों पर सामग्री को विनियमित करना है।

मुख्य बिंदु

- नई सोशल मीडिया पॉलिसी के अनुसार, **सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर अपने प्लेटफॉर्म पर सरकार की योजनाओं और पहलों को साझा करके प्रति माह 8 लाख तक की आय अर्जित कर सकते हैं।**
  - देश के विभिन्न भागों एवं विदेशों में रह रहे राज्य के निवासियों को बड़ी संख्या में रोज़गार उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाएगा।
- सूत्रों के अनुसार, लिस्टिंग के लिये एक्स, फेसबुक, इंस्टाग्राम और यूट्यूब को **सब्सक्राइबर तथा फॉलोअर्स के आधार पर चार श्रेणियों में विभाजित किया गया है।**
  - **एक्स, फेसबुक, इंस्टाग्राम** के खाताधारकों या ऑपरेटरों अथवा प्रभावितों को भुगतान के लिये **श्रेणीवार अधिकतम भुगतान सीमा क्रमश: 5 लाख रुपए, 4 लाख रुपए, 3 लाख रुपए और 2 लाख रुपए प्रति माह** निर्धारित की गई है।
  - **यूट्यूब पर** वीडियो, शॉर्ट्स, पॉडकास्ट भुगतान के लिये **श्रेणीवार अधिकतम भुगतान सीमा क्रमश: 8 लाख रुपए, 7 लाख रुपए, 6 लाख रुपए और 4 लाख रुपए प्रति माह** तय की गई है।
- सरकार ने विज्ञापनों को संभालने के लिये एक **डिजिटल एजेंसी 'V-फॉर्म'** को सूचीबद्ध किया है। यह **वीडियो, ट्वीट, पोस्ट और रील दिखाने के लिये ज़िम्मेदार** होगी।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- नीति में **आपत्तिजनक सोशल मीडिया सामग्री से निपटने के लिये दिशा-निर्देश** भी प्रस्तुत किये गए हैं।
  - **सोशल मीडिया पर राष्ट्रविरोधी, असामाजिक, फेक न्यूज़ या भड़काऊ सामग्री पोस्ट करने** पर कार्यवाही की जाएगी।

उत्तर प्रदेश बोर्ड व्यावसायिक शिक्षा शुरू करेगा

चर्चा में क्यों?

सूत्रों के अनुसार, **उत्तर प्रदेश बोर्ड से मान्यता प्राप्त स्कूल कक्षा 6 से ही व्यावसायिक शिक्षा** को शामिल करने की तैयारी कर रहे हैं।

प्रमुख बिंदु

- इसका मुख्य उद्देश्य **छात्रों को कक्षा 12 में पहुँचने तक** विभिन्न व्यावसायिक विषयों में **महत्त्वपूर्ण कौशल प्रदान करना है**, जिससे वे अपने दम पर उद्यमशीलता के क्षेत्र में आगे बढ़ सकें।
- यह परिवर्तनकारी बदलाव **नई शिक्षा नीति (NEP) 2020** और **राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा (NCF)** के तहत लागू किया जा रहा है, जिसमें व्यावसायिक शिक्षा के क्षेत्र में सबसे महत्त्वपूर्ण परिवर्तन हो रहे हैं।
  - **पाठ्यक्रम में कई तरह के विषय शामिल होंगे**, जिनमें पाक कला, कन्फेक्शनरी, मधुमक्खी पालन, नर्सरी प्रबंधन, खाद्य संरक्षण, फल संरक्षण और फसल सुरक्षा शामिल हैं, जिनमें सभी में जीवित जीवों के साथ कार्य करना शामिल है
  - **मशीनरी श्रेणी में** छात्रों को ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग, IT, प्लंबिंग, इलेक्ट्रिकल वर्क, सोलर सिस्टम इंस्टॉलेशन, मोबाइल रिपेयरिंग, टेक्सटाइल डिज़ाइन, फोटोग्राफी, गारमेंट डिज़ाइन और डेकोरेशन, स्टेनोग्राफी, टाइपिंग, प्रिंटिंग, रेडियो तथा टेलीविज़न टेक्नोलॉजी जैसे विषयों का पता लगाने का अवसर मिलेगा
  - **सेवा प्रदाता श्रेणी में** स्वास्थ्य सेवा, खुदरा व्यापार, सुरक्षा, आपदा प्रबंधन, पुस्तकालय विज्ञान, धुलाई और रंगाई, बैंकिंग, अकाउंटेंसी, पर्यटन एवं आतिथ्य में पाठ्यक्रम पेश किये जाएंगे।
- **कक्षा 6 से 10 तक विद्यार्थियों को इन विषयों में आधारभूत शिक्षा दी जाएगी** तथा **कक्षा 11 व 12 में वे इनमें से किसी एक क्षेत्र में विशेषज्ञता हासिल करेंगे।**
  - व्यावसायिक विषयों में हाई स्कूल तक 31 विषय और इंटरमीडिएट तक 44 विषय शामिल हैं। इन विषयों के लिये पाठ्यक्रम **NCERT स्तर** पर तैयार किया जा रहा है।

राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा

- **परिचय:**
  - **NCF नई शिक्षा नीति (NEP) 2020** के प्रमुख घटकों में से एक है, जो NEP 2020 के उद्देश्यों, सिद्धांतों और दृष्टिकोण से सूचित इस परिवर्तन को सक्षम एवं सक्रिय करता है
  - **NCF** में अतीत में चार- वर्ष **1975, 1988, 2000 और 2005** में संशोधन हुए हैं। **प्रस्तावित संशोधन, यदि लागू किया जाता है, तो ढाँचे का पाँचवाँ संशोधन होगा।**
- **NCF के चार खंड:**
  - **स्कूली शिक्षा के लिये NCF (NCF- SE)**
  - **प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा के लिये NCF (आधारभूत चरण)**
  - **शिक्षक शिक्षा के लिये NCF**
  - **वयस्क शिक्षा के लिये NCF**
- **उद्देश्य:**
  - इसका उद्देश्य शिक्षाशास्त्र सहित पाठ्यक्रम में सकारात्मक बदलावों के माध्यम से, NEP 2020 में परिकल्पित भारत की स्कूली शिक्षा प्रणाली को सकारात्मक रूप से बदलने में सहायता करना है
  - इसका उद्देश्य सभी बच्चों के लिये उच्चतम गुणवत्ता वाली शिक्षा का एहसास करना है, जो भारत के संविधान द्वारा परिकल्पित एक समतापूर्ण, समावेशी और बहुलवादी समाज को साकार करने के अनुरूप है

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

उत्तर प्रदेश में प्रमुख रोज़गार पहल

चर्चा में क्यों?

हाल ही में **उत्तर प्रदेश** के मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि राज्य सरकार **अगले दो वर्षों में युवाओं को 2 लाख रोज़गार** उपलब्ध कराएगी।

प्रमुख बिंदु

- मुख्यमंत्री ने **मुज़फ्फरनगर में ज़िला स्तरीय रोज़गार एवं ऋण मेले** के दौरान 5,000 से अधिक युवाओं को नियुक्ति-पत्र वितरित किये।
- उन्होंने चयनित लाभार्थियों और **सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (MSME)** उद्यमियों को 30 करोड़ रुपए से अधिक के ऋण भी वितरित किये, जिसका उद्देश्य उन्हें अपने व्यवसाय को बढ़ाने तथा स्थानीय अर्थव्यवस्था को मज़बूत करने के लिये सशक्त बनाना है
- **स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तीकरण योजना** के तहत 1,000 से अधिक युवाओं को **टैबलेट और स्मार्टफोन** वितरित किये गए
- साथ ही **60,000 से अधिक पुलिस पदों के लिये भर्ती** की घोषणा की।

स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तीकरण योजना

- इस योजना के तहत उच्च शिक्षण संस्थानों के विभिन्न शिक्षण/प्रशिक्षण कार्यक्रमों में **नामांकित छात्र, स्नातक, स्नातकोत्तर, डिप्लोमा, कौशल विकास, पैरामेडिकल और नर्सिंग छात्र** आदि को इस योजना का लाभ मिलेगा
- राज्य सरकार छात्रों को उनके संबंधित विश्वविद्यालय/कॉलेज/संस्थान के माध्यम से **टैबलेट/स्मार्ट फोन वितरित** करेगी
- ये डिवाइस छात्रों के बीच सरकार की विभिन्न विकासात्मक योजनाओं और कार्यक्रमों के बारे में जागरूकता फैलाने में सहायता करेंगे।

आदर्श सौर गाँव

चर्चा में क्यों?

अयोध्या में **5,000** की आबादी वाले प्रत्येक गाँव को एक **आदर्श सौर गाँव** के रूप में विकसित किया जाएगा, जिसका लक्ष्य **50,000 सौर घर** स्थापित करना है।

मुख्य बिंदु:

- **प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना** का उद्देश्य **50,000 घरों को सौर पैनलों** से **सुसज्जित** करके **अयोध्या को सौर शहर** में बदलना है।
  - **आदर्श सौर गाँव** योजना के तहत **5,000 निवासियों वाले 42 गाँवों** में से एक गाँव का चयन किया जाएगा, ताकि सौर पैनलों की व्यापक स्थापना को बढ़ावा दिया जा सके।
- प्रत्येक परिवार को **एक किलोवाट सौर पैनल** के लिये **65,000 रुपए** की लागत आएगी, जिसमें से **30,000 रुपए** केंद्र सरकार और **15,000 रुपए** राज्य सरकार द्वारा अनुदानित किये जाएंगे।
- सौर पंप लगाने वाले किसानों को **कुसुम योजना** के तहत अतिरिक्त अनुदान मिलेगा।
- केंद्र सरकार ने **प्रत्येक आदर्श सौर गाँव के लिये 1 करोड़ रुपए आवंटित** किये हैं, जो विकास के लिये गाँव पंचायत को हस्तांतरित किये जाएंगे।

पीएम-कुसुम क्या है?

- **परिचय:**
  - **पीएम-कुसुम** भारत सरकार द्वारा वर्ष 2019 में शुरू की गई एक प्रमुख योजना है जिसका प्राथमिक उद्देश्य सौर ऊर्जा समाधानों को अपनाने को बढ़ावा देकर **कृषि क्षेत्र** में बदलाव लाना है।
  - यह मांग-आधारित दृष्टिकोण पर काम करता है। विभिन्न राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों (UT) से प्राप्त मांगों के आधार पर क्षमताओं का आवंटन किया जाता है।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- विभिन्न घटकों और वित्तीय सहायता के माध्यम से, **पीएम-कुसुम** का लक्ष्य 31 मार्च, 2026 तक **30.8 गीगावाट** की महत्त्वपूर्ण **सौर ऊर्जा क्षमता** वृद्धि हासिल करना है।

- **पीएम-कुसुम के उद्देश्य:**
  - **कृषि क्षेत्र की डीज़ल पर निर्भरता कम करना:** इस योजना का उद्देश्य **सौर ऊर्जा चालित पंपों** और अन्य नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों के उपयोग को प्रोत्साहित करके सिंचाई के लिये डीज़ल पर निर्भरता को कम करना है।
    - इसका उद्देश्य सौर पंपों के उपयोग के माध्यम से सिंचाई लागत को कम करके किसानों की आय में वृद्धि करना तथा उन्हें अधिशेष सौर ऊर्जा को ग्रिड को बेचने में सक्षम बनाना है।
  - **किसानों के लिये जल और ऊर्जा सुरक्षा:** सौर पंपों तक पहुँच प्रदान करके तथा सौर-आधारित सामुदायिक सिंचाई परियोजनाओं को बढ़ावा देकर, इस योजना का उद्देश्य किसानों के लिये जल एवं ऊर्जा सुरक्षा को बढ़ाना है।
  - **पर्यावरण प्रदूषण पर अंकुश लगाना: स्वच्छ एवं नवीकरणीय सौर ऊर्जा** को अपनाकर, इस योजना का उद्देश्य पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों से होने वाले पर्यावरण प्रदूषण को कम करना है।

- **घटक:**
  - **घटक-A:** किसानों की बंजर/परती/चारागाह/दलदली/कृषि योग्य भूमि पर **10,000 मेगावाट** के विकेंद्रीकृत भूमि/स्टिल्ट माउंटेड सौर ऊर्जा संयंत्रों की स्थापना।
  - **घटक-B:** ऑफ-ग्रिड क्षेत्रों में **20 लाख एकल सौर पंपों** की स्थापना।
  - **घटक-C:** व्यक्तिगत पंप सौरीकरण और फीडर स्तर सौरीकरण के माध्यम से 15 लाख ग्रिड से जुड़े कृषि पंपों का सौरीकरण।

UP में फुटबॉल को मिलेगा बढ़ावा

चर्चा में क्यों?

हाल ही में **उत्तर प्रदेश** सरकार ने राज्य भर में **फुटबॉल** के बुनियादी ढाँचे और प्रचार को बढ़ाने के लिये महत्त्वपूर्ण योजनाओं की घोषणा की।

प्रमुख बिंदु

- उत्तर प्रदेश सरकार सभी राज्य आयुक्तालयों में **18 नए फुटबॉल स्टेडियम** बनाएगी।
- अधिक से अधिक टूर्नामेंटों को प्रोत्साहित करने के लिये **राज्य के सभी 827 ब्लॉकों** में फुटबॉल मैदान विकसित किये जाएंगे।
- **कोलकाता डर्बी** की मेज़बानी के लिये **लखनऊ के केडी सिंह बाबू स्टेडियम** को 19 दिनों में पुनर्निर्मित किया गया।
  - **कोलकाता डर्बी** भारत की दो सबसे लोकप्रिय टीमों **ईस्ट बंगाल और मोहन बागान** के बीच एक फुटबॉल मैच है। इन दोनों क्लबों के बीच प्रतिद्वंद्विता **100 वर्ष से भी ज़्यादा पुरानी** है तथा इसे विश्व की सबसे बड़ी स्थानीय खेल प्रतिद्वंद्विता में से एक माना जाता है। डर्बी अपने **ज़बरदस्त एक्शन और जोशीले प्रशंसकों** के लिये जानी जाती है।
- उत्तर प्रदेश **खेलो इंडिया पहल** के साथ जुड़ गया है, जिससे राज्य में खेलों के विकास के लिये सरकारी समर्थन सुनिश्चित हो रहा है।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

खेलो इंडिया पहल

- खेलो इंडिया एक ऐसी योजना है जिसकी परिकल्पना प्रधानमंत्री ने वर्ष 2017-18 में की थी, जिसका उद्देश्य **ज़मीनी स्तर के एथलीटों** को एक मंच प्रदान करना और पूरे भारत में खेल के **बुनियादी ढाँचे का निर्माण करना है,** जिसके परिणामस्वरूप भारत एक खेल राष्ट्र बन जाएगा।
- खेलो इंडिया योजना युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय की प्रमुख **केंद्रीय क्षेत्र योजना** है।

गोरखपुर सैनिक स्कूल का उद्घाटन

चर्चा में क्यों?

हाल ही में **उपराष्ट्रपति** ने **गोरखपुर सैनिक स्कूल** का उद्घाटन किया, इसकी सुविधाओं की प्रशंसा की और **पूर्वी उत्तर प्रदेश** में शिक्षा के क्षेत्र में इसके योगदान पर ज़ोर दिया।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

मुख्य बिंदु

- **गोरखपुर सैनिक स्कूल विवरण:**
  - पूर्वी उत्तर प्रदेश में पहला सैनिक स्कूल।
  - **उत्तर प्रदेश सैनिक स्कूल सोसाइटी** द्वारा प्रबंधित दूसरा सैनिक स्कूल।
  - उत्तर प्रदेश में 5वाँ सैनिक स्कूल; अन्य **झाँसी**, **अमेठी**, **मैनपुरी** (रक्षा मंत्रालय द्वारा संचालित) और **लखनऊ** (उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा संचालित) में हैं।
- उपराष्ट्रपति ने **गोरखपुर में गोरखधाम मंदिर** का भी दौरा किया।
  - गोरखपुर में गोरखधाम मंदिर नाथ संप्रदाय के एक प्रमुख संत गुरु गोरक्षनाथ को समर्पित है और एक प्रमुख तीर्थ स्थल एवं आध्यात्मिक केंद्र के रूप में कार्य करता है।
  - मंदिर में एक प्रमुख **केंद्रीय गुंबद और विस्तृत अंदरूनी भाग** के साथ पारंपरिक **हिंदू स्थापत्य** तत्त्व हैं।

सैनिक स्कूल

- सैनिक स्कूल आवासीय संस्थान हैं जो पब्लिक स्कूल शिक्षा प्रदान करते हैं और **केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (CBSE)**, नई दिल्ली से संबद्ध हैं।
- **वित्तपोषण:** इन स्कूलों को **केंद्र और राज्य सरकारों** दोनों से वित्तीय सहायता मिलती है।
- **स्थापना: वर्ष1961** में प्रारंभ किये गए सैनिक स्कूलों को **राष्ट्रीय रक्षा अकादमी** में प्रवेश के लिये छात्रों को शैक्षणिक, शारीरिक और मानसिक रूप से तैयार करने के लिये डिज़ाइन किया गया था।
- **शासन:** इनका प्रबंधन **रक्षा मंत्रालय के अधीन सैनिक स्कूल सोसायटी** द्वारा किया जाता है, जिसकी स्थापना **सोसायटी पंजीकरण अधिनियम XXI, 1860** के तहत की गई थी।

गोविंद बल्लभ पंत

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री **गोविंद बल्लभ पंत** की 137वीं जयंती पर उन्हें देश के सबसे प्रमुख स्वतंत्रता सेनानियों में से एक और एक ऐसे प्रशासक के रूप में याद किया जाता है, जिन्होंने आधुनिक भारत को आकार देने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।

मुख्य बिंदु

- **संक्षिप्त परिचय:**
  - गोविंद बल्लभ पंत को देश के सबसे प्रमुख स्वतंत्रता सेनानियों में से एक और एक ऐसे प्रशासक के रूप में याद किया जाता है, जिन्होंने आधुनिक भारत को आकार देने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।
  - वह **संयुक्त प्रांत के प्रीमियर (वर्ष 1937-1939), उत्तर प्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री (1946-1954) और केंद्रीय गृह मंत्री (वर्ष 1955-1961)** थे तथा उन्हें वर्ष 1957 में सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार, **भारत रत्न** से सम्मानित किया गया था।
- **प्रारंभिक जीवन:**
  - पंत का जन्म 10 सितंबर, 1887 को उत्तराखंड के अल्मोड़ा में हुआ था।
  - जब वे 18 वर्ष के थे, तब उन्होंने **भारतीय राष्ट्रीय कॉन्ग्रेस** के अधिवेशनों में स्वयंसेवक के रूप में कार्य करना शुरू कर दिया था, वे **गोपालकृष्ण गोखले** और **मदन मोहन मालवीय** को अपना आदर्श मानते थे।
  - वर्ष 1907 में उन्होंने कानून की पढ़ाई करने का निर्णय किया, अपनी डिग्री प्राप्त करने पश्चात, उन्होंने वर्ष 1910 में अल्मोड़ा में वकालत शुरू की और अंततः काशीपुर चले गए।
  - काशीपुर में उन्होंने प्रेम सभा नामक एक संगठन की स्थापना की, जिसने कई सुधारों की दिशा में कार्य करना शुरू किया और ब्रिटिश सरकार को करों का भुगतान न करने के कारण एक स्कूल को बंद होने से भी बचाया।
- **राष्ट्रीय आंदोलन में योगदान:**
  - गोविंद बल्लभ पंत दिसंबर 1921 में कॉन्ग्रेस में शामिल हुए और जल्द ही **असहयोग आंदोलन** में शामिल हो गए।
  - वर्ष 1930 में गांधीजी के पूर्व कार्यों से प्रेरित होकर **नमक मार्च** आयोजित करने के कारण उन्हें जेल में डाल दिया गया।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- वह नैनीताल से स्वराजवादी पार्टी के उम्मीदवार के रूप में उत्तर प्रदेश (तब संयुक्त प्रांत के रूप में जाना जाता था) विधान सभा के लिये चुने गए।
  - उन्होंने **ज़मींदारी प्रथा** को समाप्त करने हेतु सुधार लाने का प्रयास किया।
  - उन्होंने किसानों पर कृषि कर कम करने के लिये सरकार से अनुरोध भी किया।
  - उन्होंने देश में कई कुटीर उद्योगों को प्रोत्साहित किया और कुली-भिखारी कानून के विरुद्ध आवाज़ उठाई, जिसके तहत कुलियों को बिना किसी भुगतान के ब्रिटिश अधिकारियों का भारी सामान ढोने के लिये मजबूर किया जाता था।
  - पंत हमेशा अल्पसंख्यकों के लिये अलग निर्वाचन क्षेत्र के खिलाफ थे, उनका कहना था कि यह कदम समुदायों को और विभाजित करेगा।
- **द्वितीय विश्व युद्ध** के दौरान, पंत ने **गांधीजी के गुट**, जो युद्ध में ब्रिटिश राज को समर्थन देने की वकालत करता था और **सुभाष चंद्र बोस के गुट**, जो किसी भी तरह से ब्रिटिश राज को बाहर निकालने के लिये स्थिति का लाभ उठाने की वकालत करता था, के बीच समझौता कराने का प्रयास किया।
- वर्ष 1942 में **भारत छोड़ो प्रस्ताव** पर हस्ताक्षर करने के कारण उन्हें फिर से गिरफ्तार कर लिया गया, इस बार और मार्च 1945 तक उन्होंने कॉन्ग्रेस कार्यसमिति के अन्य सदस्यों के साथ अहमदनगर किले में तीन वर्ष व्यतीत किये।
  - पंडित जवाहरलाल नेहरू ने खराब स्वास्थ्य के आधार पर पंत की रिहाई के लिये सफलतापूर्वक अनुरोध किया।

स्वतंत्रता के बाद

- स्वतंत्रता के बाद गोविंद बल्लभ पंत उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री बने। उन्होंने किसानों के उत्थान और अस्पृश्यता उन्मूलन के लिये कार्य किया।
- **सरदार पटेल** की मृत्यु के बाद गोविंद बल्लभ पंत को केंद्र सरकार में गृहमंत्री बनाया गया।
- गृहमंत्री के रूप में उन्होंने हिंदी को राष्ट्रीय भाषा बनाने के लिये समर्थन किया।

UP का लक्ष्य सुरक्षित डेटा भंडारण में निवेश करना

चर्चा में क्यों?

हाल ही में उत्तर प्रदेश सरकार ने **डेटा सेंटर** स्थापित करके सुरक्षित डेटा भंडारण को बढ़ावा देने के लिये 30,000 करोड़ रुपए के निवेश का लक्ष्य रखा है।

मुख्य बिंदु

निवेश लक्ष्य: उत्तर प्रदेश का लक्ष्य 30,000 करोड़ रुपए के कुल निवेश के साथ 8 डेटा केंद्र स्थापित करने के लिये निजी खिलाड़ियों को आकर्षित करना है।

- डेटा सेंटर की संयुक्त क्षमता **900 मेगावाट होगी** और यह नोएडा के पास स्थित होगा।
- हीरानंदानी समूह, अडानी समूह, एनटीटी जापान तथा वेब वर्क्स जैसी कंपनियों ने **600 मेगावाट** क्षमता जोड़ने के लिये 20,000 करोड़ रुपए की परियोजनाएँ शुरू की हैं या उनकी घोषणा की है।
- राज्य ने डेटा केंद्रों को निर्बाध आपूर्ति हेतु **दो ग्रिडों से विद्युत लेने की अनुमति दे दी है।**
  - उत्तर प्रदेश की संशोधित डाटा सेंटर नीति अब अधिक निवेश आकर्षित करने के लिये 8 डाटा सेंटर पार्कों तक दोहरी ग्रिड आपूर्ति का विस्तार करती है।

महत्त्व

- डेटा केंद्र सूचना के भंडारण, प्रसंस्करण और साझाकरण के लिये **IT गतिविधियों को केंद्रीकृत करते हैं।**
  - वर्ष 2023 में भारत के शीर्ष 7 शहरों में कोलोकेशन डेटा सेंटर की क्षमता **977 मेगावाट थी, जिसमें** तेज़ी से डिजिटल अपनाने के कारण वर्ष 2028 तक अतिरिक्त **1.7-3.6 गीगावाट की आवश्यकता होगी।**

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- अपतटीय डेटा भंडारण से सुरक्षा जोखिम बढ़ता है तथा संवेदनशील जानकारी (बैंकिंग, सोशल मीडिया, स्वास्थ्य, आदि) साइबर हमलों के प्रति उजागर हो जाती है।
  - घरेलू डेटा केंद्र भारत के बढ़ते डिजिटल डेटा के लिये उन्नत सुरक्षा सुनिश्चित करेंगे।
- **राष्ट्रीय डेटा सेंटर क्षमता**
  - वर्ष 2024-2028 के लिये भारत की निर्माणाधीन कोलोकेशन क्षमता **1.03 गीगावाट है,** जो व्यवसायों को सुरक्षित सर्वर अवसंरचना और उच्च गति नेटवर्क कनेक्टिविटी प्रदान करेगी।

उत्तर प्रदेश डाटा सेंटर नीति 2021

- **पूंजीगत सब्सिडी:** 10 वर्ष से अधिक अवधि की इकाइयों के लिये 10 करोड़ रुपए तक 7% (भूमि और भवन को छोड़कर)।
- **ब्याज सब्सिडी:** डेटा सेंटर पार्कों हेतु 7 वर्षों के लिये 50 करोड़ रुपए तक वार्षिक ब्याज का 60%।
- **भूमि सब्सिडी:** क्षेत्रवार दरों पर 25-50%, अधिकतम 75 करोड़ रुपए।
- **स्टाम्प शुल्क पर छूट:** पहले लेन-देन पर 100%; दूसरे पर 50%।
- **विद्युत लाभ:** 10 वर्षों के लिये 100% शुल्क छूट; पहले 3 पार्कों के लिये दोहरी ग्रिड विद्युत।

NIA न्यायालय ने धर्मांतरण मामले में आजीवन कारावास की सज़ा सुनाई

चर्चा में क्यों?

हाल ही में लखनऊ में एक विशेष **राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (NIA) न्यायालय ने अवैध धर्मांतरण मामले** में इस्लामिक विद्वान और 11 अन्य को आजीवन कारावास की सज़ा सुनाई।

मुख्य बिंदु

- **आरोप और दोषसिद्धि:**
  - दोषियों पर **उत्तर प्रदेश विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम, 2021 की धारा 121A (राज्य के विरुद्ध कुछ अपराध करने की साज़िश रचना), धारा 123 (युद्ध छेड़ने की योजना को सुविधाजनक बनाने के मन्तव्य से छिपाना), धारा 153A (धर्म के आधार पर विभिन्न समूहों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देना)** के तहत आरोप लगाए गए थे।
- **गिरफ्तारी और आरोप:**
  - इस्लामिक स्कॉलर को 2021 में **उत्तर प्रदेश के आतंकवाद निरोधी दस्ते** ने मेरठ से **अवैध धर्म परिवर्तन के लिये एक राष्ट्रव्यापी** सिंडिकेट चलाने के आरोप में गिरफ्तार किया था।
  - उन पर शत्रुता को बढ़ावा देने, भारत की संप्रभुता और अखंडता को क्षति पहुँचाने तथा धर्मांतरण को बढ़ावा देने हेतु **अंतर्राष्ट्रीय संगठनों से धन प्राप्त करने का आरोप लगाया गया था।**

राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (NIA)

- NIA भारत की **केंद्रीय आतंकवाद निरोधी कानून प्रवर्तन एजेंसी है,** जिसे भारत की संप्रभुता, सुरक्षा और अखंडता को प्रभावित करने वाले सभी अपराधों की जाँच करने का अधिकार है। इसमें शामिल हैं:
  - विदेशी राज्यों के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध।
  - परमाणु एवं नाभिकीय सुविधाओं के विरुद्ध।
  - हथियारों, नशीले पदार्थों और **जाली भारतीय मुद्रा की तस्करी तथा** सीमा पार से घुसपैठ।
  - **संयुक्त राष्ट्र,** उसकी एजेंसियों और अन्य अंतर्राष्ट्रीय संगठनों की अंतर्राष्ट्रीय संधियों, समझौतों, अभिसमयों तथा प्रस्तावों को लागू करने के लिये बनाए गए वैधानिक कानूनों के अंतर्गत अपराध।
- इसका गठन **राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (NIA) अधिनियम, 2008 के तहत किया गया था।**
- एजेंसी को **गृह मंत्रालय की** लिखित घोषणा के तहत राज्यों से विशेष अनुमति के बिना **राज्यों में आतंकवाद से संबंधित अपराधों की जाँच करने का अधिकार है।**
- **मुख्यालय: नई दिल्ली**

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

उत्तर प्रदेश विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम, 2021

- इस कानून में धोखाधड़ी या जबरन धर्मांतरण के संबंध में कड़े प्रावधान हैं।
- **इसमें 20 वर्ष की सज़ा या आजीवन कारावास का** प्रावधान है, अगर यह पाया गया कि धर्म परिवर्तन धमकी, शादी का वादा या साजिश के तहत किया गया है
  - विधेयक के तहत इसे सबसे गंभीर अपराध की श्रेणी में रखा गया है।
- यह विधेयक **किसी भी व्यक्ति को धर्म परिवर्तन** से संबंधित मामलों में **प्रथम सूचना रिपोर्ट (FIR)** दर्ज करने की अनुमति देता है, न कि केवल माता-पिता, पीड़ित या भाई-बहन को।
- इन मामलों की सुनवाई, सत्र न्यायालय से नीचे के किसी न्यायालय में नहीं होगी। विधेयक में इस अपराध को **गैर-ज़मानती भी बनाया गया है।**
  - जो कोई भी व्यक्ति विवाह के उद्देश्य से अपनी इच्छा से धर्म परिवर्तन करना चाहता है, उसे संबंधित ज़िला मजिस्ट्रेट को दो महीने पहले आवेदन प्रस्तुत करना होगा।

अटल आवासीय विद्यालय

चर्चा में क्यों

हाल ही में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने **वंचित छात्रों के लिये** शिक्षा के अवसरों को बढ़ाने के लिये **अटल आवासीय विद्यालयों** के बड़े विस्तार की घोषणा की ।

मुख्य बिंदु:

- **वर्तमान में, 18 अटल आवासीय विद्यालय** हैं ।
  - यह विस्तार चरणबद्ध तरीके से किया जाएगा, अगले शैक्षणिक सत्र में **57 ज़िलों** में स्कूलों की योजना बनाई गई है, तीसरे चरण में **350 तहसीलों** तक, चौथे चरण में **825 विकास खंडों** तक तथा पाँचवें चरण में **न्याय पंचायत** स्तर तक इसका विस्तार किया जाएगा।
- **स्कूल की विशेषताएँ:**
  - पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के नाम पर स्थापित इन विद्यालयों को **समावेशी शिक्षा के लिये एक मानक स्थापित करने** तथा **निरक्षरता** और **अभाव से निपटने** के लिये डिज़ाइन किया गया है।
  - नए स्कूलों में **कक्षा 1 से 12 तक** के छात्र होंगे और इनमें **बाल वाटिकाएँ** भी शामिल होंगी ।
  - स्कूलों को निर्देश दिया गया है कि वे अभिभावकों को सूचित रखने के लिये उनके साथ अर्द्धवार्षिक बैठकें आयोजित करें।

बाल वाटिकाएँ

- बाल वाटिका एक **प्रारंभिक बाल्यावस्था शिक्षा कार्यक्रम** है जिसका उद्देश्य **3-6 वर्ष** की आयु के बच्चों को संज्ञानात्मक, सामाजिक, भावनात्मक और शारीरिक रूप से विकसित करने में मदद करना है
- यह कार्यक्रम **खेल-आधारित शिक्षा पर केंद्रित** है और बच्चों के लिये **समावेशी तथा स्वागतयोग्य वातावरण** बनाने के लिये तैयार किया गया है।

न्याय पंचायत

- न्याय पंचायत **भारत की पंचायती राज व्यवस्था** में एक न्यायिक प्रणाली है जो **ग्रामीण स्तर पर** विवादों का समाधान करती है। न्याय पंचायतों को भारतीय न्यायिक प्रणाली का सबसे बुनियादी स्तर माना जाता है
- न्याय पंचायतों के कुछ कार्य इस प्रकार हैं
  - **विवादों का समाधान:** न्याय पंचायतें छोटे सिविल और आपराधिक विवादों का समाधान करती हैं
  - **न्याय प्रदान करना:** न्याय पंचायतें शीघ्र और त्वरित न्याय प्रदान करती हैं
  - **अपराधियों को दंडित करना:** न्याय पंचायतें उल्लंघनकर्त्ताओं को दंडित करने और मामूली जुर्माना लगाने में सक्षम हैं। लेकिन वे व्यक्तियों को जेल में नहीं डालती है।
  - **लोकतंत्र का विकेंद्रीकरण:** न्याय पंचायतें लोकतांत्रिक व्यवस्था को विकेंद्रीकृत करने में मदद करती हैं।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

बुलडोज़र न्याय

चर्चा में क्यों?

हाल ही में **भारत के उच्चतम न्यायालय (Supreme Court of India- SC) ने "बुलडोज़र न्याय "** की प्रथा की आलोचना की तथा इस बात पर प्रकाश डाला कि व्यक्तियों या उनके परिवार के सदस्यों के खिलाफ आपराधिक आरोपों के आधार पर संपत्तियों को ध्वस्त करना **विधि के शासन** का उल्लंघन है।

मुख्य बिंदु:

- "बुलडोज़र न्याय" से तात्पर्य आपराधिक गतिविधियों या दंगों में संलिप्तता के संदिग्ध व्यक्तियों की **संपत्ति को बुलडोज़र का उपयोग करके ध्वस्त करने** की प्रथा से है, जिसमें प्राय: **विधि की उचित प्रक्रिया** का पालन नहीं किया जाता है।
  - उत्तर प्रदेश, दिल्ली, मध्य प्रदेश, गुजरात, असम और महाराष्ट्र सहित विभिन्न भारतीय राज्यों में इस प्रथा की सूचना मिली है।
  - अतिक्रमण या **अनधिकृत निर्माण के लिये नगरपालिका कानूनों के तहत** प्राय: ध्वस्तीकरण को उचित ठहराया जाता है ।
- यह प्रथा उच्चतम न्यायालय के निर्णयों जैसे- ***सुदामा सिंह एवं अन्य बनाम दिल्ली सरकार*** तथा ***अजय माकन एवं अन्य बनाम भारत संघ*** *में उल्लिखित* **उचित प्रक्रिया आवश्यकताओं** को दरकिनार कर देती है।
  - उच्चतम न्यायालय ने हाल ही में इस प्रथा की निंदा की है तथा इस बात पर ज़ोर दिया है कि आरोपों के आधार पर संपत्तियों को ध्वस्त करना **विधि के शासन** और **विधि की उचित प्रक्रिया** का उल्लंघन है
- उच्चतम न्यायालय ने गैर-कानूनी ध्वस्तीकरण पर उपयुक्त अखिल भारतीय दिशा-निर्देश तैयार करने के लिये संबंधित पक्षों से सुझाव आमंत्रित किये हैं
- एक विश्लेषण से पता चला है कि **प्रक्रियात्मक दिशा-निर्देशों को प्रासंगिक कानून और नियमों** में शामिल किया जाना चाहिये प्रत्येक चरण पर अनेक जाँच-पड़ताल बिंदुओं के साथ चरणबद्ध तरीके से संरचित किया जाना चाहिये, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कोई भी प्रतिकूल या अपरिवर्तनीय कार्यवाही करने से पहले **सभी आवश्यक कदम** उठाए जाएँ।
  - **विध्वंस-पूर्व चरण:**
    - **सबूत का भार:** विध्वंस और विस्थापन को उचित ठहराने के लिये सबूत का भार प्राधिकारियों पर डालना, जिससे मानव अधिकारों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।
    - **नोटिस और प्रचार:** भूमि अभिलेखों और पुनर्वास योजनाओं के बारे में जानकारी सहित एक तर्कपूर्ण नोटिस प्रदान करना तथा प्रभावित व्यक्तियों को प्रतिक्रिया देने के लिये पर्याप्त समय देना।
    - **स्वतंत्र समीक्षा:** सभी नियोजित ध्वस्तीकरणों, विशेषकर आवासीय क्षेत्रों में, की समीक्षा न्यायिक समुदाय और नागरिक समाज के सदस्यों वाली एक निष्पक्ष समिति द्वारा की जानी चाहिये।
    - **सहभागिता और योजना:** प्रभावित पक्षों से वैकल्पिक आवास और मुआवज़े के लिये बातचीत करना तथा साथ ही कमज़ोर समूहों की ज़रूरतों को भी ध्यान में रखना। नोटिस एवं विध्वंस के बीच कम-से-कम एक महीने का समय देना चाहिये।
  - **विध्वंस के दौरान:**
    - **बल का न्यूनतम प्रयोग:** शारीरिक बल और बुलडोज़र जैसी भारी मशीनरी के प्रयोग से बचना।
    - **आधिकारिक उपस्थिति:** इस प्रक्रिया की निगरानी के लिये विध्वंस में शामिल न होने वाले सरकारी अधिकारियों की उपस्थिति सुनिश्चित करना।
    - **निर्धारित समय:** अचानक कार्यवाही से बचने के लिये ध्वस्तीकरण का समय पहले से तय किया जाना चाहिये।
  - **विध्वंस के बाद (पुनर्वास):**
    - **पुनर्वास:** यह सुनिश्चित करने के लिये कि कोई भी बेघर न रहे, पर्याप्त अस्थायी या स्थायी आवास समाधान प्रदान करना।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- **शिकायत निवारण:** प्रभावित व्यक्तियों के लिये ध्वस्तीकरण निर्णयों को चुनौती देने हेतु त्वरित शिकायत निवारण तंत्र स्थापित करना।
- **उपाय:** मुआवज़ा, क्षतिपूर्ति तथा मूल घरों में संभावित वापसी जैसे उपाय सुनिश्चित करना।

गंगा का जलस्तर चेतावनी बिंदु के पार पहुँचा

चर्चा में क्यों?

वाराणसी में गंगा का जलस्तर चेतावनी बिंदु पार कर गया है, **जिससे वहाँ भीषण** बाढ़ आ गई है और क्षेत्र के **4,000 से अधिक निवासी प्रभावित हुए हैं।**

- जलस्तर 70.76 मीटर तक बढ़ गया, जो कि चेतावनी सीमा 70.26 मीटर को पार कर गया; यह 5 सेमी. प्रति घंटे की दर से बढ़ रहा था।

प्रमुख बिंदु

- **निवासियों पर प्रभाव:**
  - **प्रभावित आबादी:** बाढ़ से कुल 4,461 व्यक्ति प्रभावित हुए हैं। ज़िले के कई निचले क्षेत्र जलमग्न हो गए हैं, जिससे लोगों को आने-जाने के लिये नावों का प्रयोग करना पड़ रहा है।
  - **पुनर्वास:** कटाव से प्रभावित मोकलपुर के परिवारों को राहत शिविरों में स्थानांतरित कर दिया गया है। इसके अलावा, 299 परिवारों के 1,601 लोग वर्तमान में इन शिविरों में रह रहे हैं।
- **राहत उपाय:**
  - **बाढ़ राहत शिविर:** ज़िला प्रशासन ने **46 बाढ़ राहत शिविर स्थापित किये हैं,** जिनमें से 14 वर्तमान में कार्यरत हैं।
    - **इन शिविरों में भोजन, फल, दूध** और **पीने का जल** जैसी आवश्यक वस्तुएँ उपलब्ध कराई जाती हैं। स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करने के लिये चिकित्सा शिविर भी स्थापित किये गए हैं।
  - **बचाव कार्य: बचाव कार्यों के लिये** कुल **22 नावें** तैनात की गई हैं।
    - **राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (NDRF)** की टीमें मोटरबोटों का उपयोग करते हुए राहत कार्यों में सक्रिय रूप से शामिल हैं।

गंगा नदी प्रणाली

- **गंगा नदी उत्तराखंड के गंगोत्री ग्लेशियर** से 3,892 मीटर की ऊँचाई पर भागीरथी के रूप में निकलती है।
- गंगा नदी के मुख्य स्रोत कई छोटी-छोटी धाराएँ हैं। इनमें **अलकनंदा, धौलीगंगा, पिंडर, मंदाकिनी** और **भीलंगना प्रमुख हैं।**
  - **देवप्रयाग** में जहाँ **अलकनंदा भागीरथी** से मिलती है, नदी को गंगा नाम मिलता है। यह **बंगाल की खाड़ी** में सम्मिलित होने से पहले **2525 किलोमीटर की दूरी तय करती है।**
- गंगा **छह मुख्य धाराओं** और उनके **पाँच संगमों से बनती है।**
  - **नंदप्रयाग:** नंदाकिनी नदी और अलकनंदा नदी का संगम।
  - **कर्णप्रयाग:** पिंडर नदी और अलकनंदा नदी का संगम।
  - **विष्णुप्रयाग:** धौलीगंगा नदी और अलकनंदा नदी का संगम।
- भागीरथी, जिसे मूल धारा माना जाता है, **गंगोत्री ग्लेशियर के निचले भाग में गौमुख** से निकलती है। अंत में यह बंगाल की खाड़ी में मिल जाती है।
- गंगा नदी की प्रमुख सहायक नदियाँ:
  - **दाहिने किनारे की सहायक नदियाँ:** यमुना, टोंस, करमनासा, सोन, पुनपुन, फल्गु, किऊल, चंदन, अजॉय, दामोदर, रूपनारायण।
- गंगा **नदी उत्तर प्रदेश** के **28 ज़िलों** से होकर प्रवाहित होती है, जो **बिजनौर ज़िले से होते हुए** राज्य में प्रवेश करती है। **प्रयागराज** में **त्रिवेणी संगम** पर **यमुना** में विलीन होने से पहले यह **उत्तर प्रदेश** में लगभग **1140 किलोमीटर की दूरी तय करती है।**

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

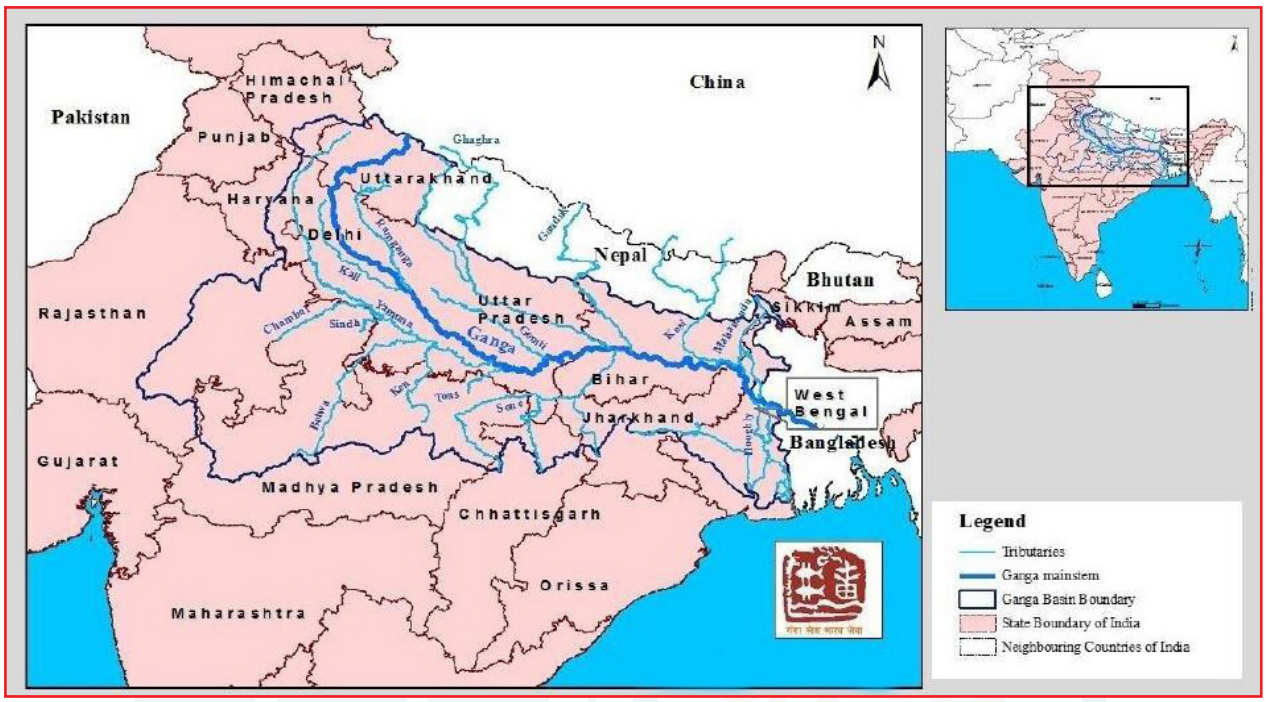

आर्थिक प्रक्षेप पथ

चर्चा में क्यों?

हाल ही में **प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद (EAC-PM)** की रिपोर्ट से पता चला है कि 1960 के दशक में भारत में पाँच राज्यों का आर्थिक प्रभुत्व था।

प्रमुख बिंदु

- 1960 के दशक में, पाँच राज्यों उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और बिहार का भारत के **सकल घरेलू उत्पाद (GDP)** में लगभग 54% योगदान था।
- **उत्तर प्रदेश (तब अविभाजित)** इन राज्यों में सबसे बड़ा आर्थिक योगदानकर्त्ता था, जो भारत के कुल सकल घरेलू उत्पाद में **14.4% का योगदान देता था।**
- **उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था:**
  - **सकल राज्य घरेलू उत्पाद (GSDP) वृद्धि:**
    - वर्ष 2022-23 में उत्तर प्रदेश की **स्थिर मूल्यों पर (GSDP)** 8.3% बढ़ी, जो वर्ष 2021-22 में 10.2% थी।
    - वर्ष 2022-23 में राष्ट्रीय सकल घरेलू उत्पाद 7.2% बढ़ने का अनुमान था।
  - **क्षेत्रीय विकास:**
    - **कृषि क्षेत्र:** वर्ष 2022-23 में 10% की वृद्धि (वर्तमान मूल्यों पर), जबकि वर्ष 2021-22 में 14% की वृद्धि हुई (2021-22 में वृद्धि निम्न आधार पर थी)।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- **विनिर्माण क्षेत्र:** वर्ष 2022-23 में 22% की वृद्धि हुई थी।
- **सेवा क्षेत्र:** वर्ष 2022-23 में 12% की वृद्धि हुई थी।
- अर्थव्यवस्था में योगदान (स्थिर मूल्यों पर): कृषि (24%), विनिर्माण (30%), सेवाएँ (46%)।

प्रति व्यक्ति GSDP:

- **वर्ष 2022-23 में (वर्तमान मूल्यों पर) 96,193 रुपए** अनुमानित , जिसमें **वर्ष 2017-18 से 8%** की वार्षिक वृद्धि हुई थी।

Figure 1: Growth in GSDP and sectors in Uttar Pradesh at constant prices (2011-12)

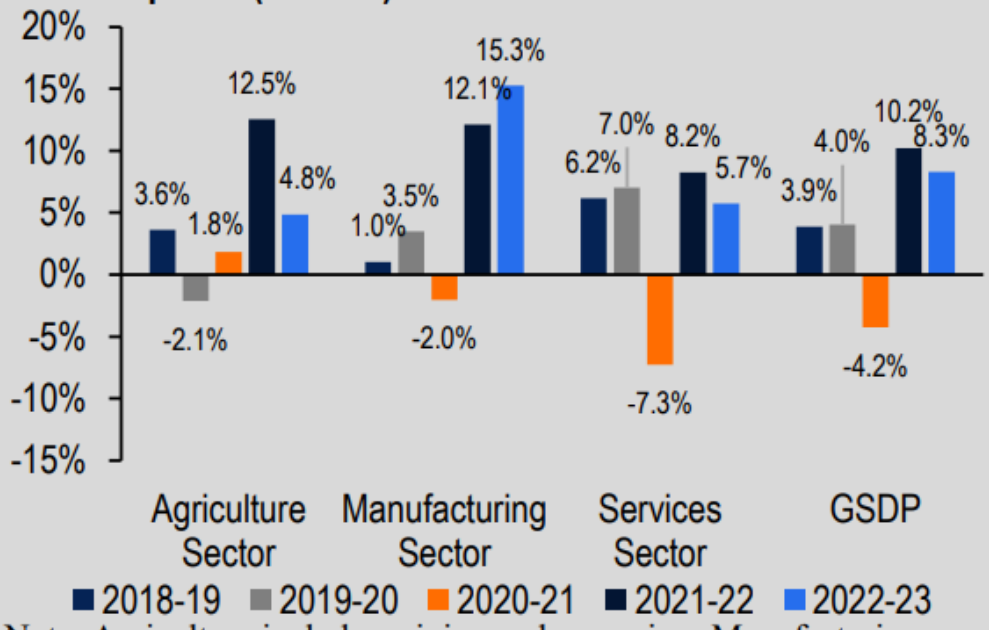

Note: Agriculture includes mining and quarrying; Manufacturing includes construction and electricity. These numbers are as per constant prices (2011-12) which implies that the growth rate is adjusted for inflation.

- **वर्ष 2011-12 के स्थिर मूल्यों पर GSDP वृद्धि दरें थीं:** 4.7% (2012-13), 5.8% (2013-14), 4.0% (2014-15), 8.8% (2015-16), 11.4% (2016-17), 4.6% (2017-18), 6.3% (2018-19), 3.8% (2019-20), -5.5% (2020-21) और 4.2% (2021-22)।
- **राष्ट्रीय सकल घरेलू उत्पाद में उत्तर प्रदेश की हिस्सेदारी:** राष्ट्रीय सकल घरेलू उत्पाद में उत्तर प्रदेश की हिस्सेदारी या तो स्थिर है या घट रही है। एक **ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के लिये** यूपी की हिस्सेदारी बढ़कर 20% होनी चाहिये।
  - वर्तमान मूल्यों पर भारत की GDP वर्ष 2016-17 में 153.92 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर वर्ष 2021-22 में 236.64 लाख करोड़ रुपए हो गई थी।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- भारत के सकल घरेलू उत्पाद में उत्तर प्रदेश की हिस्सेदारी वर्ष 2016-17 में 8.4% से घटकर वर्ष 2021-22 में 7.9% हो गई थी।

- **प्रति व्यक्ति आय का बढ़ता अंतर :** भारत और उत्तर प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय के बीच का अंतर पिछले कुछ वर्षों में बढ़ा है। वर्ष 2011-12 में उत्तर प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय भारत की लगभग 50% थी, लेकिन वर्ष 2021-22 तक यह घटकर **45.87% रह गई थी** । यह दर्शाता है कि उत्तर प्रदेश ने राष्ट्रीय आर्थिक विकास के साथ तालमेल नहीं रखा है।
- **वैकल्पिक विकास परिदृश्यों के तहत वर्ष 2026-27 में अनुमानित GSDP को बिंदुओं में व्यवस्थित किया गया है:**
  - **बहुत अधिक (CAGR = 20%) :** 42.5 लाख करोड़ रुपए
  - **उच्चतम (CAGR = 15%) :** 35.8 लाख करोड़ रुपए
  - **मध्यम (CAGR = 12%) :** 32.2 लाख करोड़ रुपए
  - **सामान्य (CAGR = 10%) :** 30 लाख करोड़ रुपए

प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद (EAC-PM)

- यह एक **गैर-संवैधानिक, गैर-सांविधिक, स्वतंत्र निकाय है,** जिसका गठन भारत सरकार, विशेष रूप से प्रधानमंत्री को आर्थिक और संबंधित मुद्दों पर सलाह देने के लिये किया गया है।
- यह परिषद तटस्थ दृष्टिकोण से भारत सरकार के समक्ष **प्रमुख आर्थिक मुद्दों को उजागर करने का कार्य करती है।**
  - **यह मुद्रास्फीति, माइक्रोफाइनेंस और औद्योगिक उत्पादन** जैसे आर्थिक मुद्दों पर प्रधानमंत्री को सलाह देती है।
- प्रशासनिक, संभार-तंत्र, योजना और बजटीय उद्देश्यों के लिये **नीति आयोग EAC-PM के लिये नोडल एजेंसी** के रूप में कार्य करता है।
- **आवधिक रिपोर्ट:**
  - वार्षिक आर्थिक परिदृश्य
  - अर्थव्यवस्था की समीक्षा

मदरसों की शिक्षा

चर्चा में क्यों?

हाल ही में, **राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (NCPCR)** ने **शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009** के गैर-अनुपालन का हवाला देते हुए भारत में मदरसा शिक्षा के बारे में चिंता व्यक्त की।

प्रमुख बिंदु

- **NCPCR की चिंताएँ:** NCPCR ने **सर्वोच्च न्यायालय** को सूचित किया कि मदरसा शिक्षा व्यापक नहीं है और यह **शिक्षा का अधिकार अधिनियम (RTE), 2009** के प्रावधानों का अनुपालन नहीं करती है।
- मदरसों में प्रयुक्त पाठ्य पुस्तकें कथित तौर पर **'इस्लाम की सर्वोच्चता'** को बढ़ावा देती हैं, जो **धर्मनिरपेक्ष शैक्षिक सिद्धांतों** और **RTE आवश्यकताओं के विपरीत** है।
- **उच्च न्यायालय का निर्णय:** इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने **उत्तर प्रदेश मदरसा शिक्षा बोर्ड अधिनियम, 2004** को **'असंवैधानिक'** घोषित किया।
  - यह अधिनियम **'धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांत'** तथा **संविधान के अनुच्छेद 14** के तहत **मौलिक अधिकारों का उल्लंघन** करता पाया गया।
- **मदरसा:** मदरसा एक अरबी शब्द है जिसका अर्थ शैक्षणिक संस्थान होता है।
  - आरंभ में, इस्लाम में **मस्जिदें** शैक्षणिक संस्थानों के रूप में संचालित होती थीं, लेकिन 10 वीं शताब्दी तक, मदरसे इस्लामी दुनिया में धार्मिक और धर्मनिरपेक्ष शिक्षा दोनों के लिये अलग-अलग संस्थाओं के रूप में विकसित हो गए।
  - सबसे प्रारंभिक मदरसे **खुरासान और ट्रांसोक्सेनिया** (आधुनिक पूर्वी व उत्तरी ईरान, मध्य एशिया और अफगानिस्तान) में पाए गए, जहाँ बड़े संस्थान छात्रों, विशेष रूप से गरीब पृष्ठभूमि के छात्रों के लिये आवास उपलब्ध कराते थे।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- **सत्र 2018-19** तक, भारत में **24,010 मदरसे थे: 19,132 मान्यता प्राप्त** और **4,878 गैर-मान्यता** प्राप्त।
  - मान्यता प्राप्त मदरसे **राज्य बोर्ड के अधीन** हैं; **गैर-मान्यता प्राप्त मदरसे दारुल उलूम नदवतुल उलमा** और **दारुल उलूम देवबंद** जैसे प्रमुख मदरसों के पाठ्यक्रम का पालन करते हैं।
- देश के **60% मदरसे उत्तर प्रदेश** में हैं। जिनमें **11,621 मान्यता** प्राप्त और **2,907 गैर-मान्यता** प्राप्त मदरसे हैं।
- **भारत में मदरसों की श्रेणियाँ**
- **मदरसा दरसे निज़ामी:** सार्वजनिक दान के रूप में संचालित होते हैं और इन्हें राज्य स्कूल शिक्षा पाठ्यक्रम का पालन करना आवश्यक नहीं है
  - **मदरसा दरसे आलिया:** राज्य मदरसा शिक्षा बोर्डों से संबद्ध (जैसे, उत्तर प्रदेश मदरसा शिक्षा बोर्ड)।
- राज्य सरकारों द्वारा शासित, शिक्षकों और अधिकारियों की नियुक्ति राज्य सरकारों द्वारा की जाती है।
- वर्ष 2023 में लगभग **1.69 लाख छात्र** उत्तर प्रदेश मदरसा बोर्ड परीक्षा (कक्षा 10 और कक्षा 12 के समकक्ष) में उपस्थित हुए।
- **मदरसों के लिये वित्तपोषण:** वित्तपोषण का बड़ा हिस्सा संबंधित राज्य सरकारों से आता है।
- **केंद्र सरकार की योजना: मदरसों/अल्पसंख्यकों को शिक्षा प्रदान करने की योजना (SPEMM)** मदरसों और अल्पसंख्यक संस्थानों को वित्तीय सहायता प्रदान करती है।
- **SPEMM के अंतर्गत उप-योजनाएँ:**
  - मदरसों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने की योजना (SPQEM)
  - अल्पसंख्यक संस्थानों का अवसंरचना विकास (IDMI)
- अप्रैल 2021 में SPEMM को **अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय** से **शिक्षा मंत्रालय** में स्थानांतरित कर दिया गया।

राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग

- NCPCR एक वैधानिक निकाय है जिसकी स्थापना मार्च 2007 में **बाल अधिकार संरक्षण आयोग (CPCR) अधिनियम, 2005** के तहत की गई थी।
- **यह महिला एवं बाल विकास मंत्रालय** के प्रशासनिक नियंत्रण में है।
- आयोग का अधिदेश यह सुनिश्चित करना है कि सभी कानून, नीतियाँ, कार्यक्रम और प्रशासनिक तंत्र भारत के संविधान एवं बाल अधिकारों पर **संयुक्त राष्ट्र कन्वेंशन में निहित बाल अधिकार परिप्रेक्ष्य** के अनुरूप हों।
- **यह शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009** के अंतर्गत बच्चों के निशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा के अधिकार से संबंधित शिकायतों की जाँच करता है ।
- यह **लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम, 2012 (POCSO)** के कार्यान्वयन की निगरानी करता है।

सरयू नदी में बाढ़

चर्चा में क्यों?

हाल ही में **सरयू नदी** में आई बाढ़ के कारण उत्तर प्रदेश के बलिया ज़िले में गंभीर आपदा की स्थिति उत्पन्न हो गई, जिससे परिवहन और स्थानीय समुदाय प्रभावित हुए।

मुख्य बिंदु

- **सरयू नदी**
  - सरयू एक नदी है जो **उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश** से होकर बहती है।
  - इस नदी का प्राचीन महत्त्व है क्योंकि इसका उल्लेख **वेदों** और **रामायण** में मिलता है।
  - यह नदी **करनाली और महाकाली** नदियों के संगम पर बनती है । यह **गंगा** नदी की एक सहायक नदी है ।
- **बलिया ज़िला**
  - बलिया उत्तर प्रदेश के सुदूर उत्तर-पूर्वी भाग में स्थित है, जिसकी सीमा **मऊ, देवरिया, बिहार और गाज़ीपुर** से लगती है, तथा यह गंगा और **घाघरा नदियों के संगम पर स्थित** है।
  - यह शहर **वाराणसी** से 135 किलोमीटर दूर है, गंगा नदी **बलिया को बिहार से अलग करती है, और घाघरा नदी इसे देवरिया से अलग** करती है।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- एक मान्यता यह है कि शहर का नाम ऋषि **वाल्मीकि** के नाम पर रखा गया है, जिनके बारे में माना जाता है कि वे यहीं रहते थे, हालाँकि उनका मंदिर अब मौजूद नहीं है।
- एक अन्य मान्यता के अनुसार इसका नाम स्थानीय मिट्टी **'बलुआ' (रेतीली मिट्टी) से जुड़ा है,** शहर का मूल नाम 'बालियान' था, जो बाद में बदलकर 'बलिया' हो गया।

13 राज्यों से 97% अनुसूचित जाति के विरुद्ध अत्याचार

चर्चा में क्यों?

हाल ही में, एक सरकारी रिपोर्ट से पता चला है कि वर्ष 2022 में **अनुसूचित जातियों (SC) के खिलाफ 97.7% अत्याचार** 13 राज्यों में केंद्रित थे, जिनमें **उत्तर प्रदेश, राजस्थान और मध्य प्रदेश में** ऐसे मामलों की सबसे अधिक संख्या दर्ज की गई।

प्रमुख बिंदु

- **वर्ष 2022 में अनुसूचित जातियों (SC) के विरुद्ध अत्याचार:**
  - अनुसूचित जातियों के विरुद्ध सभी अत्याचारों में से 97.7% (52,866 मामलों में से 51,656) 13 राज्यों में दर्ज किये गए।
  - उत्तर प्रदेश में सबसे अधिक मामले (12,287 या 23.78%) दर्ज किये गए।
- **वर्ष 2022 में अनुसूचित जनजातियों (ST) के विरुद्ध अत्याचार:**
  - अनुसूचित जनजातियों के विरुद्ध सभी अत्याचारों में से 98.91% मामले 13 राज्यों (कुल 9,735 मामले) में दर्ज किये गए।
  - मध्य प्रदेश में सबसे अधिक मामले (2,979 या 30.61%) थे।
  - इसके बाद राजस्थान में 2,498 मामले (25.66%) और ओडिशा में 773 मामले (7.94%) दर्ज किये गए।
- **दोषसिद्धि दर:**
  - **SC/ST अधिनियम, 1989** के तहत मामलों में दोषसिद्धि दर वर्ष 2020 में 39.2% से घटकर वर्ष 2022 में 32.4% हो गई।
- **SC/ST संरक्षण उपाय:**
  - आंध्र प्रदेश, बिहार, गुजरात, हरियाणा, मध्य प्रदेश, राजस्थान, उत्तर प्रदेश आदि राज्यों में SC/ST संरक्षण प्रकोष्ठ स्थापित किये गए हैं।
  - बिहार, छत्तीसगढ़, झारखंड, केरल और मध्य प्रदेश में SC/ST अपराधों से निपटने के लिये विशेष पुलिस स्टेशन स्थापित किये गए हैं।

अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 :

- **SC ST अधिनियम, 1989 संसद** द्वारा पारित एक अधिनियम है जो एससी एवं SC समुदायों के सदस्यों के विरुद्ध भेदभाव का निषेध करने तथा उनके विरुद्ध अत्याचार को रोकने के लिये बनाया गया है।
- यह अधिनियम इस निराशाजनक वास्तविकता को भी स्वीकार करता है कि अनेक उपाय करने के बावजूद **अनुसूचित जातियों / अनुसूचित जनजातियों** को उच्च जातियों के हाथों विभिन्न प्रकार के अत्याचारों का सामना करना पड़ रहा है।
- यह अधिनियम **संविधान के अनुच्छेद 15 (भेदभाव का प्रतिषेध), 17 (अस्पृश्यता का उन्मूलन)** और **21 (जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का संरक्षण)** में उल्लिखित संवैधानिक सुरक्षा उपायों को ध्यान में रखते हुए लागू किया गया है, जिसका दोहरा उद्देश्य इन कमज़ोर समुदायों के सदस्यों की सुरक्षा के साथ-साथ जाति आधारित अत्याचारों के पीड़ितों को राहत और पुनर्वास प्रदान करना है।
- संशोधित **SC/ST अधिनियम, 2018 में** प्रारंभिक जाँच अनिवार्य नहीं है और SC/ST पर अत्याचार के मामलों में FIR दर्ज करने के लिये वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों की नियुक्ति हेतु प्राधिकारी की पूर्व अनुमति की भी आवश्यकता नहीं है।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश ने 8 गीगावाट सौर ऊर्जा परियोजनाओं पर सहयोग किया

चर्चा में क्यों?

हाल ही में, मध्य प्रदेश (MP) और उत्तर प्रदेश (UP) सरकारों ने **8 गीगावाट** (GW) **सौर ऊर्जा संयंत्र** विकसित करने के लिये साझेदारी की है, जो दो भारतीय राज्यों के बीच इस तरह का पहला महत्त्वपूर्ण **नवीकरणीय ऊर्जा** सहयोग है।

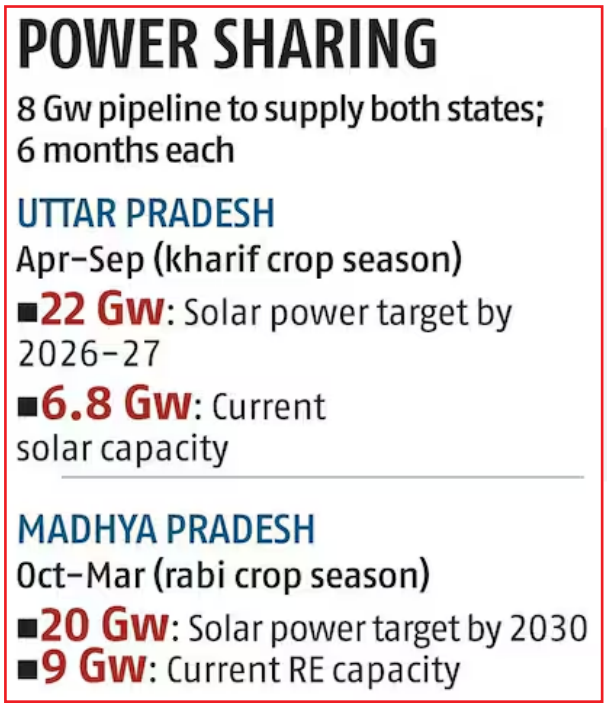

मुख्य बिंदु

- **सहयोग अवलोकन:**
  - उत्पादित बिजली को दोनों राज्यों के बीच साझा किया जाएगा, **जो हर छह महीने में** उनकी अधिकतम मांग के मौसम के अनुसार होगा।
  - **मध्य प्रदेश:** अधिकतम मांग **अक्तूबर से मार्च तक होती है,** जो रबी फसल के मौसम के साथ मेल खाता है।
  - **उत्तर प्रदेश** : अधिकतम मांग **अप्रैल से सितंबर के बीच होती है,** जो खरीफ फसल के मौसम के साथ मेल खाती है।
  - सौर ऊर्जा का वितरण मौसमी मांग पैटर्न के आधार पर किया जाएगा।
- **परियोजना चरण और विकास:**
  - प्रथम चरण में **2 गीगावाट की परियोजना विकसित की जाएगी, जिसके लिये मोरेना (म.प्र.) को** संभावित स्थल के रूप में चिन्हित किया गया है।
- **राज्य नवीकरणीय ऊर्जा लक्ष्य:**
  - **मध्य प्रदेश: वर्ष 2030 तक 20 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता** प्राप्त करने का लक्ष्य, **जो वर्तमान 9 गीगावाट है।**
  - **उत्तर प्रदेश: वर्ष 2026-27 तक 22 गीगावाट सौर क्षमता का** लक्ष्य, जो वर्तमान **6.8 गीगावाट है।**

खाद्य पदार्थों में मिलावट पर रोक

चर्चा में क्यों?

हाल ही में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने राज्य में **खाद्य पदार्थों में मिलावट** से निपटने के लिये नए निर्देश जारी किये।

मुख्य बिंदु

- **स्वामियों के नामों का प्रदर्शन** :
  - सभी रेस्तरां और भोजनालयों को अपने संचालकों, मालिकों, प्रबंधकों और अन्य प्रमुख कर्मचारियों के नाम और पते प्रमुखता से प्रदर्शित करने होंगे।
  - इस कदम का उद्देश्य खाद्य प्रतिष्ठानों में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करना है।
- **खाद्य सुरक्षा अधिनियम में संशोधन** :
  - नए प्रदर्शन नियमों के अनुपालन को लागू करने के लिये **खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006** में संशोधन किया जाएगा।
  - खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन, पुलिस और स्थानीय प्रशासन को शामिल करते हुए राज्यव्यापी सत्यापन अभियान चलाया जाएगा।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- **CCTV स्थापना अनिवार्य :**
  - सभी भोजनालयों, होटलों और ढाबों को भोजन कक्ष और प्रतिष्ठान के अन्य भागों में **CCTV कैमरे लगाने होंगे।**
  - ऑपरेटरों की जिम्मेदारी CCTV फुटेज को सुरक्षित रूप से संग्रहीत करने और अनुरोध किये जाने पर उसे कानून प्रवर्तन को उपलब्ध कराने की है।
- **सार्वजनिक स्वास्थ्य और स्वच्छता :**
  - ये निर्देश खाद्य पदार्थों में मिलावट के उन मामलों पर राज्य की प्रतिक्रिया का हिस्सा हैं, जहाँ खाद्य पदार्थों में मानव अपशिष्ट और अन्य संदूषक पाए गए थे।
  - भोजन तैयार करने और परोसने वाले सभी कर्मचारियों के लिये मास्क और दस्ताने का अनिवार्य उपयोग सहित सख्त स्वच्छता प्रथाओं को लागू किया जाएगा।

FSSAI

- **वर्ष 2006** में स्थापित खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम (FSSAI) खाद्य सुरक्षा को विनियमित करने के लिये भारत का प्राथमिक कानून है। यह खाद्य उत्पादों के लिये मानक निर्धारित करता है और उनके **निर्माण, भंडारण, वितरण, बिक्री** और **आयात की देखरेख करता है** । अधिनियम का उद्देश्य उपभोक्ताओं के लिये सुरक्षित और पौष्टिक भोजन की उपलब्धता सुनिश्चित करना है।
- **FSSAI अधिनियम, 2006 की मुख्य विशेषताएँ:**
  - **एकीकृत खाद्य कानून** : यह विभिन्न खाद्य कानूनों को एक एकीकृत प्रणाली में समेकित करता है, तथा खाद्य सुरक्षा और गुणवत्ता के लिये स्पष्ट मानक स्थापित करता है।
  - **राज्य सरकारों को शक्तियाँ**: अधिनियम **राज्य सरकारों को** स्थानीय स्तर पर खाद्य सुरक्षा को विनियमित करने के लिये नियम बनाने और उपाय करने की अनुमति देता है, जैसे निरीक्षण करना, अनुपालन सुनिश्चित करना और उल्लंघन के खिलाफ कार्रवाई शुरू करना।
  - **खाद्य सुरक्षा प्राधिकरण** : खाद्य मानकों को निर्धारित करने, खाद्य सुरक्षा ऑडिट करने और सुरक्षित खाद्य प्रथाओं को बढ़ावा देने के लिये इस अधिनियम के तहत **भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (FSSAI) बनाया गया था।**
- यह अधिनियम **केन्द्रीय और राज्य दोनों प्राधिकरणों को** खाद्य सुरक्षा पर कड़ी निगरानी रखने तथा अनुपालन न होने की स्थिति में कार्रवाई करने का अधिकार देता है, जैसे कि हाल ही में उत्तर प्रदेश द्वारा खाद्य पदार्थों में मिलावट संबंधी चिंताओं को दूर करने के लिये जारी किये गए निर्देश।

उत्तर प्रदेश में सेमीकंडक्टर सुविधा

चर्चा में क्यों?

हाल ही में, यह घोषणा की गई कि **उत्तर प्रदेश** में अपनी पहली **सेमीकंडक्टर विनिर्माण इकाई** स्थापित होने वाली है, जो भारत के तकनीकी क्षेत्र में एक महत्त्वपूर्ण विकास को चिह्नित करता है और राज्य को देश के **डिजिटल परिवर्तन** में एक महत्त्वपूर्ण खिलाड़ी के रूप में स्थापित करता है।

मुख्य बिंदु

- **भारत-अमेरिका सेमीकंडक्टर साझेदारी :**
  - यह घोषणा **चिप निर्माण** पर सहयोग के लिये भारत और अमेरिका के बीच हस्ताक्षरित **समझौता ज्ञापन (MoU) के बाद की गई है।**
  - सेमीकंडक्टर (अर्द्धचालक)विकास में **भारत -अमेरिका साझेदारी** का भारत की तकनीकी प्रगति पर दूरगामी प्रभाव पड़ेगा।
- **डिजिटल परिवर्तन का महत्त्व:**
  - सेमीकंडक्टर भारत के **डिजिटल परिवर्तन लक्ष्यों** के लिये महत्त्वपूर्ण हैं और दैनिक जीवन में तेज़ी से दिखाई देने लगेंगे।
  - यह विकास भारत की प्रगति के लिये **प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने** की एक व्यापक पहल का हिस्सा है , जो इसका लाभ **ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों** तक पहुँचाएगा।
- **साइबर सुरक्षा फोकस :**
  - अर्धचालक उद्योग को **साइबर सुरक्षा** को मज़बूत करने के लिये भी महत्त्वपूर्ण माना जाता है, क्योंकि युद्ध में भौतिक हमलों से **साइबर क्षेत्र** में बदलाव आया है।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- **आर्थिक प्रभाव :**
  - इस सुविधा की स्थापना से **व्यापक आर्थिक विकास** में योगदान मिलेगा तथा भारत की अर्थव्यवस्था को **लचीला** तथा प्रबल विकास पथ पर अग्रसर बताया जाएगा।
  - भारत -**अमेरिका द्विपक्षीय संबंध** अब पारस्परिक रूप से लाभकारी हैं, जो भारत के चल रहे आर्थिक विकास में योगदान दे रहे हैं।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निःशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

उत्तर प्रदेश में अत्यधिक वर्षा की चेतावनी

चर्चा में क्यों?

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (IMD) ने उत्तर प्रदेश के लिये महत्त्वपूर्ण मौसम चेतावनी जारी करते हुए विभिन्न ज़िलों को **येलो** और **ऑरेंज अलर्ट** पर रखा है।

- यह चेतावनी मुख्य रूप से **बंगाल की खाड़ी** के उत्तर-पश्चिम में बने **निम्न दाब के क्षेत्र** के कारण है, जो अब **चक्रवाती परिसंचरण** में परिवर्तित हो गया है और वर्तमान में उत्तर प्रदेश को प्रभावित कर रहा है।

मुख्य बिंदु

- **अत्यधिक वर्षा की चेतावनी वाले ज़िले:** कुल 24 **ज़िलों में अत्यधिक वर्षा की चेतावनी** जारी की गई है। इनमें शामिल हैं: बाँदा, चित्रकूट, कौशांबी, प्रयागराज, देवरिया, गोरखपुर, बहराईच, लखीमपुर खीरी, सीतापुर, अयोध्या, अंबेडकर नगर, जालौन, हमीरपुर, महोबा, झाँसी, ललितपुर,
  - इन ज़िलों में IMD ने अत्यधिक वर्षा की संभावना जताते हुए **येलो अलर्ट** जारी किया है।
- अत्यधिक वर्षा के लिये आठ ज़िलों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। ये ज़िले हैं संत कबीर नगर, बस्ती, कुशीनगर, महाराजगंज, सिद्धार्थनगर, गोंडा, बलरामपुर, श्रावस्ती।
- इन क्षेत्रों के निवासियों को अत्यधिक वर्षा और संभावित व्यवधानों के लिये तैयार रहना चाहिये।

रंग-कोडित मौसम चेतावनी

- इसे IMD द्वारा जारी किया जाता है जिसका उद्देश्य **गंभीर** अथवा **खतरनाक मौसम** से पूर्व **लोगों को सचेत करना** है जिससे **नुकसान**, **व्यापक व्यवधान** या जीवन को खतरा होने की संभावना होती है ।
- **IMD 4 रंग कोड का उपयोग करता है:**
  - **ग्रीन (सब ठीक है):** कोई सलाह जारी नहीं की गई है।
  - **येलो (सावधान रहें):** येलो अलर्ट कई दिनों तक खराब मौसम का संकेत देता है। यह बताता है कि मौसम और भी खराब हो सकता है, जिससे दिन-प्रतिदिन की गतिविधियों में व्यवधान आ सकता है।
  - **ऑरेंज (तैयार रहें): ऑरेंज अलर्ट** अत्यंत खराब मौसम की चेतावनी के रूप में जारी किया जाता है, जिससे सड़क और रेल मार्ग बंद होने से आवागमन में व्यवधान उत्पन्न होने और विद्युत् आपूर्ति बाधित होने की संभावना रहती है।
  - **रेड (कार्यवाही करें):** जब अत्यंत खराब मौसम की स्थिति के कारण यात्रा और विद्युत् बाधित होने लगती है तथा जीवन को गंभीर खतरा उत्पन्न हो जाता है, तो **रेड अलर्ट** जारी किया जाता है।
- ये चेतावनियाँ **सार्वभौमिक प्रकृति** की होती हैं तथा **बाढ़** के दौरान भी जारी की जाती हैं, जो **अत्यधिक वर्षा** के परिणामस्वरूप **भूमि/नदी में जल की मात्रा पर निर्भर** करती हैं।
  - उदाहरण के लिये, जब किसी नदी का जल **'सामान्य'** स्तर से ऊपर या **'चेतावनी'** और **'खतरे'** के स्तर के बीच होता है, तो **येलो अलर्ट** जारी किया जाता है।

गैंग चार्ट अनुमोदन में लापरवाही

चर्चा में क्यों?

हाल ही में उत्तर प्रदेश सरकार ने **इलाहाबाद उच्च न्यायालय** को **उत्तर प्रदेश गैंगस्टर और असामाजिक क्रियाकलाप (निवारण) नियम, 2021** का उल्लंघन करते हुए उचित औचित्य के बिना गैंग चार्ट को मंजूरी देने में लापरवाही के लिये अमरोहा के **ज़िला मजिस्ट्रेट** को स्थानांतरित करने के बारे में सूचित किया।

मुख्य बिंदु

- **मामले की पृष्ठभूमि:**
  - यह मामला **उत्तर प्रदेश गिरोहबंद और समाज विरोधी क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम, 1986 की धारा 3(1)** के तहत उनके खिलाफ दर्ज FIR को रद्द करने के लिये दायर एक रिट याचिका से उत्पन्न हुआ।
  - याचिकाकर्ता ने तर्क दिया कि न तो पुलिस अधीक्षक (Superintendent of Police-SP) और न ही अमरोहा के ज़िला मजिस्ट्रेट (DM) ने गैंग चार्ट को मंजूरी देते समय संतुष्टि दर्ज की।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- **गैंग चार्ट** एक दस्तावेज़ है जिसमें **उत्तर प्रदेश गिरोहबंद और समाज विरोधी क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम, 1986** से संबंधित मामलों में अभियुक्त के आपराधिक इतिहास और अन्य प्रासंगिक जानकारी का विवरण होता है।

- **उच्च न्यायालय की टिप्पणियाँ:**
  - **न्यायमूर्ति विवेक कुमार बिड़ला** और **न्यायमूर्ति अरुण कुमार सिंह देशवाल** की पीठ ने कहा कि SP-अमरोहा एवं DM- अमरोहा ने गैंग चार्ट तैयार करते समय संतुष्टि दर्ज नहीं की, जैसा कि **2021 नियमावली के नियम 16(2)** के तहत अपेक्षित है।
  - इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने कहा कि ज़िला मजिस्ट्रेट की कार्यवाही 2021 के नियमों और **सन्नी मिश्रा बनाम उत्तर प्रदेश राज्य मामले** में उच्च न्यायालय द्वारा निर्धारित दिशानिर्देशों दोनों के विपरीत थी।
  - न्यायालय ने इसे **"सरासर लापरवाही"** करार दिया तथा अमरोहा में भी इसी प्रकार के मामले सामने आए, जहाँ अधिकारियों ने नियमों के अनुसार गैंग चार्ट ठीक से तैयार नहीं किया था।
- **न्यायालय का अंतिम निर्णय:**
  - न्यायालय ने अधिकारियों के खिलाफ सीधी कार्यवाही करने से परहेज किया और निर्णय राज्य सरकार पर छोड़ दिया।

उत्तर प्रदेश गिरोहबंद और समाज विरोधी क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम, 1986

- **उद्देश्य:** गिरोह-संबंधी एवं असामाजिक गतिविधियों को रोकना।
- **कार्यक्षेत्र:** संगठित अपराध, हिंसक अपराधों या आदतन अपराधियों में शामिल व्यक्तियों को लक्षित करता है।
- **प्रावधान:**
  - विधिक शब्दों में "गिरोह" और "गैंगस्टर" को परिभाषित करता है।
  - यह प्राधिकारियों को संदिग्धों को हिरासत में लेने सहित निवारक कार्यवाही करने की अनुमति देता है।
  - आपराधिक गतिविधियों से अर्जित संपत्तियों की कुर्की की अनुमति देता है।
  - यह अधिनियम ज़िला मजिस्ट्रेटों और पुलिस को गैंग चार्ट (किसी व्यक्ति की गैंग-संबंधी गतिविधियों का औपचारिक रिकॉर्ड) को मंज़ूरी देने का अधिकार देता है।

उत्तर प्रदेश गैंगस्टर और असामाजिक क्रियाकलाप (निवारण) नियम, 2021

- **उद्देश्य:** उत्तर प्रदेश गैंगस्टर अधिनियम के कार्यान्वयन के लिये विस्तृत दिशा-निर्देश प्रदान करता है।
- **प्रमुख प्रावधान:**
  - **संतुष्टि दर्ज करना:** सक्षम प्राधिकारी, आमतौर पर ज़िला मजिस्ट्रेट, को गैंग चार्ट को अग्रेषित और अनुमोदित करते समय संतुष्टि दर्ज करनी चाहिये।
  - **संयुक्त बैठकें:** गैंग चार्ट को मंज़ूरी देने से पहले पुलिस अधीक्षक और ज़िला मजिस्ट्रेट के बीच संयुक्त बैठकें अनिवार्य हैं।
  - **उचित प्रक्रिया:** यह सुनिश्चित करने के लिये प्रक्रियागत दिशा-निर्देश विनिर्दिष्ट करता है कि गैंग चार्ट पूरी तरह से तैयार किया जाए और ठोस साक्ष्य पर आधारित हो।

UP ने नए विश्वविद्यालयों और रोज़गारों को मंज़ूरी दी

चर्चा में क्यों?

हाल ही में उत्तर प्रदेश सरकार ने **शिक्षा** की गुणवत्ता में सुधार और **रोज़गार** के अवसरों को बढ़ाने के लिये महत्त्वपूर्ण **नीतियों एवं पहलों** को स्वीकृति दी है।

मुख्य बिंदु

- **नीति अनुमोदन:**
  - शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार और रोज़गार को बढ़ावा देने के लिये कैबिनेट द्वारा **'उत्तर प्रदेश उच्च शिक्षा प्रोत्साहन नीति, 2024'** को मंज़ूरी दी गई।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- इसमें निम्नलिखित प्रावधान शामिल हैं:
  - स्टाम्प ड्यूटी में छूट
  - पूंजीगत सब्सिडी
  - प्रायोजक निकायों के लिये विशेष प्रोत्साहन
  - शीर्ष 50 रैंक वाले विश्वविद्यालयों के लिये अतिरिक्त लाभ
- **नये निजी विश्वविद्यालयों की स्थापना:**
  - दो नये निजी विश्वविद्यालयों को मंज़ूरी दी गई:
    - **राजीव मेमोरियल एकेडमिक वेलफेयर सोसाइटी द्वारा मथुरा** में **के.डी. विश्वविद्यालय** की स्थापना की जाएगी ।
    - **विद्या बाल मंडली द्वारा मेरठ** में **42.755 एकड़ परिसर** में **विद्या विश्वविद्यालय की** स्थापना की जाएगी ।
- **उच्च शिक्षा पर प्रभाव:**
  - इसका उद्देश्य स्थानीय उच्च शिक्षा की बढ़ती मांग को पूर्ण करने के लिये निजी निवेश को बढ़ाना है।
  - उत्तर प्रदेश में उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा तक पहुँच प्रदान करता है।
  - इससे युवाओं के लिये प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष दोनों तरह के रोज़गार के अवसर उत्पन्न होने की आशा है।
- **स्वरोज़गार योजना:**
  - स्वरोज़गार को बढ़ावा देने के लिये नई योजना शुरू की गई:
    - सूक्ष्म उद्यमों और सेवा क्षेत्र में **परियोजनाओं के लिये 5 लाख रूपए तक के ऋण** पर सब्सिडी ।
    - **10 वर्षों में 10 लाख सूक्ष्म इकाइयाँ** स्थापित करने का लक्ष्य।
    - **प्रतिवर्ष 1 लाख शिक्षित एवं प्रशिक्षित युवाओं** को सहायता।
  - **पात्रता और फोकस/केंद्र:**
    - आवेदकों के लिये आवश्यक है कि उन्होंने कम से कम **आठवीं कक्षा तक की शिक्षा** प्राप्त की हो।
    - **इंटरमीडिएट स्तर की शिक्षा** वालों को प्राथमिकता।
    - इस योजना का उद्देश्य ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में **रोज़गार को बढ़ावा देना है।**

उत्तर प्रदेश का लक्ष्य 'गरीबी शून्य' करना

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने एक वर्ष के भीतर उत्तर प्रदेश को **शून्य गरीबी** प्राप्त करने वाला भारत का पहला राज्य बनाने के लिये एक अभियान की घोषणा की।

मुख्य बिंदु

- **अभियान का उद्देश्य:**
  - प्रत्येक **ग्राम पंचायत** में सबसे गरीब परिवारों की पहचान करना और उन्हें मुख्यधारा में शामिल करने के लिये सहायता प्रदान करना।
  - परिवारों को निम्नलिखित मामलों में सहायता मिलेगी:
    - भोजन और वस्त्र
    - गुणवत्ता की शिक्षा
    - स्वास्थ्य सेवाएँ
    - आवास सुविधाएँ
    - स्थिर आय स्रोत
- **परिवार पहचान प्रक्रिया:**
  - त्रिस्तरीय पारदर्शी चयन पद्धति का उपयोग करते हुए **प्रति ग्राम पंचायत** सबसे गरीब 10-25 परिवारों को लक्ष्य करना:
    - **स्तर 1:** बेघरता, भूमिहीनता, दैनिक मज़दूरी पर निर्भरता और संसाधनों की कमी जैसे मानदंडों के आधार पर '**मॉप-अप**' **मोबाइल ऐप** के माध्यम से पहचान।
    - **स्तर 2: पाँच सदस्यों (ग्राम प्रधान, पूर्व ग्राम प्रधान, स्थानीय स्कूल प्रधानाध्यापक और स्वयं सहायता समूहों के प्रतिनिधि) वाली ग्राम स्तरीय समिति** का गठन।
    - **स्तर 3:** समिति की सिफारिशों के बाद परिवारों को डिजिटल प्रणाली के माध्यम से स्वचालित भेद्यता रेटिंग प्राप्त होती है।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- **सरकारी योजनाओं का लाभ:**
  - पात्र परिवारों को विभिन्न सरकारी योजनाओं तक पहुँच प्राप्त होगी, जिनमें शामिल हैं:
    - **खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग** से राशन कार्ड एवं खाद्य आपूर्ति।
    - **प्रधानमंत्री आवास योजना** जैसी आवास योजनाओं के अंतर्गत लाभ।
    - शैक्षिक सहायता जैसे स्कूल में प्रवेश और यूनिफॉर्म।
    - **आयुष्मान भारत बीमा** और अन्य स्वास्थ्य पहलों के माध्यम से चिकित्सा सुविधाएं।
  - **श्रम विभाग, मनरेगा (MNREGA), राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन** एवं अन्य योजनाओं के साथ एकीकरण।
  - कौशल विकास पहल और रोज़गार लाभ तक पहुँच।
  - पहचाने गए परिवारों के लिये अनुकूलित सतत् आय योजनाएँ विकसित करने के लिये शैक्षिक संस्थानों के साथ सहयोग करना।
  - **जीरो पॉवर्टी पोर्टल (ZeroPoverty.in)** को कुशल डेटा प्रबंधन और राशन कार्ड की आवश्यकता वाले परिवारों के लिये सहायता हेतु **फैमिली ID पोर्टल के साथ एकीकृत किया जाएगा।**

उत्तर प्रदेश ने सौर ऊर्जा उत्पादन को बढ़ावा दिया

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश सरकार ने राज्य में **नवीकरणीय ऊर्जा** के उत्पादन को प्रोत्साहित करने के लिये महत्त्वपूर्ण **सौर ऊर्जा** परियोजनाओं को स्वीकृति प्रदान की है।

मुख्य बिंदु

- **सौर पार्कों की स्वीकृति:**
  - नई ऊर्जा नीति के तहत **बुंदेलखंड** में सोलर पार्कों के विकास को मंज़ूरी।
  - दो प्रमुख सौर परियोजनाएँ **1,500 हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र में विस्तारित होंगी।**
  - इसकी अपेक्षित क्षमता 450 मेगावाट है, जो इसे भारत के सबसे बड़े सौर पार्कों में से एक बनाती है।
- **नवीकरणीय ऊर्जा लक्ष्य:**
  - **वर्ष 2026-2027 तक उत्तर प्रदेश के सौर ऊर्जा उत्पादन को 22,000 मेगावाट** तक पहुँचाने के लक्ष्य में योगदान देता है।
- **वर्तमान सौर क्षमता:**
  - अगस्त 2024 तक, उत्तर प्रदेश सरकार ने कुल **3,280.15 मेगावाट सौर PV क्षमता** स्थापित की है, जिसमें शामिल हैं:
    - **उपयोगिता-स्तरीय परियोजनाओं से** लगभग 2,965.12 मेगावाट।
    - **छतों पर सौर ऊर्जा (Solar Rooftop) स्थापित करने से 260 मेगावाट** से अधिक।
    - ऑफ-ग्रिड सौर और **कुसुम परियोजनाओं** से लगभग 315 मेगावाट **(नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (MNRE)** के आँकड़ों के अनुसार)।

"रेडियो मैन ऑफ इंडिया" ने बनाया रिकॉर्ड

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश के **राम सिंह बौद्ध ने** रेडियो की विरासत को संरक्षित करते हुए अपने अद्वितीय **रेडियो** संग्रह के साथ **गिनीज़ वर्ल्ड रिकॉर्ड** बनाया।

मुख्य बिंदु

- **विश्व रिकॉर्ड रेडियो संग्रह :**
  - **"भारत के रेडियो मैन"** के नाम से प्रसिद्ध राम सिंह बौद्ध ने **1920 के दशक से लेकर 2010 तक के** 1,257 अद्वितीय रेडियो का संग्रह एकत्र किया है।
  - उनके संग्रह ने **एम. प्रकाश के 625 रेडियो** के पिछले विश्व रिकार्ड को पीछे छोड़ दिया।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- **प्रधानमंत्री द्वारा मान्यता:**
  - रेडियो की विरासत को संरक्षित करने के लिये बौध के जुनून को राष्ट्रीय मान्यता तब मिली जब प्रधानमंत्री ने नवंबर 2023 में **मन की बात** रेडियो कार्यक्रम के दौरान उनका उल्लेख किया।
  - प्रधानमंत्री मोदी ने रेडियो को प्रासंगिक बनाए रखने के लिये बौध के समर्पण पर प्रकाश डाला तथा कहा कि उनके प्रयासों से उनके संग्रह के बारे में जिज्ञासा बढ़ी है।
  - प्रधानमंत्री ने माना कि **मन की बात** ने रेडियो और **आकाशवाणी (All India Radio)** के प्रति रुचि को पुनर्जीवित किया है, जिससे ये कई घरों में एक बार फिर लोकप्रिय हो गए हैं।

रेडियो स्पेक्ट्रम

- रेडियो स्पेक्ट्रम (जिसे **रेडियो फ्रीक्वेंसी या RF के रूप में भी जाना जाता है**) विद्युत चुंबकीय स्पेक्ट्रम का एक हिस्सा है, इस आवृत्ति रेंज में **विद्युत चुंबकीय तरंगों को रेडियो** आवृत्ति बैंड या बस **'रेडियो तरंगें'** कहा जाता है।
- विद्युतचुंबकीय स्पेक्ट्रम में रेडियो तरंगों की तरंगदैर्घ्य सबसे लंबी होती है। इनकी खोज **हेनरिक हर्ट्ज़ ने 1880 के दशक के अंत में की थी।**
- RF बैंड **30 kHz और 300 GHz** के बीच की सीमा में विस्तारित हैं (वैकल्पिक दृष्टिकोण 3 KHz – 300 GHz की कवरेज प्रदान करता है)।

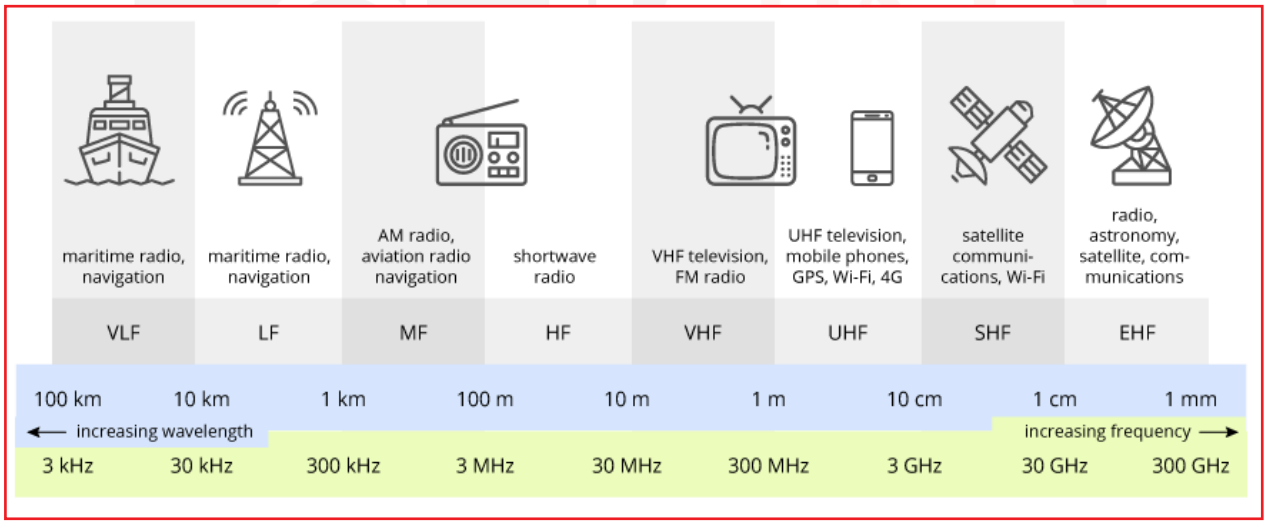

UP अंतर्राष्ट्रीय व्यापार शो, 2024

चर्चा में क्यों?

हाल ही में **MSME**, **ODOP** और **GI उत्पादों** पर ज़ोर देते हुए, वैश्विक निवेश केंद्र के रूप में उत्तर प्रदेश की बढ़ती स्थिति को बढ़ावा देने हेतु **UP इंटरनेशनल ट्रेड शो, 2024 का शुभारंभ किया गया।**

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

मुख्य बिंदु

- **उत्तर प्रदेश के विकास का प्रदर्शन:**
  - UP इंटरनेशनल ट्रेड शो, 2024 का उद्देश्य उत्तर प्रदेश को भारत में एक प्रमुख विकास इंजन के रूप में प्रस्तुत करना है।
  - राज्य ने प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में एक **ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था** प्राप्त करने का उद्देश्य निर्धारित किया है।
  - इस अंतर्राष्ट्रीय व्यापार शो में साझेदार देश **वियतनाम है।**
  - यह शो UP के व्यवसाय, वाणिज्य, शिल्प, संस्कृति, भोजन और नवाचार पर प्रकाश डालता है।
- **MSME और आर्थिक विकास पर ध्यान:**
  - यह व्यापार मेला **MSME, भौगोलिक संकेत (GI) उत्पादों और एक ज़िला, एक उत्पाद (ODOP) योजनाओं को बढ़ावा देता है।**
  - यह उद्यमों को वैश्विक स्तर पर अपनी पहुँच प्रदर्शित करने और उसका विस्तार करने के लिये एक मंच प्रदान करता है, जिससे आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलता है।
  - इसमें सरकारी और निजी **दोनों क्षेत्रों की प्रोत्साहन योजनाओं और पहलों को भी शामिल किया गया है।**
- **मील के पत्थर और उपलब्धियाँ:**
  - उद्घाटन संस्करण **(21 - 25 सितंबर, 2023) ने** 60 से अधिक देशों के विदेशी खरीदारों को आकर्षित किया।
  - भारत की माननीय राष्ट्रपति **श्रीमती द्रौपदी मुर्मू द्वारा** मुख्यमंत्री की उपस्थिति में इसका उद्घाटन किया गया।

कुंभ शिखर कुंभ शिखर सम्मेलन 2024 सम्मेलन 2024

चर्चा में क्यों?

हाल ही में उत्तर प्रदेश सरकार ने **महाकुंभ** 2025 की तैयारी के लिये राज्य के विभिन्न स्थानों पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों की एक शृंखला आरंभ की है।

मुख्य बिंदु

- **कुंभ शिखर सम्मेलन कार्यक्रम:**
  - **महाकुंभ** 2025 की प्रस्तावना के रूप में उत्तर प्रदेश की 18 तहसीलों में इसका शुभारंभ किया जाएगा।
  - आयोजनों में **"कुंभ अभिनंदन"** रोड शो, **बाल-युवा कुंभ, कला-संस्कृति कुंभ, कवि कुंभ और भक्ति कुंभ शामिल हैं।**
  - इन सांस्कृतिक आयोजनों में विश्वविद्यालय और शैक्षणिक संस्थान शामिल होंगे।
  - सांस्कृतिक अकादमियाँ, जैसे कि **ललित कला अकादमी** और **संगीत नाटक अकादमी**, प्रतियोगिताओं के आयोजन का कार्य संभालती हैं।
  - **'शून्य प्लास्टिक उपयोग'** जैसी पर्यावरण अनुकूल प्रथाओं और सुरक्षा के लिये **कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI)** उपकरणों पर ध्यान केंद्रित करना।
  - 700 इलेक्ट्रिक बसों के माध्यम से परिवहन सुनिश्चित करना तथा त्योहार के चरम दिनों के दौरान श्रद्धालुओं के लिये सुगम्यता बढ़ाना।
  - महाकुंभ के आयोजन के लिये सभी आवश्यक सुविधाओं को तैयार करने की अंतिम तिथि 15 दिसंबर, 2024 निर्धारित की गई है।

महाकुंभ

- कुंभ मेला **संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन (UNESCO) की मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की प्रतिनिधि सूची** के अंतर्गत आता है।
- यह पृथ्वी पर तीर्थयात्रियों का सबसे बड़ा शांतिपूर्ण समागम है, जिसके दौरान श्रद्धालु **पवित्र नदी** में स्नान या डुबकी लगाते हैं।
- यह **नासिक में गोदावरी नदी, उज्जैन में शिप्रा/ क्षिप्रा नदी, हरिद्वार में गंगा** और प्रयागराज में गंगा, यमुना और पौराणिक **सरस्वती नदी** के संगम पर होता है। इस मेल को 'संगम' कहा जाता है।
- चूँकि यह भारत के चार अलग-अलग शहरों में आयोजित किया जाता है, इसमें विभिन्न सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियां

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

शामिल होती हैं, जिससे यह सांस्कृतिक रूप से विविधतापूर्ण त्योहार बन जाता है।

- एक महीने से अधिक समय तक चलने वाले इस मेले में एक विशाल तंबूनुमा बस्ती का निर्माण किया जाता है, जिसमें झोपड़ियाँ, मंच, नागरिक सुविधाएँ, प्रशासनिक और सुरक्षा उपाय शामिल होते हैं।
- इसका आयोजन सरकार, स्थानीय प्राधिकारियों और पुलिस द्वारा अत्यंत कुशलतापूर्वक किया जाता है।
- यह मेला विशेष रूप से जंगलों, पहाड़ों और गुफाओं के सुदूर स्थानों से आए **धार्मिक तपस्वियों की असाधारण उपस्थिति के लिये प्रसिद्ध है।**

पीलीभीत टाइगर रिज़र्व में 'शुगरकेन टाइगर्स'

चर्चा में क्यों?

हाल ही में पीलीभीत के गन्ने के खेतों से 10 से अधिक **बाघ** रहस्यमय तरीके से गायब हो गए, जिससे शिकार या पलायन की आशंका बढ़ गई है।

प्रमुख बिंदु

- **'शुगरकेन टाइगर्स':**
  - 'शुगरकेन टाइगर्स' शब्द का प्रयोग उन बाघों के लिये किया जाता है जो वन क्षेत्रों के बजाय गन्ने के खेतों में रहते हैं।
  - ये क्षेत्र घने आवरण और शिकार प्रदान करते हैं, जिससे वनों के समान आवास का निर्माण होता है।
  - उत्तर प्रदेश में पीलीभीत ऐसे बाघों के लिये जाना जाता है, क्योंकि घटते वन क्षेत्र और बाघों के आवासों में मानव अतिक्रमण के कारण गन्ने के खेत बाघों को आश्रय प्रदान करते हैं।
- **पीलीभीत टाइगर रिज़र्व:**
  - यह उत्तर प्रदेश के पीलीभीत और शाहजहाँपुर ज़िले में स्थित है।
  - इसे वर्ष 2014 में **टाइगर रिज़र्व** के रूप में अधिसूचित किया गया था।
  - वर्ष 2020 में, इसने पिछले चार वर्षों में बाघों की संख्या दोगुनी करने के लिये **अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार TX2** जीता।
  - यह **ऊपरी गंगा के मैदान में तराई आर्क परिदृश्य** का हिस्सा है।
  - रिज़र्व का उत्तरी किनारा भारत-नेपाल सीमा पर स्थित है, जबकि दक्षिणी सीमा शारदा और खकरा नदियों द्वारा चिह्नित है।
- **वनस्पति और जीव:**
  - यह 127 से अधिक जानवरों, 326 पक्षी प्रजातियों और 2,100 फूल वाले पौधों का निवास स्थान है।
  - वन्यजीवों में बाघ, **स्वैंप डियर, बंगाल फ्लोरिकन, तेंदुआ** आदि शामिल हैं।
  - इसमें विभिन्न जल निकायों के साथ ऊँचे **साल के वन**, बागान और घास के मैदान हैं।

UP उपचुनाव 2024

चर्चा में क्यों?

हाल ही में उत्तर प्रदेश में विभिन्न कारणों से रिक्त हुए विभिन्न निर्वाचन क्षेत्रों में **उपचुनाव** की तैयारी चल रही है।

प्रमुख बिंदु

- **परिचय:**
  - उपचुनाव, जिसे **उप-चुनाव या विशेष चुनाव के रूप में भी जाना जाता है, भारत के विधायी निकायों में रिक्त सीटों को भरने** के लिये आयोजित **चुनावों** को संदर्भित करता है।
  - यह **व्यापक चुनावी चक्र के अंतर्गत एक महत्त्वपूर्ण घटक** के रूप में कार्य करता है तथा **अप्रत्याशित रिक्तियों को संबोधित** करके नियमित चुनावों का पूरक बनता है।
- **उद्देश्य:**
  - उपचुनावों का प्राथमिक उद्देश्य **रिक्त सीटों के लिये समय पर नामांकन सुनिश्चित करना** है, ताकि **प्रभावित निर्वाचन क्षेत्र या ज़िले का विधानमंडल में प्रतिनिधित्व सुनिश्चित** हो सके।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- **आयोजन:**
  - उपचुनाव तब आयोजित किये जाते हैं जब विधानमंडल में कोई सीट किसी मौजूदा **सदस्य की मृत्यु, त्यागपत्र, अयोग्यता या निष्कासन जैसे कारणों से रिक्त** हो जाती है।
- **निर्धारित समय - सीमा:**
  - **जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951** की धारा 151A के तहत निर्वाचन आयोग को संसद और राज्य विधानमंडलों में आकस्मिक रिक्तियों को रिक्ति होने की तिथि से **छह माह के भीतर उपचुनावों के माध्यम से भरने का अधिकार दिया गया है,** बशर्ते कि रिक्ति के संबंध में **सदस्य का शेष कार्यकाल एक वर्ष या उससे अधिक हो।**
  - इसलिये, **यदि लोक सभा का शेष कार्यकाल रिक्तियों की तिथि से एक वर्ष से कम है, तो उप-चुनाव कराने की कोई आवश्यकता नहीं** है।
- **प्रभाव:**
  - **राजनीतिक परिदृश्य पर प्रभाव:** उप-चुनाव प्राय: **राजनीतिक दलों और उनकी लोकप्रियता के लिये एक कसौटी के रूप में काम** करते हैं।
    - वे दलों को **जनता की भावना को समझने तथा अपने समर्थन आधार का आकलन** करने का अवसर प्रदान करते हैं।
  - **सरकार के बहुमत पर प्रभाव:** उपचुनाव के परिणाम सत्तारूढ़ सरकार के बहुमत को प्रभावित कर सकते हैं।
    - यदि **सत्तारूढ़ दल उपचुनावों में बड़ी संख्या में सीटें हार जाती है, तो इससे विधानमंडल में उसका बहुमत समाप्त हो सकता है,** जिसका असर सरकार की स्थिरता और निर्णय लेने की क्षमता पर पड़ सकता है।
  - **चुनावी रणनीतियों का परीक्षण:** उप-चुनाव राजनीतिक दलों को **अपनी चुनावी रणनीतियों का परीक्षण करने तथा अपने अभियान के तरीकों को बेहतर बनाने** का अवसर प्रदान करते हैं।
    - दल **उपचुनावों के दौरान उम्मीदवारों के चयन, अभियान के विषय और संदेश के साथ प्रयोग** कर सकते हैं, जो बाद के चुनावों में उनकी रणनीतियों को प्रभावित कर सकता है।

सखी निवास छात्रावास

चर्चा में क्यों?

हाल ही में, उत्तर प्रदेश सरकार ने अपने **मिशन शक्ति पहल** का एक नया चरण शुरू किया, जिसका उद्देश्य कामकाजी महिलाओं के लिये सुरक्षित आवास उपलब्ध कराना है।

प्रमुख बिंदु

- **मिशन शक्ति 5.0** के अंतर्गत अक्तूबर 2024 तक वाराणसी, लखनऊ और नोएडा जैसे शहरों में 18 नए **सखी निवास छात्रावास** खोले जाएंगे।
- यह कार्यक्रम कामकाजी महिलाओं के लिये कार्यस्थलों के निकट सुरक्षित, किफायती आवास उपलब्ध कराता है।
  - प्रत्येक छात्रावास में 50 महिलाएँ रह सकेंगी, तथा विवाहित महिलाएँ अपने बच्चों (बेटियों के लिये 18 वर्ष तक, बेटों के लिये 12 वर्ष तक) को अपने साथ रख सकेंगी।
- केन्द्र और राज्य सरकारें इस परियोजना का संयुक्त वित्तपोषण करती हैं।
- **"नारी शक्ति 5.0"** उत्तर प्रदेश सरकार का एक अभियान है।
  - इसका उद्देश्य महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा और जागरूकता बढ़ाना है।

मिशन शक्ति

- **परिचय:** मिशन शक्ति **महिला एवं बाल विकास मंत्रालय** की एक योजना है जिसका उद्देश्य महिला सुरक्षा, संरक्षा और सशक्तिकरण के लिये हस्तक्षेप को मज़बूत करना है।
  - यह **जीवन-चक्र सातत्य के आधार** पर महिलाओं को प्रभावित करने वाले मुद्दों का समाधान करके और अभिसरण

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

एवं नागरिक-स्वामित्व के माध्यम से उन्हें राष्ट्र-निर्माण में समान भागीदार बनाकर **"महिला-नेतृत्व वाले विकास"** के लिये सरकार की प्रतिबद्धता को साकार करने का प्रयास करता है।

- **उप-योजनाएँ:** इसमें दो उप-योजनाएँ हैं - **'संबल'** और **'सामर्थ्य'**। "संबल" उप-योजना महिलाओं की सुरक्षा और संरक्षा के लिये है, जबकि "सामर्थ्य" उप-योजना महिलाओं के सशक्तिकरण के लिये है।
  - **संबल:**
    - 'संबल' उप-योजना के घटकों में **वन स्टॉप सेंटर (OSC), महिला हेल्पलाइन (WHL), बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ (BBBP)** की पूर्ववर्ती योजनाएँ शामिल हैं, जिनमें नारी अदालतों (Nari Adalats) का एक नया घटक शामिल है - समाज और परिवारों में वैकल्पिक विवाद समाधान और लैंगिक न्याय को बढ़ावा देने और सुविधा प्रदान करने के लिये महिला समूह।
  - **सामर्थ्य:**
    - सामर्थ्य उप-योजना के घटकों में **उज्ज्वला, स्वाधार गृह और कामकाजी महिला छात्रावास** जैसी पिछली योजनाओं के संशोधित संस्करण शामिल किये गए हैं।
    - इसके अतिरिक्त, कामकाजी माताओं के बच्चों के लिये **राष्ट्रीय शिशु गृह योजना** और ICDS के अंतर्गत **प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना** जैसी मौजूदा योजनाओं को अब सामर्थ्य में शामिल कर लिया गया है।
  - **सामर्थ्य योजना** में आर्थिक सशक्तिकरण के लिये गैप फंडिंग का एक नया घटक भी जोड़ा गया है।

उत्तर प्रदेश में नवमी पर सार्वजनिक अवकाश

चर्चा में क्यों?

हाल ही में उत्तर प्रदेश सरकार ने **हिंदू परंपराओं में महत्त्वपूर्ण दिन नवमी** के अवसर पर **11 अक्तूबर, 2024** को सार्वजनिक अवकाश घोषित किया है।

प्रमुख बिंदु

- नवमी को **'कन्या भोज'** और हवन (पवित्र अग्नि समारोह) जैसे अनुष्ठानों के साथ **नवरात्रि** का समापन होता है।
- हिंदू कैलेंडर में, नवमी चंद्र पखवाड़े (पक्ष) का नौवाँ दिन है। प्रत्येक महीने में दो नवमी होती हैं, एक **"उज्ज्वल" (शुक्ल)** पखवाड़े के नौवें दिन और एक **"अंधकार" (कृष्ण)** पखवाड़े के नौवें दिन।
- हिंदू धर्म में नवमी दो त्योहारों से भी जुड़ी हुई है।
- **महा नवमी:** शरद नवरात्रि का नौवाँ दिन, **महानवमी** उस दिन की याद में मनाया जाता है जब देवी दुर्गा ने राक्षस महिषासुर को हराया था। यह बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है।
- **रामनवमी: भगवान राम** के जन्म का उत्सव मनाने वाला त्योहार।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

भारत में कैलेंडर का वर्गीकरण

कैलेंडर	प्रकार	वर्ष	शुरुआत	प्रमुख विशेषताएँ
विक्रम संवत	हिंदू चंद्र कैलेंडर	57 ई.पू.	शकों पर विजय के बाद राजा विक्रमादित्य द्वारा प्रस्तुत	चंद्र आधारित; 12 माह, 354 दिन; शुक्लपक्ष और कृष्णपक्ष में विभाजित; कुछ वर्षों में 13वाँ माह (अधिक मास)।
शक संवत	हिंदू सौर कैलेंडर	78 ई.	कुषाणों को पराजित करने के बाद शक शासकों द्वारा शुरू किया गया	सौर-आधारित; वर्ष 1957 में भारत के आधिकारिक कैलेंडर के रूप में अपनाया गया; प्रत्येक वर्ष 365 दिन का होता है।
हिजरी कैलेंडर	इस्लामी चंद्र कैलेंडर	622 ई.	सऊदी अरब से शुरू	चन्द्र आधारित; 12 महीने जिसमें 354 दिन होते हैं; 9वाँ महीना, रमज़ान, उपवास के लिये रखा जाता है।
जॉर्जियाई कैलेंडर	वैज्ञानिक सौर कैलेंडर	1582 ई.	पोप ग्रेगरी XIII द्वारा प्रस्तुत	सौर-आधारित; जूलियन कैलेंडर का स्थान लिया; वर्तमान प्रयोग में आने वाला नागरिक कैलेंडर; 365 दिन, लीप वर्ष के साथ 365.25 दिन।

उत्तर प्रदेश सरकार ट्रैक्टर-ट्रॉलियों पर यात्रियों की यात्रा पर प्रतिबंध लगाएगी

चर्चा में क्यों?

दुर्घटनाओं की पुनरावृत्ति के उत्तर में, उत्तर प्रदेश सरकार **सड़क सुरक्षा** में सुधार के लिये यात्री परिवहन के लिये ट्रैक्टर ट्रॉलियों के उपयोग पर प्रतिबंध लगा रही है।

Safety first

In 2021, road traffic injuries were the 13th leading cause of death in India and the 12th leading cause of health loss.

Percentage of road traffic deaths by victims mode of transport in six States

	Chhattisgarh	Chandigarh	Delhi	Haryana	Maharashtra	Uttarakhand
Pedestrian	19	23	44	29	24	28
Bicycle	4	13	3	3	1	3
Motorised two-wheeler	58	51	40	47	58	48
Motorised three-wheeler	1	7	4	3	1	3
Car	4	4	5	8	6	7
Bus	1	1	0	1	1	4
Truck	5	1	2	5	5	4
Farm tractor	6	0	0	2	2	0
Others	0	1	1	1	2	1
Unknown	0	1	1	0	0	1
Total (%)	100	100	100	100	100	100

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

Percentage of road traffic deaths by type of impacting vehicle in six States						
	Chhattisgarh	Chandigarh	Delhi	Haryana	Maharashtra	Uttarakhand
Bicycle	0	0	1	0	1	0
Motorised two-wheeler	13	11	6	10	14	10
Motorised three-wheeler	0	7	2	1	0	1
Car	7	36	14	25	14	21
Bus	3	5	6	4	4	7
Truck	24	12	18	32	27	28
Farm tractor	5	1	1	7	4	6
Others	11	12	5	1	5	2
None	16	9	3	2	16	5
Unknown	18	9	45	17	15	21
Total (%)	100	100	100	100	100	100

Source: India Status Report on Road Safety 2024

मुख्य बिंदु

- **ट्रैक्टर ट्रॉली प्रतिबंध पर सख्त प्रवर्तन:** उत्तर प्रदेश सरकार ने कई दुर्घटनाओं के बाद यात्री परिवहन के लिये ट्रैक्टर ट्रॉलियों पर प्रतिबंध लागू करने पर अपना ध्यान केंद्रित किया है।
- **ट्रैक्टर ट्रॉलियों पर ग्रामीण निर्भरता:** यात्रियों के उपयोग के लिये प्रतिबंधित होने के बावजूद, किफायती और सुलभ होने के कारण ग्रामीण क्षेत्रों में ट्रैक्टर ट्रॉलियों का आमतौर पर उपयोग किया जाता है।
- **जन जागरूकता अभियान:** सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में **जागरूकता अभियान** शुरू करने की योजना बना रही है, जिसमें सुविधा की अपेक्षा सुरक्षा के महत्त्व पर ज़ोर दिया जाएगा।
- **नियोजित सुरक्षा उपाय:** जनता को शिक्षित करने और **सुरक्षित परिवहन विकल्पों** को बढ़ावा देने के लिये पोस्टर और संदेश (Messaging) अभियान का उपयोग किया जाएगा।

उत्तर प्रदेश ने ग्रैंड प्रिक्स से स्ट्रीट रेस को समाप्त कर दिया

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश सरकार ने सुरक्षा और व्यवस्था को प्राथमिकता देते हुए **बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट पर इंडियन ग्रैंड प्रिक्स** के लिये प्रस्तावित स्ट्रीट रेस को रद्द करने में हस्तक्षेप किया है।

- **ग्रैंड प्रिक्स** एक प्रमुख मोटरस्पोर्ट इवेंट है **जो फार्मूला वन (F1) विश्व चैंपियनशिप के** साथ-साथ अन्य रेसिंग शृंखलाओं का भी हिस्सा है ।

मुख्य बिंदु

- **सरकार ने आयोजन में परिवर्तन का नियंत्रण अपने हाथ में लिया:** उत्तर प्रदेश सरकार ने **इंडियन ग्रैंड प्रिक्स से संबंधित एक बड़े परिवर्तन का नियंत्रण अपने हाथ में ले लिया है तथा** इसमें स्ट्रीट रेस तत्त्व को शामिल करने के विचार को रद्द कर दिया है।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- **स्ट्रीट रेस का प्रस्ताव रद्द:** मोटोजीपी (MotoGP) इवेंट में स्ट्रीट रेस तत्त्व को शामिल करने की प्रारंभिक योजना को आधिकारिक तौर पर दरकिनार कर दिया गया है और अधिक सुव्यवस्थित दृष्टिकोण को अपनाया गया है।
- **सुरक्षा और रसद (लॉजिस्टिक्स) पर ध्यान:** यह निर्णय दर्शकों की सुरक्षा को प्राथमिकता देने, कार्यक्रम की **रसद (लॉजिस्टिक्स) को सुव्यवस्थित करने और संभावित व्यवधानों को कम करने** की राज्य सरकार की रणनीति के अनुरूप है।
- **बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट के प्रति प्रतिबद्धता:** सरकार का यह कदम बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट पर रेस को बनाए रखने पर ज़ोर देता है, जिसके पास मोटोजीपी प्रतियोगिता की मेज़बानी के लिये दीर्घकालिक अनुबंध है।
- **कार्यकुशलता के लिये संचालन को केंद्रीकृत करना:** सड़क दौड़ को समाप्त करके, अधिकारियों का लक्ष्य एक सुचारू आयोजन का लक्ष्य है, जिससे **शहरी दौड़ से जुड़ी तार्किक चुनौतियों और जोखिमों से बचा जा सके।**
- **अंतर्राष्ट्रीय खेल उपस्थिति को सुदृढ़ बनाना:** यह कदम अंतर्राष्ट्रीय खेल आयोजनों की मेज़बानी में उत्तर प्रदेश की बढ़ती भूमिका को दर्शाता है, तथा वैश्विक प्रतियोगिताओं के लिये एक सक्षम और विश्वसनीय स्थल के रूप में इसकी छवि को मजबूत करता है।
- **मोटोजीपी आयोजकों की अपेक्षाओं के अनुरूप:** यह निर्णय प्रतिभागियों और दर्शकों की सुरक्षा के लिये मोटोजीपी आयोजकों के मानकों का भी समर्थन करता है तथा **उच्च गुणवत्ता वाले कार्यक्रम प्रबंधन** को सुनिश्चित करता है।

बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट

- बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट एक मोटर रेसिंग ट्रैक है जो जेपी स्पोर्ट्स सिटी, **ग्रेटर नोएडा, उत्तर प्रदेश में स्थित है, जिसका नाम गौतम बुद्ध के नाम पर रखा गया है**, जो इसके स्थान के ज़िले के समान है।
- इस ट्रैक का आधिकारिक उद्घाटन 18 अक्तूबर, 2011 को हुआ।

खाद्य सुरक्षा और संदूषण पर उत्तर प्रदेश सरकार के अध्यादेश

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश सरकार ने हाल ही में खाद्य संदूषण और खाद्य उद्योग में असामाजिक गतिविधियों पर बढ़ती चिंताओं को दूर करने के लिये दो अध्यादेशों का प्रस्ताव किया है, जो मानव अपशिष्ट द्वारा संदूषण से संबंधित घटनाओं की एक शृंखला से प्रेरित हैं।

मुख्य बिंदु

- **नये खाद्य अध्यादेश :**
  - **छद्म और सद्भाव विरोधी गतिविधियों की रोकथाम और थूकना निषेध अध्यादेश 2024।**
  - **उत्तर प्रदेश खाद्य संदूषण निवारण (उपभोक्ता को जानने का अधिकार) अध्यादेश 2024।**
  - ये अध्यादेश थूकने या मानव अपशिष्ट को खाद्य पदार्थ में मिलाने से होने वाले **संदूषण** को संज्ञेय एवं गैर-जमानती अपराध **बनाने के लिये बनाए गए हैं।**
- **"असामाजिक तत्त्वों" और "अवैध नागरिकों" से निपटने के लिये अध्यादेश:**
  - अध्यादेशों में उन खाद्य प्रतिष्ठानों के कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के प्रावधान शामिल होंगे, जिनके **"अवैध विदेशी नागरिक" होने की पुष्टि हो गई है।**
  - इस कदम का उद्देश्य ऐसे व्यक्तियों को बाहर निकालना है जो खाद्य पदार्थों को दूषित करने या अन्य असामाजिक गतिविधियों में संलग्न होने के लिये अपनी पहचान छिपाते हैं।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- **खाद्य प्रतिष्ठानों पर नाम और पहचान प्रदर्शित करना अनिवार्य:**
  - पारदर्शिता को बढ़ावा देने हेतु सरकार ने सभी खाद्य प्रतिष्ठानों के लिये मालिकों और प्रबंधकों के नाम प्रमुखता से प्रदर्शित करना अनिवार्य कर दिया है।
  - इसके अतिरिक्त, खाद्य प्रतिष्ठानों में कार्यरत सभी कर्मचारियों को ड्यूटी के दौरान **पहचान-पत्र पहनना होगा।**
  - इस उपाय का उद्देश्य जवाबदेही सुनिश्चित करना और व्यक्तियों को अपनी पहचान छिपाने से रोकना है।
- **CCTV कैमरे लगाना अनिवार्य :**
  - सभी भोजनालयों और खाद्य प्रतिष्ठानों को अपने रसोईघरों और भोजन क्षेत्रों में **CCTV कैमरे लगाना** अनिवार्य होगा।
  - फुटेज को कम से कम एक महीने तक रखा जाना चाहिये तथा आवश्यकता पड़ने पर ज़िला प्राधिकारियों को उपलब्ध कराया जाना चाहिये।
  - इससे संदूषण को रोकने के लिये भोजन की तैयारी और सेवा की निगरानी करने में सहायता मिलेगी।
- **उपभोक्ताओं के लिये सूचना का अधिकार :**
  - प्रत्येक उपभोक्ता को अपने द्वारा उपभोग किये जाने वाले भोजन तथा उसे तैयार करने वाले प्रतिष्ठान के बारे में **आवश्यक जानकारी प्राप्त करने का अधिकार होगा।**
  - अध्यादेश यह सुनिश्चित करते हैं कि विक्रेता स्पष्ट साइनबोर्ड प्रदर्शित करें तथा गलत नाम या छद्मनाम का प्रयोग न करें तथा किसी भी उल्लंघन के लिये उन्हें उत्तरदायी ठहराया जाए।
- **अध्यादेश के लिये कानूनी और संवैधानिक प्रक्रिया:**
  - **विधायी उपकरण के रूप में अध्यादेश:**
    - अध्यादेश एक अस्थायी कानून है जिसे कार्यपालिका (राज्य स्तर पर **राज्यपाल**) द्वारा तब लागू किया जाता है जब विधायिका सत्र में नहीं होती है।
    - यह राज्यों के लिये **भारतीय संविधान के अनुच्छेद 213** के तहत जारी किया जाता है , जो राज्यपाल को आपातकालीन स्थितियों में अध्यादेश जारी करने का अधिकार देता है।
  - **अनुमोदन और निरंतरता:**
    - एक बार अध्यादेश जारी हो जाने के बाद, उसे राज्य विधानमंडल के पुन: अधिवेशन में प्रस्तुत किया जाना चाहिये।
    - यदि अगले सत्र के प्रारंभ से छह सप्ताह के भीतर राज्य विधानमंडल के दोनों सदनों द्वारा इसे अनुमोदित नहीं किया जाता है तो अध्यादेश का अस्तित्व समाप्त हो जाएगा।
  - **संवैधानिक सुरक्षा उपाय:**
    - अध्यादेश को **अनुच्छेद 14 (समानता का अधिकार) और 21 (जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार)** के तहत **तर्कसंगतता** और **सार्वजनिक हित** के सिद्धांतों का पालन करना होगा।
    - यदि किसी अध्यादेश को मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करने वाला या कार्यपालिका के संवैधानिक अधिकारों के दायरे से बाहर पाया जाता है, तो न्यायिक समीक्षा की प्रक्रिया उपलब्ध है।

PM वाराणसी में खेल सुविधाओं का उद्घाटन करेंगे

चर्चा में क्यों?

हाल ही में प्रधानमंत्री मोदी **वाराणसी** में नई खेल सुविधाओं का उद्घाटन करने वाले हैं , जिससे एथलीटों के लिये अवसर बढ़ेंगे।

मुख्य बिंदु

- प्रधानमंत्री मोदी वाराणसी के डॉ. संपूर्णानंद स्टेडियम में **राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र** के चरण 2 और 3 का उद्घाटन करेंगे।
  - इस उन्नयन पर **325.65 करोड़ रुपए की लागत आई है**, जिससे 20 से अधिक खेल विधाओं के लिये बुनियादी ढाँचे में सुधार हुआ है।
  - इस परिसर में बहु-स्तरीय कोर्ट, स्विमिंग पूल, एथलेटिक ट्रैक और इनडोर/आउटडोर खेल, **पैरा-स्पोर्ट्स** और रिकवरी ज़ोन के लिये स्थान शामिल हैं।
  - प्रधानमंत्री मोदी **1,000 करोड़ रुपए** से अधिक की विकास परियोजनाओं का भी शुभारंभ करेंगे।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

वाराणसी

- वाराणसी दक्षिण-पूर्वी उत्तर प्रदेश राज्य में है। यह **गंगा नदी** के बाएँ किनारे पर स्थित है और हिंदू धर्म के सात पवित्र शहरों में से एक है।
- यह विश्व के सबसे पुराने लगातार बसे शहरों में से एक है। इसका प्रारंभिक इतिहास मध्य **गंगा घाटी** में पहली आर्य बस्ती से जुड़ा है।
- बुद्ध के समय (छठी शताब्दी ईसा पूर्व) वाराणसी काशी राज्य की राजधानी थी, जिन्होंने अपना पहला उपदेश सारनाथ के पास ही दिया था।
- यह शहर **धार्मिक, शैक्षिक और कलात्मक गतिविधियों का केंद्र बना रहा, जैसा कि प्रसिद्ध चीनी बौद्ध तीर्थयात्री ह्वेन त्सांग (Xuanzang) द्वारा प्रमाणित किया गया है,** जिन्होंने लगभग 635 ई. में यहाँ का दौरा किया था।
- 1194 से शुरू हुए तीन शताब्दियों के मुस्लिम कब्ज़े के दौरान वाराणसी का पतन हो गया।
- 18वीं शताब्दी में वाराणसी एक स्वतंत्र राज्य बन गया और बाद में ब्रिटिश शासन के तहत यह एक वाणिज्यिक और धार्मिक केंद्र बना रहा।
- 1910 में, अंग्रेज़ों ने वाराणसी को एक नया भारतीय राज्य बनाया, जिसका **मुख्यालय रामनगर (विपरीत तट पर) था, लेकिन वाराणसी शहर पर इसका कोई अधिकार क्षेत्र नहीं था।**

काशी स्वास्थ्य सेवा के बड़े केंद्र के रूप में उभरेगा

चर्चा में क्यों?

हाल ही में वाराणसी की अपनी यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री ने **आर.जे. शंकर नेत्र अस्पताल का उद्घाटन किया।**

काशी, जिसे पारंपरिक रूप से धर्म और आध्यात्म के केंद्र के रूप में जाना जाता है, **अब एक महत्त्वपूर्ण स्वास्थ्य सेवा केंद्र के रूप में भी उभर रहा है।** अस्पताल की स्थापना आधुनिक स्वास्थ्य सेवा एवं आध्यात्मिक विरासत के सम्मिश्रण का प्रतिनिधित्व करती है।

मुख्य बिंदु

- नवनिर्मित अस्पताल में **आर्थिक रूप से वंचित पृष्ठभूमि के रोगियों के लिये** प्रतिवर्ष 30,000 **नि:शुल्क नेत्र शल्य चिकित्सा की जाएगी,** जिसमें क्रॉस-सब्सिडी मॉडल का पालन किया जाएगा, जिसके तहत 75% शल्य चिकित्सा नि:शुल्क होगी तथा भुगतान करने वाले रोगियों से प्राप्त राजस्व से इसका वित्तपोषण किया जाएगा, जो लाभार्थियों का 25% है।
- यह सुविधा बुजुर्गों, बच्चों और **पूर्वी उत्तर प्रदेश के 20 ज़िलों के लोगों** के साथ-साथ बिहार, मध्य प्रदेश एवं छत्तीसगढ़ जैसे आसपास के राज्यों के निवासियों की नेत्र देखभाल की जरूरतों को पूरा करेगी।
- **अन्य शुरू की गई परियोजनाएँ:**
  - प्रधानमंत्री की वाराणसी यात्रा में विभिन्न हवाईअड्डा परियोजनाओं सहित **6,700 करोड़ रुपए से अधिक मूल्य की विभिन्न विकास पहलों का शुभारंभ** शामिल था।
  - लाल बहादुर शास्त्री अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर, उन्होंने ₹2,870 करोड़ की अनुमानित लागत से **रनवे के विस्तार, एक नए टर्मिनल भवन और संबंधित बुनियादी ढाँचे की आधारशिला रखी।**

नोट:

- **काशी विश्वनाथ मंदिर भगवान शिव को समर्पित सबसे प्रसिद्ध हिंदू मंदिरों में से एक है।**
- वाराणसी शहर को **काशी** भी कहा जाता है, और इसलिये मंदिर को काशी विश्वनाथ मंदिर के नाम से जाना जाता है।
- यह मंदिर **पवित्र गंगा नदी के पश्चिमी तट पर स्थित है** और यह बारह ज्योतिर्लिंगों में से एक है, जो सबसे पवित्र शिवमंदिर है।
- मुख्य देवता को विश्वनाथ या विश्वेश्वर नाम से जाना जाता है जिसका अर्थ है "ब्रह्मांड का शासक"।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

न्यू नोएडा विकास योजना

चर्चा में क्यों?

हाल ही में उत्तर प्रदेश सरकार ने **वर्ष 2041** तक आवासीय, औद्योगिक और **लॉजिस्टिक्स बुनियादी ढाँचे** को बढ़ावा देने के लिये **न्यू नोएडा सिटी** के विकास को मंजूरी दी।

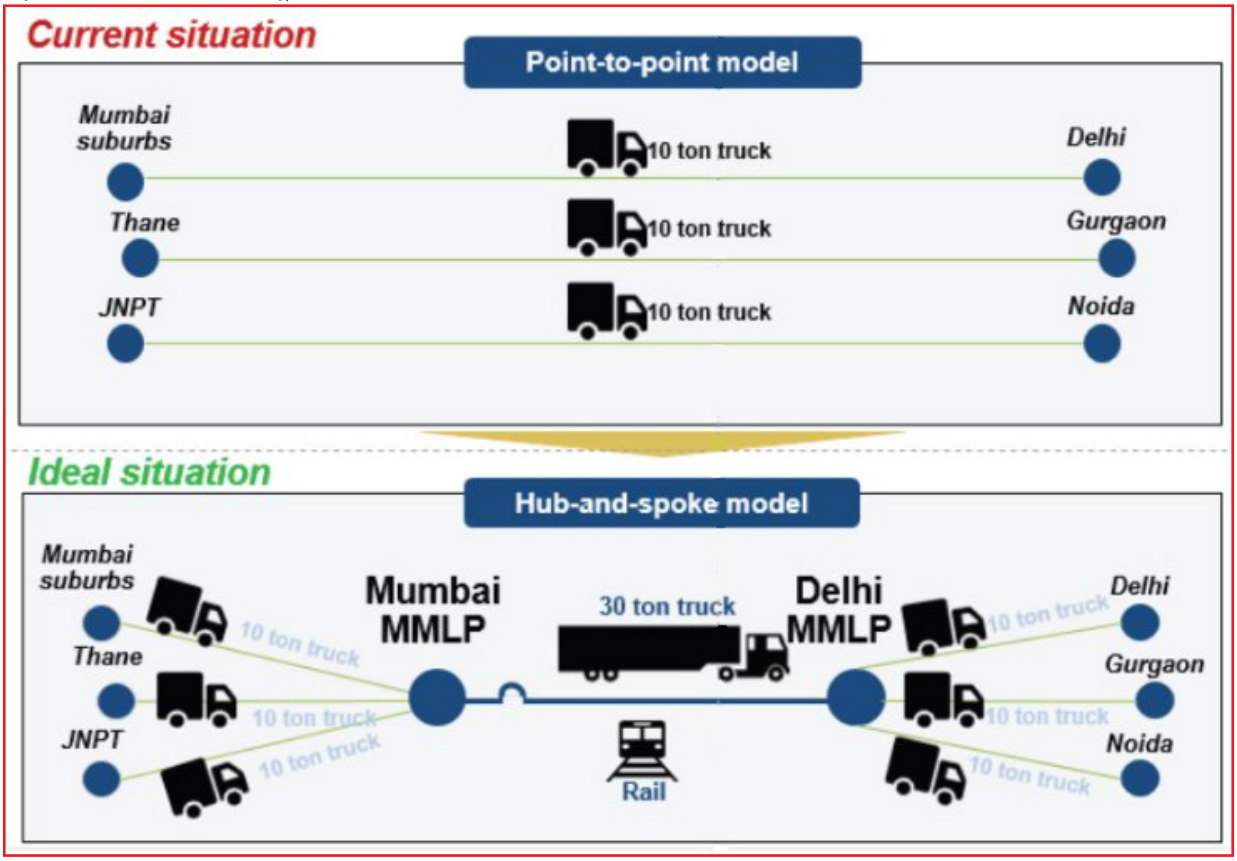

प्रमुख बिंदु

- **जगह:**
  - 209.11 वर्ग किमी में फैला, **गौतम बुद्ध नगर और बुलंदशहर ज़िलों** के 84 गाँवों को कवर करता है।
- **विशेषताएँ:**
  - आवासीय वितरण को संतुलित करना और भविष्य के विकास के साथ संरेखित करना।
  - सभी श्रेणियों, विशेषकर औद्योगिक श्रमिकों के लिये किफायती आवास।
  - औद्योगिक केंद्र, **मल्टी-मॉडल ट्रांसपोर्ट हब (MMTH) और लॉजिस्टिक्स हब (MMLH)**।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- **चरणबद्ध विकास:**
  - **चरण 1 (2024-2028): 1,432 हेक्टेयर क्षेत्र** में मुख्य सड़कों का विकास किया जाएगा।
  - **चरण 2 (2028-2034):** उत्तरी और दक्षिणी क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित; 3,136 हेक्टेयर क्षेत्र का विकास।
  - **चरण 3 (2033-2039):** वाणिज्यिक और औद्योगिक स्थान; 5,908 हेक्टेयर का विकास।
  - **चरण 4 (2037-2043):** औद्योगिक, सार्वजनिक स्थानों और आवासीय क्षेत्रों को अंतिम रूप देना।

मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क (MMLP)

- **परिचय:**
  - **'हब एंड स्पोक' मॉडल** के तहत विकसित MMLP राजमार्गों, रेलवे और अंतर्देशीय जलमार्गों के माध्यम से माल परिवहन के विभिन्न तरीकों को एकीकृत करेगा।
  - **मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक पार्क परियोजना** विभिन्न प्रकार की वस्तुओं के लिये बड़े पैमाने पर अत्याधुनिक वेयरहाउसिंग सुविधाओं को विकसित करने के लिये तथा वेयरहाउसिंग, कस्टम क्लीयरेंस, पार्किंग, ट्रक के रखरखाव जैसी कार्गो आवाजाही से संबंधित सभी सेवाओं के लिये वन स्टॉप सॉल्यूशन बनने की ओर अग्रसर है।
    - इसमें **गोदाम, रेलवे साइडिंग, कोल्ड स्टोरेज, कस्टम क्लीयरेंस हाउस, यार्ड सुविधा, वर्कशॉप, पेट्रोल पंप, ट्रक पार्किंग, प्रशासनिक भवन, बोर्डिंग लॉजिंग, ईटिंग जॉइंट, वाटर ट्रीटमेंट प्लांट** आदि सभी सुविधाएँ होंगी।
- **कार्य:**
  - MMLP अत्याधुनिक माल प्रबंधन प्रणाली के लिये **प्रौद्योगिकी आधारित कार्यान्वयन** पर ध्यान केंद्रित करेगा।
    - इन परियोजनाओं में पैकेजिंग, रीपैकेजिंग और लेबलिंग जैसी विभिन्न मूल्यवर्धित सेवाएँ उपलब्ध होंगी।
  - MMLP अन्य संबद्ध सुविधाओं के साथ **मशीनीकृत सामग्री हैंडलिंग और मूल्य वर्धित सेवाओं के लिये माल ढुलाई की सुविधा** होगी।

उत्तर प्रदेश में आर्थिक नेतृत्व की राह

चर्चा में क्यों?

हाल ही में, मुख्यमंत्री ने भारत की शीर्ष अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में **उत्तर प्रदेश की तीव्र वृद्धि** पर प्रकाश डाला, जो बुनियादी ढाँचे, औद्योगिक और कृषि प्रगति से प्रेरित है।

प्रमुख बिंदु

- **GSDP वृद्धि :** UP का **सकल राज्य घरेलू उत्पाद (GSDP)** वित्त वर्ष 2025 तक 32 ट्रिलियन रुपए से अधिक होने की उम्मीद है, जो वित्त वर्ष 2024 में 26 ट्रिलियन रुपए था।
  - अपराध और भू-माफियाओं पर सरकार की कार्यवाही से **64,000 हेक्टेयर** भूमि को पुन: प्राप्त कर व्यवसाय के लिये स्थान बनाने में मदद मिली है।
  - सरकार ने **40 ट्रिलियन रुपए के FDI प्रस्तावों** और 15 मिलियन रोज़गार के अवसरों पर प्रकाश डाला।
- **पारंपरिक क्षेत्रों पर ध्यान :** **मुरादाबाद के पीतल, फिरोज़ाबाद के काँच और भदोही के कालीन** जैसे उद्योगों को समर्थन।
- **कारोबार में आसानी :** EODB में UP **दूसरे** स्थान पर, वर्ष 2017 में **14 वें** स्थान से सुधार।
  - वर्ष 2017 से UP का वार्षिक बजट **2 ट्रिलियन रुपए से बढ़कर 7.5 ट्रिलियन रुपए** हो गया।
  - **1.5 ट्रिलियन रुपए** मूल्य की बुनियादी ढाँचा परियोजनाएँ चल रही हैं।
- **पर्यटन को बढ़ावा :** **अयोध्या, वाराणसी** और मथुरा जैसे सांस्कृतिक स्थल लाखों पर्यटकों को आकर्षित करते हैं।
- **बुनियादी ढाँचा विकास :** भारत के आधे **एक्सप्रेसवे** और 21 वायुई अड्डे उत्तर प्रदेश में हैं।
- **स्टार्टअप इकोसिस्टम :** **'निवेश मित्र' प्लेटफॉर्म** निवेश को सुव्यवस्थित करता है, MSME और स्टार्टअप को समर्थन देता है।
- **कृषि और ग्रामीण विकास :** **नाबार्ड** ने 1 ट्रिलियन रुपए का वित्त पोषण उपलब्ध कराया है और लगभग 10,000 **किसान उत्पादक संगठन (FPO)** कार्यरत हैं।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

किसान उत्पादक संगठन
(Farmer Producer Organizations- FPO)

- FPO स्वैच्छिक संगठन हैं जो अपने **किसान-सदस्यों** द्वारा नियंत्रित होते हैं और अपनी नीतियों को निर्धारित करने और निर्णय लेने में सक्रिय रूप से भाग लेते हैं।
- वे उन सभी व्यक्तियों के लिये खुले हैं जो उनकी सेवाओं का उपयोग करने में सक्षम हैं और **लैंगिक, सामाजिक, नस्लीय, राजनीतिक** या **धार्मिक भेदभाव** के बिना सदस्यता की ज़िम्मेदारियों को स्वीकार करने के इच्छुक हैं।
- FPO संचालक अपने किसान-सदस्यों, निर्वाचित प्रतिनिधियों, प्रबंधकों और कर्मचारियों को शिक्षा और प्रशिक्षण प्रदान करते हैं ताकि वे अपने FPO के विकास में प्रभावी योगदान दे सकें।
- गुजरात, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, राजस्थान और कुछ अन्य राज्यों में FPO ने उत्साहजनक परिणाम दिखाए हैं और वे अपनी उपज पर अधिक लाभ प्राप्त करने में सफल रहे हैं।
  - उदाहरण के लिये, राजस्थान के पाली ज़िले में आदिवासी महिलाओं ने एक उत्पादक कंपनी बनाई और उन्हें शरीफा के लिये अधिक कीमत मिल रही है।

ग्रीन अयोध्या फंड पहल

चर्चा में क्यों?

हाल ही में अयोध्या ने धारणीय **शहरी विकास** और पर्यावरण संरक्षण के लिये **ग्रीन अयोध्या फंड** की शुरुआत की।

प्रमुख बिंदु

- **उद्देश्य:**
  - यह टिकाऊ शहरी परिदृश्यों के लिये पर्यावरणीय लक्ष्यों के साथ संरेखित करते हुए **अपशिष्ट प्रबंधन**, **नवीकरणीय ऊर्जा**, शहरी हरियाली और **प्रदूषण में कमी** से संबंधित परियोजनाओं का समर्थन करता है।
  - इस कोष का उद्देश्य **पर्यावरण अनुकूल** पहल, धारणीय शहरी नियोजन और हरित अयोध्या के निर्माण के लिये संरक्षण प्रयासों को बढ़ावा देना है।
- **सार्वजनिक भागीदारी:**
  - यह निधि सामुदायिक भागीदारी और पहलों के समर्थन हेतु दान को प्रोत्साहित करती है, तथा **पर्यावरण संरक्षण** में साझा ज़िम्मेदारी की भावना को बढ़ावा देती है ।

राम मंदिर

- **पारंपरिक वास्तुकला और निर्माण:**
  - यह एक 3 मंजिला मंदिर है, जो पारंपरिक नागर शैली में बनाया गया है, जो मिर्ज़ापुर और बंसी-पहाड़पुर (राजस्थान) की पहाड़ियों के गुलाबी बलुआ पत्थर से बना है।
  - मंदिर 71 एकड़ क्षेत्र में फैला हुआ है और अपनी वास्तुकला का अद्भुत नमूना पेश करता है।
- **मंदिर का आयाम:**
  - 250 फीट चौड़ाई और 161 फीट ऊँचाई वाला मुख्य मंदिर क्षेत्र 2.67 एकड़ में फैला हुआ है, जिसमें 390 स्तंभ, 46 द्वार और 5 मंडप हैं।
- **अंदर की अनूठी विशेषताएं:**
  - मुख्य गर्भ गृह में राम लला की मूर्तियाँ हैं, साथ ही रंग मंडप और नृत्य मंडप सहित कई मंडप हैं।
- **अभिनव अभिषेक परंपरा:**
  - प्रत्येक रामनवमी पर दोपहर के समय, दर्पण और लेंस की एक प्रणाली रामलला की मूर्ति पर सूर्य की किरणों को केंद्रित करेगी। इस अनोखे अभिषेक के लिये विद्युत् की आवश्यकता नहीं होती है, बल्कि लोहे या स्टील के बजाय पीतल का उपयोग किया जाता है।
- **मूर्तिकार का योगदान:**
  - मैसूर के मूर्तिकार अरुण योगीराज द्वारा निर्मित पाँच वर्षीय रामलला की मूर्ति 51 इंच की है और एक विशेष समारोह में इसकी प्राण प्रतिष्ठा की गई।
- **स्थायित्व और प्रतीकात्मकता:**
  - मंदिर के निर्माण में लौह धातु का उपयोग नहीं किया गया है, और ऐसा माना जाता था कि यह कम से कम एक सहस्राब्दी तक बना रहेगा।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

अयोध्या दीपोत्सव 2024

चर्चा में क्यों?

हाल ही में **मुख्यमंत्री** के मार्गदर्शन में **अयोध्या में 8 वें दीपोत्सव** की तैयारियाँ तेज़ हो गई हैं ताकि इस वर्ष का आयोजन सबसे भव्य हो सके।

प्रमुख बिंदु

- **भगवान राम के जीवन** के महत्त्वपूर्ण क्षणों को दर्शाती कुल **18 झांकियाँ** प्रदर्शित की जाएंगी, जो **अयोध्या की गहरी सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक** होंगी।
- **उनके विवाह, वनवास** और **रावण पर विजय** जैसी प्रमुख घटनाओं को दर्शाया जाएगा।
- **सूचना विभाग** 11 झांकियाँ बना रहा है, जबकि **पर्यटन विभाग** सात झांकियाँ तैयार कर रहा है, जो **राम चरित मानस** के सात अध्यायों, जैसे **बाल कांड और लंका कांड** पर केंद्रित होंगी।
- अयोध्या को व्यापक रूप से रोशन किया जाएगा, जिसमें विविध प्रकाश व्यवस्था शहर के उत्सव के माहौल को बढ़ाएगी।

रामलीला (उत्तर भारत)

- रामलीला, जिसका शाब्दिक अर्थ है "**राम का नाटक**", **रामायण महाकाव्य** का एक प्रदर्शन है जिसमें कई दृश्य शामिल होते हैं जिनमें गीत, वर्णन, गायन और संवाद शामिल होते हैं।
- यह राम और रावण के बीच युद्ध का स्मरण कराता है तथा इसमें देवताओं, ऋषियों और श्रद्धालुओं के बीच संवादों की एक श्रृंखला शामिल है।
- यह नृत्य **दशहरा** के त्यौहार के दौरान पूरे उत्तर भारत में किया जाता है।
- सर्वाधिक प्रतिनिधिक रामलीलाएँ **अयोध्या**, रामनगर और **बनारस**, **वृंदावन**, अल्मोडा, सतना और **मधुबनी** की हैं।
- रामायण का यह मंचन **रामचरितमानस** पर आधारित है जिसकी रचना **तुलसीदास** ने 16वीं शताब्दी में की थी।

उत्तर प्रदेश ने संस्कृत छात्रवृत्ति योजना का विस्तार किया

चर्चा में क्यों?

हाल ही में उत्तर प्रदेश सरकार ने **संस्कृत शिक्षा** को समर्थन देने, छात्रों की पात्रता और वित्त पोषण बढ़ाने के लिये एक नई छात्रवृत्ति योजना शुरू की।

प्रमुख बिंदु

- **विस्तार:**
  - इस योजना के तहत अब **586 लाख रुपए के बजट** के साथ **69,195 छात्रों** को सहायता दी जा रही है, जो कि पहले के 300 लाभार्थियों से उल्लेखनीय वृद्धि है।
  - पिछली योजना के विपरीत, जिसमें सख्त आयु सीमा थीं, नई छात्रवृत्ति उत्तर प्रदेश के सभी योग्य संस्कृत छात्रों के लिये खुली है।
  - CM ने कंप्यूटर विज्ञान जैसे वैज्ञानिक क्षेत्रों में **संस्कृत की प्रासंगिकता** पर ज़ोर दिया तथा छात्रों को इसे व्यापक अनुप्रयोगों वाली भाषा के रूप में देखने के लिये प्रोत्साहित किया।
- **पारंपरिक गुरुकुल शिक्षा के लिये समर्थन:**
  - **गुरुकुल शैली के स्कूलों** को पुनर्जीवित करने की योजना की घोषणा की गई, जिसमें आवासीय सुविधाओं के लिये बेहतर समर्थन और योग्य शिक्षकों की नियुक्ति शामिल है।
  - वैदिक विज्ञान केंद्र की स्थापना से अनुसंधान में सुविधा होगी तथा पारंपरिक संस्कृत ज्ञान को आधुनिक वैज्ञानिक जाँच के साथ एकीकृत किया जा सकेगा।

गुरुकुल

- 'गुरुकुल' प्राचीन भारत में एक प्रकार की शिक्षा प्रणाली थी जिसमें शिष्य (छात्र) गुरु के साथ एक ही घर में रहते थे।
- नालंदा में विश्व की सबसे पुरानी विश्वविद्यालय शिक्षा प्रणाली है।
- विश्व भर के छात्र भारतीय ज्ञान प्रणालियों की ओर आकर्षित हुए।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

कुंभ मेला 2025 की तैयारियाँ

चर्चा में क्यों?

हाल ही में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने कुंभ मेले 2025 को अधिक सुरक्षित एवं सांस्कृतिक रूप से समृद्ध आयोजन बनाने के लिये उपायों की घोषणा की ।

मुख्य बिंदु

- **उन्नत सुरक्षा उपाय:**
  - **भीड़ नियंत्रण और आपातकालीन प्रतिक्रिया के लिये ड्रोन** सहित उन्नत सुरक्षा और निगरानी प्रणालियाँ तैनात की जाएँगी।
- **सांस्कृतिक प्रदर्शनियाँ:**
  - पूरे मेले में पारंपरिक प्रदर्शन और प्रदर्शनियाँ होंगी, जो भारत की विविध विरासत पर प्रकाश डालेंगी।
- **बुनियादी ढाँचागत विकास:**
  - लाखों तीर्थयात्रियों की सुविधा के लिये सड़क विस्तार, बेहतर स्वच्छता और उन्नत सुविधाओं को प्राथमिकता दी गई है।
- **पर्यावरण अनुकूल पहल:**
  - अपशिष्ट को न्यूनतम करने तथा गंगा नदी एवं आसपास के क्षेत्रों की स्वच्छता बनाए रखने के लिये कदम।

कुंभ मेला

- कुंभ मेला तीर्थयात्रियों का सबसे बड़ा शांतिपूर्ण समागम है, जिसके दौरान प्रतिभागी पवित्र नदी में स्नान करते हैं।
- कुंभ मेला **UNESCO की मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की प्रतिनिधि सूची के अंतर्गत आता है।**
- यह महोत्सव **प्रयागराज (गंगा, यमुना और पौराणिक सरस्वती के संगम पर), हरिद्वार (गंगा के तट पर), उज्जैन (शिप्रा के तट पर) व नासिक (गोदावरी के तट पर) में प्रत्येक चार वर्ष** में आयोजित किया जाता है और इसमें जाति, पंथ या लिंग के भेदभाव के बिना लाखों लोग भाग लेते हैं।
- चूँकि यह भारत के चार अलग-अलग शहरों में आयोजित किया जाता है, इसमें विभिन्न सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियाँ शामिल होती हैं, जिससे यह सांस्कृतिक रूप से विविधतापूर्ण त्योहार बन जाता है।
- यह आयोजन खगोल विज्ञान, ज्योतिष, अध्यात्म, अनुष्ठानिक परंपराओं तथा सामाजिक और सांस्कृतिक रीति-रिवाज़ों एवं प्रथाओं को समाहित करता है, जिससे यह ज्ञान की दृष्टि से अत्यंत समृद्ध बन जाता है।
- परंपरा से संबंधित ज्ञान और कौशल प्राचीन धार्मिक पांडुलिपियों, मौखिक परंपराओं, ऐतिहासिक यात्रा वृत्तांतों और प्रख्यात इतिहासकारों द्वारा तैयार ग्रंथों के माध्यम से प्रसारित किये जाते हैं।
- आश्रमों और अखाड़ों में साधुओं के बीच गुरु-शिष्य संबंध कुंभ मेले से संबंधित ज्ञान और कौशल प्रदान करने और उसकी सुरक्षा करने का सबसे महत्त्वपूर्ण तरीका बना हुआ है।

सर्वोच्च न्यायालय ने उत्तर प्रदेश मदरसा शिक्षा बोर्ड अधिनियम, 2004 को मान्यता प्रदान की

चर्चा में क्यों?

हाल ही में **सर्वोच्च न्यायालय** ने **उत्तर प्रदेश मदरसा शिक्षा बोर्ड अधिनियम, 2004** की संवैधानिक वैधता को आंशिक रूप से मान्यता प्रदान की तथा पुष्टि की कि उत्कृष्टता के मानकों को बनाए रखने के लिये राज्य को **मदरसा शिक्षा को विनियमित करने का अधिकार है।**

मुख्य बिंदु

- **सर्वोच्च न्यायालय का निर्णय:**
  - न्यायालय ने घोषणा की कि **उच्च शिक्षा से संबंधित प्रावधान, विशेष रूप से फाज़िल (स्नातक)** और **कामिल (स्नातकोत्तर) स्तर** पर, **असंवैधानिक** थे।
  - ये प्रावधान **विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम, 1956** के साथ टकराव में थे, जो **संविधान की सातवीं अनुसूची** में **संघ सूची** की प्रविष्टि 66 के अनुसार केंद्र के विशेष क्षेत्राधिकार के अंतर्गत आता है।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- निर्णय में स्पष्ट किया गया कि यह **अधिनियम राज्य के कर्त्तव्य के अनुरूप है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि** मान्यता प्राप्त मदरसों में पढ़ने वाले छात्र **न्यूनतम स्तर की योग्यता प्राप्त कर करें।** इससे यह सुनिश्चित होता है कि वे समाज में प्रभावी रूप से भाग ले सकें और जीविकोपार्जन कर सकें।
- न्यायालय ने इस बात पर ज़ोर दिया कि यद्यपि अल्पसंख्यकों को संविधान के **अनुच्छेद 30 के तहत अपने शैक्षणिक संस्थान स्थापित करने और उनका प्रबंधन करने का अधिकार है**, परंतु यह **अधिकार पूर्ण नहीं है।**
- अल्पसंख्यक संस्थानों में शैक्षिक मानकों को बनाए रखने में राज्य का वैध हित है और वह सहायता और मान्यता के लिये नियामक शर्तें लगा सकता है।
- न्यायालय ने **समवर्ती सूची की प्रविष्टि 25 में 'शिक्षा' की** व्यापक व्याख्या की तथा कहा कि यद्यपि मदरसे धार्मिक शिक्षा प्रदान करते हैं, उनका **प्राथमिक उद्देश्य शैक्षिक है, इसलिये वे इस प्रविष्टि के दायरे में आते हैं।**
- मदरसा बोर्ड परीक्षा आयोजित करता है और छात्रों को प्रमाण पत्र जारी करता है, जो शैक्षिक ढाँचे के साथ संरेखित होता है।
- सर्वोच्च न्यायालय ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के निर्णय को खारिज कर दिया, जिसमें कहा गया था कि 2004 का अधिनियम **अनुच्छेद 21A (शिक्षा का अधिकार)** और संविधान के **धर्मनिरपेक्षता** सिद्धांत का उल्लंघन करता है।
- न्यायालय ने स्पष्ट किया कि अनुच्छेद 21A की व्याख्या **धार्मिक और भाषाई अल्पसंख्यकों के** शैक्षणिक संस्थान स्थापित करने के अधिकारों के साथ की जानी चाहिये।
- संविधान के **अनुच्छेद 28(3)** का हवाला देते हुए न्यायालय ने कहा कि राज्य द्वारा मान्यता प्राप्त अल्पसंख्यक संस्थान में पढ़ने वाले छात्रों को **धार्मिक शिक्षा या पूजा में भाग लेने के लिये बाध्य नहीं किया जाना चाहिये**, जिससे उनके **धार्मिक स्वतंत्रता के अधिकार** को सुनिश्चित किया जा सके।

उत्तर प्रदेश मदरसा शिक्षा बोर्ड अधिनियम, 2004

- इस अधिनियम का उद्देश्य उत्तर प्रदेश राज्य में **मदरसों (इस्लामी शैक्षणिक संस्थानों)** के कामकाज को विनियमित और संचालित करना था।
- इसने उत्तर प्रदेश में मदरसों की स्थापना, मान्यता, पाठ्यक्रम और प्रशासन के लिये एक रूपरेखा प्रदान की।
- इस अधिनियम के तहत राज्य में मदरसों की गतिविधियों की देख-रेख और पर्यवेक्षण के लिये **उत्तर प्रदेश मदरसा शिक्षा बोर्ड की स्थापना की गई।**

अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय को अल्पसंख्यक का दर्जा

चर्चा में क्यों?

हाल ही में **सर्वोच्च न्यायालय ने अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (AMU) के अल्पसंख्यक दर्जे** पर फैसला सुनाया। यह मामला AMU के अल्पसंख्यक दर्जे को बहाल करने की मांग करने वाली याचिकाओं से उपजा था, जिसे वर्ष 2006 में इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने खारिज कर दिया था।

मुख्य बिंदु

- न्यायालय **ने वर्ष 1967 के संविधान पीठ के फैसले को खारिज कर दिया**, जिसमें कहा गया था कि AMU को अल्पसंख्यक संस्थान नहीं माना जा सकता क्योंकि इसकी स्थापना एक क़ानून द्वारा की गई थी और यह एक केंद्रीय विश्वविद्यालय था।
- **मुख्य टिप्पणियाँ:**
  - न्यायालय ने कहा कि अल्पसंख्यक समुदाय द्वारा निर्मित कोई भी संस्था अल्पसंख्यक शैक्षणिक संस्था कहलाती है, चाहे वह कानूनी रूप से किसी भी रूप में गठित हो।
  - ऐसी संस्थाओं का उद्देश्य **समुदाय के सांस्कृतिक ताने-बाने को संरक्षित रखना है।**
  - अल्पसंख्यक दर्जा इस बात पर निर्भर नहीं करता कि संस्था केवल समुदाय के लिये है, बल्कि मुख्य रूप से उसे लाभ पहुँचाती है।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- न्यायालय ने पाया कि समुदाय द्वारा प्रशासनिक नियंत्रण खोने से संस्था का अल्पसंख्यक चरित्र समाप्त नहीं हो जाता।

- **अनुच्छेद 30(1) महत्त्व:**
  - अनुच्छेद 30(1) अल्पसंख्यकों को अपने शैक्षिक और सांस्कृतिक मूल्यों को संरक्षित करने के लिये **शैक्षिक संस्थानों की स्थापना और प्रबंधन का अधिकार देता है।**
    - प्रशासन का अधिकार समुदाय के सदस्यों को संस्था का प्रबंधन करने की आवश्यकता नहीं रखता है, बल्कि यह समुदाय-विशिष्ट शैक्षिक लक्ष्यों को बनाए रखने के लिये संस्था की स्वायत्तता सुनिश्चित करता है।
- **AMU मामला:**
  - 1875 में स्थापित AMU को **AMU (संशोधन) अधिनियम, 1981 के माध्यम से संसद द्वारा अल्पसंख्यक का दर्जा दिया गया था**, लेकिन इस प्रावधान को 2006 में **इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने अमान्य कर दिया था।**
- **सरकार का तर्क:**
  - केंद्र ने तर्क दिया कि राष्ट्रीय महत्व के संस्थान के रूप में AMU को उसके राष्ट्रीय चरित्र के कारण **अल्पसंख्यक संस्थान नहीं माना जा सकता।**
  - सरकार ने तर्क दिया कि **AMU किसी विशेष धर्म या समुदाय तक सीमित नहीं है।**
- **विश्वविद्यालय का रुख:**
  - AMU ने कहा कि इसकी **स्थापना मूलत: मुस्लिम समुदाय द्वारा** अपने सदस्यों को शिक्षा और सशक्तीकरण प्रदान करने के लिये की गई थी।

पुलिस प्रमुख की नियुक्ति के लिये नए नियम

चर्चा में क्यों?

हाल ही में **उत्तर प्रदेश सरकार ने** राज्य के **पुलिस महानिदेशक (DGP) की नियुक्ति के लिये नए नियम** बनाए हैं।

मुख्य बिंदु

- **उत्तर प्रदेश में DGP नियुक्ति के नए नियम इस प्रकार हैं:**
  - यूपी कैबिनेट ने **पुलिस महानिदेशक, उत्तर प्रदेश चयन एवं नियुक्ति नियमावली, 2024 को मंज़ूरी दे दी।**
  - **DGP का चयन अधिकारी के सेवा रिकॉर्ड, अनुभव और शेष कार्यकाल पर विचार करते हुए** एक समिति द्वारा किया जाएगा।
  - केवल वे अधिकारी ही इस पद के लिये **पात्र हैं जिनकी सेवानिवृत्ति से पहले कम से कम छह महीने की सेवा शेष हो।**
  - **नियुक्त DGP न्यूनतम दो वर्ष तक** पद पर रहेंगे।
  - चयन समिति में एक सेवानिवृत्त **उच्च न्यायालय** के न्यायाधीश, उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव, **संघ लोक सेवा आयोग (UPSC)** के प्रतिनिधि और अन्य शामिल हैं।
- **मौजूदा प्रथा:**
  - राज्य सरकार को वर्तमान DGP की सेवानिवृत्ति से तीन महीने पहले **UPSC को पात्र वरिष्ठ अधिकारियों की सूची भेजनी होगी।**
  - UPSC सूची की समीक्षा करता है और अंतिम नियुक्ति के लिये **तीन उम्मीदवारों की एक सूची** राज्य को भेजता है।
  - रिक्ति सृजन की तिथि से **छह महीने का न्यूनतम कार्यकाल (सेवानिवृत्ति से पहले)** वाले अधिकारी ही DGP के रूप में नियुक्ति के लिये पात्र होंगे। एक बार नियुक्त होने के पश्चात, DGP का **न्यूनतम कार्यकाल दो वर्ष का होगा।**
- **नये नियमों का कारण:**
  - अस्थायी DGP की **नियुक्ति को चुनौती देने वाली कई याचिकाओं के बाद सर्वोच्च न्यायालय की अवमानना नोटिस** के जवाब में ये नियम पेश किए गए थे ।
  - याचिकाओं में तर्क दिया गया है कि अस्थायी नियुक्तियां सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों का उल्लंघन हैं, जिसका उद्देश्य पुलिस को राजनीतिक प्रभाव से बचाना है।
  - यद्यपि 17 राज्यों ने अपने-अपने पुलिस अधिनियम बनाए हैं, लेकिन उत्तर प्रदेश ने अब तक ऐसा नहीं किया था।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

Police Reforms in India

CONSTITUTIONAL STATUS

- Police and Public Order: State subjects (7th Schedule)

NEED FOR REFORM

- Colonial Law
- Custodial Death
- Lack of Accountability
- Political Interference
- Poor Gender Sensitivity
- Communal/Caste Bias
- No Anti-Torture Law

RELATED DATA

- Police-People Ratio: 153 police/100,000 people (Global benchmark: 222 police /100,000 people)
- Custodial Deaths: 175 in 2021-2022 (as per MHA)
- Women's Share: 10.5% of entire force (India Justice Report 2021)
- Infrastructure: 1 in 3 police stations is equipped with CCTV (India Justice Report 2021)

IMPORTANT COMMITTEES/COMMISSION

RELATED INITIATIVES

- SMART Policing (pan-India)
- Automated Multimodal Biometric Identification System (AMBIS) (Maharashtra)
- Real Time Visitor Monitoring System (uses AI and blockchain) (Andhra Pradesh)
- CyberDome (Tech R&D Centre) (Kerala)

CHALLENGES WITH POLICING

- Low Police-Population Ratio
- Political Superimposition
- Unsatisfactory Police-Public Relations
- Infra Deficit
- Corruption
- Understaffed/Overburdened

WAY FORWARD

- ↑Police Budget, Resources
- ↑Recruitment Process
- Implement Measures to Reduce Corruption
- ↑Skills of Policemen
- Better Representation (Women, Minorities)

Drishti IAS

Prepare with DrishtiIAS

राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!

हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!

राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!

निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

गंगा के जल की गुणवत्ता बिगड़ रही है

चर्चा में क्यों?

हाल ही में **राष्ट्रीय हरित अधिकरण (NGT)** ने पाया है कि उत्तर प्रदेश में **गंगा नदी में सीवेज या गंदगी छोड़े जाने** के कारण जल की गुणवत्ता खराब हो रही है।

मुख्य बिंदु

- **NGT की चिंताएँ:**
  - NGT ने उत्तर प्रदेश में सीवेज उपचार की स्थिति की समीक्षा की, जिसमें पाया गया कि प्रयागराज ज़िले में सीवेज उपचार में 128 मिलियन लीटर प्रतिदिन (MLD) का अंतर है।
  - **केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (CPCB)** की एक रिपोर्ट में यह जानकारी सामने आई है कि प्रयागराज में 25 अनुपयोगी नाले गंगा में बिना किसी उपचार के सीवेज का प्रवाह कर रहे हैं, जबकि 15 अन्य नाले **यमुना** में इसी प्रकार का प्रदूषण फैला रहे हैं।
  - उत्तर प्रदेश में 326 नालों में से 247 का उपयोग नहीं किया गया है और वे गंगा तथा उसकी सहायक नदियों में अपशिष्ट जल छोड़ते हैं।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- **NGT के निर्देश:**
  - NGT ने उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव को एक शपथ-पत्र प्रस्तुत करने का आदेश दिया, जिसमें प्रत्येक नाले के सीवेज, उससे जुड़े **सीवेज उपचार संयंत्रों (STP)** और STP को क्रियाशील बनाने की समयसीमा का विवरण हो।
  - शपथ-पत्र में **अनुपचारित सीवेज निर्वहन को रोकने के लिये अल्पकालिक उपाय भी शामिल होने चाहिये।**
- **सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (STP) मुद्दे:**
  - CPCB की रिपोर्ट में बताया गया है कि गंगा के किनारे स्थित 16 शहरों में 41 STP में से छह बंद हैं तथा 35 क्रियाशील संयंत्रों में से केवल एक ही नियमों का अनुपालन करता है।
  - 41 स्थानों पर जल की गुणवत्ता में फेकल कोलीफॉर्म का स्तर सुरक्षित सीमा (500/100 मिली.) से अधिक पाया गया, जबकि 17 स्थानों पर यह 2,500 एमपीएन/100 मिली. से अधिक पाया गया, जो अनुपचारित मलजल से होने वाले गंभीर प्रदूषण का संकेत है।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (CPCB)

- यह एक वैधानिक संगठन है, जिसका **गठन वर्ष 1974 में जल (प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण) अधिनियम, 1974** के तहत किया गया था।
- **CPCB को वायु (प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण) अधिनियम, 1981** के अंतर्गत शक्तियाँ और कार्य भी सौंपे गए।
- यह एक क्षेत्रीय इकाई के रूप में कार्य करता है तथा **पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986** के प्रावधानों के संबंध में पर्यावरण एवं वन तथा जलवायु परिवर्तन मंत्रालय को तकनीकी सेवाएँ भी प्रदान करता है।

प्रस्तावित काँवड़ यात्रा मार्ग के लिये काटे गए वृक्ष

चर्चा में क्यों?

राष्ट्रीय हरित अधिकरण (NGT) के अनुसार, प्राधिकारियों ने नया **काँवड़ यात्रा** मार्ग बनाने के लिये उत्तर प्रदेश के **गाज़ियाबाद, मेरठ और मुज़फ्फरनगर ज़िलों** में लगभग 17,600 वृक्ष काट दिये हैं।

मुख्य बिंदु

- **पृष्ठभूमि:**
  - इस वर्ष की शुरुआत में, NGT ने उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा 1,12,722 वृक्षों को काटने की योजना से संबंधित एक समाचार रिपोर्ट पर **स्वतः संज्ञान** लिया था।
  - बड़े पैमाने पर वृक्षों की कटाई का उद्देश्य **गाज़ियाबाद के मुरादनगर और मुज़फ्फरनगर के पुरकाजी के बीच प्रस्तावित काँवड़ यात्रा मार्ग को सुगम बनाना था।**
- **अंतरिम रिपोर्ट के निष्कर्ष:**
  - अगस्त 2024 में, NGT ने इस परियोजना से जुड़ी **पर्यावरणीय चिंताओं की जाँच के लिये एक संयुक्त पैनल का गठन किया।**
  - **सिंचाई विभाग के आँकड़ों पर आधारित** रिपोर्ट में बताया गया है कि प्रारंभिक अनुमति 1,12,722 वृक्षों को काटने की थी, लेकिन बाद में लक्ष्य घटाकर 33,776 कर दिया गया।
- NGT ने उत्तर प्रदेश सरकार को यह स्पष्ट करने का निर्देश दिया कि क्या काटे जाने वाले वृक्षों की गणना **उत्तर प्रदेश वृक्ष संरक्षण अधिनियम, 1976** के अनुरूप है।
  - सरकार को यह भी स्पष्ट करना होगा कि क्या सड़क निर्माण के लिये हटाए जाने वाले **पौधे और झाड़ियाँ जैसी अतिरिक्त वनस्पतियाँ अधिनियम की वृक्षों की परिभाषा के अंतर्गत आती हैं।**

काँवड़ यात्रा

- **यह भगवान शिव भक्तों** द्वारा **श्रावण माह** में किया जाने वाला एक **हिंदू तीर्थस्थल है।**
- भक्तगण उत्तराखंड में **हरिद्वार, गौमुख, गंगोत्री**, बिहार में **सुल्तानगंज, उत्तर प्रदेश में प्रयागराज, अयोध्या और वाराणसी** जैसे **तीर्थ स्थानों की यात्रा करते हैं एवं** शिव का आशीर्वाद लेने के लिये काँवड़ में **गंगा** जल लेकर लौटते हैं।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- जल को शिव मंदिरों में चढ़ाया जाता है, जिसमें भारत भर के 12 ज्योतिर्लिंग और उत्तर प्रदेश में पुरा महादेव मंदिर और औघड़नाथ, प्रसिद्ध काशी विश्वनाथ मंदिर और झारखंड के देवघर में बाबा बैद्यनाथ मंदिर **जैसे अन्य मंदिर शामिल हैं। इस अनुष्ठान को जल अभिषेक के** नाम से जाना जाता है।

राष्ट्रीय हरित अधिकरण

राष्ट्रीय हरित अधिकरण (NGT) पर्यावरण एवं प्राकृतिक संसाधन मामलों के त्वरित समाधान हेतु एक विशेष निकाय है।

परिचय

- **स्थापना:** राष्ट्रीय हरित अधिकरण अधिनियम 2010 के तहत
- **उद्देश्य:** पर्यावरण एवं प्राकृतिक संसाधन संबंधी मामलों का त्वरित समाधान
- **मामले का समाधान:** 6 माह के अंदर
- **मुख्यालय: नई दिल्ली (मुख्यालय)**, भोपाल, पुणे, कोलकाता और चेन्नई

संरचना

- **संरचना:** अध्यक्ष, न्यायिक सदस्य और विशेषज्ञ सदस्य
- **कार्यकाल:** 5 वर्ष तक/65 वर्ष की आयु तक (पुनर्नियुक्ति नहीं)
- **नियुक्तियाँ:** अध्यक्ष - केंद्र सरकार (भारतीय मुख्य न्यायाधीश के परामर्श से)
  - 10-20 न्यायिक सदस्य और 10-20 विशेषज्ञ सदस्य - चयन समिति

भारत विश्व स्तर पर तीसरा देश है (ऑस्ट्रेलिया और न्यूज़ीलैंड के बाद) साथ ही NGT जैसा विशेष पर्यावरण अधिकरण स्थापित करने वाला पहला विकासशील देश भी है।

शक्तियाँ और अधिकार क्षेत्र

- **अधिकार क्षेत्र:** पर्यावरण संबंधी मुद्दों और अधिकारों पर दीवानी मामले
- **स्वप्रेरणा से अधिकार (Suo Motu Powers):** वर्ष 2021 से प्रदान किये गए
- **भूमिका:** न्यायिक, निवारक और उपचारात्मक
- **प्रक्रिया:** प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का पालन करता है
  - CPC, 1908 या भारतीय साक्ष्य अधिनियम 1872 के तहत बाध्य नहीं
- **सिद्धांत:** सतत् विकास; निवारक (Precautionary); प्रदूषक भुगतान (Polluter Pays)
- **आदेश:** सिविल कोर्ट के आदेशों के अनुसार निष्पादन योग्य; राहत और मुआवज़ा प्रदान करता है **(निर्णय बाध्यकारी हैं)**
- **अपील:** अधिकरण अपने निर्णयों की समीक्षा कर सकता है।
  - यदि निर्णय विफल हो जाता है - 90 दिनों के अंदर उच्चतम न्यायालय में अपील दायर की जानी चाहिये

NGT निम्नलिखित के तहत सिविल मामलों का समाधान करता है

- जल (प्रदूषण की रोकथाम और नियंत्रण) अधिनियम, 1974
- जल (प्रदूषण की रोकथाम और नियंत्रण) उपकर अधिनियम, 1977
- वन (संरक्षण) अधिनियम, 1980
- वायु (प्रदूषण की रोकथाम और नियंत्रण) अधिनियम, 1981
- पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986
- सार्वजनिक दायित्व बीमा अधिनियम, 1991
- जैव-विविधता अधिनियम, 2002

Drishti IAS

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

आगरा में फुल मोशन सिम्युलेटर सुविधा का उद्घाटन

चर्चा में क्यों?

हाल ही में उत्तर प्रदेश के **आगरा वायु सेना स्टेशन में भारतीय वायु सेना (IAF) C-295 फुल मोशन सिम्युलेटर (FMS)** का उद्घाटन किया गया। इससे **सिम्युलेटर में पायलट प्रशिक्षण का एक महत्त्वपूर्ण हिस्सा पूरा किया जा सकेगा,** जिससे विमान पर उड़ान के कीमती घंटों की बचत होगी।

मुख्य बिंदु

- यह सिम्युलेटर **पायलटों को अत्यधिक वास्तविकता के निकट प्रशिक्षण प्रदान करता है** तथा सामरिक एयरलिफ्ट, पैरा-ड्रॉपिंग, पैरा-ट्रूपिंग, चिकित्सा निकासी तथा आपदा राहत जैसे अभियानों का अनुकरण करता है।
  - यह **महत्त्वपूर्ण परिदृश्यों का अनुकरण भी करता है, जिससे वास्तविक दुनिया के संचालनों के लिये पायलटों की तत्परता बढ़ती है** और तीव्र, उच्च-दाँव वाले निर्णय लेने की उनकी क्षमता में सुधार होता है, जिससे सैन्य उड़ानों की समग्र सुरक्षा बढ़ जाती है।
- भारतीय वायुसेना में **C-295 विमान** के शामिल होने से **देश के एयरोस्पेस उद्योग को मज़बूती मिलेगी, क्योंकि यह** निजी क्षेत्र के परिवहन विमान उत्पादन में "**आत्मनिर्भर भारत**" की शुरुआत का प्रतीक है ।

- **C-295 विमान:**
  - यह समकालीन प्रौद्योगिकी वाला **5-10 टन क्षमता वाला परिवहन विमान है।**
  - मज़बूत और विश्वसनीय, यह एक **बहुमुखी और कुशल सामरिक परिवहन विमान है** जो कई अलग-अलग मिशनों को पूरा कर सकता है।
- **विशेषताएँ:**
  - 11 घंटे तक की उड़ान क्षमता वाला यह विमान **सभी मौसम की परिस्थितियों में बहु-भूमिका संचालन कर सकता है।**
  - यह रेगिस्तान से लेकर समुद्री वातावरण तक दिन के साथ-साथ रात के लड़ाकू मिशनों को भी संचालित कर सकता है।
  - इसमें **सैनिकों और कार्गो की त्वरित प्रतिक्रिया और पैरा ड्रॉपिंग के लिये पीछे की ओर रैंप दरवाज़ा है।** अर्द्ध-निर्मित सतहों से कम दूरी पर उड़ान भरना/उतरना इसकी एक और विशेषता है।
- **प्रतिस्थापन:**
  - यह भारतीय वायु सेना के **पुराने हो रहे Avro-748 विमानों के बेड़े की जगह लेगा।**
  - Avro-748 विमान **ब्रिटिश मूल के दोहरे इंजन वाले टर्बोप्रॉप, सैन्य परिवहन और मालवाहक विमान हैं** जिनकी माल ढुलाई क्षमता 6 टन है।

उत्तर प्रदेश में साइबर सुरक्षा कार्यशाला

चर्चा में क्यों?

हाल ही में, **इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY)** के **राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस प्रभाग (NeGD)** ने उत्तर प्रदेश सरकार के सहयोग से लखनऊ में दो दिवसीय **साइबर सुरक्षा कार्यशाला** का आयोजन किया।

प्रमुख बिंदु

NeGD द्वारा साइबर सुरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम:

- **राज्य क्षमता निर्माण योजना** का हिस्सा, **NeGD का साइबर सुरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम**, राज्य सरकार के अधिकारियों के बीच साइबर सुरक्षा लचीलेपन को मज़बूत करने के लिये बनाया गया है।
- यह कार्यक्रम **मुख्य सूचना सुरक्षा अधिकारियों (CISO)** और उप CISO को साइबर ज़ोखिमों को प्रभावी ढंग से संभालने और कम करने के लिये महत्त्वपूर्ण कौशल से लैस करता है।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- NeGD की **स्थापना 2009 में इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय** द्वारा **डिजिटल इंडिया कॉरपोरेशन** के तहत एक स्वतंत्र व्यापार प्रभाग के रूप में की गई थी।
- इसका उद्देश्य मंत्रालयों और राज्य सरकारों में **डिजिटल इंडिया कार्यक्रम के कार्यान्वयन को सुविधाजनक बनाना और उसे गति प्रदान करना** था।

- **उद्देश्य:**
  - **साइबर सुरक्षा जागरूकता:** साइबर सुरक्षा मुद्दों, साइबर खतरों और **ई-गवर्नेंस** ढाँचे की समझ बढ़ाना।
  - **साइबर लचीलापन और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI):** **साइबर लचीलापन पारिस्थितिकी तंत्र** और साइबर सुरक्षा में **AI** की भूमिका के बारे में प्रतिभागियों के ज्ञान को बढ़ाना।
  - **साइबर सुरक्षा केंद्र:** राज्य स्तरीय **ई-गवर्नेंस** प्रणालियों की सुरक्षा के लिये **साइबर सुरक्षा केंद्र** के महत्त्व पर शिक्षित करना।
  - **डेटा और एप्लिकेशन सुरक्षा: डेटा सुरक्षा (डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण अधिनियम, 2023)** एप्लिकेशन सुरक्षा और एंडपॉइंट सुरक्षा के बारे में जानकारी प्रदान करना।
  - **संकट प्रबंधन:** प्रभावी घटना प्रतिक्रिया के लिये **साइबर संकट प्रबंधन योजना (CCMP)** विकसित करने में प्रतिभागियों को प्रशिक्षित करना।
  - **पहचान एवं पहुँच प्रबंधन:** सरकारी डिजिटल प्रणालियों को सुरक्षित करने के लिये पहचान एवं पहुँच प्रबंधन में चुनौतियों का समाधान करना।

राज्य क्षमता निर्माण योजना:

- MeitY के तहत NeGD ने देश भर के राज्य नेताओं, CISO और अधिकारियों के लिये **क्षमता निर्माण कार्यशालाओं की एक शृंखला** शुरू की है।
- ये कार्यशालाएँ **साइबर खतरों के प्रबंधन**, सुरक्षित IT ढाँचे को अपनाने और **डिजिटल शासन को मज़बूत करने के लिये व्यावहारिक प्रशिक्षण और सर्वोत्तम अभ्यास** प्रदान करती हैं।

डिजिटल वैयक्तिक डेटा संरक्षण अधिनियम, 2023

- इसका उद्देश्य **भारत में व्यक्तियों के डिजिटल व्यक्तिगत डेटा की सुरक्षा करना** तथा ऐसे डेटा के संग्रहण, भंडारण, प्रसंस्करण और साझाकरण को विनियमित करना है।
- **प्रमुख विशेषताएँ:**
  - अनुपालन लागू करने के लिये **भारतीय डेटा संरक्षण बोर्ड की** स्थापना की गई।
  - डेटा संग्रहण और प्रसंस्करण के लिये **स्पष्ट सहमति** की आवश्यकता होती है।
  - **डेटा न्यासियों** को उचित सुरक्षा उपाय लागू करने का आदेश दिया गया है।

बुद्ध के अवशेष उजागर करने हेतु उत्खनन

चर्चा में क्यों?

हाल ही में केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री ने उत्तर प्रदेश के **महाराजगंज ज़िले के रामग्राम में पुरातात्विक उत्खनन का उद्घाटन किया।**

- **भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ASI) की अगुवाई** में चल रही इस परियोजना का उद्देश्य **भगवान बुद्ध के आठवें अवशेष के साक्ष्य को उजागर करना है,** जिसके बारे में माना जाता है कि वह इसी स्थल पर दफन है।

मुख्य बिंदु

- **ऐतिहासिक और आध्यात्मिक महत्त्व:**
  - यह स्थल **उन आठ स्थानों में से एक है जहाँ भगवान बुद्ध के अवशेष रखे गए थे तथा बौद्ध परम्पराओं** में इसका अत्यधिक महत्त्व है।
  - यह **सोहगीबरवा वन्यजीव प्रभाग के अंतर्गत स्थित है** और **ऐतिहासिक रूप से प्राचीन कोलिया साम्राज्य से जुड़ा हुआ है।**
  - कोलिया उत्तर-पूर्वी दक्षिण एशिया का एक **प्राचीन इंडो-आर्यन वंश** था जिसका अस्तित्व **लौह युग** के दौरान प्रमाणित होता है।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- **क्षेत्रीय विकास की संभावना:**
  - आशा है कि उत्खनन से यह स्थान एक प्रमुख **बौद्ध तीर्थ स्थल में बदल जाएगा।**
  - इस विकास से क्षेत्र में **पर्यटन को बढ़ावा मिलने तथा आर्थिक विकास को प्रोत्साहन मिलने की आशा है।**
- **वैश्विक मान्यता पर ध्यान:**
  - इस परियोजना का उद्देश्य इस स्थल को वैश्विक **बौद्ध तीर्थयात्रा सर्किट** में एकीकृत करना है।
  - स्थानीय प्राधिकारियों को उम्मीद है **कि अंतर्राष्ट्रीय तीर्थयात्रियों और विद्वानों की यात्रा में वृद्धि होगी,** जिससे क्षेत्र की सांस्कृतिक छवि में वृद्धि होगी।

सोहागी बरवा वन्यजीव अभयारण्य

- **परिचय:**
  - **यह उत्तर प्रदेश के महाराजगंज ज़िले** में स्थित है।
  - उत्तर में **यह अभयारण्य नेपाल के साथ अंतर्राष्ट्रीय सीमा साझा करता है** तथा पूर्व में बिहार के **वाल्मीकि टाइगर रिज़र्व के साथ सीमा साझा करता है।**
  - इसे **जून 1987 में वन्यजीव अभयारण्य घोषित किया गया।**
- **जल निकासी:**
  - इसमें **ग्रेट गंडक, लिटिल गंडक, प्यास और रोहिन नदियाँ** बहती हैं।
- **वनस्पति:**
  - लगभग 75% क्षेत्र **साल के वनों** से आच्छादित है तथा अन्य आर्द्र क्षेत्र **जामुन, गुटल, सेमल, खैर आदि के वृक्षों से आच्छादित हैं।**
  - अभयारण्य का निचला क्षेत्र, जो बारिश के दौरान जलमग्न हो जाता है, **घास के मैदानों और बेंत के वनों से युक्त है।**
- **जीव-जंतु:**
  - यहाँ विभिन्न प्रकार के जानवर रहते हैं जिनमें मुख्य रूप से **तेंदुआ, बाघ, जंगली बिल्ली, छोटी भारतीय सिवेट, लंगूर, हिरण, नीलगाय, जंगली सूअर, साही आदि शामिल हैं।**

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

27वाँ IEEE WPMC 2024

चर्चा में क्यों?

हाल ही में भारत ने **ग्रेटर नोएडा में वायरलेस पर्सनल मल्टीमीडिया कम्युनिकेशंस (WPMC) 2024 पर 27वीं IEEE अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी की मेज़बानी की।**

- भारतीय अधिकारियों ने दूरसंचार नवाचार में देश की तीव्र प्रगति तथा **5G परिनियोजन से 6G प्रौद्योगिकी** के भविष्य की परिकल्पना की ओर संक्रमण पर प्रकाश डाला।

मुख्य बिंदु

- **उद्देश्य एवं विषय:**
  - यह शोधकर्त्ताओं, उद्योग जगत के नेताओं और नीति निर्माताओं को **वायरलेस संचार में प्रगति पर चर्चा करने के लिये एक मंच प्रदान करता है।**
  - थीम, **"Secure 6G- AI Nexus: Where Technology Meets Humanity अर्थात् सुरक्षित 6G- AI नेक्सस: प्रौद्योगिकी का मानवता से मिलन"**, 6G और **कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) के प्रतिच्छेदन** पर केंद्रित है।
- **कार्यक्रम का स्थान:**
  - यह कार्यक्रम **शारदा विश्वविद्यालय में आयोजित किया गया** और इसमें विभिन्न देशों के विशेषज्ञ और विचारक एकत्रित हुए।
- **वायरलेस संचार में भारत की भूमिका:**
  - एक विशेषज्ञ ने **भारत के बढ़ते नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र** और **वैश्विक दूरसंचार क्षेत्र में महत्त्वपूर्ण योगदान देने की इसकी क्षमता पर प्रकाश डाला।**
  - **भारत द्वारा शीघ्र ही 6G प्रौद्योगिकी से संबंधित** लगभग 10 पेटेंट दाखिल किए जाने की आशा है, जिससे उसकी आर्थिक और तकनीकी स्थिति में और वृद्धि होगी।
- **6G प्रौद्योगिकी हेतु दृष्टिकोण:**
  - सरकार **अत्यंत कम विलंबता के साथ 1 टेराबिट प्रति सेकंड तक की अभूतपूर्व गति प्राप्त करने की परिकल्पना करती है,** जो वैश्विक कनेक्टिविटी और सामाजिक-आर्थिक विकास में एक परिवर्तनकारी कदम होगा।
  - यह पहल भारत को दूरसंचार क्षेत्र में वैश्विक अग्रणी के रूप में स्थापित करने के राष्ट्रीय लक्ष्यों के अनुरूप है।
- **6G की परिवर्तनकारी क्षमता:**
  - विशेषज्ञों ने उन्नत क्षमताओं वाले पोर्टेबल उपकरणों को सक्षम करने के लिये 6G की क्षमता पर जोर दिया, **जिसमें उच्च आवृत्ति उपयोग और न्यूनतम विलंबता पर ध्यान केंद्रित किया गया।**
  - इस प्रौद्योगिकी से दूरस्थ स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और कृषि को सुविधाजनक बनाकर **ग्रामीण पारिस्थितिकी तंत्र में क्रांतिकारी बदलाव आने की आशा है, जो डिजिटल विभाजन को पाटने और समावेशी विकास को बढ़ावा देने के भारत के मिशन के साथ संरेखित होगा।**

सुरक्षित और बेहतर दूरसंचार सेवाएँ उपलब्ध कराने के लिये भारत की पहल:

- दूरसंचार अधिनियम, 2023
- डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण अधिनियम, 2023
- राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा रणनीति
- भारत 6G एलायंस

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

भारतनेट परियोजना

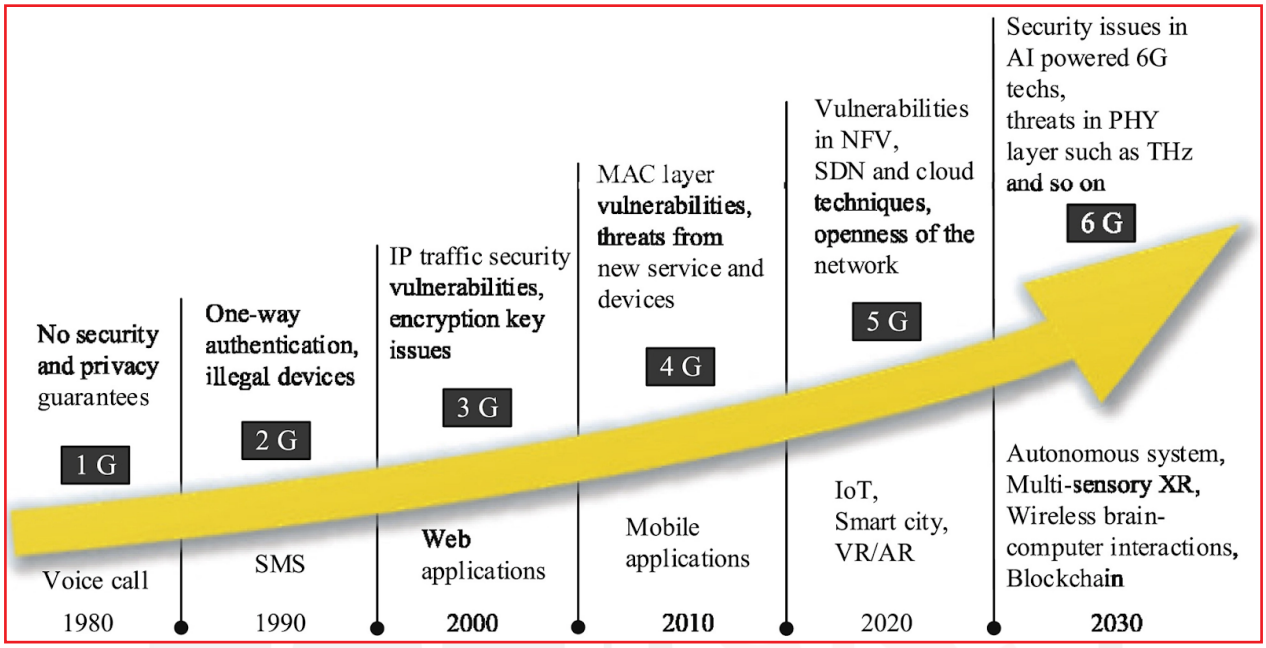

उत्तर प्रदेश में जामा मस्जिद पर सर्वेक्षण

चर्चा में क्यों?

हाल ही में न्यायालय ने उत्तर प्रदेश के **संभल ज़िले में 16वीं सदी की मुगलकालीन जामा मस्जिद का सर्वेक्षण करने का आदेश दिया।** यह आदेश एक वरिष्ठ अधिवक्ता द्वारा दायर याचिका के बाद दिया गया है।

मुख्य बिंदु

- **ऐतिहासिक धर्मांतरण पर दावे:**
  - याचिका में आरोप लगाया गया है कि संभल की **जामा मस्जिद मूलत: मोहल्ला कोट पूर्वी में स्थित हरि हर मंदिर** थी और इसे **1529 में मस्जिद में परिवर्तित कर दिया गया था।**
  - इसमें दावा किया गया है कि विवादित स्थल के प्रबंधन और नियंत्रण के लिये **भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ASI) ज़िम्मेदार है।**
- **जमीयत उलमा-ए-हिंद:**
  - जमीयत उलमा-ए-हिंद ने **उपासना स्थल (विशेष प्रावधान) अधिनियम 1991** के महत्त्व पर प्रकाश डाला, जो **सभी पूजा स्थलों के धार्मिक चरित्र को उसी रूप में संरक्षित करता है,** जैसा वे **15 अगस्त, 1947 को अस्तित्व में थे।**
  - उन्होंने हाल की न्यायिक कार्रवाइयों में इस कानून की उपेक्षा पर चिंता व्यक्त की तथा **अयोध्या निर्णय में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा इस अधिनियम का समर्थन किये जाने पर ज़ोर दिया।**

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- **जामा मस्जिद का ऐतिहासिक संदर्भ:**
  - संभल में जामा मस्जिद **बाबर के शासनकाल (1526-1530) के दौरान निर्मित तीन मस्जिदों में से एक है।** अन्य मस्जिदों में पानीपत की मस्जिद और अब ध्वस्त हो चुकी बाबरी मस्जिद शामिल हैं।
    - **इतिहासकार हॉवर्ड क्रेन ने अपनी कृति, द पैट्रोनेज ऑफ बाबर एंड द ऑरिजिंस ऑफ मुगल आर्किटेक्चर** में मस्जिद की स्थापत्य कला की विशेषताओं का वर्णन किया है।
    - क्रेन ने एक फारसी शिलालेख का उल्लेख किया जिसमें कहा गया है कि बाबर ने अपने सूबेदार **जहाँगीर कुली खान के माध्यम से दिसंबर 1526 में मस्जिद के निर्माण का आदेश दिया था।**

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ASI)

- **संस्कृति मंत्रालय** के अधीन ASI, देश की सांस्कृतिक विरासत के पुरातात्विक अनुसंधान और संरक्षण के लिये प्रमुख संगठन है।
- **प्राचीन स्मारक तथा पुरातत्व स्थल और अवशेष (एएमएएसआर) अधिनियम, 1958** ASI के कामकाज को नियंत्रित करता है।
- यह राष्ट्रीय महत्त्व के 3650 से अधिक प्राचीन स्मारकों, पुरातात्विक स्थलों और अवशेषों का प्रबंधन करता है।
- इसकी गतिविधियों में पुरातात्त्विक अवशेषों का सर्वेक्षण, पुरातात्विक स्थलों की खोज और उत्खनन, संरक्षित स्मारकों का संरक्षण और रखरखाव आदि शामिल हैं।
- इसकी स्थापना **1861 में ASI के पहले महानिदेशक अलेक्जेंडर कनिंघम ने की थी।** अलेक्जेंडर कनिंघम को "भारतीय पुरातत्व के जनक" के रूप में भी जाना जाता है।

उत्तर प्रदेश सिंचाई विभाग परियोजना

चर्चा में क्यों?

हाल ही में **उत्तर प्रदेश के सिंचाई विभाग ने आगरा नहर** के किनारे **सड़क को फोरलेन (विस्तार करने)** के संबंध में प्रक्रिया शुरू की है।

मुख्य बिंदु

- **परियोजना अवलोकन:**
- **उद्देश्य:** उत्तर प्रदेश सिंचाई विभाग का लक्ष्य आगरा नहर के किनारे सड़क को चार लेन का बनाना है, जिससे यातायात का प्रवाह सुगम हो सके।
- **प्रस्ताव:** परियोजना को औपचारिक रूप देने के लिये **फरीदाबाद महानगर विकास प्राधिकरण (FMDA)** के साथ एक **समझौता ज्ञापन (MOU) प्रस्तुत किया गया है, जिसकी अनुमानित लागत 278 करोड़ रुपए है।**
- **स्थिति एवं चुनौतियाँ:**
- सरकारी मंज़ूरी के बावजूद भूमि स्वामित्व संबंधी औपचारिकताओं के कारण प्रगति रुकी हुई है।
- इसके लिये उत्तर प्रदेश सिंचाई विभाग से औपचारिक अनुमति लेना आवश्यक है, क्योंकि भूमि का स्वामित्व विभाग के पास है।
- विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (DPR) तैयार कर ली गई है तथा निविदाएँ आरंभ करने के लिये समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर हेतु FMDA की मंज़ूरी लंबित है।
- **लाभ:**
- **ग्रेटर फरीदाबाद, नोएडा, दिल्ली, बल्लभगढ़** और आगामी ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे से **जेवर हवाई अड्डे** तक बेहतर पहुँच।
- चौड़ी सड़क बनने से मौजूदा दो लेन वाले हिस्से पर भीड़भाड़ कम हो जाएगी।
- **महत्त्व:**
- यह परियोजना **बेहतर बुनियादी ढाँचे की दीर्घकालिक मांगों को पूर्ण करती है** तथा **बेहतर क्षेत्रीय संपर्क और आर्थिक विकास का वादा करती है।**

विश्व रोगाणुरोधी जागरूकता सप्ताह (WAAW)

चर्चा में क्यों?

विश्व रोगाणुरोधी जागरूकता सप्ताह (WAAW) के अवसर पर, **बनारस हिंदू विश्वविद्यालय ने** एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

इसका उद्देश्य **मरीज़ों और MBBS छात्रों को रोगाणुरोधी दवाओं के** सही उपयोग और महत्त्व के बारे में शिक्षित करना है।

मुख्य बिंदु

- **WAAW का अवलोकन:**
  - **रोगाणुरोधी प्रतिरोध के संबंध में जागरूकता बढ़ाने** के लिये विश्व रोगाणुरोधी जागरूकता सप्ताह (WAAW) **प्रतिवर्ष 18 से 24 नवंबर तक मनाया जाता है।**
  - AMR तब होता है जब **बैक्टीरिया, वायरस, परजीवी या कवक जैसे सूक्ष्मजीव विकसित होते हैं और रोगाणुरोधी दवाओं के प्रति प्रतिरोधी हो जाते हैं,** जिससे संक्रमण का उपचार कठिन हो जाता है और रोग फैलने, गंभीर बीमारी और मृत्यु का खतरा बढ़ जाता है।
  - विशेषज्ञों ने इस बात पर ज़ोर दिया कि रोगाणुरोधी प्रतिरोध **के कारण प्रतिवर्ष लगभग 300,000 लोगों की मृत्यु होती है** तथा उन्होंने स्पष्ट किया कि हर बुखार टाइफाइड नहीं होता है या हर बुखार के लिये एंटीबायोटिक की आवश्यकता नहीं होती है।
- **इंटरैक्टिव गतिविधियाँ:**
  - छात्रों ने AMR जागरूकता का संदेश दर्शकों तक प्रभावी ढंग से पहुँचाने के लिये एक नुक्कड़ नाटक का प्रयोग किया।
  - AMR से निपटने में संक्रमण की रोकथाम की भूमिका पर ज़ोर देते हुए **उचित हाथ धोने की तकनीक का प्रदर्शन किया गया।**
- **महत्त्व:**
  - यह पहल **एंटीबायोटिक प्रतिरोध के खतरों के बारे में जागरूकता बढ़ाने और जनता को शिक्षित करने** तथा इस समस्या के समाधान के लिये स्थायी प्रथाओं को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम है।

भूमि अधिग्रहण नीतियों के विरुद्ध किसानों का विरोध प्रदर्शन

चर्चा में क्यों?

पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कृषकों ने भूमि अधिग्रहण से जुड़ी अपनी लंबित समस्याओं के समाधान के लिये ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के कार्यालय के समक्ष प्रदर्शन किया।

मुख्य बिंदु

- **विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व एवं मांगें:**
  - इस विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व **भारतीय किसान यूनियन (BKU)** ने किया और अखिल **भारतीय किसान सभा** और **भारतीय किसान परिषद ने इसका समर्थन किया।**
  - वे **उचित मुआवजे की मांग कर रहे हैं,** जिसमें 10% विकसित भूमि और अधिग्रहित भूमि के लिये 64.7% बढ़ा हुआ मुआवज़ा शामिल है।
  - ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों ने पुष्टि की कि किसानों की मांगें पहले ही उत्तर प्रदेश सरकार के समक्ष प्रस्तुत की जा चुकी हैं।
- **विरोध प्रदर्शन में भागीदारी और कार्यवाहियाँ:**
  - **गौतमबुद्ध नगर,** बुलंदशहर, अलीगढ़ और आगरा सहित लगभग **20 ज़िलों के किसान इस विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए, जिसकी शुरुआत नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे पर ट्रैक्टर रैली के साथ हुई,** जिससे यातायात में मामूली बाधा उत्पन्न हुई।
  - यह विरोध प्रदर्शन ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण कार्यालय के बाहर कई महीनों तक चले छोटे-छोटे प्रदर्शनों के बाद हुआ है, जिसके बारे में किसानों का मानना था कि इसका कोई सार्थक परिणाम नहीं निकला।
- **भविष्य की आंदोलन योजनाएँ:**
  - किसानों ने 28 नवंबर से 1 दिसंबर, 2024 तक अपना आंदोलन **यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास**

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

प्राधिकरण (YEIDA) में स्थानांतरित करने की योजना की घोषणा की, जिसके बाद 2 दिसंबर, 2024 को दिल्ली तक मार्च शुरू होगा।

- **मुआवजा और विकास संबंधी आरोप:**
  - किसानों का आरोप है कि नोएडा, ग्रेटर नोएडा और यमुना एक्सप्रेसवे के विकास के लिये अपनी कृषि भूमि देने के बावजूद उन्हें उचित मुआवज़ा या विकसित भूखंड नहीं मिले हैं।

उत्तर प्रदेश रत्न एवं आभूषण विकास पर ध्यान केंद्रित कर रहा है

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश सरकार **रत्न एवं आभूषण क्षेत्र को बढ़ाने के लिये ठोस कदम उठा रही है तथा आर्थिक मूल्य संवर्धन** और **निर्यात वृद्धि** पर ध्यान केंद्रित कर रही है।

मुख्य बिंदु

- उत्तर प्रदेश **भारत के रत्न और आभूषण उद्योग** में एक प्रमुख भूमिका निभाता है, जो अपनी समृद्ध **सांस्कृतिक विरासत** और **उत्कृष्ट शिल्प कौशल** के लिये जाना जाता है।
  - इस उद्योग में राज्य का वार्षिक व्यापार **1 ट्रिलियन रुपए से अधिक होने का अनुमान है,** जिसमें दस लाख से अधिक **व्यापारी, खुदरा विक्रेता, शिल्पकार** और **डिज़ाइनर शामिल हैं**।
- **प्रमुख केंद्र:**
  - उत्तर प्रदेश में **रत्न और आभूषण व्यापार** के केंद्रों में **मेरठ, लखनऊ, नोएडा निर्यात प्रसंस्करण क्षेत्र, मुरादाबाद, कानपुर** व **आगरा शामिल हैं**।
  - ये केंद्र **विनिर्माण और निर्यात** दोनों में महत्त्वपूर्ण हैं तथा राज्य की अर्थव्यवस्था में महत्त्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं।
  - व्यापार का संगठित क्षेत्र समग्र बाज़ार का लगभग **35% हिस्सा** है, जो संरचित वृद्धि और विकास के महत्त्व को उजागर करता है।
- **सरकारी पहल और महत्त्व:**
  - उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने मेरठ को उत्तर भारत के **प्रमुख आभूषण विनिर्माण और व्यापार केंद्र के रूप में विकसित करने के लिये एक व्यापक खाका तैयार किया है।**
  - **मेरठ का आभूषण उद्योग,** जिसका वार्षिक कारोबार **2,000 करोड़ रुपए से अधिक है,** लगभग **40,000 सुनार, रत्न निर्माता** और **आभूषण व्यापारियों को रोज़गार देता है** ।
  - **32,000 वर्ग मीटर में** फैले प्रस्तावित हब का उद्देश्य मेरठ को **रत्न, बहुमूल्य पत्थरों और स्वर्ण आभूषणों के लिये एक प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित करना है।**
  - इस दृष्टिकोण को समर्थन देने के लिये, सरकार व्यवसाय विकास को बढ़ावा देने और इस क्षेत्र में स्टार्टअप को प्रोत्साहित करने के लिये एक **आधुनिक बहुमंजिला फ्लैटेड फैक्ट्री परिसर का निर्माण करने की योजना बना रही है।**
- **राष्ट्रीय और वैश्विक महत्त्व:**
  - उत्तर प्रदेश में रत्न एवं आभूषण क्षेत्र न केवल राज्य के लिये महत्त्वपूर्ण है, बल्कि **भारत के कुल वस्तु निर्यात में इसका योगदान 10-12% है।**
  - 2023 में, रत्न और आभूषणों का घरेलू बाज़ार **92 बिलियन अमेरिकी डॉलर का होगा,** जो राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में इसके महत्त्व को रेखांकित करता है।
  - उत्तर प्रदेश का समृद्ध थोक आभूषण बाज़ार अन्य राज्यों के ग्राहकों को भी सेवाएँ उपलब्ध कराता है, जिससे इस उद्योग में इसकी महत्त्वपूर्ण भूमिका और अधिक दृढ़ होती है।

UP सरकार ने पुलिस और फोरेंसिक क्षमता बढ़ाई

चर्चा में क्यों?

संविधान दिवस (26 नवंबर) पर, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने **फोरेंसिक विज्ञान और साइबर सुरक्षा पर राष्ट्रीय सम्मेलन** के

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

दौरान पारदर्शी पुलिस भर्ती और **क्षेत्रीय स्तर** पर **फोरेंसिक लैब** की स्थापना के लिये राज्य की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला।

- ये पहल कानून और व्यवस्था को बेहतर बनाने, पीड़ितों के लिये समय पर न्याय सुनिश्चित करने तथा **सुशासन** बनाए रखने के व्यापक प्रयासों का हिस्सा हैं।

मुख्य बिंदु

- **सम्मेलन की मुख्य बातें:**
  - **नये आपराधिक कानून:**
    - भारत ने हाल ही में **तीन नए आपराधिक कानून लागू किये हैं: भारतीय न्याय संहिता, 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 और भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 2023**
    - 1 जुलाई, 2024 से प्रभावी इन कानूनों का उद्देश्य यह सुनिश्चित करके नागरिकों की सुरक्षा करना है कि बिना उचित साक्ष्य के किसी को भी दोषी नहीं ठहराया जाए।
  - **कानून और व्यवस्था में चुनौतियाँ और सुधार:**
    - 2017 से पहले, उत्तर प्रदेश को **कानून और व्यवस्था बनाए रखने में महत्त्वपूर्ण चुनौतियों का सामना करना पड़ा था,** जिसमें गुंडागर्दी (बर्बरता/हिंसा) का प्रचलन अधिक था।
    - उत्तर प्रदेश सरकार ने पाया है कि पिछली सरकार के दौरान उत्तर प्रदेश पुलिस में आधे से ज़्यादा पद खाली थे। इस स्थिति से निपटना मौजूदा सरकार का मुख्य ध्यान बन गया है।
  - **पारदर्शी भर्ती और फोरेंसिक प्रयोगशालाएँ :**
    - राज्य सरकार ने पारदर्शी तरीके से **154,000 से अधिक पुलिसकर्मियों** की भर्ती की है और हाल ही में अतिरिक्त **7,200 पुलिसकर्मियों की भर्ती शुरू की है।**
    - इससे पहले **फोरेंसिक लैब चार स्थानों तक सीमित थीं।** अब, **ज़ोनल स्तर** पर उच्च गुणवत्ता वाली फोरेंसिक लैब स्थापित की गई हैं और उन्हें **रेंज स्तर तक विस्तारित करने की योजना है।**
    - ये प्रयोगशालाएँ आपराधिक मामलों में साक्ष्य जुटाने और न्याय सुनिश्चित करने के लिये महत्त्वपूर्ण हैं।
  - **साइबर सुरक्षा और फोरेंसिक विज्ञान पहल:**
    - आज उत्तर प्रदेश में **1,775 पुलिस स्टेशन साइबर हेल्पलाइन से लैस हैं, जिससे साइबर अपराध** से निपटने में राज्य की क्षमता बढ़ गई है।
    - इसके अतिरिक्त, **फोरेंसिक जाँच को और अधिक सहायता प्रदान करने** तथा न्यायालय में प्रस्तुत **साक्ष्य की गुणवत्ता में सुधार करने के लिये उत्तर प्रदेश राज्य फोरेंसिक विज्ञान संस्थान की** स्थापना की गई है।

संविधान दिवस

- **संविधान दिवस,** जिसे **राष्ट्रीय कानून दिवस या संविधान दिवस के रूप में भी जाना जाता है,** भारत में प्रतिवर्ष **26 नवंबर को** भारत के संविधान को अपनाने के उपलक्ष्य में मनाया जाता है।
  - **29 अगस्त, 1947** को संविधान **सभा ने भारत के लिये संविधान का प्रारूप** तैयार करने हेतु **डॉ. बी.आर. अंबेडकर की अध्यक्षता** में एक **मसौदा समिति का** गठन किया।
  - 26 नवंबर, 1949 को भारत की संविधान सभा ने भारत के संविधान को अपनाया, जो **26 जनवरी, 1950** को लागू हुआ।
- **सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय ने** 19 **नवंबर, 2015** को **26 नवंबर को 'संविधान दिवस'** के रूप में मनाने के **भारत सरकार** के निर्णय को अधिसूचित किया।
- यह दिन संविधान के महत्त्व और संविधान के मुख्य वास्तुकार **बी.आर. अंबेडकर** के विचारों और अवधारणाओं को फैलाने के लिये मनाया जाता है।

महाकुंभ की भव्यता में अत्याधुनिक क्रूज़

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश सरकार **महाकुंभ वर्ष 2025** की तैयारी में एक नया आकर्षण, **निषादराज क्रूज़** शामिल कर रही है।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

मुख्य बिंदु

- **निषादराज क्रूज़ का शुभारंभ:**
  - भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण (IWAI) द्वारा प्रबंधित निषादराज क्रूज़ ने **वाराणसी से प्रयागराज तक** अपनी यात्रा शुरू कर दी है।
  - यह **क्रूज़ आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित है,** जो नवाचार और उत्कृष्टता के प्रति राज्य की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।
  - क्रूज़ की यात्रा के लिये **प्रयागराज मेला प्राधिकरण** और **वाराणसी प्रशासन के बीच समन्वय** जारी है।
- **उद्घाटन:**
  - प्रधानमंत्री **का 13 दिसंबर, 2024 को महाकुंभ का दौरा करने का कार्यक्रम है।**
  - प्रधानमंत्री अरैल से **संगम** तक की यात्रा के लिये निषादराज क्रूज़ पर सवार होने से पहले **श्रृंगवेरपुर धाम** में **भगवान राम** और निषादराज की मूर्तियों का **अनावरण करेंगे।**
  - संगम पर पहुँचकर वह अनुष्ठानिक स्नान करेंगे और पवित्र **गंगा नदी को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे।**
  - यात्रा कार्यक्रम में गंगा आरती, बड़े हनुमान मंदिर और अक्षयवट के दर्शन तथा परेड ग्राउंड में प्रमुख संतों और आध्यात्मिक नेताओं के साथ बातचीत शामिल है।

भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण

- भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण (IWAI) **भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण (IWAI) अधिनियम, 1985** के तहत एक **वैधानिक निकाय है।**
- इसकी स्थापना **1986 में बंदरगाह, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय के** तहत नौवहन और नौवहन के लिये अंतर्देशीय जलमार्गों के विकास और विनियमन के लिये की गई थी।
- इसका **मुख्यालय नोएडा, उत्तर प्रदेश में है** और इसका मुख्य कार्य अंतर्देशीय जलमार्गों में आवश्यक बुनियादी ढाँचे का निर्माण करना, नई परियोजनाओं की आर्थिक व्यवहार्यता का सर्वेक्षण करना और प्रशासन और विनियमन करना है।
- **राष्ट्रीय जलमार्ग अधिनियम, 2016 के** अनुसार 111 जलमार्गों को राष्ट्रीय जलमार्ग घोषित किया गया है।

NIA मानव तस्करी सिंडिकेट की जाँच करेगी

चर्चा में क्यों?

हाल ही में **राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (NIA) ने मानव तस्करी के एक गिरोह की** जाँच के तहत छह राज्यों में 22 स्थानों पर छापे मारे, जो युवाओं को **साइबर धोखाधड़ी** में शामिल कॉल सेंटरों में काम करने के लिये लुभाता है।

मुख्य बिंदु

- **ये तलाशी बिहार, उत्तर प्रदेश,** दिल्ली और अन्य क्षेत्रों में की गई।
  - इसकी उत्पत्ति बिहार के गोपालगंज में दर्ज एक पुलिस रिपोर्ट से हुई है, जिसमें एक संगठित सिंडिकेट शामिल है जो नौकरी दिलाने के बहाने **भारतीय युवाओं को विदेश में तस्करी के लिये ले जाता है।**
- तस्करी के माध्यम द्वारा लाए गए लोगों को **फर्जी कॉल सेंटरों में काम करने के लिये मज़बूर किया जाता था।** ये कॉल सेंटर साइबर धोखाधड़ी के काम में संलिप्त थे।
- **मानव तस्करी:**
  - यह **लोगों के अवैध व्यापार और शोषण को संदर्भित करता है,** आमतौर पर जबरन श्रम, यौन शोषण या अनैच्छिक दासता के प्रयोजनों के लिये।
  - इसमें शोषण के उद्देश्य से **धमकी, बल, दबाव, अपहरण, धोखाधड़ी या छल** के माध्यम से **व्यक्तियों की भर्ती, परिवहन, स्थानांतरण, आश्रय या प्राप्ति शामिल है।**

राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (NIA)

- **परिचय:**
  - NIA **भारत की केंद्रीय आतंकवाद निरोधी कानून प्रवर्तन एजेंसी** है, जिसे **भारत की संप्रभुता, सुरक्षा और अखंडता को प्रभावित करने वाले सभी अपराधों की जाँच करने का अधिकार है। इसमें** शामिल हैं:

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- विदेशी राज्यों के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध।
- परमाणु एवं नाभिकीय सुविधाओं के विरुद्ध।
- **हथियारों, नशीले पदार्थों और जाली भारतीय मुद्रा** की **तस्करी** तथा सीमा पार से घुसपैठ।
- संयुक्त राष्ट्र, उसकी एजेंसियों और अन्य अंतर्राष्ट्रीय संगठनों **की अंतर्राष्ट्रीय संधियों, समझौतों, सम्मेलनों और प्रस्तावों को लागू करने के लिये बनाए गए वैधानिक कानूनों** के तहत अपराध।

- इसका गठन **राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (NIA) अधिनियम, 2008 के तहत किया गया था।**
- **एजेंसी को गृह मंत्रालय की लिखित घोषणा के** तहत **राज्यों से विशेष अनुमति के बिना** राज्यों में आतंकवाद से संबंधित अपराधों की जाँच करने का अधिकार है।

मुख्यालय: नई दिल्ली

संभल मस्जिद पर ASI की प्रतिक्रिया

चर्चा में क्यों?

हाल ही में **भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ASI)** ने संभल में मुगलकालीन शाही जामा मस्जिद के नियंत्रण और प्रबंधन के लिये संभल की सिविल कोर्ट से अनुरोध किया है, जिसमें मस्जिद को **संरक्षित विरासत स्थल** का दर्जा दिया गया है। यह अनुरोध मस्जिद के सर्वेक्षण के लिये कोर्ट की मंज़ूरी के बाद किया गया है।

मुख्य बिंदु

संभल मस्जिद को लेकर विवाद:

- 19 जनवरी, 2018 को मस्जिद की प्रबंधन समिति के विरुद्ध उचित प्राधिकरण प्राप्त किये बिना मस्जिद की सीढ़ियों पर स्टील की रेलिंग लगाने के आरोप में **प्रथम सूचना रिपोर्ट (FIR)** दर्ज की गई थी।
- ASI ने कहा कि **शाही जामा मस्जिद, जिसे प्राचीन स्मारक संरक्षण अधिनियम 1904** के तहत **1920 में संरक्षित स्मारक के रूप में अधिसूचित किया गया था,** उसके अधिकार क्षेत्र में आती है।
- ASI ने तर्क दिया कि मस्जिद की प्रबंधन समिति ने अनधिकृत संरचनात्मक संशोधन किये हैं, जो गैरकानूनी हैं और इन्हें प्रतिबंधित किया जाना चाहिये।

पहुँच और विनियमन:

- ASI ने कहा कि मस्जिद तक जनता की पहुँच स्वीकार्य है, लेकिन केवल तभी जब वह ASI नियमों का पालन करे।
- ASI ने मस्जिद पर पूर्ण नियंत्रण और प्रबंधन की मांग की है, तथा स्मारक के रखरखाव और इसकी संरचना में किसी भी परिवर्तन को विनियमित करने की अपनी जिम्मेदारी पर बल दिया है।

न्यायालय द्वारा आदेशित सर्वेक्षण के दौरान हिंसा:

- 24 नवंबर 2024 को शाही जामा मस्जिद के न्यायालय द्वारा आदेशित सर्वेक्षण के दौरान संभल में **हिंसा** भड़क उठी।
- झड़पों के दौरान चार लोग मारे गए तथा कई अन्य घायल हो गए।

न्यायिक आयोग:

- हिंसा की जांच के लिये 28 नवंबर, 2024 को तीन सदस्यीय न्यायिक आयोग का गठन किया गया।
- आयोग यह निर्धारित करेगा कि हिंसा स्वत:स्फूर्त थी या पूर्वनियोजित साजिश का हिस्सा थी।
- जांच में हिंसा के कारणों का विश्लेषण किया जाएगा तथा भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिये उपाय सुझाए जाएँगे।
- इसे दो महीने के भीतर अपने निष्कर्ष प्रस्तुत करने होंगे तथा किसी भी विस्तार के लिये सरकार की मंज़ूरी लेनी होगी।

सर्वेक्षण और मंदिर याचिका:

- अदालत द्वारा आदेशित सर्वेक्षण एक याचिका से जुड़ा था जिसमें दावा किया गया था कि संभल में **जामा मस्जिद मूल रूप से मोहल्ला कोट पूर्वी में स्थित एक हरि हर मंदिर** था और इसे 1529 में मस्जिद में परिवर्तित कर दिया गया था।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- **ऐतिहासिक संदर्भ:**
  - संभल की जामा मस्जिद **बाबर के शासनकाल (1526-1530) के दौरान बनाई गई तीन मस्जिदों में से एक है।** अन्य मस्जिदों में पानीपत की मस्जिद और अब ध्वस्त हो चुकी बाबरी मस्जिद शामिल हैं।
  - **इतिहासकार हॉवर्ड क्रेन ने अपनी कृति, *द पैट्रोनेज ऑफ बाबर एंड द ऑरिजिंस ऑफ मुगल आर्किटेक्चर*** में मस्जिद की स्थापत्य कला की विशेषताओं का वर्णन किया है।
  - क्रेन ने एक फ़ारसी शिलालेख का उल्लेख किया जिसमें कहा गया है कि बाबर ने अपने सूबेदार **जहाँगीर कुली खान के माध्यम से दिसंबर 1526 में मस्जिद के निर्माण का आदेश दिया था।**

प्राचीन स्मारक संरक्षण अधिनियम, 1904

- **परिचय:**
  - **यह अधिनियम 1904 में ब्रिटिश भारत में लॉर्ड कर्जन** के कार्यकाल के दौरान पारित किया गया था।
  - इसका उद्देश्य ऐतिहासिक, पुरातात्विक और कलात्मक महत्त्व के **प्राचीन स्मारकों और वस्तुओं को संरक्षित करना था।**
- **प्रमुख प्रावधान:**
  - इसने भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ASI) को प्राचीन भारतीय स्मारकों के संरक्षण और पुनरुद्धार का अधिकार दिया।
  - **अवैध तस्करी को रोकने** के लिये **पुरावशेषों** की आवाजाही और व्यापार को विनियमित किया गया।
  - निर्दिष्ट क्षेत्रों में पुरातात्विक उत्खनन पर नियंत्रण का प्रावधान किया गया।
  - कुछ मामलों में संरक्षण के लिये प्राचीन स्मारकों के अधिग्रहण को सुगम बनाया गया।
- **महत्त्व:**
  - एक संरचित कानूनी ढाँचे के तहत भारत की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत की रक्षा करने में एक आधारभूत भूमिका निभाई।
  - स्मारक संरक्षण में ASI की ज़िम्मेदारियों को बढ़ाया गया।

उत्तर प्रदेश ने महाकुंभ क्षेत्र को नया ज़िला घोषित किया

चर्चा में क्यों?

हाल ही में उत्तर प्रदेश सरकार ने **प्रयागराज में महाकुंभ क्षेत्र को नया ज़िला घोषित किया है।**

- इसे **जनवरी 2025** में होने वाले आगामी **कुंभ मेले** के प्रबंधन और प्रशासन को सुव्यवस्थित करने के लिये बनाया गया था।

मुख्य बिंदु

- **यह अधिसूचना उत्तर प्रदेश प्रयागराज मेला प्राधिकरण, प्रयागराज अधिनियम, 2017** की धारा 2 (th) के अंतर्गत जारी की गई।
  - यह महाकुंभ 2025 के आयोजन के लिये आधिकारिक तौर पर महाकुंभ मेला ज़िले की घोषणा करता है।
  - मेला **अधिकारी को नये ज़िले का प्रशासनिक अधिकारी** बनाया गया।
- **मेला अधिकारी की शक्तियाँ एवं जिम्मेदारियाँ:**
  - मेलाधिकारी, कुंभ मेला, प्रयागराज, **भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023** की धारा-14 (1) और संबंधित धाराओं के तहत कार्यपालक मजिस्ट्रेट, ज़िला मजिस्ट्रेट और अतिरिक्त ज़िला मजिस्ट्रेट की शक्तियाँ धारण करेंगे।
  - मेलाधिकारी को सभी मामलों को निपटाने के लिये **उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता, 2006 (2016 में संशोधित) के तहत ज़िला मजिस्ट्रेट और कलेक्टर की सभी शक्तियाँ भी प्राप्त होंगी।**
  - मेला अधिकारी को ज़िले के लिये अतिरिक्त कलेक्टर नियुक्त करने का अधिकार है।

महाकुंभ

- कुंभ मेला **संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन (UNESCO)** की मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की प्रतिनिधि सूची के अंतर्गत आता है।
- यह पृथ्वी पर तीर्थयात्रियों का सबसे बड़ा शांतिपूर्ण समागम है, जिसके दौरान प्रतिभागी पवित्र नदी में स्नान करते हैं या डुबकी लगाते हैं।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- यह नासिक में **गोदावरी नदी**, **उज्जैन में शिप्रा नदी**, हरिद्वार में **गंगा और प्रयागराज में** गंगा, **यमुना** और पौराणिक **सरस्वती नदी** के संगम पर होता है। संगम को 'संगम' कहा जाता है।

- चूँकि यह भारत के चार अलग-अलग शहरों में आयोजित किया जाता है, इसमें विभिन्न सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियाँ शामिल होती हैं, जिससे यह **सांस्कृतिक रूप से विविध त्योहार बन जाता है।**
- एक **महीने से अधिक समय तक चलने वाले इस मेले** में एक विशाल तम्बूनुमा बस्ती का निर्माण किया जाता है, जिसमें झोपड़ियाँ, मंच, नागरिक सुविधाएँ, प्रशासनिक और सुरक्षा उपाय शामिल होते हैं।
  - इसका आयोजन सरकार, स्थानीय प्राधिकारियों और पुलिस द्वारा अत्यंत सावधानी से किया जाता है।
- यह मेला विशेष रूप से वनों, पहाड़ों और गुफाओं के सुदूर स्थानों से आये **धार्मिक तपस्वियों की असाधारण उपस्थिति के लिये प्रसिद्ध है।**

राजा महेंद्र प्रताप सिंह जयंती

चर्चा में क्यों?

हाल ही में भारत के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने दूरदर्शी राष्ट्रवादी **राजा महेंद्र प्रताप सिंह (1886-1979) की 138वीं जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की।**

मुख्य बिंदु

- **पृष्ठभूमि:**
  - राजा महेंद्र प्रताप सिंह का **जन्म 1 दिसंबर, 1886 को हाथरस, उत्तर प्रदेश में हुआ था।**
  - वह एक **स्वतंत्रता सेनानी, क्रांतिकारी, लेखक** और **समाज सुधारक थे।**
  - उन्होंने 1909 में उत्तर प्रदेश के वृंदावन में एक तकनीकी संस्थान, **प्रेम महाविद्यालय की स्थापना की।**
- **स्वतंत्रता आंदोलन में योगदान:**
  - महेंद्र प्रताप ने **1906 में कोलकाता में हुए कॉन्ग्रेस अधिवेशन** में सक्रिय रूप से भाग लिया, **स्वदेशी आंदोलन** का समर्थन किया और स्वदेशी उद्योगों और स्थानीय कारीगरों का समर्थन किया।
  - महेंद्र प्रताप भारत के स्वतंत्रता संग्राम में गहराई से शामिल थे। **1915 में, प्रथम विश्व युद्ध के दौरान,** उन्होंने ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन का विरोध करते हुए, **काबुल, अफगानिस्तान में भारत की पहली अनंतिम सरकार की घोषणा की,** जिसके अध्यक्ष वे स्वयं थे।
    - उन्होंने ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन के खिलाफ भारत की लड़ाई के लिये **जर्मनी, जापान और रूस** जैसे देशों से समर्थन मांगा।
    - **कहा जाता है कि बोल्शेविक क्रांति के** दो वर्ष बाद **1919 में** उनकी मुलाकात व्लादिमीर लेनिन से हुई थी।
  - उन्होंने **द्वितीय विश्व युद्ध** के दौरान 1940 में **जापान में भारत के कार्यकारी बोर्ड का** भी गठन किया था।
- **अंतर्राष्ट्रीयवादी एवं शांति समर्थक:**
  - महेंद्र प्रताप को शांति के लिये वैश्विक वकालत और **भारत और अफगानिस्तान में ब्रिटिश अत्याचारों को उजागर करने के उनके प्रयासों के लिये 1932 में नोबेल शांति पुरस्कार के लिये नामांकित किया गया था।**
  - 1929 में महेंद्र प्रताप ने **बर्लिन में विश्व महासंघ की स्थापना की, जिसने बाद में संयुक्त राष्ट्र** के निर्माण को प्रभावित किया।

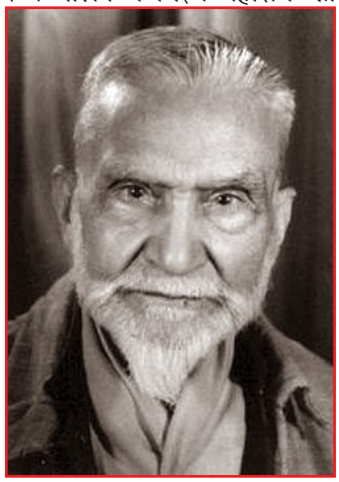

  - **राजनीतिक कैरियर:**
    - स्वतंत्रता के बाद, उन्होंने पंचायती राज के विचार को बढ़ावा देने

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

के लिये कड़ी मेहनत की और **मथुरा (1957)** से **संसद सदस्य** के रूप में कार्य किया।

- **मृत्यु:**
  - **29 अप्रैल, 1979** को उनकी मृत्यु हो गई।

UP में डिजिटल इंडिया राज्य परामर्श कार्यशाला आयोजित

चर्चा में क्यों?

इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY) के **राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस प्रभाग (NeGD)** ने **उत्तर प्रदेश विकास प्रणाली निगम लिमिटेड (UPDESCO)** के साथ साझेदारी में लखनऊ में **डिजिटल इंडिया राज्य परामर्श कार्यशाला** का आयोजन किया।

मुख्य बिंदु

- **कार्यशाला का उद्देश्य:**
  - **डिजिटल इंडिया पहल** के बारे में जागरूकता बढ़ाना।
  - डिजिटल इंडिया प्लेटफॉर्म का लाभ उठाने के लिये राज्य IT परियोजनाओं के लिये अवसरों की पहचान करना।
  - संभावित अनुकरण के लिये सफल परियोजनाओं का प्रदर्शन।
  - ज्ञान साझाकरण, विचारों के आदान-प्रदान और उद्योग साझेदारी को सुविधाजनक बनाना।
- **केंद्रित क्षेत्र:**
  - इस कार्यक्रम में **डेटा और डिजिटल बुनियादी ढाँचे के महत्त्व** पर प्रकाश डाला गया तथा राज्य से अंतिम छोर तक डिजिटल पहुँच के लिये कनेक्टिविटी बढ़ाने का आग्रह किया गया।
  - कार्यशाला में राज्य के अधिकारियों और ई-ज़िला प्रबंधकों को एक साथ लाकर **सुशासन** की दिशा में सहयोगात्मक रूप से कार्य करने की विशिष्टता पर ज़ोर दिया गया।
  - **डिजिटल इंडिया कार्यक्रम** के अंतर्गत राष्ट्रीय पहलों पर चर्चा की गई, जिनमें शामिल हैं:
    - **डिजिलॉकर:** डिजिलॉकर ड्राइवर लाइसेंस, वाहन पंजीकरण प्रमाण पत्र और शैक्षणिक अंकतालिकाओं सहित **विभिन्न दस्तावेजों के डिजिटल संस्करणों तक पहुँच** की अनुमति देता है।
  - **एंटिटी लॉकर:** एंटिटी लॉकर एक प्रमुख पहल है जिसे डिजिटल दस्तावेजों और प्रमाण-पत्रों के भंडारण, साझाकरण और सत्यापन के लिये **एक सुरक्षित, क्लाउड-आधारित मंच प्रदान करके संगठनों को सशक्त बनाने के लिये डिज़ाइन किया गया है।**
  - **API सेतु:** API सेतु **कोविड-19** संक्रमण के भय/जोखिम को संबोधित करता है और लोगों, व्यवसायों और अर्थव्यवस्था को सामान्य स्थिति में लौटने में सहायता करेगा।
  - **ओपनफोर्ज (OpenForge):** यह ई-गवर्नेंस अनुप्रयोगों के खुले सहयोगात्मक विकास के लिये भारत सरकार का मंच है। इसका उद्देश्य **ई-गवर्नेंस अनुप्रयोग** स्रोत कोड के साझाकरण और पुन: उपयोग को बढ़ावा देना है।
  - **माईस्कीम (myScheme):** यह एक राष्ट्रीय मंच है जिसका उद्देश्य **सरकारी योजनाओं की एक ही स्थान पर खोज और जानकारी उपलब्ध कराना है।**
- **UMANG:** UMANG मोबाइल ऐप एक **सर्वसमावेशी एकल, एकीकृत, सुरक्षित, बहु-चैनल, बहुभाषी, बहु-सेवा मोबाइल ऐप है।** यह संघ और राज्यों के विभिन्न संगठनों की उच्च-प्रभावी सेवाओं तक पहुँच प्रदान करता है।
  - **UX4G:** इसका उद्देश्य वैयक्तिकृत, दृश्य रूप से आकर्षक, कुशल और सुलभ इंटरफेस प्रदान करके **डिजिटल सेवाओं को उपयोगकर्त्ता के अनुकूल बनाना है।**
  - **साइबर सुरक्षा** और क्षमता निर्माण जैसे प्रमुख विषयों पर भी चर्चा की गई।
    - राज्य स्तरीय चर्चाओं में CM हेल्पलाइन (1076), **रजिस्ट्रेशन एवं स्टाम्प महानिरीक्षक (IGRS), UIDAI इकोसिस्टम** और **आधार (Aadhaar) प्रमाणीकरण सेवाएँ** शामिल थीं।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- **खुली परिचर्चा:**
  - इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय और उत्तर प्रदेश सरकार के अधिकारियों के बीच एक सहयोगात्मक सत्र आयोजित किया गया।
  - सत्र के दौरान **ई-गवर्नेंस परियोजनाओं में प्रमुख चुनौतियों और कार्यान्वयन मुद्दों पर** चर्चा की गई।
  - बाधाओं के समाधान तथा परियोजना क्रियान्वयन में सुधार के लिये फीडबैक एवं सुझाव मांगे गए।

राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस प्रभाग (NeGD)

- **परिचय:**
  - NeGD की **स्थापना वर्ष 2009 में इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY) द्वारा डिजिटल इंडिया कॉरपोरेशन** के तहत एक स्वतंत्र व्यापार प्रभाग के रूप में की गई थी।
- **भूमिका और ज़िम्मेदारियाँ:**
  - NeGD देश भर में **ई-गवर्नेंस परियोजनाओं के प्रबंधन और कार्यान्वयन में इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय को सहयोग प्रदान करता है।**
  - यह केंद्रीय एवं राज्य मंत्रालयों, विभागों और अन्य सरकारी संगठनों को **तकनीकी और सलाहकार सहायता प्रदान करता है।**
- **प्रमुख परिचालन क्षेत्र:**
  - **कार्यक्रम प्रबंधन:** ई-गवर्नेंस परियोजनाओं का सुचारू क्रियान्वयन सुनिश्चित करता है।
  - **परियोजना विकास:** डिजिटल शासन को बढ़ाने के लिये पहल विकसित करना।
  - **प्रौद्योगिकी प्रबंधन:** ई-गवर्नेंस परियोजनाओं के तकनीकी पहलुओं की देख-रेख करता है।
  - **क्षमता निर्माण:** सरकारी संगठनों के भीतर कौशल और क्षमताओं को मजबूत करता है।
  - **जागरूकता और संचार:** डिजिटल इंडिया कार्यक्रम के तहत ई-गवर्नेंस पहल को बढ़ावा देना।

महाभारत काल की सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण

चर्चा में क्यों?

हाल ही में मेरठ के हस्तिनापुर में संरक्षित स्थल के संरक्षण और विकास पर एक अद्यतन देखा गया है जिसे **भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ASI)** के प्रबंधन के तहत 2021-22 में केंद्र सरकार द्वारा **पाँच 'प्रतिष्ठित स्थलों'** में से एक के रूप में नामित किया गया था।

मुख्य बिंदु

- **इतिहास:**
  - **महाभारत काल** में हस्तिनापुर **पांडवों और कौरवों की राजधानी थी।**
  - यह स्थल महाभारत के कई स्थानों से जुड़ा हुआ है, जिनमें **विदुर टीला, पांडवेश्वर मंदिर, बारादरी, द्रौणदेश्वर मंदिर, कर्ण मंदिर, द्रौपदी घाट और काम घाट शामिल हैं।**
- **उत्खनन:**
  - ASI के महानिदेशक **बी.बी. लाल ने 1950 के दशक के प्रारंभ में** हस्तिनापुर में **खुदाई की थी।**
  - उन्होंने **महाभारत और** उनके द्वारा खोदे गए भौतिक अवशेषों के बीच सहसंबंध पाया, जिसके कारण उन्होंने महाकाव्य की कुछ परंपराओं को ऐतिहासिक बना दिया।
- **लोहे की वस्तुएँ:**
  - इस स्थल पर **लोहे की कई वस्तुएँ हैं** जो **छठी शताब्दी ईसा पूर्व से लेकर 16वीं शताब्दी ईसवी तक की हैं।**
  - उत्खनन से प्राप्त लावा के नमूनों से पता चलता है कि यह स्थल **क्रूसिबल कार्बराइज़ेशन गतिविधियों में शामिल था।**
    - क्रूसिबल कार्बराइजज़ेशन एक **ऐसी प्रक्रिया है जिसमें स्टील बनाने के लिये कार्बन-समृद्ध सामग्री के साथ गढ़ा लोहे को गर्म करने के लिये क्रूसिबल का उपयोग किया जाता है।मेरठ**

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- **हालिया कार्य:**
  - ASI ने **वर्ष 2021-22 और 2022-23 में** इस स्थल पर **खुदाई की है।**
  - इस स्थल पर **संरक्षण और विकास कार्य भी किया गया है, जिसमें रास्ते, पार्किंग और उद्यानों का निर्माण** भी शामिल है।

पाँच प्रतिष्ठित स्थल

- **धोलावीरा:**
  - **यह एक पुरातात्विक स्थल है, जहाँ वर्षा जल संचयन के लिये** जल प्रणाली का उपयोग किया जाता था। हड़प्पा सभ्यता के दौरान यहाँ रहने वाले लोग अपनी जल संरक्षण तकनीकों के लिये जाने जाते हैं।
- **हस्तिनापुर:**
  - **उत्तर प्रदेश के मेरठ ज़िले** में स्थित एक ऐतिहासिक और सांस्कृतिक स्थल। महाभारत काल में यह **कुरु वंश के सम्राटों की राजधानी थी।**
- **शिवसागर:**
  - ऊपरी असम का एक शहर **जो अपने अहोम महलों और स्मारकों के लिये जाना जाता है।** यह 1699 से 1788 तक **अहोम साम्राज्य** की राजधानी थी।
- **आदिचनल्लूर:**
  - दक्षिण भारत का एक पुरातात्विक स्थल जिसका इतिहास 2500 ईसा पूर्व से 2200 ईसा पूर्व तक जाता है। 2004 में, यहाँ **विभिन्न जातियों के मानव कंकाल मिले थे।**
- **राखीगढ़ी:**
  - हरियाणा के **हिसार ज़िले में राखीगढ़ी हड़प्पा सभ्यता के सबसे प्रमुख और सबसे बड़े स्थलों** में से एक है। यह भारतीय उपमहाद्वीप में हड़प्पा सभ्यता के पाँच ज्ञात कस्बों में से एक है।

उत्तर प्रदेश सरकार मदरसा अधिनियम, 2004 में संशोधन करेगी

चर्चा में क्यों?

हाल ही में उत्तर प्रदेश सरकार **उत्तर प्रदेश मदरसा शिक्षा बोर्ड अधिनियम, 2004 में संशोधन करने जा रही है, जिसके तहत उच्च स्तरीय शिक्षा को इसके दायरे से बाहर रखा जाएगा तथा इसका दायरा केवल कक्षा 12** तक की शिक्षा प्रदान करने वाले संस्थानों तक सीमित कर दिया जाएगा।

- इससे पहले के एक निर्णय में, **सर्वोच्च न्यायालय** ने वर्ष 2004 के उत्तर प्रदेश मदरसा शिक्षा बोर्ड कानून की संवैधानिक वैधता को बनाए रखा था और इलाहाबाद उच्च न्यायालय के उस निर्णय को रद्द कर दिया था, जिसमें **धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांत का उल्लंघन** करने के आधार पर इसे रद्द कर दिया गया था।

मुख्य बिंदु

- मदरसा अधिनियम में संशोधन उत्तर प्रदेश में मदरसा शिक्षा की **गुणवत्ता** और **निगरानी** बढ़ाने के व्यापक प्रयास का हिस्सा है।
  - सरकार का उद्देश्य धार्मिक शिक्षाओं को मानक धर्मनिरपेक्ष पाठ्यक्रम के साथ एकीकृत करके मदरसों में माध्यमिक शिक्षा में सुधार करना है।
- **उच्च-स्तरीय धार्मिक डिग्रियों पर प्रभाव:**
  - **नए संशोधनों के तहत, मदरसे अब कामिल** और **फाज़िल** जैसी उच्च स्तरीय धार्मिक डिग्री प्रदान नहीं कर सकेंगे।
    - ये डिग्रियाँ, जो मदरसा शिक्षा प्रणाली का एक अभिन्न हिस्सा रही हैं, **संशोधित अधिनियम के अंतर्गत अपनी मान्यता से वंचित हो जाएँगी।**
  - माध्यमिक शिक्षा पर ध्यान केंद्रित करने से मदरसा शिक्षा के प्रति अधिक मानकीकृत दृष्टिकोण लाने की आशा है, जिससे यह सुनिश्चित होगा कि **छात्रों को एक संतुलित शिक्षा प्राप्त हो** जो उन्हें आगे के अध्ययन या व्यावसायिक प्रशिक्षण के लिये तैयार करे।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

उत्तर प्रदेश मदरसा शिक्षा बोर्ड अधिनियम, 2004

- इस अधिनियम का उद्देश्य उत्तर प्रदेश राज्य में मदरसों (इस्लामी शैक्षणिक संस्थानों) के कामकाज को विनियमित और संचालित करना था।
- इसने उत्तर प्रदेश में मदरसों की **स्थापना, मान्यता, पाठ्यक्रम** और **प्रशासन** के लिये एक रूपरेखा प्रदान की।
- इस अधिनियम के तहत राज्य में मदरसों की गतिविधियों की देख-रेख और पर्यवेक्षण के लिये **उत्तर प्रदेश मदरसा शिक्षा बोर्ड की स्थापना की गई।**

उत्तर प्रदेश में आधे से अधिक स्टार्टअप का नेतृत्व महिलाएँ कर रही हैं

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश में पंजीकृत स्टार्टअप्स में से आधे से अधिक का **नेतृत्व अब महिलाएँ कर रही हैं,** जो राज्य के प्रगतिशील व्यापार परिदृश्य को दर्शाता है।

मुख्य बिंदु

- उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (DPIIT) के अनुसार, राज्य में 13,370 से अधिक स्टार्टअप्स में से 6,812 से अधिक, यानी लगभग 51%, महिला उद्यमियों द्वारा संचालित हैं।
- राज्य **की स्टार्टअप नीति, जिसे शुरू में वर्ष 2020 में प्रस्तुत किया गया था और वर्ष 2022 में संशोधित किया गया था,** का उद्देश्य सभी 75 ज़िलों में 100 इनक्यूबेटर स्थापित करना है, जो नए उद्यमों के लिये एक दृढ़ बुनियादी ढाँचा प्रदान करेगा।
  - नीति में महिला उद्यमियों को प्रोत्साहित करने के लिये विशेष रूप से तैयार की गई **वित्तीय प्रोत्साहन और सहायता प्रणालियाँ भी शामिल हैं।**
- उत्तर प्रदेश में स्टार्टअप्स ने **सामूहिक रूप से 100,000 से अधिक नौकरियाँ सृजित की हैं,** जो राज्य की अर्थव्यवस्था में महत्त्वपूर्ण योगदान दे रही हैं।
- **एकल खिड़की मंज़ूरी प्रणाली,** 'निवेश मित्र' जैसी पहल, व्यापार अनुकूल वातावरण बनाने में सहायक रही हैं।
  - इसकी निपटान दर 97.22% है, जिसके **कारण इसे केंद्र सरकार से पुरस्कार भी प्राप्त हुआ है।**
- भविष्य को देखते हुए, उत्तर प्रदेश सरकार लखनऊ में **भारत का पहला कृत्रिम बुद्धिमत्ता शहर विकसित करने** और AI पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने के लिये एक विशेष कोष स्थापित करने की योजना बना रही है।
  - इन पहलों से तकनीकी स्टार्टअप और नवाचार के केंद्र के रूप में राज्य की लोकप्रियता में और वृद्धि होने की आशा है।

उत्तर प्रदेश GeM को पूर्ण रूप से अपनाने वाला पहला राज्य बना

चर्चा में क्यों?

हाल ही में उत्तर प्रदेश **भारत का पहला राज्य बन गया है जिसने अपनी खरीद प्रक्रिया को** सरकारी ई-मार्केटप्लेस **(GeM) के साथ पूरी तरह से एकीकृत कर दिया है।**

मुख्य बिंदु

- उत्तर प्रदेश ने GeM को पूर्णत: अपनाकर **अपनी दीर्घकालिक निविदा प्रणाली को समाप्त कर दिया है।**
- इस एकीकरण के तहत सभी सेवा प्रदाताओं को, बुनियादी स्टेशनरी आपूर्तिकर्त्ताओं से लेकर आधिकारिक उपयोग के लिये **स्पोर्ट यूटिलिटी व्हीकल (SUV) प्रदान करने वालों तक,** केंद्र सरकार के नियमों का सख्ती से पालन करना **अनिवार्य है।**
- 26 नवंबर, 2024 को जारी व्यापक सरकारी आदेश 33 से अधिक पूर्व खरीद- संबंधी निर्देशों को रद्द कर देता है।
  - यह कदम GeM प्रोटोकॉल का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित करता है, त्रुटियों और दुरुपयोग की संभावना को कम करता है तथा एक मानकीकृत खरीद प्रक्रिया को बढ़ावा देता है।
- राज्य सरकार का **अनुमान है कि GeM-आधारित खरीद की ओर इस परिवर्तन से सालाना 2,000 करोड़ रुपए से अधिक की बचत हो सकती है।**
  - यह प्रतिस्पर्धी मूल्य निर्धारण और कुशल खरीद प्रक्रियाओं के माध्यम से प्राप्त किया जाता है।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- उत्तर प्रदेश भवन एवं अन्य निर्माण श्रमिक कल्याण बोर्ड ने 18 अटल आवासीय विद्यालयों के लिये **गुणवत्तापूर्ण बुनियादी ढाँचा सामग्री खरीदने के लिये पहले ही GeM का लाभ उठाया है।** फर्नीचर और IT उपकरण सहित ये सामग्री शीघ्रता से और प्रतिस्पर्द्धी कीमतों पर उपलब्ध कराई गई, जिससे शैक्षिक सुविधाओं के लिये उच्च मानक सुनिश्चित हुए।
  - GeM को पूर्ण रूप से अपनाने से उत्तर प्रदेश में सार्वजनिक खरीद प्रक्रियाओं की विश्वसनीयता बढ़ने की आशा है।
- यह **राज्य के व्यापक लक्ष्यों के अनुरूप है, जो कि व्यवसाय-अनुकूल वातावरण को बढ़ावा देना** तथा सरकारी कार्यों में पारदर्शिता सुनिश्चित करना है।
- यह पहल राज्य के महत्वाकांक्षी आर्थिक लक्ष्यों का भी समर्थन करती है तथा 1 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के इसके लक्ष्य में योगदान देती है।
- पारदर्शी खरीद के प्रति उत्तर प्रदेश की प्रतिबद्धता को **राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता मिली है।**
  - राज्य को कुल ऑर्डर मूल्य और उच्चतम सेवा खरीद सहित विभिन्न श्रेणियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिये सम्मानित किया गया है।

सरकारी ई मार्केटप्लेस (GeM)

- GeM एक **100% सरकारी स्वामित्व वाला और राष्ट्रीय सार्वजनिक खरीद पोर्टल है** जो विभिन्न सरकारी विभागों / संगठनों / सार्वजनिक उपक्रमों द्वारा आवश्यक सामान्य उपयोग की वस्तुओं और सेवाओं की ऑनलाइन खरीद की सुविधा प्रदान करता है।
- यह पहल **वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय द्वारा वर्ष 2016 में शुरू की गई थी।**
- यह सरकारी उपयोगकर्त्ताओं की सुविधा के लिये ई-बोली, रिवर्स ई-नीलामी और मांग एकत्रीकरण के उपकरण प्रदान करता है, जिससे उनके पैसे का सर्वोत्तम मूल्य प्राप्त होता है और **सार्वजनिक खरीद में पारदर्शिता, दक्षता और गति को बढ़ाया जाता है।**

डॉ. अंबेडकर की पुण्यतिथि

चर्चा में क्यों?

हाल ही में उत्तर प्रदेश के नेताओं ने दलित आइकन और **भारत के पहले विधि मंत्री डॉ. भीमराव रामजी अंबेडकर**, जिन्होंने भारतीय संविधान की **प्रारूप समिति** का नेतृत्व किया था, को उनकी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की।

प्रमुख बिंदु

- **परिचय:**
  - **डॉ. भीमराव रामजी अंबेडकर** एक प्रमुख **भारतीय विधिवेत्ता, अर्थशास्त्री, समाज सुधारक और राजनीतिज्ञ** थे।
  - उनका जन्म **14 अप्रैल, 1891 को महू, मध्य प्रदेश** में हुआ था।
    - उनके पिता, **सूबेदार रामजी मालोजी सकपाल**, एक सुशिक्षित व्यक्ति और **संत कबीर** के अनुयायी थे।
- **शिक्षा:**
  - अंबेडकर ने **बॉम्बे विश्वविद्यालय से स्नातक की डिग्री** प्राप्त की और आगे की पढ़ाई के लिये **न्यूयॉर्क में कोलंबिया विश्वविद्यालय और लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स** चले गए।
- **योगदान:**
  - **वर्ष 1924** में उन्होंने **दलित वर्गों के कल्याण के लिये एक एसोसिएशन** की शुरुआत की **और 1927 में** दलित वर्गों के हितों को संबोधित करने के लिये उन्होंने **बहिष्कृत भारत समाचार पत्र** शुरू किया।
    - उन्होंने **मार्च 1927 में महाड सत्याग्रह का** भी नेतृत्व किया।
  - उन्होंने तीनों **गोलमेज सम्मेलनों** में भाग लिया।
  - वर्ष 1932 में, डॉ. अंबेडकर ने **महात्मा गांधी** के साथ **पूना पैक्ट** पर हस्ताक्षर किये, जिसने दलित वर्गों के लिये पृथक निर्वाचिक मंडल (**कम्युनल अवार्ड**) के विचार को त्याग दिया।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- **वर्ष 1936** में उन्होंने दलित वर्गों के हितों की रक्षा के लिये **इंडिपेंडेंट लेबर पार्टी** का गठन किया।
- वर्ष 1942 में डॉ. अंबेडकर को **भारत के गवर्नर जनरल की कार्यकारी परिषद में श्रम सदस्य** के रूप में नियुक्त किया गया और **वर्ष 1946 में बंगाल से संविधान सभा** के लिये चुने गए।
  - वह **प्रारूप समिति के अध्यक्ष** थे और उन्हें **भारतीय संविधान के जनक** के रूप में याद किया जाता है।
- वर्ष 1947 में डॉ. अंबेडकर **स्वतंत्र भारत के पहले मंत्रिमंडल में विधि मंत्री** बने।
  - वर्ष 1951 में हिंदू कोड बिल पर मतभेद के कारण **उन्होंने मंत्रिमंडल से इस्तीफा** दे दिया।

अतिरिक्त विवरण:

- बाद में उन्होंने **बौद्ध धर्म** अपना लिया। **6 दिसंबर, 1956** को उनका निधन हो गया, जिसे **महापरिनिर्वाण दिवस के रूप में मनाया जाता है।**
  - **चैत्य भूमि** मुंबई में स्थित बी.आर. अंबेडकर का स्मारक है।
- उन्हें **वर्ष 1990 में भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से भी सम्मानित** किया गया।

पीलीभीत टाइगर रिज़र्व

चर्चा में क्यों?

हाल ही में एक वायरल वीडियो सामने आने के बाद **जाँच के आदेश दिये गए हैं,** जिसमें कथित तौर पर उत्तर प्रदेश के एक मंत्री के वाहनों का बेड़ा **पीलीभीत टाइगर रिज़र्व** के **मुख्य क्षेत्र से गुजरता हुआ दिखाई दे रहा है। इससे वन नियमों के उल्लंघन** की चिंता बढ़ गई है।

मुख्य बिंदु

- वन विभाग के नियमों के अनुसार, **निजी वाहनों को** मुख्य क्षेत्र में प्रवेश करने पर सख्त प्रतिबंध है तथा **केवल वन विभाग के वाहनों या सफारी पर्यटन के लिये अधिकृत वाहनों को ही प्रवेश की अनुमति है।**

पीलीभीत टाइगर रिज़र्व:

- **यह उत्तर प्रदेश के पीलीभीत और शाहजहाँपुर ज़िले** में स्थित है।
- इसे वर्ष 2014 में **टाइगर रिज़र्व के रूप में अधिसूचित किया गया था।**
- वर्ष 2020 में, इसने पिछले चार वर्षों में बाघों की संख्या दोगुनी करने के लिये **अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार TX2 जीता।**
- **यह ऊपरी गंगा के मैदान में तराई आर्क लैंडस्केप** का हिस्सा है।
- रिज़र्व का उत्तरी किनारा भारत-नेपाल सीमा पर स्थित है, जबकि दक्षिणी सीमा शारदा और खकरा नदियों द्वारा चिह्नित है।

वनस्पति और जीव:

- यह 127 से अधिक पशुओं, 326 पक्षी प्रजातियों और 2,100 फूलदार पौधों का निवास स्थान है।
- जंगली जानवरों में **बाघ, दलदल हिरण, बंगाल फ्लोरिकन, तेंदुआ** आदि शामिल हैं।
- इसमें कई जल निकायों के साथ ऊँचे **साल के वन,** वृक्षारोपण और घास के मैदान हैं।

टाइगर रिज़र्व

- **धारीदार बड़ी बिल्लियों (बाघों) के संरक्षण** के लिये नामित संरक्षित क्षेत्र को **टाइगर रिज़र्व** कहा जाता है। हालाँकि, टाइगर रिज़र्व एक **राष्ट्रीय उद्यान** या **वन्यजीव अभयारण्य भी हो सकता है।**
- **उदाहरण के लिये: सरिस्का टाइगर रिज़र्व** भी एक राष्ट्रीय उद्यान है। ऐसा इसलिये है क्योंकि इस जगह को मूल रूप से एक **राष्ट्रीय उद्यान के रूप में बनाया गया था और बाद में इसे बाघ संरक्षण के लिये समर्पित कर दिया गया।**
- **राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण** की सलाह पर **वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972** की **धारा 38वी के** प्रावधानों के अनुसार राज्य सरकारों द्वारा बाघ रिज़र्वों को अधिसूचित किया जाता है।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

TX2 पुरस्कार

- यह उस स्थान को समर्पित है, जहाँ **वर्ष 2010 के बाद से बाघों की संख्या में उल्लेखनीय और मापनीय वृद्धि हुई है।**

जेवर हवाई अड्डे पर पहली वैलिडेशन फ्लाइट की लैंडिंग

चर्चा में क्यों?

हाल ही में **नोएडा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे (NIA)** ने एक बड़ी उपलब्धि प्राप्त की, जब इसकी **पहली सत्यापन उड़ान सफलतापूर्वक उतरी,** जिससे यह परिचालन तत्परता के और समीप पहुँच गया।

मुख्य बिंदु

- **सत्यापन उड़ान की सफल लैंडिंग:**
  - सत्यापन उड़ान **इंडिगो द्वारा संचालित की गई थी।**
  - परियोजना की प्रगति में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिये साइट श्रमिकों की विशेष सराहना की गई।
- **उड़ान के उद्देश्य:**
  - उड़ान ने **हवाई अड्डे की पहुँच और प्रस्थान प्रक्रियाओं, नेविगेशनल सहायता और हवाई यातायात नियंत्रण प्रणालियों की सटीकता का परीक्षण और पुष्टि की।**
- **मंत्रिस्तरीय टिप्पणियाँ और दृष्टिकोण:**
  - केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ने टीम के प्रयासों की सराहना की और इस बात पर ज़ोर दिया:
    - इस हवाई अड्डे में **हवाई यात्रा और क्षेत्रीय संपर्क को बदलने की क्षमता है।**
    - इसका डिज़ाइन **उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत** को दर्शाता है।
    - वर्ष 2025 में इसके खुलने पर टर्मिनल की क्षमता प्रतिवर्ष 12 मिलियन यात्रियों की होगी।
  - इस विकास के साथ, **उत्तर प्रदेश का 17वाँ परिचालन हवाई अड्डा होगा।**
- **स्थिरता पर ध्यान:**
  - मंत्री ने निम्नलिखित के माध्यम से स्थिरता पर ज़ोर दिया:
    - हवाई अड्डे को बिजली प्रदान करने के लिये **सौर ऊर्जा** का उपयोग।
    - **पर्यावरण अनुकूल बुनियादी ढाँचे का विकास** सरकारी प्राथमिकताओं के अनुरूप।
- **आर्थिक एवं विकासात्मक प्रभाव:**
  - **इस परियोजना से हज़ारों नौकरियाँ उत्पन्न होने** की आशा है।
  - इसके पूरा होने पर पश्चिमी उत्तर प्रदेश में पर्यटन को बढ़ावा मिलने और क्षेत्रीय विकास को बढ़ावा मिलने तथा एशिया के सबसे बड़े हवाई अड्डे के रूप में कार्य करने की भी आशा है।

नोएडा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा (NIA)

- जेवर स्थित नोएडा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे को **देश के पहले ट्रांजिट हब के रूप में विकसित किया जा रहा है** तथा इसे **भारत में पहली बार एशिया-प्रशांत** ट्रांजिट हब के रूप में विकसित करने की आकांक्षा है।
- इसे **स्विट्ज़रलैंड के ज्यूरिख हवाई अड्डे के मॉडल के आधार पर विकसित किया गया है,** जिसका लक्ष्य यात्री और उड़ान संचालन क्षमताओं को विश्व स्तरीय मानकों तक बढ़ाना है।
  - ग्रीनफील्ड हवाई अड्डे का निर्माण पश्चिमी उत्तर प्रदेश के गौतम बुद्ध नगर ज़िले के जेवर क्षेत्र में किया जा रहा है।
  - यह दिल्ली के **इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के बाद राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में दूसरा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा होगा।**

GeM प्लेटफॉर्म को पूर्णत: अपनाने वाला पहला राज्य- उत्तर प्रदेश

चर्चा में क्यों?

हाल ही में उत्तर प्रदेश **गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस (GeM) प्लेटफॉर्म** को पूरी तरह से एकीकृत करने वाला भारत का पहला राज्य बन गया है, **जिससे सार्वजनिक खरीद में पारदर्शिता और दक्षता** बढ़ेगी।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

इस कदम से **प्रतिवर्ष 2,000 करोड़ रुपए की बचत होने का अनुमान है,** साथ ही निष्पक्ष व्यवहार को बढ़ावा मिलेगा और छोटे व्यवसायों को सशक्त बनाया जाएगा।

मुख्य बिंदु

- उत्तर प्रदेश में पूर्ववर्ती निविदा प्रणाली में एकरूपता का अभाव था तथा उसका दुरुपयोग होने की संभावना थी।
- GeM मानकीकृत नियमों को लागू करके इन मुद्दों का समाधान करता है, जिससे उल्लंघन या खामियों की संभावना कम हो जाती है।
- राज्य सरकार का लक्ष्य सभी राज्य विभागों में GeM के उपयोग को बढ़ाना, अनुपालन सुनिश्चित करना और जवाबदेही बढ़ाना है।
- **प्रदर्शित सफलता:**
  - उत्तर प्रदेश भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड ने 18 **अटल आवासीय विद्यालयों** के लिये सामग्री खरीदने हेतु GeM का उपयोग किया।
    - कक्षा 6 से इंटरमीडिएट स्तर तक के छात्रों को शिक्षा प्रदान करने वाले ये स्कूल अब **कोविड-19 महामारी** के दौरान अनाथ हुए बच्चों को सहायता प्रदान करने सहित अनुकरणीय शिक्षण वातावरण प्रदान करते हैं।
- **नीति सुधार और अनुपालन:**
  - **सख्त दिशा-निर्देश:** नीतियाँ ऑफलाइन कॉन्ट्रैक्ट, प्राइस डिस्कवरी बिड, क्वांटिटी-बेस्ड बिड और बोली मूल्यांकन (Bid Evaluations) के दौरान नमूनों के लिये अनावश्यक अनुरोध जैसी प्रथाओं पर रोक लगाती हैं।
    - सभी राज्य विभागों को अपनी वार्षिक वस्तुओं और सेवाओं का कम से कम 25% GeM के माध्यम से खरीदना होगा तथा ऐसा न करने पर जुर्माना लगाया जाएगा।
- **लघु उद्यमों के लिये समर्थन: निविदा पात्रता मानदंडों में ढील (जैसे, टर्नओवर और पिछला प्रदर्शन) सूक्ष्म और लघु उद्यमों (MSME)** के लिये अवसर उत्पन्न करते हैं।
  - **श्रमिक कल्याण प्रावधान:** नीतियों में आउटसोर्स कर्मचारियों के लिये न्यूनतम मज़दूरी, **कर्मचारी भविष्य निधि (EPF)** और **कर्मचारी राज्य बीमा (ESI)** लाभ अनिवार्य किया गया है।
    - सेवा प्रदाता नियुक्ति के बाद मनमाने ढंग से आउटसोर्स कर्मचारियों को नहीं बदल सकते, जिससे नौकरी में स्थिरता और निष्पक्षता सुनिश्चित हो सके।
  - **मिलीभगत-रोधी उपाय:** मिलीभगत या बोली (Bid) में हेराफेरी करने पर कठोर दंड लगाया जाता है, तथा मामले की सूचना GeM टीम को देने का प्रावधान है।
  - **शिकायत निवारण तंत्र:** उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव की अध्यक्षता में उच्च स्तरीय समितियाँ समर्पित ईमेल के माध्यम से प्रस्तुत अनुपालन संबंधी शिकायतों की समीक्षा करती हैं।
  - राष्ट्रीय पहल के साथ संरेखण:
  - GeM को अपनाने से शासन में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाकर **"डिजिटल इंडिया"** के दृष्टिकोण को बढ़ावा मिलेगा।
  - यह मंच स्थानीय आपूर्तिकर्त्ताओं को समर्थन प्रदान करता है तथा **"मेक इन इंडिया" पहल** के अनुरूप निष्पक्ष प्रतिस्पर्द्धा को बढ़ावा देता है।

गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस (GeM) प्लेटफॉर्म

- **GeM** विभिन्न सरकारी विभागों/संगठनों/सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों द्वारा अपेक्षित **सामान्य उपयोग की वस्तुओं और सेवाओं की ऑनलाइन खरीद की** सुविधा प्रदान करता है।
- यह पहल वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा अगस्त 2016 में शुरू की गई थी।
- GeM का वर्तमान संस्करण अर्थात **GeM 3.0, 26 जनवरी, 2018 को लॉन्च किया गया था।**
- यह सरकारी उपयोगकर्त्ताओं की सुविधा के लिये **ई-बिडिंग, रिवर्स ई-नीलामी और मांग एकत्रीकरण के उपकरण प्रदान करता है, जिससे उनके पैसे का सर्वोत्तम मूल्य प्राप्त होता है और सार्वजनिक खरीद में पारदर्शिता, दक्षता और गति को बढ़ाया जाता है।**

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

UP ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिये अनुपूरक बजट पेश किया

चर्चा में क्यों?

हाल ही में **उत्तर प्रदेश सरकार ने राज्य विधानसभा में वर्ष 2024-25 के लिये 17,865.72 करोड़ रुपए का अनुपूरक बजट** पेश किया, जो **मूल 7.36 लाख करोड़ रुपए के बजट का 2.42% है।**

इस दूसरे अनुपूरक बजट से राज्य का कुल बजट आकार 7,66,513.36 करोड़ रुपए हो गया है।

मुख्य बिंदु

- **प्रमुख आवंटन:**
- **प्रमुख विभाग आवंटन:**
  - ऊर्जा विभाग के लिये 8,587.27 करोड़ रुपए।
  - वित्त विभाग के लिये 2,438.63 करोड़ रुपए।
  - परिवार कल्याण विभाग के लिये 1,592.28 करोड़ रुपए।
  - पशुपालन विभाग के लिये 1,001 करोड़ रुपए।
- **अन्य विभागीय अनुदान:**
  - लोक निर्माण विभाग (PWD) के लिये 805 करोड़ रुपए।
  - सूचना विभाग के लिये 505 करोड़ रुपए।
  - प्राथमिक शिक्षा विभाग के लिये 515 करोड़ रुपए।
- **रोज़गार में उपलब्धियाँ:**
  - **राज्य की बेरोज़गारी दर** 19% (2012-2017) से घटकर 2.4% (2024) हो गई।
  - **शिक्षा विभाग में** रिक्त पदों पर 1,60,000 से अधिक भर्तियाँ की गईं।

इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश को हटाया गया

चर्चा में क्यों?

हाल ही में **राज्यसभा के 55 सांसदों** ने **इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश,** न्यायमूर्ति शेखर कुमार यादव को हटाने के लिये **राज्यसभा** के **सभापति** को एक प्रस्ताव सौंपा है।

मुख्य बिंदु

- **न्यायाधीशों को हटाने की प्रक्रिया:**
  - **अनुच्छेद 124 और 218** के तहत, **सर्वोच्च न्यायालय** और **उच्च न्यायालयों** के न्यायाधीशों को **राष्ट्रपति द्वारा "सिद्ध दुर्व्यवहार" या "अक्षमता" के आधार पर हटाया जा सकता है।**
  - **हटाने के लिये संसद के दोनों सदनों** द्वारा **प्रस्ताव पारित होना आवश्यक है:**
    - सदन की कुल सदस्यता का बहुमत।
    - उसी सत्र में उपस्थित और मतदान करने वाले सदस्यों के कम से कम दो-तिहाई का **विशेष बहुमत।**
  - संविधान में "सिद्ध कदाचार" और "अक्षमता" शब्दों को परिभाषित नहीं किया गया है।
    - सर्वोच्च न्यायालय द्वारा व्याख्या के अनुसार **दुर्व्यवहार में जानबूझकर किया गया कदाचार, भ्रष्टाचार, निष्ठा की कमी या नैतिक अधमता** शामिल है।
    - **अक्षमता से** तात्पर्य **न्यायिक कार्यों में बाधा डालने वाली शारीरिक या मानसिक स्थिति से है।**
- **न्यायाधीश (जाँच) अधिनियम, 1968 के अंतर्गत प्रक्रिया:**
- **प्रस्ताव की सूचना:**
  - **इसके लिये कम से कम 50 राज्यसभा सदस्यों या 100 लोकसभा सदस्यों** के हस्ताक्षर आवश्यक हैं।
  - परामर्श के बाद अध्यक्ष या **स्पीकर** यह निर्णय लेते हैं कि प्रस्ताव को स्वीकार किया जाए या नहीं।
- **गठित जाँच समिति:**
  - यदि प्रस्ताव स्वीकार कर लिया जाता है तो न्यायाधीशों और एक प्रतिष्ठित न्यायविद सहित **तीन सदस्यीय समिति गठित की जाती है।**
  - समिति आरोपों की जाँच करती है:
    - यदि **न्यायाधीश को दोषमुक्त कर दिया जाता है, तो प्रस्ताव निरस्त हो जाता है।**
    - यदि **दोषी पाया जाता है तो समिति की रिपोर्ट मतदान के लिये संसद** में भेजी जाती है।
- **संसदीय अनुमोदन:**
  - **राष्ट्रपति** द्वारा न्यायाधीश को हटाने के लिये **दोनों सदनों को विशेष बहुमत से प्रस्ताव पारित करना होगा।**

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- **वर्तमान मुद्दा:**
  - **न्यायमूर्ति यादव ने विश्व हिंदू परिषद** द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में सांप्रदायिक टिप्पणी करते हुए कहा कि देश को बहुसंख्यकों की इच्छा से चलाया जाना चाहिए।
  - **न्यायिक जीवन के मूल्यों की पुनर्स्थापना (1997)** में न्यायाधीशों से **निष्पक्षता बनाए रखने** और अपने पद के अनुरूप कार्य न करने की अपेक्षा की गई है।
  - यद्यपि **न्यायाधीश (जाँच) विधेयक, 2006** (जो पारित नहीं हुआ) में कदाचार की परिभाषा में आचार संहिता के उल्लंघन को भी शामिल किया गया था, तथापि इसमें छोटे कदाचार के लिये चेतावनी या निन्दा जैसे छोटे अनुशासनात्मक उपायों का भी प्रस्ताव किया गया था।
- **कठोर निष्कासन प्रक्रिया:**
  - यह प्रक्रिया **न्यायिक स्वतंत्रता** सुनिश्चित करती है, लेकिन अक्सर दोषी होने पर भी न्यायाधीशों के विरुद्ध कोई कार्रवाई नहीं होती।
  - ब्लैकस्टोन **का अनुपात सिद्धांत** यह है कि निर्दोष को दंडित करने की अपेक्षा दोषी को छोड़ देना बेहतर है तथा यह स्वतंत्रता को बनाए रखने के लिये न्यायाधीशों को हटाने पर भी लागू होता है।

पटाखों पर पूर्ण प्रतिबंध

चर्चा में क्यों?

हाल ही में **सर्वोच्च न्यायालय** ने **हरियाणा और उत्तर प्रदेश सरकारों को** अगले आदेश तक **राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (NCR)** में **पटाखों पर पूर्ण प्रतिबंध** लगाने का निर्देश दिया।

मुख्य बिंदु

- **पूर्ण प्रतिबंध का आह्वान:**
  - सर्वोच्च न्यायालय ने दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और राजस्थान की सरकारों को राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (NCR) में वर्ष भर पटाखों पर प्रतिबंध लगाने के मुद्दे पर अपने विचार स्पष्ट करने के लिये कहा है।
  - न्यायालय ने **वायु प्रदूषण और ध्वनि प्रदूषण दोनों से निपटने के लिये प्रतिबंध की आवश्यकता पर बल दिया।**
- **वर्तमान स्थिति और उपाय:**
  - फिलहाल **पटाखों पर पूर्ण प्रतिबंध** केवल **दिवाली और नए वर्ष के आसपास ही लागू होता है।**
  - दिल्ली ने पटाखों के उत्पादन, संग्रहण, बिक्री और ऑनलाइन वितरण पर एक वर्ष के लिये रोक लगा दी है।
  - **राजस्थान ने भी NCR के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों में इसी प्रकार का प्रतिबंध लगाया है।**
- **प्रदूषण विरोधी उपायों का प्रवर्तन:**
  - वायु गुणवत्ता खराब होने के कारण दिल्ली-NCR में ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (GRAP) चरण 4 लागू किया गया।
  - NCR राज्यों को **GRAP उपायों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने के लिये अधिकारियों की टीम बनाने का निर्देश दिया गया।**
  - ये टीमें सर्वोच्च न्यायालय के अधिकारियों के रूप में कार्य करेंगी तथा **वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (CAQM) को अनुपालन और उल्लंघनों की रिपोर्ट देंगी।**

ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (GRAP)

- GRAP **में आपातकालीन उपाय शामिल हैं, जो दिल्ली-NCR क्षेत्र** में विशिष्ट सीमा तक पहुँचने के बाद वायु गुणवत्ता में गिरावट को रोकने के लिये तैयार किये गए हैं।
- **पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (MoEF&CC)** ने वर्ष 2017 में GRAP को अधिसूचित किया।
- NCR एवं आसपास के क्षेत्रों में वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (CAQM) GRAP को क्रियान्वित करता है।

अयोध्या ने ताजमहल को पीछे छोड़ते हुए उत्तर प्रदेश का प्रमुख पर्यटन स्थल बना (2024)

चर्चा में क्यों?

हाल ही में **अयोध्या ने आगरा (ताजमहल) को** पीछे छोड़ते हुए वर्ष 2024 के लिये **उत्तर प्रदेश** में **सबसे अधिक देखा जाने वाला स्थल** बन गया।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

मुख्य बिंदु

- **अयोध्या शीर्ष गंतव्य बना**
  - जनवरी से सितंबर 2024 के बीच **अयोध्या में 135.5 मिलियन घरेलू पर्यटक** और **3,153 अंतर्राष्ट्रीय पर्यटक** आए।
    - पर्यटन में यह वृद्धि मुख्य रूप से **राम मंदिर के उद्घाटन से प्रेरित है,** जिसने शहर को भारत में **आध्यात्मिक पर्यटन के केंद्र के रूप में स्थापित किया है।**
  - अयोध्या में धार्मिक पर्यटन बुकिंग में 70% की वृद्धि देखी गई है, राम मंदिर में **प्राण प्रतिष्ठा** समारोह में बड़ी भीड़ जुट रही है और जनवरी 2025 में इसके वर्षगाँठ समारोह के दौरान इसमें और वृद्धि होने की आशा है।
- **आगरा (ताजमहल)**
  - वर्ष 2024 में आगरा स्थित प्रसिद्ध **ताजमहल** में **125.1 मिलियन आगंतुकों** ने प्रवेश किया, जिनमें से **115.9 मिलियन घरेलू** और **924,000 अंतर्राष्ट्रीय पर्यटक** शामिल थे।
    - **ताजमहल अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों** के लिये एक प्रमुख आकर्षण बना हुआ है, जहाँ **विदेशी आगमन 2022-23** में **2.684 मिलियन** से बढ़कर **2023-24** में **27.7 मिलियन** हो जाएगा।
    - हालाँकि, ताजमहल में **घरेलू पर्यटकों की संख्या में 193,000 की मामूली कमी आई है।**
- **उत्तर प्रदेश में पर्यटन विकास**
  - **उत्तर प्रदेश में वर्ष** 2024 में पर्यटन में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है, **जनवरी से सितंबर 2024 तक 476.1 मिलियन पर्यटक** राज्य में आएँगे।
  - वर्ष 2024 में राज्य का पर्यटन प्रदर्शन **2023** में दर्ज **480 मिलियन पर्यटकों को पार करने की राह पर है।**
  - **अयोध्या** के अलावा, उत्तर प्रदेश के अन्य आध्यात्मिक स्थलों, जिनमें **वाराणसी** (62 मिलियन घरेलू, 184,000 अंतर्राष्ट्रीय), **मथुरा** (68 मिलियन, 87,229 विदेशी), **प्रयागराज** (48 मिलियन) और **मिर्ज़ापुर** (11.8 मिलियन) शामिल हैं, ने भी वर्ष 2024 में महत्त्वपूर्ण वृद्धि देखी गई है।
  - **कुशीनगर** में **बौद्ध सर्किट** में 1.62 मिलियन पर्यटक आए, जिनमें 153,000 अंतर्राष्ट्रीय पर्यटक शामिल थे, जो अयोध्या के आध्यात्मिक आकर्षण से परे पर्यटन को विविधता प्रदान करने के उत्तर प्रदेश के प्रयासों को दर्शाता है।

प्राचीन बावड़ी उत्तर प्रदेश में खोजी गई

चर्चा में क्यों?

हाल ही में **चंदौसी के लक्ष्मण गंज क्षेत्र में खुदाई के दौरान लगभग 125 से 150 वर्ष पुरानी** एक बावड़ी मिली, जो 400 वर्ग मीटर क्षेत्र में विस्तृत है।

मुख्य बिंदु

- **उत्खनन अवलोकन:**
  - यह खुदाई **46 वर्षों के बंद रहने के पश्चात** 13 दिसंबर, 2024 को संभल में **भस्म शंकर मंदिर के पुनः खुलने के उपलक्ष्य में की जा रही है।**
  - अधिकारियों ने बताया कि खुदाई के दौरान **मंदिर के कुएँ से दो क्षतिग्रस्त मूर्तियाँ सहित एक संरचना मिली है।**
    - स्थानीय लोगों का दावा है कि इस बावड़ी का **निर्माण बिलारी के राजा के नाना के शासनकाल में हुआ था।**
- **वास्तुकला विशेषताएँ:**
  - **कुएँ की ऊपरी मंजिल ईंटों से बनी है,** जबकि **निचली दो मंजिलें संगमरमर से बनी हैं।**
  - इस संरचना **में चार कमरे और एक कुआँ भी शामिल है।**

उच्च न्यायालय ने 17वीं सदी के आगरा स्मारक को संरक्षित करने का आदेश दिया

चर्चा में क्यों?

हाल ही में **इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने 17वीं शताब्दी के विरासत स्थल, आगरा के हम्माम** को अंतरिम संरक्षण प्रदान किया तथा **भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ASI)** और राज्य प्राधिकारियों को **स्मारक को किसी भी प्रकार की क्षति से बचाने का निर्देश दिया।**

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

मुख्य बिंदु

- **विरासत स्थल का संरक्षण:**
  - **आगरा में अली वर्दी खान के हम्माम** की सुरक्षा के लिये एक **जनहित याचिका (PIL)** दायर की गई थी, जिसमें "अवैध और अनधिकृत व्यक्तियों" द्वारा ध्वस्त किये जाने के आसन्न खतरे का हवाला दिया गया था।
  - आगरा के चिपिटोला में स्थित हम्माम की अक्तूबर 2023 में ASI सर्वेक्षण से पुष्टि हुई थी कि इसका निर्माण 1620 ई. में हुआ था।
- **संरक्षण के लिये न्यायालय के निर्देश:**
  - उच्च न्यायालय ने पुलिस आयुक्त, आगरा, ASI और **उत्तर प्रदेश राज्य पुरातत्व विभाग** को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि स्मारक को कोई नुकसान न पहुँचे।
  - पुलिस आयुक्त को संरचना की सुरक्षा के लिये पर्याप्त पुलिस बल तैनात करने का निर्देश दिया गया।
- **प्राचीन स्मारक तथा पुरातत्व स्थल एवं अवशेष अधिनियम, 1958** के तहत, ASI और राज्य प्राधिकारियों का **कर्त्तव्य है कि वे 400 वर्ष पुराने हम्माम की सुरक्षा की जाए।**

शाही हम्माम

- यह आगरा के चिपिटोला में स्थित एक **मुगलकालीन स्नानागार है, जिसका निर्माण अलीवर्दी खान ने 1620 में करवाया था।**
- किसी समय यह हम्माम एक बड़े सराय परिसर का हिस्सा था, यह न केवल **स्नान की सुविधा के रूप में कार्य करता था,** बल्कि एक **सांस्कृतिक और सामाजिक केंद्र के रूप में भी कार्य करता था।**

उत्तर प्रदेश में गौ-आधारित नेचुरल फार्मिंग

चर्चा में क्यों?

हाल ही में **उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने** कहा कि **गौ-आधारित नेचुरल फार्मिंग** से प्रति एकड़ 10,000 से 12,000 रुपए की बचत होकर **किसानों की आय बढ़ सकती है।**

- उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि यदि राज्य के अधिकांश किसान इस पद्धति को अपनाएँ तो **काफी सामूहिक बचत संभव है।**

मुख्य बिंदु

- **गौ-आधारित खेती के लाभ:**
  - **इससे कृषि लागत कम होती है** और **पशुधन का संरक्षण होता है।**
  - दीर्घकाल में **मृदा, जल और मानव स्वास्थ्य को बेहतर बनाता है।**
- **इनपुट पर वर्तमान निर्भरता:**
- **बीज:**
  - उत्तर प्रदेश अपनी आवश्यकता का केवल आधा बीज ही उत्पादित करता है तथा शेष बीज को अन्य राज्यों, विशेषकर दक्षिणी भारत से ऊंची लागत पर आयात करता है।
- **उर्वरक:**
  - भारत **उर्वरकों**, विशेषकर **यूरिया, फॉस्फेट और पोटाश के लिये आयात पर बहुत अधिक निर्भर करता है**
  - **वर्ष** 2023-2024 में अकेले यूरिया आयात पर 2,127 करोड़ रुपए का खर्च आएगा।
    - **भारत की उच्च मांग के कारण** निर्यातक देश अक्सर कीमतें बढ़ा देते हैं।
- **गौ-आधारित नेचुरल फार्मिंग की संभावनाएँ:**
  - विशेषज्ञ उर्वरक आयात पर खर्च होने वाली **विदेशी मुद्रा** को बचाने की इसकी क्षमता पर प्रकाश डालते हैं।
  - **उत्तर प्रदेश** में 2.78 करोड़ किसान और लगभग 2 करोड़ मवेशी हैं, जो गौ-आधारित खेती के लिये **एक मज़बूत आधार प्रदान करते हैं।**
    - एक गाय के गोबर और मूत्र से लगभग चार एकड़ भूमि पर खेती की जा सकती है।
- **सरकारी पहल:**
  - **आत्मनिर्भर गौशालाएँ: गौशालाओं** को गौ-आधारित नेचुरल फार्मिंग के **प्रशिक्षण केंद्र** के रूप में विकसित किया जा रहा है।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- **समर्पित विश्वविद्यालय:** पारंपरिक तरीकों को आधुनिक प्रौद्योगिकी के साथ एकीकृत करने के लिये नेचुरल फार्मिंग (Natural Farming) विश्वविद्यालय स्थापित करने की योजना।
- **वित्तीय सहयता:** किसानों को तीन वर्षों में वित्तीय सहायता मिलती है, पहले वर्ष 4,800 रुपए, दूसरे वर्ष 4,000 रुपए और तीसरे वर्ष 3,600 रुपए।
  - पशु शेड और **बायोगैस संयंत्र के लिये भी अनुदान उपलब्ध है।**
- **उत्पाद विपणन: प्राकृतिक कृषि उत्पादों को बढ़ावा देने** के लिये संभागीय मुख्यालयों पर समर्पित **आउटलेट स्थापित किये गए हैं।**
- सरकार **उपभोक्ता विश्वास और बाज़ार विश्वसनीयता बढ़ाने के लिये उत्पाद प्रमाणन को प्राथमिकता दे रही है।**

- **जैविक उत्पादों की बढ़ती मांग:**
  - **कोविड के बाद,** जैविक, क्षेत्रीय स्तर पर उत्पादित उत्पादों **की मांग अधिक है।**
  - शोध संस्थान क्षेत्रीय स्वाद वाले स्वास्थ्यवर्द्धक खाद्य विकल्पों के प्रति बढ़ती प्राथमिकता पर प्रकाश डालते हैं।

नेचुरल फार्मिंग (Natural Farming)

- यह कृषि की एक ऐसी पद्धति है जो **एक संतुलित और आत्मनिर्भर पारिस्थितिकी तंत्र बनाने का प्रयास करती है** जिसमें सिंथेटिक रसायनों या आनुवंशिक रूप से संशोधित जीवों के उपयोग के बिना फसलें उगाई जा सकें।
  - कृत्रिम उर्वरकों और कीटनाशकों जैसे कृत्रिम इनपुट पर निर्भर रहने के बजाय, प्राकृतिक किसान मृदा स्वास्थ्य को बढ़ाने और फसल विकास को समर्थन देने के लिये **फसल चक्र, अंतरफसल और खाद बनाने जैसी तकनीकों पर भरोसा करते हैं।**
- प्राकृतिक कृषि पद्धतियां **प्राय: पारंपरिक ज्ञान और प्रथाओं पर आधारित होती हैं तथा इन्हें स्थानीय परिस्थितियों** और संसाधनों के अनुरूप अनुकूलित किया जा सकता है।
- नेचुरल फार्मिंग का लक्ष्य **स्वस्थ, पौष्टिक भोजन का उत्पादन करना है** जो सतत् और पर्यावरण के अनुकूल हो।

महाकुंभ 2025 में ड्रोन शो

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश सरकार **महाकुंभ 2025** के दौरान एक **ड्रोन शो आयोजित करने की योजना बना रही है,** जिसमें महाकुंभ और प्रयागराज से संबंधित **पौराणिक कथाओं को दर्शाया जाएगा।**

मुख्य बिंदु

- **ड्रोन शो की मुख्य विशेषताएँ:**
  - **2,000 प्रकाशित ड्रोनों का एक बेड़ा 'प्रयाग महात्म्यम' और महाकुंभ की पौराणिक कथाओं का** वर्णन करेगा।
  - **पौराणिक समुद्र मंथन (Ocean Churning)** और **अमृत कलश (Nectar Pot) के उद्भव** जैसी ऐतिहासिक घटनाओं को दृश्यात्मक रूप से पुन: प्रस्तुत किया जाएगा।
- **उद्देश्य:**
  - इस शो का उद्देश्य **प्रयागराज के धार्मिक और आध्यात्मिक महत्त्व को उजागर करना है** तथा तीर्थयात्रियों और स्थानीय लोगों को एक अनूठा अनुभव प्रदान करना है।
- **महाकुंभ की तैयारियाँ:**
  - प्रत्येक बारह वर्ष में आयोजित होने वाला यह महाकुंभ **13 जनवरी से 26 फरवरी 2025 तक चलेगा।**
  - राज्य सरकार प्रयागराज में मंदिरों, **गंगा** घाटों, पार्कों, सड़कों और फ्लाईओवरों के **विकास और सौंदर्यीकरण पर ध्यान केंद्रित कर रही है।**
  - मुख्यमंत्री ने तैयारियों की प्रगति का निरीक्षण करने के लिये **प्रयागराज का कई बार दौरा किया है।**

कुंभ मेला

- यह धरती पर तीर्थयात्रियों का सबसे बड़ा शांतिपूर्ण समागम है, जिसके दौरान प्रतिभागी पवित्र नदी में स्नान या डुबकी लगाते हैं। यह समागम 4 अलग-अलग जगहों पर होता है अर्थात्-
  - **हरिद्वार** में, **गंगा** के तट पर।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- **उज्जैन** में, **शिप्रा** के तट पर।
- **नासिक** में, **गोदावरी (दक्षिण गंगा)** के तट पर।
- **प्रयागराज** में, गंगा, यमुना और पौराणिक अदृश्य **सरस्वती के संगम** पर।

- **कुंभ के विभिन्न प्रकार:**
  - कुंभ **मेला 12 वर्षों में 4 बार** मनाया जाता है।
  - **हरिद्वार और प्रयागराज** में, **अर्द्ध-कुंभ मेला हर 6 वें वर्ष** आयोजित किया जाता है।
  - **महाकुंभ मेला** 144 वर्षों (12 'पूर्ण कुंभ मेलों' के बाद) के बाद प्रयाग में मनाया जाता है।
  - **प्रयागराज में हर साल माघ (जनवरी-फरवरी)** महीने में **माघ कुंभ** मनाया जाता है।

पहला 'ऑल-गर्ल्स सैनिक स्कूल'

चर्चा में क्यों?

1 जनवरी, 2024 को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मथुरा के वृन्दावन में 'संविद गुरुकुलम गर्ल्स सैनिक स्कूल' का उद्घाटन किया।

मुख्य बिंदु:

- यह पहला पूर्णत: लड़कियों वाला सैनिक स्कूल (ऑल-गर्ल्स सैनिक स्कूल) है, जिसमें लगभग 870 छात्र हैं।
- यह सभी राज्य/केंद्र शासित प्रदेशों में गैर-सरकारी संगठनों (NGO)/निजी/राज्य सरकारी स्कूलों के साथ साझेदारी मोड में 100 नए सैनिक स्कूल स्थापित करने की पहल के तहत बनाया गया है।
  - इनमें से 42 स्कूल पहले ही स्थापित किये जा चुके हैं।
- इसे सशस्त्र बलों में शामिल होने की इच्छा रखने वाली लड़कियों के लिये आशा की किरण के रूप में वर्णित किया गया है।
  - वर्ष 2019 में, मिज़ोरम में सैनिक स्कूल छिंगछिप में पायलट प्रोजेक्ट की सफलता के बाद राजनाथ सिंह ने चरणबद्ध तरीके से सैनिक स्कूलों में लड़कियों के प्रवेश को मंज़ूरी दी थी।
- 100 नए सैनिक स्कूलों की स्थापना का उद्देश्य छात्रों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तथा सशस्त्र बलों में शामिल होने सहित बेहतर कैरियर के अवसर प्रदान करना है।

पूजा स्थल के 'धार्मिक चरित्र' को परिभाषित करने हेतु परीक्षण आवश्यक: इलाहाबाद उच्च न्यायालय

चर्चा में क्यों?

ज्ञानवापी मामले में इलाहाबाद उच्च न्यायालय के हालिया रुख से पता चलता है कि उपासना स्थल अधिनियम, 1991 "किसी भी उपासना स्थल के धार्मिक चरित्र" को स्पष्ट नहीं करता है और प्रत्येक मामले में इसे केवल मौखिक तथा लिखित दोनों साक्ष्यों के आधार पर परीक्षण के माध्यम से सुनिश्चित किया जा सकता है।

मुख्य बिंदु:

- पूजा स्थल अधिनियम, 1991 धार्मिक स्थलों को किसी अलग धर्म या संप्रदाय के पूजा स्थलों में बदलने पर रोक लगाता है।
  - यह किसी भी पूजा स्थल की धार्मिक पहचान को संरक्षित करने का भी आदेश देता है जैसा कि 15 अगस्त, 1947 को था।
- ज्ञानवापी मामला वाराणसी के ज्ञानवापी परिसर के स्वामित्व और धार्मिक पहचान से संबंधित एक कानूनी लड़ाई है, जिसमें एक मस्जिद तथा एक मंदिर दोनों हैं।
- हिंदूवादी का तर्क है कि मस्जिद स्थल सहित पूरा क्षेत्र मूल रूप से स्वयंभू भगवान आदि विश्वेश्वर को समर्पित एक मंदिर था।
- उनका दावा है कि ज्ञानवापी भूखंड पर स्थित इस मंदिर को वर्ष 1669 में सम्राट औरंगज़ेब ने ध्वस्त कर दिया था।
- न तो सरकार और न ही सर्वोच्च न्यायालय ने आज तक इस मुद्दे पर कोई स्पष्ट रुख अपनाया है।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

उत्तर प्रदेश का आर्थिक विकास

चर्चा में क्यों?

ईज़ ऑफ डूइंग बिज़नेस रैंकिंग में राज्य वर्ष 2017 में 14वें स्थान से बढ़कर वर्ष 2018 में देश में दूसरे स्थान पर पहुँच गया है। यह उत्तर प्रदेश को देश में एक पसंदीदा निवेश गंतव्य बनाने में राज्य सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।

मुख्य बिंदु:

- राज्य सरकार ने एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने का लक्ष्य रखा है और उस दिशा में गंभीर प्रयास तब देखे गए जब फरवरी 2023 में यू. पी. ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट (GIS) आयोजित किया गया, जिसमें कुल 38 लाख करोड़ रुपए से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए।
- ग्रेटर नोएडा में MotoGP का होना पर्यटन और परिणामस्वरूप, राज्य निवेश को बढ़ाने का एक शानदार तरीका था।
- ग्रेटर नोएडा में आयोजित पहले अंतर्राष्ट्रीय व्यापार उत्सव में सूचना प्रौद्योगिकी और इसकी सक्षम सेवाओं सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय, शिक्षा, कृषि, स्वास्थ्य, पर्यटन आदि जैसे विभिन्न क्षेत्रों के उद्यमियों, निर्माताओं तथा निर्यातकों के लिये एक वैश्विक मंच प्रदान किया गया।
- ईज़ ऑफ डूइंग बिज़नेस सुनिश्चित करने के लिये लागू की गई 25 क्षेत्रीय नीतियों के अलावा एक आकर्षक विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (FDI) नीति को 80 प्रतिशत तक अग्रिम भूमि सब्सिडी, 35 प्रतिशत तक पूंजीगत सब्सिडी और निवल राज्य वस्तु एवं सेवा कर (SGST) प्रतिपूर्ति जैसे प्रोत्साहनों की पेशकश की गई थी।
  - जापानी कंपनी फूजी सिल्वरटेक कंक्रीट प्राइवेट लिमिटेड इस नीति के तहत सब्सिडी पाने वाली पहली कंपनी बन गई। सब्सिडी देने की पूरी प्रक्रिया तीन दिन के रिकॉर्ड समय में पूरी की गई है।
- आवश्यक लाइसेंस और प्रमाणपत्र एकल खिड़की निकासी प्रणाली, निवेश मित्र द्वारा प्रदान किये जाते हैं। इसके 8.8 लाख से अधिक पंजीकृत उपयोगकर्त्ता हैं, जो 37 से अधिक विभागों में 454 से अधिक लाइसेंस से संबंधित सेवाएँ प्रदान करते हैं।
  - पोर्टल ने पिछले चार वर्षों में 97% की उल्लेखनीय सफलता दर के साथ NOC/लाइसेंस के लिये 13 लाख से अधिक आवेदनों पर कार्रवाई की है।
  - इसकी शिकायत निवारण दर 93% है।
- निवेश सारथी एक निवेशक प्रबंधन प्रणाली है जो राज्य में निवेशकों और उद्यमियों को ऑनलाइन प्रोत्साहन प्राप्त करने में सक्षम बनाती है।

तुलसीदास का जन्मस्थान

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश सरकार ने चित्रकूट ज़िले के राजापुर गाँव को विकसित करने का निर्णय लिया है।

- यह संत और कवि गोस्वामी तुलसीदास का जन्मस्थान है, जिन्होंने 16वीं शताब्दी में रामचरितमानस की रचना की थी।

मुख्य बिंदु:

- उत्तर प्रदेश के पर्यटन और संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने रामचरितमानस के महत्त्व के साथ-साथ इसके लेखक पर भी ज़ोर दिया, जिनकी जन्मस्थली पर बड़ी संख्या में लोग पूजा करने आते हैं।
  - तुलसी रामायण का रामचरितमानस अवधी भाषा में तुलसीदास द्वारा रचित महाकाव्य रामायण का पुनर्कथन है।
- रामचरितमानस की डिजिटल उपलब्धता को सक्षम करने के लिये आवास और विभिन्न अन्य प्रावधानों सहित पर्यटन सुविधाएँ विकसित की जाएंगी।
  - 21 करोड़ की लागत से राजापुर गाँव में तुलसी स्मारक के पास करीब ढाई एकड़ क्षेत्र का सौंदर्यीकरण होगा।
- औषधीय पौधों वाला पार्क, छात्रावास, डिजिटल लाइब्रेरी और इंटरप्रिटेशन सेंटर भी बनाया जाएगा।
- वर्तमान समय में घरेलू पर्यटन के मामले में उत्तर प्रदेश देश में शीर्ष पर है। प्रदेश में पर्यटक सुविधाओं का लगातार विकास किया जा रहा है।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

आपदा पूर्व चेतावनी हेतु राहत वाणी केंद्र

चर्चा में क्यों?

हाल ही में राज्य के मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्रा ने राज्य में बहु-खतरे परिदृश्यों से निपटने के प्रयास के तहत एक आपदा पूर्व चेतावनी केंद्र 'राहत वाणी केंद्र' (RVC) का उद्घाटन किया।

मुख्य बिंदु:

- RVC's का कार्य आपदा पूर्व चेतावनियाँ तथा पूर्वानुमान की जानकारी उपलब्ध करना तथा समय पर राहत संबंधी वस्तुओं को पहुँचाना ताकि कर्मचारियों को मुआवज़े को सुव्यवस्थित किया जा सके।
- RVC's की स्थापना छह कर्मियों की एक टीम के साथ लखनऊ के लालबाग क्षेत्र में की जाएगी।
- यह एक एकीकृत आपदा जोखिम प्रबंधन स्टैक और एक कुशल तकनीकी वातावरण विकसित करने के लिये भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD), लखनऊ, भारतीय उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थान (IITM), पुणे; इसरो के राष्ट्रीय रिमोट सेंसिंग अनुप्रयोग; भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, लखनऊ; राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण; और राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान के साथ समन्वय करेगा।
- RVC's के पीछे का उद्देश्य आम जनता को संभावित प्राकृतिक आपदाओं के बारे में उनके प्रभाव से 30 मिनट से एक घंटे पहले सचेत करना है। सूचना समुदाय स्तर पर एसएमएस अलर्ट, मोबाइल नोटिफिकेशन और अन्य माध्यमों से प्रसारित की जाएगी।
- वर्तमान में IMD के 68 स्वचालित मौसम स्टेशन (AWSs) और 132 स्वचालित वर्षा गेज (AWSs) स्टेशन राज्य में मौसम संबंधी सुचना प्रदान करते हैं।
- पूर्व चेतावनी प्रणाली को और मज़बूत करने के लिये, राज्य सरकार और IMD पाँच डॉप्लर रडार (long-range weather forecasting and surveillance), 450 AWSs और 2000 ARG स्टेशन स्थापित कर रहे हैं।

उत्तर प्रदेश का गंगा एक्सप्रेसवे

चर्चा में क्यों?

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश एक्सप्रेस-वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (UPEIDA) को 'गंगा एक्सप्रेसवे' के निर्माण में तेज़ी लाने का निर्देश दिया है, जिसे वर्ष 2024 के अंत तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

- लंबाई के आधार पर भारत के शीर्ष 10 में उत्तर प्रदेश के चार एक्सप्रेस-वे हैं। गंगा एक्सप्रेस-वे के संचालन के साथ शीर्ष 10 में यूपी के पाँच एक्सप्रेस-वे शामिल हो जाएंगे।

मुख्य बिंदु:

- यह गंगा एक्सप्रेस-वे परियोजना उत्तर प्रदेश के बुनियादी ढाँचे और विकास को नया आकार देने हेतु महत्त्वपूर्ण तथा वर्ष 2025 में महाकुंभ से पहले ही इस बहुप्रतीक्षित एक्सप्रेस-वे को शुरू करने की रणनीतिक पहल है।
- गंगा एक्सप्रेस-वे मुंबई-नागपुर एक्सप्रेस-वे के बाद देश का दूसरा सबसे लंबा एक्सप्रेस-वे है।
  - यह 594 किलोमीटर की अनुमानित लंबाई वाला एक महत्त्वाकांक्षी पहल है।
  - यह यात्रा दक्षता को फिर से परिभाषित करने और अपने विशाल गलियारे में आर्थिक विकास को प्रोत्साहित करने के लिये तैयार है।
- गंगा एक्सप्रेस-वे की विशेषताएँ:
  - राज्य को पूर्व से पश्चिम तक जोड़ने वाला यह एक्सप्रेस-वे 12 ज़िलों के 518 गाँवों से होकर गुज़रेगा, जिससे मेरठ और प्रयागराज के बीच यात्रा का समय काफी कम हो जाएगा।
  - इसे शुरुआत में छह लेन के लिये डिज़ाइन किया गया है, जिसे आठ लेन तक बढ़ाया जा सकता है और इसकी अधिकतम गति 120 किलोमीटर प्रति घंटा है।
  - एक अन्य महत्त्वपूर्ण विशेषता में गंगा और रामगंगा नदियों पर बने दो लंबे पुल शामिल हैं, जो बड़े विमानों को भी उतरने की अनुमति देते हैं। शाहजहाँपुर में जलालाबाद तहसील के

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

पास 3.50 किलोमीटर की हवाई पट्टी परियोजना की बहुमुखी प्रतिभा को बढ़ाती है।

- सार्वजनिक सुविधा बढ़ाने के लिये एक्सप्रेस-वे के किनारे नौ सार्वजनिक सुविधा परिसरों की योजना बनाई गई है, जिसमें मेरठ और प्रयागराज में मुख्य टोल प्लाज़ा तथा 15 स्थानों पर रैंप टोल प्लाज़ा प्रस्तावित हैं।

- गंगा एक्सप्रेस-वे केवल एक परिवहन लिंक नहीं है, बल्कि अपने एडवेंचर लैंडस्केप को आधुनिक बनाने के लिये उत्तर प्रदेश के विस्तार का एक प्रमाण है।

अयोध्या में आध्यात्मिक पर्यटन का उदय

चर्चा में क्यों?

वर्ष 2024 में अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण और विकास कार्य पूरा होने के बाद से शहर में पर्यटन दस गुना बढ़ने की संभावना है।

- राम मंदिर के उद्घाटन में 7,000 लोगों के आने की उम्मीद है। मंदिर खुलने के बाद, अयोध्या विकास प्राधिकरण के अनुसार अगले महीने (फरवरी) तक प्रत्येक दिन 3,00,000-5,00,000 आगंतुकों के आने की संभावना है।

मुख्य बिंदु:

- भारत के अयोध्या में राम मंदिर में भगवान राम की मूर्ति की बहुप्रतीक्षित 'प्राण प्रतिष्ठा' (Consecration Ceremony) 22 जनवरी, 2024 को होगी।
- मंदिर के उद्घाटन की तैयारी में शहर में बड़े सुधार हुए हैं:
  - अयोध्या के आध्यात्मिक पर्यटन में वृद्धि: राम मंदिर के उद्घाटन से पहले, अयोध्या में होटल की दरें कथित तौर पर बढ़ गईं है जिनमें से बहुत-सी पहले ही बुक हो चुकी हैं।
  - टेम्पल टाउन के लिये ट्रेनें: अमृत भारत ट्रेनें एक नई तरह की सुपरफास्ट ट्रेन हैं जिसमें आधुनिक तकनीक, तेज़ गति और आरामदायक सफर जैसी कई सुविधाएँ मिल जाती हैं।
    - वंदे भारत एक्सप्रेस उत्तर प्रदेश के दो प्रमुख मंदिरों - राम जन्मभूमि और गोरखनाथ को जोड़ेगी।
  - नया अयोध्या हवाई अड्डा: पवित्र कार्यक्रम के बाद प्रत्येक दिन राम मंदिर के दर्शन के लिये आने वाले लाखों लोगों को समायोजित करने हेतु एयरलाइंस का दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, हैदराबाद, बेंगलुरु, चेन्नई और अहमदाबाद जैसे प्रमुख शहरों से सेवा प्रदान करने का इरादा है।
- राम मंदिर के निर्माण से पहले ही अयोध्या की आर्थिक स्थिति में सुधार हुआ है। ज़िले में आने वाले पर्यटकों की बढ़ती संख्या स्थानीय लोगों के लिये रोज़गार के नए अवसर पैदा करती है।
  - मंदिर के पास कई नए व्यवसाय विकसित हुए हैं, जो पर्यटकों को विभिन्न प्रकार के देशी हस्तशिल्प प्रदान करते हैं।

उत्तर प्रदेश में सौर ऊर्जा हब

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विकास एजेंसी (UPNEDA) के अनुसार, उत्तर प्रदेश में स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में 1 लाख करोड़ रुपए के अनुमानित परिव्यय वाली 125 परियोजनाएँ हैं।

- ये परियोजनाएँ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सौर और वैकल्पिक स्रोतों के माध्यम से राज्य की 40% ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने के दृष्टिकोण के अनुरूप हैं।

मुख्य बिंदु:

- पहले चरण में बुंदेलखण्ड और पूर्वी उत्तर प्रदेश के विभिन्न ज़िलों में 35,000 करोड़ रुपए की चार बड़ी सौर परियोजनाएँ स्थापित की जाएंगी।
- वर्ष 2023 में आयोजित ग्लोबल इन्वेस्टर समिट (GIS) में राज्य सरकार को 40 लाख करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए थे।
- 'अक्षय ऊर्जा' योजना के तहत सौर ऊर्जा और अन्य स्वच्छ ऊर्जा परियोजनाओं का कुल निवेश में महत्त्वपूर्ण हिस्सा था।
- राज्य वर्तमान में लगभग 2152 मेगावाट सौर ऊर्जा उत्पन्न करता है, जिसमें से 372 मेगावाट तक स्वतंत्र रूप से पहुँच है।
  - बुंदेलखण्ड क्षेत्र में सबसे अधिक संख्या में सौर संयंत्र लगे हैं, जो राज्य में उत्पादित कुल सौर ऊर्जा का लगभग 60% है।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- राज्य का सौर ऊर्जा उत्पादन, जो वर्ष 2017 में 279 मेगावाट के करीब था, पिछले छह वर्षों में कई गुना वृद्धि देखी गई है, जिसमें राज्य सरकार की नई सौर नीति के तहत दिये गए प्रोत्साहन, छूट, रियायतें और पदोन्नति शामिल हैं।
- मौजूदा निवेश पाइपलाइन के तहत, पूर्वी उत्तर प्रदेश के सोनभद्र में ग्रीनको ग्रुप द्वारा 17,000 करोड़ रुपए के अनुमानित परिव्यय पर 3660 मेगावाट विद्युत् उत्पन्न करने वाली 'ऑफ-स्ट्रीम क्लोज़ लूप पंप स्टोरेज' परियोजना की स्थापना की जाएगी।
- उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा पूर्वी उत्तर प्रदेश के बखिरा पक्षी अभयारण्य में 50 मेगावाट का फ्लोटिंग सोलर प्लांट स्थापित किया जा रहा है।
- सोलर सिटी कार्यक्रम के अंतर्गत NTPC द्वारा अयोध्या में 165 एकड़ भूमि पर 40 मेगावाट का सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किया जा रहा है। परियोजना का एक हिस्सा पहले ही शुरू हो चुका है और शेष मार्च 2024 तक चालू होने की उम्मीद है।

नाबालिगों को गाड़ी चलाने की अनुमति देने वाले माता-पिता के लिये जुर्माना

चर्चा में क्यों?

नाबालिगों के कारण होने वाली दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के प्रयास में, उत्तर प्रदेश सरकार ने नाबालिगों को गाड़ी चलाने की अनुमति देने वाले माता-पिता या वाहन मालिकों पर तीन वर्ष की कैद और 25,000 रुपए जुर्माने के प्रावधान को सख्ती से लागू करने का फैसला किया है।

मुख्य बिंदु:

- परिवहन विभाग के सहयोग से सरकारी माध्यमिक विद्यालयों में विभिन्न माध्यमों से सड़क सुरक्षा पर ज़ोर देते हुए जागरूकता अभियान शुरू किया गया है।
- मोटर वाहन संशोधन अधिनियम 2019 की धारा 199 (ए) के तहत, यह रेखांकित किया गया है कि किशोरों द्वारा किये गए मोटर वाहन-संबंधी अपराधों में, केवल उनके अभिभावक या वाहन मालिक को जवाबदेह ठहराया जाएगा।
  - निर्धारित सज़ा में तीन वर्ष की कैद और 25,000 रुपए का जुर्माना शामिल है।
- लखनऊ में किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी और लोहिया इंस्टीट्यूट के विशेषज्ञों के अनुसार सड़क दुर्घटना में होने वाली 40% मौतों में नाबालिग शामिल हैं।
- अधिकारियों ने 18 वर्ष से कम उम्र के बच्चों द्वारा ड्राइविंग पर प्रतिबंध लगाने वाले कानून का सख्ती से पालन करने का आग्रह किया और सभी शैक्षणिक संस्थानों में जागरूकता अभियान चलाने की बात की।

मोटर वाहन संशोधन अधिनियम, 2019

- संशोधन यातायात नियमों के उल्लंघन पर सख्त दंड लगाने, लाइसेंसिंग और इसके प्रशासन को सुव्यवस्थित करने तथा देश में सड़क सुरक्षा की खराब स्थिति को दूर करने का प्रयास करता है।
- यह एक मोटर वाहन दुर्घटना निधि का प्रावधान करता है, जो भारत में सभी सड़क उपयोगकर्त्ताओं को कुछ दुर्घटनाओं के लिये अनिवार्य बीमा कवर प्रदान करता है।
- यह केंद्र सरकार द्वारा बनाए जाने वाले एक राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा बोर्ड का भी प्रावधान करता है।

उत्तर प्रदेश की 'अर्द्धचालक/सेमीकंडक्टर' नीति

चर्चा में क्यों?

हाल ही में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को राज्य की 'सेमीकंडक्टर' नीति तैयार करने का आदेश दिया।

- यह निर्णय तेज़ी से विकसित हो रही प्रौद्योगिकी संचालित वैश्विक अर्थव्यवस्था में अर्द्धचालकों की महत्त्वपूर्ण भूमिका को ध्यान में रखते हुए लिया गया है।

मुख्य बिंदु:

- वित्तीय वर्ष 2022 में वैश्विक अर्द्धचालक/सेमीकंडक्टर पारिस्थितिकी तंत्र से 950 बिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक का राजस्व प्राप्त होने की उम्मीद है।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- सेमीकंडक्टर चिप सेक्टर ने पिछले दो वर्षों में 500 बिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक के निवेश की घोषणा की है।
- केंद्र सरकार द्वारा अर्द्धचालक विनिर्माण सेवाओं, जैसे– सेमीकंडक्टर फैब, डिस्प्ले फैब और कंपाउंड सेमीकंडक्टर के लिये प्रोत्साहन दी जा रही है।
  - वर्ष 2021 में, भारत ने देश में सेमीकंडक्टर और डिस्प्ले विनिर्माण को प्रोत्साहित करने के लिये लगभग 10 बिलियन अमेरिकी डॉलर की उत्पादन-आधारित प्रोत्साहन योजना (PLI) की घोषणा की।
  - सेमीकंडक्टर और डिस्प्ले पारिस्थितिकी तंत्र के लिये, निर्माण इकाइयाँ, मिक्स्ड सेमीकंडक्टर, आउटसोर्स सेमीकंडक्टर, असेंबली एंड टेस्ट यूनिट, पैकेजिंग यूनिट्स एक बेहतर पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करती हैं।
- वैश्विक अर्द्धचालक निवेशकों को आकर्षित करने के लिये उत्तर प्रदेश की नीति के तहत वित्तीय और गैर-वित्तीय प्रोत्साहन के वितरण का प्रावधान किया जाना चाहिये।
- **सेमीकंडक्टर/अर्द्धचालक**
  - अर्द्धचालक, एक चालक और कुचालक के बीच विद्युत चालकता में मध्यवर्ती क्रिस्टलीय ठोस पदार्थों का एक वर्ग होता है।
  - अर्द्धचालकों का उपयोग डायोड, ट्रांजिस्टर और एकीकृत सर्किट सहित विभिन्न प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के निर्माण में किया जाता है।
    - इस तरह के उपकरणों को उनकी कॉम्पैक्टनेस, विश्वसनीयता, विद्युत दक्षता और कम लागत के कारण व्यापक रूप से प्रयोग में लाया जाता है।

मुरादाबाद का पीतल बर्तन उद्योग

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश के अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण से धार्मिक मूर्तियों, विशेष रूप से भगवान राम की मूर्तियों की मांग में वृद्धि के रूप में हुई है, जिसके परिणामस्वरूप मुरादाबाद के पीतल के बर्तन उद्योग के पुनरुत्थान को प्रोत्साहन मिला है।

मुख्य बिंदु:

- मुरादाबाद की स्थापना वर्ष 1600 में मुगल सम्राट शाहजहाँ के बेटे मुराद ने की थी, जिसके परिणामस्वरूप शहर को मुरादाबाद के नाम से जाना जाने लगा।
- यह पीतल के कार्य के लिये प्रसिद्ध है, जिसने पूरे विश्व में हस्तशिल्प उद्योग में अपनी एक अलग पहचान बनाई है।
  - पीतल के बर्तन अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा, जर्मनी, मध्य पूर्व और एशिया जैसे देशों में निर्यात किये जाते हैं। इसलिये मुरादाबाद को "ब्रास सिटी" या पीतल नगरी भी कहा जाता है।
  - पीतल, ताँबे और जस्ता की एक मिश्र धातु है, जो अपनी उल्लेखनीय कठोरता तथा व्यावहारिकता के कारण ऐतिहासिक व स्थायी महत्त्व रखती है।
- 1980 के दशक में, पीतल, लोहा और एल्यूमीनियम जैसे विभिन्न धातु के बर्तनों की शुरुआत के साथ उद्योग में विविधता आई। इस विस्तार से मुरादाबाद के कला उद्योग में इलेक्ट्रोप्लेटिंग, लैकरिंग और पाउडर कोटिंग जैसी नई तकनीकें विकसित हुई।
- मुरादाबाद मेटल क्राफ्ट (वर्ड मार्क) को भौगोलिक संकेत (GI) टैग प्राप्त है।
- 'एक ज़िला एक उत्पाद कार्यक्रम' (ODOP) के तहत, उत्तर प्रदेश सरकार स्वदेशी और विशिष्ट उत्पादों तथा कला को प्रोत्साहित करती है।

उत्तर प्रदेश के एक ज़िला एक उत्पाद कार्यक्रम (ODOP) के मुख्य उद्देश्य

- स्थानीय कला/कौशल का संरक्षण एवं विकास तथा रचनात्मकता को बढ़ावा देना।
- आय और स्थानीय रोज़गार में वृद्धि (परिणामस्वरूप रोज़गार के लिये प्रवासन में कमी)।
- उत्पाद की गुणवत्ता और कौशल विकास में सुधार।
- उत्पादों को कलात्मक तरीके (पैकेजिंग, ब्रांडिंग के माध्यम से) से बदलना।
- उत्पादन को पर्यटन से जोड़ना (लाइव डेमो और बिक्री आउटलेट - उपहार तथा स्मारिका)।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- आर्थिक मतभेद और क्षेत्रीय असंतुलन के मुद्दों को हल करना।
- राज्य स्तर पर सफल कार्यान्वयन के बाद ODOP की अवधारणा को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ले जाना।

उत्तर प्रदेश में ODOP उत्पादों की सूची

क्रमांक	ज़िला	उत्पाद
1.	आगरा	चमड़ा उत्पाद एवं स्टोन/मार्बल से निर्मित सभी हस्तशिल्प उत्पाद
2.	अमरोहा	वाद्य यंत्र (ढोलक) एवं रेडीमेड गारमेंट्स
3.	बागपत	होम फर्नीशिंग
4.	बरेली	ज़री-ज़रदोज़ी एवं बाँस के उत्पाद/सुनारी उद्योग
5.	गोरखपुर	टेराकोटा एवं रेडीमेड गार्मेंट्स
6.	लखनऊ	चिकनकारी एवं ज़री ज़रदोज़ी
7.	महोबा	गौरा पत्थर
8.	मिर्ज़ापुर	कालीन एवं मेटल उद्योग
9.	सिद्धार्थनगर	काला नमक चावल
10.	वाराणसी	बनारसी रेशम साड़ी

MSME के लिये उत्तर प्रदेश शीर्ष तीन राज्यों में शामिल

चर्चा में क्यों?

रियल्टी कंसल्टिंग फर्म CBRE साउथ एशिया और रियल एस्टेट डेवलपर्स एसोसिएशन CREDAI की एक रिपोर्ट के अनुसार, देश में कुल पंजीकृत MSME में 9% हिस्सेदारी के साथ उत्तर प्रदेश सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (MSME) क्षेत्र में महत्त्वपूर्ण योगदानकर्त्ता के रूप में शीर्ष तीन राज्यों में उभरा है।

- क्षेत्र-वार, रिपोर्ट में बताया गया है कि निर्माण क्षेत्र, सकल घरेलू उत्पाद में लगभग 8% का योगदान देता है, जो भारतीय MSME के लिये एक रणनीतिक अवसर है।

मुख्य बिंदु:

- सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय के आधिकारिक आँकड़ों के अनुसार, मंत्रालय के तहत 2.21 करोड़ MSME पंजीकृत हैं (उद्यम असिस्ट पोर्टल के माध्यम से पंजीकरण को छोड़कर)।
  - उत्तर प्रदेश के कई शहर MSME क्लस्टर के रूप में उभरे हैं, जिनमें आगरा, कानपुर, वाराणसी, लखनऊ, मेरठ और गाज़ियाबाद उद्यम योजना के लिये नामांकन में अग्रणी हैं।
- जिनमें से 17.2% हिस्सेदारी के साथ 38.09 लाख महाराष्ट्र से थे, इसके बाद तमिलनाडु से 10% हिस्सेदारी के साथ 22.32 लाख और 9.4% हिस्सेदारी के साथ 20.95 लाख उत्तर प्रदेश से थे।
- 16 लाख के साथ राजस्थान और 15.96 लाख MSME के साथ गुजरात देश में पंजीकृत इकाइयों के लिये अन्य शीर्ष स्थान थे।
- सरकार, उद्योग हितधारकों और वित्तीय संस्थानों के बीच सहयोगात्मक प्रयास एक मज़बूत समर्थन प्रणाली बनाने में सहायता कर सकते हैं, यह सुनिश्चित करते हुए कि MSME को उभरते आर्थिक परिदृश्य को नेविगेट करने के लिये आवश्यक संसाधन तथा मार्गदर्शन प्राप्त हो।

उद्यम पोर्टल

- यह MSME को पंजीकृत करने के लिये एक ऑनलाइन प्रणाली है, जिसे 1 जुलाई, 2020 को केंद्रीय MSME मंत्रालय द्वारा शुरू किया गया था।
- यह केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (CBDT) और वस्तु एवं सेवा कर नेटवर्क (GSTN) के डेटाबेस से जुड़ा हुआ है।
  - GSTN एक अद्वितीय और जटिल IT उद्यम है जो करदाताओं, केंद्र और विभिन्न राज्य सरकारों तथा अन्य हितधारकों के बीच संचार एवं बातचीत का एक चैनल स्थापित करता है।
- यह पूरी तरह से ऑनलाइन है, इसके लिये किसी दस्तावेज़ की आवश्यकता नहीं होती है और यह MSME के लिये ईज़ ऑफ डूइंग बिज़नेस की दिशा में एक कदम है।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

स्वच्छ सर्वेक्षण 2023

चर्चा में क्यों?

स्वच्छ सर्वेक्षण 2023 के लिये प्रयागराज और वाराणसी को नई दिल्ली में प्रतिष्ठित राष्ट्रपति पुरस्कार दिया जाएगा।

मुख्य बिंदु:

- लखनऊ, गोरखपुर, वाराणसी, कानपुर, गाज़ियाबाद, अलीगढ़, झाँसी और फिरोज़ाबाद सहित आठ शहरों ने 3-स्टार रेटिंग अर्जित की है, जबकि नोएडा ने पाँच-स्टार रेटिंग अर्जित की है।
- राज्य के लगभग 648 शहरों ने खुले में शौच मुक्त (ODF) का दर्जा हासिल कर लिया है। वहीं 65 शहरों ने 'कचरा मुक्त शहर' का दर्जा हासिल किया।
- स्वच्छ सर्वेक्षण 2023 के परिणामों से पता चलता है कि उत्तर प्रदेश के 129 शहरों ने ओडीएफ++ का दर्जा हासिल कर लिया है, जो खुले में शौच-मुक्त मानकों और टिकाऊ अपशिष्ट प्रबंधन प्रथाओं के पालन को दर्शाता है।
- राज्य के 435 शहरों ने ओडीएफ+ का दर्जा प्राप्त किया है, जो राज्य में स्वच्छता के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।
- उत्तर प्रदेश के कई शहर अब 7-स्टार रेटिंग की ओर बढ़ रहे हैं।
- सरकार द्वारा अधिक शहरों को 5-स्टार और 3-स्टार रेटिंग प्राप्त करवाने के लिये लगातार प्रयास किये जा रहे हैं।

स्वच्छ सर्वेक्षण 2023

- बड़े पैमाने पर नागरिक भागीदारी को प्रोत्साहित करते हुए शहरों को शहरी स्वच्छता की स्थिति में सुधार करने के लिये प्रोत्साहित करने हेतु एक प्रतिस्पर्धी ढाँचे के रूप में वर्ष 2016 में आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय (MoHUA) द्वारा स्वच्छ सर्वेक्षण की शुरुआत की गई थी।
- पिछले कुछ वर्षों में, स्वच्छ सर्वेक्षण विश्व में सबसे बड़े शहरी स्वच्छता सर्वेक्षण के रूप में उभरा है।

उत्तर प्रदेश में फार्मा पार्क

चर्चा में क्यों ?

उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण (UPSIDA) के अनुसार, उत्तर प्रदेश सरकार ललितपुर, बुंदेलखंड में पाँच गाँवों में 1,472 एकड़ में एक फार्मा पार्क स्थापित कर रही है।

- फार्मा पार्क की स्थापना और संबंधित परियोजनाओं में तेज़ी उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा औद्योगिक विकास तथा आर्थिक विकास को बढ़ावा देने की दिशा में एक रणनीतिक कदम है।

मुख्य बिंदु:

- योजना दो चरणों में सामने आएगी, जिसमें शुरुआती केंद्र 300 एकड़ भूमि को कवर करने वाले तत्काल विकास प्रयासों पर होगा।
  - सर्वेक्षण के लिये चिह्नित गाँवों में सैदपुर, गडोलीकला, लारगन, करौंदा और रामपुर शामिल हैं।
- सर्वेक्षण तकनीकों में तेल परीक्षण, समोच्च मानचित्रण और स्थलाकृतिक जाँच शामिल हैं।
  - आधुनिक सर्वेक्षण तकनीकों का उपयोग इन पहलों की योजना और कार्यान्वयन में सटीकता तथा दक्षता के प्रति प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।
- UPSIDA दिबियापुर में प्लास्टिक सिटी परियोजना के साथ-साथ उरई में साइट-1 और साइट-2 पर विकास परियोजनाओं में तेज़ी लाने के लिये भी कदम उठा रहा है।
  - 274.4 एकड़ में फैला प्लास्टिक पार्क, औद्योगिक इकाइयों, आवासीय क्षेत्रों और बुनियादी ढाँचे को शामिल करता है।

उत्तर प्रदेश 1 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर में प्रवेश करेगा

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के अनुसार, उत्तर प्रदेश देश की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में उभरा है। राज्य

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

1 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के लक्ष्य को हासिल करने की ओर अग्रसर है।

मुख्य बिंदु:

- पिछले साढ़े छह वर्षों के योजनाबद्ध प्रयासों से वर्तमान में उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था सबसे अच्छी स्थिति में है।
- राज्य का कुल सकल राज्य घरेलू उत्पाद, जो वर्ष 2021-22 में ₹16.45 लाख करोड़ था, अब वर्ष 2022-23 में बढ़कर ₹22.58 लाख करोड़ से अधिक हो गया है।
  - राष्ट्रीय आय में 9.2% योगदान के साथ उत्तर प्रदेश देश की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में उभरा है, जो देश के आर्थिक विकास के मुख्य चालक के रूप में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।
  - वर्ष 2021-22 में वर्तमान और स्थिर कीमतों पर उत्तर प्रदेश की विकास दर क्रमश: 20.1% तथा 9.8% थी, जबकि देश की विकास दर 18.4% तथा 9.1% थी।
  - इसी प्रकार, वर्ष 2022-23 में, राज्य की विकास दर 9.8% के मुकाबले स्थिर कीमतों की राष्ट्रीय वृद्धि दर 7.2% दर्ज की गई, जबकि इस अवधि के दौरान राज्य की मौजूदा कीमतों की वृद्धि दर 14.3% दर्ज की गई।
- डिजिटल क्रॉप सर्वेक्षण जैसी पहलों को सफलतापूर्वक लागू करने के साथ अर्थव्यवस्था के प्राथमिक खंड में सुधार के लिये डिजिटल प्रौद्योगिकी को शामिल किया गया है।
  - वर्ष 2021-22 में गन्ने की खेती का क्षेत्र और उत्पादन 26.8% बढ़ गया, जबकि बागवानी फसल उत्पादन में 31.9% की पर्याप्त वृद्धि देखी गई।
  - उत्तर प्रदेश में दलहन और तिलहन में आत्मनिर्भरता हासिल करने के उद्देश्य से राज्य प्रायोजित योजनाओं के अनुकूल परिणाम मिल रहे हैं। हालाँकि, फसल विविधीकरण को और बढ़ाने तथा आपूर्ति शृंखला प्रबंधन में सुधार करने की आवश्यकता है।
- दुग्ध उत्पादन में प्रदेश ने शीर्ष स्थान प्राप्त किया है। इसके अतिरिक्त, अंडा उत्पादन में प्रगति के मामले में यह 12.80% की वार्षिक वृद्धि दर हासिल करके तीसरे स्थान पर है।
- उत्तर प्रदेश ने होटल/रेस्तरां, परिवहन, संचार, रियल एस्टेट, पेशेवर सेवाओं, सार्वजनिक सेवाओं, रक्षा और अन्य सेवाओं में वृद्धि के साथ तृतीयक क्षेत्र में तेज़ी से विकास हासिल किया। पर्यटन क्षेत्र से जुड़ी सेवाओं में अभूतपूर्व विकास हुआ है।
  - वर्ष 2023 में भारत सरकार की रिपोर्ट के अनुसार, उत्तर प्रदेश को वर्ष 2022 में सबसे अधिक पर्यटक आगमन का गौरव प्राप्त हुआ। वित्तीय वर्ष 2022-23 में, राज्य ने 31.8 करोड़ से अधिक पर्यटकों का स्वागत किया, जिसमें वाराणसी, मथुरा और अयोध्या प्रमुख केंद्र बनकर उभरे।
    - घरेलू पर्यटकों की सुविधा के अलावा, विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करने के लिये एक व्यापक कार्य योजना विकसित करना अनिवार्य है और इसके लिये संभावित देशों की पहचान करने तथा उचित नीतियाँ बनाने की आवश्यकता है।
- योजना विभाग के प्रधान सचिव एवं वित्तीय परामर्श कंपनी डेलॉयट के प्रतिनिधियों ने राज्य के वर्तमान आर्थिक परिवेश के विषय में विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की। उन्होंने वर्तमान स्थिति और संभावित भविष्य के परिणामों, उद्योग की अपेक्षाओं तथा क्षेत्र-वार अन्य प्रासंगिक विवरणों के विषय में विस्तार से बताया।
- वर्ष 2027 तक 1 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर के लक्ष्य तक पहुँचने के लिये यह ज़रूरी है कि सभी विभाग अपने प्रयासों को बढ़ाएँ। जिसके लिये बेहतर योजना और समन्वय की आवश्यकता है।

स्वच्छ वायु लक्ष्य में विविध प्रगति

चर्चा में क्यों?

हाल ही में, क्लाइमेट ट्रेंड्स और रेस्पिरर लिविंग साइंस ने एक अध्ययन किया है, जिसमें बताया गया है कि अधिकांश शहर भारत के राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (NCAP) के स्वच्छ वायु लक्ष्य से बहुत दूर हैं।

मुख्य बिंदु

- पाँच वर्षों में लगातार PM 2.5 डेटा वाले 49 शहरों में से केवल 27 शहरों में PM 2.5 के स्तर में गिरावट देखी गई, जबकि केवल चार शहर NCAP लक्ष्यों के अनुसार लक्षित गिरावट को पूरा कर पाए या उससे आगे निकल गए।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- वायु में PM 2.5 की मात्रा वायु गुणवत्ता का एक प्रमुख संकेतक है।
- PM का अर्थ पार्टिकुलेट मैटर है और 2.5 का अर्थ पार्टिकुलेट मैटर के आकार से है।

- जबकि वाराणसी, आगरा और जोधपुर जैसे कुछ शहरों में PM2.5 के स्तर में उल्लेखनीय कमी देखी गई, दिल्ली सहित अन्य शहरों में मामूली गिरावट (केवल 5.9%) या यहाँ तक कि प्रदूषण भार में वृद्धि दर्ज की गई।
- वाराणसी में वर्ष 2019 से वर्ष 2023 तक PM 2.5 के स्तर में 72% की औसत कमी और PM 10 के स्तर में 69% के साथ सबसे अधिक कमी देखी गई।

राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम

- इसे जनवरी 2019 में पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (MoEFCC) द्वारा लॉन्च किया गया था।
- समयबद्ध कमी लक्ष्य के साथ वायु गुणवत्ता प्रबंधन के लिये एक राष्ट्रीय ढाँचा तैयार करने का यह देश में पहला प्रयास है।
- NCAP का लक्ष्य 131 शहरों में वर्ष 2026 तक औसत पार्टिकुलेट मैटर (PM) सांद्रता को 40% तक कम करना है। प्रारंभ में वर्ष 2024 तक 20-40% की कटौती का लक्ष्य रखा गया था, बाद में इस लक्ष्य को वर्ष 2026 तक बढ़ा दिया गया।

उत्तर प्रदेश में 5 और हवाई अड्डे बनेंगे

चर्चा में क्यों?

नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के मुताबिक, उत्तर प्रदेश में पाँच नए हवाई अड्डों का उद्घाटन किया जाएगा।

मुख्य बिंदु:

- राज्य में आजमगढ़, अलीगढ, मोरादाबाद, चित्रकूट और श्रावस्ती में हवाई अड्डे बनेंगे जिससे राज्य में कुल हवाई अड्डों की संख्या 19 हो जाएगी।
- अयोध्या हवाई अड्डे का विस्तार किया जाएगा और बड़े विमानों को उतरने तथा अंतर्राष्ट्रीय उड़ानों के संचालन की अनुमति देने के लिये रन-वे का विस्तार किया जाएगा।
- इसका दूसरे चरण का विस्तार जल्द ही शुरू होगा और अधिक उड़ानें शहर को जोड़ेंगी।
- अयोध्या में महर्षि वाल्मिकी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे का उद्घाटन 30 दिसंबर, 2023 को प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किया गया था।

उत्तर प्रदेश के प्राथमिक क्षेत्र में वृद्धि

चर्चा में क्यों?

राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (NABARD) द्वारा तैयार यूपी के लिये स्टेट फोकस पेपर 2024-25 के अनुसार, वर्ष 2024-25 में यूपी के प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में ऋण प्रवाह 5.73 ट्रिलियन रुपए तक पहुँचने का अनुमान है।

- कृषि, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (MSME) और सेवा क्षेत्र को सरकार द्वारा प्राथमिकता वाले क्षेत्रों के रूप में पहचाना जाता है।

मुख्य बिंदु:

- 1 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था के लक्ष्य को हासिल करने के लिये राज्य को कृषि में 250%, MSME में 300% और सेवा क्षेत्र में 450% की वृद्धि दर की आवश्यकता होगी।
- विकास के उत्प्रेरक के रूप में ऋण के महत्त्व को रेखांकित करते हुए, यूपी सरकार ने बैंकरों को राज्य के ऋण जमा (CD) अनुपात में सुधार करने के लिये प्रेरित किया है।
- यूपी को एक अग्रणी निवेश गंतव्य के रूप में प्रदर्शित करने के लिये राज्य का एक प्रतिनिधिमंडल स्विट्ज़रलैंड के दावोस में वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम (WEF) में भाग ले रहा है।
- राज्य रोज़गार सृजन के लिये स्टार्टअप को भी बढ़ावा दे रहा है। यूपी के एसोसिएटेड चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ऑफ इंडिया (ASSOCHAM) ने भारत स्टार्टअप एंड इनोवेशन सोसाइटी (BSIS) के साथ साझेदारी की है, जो एक धर्मार्थ समाज है जो उद्यमियों की अगली पीढ़ी के पोषण और मार्गदर्शन पर कार्य करता है।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- नाबार्ड, यूपी के मुख्य महाप्रबंधक ने 19.2% की अनुमानित विकास दर के साथ राज्य को भारत का "विकास इंजन" कहा है।
  - ईज़ ऑफ डूइंग बिजनेस के मामले में राज्य वर्ष 2017 में 14वें स्थान से दूसरे स्थान पर आ गया है।
- स्टेट फोकस पेपर सभी 75 ज़िलों के लिये ज़मीनी स्तर पर ऋण संभावनाओं को संकलित करता है।
  - पेपर के आधार पर, वर्ष 2024-25 के लिये वार्षिक क्रेडिट योजना को यूपी में राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति (SLBC) द्वारा अंतिम रूप दिया जाएगा।
- राज्य, फसल की गुणवत्ता में सुधार करके कृषि निर्यात को बढ़ावा देने के लिये कदम उठा रहा है।
  - भारत के कुल कदन्न/मिलेट्स उत्पादन में यूपी का योगदान 20% है, लेकिन निर्यात केवल 1% था।

वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम (WEF)

- वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम (WEF) एक स्विस गैर-लाभकारी संस्थान है जिसकी स्थापना वर्ष 1971 में जिनेवा (स्विट्ज़रलैंड) में हुई थी।
- स्विस सरकार द्वारा इसे सार्वजनिक-निजी सहयोग के लिये एक अंतर्राष्ट्रीय संस्था के रूप में मान्यता प्राप्त है।
- WEF वैश्विक, क्षेत्रीय और उद्योग जगत की परियोजनाओं को आकार देने हेतु व्यापार, राजनीतिक, शिक्षा क्षेत्र तथा समाज के अन्य प्रतिनिधियों को शामिल करके विश्व की स्थिति में सुधार के लिये प्रतिबद्ध है।

राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (NABARD)

- नाबार्ड एक विकास बैंक है जो प्राथमिक तौर पर देश के ग्रामीण क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करता है। यह कृषि एवं ग्रामीण विकास हेतु वित्त प्रदान करने के लिये शीर्ष बैंकिंग संस्थान है।
- इसका मुख्यालय देश की वित्तीय राजधानी मुंबई में अवस्थित है।
- कृषि के अतिरिक्त यह छोटे उद्योगों, कुटीर उद्योगों एवं ग्रामीण परियोजनाओं के विकास के लिये उत्तरदायी है।
- यह एक सांविधिक निकाय है जिसकी स्थापना वर्ष 1982 में राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक अधिनियम, 1981 के तहत की गई थी।

दिव्य अयोध्या' ऐप

चर्चा में क्यों?

हाल ही में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पर्यटन पर केंद्रित एक मोबाइल ऐप 'दिव्य अयोध्या' लॉन्च किया, जिसे अयोध्या आने वाले भक्तों और पर्यटकों के लिये नेविगेशनल अनुभव को बढ़ाने हेतु डिज़ाइन किया गया है।

- 'दिव्य अयोध्या' ऐप प्रौद्योगिकी को सांस्कृतिक अनुभवों के साथ जोड़कर और ग्रामीण परिवेश में होमस्टे जैसे विकल्प प्रदान कर, पर्यटकों को पवित्र शहर से जुड़ने की सुविधा प्रदान करती है, जो सभी के लिये अधिक उपयोगी तथा समृद्ध अनुभव प्रदान करता है।

मुख्य बिंदु:

- यह ऑल-इन-वन प्लेटफॉर्म यात्रा कार्यक्रम की योजना बनाने और छिपे हुए रत्नों की खोज तथा अयोध्या के सांस्कृतिक वैभव का अनुभव करने तक सभी ज़रूरतों को पूरा करता है।
  - यह विस्तृत विवरण और समय सारिणी के साथ प्रमुख स्थलों, मंदिरों, मठों और ऐतिहासिक स्थलों की खोज में भी मदद करेगा।
  - ऐप ई-कारों और ई-बसों को बुक करने, उनके रूट की स्थिति को ट्रैक करने तथा सुविधाजनक बोर्डिंग एवं डीबोर्डिंग में भी मदद करेगा।
  - होमस्टे, होटल या यहाँ तक कि टेंट सिटी के लिये बुकिंग भी ऐप से संभव है, जो उपयोगकर्त्ताओं को स्थानीय रूप से प्रशिक्षित पर्यटक गाइडों से जोड़ता है।
  - इसके अतिरिक्त, ऐप सहज दर्शनीय स्थलों की यात्रा के लिये व्हीलचेयर और गोल्फ कार्ट भी बुक किये जा सकते हैं।
- रिपोर्ट्स के मुताबिक, यूपी सरकार ग्रामीण परिवेश में होमस्टे विकल्प प्रदान करने के लिये अयोध्या के बाहरी इलाके में स्थानों की पहचान कर रही है।
  - अयोध्या आने वाले परिवार खेत में रहने के अनुभव के लिये दौलतपुर गाँव में एक घर का एक हिस्सा किराये पर ले सकते हैं।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- इन पहलों का उद्देश्य न केवल पर्यटन को बढ़ावा देना है बल्कि स्थायी पर्यटन प्रथाओं को बढ़ावा देते हुए स्थानीय अर्थव्यवस्था में योगदान देना भी है।

- राज्य सरकार अयोध्या में राम जन्मभूमि और मंदिरों जैसे प्रमुख स्थलों पर जाने वाले पर्यटकों तथा तीर्थयात्रियों हेतु सुविधाएँ बढ़ाने के लिये भी तैयार है। 'धर्म पथ' और 'राम पथ' पर इलेक्ट्रिक बसों की शुरुआत इन प्रयासों का हिस्सा है, जिसका लक्ष्य आवश्यक सेवाएँ प्रदान करना है।

लोगों को गरीबी से बाहर निकालने में यूपी अग्रणी

चर्चा में क्यों?

नीति आयोग द्वारा जारी एक पेपर 'भारत में बहुआयामी गरीबी 2005-06' के अनुसार, उत्तर प्रदेश ने पिछले नौ वर्षों में बहुआयामी गरीबी (MDP) से अधिकतम संख्या में लोगों को बाहर निकालने में राज्यों के बीच अपना नेतृत्व बनाए रखा है।

- संगठन ने बताया कि यूपी में 5.94 करोड़ लोग MDP से निकले हैं।

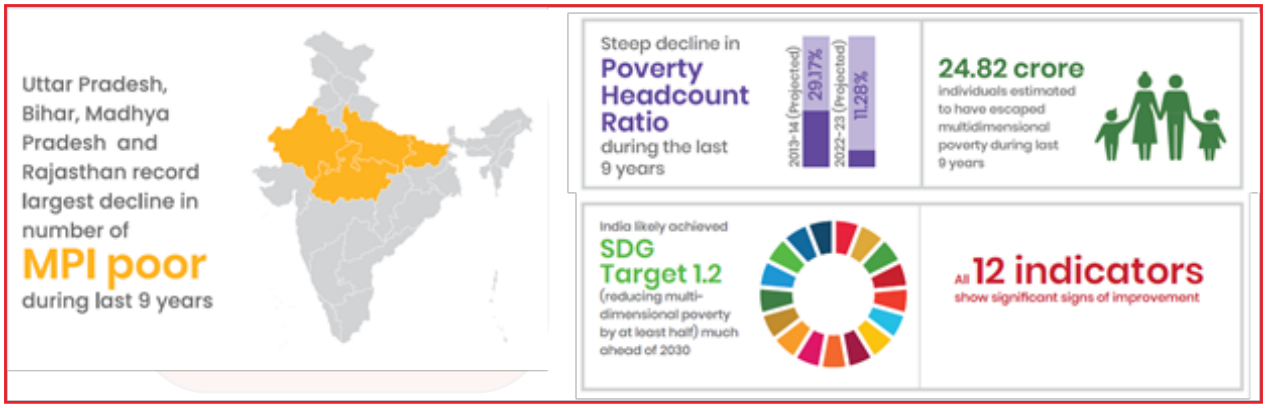

मुख्य बिंदु:

- पेपर में, यह बताया गया था कि वर्ष 2015-16 में 37.68% से यूपी में बहुआयामी गरीबों की संख्या वर्ष 2019-21 में घटकर 22.95% हो गई।
- नीति आयोग के पेपर में कहा गया है कि वर्ष 2022-23 में यह आँकड़ा घटकर 17.40% रह गया है।
  - नीति आयोग ने बहुआयामी गरीबी को मापने के लिये सतत् विकास लक्ष्यों से जुड़े 12 संकेतकों पर विचार किया।
- ऑक्सफोर्ड गरीबी और मानव विकास पहल (OPHI) तथा संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (UNDP) ने भी पेपर में योगदान दिया।
- रिपोर्ट के अनुसार, भारत में बहुआयामी गरीबी वर्ष 2013-14 में 29.17% से घटकर वर्ष 2022-23 में 11.28% हो गई और इस अवधि के दौरान 24.82 करोड़ लोग गरीबी से बाहर आए।

नीति आयोग

- योजना आयोग को 1 जनवरी, 2015 को एक नए संस्थान नीति आयोग द्वारा प्रतिस्थापित किया गया था, जिसमें 'सहकारी संघवाद' की भावना को प्रतिध्वनित करते हुए अधिकतम शासन, न्यूनतम सरकार की परिकल्पना की परिकल्पना के लिये 'बॉटम-अप' दृष्टिकोण पर ज़ोर दिया गया था।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- इसके दो हब हैं:
  - टीम इंडिया हब- राज्यों और केंद्र के बीच इंटरफेस का काम करता है।
  - ज्ञान और नवोन्मेष हब- नीति आयोग के थिंक-टैंक की भाँति कार्य करता है।

ऑक्सफोर्ड गरीबी और मानव विकास पहल (OPHI)

- OPHI ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के ऑक्सफोर्ड अंतर्राष्ट्रीय विकास विभाग के अंतर्गत एक आर्थिक अनुसंधान और नीति केंद्र है। इसकी स्थापना वर्ष 2007 में हुई थी।
- इसका उद्देश्य लोगों के अनुभवों और मूल्यों पर आधारित बहुआयामी गरीबी को कम करने के लिये एक अधिक व्यवस्थित प्रणाली तथा आर्थिक ढाँचे का निर्माण करना एवं उसे आगे बढ़ना है।

उत्तर प्रदेश: सेमीकंडक्टर विनिर्माण इकाइयों के लिये अनुकूल

चर्चा में क्यों?

एक बैठक में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्य की प्रस्तावित सेमीकंडक्टर नीति 2024 पर आधारित प्रस्तुतीकरण की समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किये।

मुख्य बिंदु:

- मुख्यमंत्री ने कहा कि सेमीकंडक्टर विनिर्माण उद्योगों में उन्नति के साथ-साथ उच्च दक्षता वाले उपकरणों जैसे स्मार्टफोन, कंप्यूटर और चिकित्सा संबंधित उपकरणों में के लिये महत्त्वपूर्ण है।
  - यह आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, इंटरनेट ऑफ थिंग्स और क्वांटम कंप्यूटिंग में नवाचार को भी बढ़ावा देता है।
- यह राज्य की आर्थिक वृद्धि और नवाचार में योगदान देगा तथा रणनीतिक रूप से महत्त्वपूर्ण क्षेत्रों में आत्मनिर्भरता को बढ़ाते हुए पर्याप्त रोज़गार के अवसर भी उत्पन्न करेगा।
- युवाओं को सेमीकंडक्टर निर्माण में प्रशिक्षण प्रदान करने के लिये मुख्यमंत्री ने राज्य के दो IIT सहित तकनीकी संस्थानों में ऐसे पाठ्यक्रमों को शामिल करने का प्रस्ताव रखा।
  - सेमीकंडक्टर उद्योगों में CM इंटर्नशिप कार्यक्रम के तहत युवाओं के लिये दो वर्ष के प्रशिक्षण की व्यवस्था की जानी चाहिये।
- सेमीकंडक्टर चिप क्षेत्र ने पिछले दो वर्षों में 500 बिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक निवेश करने की योजना की घोषणा की है।
  - सेमीकंडक्टर क्षेत्र में निवेश आकर्षित करने के लिये, भारत सरकार ने 10 बिलियन अमेरिकी डॉलर का प्रोत्साहन परिव्यय प्रदान करने का निर्णय लिया है।
- सीएम का सुझाव है कि नीति में वैश्विक सेमीकंडक्टर निवेशकों को आकर्षित करने के लिये वित्तीय और गैर-वित्तीय प्रोत्साहन के वितरण के प्रावधान शामिल होने चाहिये।
  - ऐसा करने वाला उत्तर प्रदेश देश का चौथा राज्य होगा।
- नई नीति में भारत सरकार द्वारा अनुमोदित पूंजी के अलावा अतिरिक्त पूंजी निवेश भी शामिल होना चाहिये।
  - भूमि की खरीद/पट्टे पर स्टाम्प शुल्क में छूट का भी प्रावधान होना चाहिये।
- नीति में विद्युत शुल्क में छूट, ड्यूल पावर ग्रिड नेटवर्क ट्रांसमिशन एवं व्हीलिंग शुल्क, कौशल विकास एवं प्रशिक्षण, पेटेंट, जल आपूर्ति, पावर बैंकिंग, अनुसंधान और विकास सहायता हेतु प्रावधान किये जाने चाहिये।

अयोध्या के लिये हेलीकाप्टर सेवा

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश सरकार ने लखनऊ, गोरखपुर, प्रयागराज, वाराणसी, आगरा और मथुरा से अयोध्या के लिये हेलीकॉप्टर सेवाएँ देने का निर्णय किया है।

मुख्य बिंदु:

- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 19 जनवरी को लखनऊ से हेलीकॉप्टर सेवा का उद्घाटन करेंगे।
  - सरकार ने हेलीकॉप्टर सेवाओं के लिये किराया भी निर्धारित कर दिया है और निकट भविष्य में इसे राज्य के अन्य ज़िलों में भी विस्तारित करने की योजना पर कार्य चल रहा है।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- राज्य सरकार भक्तों के लिये अयोध्या शहर और राम मंदिर का ऐरियल दर्शन भी शुरू कर रही है। इस पहल के लिये पर्यटन विभाग को ज़िम्मेदारी सौंपी गई है।
  - हेलीकॉप्टर की सवारी सरयू नदी के किनारे टूरिज़्म गेस्ट हाउस के पास बने हेलीपैड से होगी।
  - भक्त राम मंदिर, हनुमानगढ़ी और सरयू घाट सहित प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों की हवाई यात्रा का आनंद लेंगे।
  - वाराणसी में नमो घाट से, लखनऊ में रमाबाई से, प्रयागराज में टूरिज़्म गेस्ट हाउस के पास हेलीपैड से हेलीकॉप्टर सेवाएँ उपलब्ध हैं।
  - श्रद्धालु मथुरा के बरसाना में गोवर्धन परिक्रमा के पास हेलीपैड और आगरा में आगरा एक्सप्रेस-वे के पास हेलीपैड से हेलीकॉप्टर सेवाओं का विकल्प चुन सकते हैं।
  - क्रमश: 456 कि.मी. और 440 कि.मी. तक फैले इन लंबे मार्गों को पूरा होने में 135 मिनट लगते हैं तथा इसके लिये प्रति श्रद्धालु किराया 35,399 रुपए तय किया गया है।

सरयू नदी

- सरयू एक नदी है जो उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश से होकर बहती है।
- इस नदी का प्राचीन महत्त्व है क्योंकि इसका उल्लेख वेदों और रामायण में मिलता है।
- यह नदी करनाली और महाकाली नदियों के संगम पर बनती है। यह गंगा नदी की एक सहायक नदी है।
- भगवान राम के जन्मदिन का जश्न मनाने वाले त्योहार राम नवमी पर, हज़ारों लोग अयोध्या में सरयू नदी में डुबकी लगाते हैं।

यूपी सरकार ने YEIDA, UPSIDA, UPEIDA के विस्तार के लिये 2,940 करोड़ रुपए की मंज़ूरी दी

चर्चा में क्यों?

हाल ही में उत्तर प्रदेश सरकार ने औद्योगिक निकायों, यमुना एक्सप्रेस-वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (YEIDA), यूपी राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण (UPSIDA) और यूपी एक्सप्रेस-वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (UPEIDA) के लिये 2,940 करोड़ रुपए की मंज़ूरी दी।

मुख्य बिंदु:

- नवगठित बुंदेलखंड औद्योगिक विकास प्राधिकरण को पहले भूमि अधिग्रहण के लिये 3,000 करोड़ रुपए दिये गए थे।
- वित्तीय वर्ष 2023-24 में राज्य में औद्योगिक विस्तार के लिये 8,000 करोड़ रुपए अलग रखे गए थे। शेष 5,000 करोड़ रुपए में से, 1,000 करोड़ रुपए UPEIDA के लिये, 1,500 करोड़ रुपए YEIDA के लिये और 440 करोड़ रुपए UPSIDA के लिये स्वीकृत किये गए हैं।
- सभी औद्योगिक विकास प्राधिकरणों के विस्तार के लिये कुल 7,042.67 करोड़ रुपए स्वीकृत किये गए हैं।
- राज्य सरकार निवेश आकर्षित करने और उत्तर प्रदेश को देश में अग्रणी निवेश स्थल बनाने के लिये प्रतिबद्ध है।

यमुना एक्सप्रेस-वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (YEIDA)

- यह उत्तर प्रदेश औद्योगिक विकास अधिनियम, 1976 के तहत दिल्ली से सटे उनके संबंधित अधिसूचित क्षेत्रों के व्यवस्थित विकास के लिये बनाया गया है, जो यदि योजनाबद्ध नहीं होते, तो अनधिकृत शहरी विकास की संभावना होती।

यूपी एक्सप्रेस-वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (UPEIDA)

- यह राज्य में एक्सप्रेस-वे परियोजनाओं को विकसित करने के लिये उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा वर्ष 2007 में स्थापित एक प्राधिकरण है।
- UPEIDA का मुख्यालय लखनऊ के गोमती नगर में पर्यटन भवन में स्थित है।

अभ्यास-अयुत्थाया और इंडो-थाई कॉर्पेट

चर्चा में क्यों?

भारतीय नौसेना और रॉयल थाई नौसेना (Royal Thai Navy - RTN) ने 'अभ्यास-अयुत्थाया (Ex-Ayutthaya)' नामक पहला द्विपक्षीय अभ्यास आयोजित किया और द्विपक्षीय अभ्यास के साथ भारत-थाईलैंड समन्वित गश्ती दल (Indo-Thai CORPAT) का 36वाँ संस्करण भी आयोजित किया गया।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

मुख्य बिंदु:

- 'अभ्यास-अयुत्थाया' का अनुवाद 'अजेय वन' या 'अपराजेय' है
- यह दो सबसे पुराने शहरों, भारत में अयोध्या व थाईलैंड में अयुत्या, ऐतिहासिक विरासतों, समृद्ध सांस्कृतिक संबंधों एवं कई सदियों तक साझा ऐतिहासिक कथाओं के महत्त्व का प्रतीक है।
- यह भारत का एक प्राचीन शहर है और भगवान श्री राम का जन्मस्थान है।
- यह महान महाकाव्य रामायण की पृष्ठभूमि है। यह प्राचीन कोसल साम्राज्य की राजधानी भी हुआ करती थी।

अयोध्या राम मंदिर

चर्चा में क्यों?

राम लला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा या अभिषेक समारोह सरयू तटबंध पर विष्णु पूजा और गौ दान के साथ शुरू होगा।

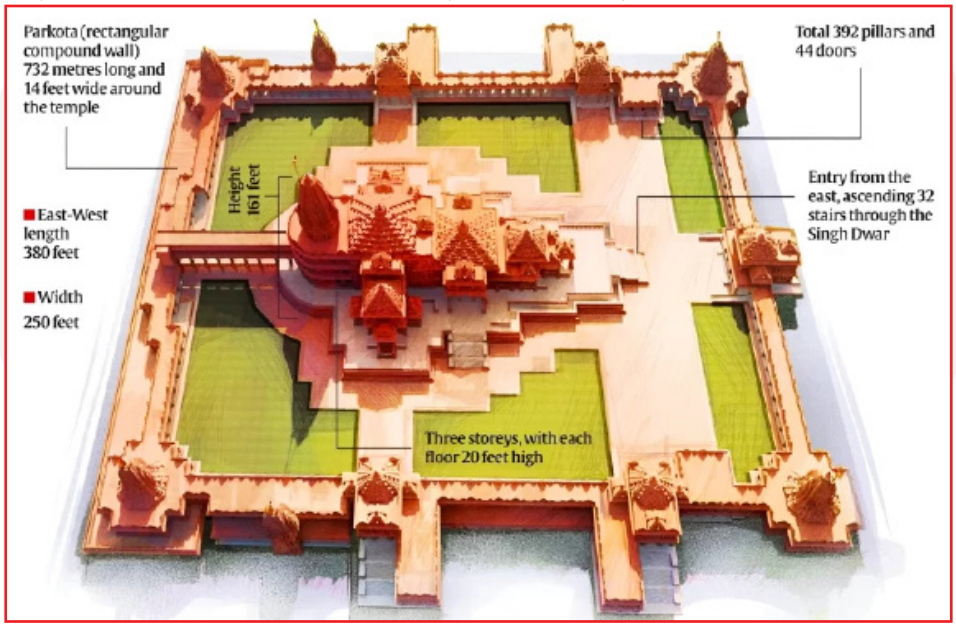

मुख्य बिंदु:

- अयोध्या राम मंदिर का लेआउट:
  - मंदिर 20-20 फुट ऊँची तीन मंज़िलों पर बना है, जिनमें कुल 392 खंभे और 44 दरवाज़े हैं।
  - निर्माण में मकराना संगमरमर और गुलाबी बलुआ पत्थर, ग्रेनाइट पत्थर एवं रंगीन संगमरमर का उपयोग किया गया है।
  - मंदिर की नींव रोलर-कॉम्पैक्ट कंक्रीट की 14 मीटर मोटी परत से बनी है और ज़मीन की नमी से बचाने के लिये 21 फुट ऊँचा ग्रेनाइट प्लिंथ लगाया गया है।
  - निर्माण में कहीं भी लोहे का प्रयोग नहीं किया गया है।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- मंदिर की स्थापत्य शैली, गर्भगृह , मंडप (हॉल) और मंदिरों के साथ नागर शैली है।
- परिसर का प्रत्येक कोने में सूर्य, भगवती, गणेश, शिव की मूर्ति स्थापित होगी। उत्तरी और दक्षिणी भुजाओं पर क्रमश: अन्नपूर्णा तथा हनुमान के मंदिर बनाए जाएंगे।
- महर्षि वाल्मिकी, वशिष्ठ, विश्वामित्र, अगस्त्य, निषाद राज, शबरी आदि के मंदिर भी प्रस्तावित हैं।

मंदिर वास्तुकला की नागर शैली

- इसे पहली बार उत्तर भारत में 5वीं शताब्दी ईस्वी में गुप्त काल के दौरान विकसित किया गया था, यह शैली उत्तरी, पश्चिमी और पूर्वी भारत (बंगाल क्षेत्र को छोड़कर) में लोकप्रिय है, खासकर मालवा, राजपुताना एवं कलिंग के आसपास के क्षेत्रों में।
- यह एक साधारण पत्थर के मंच पर बनाया गया है जिसमें मंदिर तक जाने के लिये सीढ़ियाँ हैं।
- इसकी विशेषताओं में शामिल हैं:
  - शिखर: गर्भगृह हमेशा उच्चतम शिखर के ठीक नीचे स्थित होता है। शिखर पर एक कलश (अमलका) भी स्थापित है।
    - शिखर के प्रकार: रेखा-प्रसाद या लैटिना (ओडिशा का श्रीजगन्नाथ मंदिर), शेखरी (खजुराहो कंदारिया महादेव मंदिर), वलभी (तेली का मंदिर), फमसाना (कोणार्क मंदिर का जगमोहन)।
- चारदीवारी या प्रवेश द्वार का अभाव।
- वे उड़ीसा शैली, चंदेल शैली और सोलंकी शैली हैं।

उत्तर प्रदेश को अपनी आतिथ्य संस्कृति से परिचित कराने का अवसर

चर्चा में क्यों ?

22 जनवरी को हुए राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के महत्त्व पर ज़ोर देते हुए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यह बहुप्रतीक्षित समारोह उत्तर प्रदेश को अपनी आतिथ्य संस्कृति से परिचित कराने का एक अवसर है।

मुख्य बिंदु:

- मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निम्नलिखित निर्देश दिये थे :
  - रामलला की बालरूपी मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा का यह बहुप्रतीक्षित समारोह उत्तर प्रदेश को अपनी आतिथ्य संस्कृति से परिचित कराने का एक अवसर है।
  - श्री अयोध्या धाम को सिंगल यूज़ प्लास्टिक से मुक्त करने का प्रयास किया जाना चाहिये।
  - प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में 'नव्य-दिव्य-भव्य' मंदिर पर पुष्प वर्षा का कार्यक्रम है।
  - रामलला की बाल स्वरूप मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा के बहुप्रतीक्षित कार्यक्रम में देश-विदेश से मेहमान आ रहे हैं।
  - इसमें भारत के सभी प्रांतों से संत-महात्माओं, धर्मगुरुओं एवं गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति रहेगी।
  - इस अवसर पर भाग लेने हेतु आने वाले महानुभावों की सुरक्षा एवं सम्मान के पुख्ता इंतज़ाम किये गए। हर वीवीआईपी के साथ एक लाइज़निंग ऑफिसर तैनात किया गया।
  - इसमें ऐसे लोगों को तैनात किया गया जो श्री राम जन्मभूमि मुक्ति यज्ञ और अयोध्या जी के पौराणिक, ऐतिहासिक तथा भौगोलिक महत्त्व से परिचित थे।
  - अयोध्या जी को विभिन्न जनपदों से जोड़ने वाले प्रमुख मार्गों पर पार्किंग की पर्याप्त व्यवस्था की गई।
  - आगंतुकों के परिवहन के लिये इलेक्ट्रिक बसों की पर्याप्त उपलब्धता थी।

राम मंदिर प्रतिष्ठा: राज्यों ने अवकाश घोषित किया

चर्चा में क्यों?

22 जनवरी को अयोध्या में राम मंदिर के प्रतिष्ठा समारोह के उपलक्ष्य में, कई राज्यों ने सार्वजनिक अवकाश की घोषणा की या सरकारी कर्मचारियों को आधे दिन की छुट्टी दी।

मुख्य बिंदु:

- केंद्र सरकार के सभी कार्यालय दोपहर 2.30 बजे तक बंद रहे, कई राज्यों ने भी 22 जनवरी को 'शुष्क दिवस' घोषित किया।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- पूरे देश में केंद्र सरकार के प्रतिष्ठान, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक, बीमा कंपनियाँ, वित्तीय संस्थान और क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक (RRB) आधे दिन के लिये बंद रहे।
- दिल्ली विश्वविद्यालय के साथ-साथ जामिया मिलिया इस्लामिया जैसे केंद्रीय शैक्षणिक संस्थान और उसके स्कूल भी दोपहर 2.30 बजे तक आधे दिन के लिये बंद रहे।
- नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (NSE) और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (BSE) में भी 22 जनवरी को व्यापारिक अवकाश रहा।

अयोध्या राम मंदिर

- यह 3 मंज़िला मंदिर, पारंपरिक नागर शैली में बनाया गया है।
- निर्माण में मकराना संगमरमर और गुलाबी बलुआ पत्थर, ग्रेनाइट पत्थर तथा रंगीन संगमरमर का उपयोग किया गया है।
- निर्माण में कहीं भी लोहे का प्रयोग नहीं किया गया है।
- मुख्य गर्भ गृह में राम लला की मूर्तियाँ हैं, साथ ही रंग मंडप और नृत्य मंडप सहित कई मंडप हैं।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज

- नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ़ इंडिया लिमिटेड (NSE) भारत का सबसे बड़ा वित्तीय बाज़ार है।
- वर्ष 1992 में निगमित, NSE एक परिष्कृत, इलेक्ट्रॉनिक बाज़ार के रूप में विकसित हुआ है जो इक्विटी ट्रेडिंग वॉल्यूम के हिसाब से विश्व में चौथे स्थान पर है।
- NSE भारत में आधुनिक, पूर्णत: स्वचालित इलेक्ट्रॉनिक ट्रेडिंग प्रदान करने वाला पहला एक्सचेंज था।
  - NSE भारत में सबसे बड़ा निजी वाइड-एरिया नेटवर्क है।
- NIFTY 50 नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड (NSE) का प्रमुख सूचकांक है।

रैपिड रेल कॉरिडोर के लिये 16,000 करोड़ रुपए की मंज़ूरी

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश सरकार ने 16,000 करोड़ रुपए की रैपिड रेल कॉरिडोर परियोजना को मंज़ूरी दे दी है, जिसका उद्देश्य क्षेत्र में कई हवाई अड्डों को निर्बाध रूप से जोड़ना है।

- राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम (NCRTC) इस कॉरिडोर के लिये एक विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार कर रहा है, जिसे मार्च 2024 तक अंतिम रूप दिये जाने की उम्मीद है।

मुख्य बिंदु:

- एक बार शुरू होने के बाद, चार वर्ष के अनुमानित समापन समय के साथ यह परियोजना दो प्रमुख हवाई अड्डों और दिल्ली के विभिन्न हिस्सों को जोड़ेगी।
- इससे आगामी नोएडा हवाई अड्डे को दिल्ली हवाई अड्डे से यात्री यातायात के अतिप्रवाह को पकड़ने में सहायता मिलने की उम्मीद है।
- प्रस्तावित नोएडा हवाईअड्डा लिंक गाज़ियाबाद स्टेशन से शुरू होगा, जो दिल्ली मेरठ रैपिड रेल ट्रांसपोर्ट के लिये एक इंटरचेंज बिंदु के रूप में कार्य करेगा।
- यात्रियों के पास दिल्ली-मेरठ रेल के शुरुआती स्टेशन सराय काले खाँ के माध्यम से प्रगतिरत दिल्ली-अलवर रैपिड रेल से जुड़ने का विकल्प भी होगा।
- दिल्ली-अलवर रेल, वर्ष 2025 के मध्य तक समाप्त होने की उम्मीद है, इसमें इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे और एयरोसिटी का स्टेशन शामिल होगा।
- नोएडा हवाई अड्डे के अधिकारी दिल्ली और गुड़गाँव के साथ एक व्यापक मल्टी-मॉडल परिवहन कनेक्टिविटी नेटवर्क स्थापित करने के लिये हाई-स्पीड बस कॉरिडोर सहित अन्य सार्वजनिक परिवहन साधनों को विकसित करने पर भी कार्य कर रहे हैं।

अयोध्या में BHISHM क्यूब

चर्चा में क्यों?

हाल ही में भीष्म (भारत हेल्थ इनिशिएटिव फॉर सहयोग, हित एंड मैत्री- BHISHM) क्यूब, अयोध्या में स्थित एक अत्याधुनिक स्वदेशी मोबाइल अस्पताल है जो प्रोजेक्ट आरोग्य मैत्री का हिस्सा है।

- यह उत्तर प्रदेश के अयोध्या में राम मंदिर उद्घाटन के दौरान एक चिकित्सा आपातकाल की स्थिति में एक जीवनरक्षक के रूप में उभरकर आया।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

मुख्य बिंदु:

- आरोग्य मैत्री परियोजना में भारत प्राकृतिक आपदाओं या मानवीय संकटों के प्रभाव का सामना करने वाले किसी भी विकासशील देश को महत्त्वपूर्ण चिकित्सा संसाधनों की आपूर्ति करना शामिल है।
- BHISHM क्यूब को त्वरित प्रतिक्रिया और समग्र देखभाल पर बल देते हुए 200 हताहतों तक के उपचार के लिये तैयार किया गया है।
- यह एड क्यूब (Aid Cube) आपात स्थितियों के दौरान आपदा प्रतिक्रिया और चिकित्सा सहायता वृद्धि करने हेतु निर्मित कई नवोन्मेषी उपकरणों से युक्त है।
- यह क्षेत्र में चिकित्सा सेवाओं के प्रभावी समन्वय, वास्तविक समय की निगरानी और कुशल प्रबंधन को सुगम बनाने के लिये कृत्रिम बुद्धिमत्ता (Artificial Intelligence- AI) तथा डेटा एनालिटिक्स को एकीकृत करता है।
- BHISHM क्यूब की सफलता आपात स्थिति के दौरान तत्काल और प्रभावी चिकित्सा सहायता प्रदान करने में मोबाइल अस्पताल इकाइयों के महत्त्व को रेखांकित करती है।

कानपुर में GSVM मेडिकल कॉलेज में सुपर स्पेशलिटी ब्लॉक

चर्चा में क्यों?

हाल ही में केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री ने उत्तर प्रदेश के कानपुर में गणेश शंकर विद्यार्थी मेमोरियल (GSVM) मेडिकल कॉलेज में एक सुपर स्पेशलिटी ब्लॉक का वर्चुअल उद्घाटन किया।

- उन्होंने कानपुर में ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ स्पीच एंड हियरिंग (AIISH) सैटेलाइट सेंटर की आधारशिला भी रखी।

मुख्य बिंदु:

- सुपर स्पेशलिटी ब्लॉक 12 विशिष्ट स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करता है और इसका उद्देश्य लोगों के समय तथा संसाधनों की बचत करते हुए इन सेवाओं को स्थानीय स्तर पर प्रदान करना है।
  - ब्लॉक का निर्माण प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना (PMSSY) के तहत किया गया है।
- कानपुर में AIISH केंद्र उत्तर भारत का पहला अत्याधुनिक केंद्र है। यह न केवल डॉक्टरों को प्रशिक्षित करता है बल्कि लोगों की देखभाल भी करता है।
  - केंद्र भाषण-भाषा विकृति विज्ञान, ऑडियोलॉजी, संचार विकार की रोकथाम, टेली-मूल्यांकन और पुनर्वास सहित चार विशिष्ट प्रभागों को संभालता है।
- भारत में एम्स की संख्या 6 से बढ़कर 23 हो गई है, मेडिकल कॉलेजों की कुल संख्या लगभग दोगुनी होकर 710 तक पहुँच गई है, जन औषधि केंद्र 10,000 से अधिक हो गए हैं और आयुष्मान भारत योजना के तहत 160 लाख से अधिक आयुष्मान आरोग्य मंदिर स्थापित किये गए हैं।
  - उत्तर प्रदेश एकमात्र राज्य है जहाँ दो एम्स हैं। इसके अलावा, पिछले 10 वर्षों में राज्य में मेडिकल कॉलेजों की संख्या दोगुनी हो गई है।
- सरकार ने सार्वजनिक और निजी दोनों अस्पतालों में गुणवत्तापूर्ण देखभाल तथा उपचार का दायरा बढ़ाया है।
  - 55 करोड़ लोग आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना से लाभ पाने के हकदार हैं और 50 करोड़ आयुष्मान भारत स्वास्थ्य खाता (ABHA) आईडी कार्ड बनाए गए हैं।

प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना (PMSSY)

- यह योजना मार्च 2006 में स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा शुरू की गई थी।
- इसका उद्देश्य सामान्य रूप से देश के विभिन्न हिस्सों में किफायती स्वास्थ्य सुविधाओं की उपलब्धता में असंतुलन को ठीक करना और विशेष रूप से कम सेवा वाले राज्यों में गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा शिक्षा की सुविधाओं को बढ़ाना है।
- इसके दो घटक हैं:
  - एम्स जैसे संस्थानों की स्थापना।
  - सरकारी मेडिकल कॉलेज संस्थानों का उन्नयन।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस 2024

चर्चा में क्यों?

24 जनवरी 2024 को उत्तर प्रदेश ने अपना 75वाँ स्थापना दिवस मनाया। इस दिन को हिंदी में उत्तर प्रदेश दिवस या यूपी दिवस के नाम से जाना जाता है।

मुख्य बिंदु:

- वैदिक काल में राज्य को ब्रह्मऋषि देश या मध्य देश कहा जाता था।
  - मुगल काल के दौरान, इसका क्षेत्र राज्यपालों के अधीन विभाजित था।
- 24 जनवरी 1950 को संयुक्त प्रांत का नाम बदलकर उत्तर प्रदेश कर दिया गया।
  - वर्ष 1947 से 1950 तक भारत ब्रिटिश सिद्धांतों का पालन करता रहा, जिसके कारण इस दौरान चक्रवर्ती राजगोपालाचारी गवर्नर जनरल के रूप में कार्यरत रहे। परिणामस्वरूप उनके नेतृत्व में उत्तर प्रदेश एक राज्य के रूप में स्थापित हुआ।
- 'उत्तर प्रदेश दिवस' मनाने की पहल तत्कालीन राज्यपाल राम नाईक ने की थी और यह कार्यक्रम वर्ष 2018 से प्रत्येक वर्ष तीन दिनों तक मनाया जाता है।
- 24 जनवरी से 4 फरवरी 2024 तक लखनऊ, दिल्ली और नोएडा में कई कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे।
  - एक ज़िला एक उत्पाद (ODOP) के तहत सभी ज़िलों में शिल्पोत्सव के साथ-साथ कई उत्पादों का प्रदर्शन किया जाएगा, जैसे लखनऊ में अवध शिल्पग्राम, नोएडा हाट सेक्टर-32 और दिल्ली के कनॉट प्लेस में खड़क सिंह मार्ग।
    - शिल्पोत्सव समाज के कमज़ोर वर्गों से संबंधित देश भर के कारीगरों का वार्षिक मेला है।
  - एक भारत श्रेष्ठ भारत के अंतर्गत विभिन्न राज्यों के शिल्पकारों के उत्पाद एवं राज्यों के सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये गये।

एक भारत श्रेष्ठ भारत

- इस कार्यक्रम का उद्देश्य विभिन्न राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों के लोगों के बीच जुड़ाव को बढ़ावा देने के लिये लॉन्च किया गया था ताकि विभिन्न संस्कृतियों के लोगों में आपसी समझ और बंधन को बढ़ाया जा सके, जिससे भारत की एकता और अखंडता मज़बूत होगी।
- राज्य भाषा सीखने, संस्कृति, परंपराओं एवं संगीत, पर्यटन एवं व्यंजनों, खेल एवं सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने आदि के क्षेत्रों में एक निरंतर और संरचित सांस्कृतिक संबंध को बढ़ावा देने के लिये गतिविधियों का संचालन करते हैं।

खेलो उत्तर प्रदेश सेंटर

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मुताबिक, भारत सरकार द्वारा हर ज़िले में स्थापित किये जा रहे 'खेलो इंडिया सेंटर' की तर्ज पर राज्य के हर ब्लॉक में 'खेलो उत्तर प्रदेश सेंटर' की स्थापना की जाएगी।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

मुख्य बिंदु:

- केंद्रीय खेल मंत्री ने लखनऊ के गोमती नगर स्थित इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में 19वें एशियाई खेल-2022, चौथे पैरा एशियाई खेल-2022 और 37वें राष्ट्रीय खेल-2023 में पदक विजेताओं और प्रतिभागियों को सम्मानित किया।
  - प्रदेश के 189 उत्कृष्ट खिलाड़ियों को 62 करोड़ रूपए की पुरस्कार राशि वितरित की गयी।
  - इसके साथ ही सात पदक विजेता खिलाड़ियों को पुलिस उपाधीक्षक, ज़िला युवा कल्याण अधिकारी एवं यात्री/माल कर अधिकारी के पद पर नियुक्ति पत्र भी दिये गये।
- जो खिलाड़ी खेल के बाद अपना समय दे सकेंगे, उन्हें निश्चित मानदेय पर 'खेलो यूपी सेंटर' में कोच नियुक्त किया जाएगा।
- उत्तर प्रदेश देश की 16% आबादी का निवास स्थान है और यूपी के खिलाड़ियों ने एशियाई खेलों में 25% पदक जीते हैं।

खेलो इंडिया कार्यक्रम

- खेलो इंडिया योजना का उद्देश्य पूरे देश में खेलों को प्रोत्साहित करना तथा इस प्रकार अपने क्रॉस-कटिंग प्रभाव नामत:- बच्चों और युवाओं का समग्र विकास, सामुदायिक विकास, सामाजिक एकीकरण, लैंगिक समानता, स्वस्थ जीवन शैली, राष्ट्रीय गौरव और खेलों के विकास से जुड़े आर्थिक अवसरों के माध्यम खेल क्षमताओं का दोहन करने की अनुमति देती है।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- इस योजना के तहत, विभिन्न स्तरों पर प्राथमिकता वाले खेल विषयों में पहचान प्राप्त करने वाले प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को 8 वर्षों तक के लिये प्रतिवर्ष 5 लाख रुपए की वार्षिक वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।

उत्तर प्रदेश का चौथा कार्यवाहक DGP

चर्चा में क्यों?

हाल ही में उत्तर प्रदेश सरकार ने महानिदेशक (कानून एवं व्यवस्था) प्रशांत कुमार को कार्यवाहक राज्य पुलिस प्रमुख नियुक्त किया।

मुख्य बिंदु:

- प्रशांत कुमार वर्ष 1990 बैच के भारतीय पुलिस सेवा अधिकारी हैं, जिनके पास कानून एवं व्यवस्था और मेरठ ज़ोन के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक सहित विभिन्न महत्त्वपूर्ण पदों पर तीन दशकों से अधिक का अनुभव है।
- वह DG (कानून व्यवस्था) और DG (आर्थिक अपराध शाखा) का पद भी संभालेंगे। यदि किसी कारण से राज्य सरकार द्वारा उन्हें हटाया नहीं जाता है, तो उनके मई 2025 में अपनी सेवानिवृत्ति तक कार्यवाहक DGP के रूप में बने रहने की संभावना है।
- अपराध और माफिया के खिलाफ राज्य सरकार की ज़ीरो टॉलरेंस नीति को लागू करने के पीछे उन्हें मुख्य व्यक्ति माना जाता था।

YEIDA का मेडिकल डिवाइस पार्क गामा विकिरण सुविधा का विस्तार करेगा

चर्चा में क्यों?

यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (YEIDA) ग्रेटर नोएडा में मेडिकल डिवाइस पार्क विकसित कर रहा है, जो कैंसर देखभाल के लिये गामा विकिरण सुविधा सहित अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित है।

मुख्य बिंदु:

- इन प्रयासों में पार्क को उन्नत चिकित्सा उपकरणों से लैस करना शामिल है जिसमें कैंसर देखभाल और रेडियोलॉजी, इमेजिंग तकनीक, एनेस्थेटिक्स, कार्डियोरेस्पिरेटरी उपकरण, साथ ही पेसमेकर तथा कॉकलियर इम्प्लांट से जुड़े उपकरण शामिल हैं।
- ग्रेटर नोएडा में जेवर हवाई अड्डे के पास 350 एकड़ के विशाल क्षेत्र में फैला मेडिकल डिवाइस पार्क नवाचार का प्रतीक बनने के लिये तैयार है।
- मेडिकल डिवाइस पार्क में प्रयोगशालाएँ और केंद्र सुविधाएँ होंगी, जो एक केंद्रीकृत स्थान पर विभिन्न प्रकार के परीक्षणों को सुव्यवस्थित करेंगी।
  - इस रणनीतिक दृष्टिकोण का उद्देश्य विनिर्माण लागत को कम करना, चिकित्सा उपकरणों के उपयोग को अनुकूलित करना और देश भर में चिकित्सा उपकरण विनिर्माण के लिये एक मज़बूत पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देना है।
- इस पहल को उत्प्रेरित करने के लिये, राज्य सरकार ने मेडिकल डिवाइस पार्क के भीतर सामान्य बुनियादी सुविधाओं की स्थापना के लिये एकमुश्त अनुदान सहायता प्रस्तुत करने वाली एक योजना शुरू की है।
- इस पार्क को कैंसर देखभाल, रेडियोलॉजी, इमेजिंग, एनेस्थेटिक्स, कार्डियोरेस्पिरेटरी सपोर्ट, पेसमेकर और कॉकलियर इम्प्लांट के लिये समर्पित अत्याधुनिक उपकरणों से लैस करने पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (YEIDA)

- इसे UP औद्योगिक विकास अधिनियम, 1976 के तहत दिल्ली से सटे उनके संबंधित अधिसूचित क्षेत्रों के व्यवस्थित विकास के लिये बनाया गया है, जो अगर योजनाबद्ध नहीं होते, तो अनधिकृत शहरी विकास का खतरा होता।
- YEIDA द्वारा शुरू की गई कुछ प्रमुख परियोजनाएँ नोएडा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा, फिल्म सिटी, मेडिकल डिवाइस पार्क, लॉजिस्टिक्स पार्क और पर्सनल रैपिड ट्रांज़िट हैं।
  - YEIDA आवासीय, वाणिज्यिक, औद्योगिक और मिश्रित भूमि उपयोग उद्देश्यों के लिये भूखंडों के आवंटन के हेतु विभिन्न योजनाएँ भी प्रदान करता है।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

उत्तर प्रदेश सरकार आगामी ग्रीष्म ऋतु के दौरान वनाग्नि को रोकने के लिये अलर्ट है

चर्चा में क्यों?

आगामी ग्रीष्म ऋतु के दौरान वनाग्नि को रोकने के लिये एक सक्रिय उपाय में, उत्तर प्रदेश सरकार रणनीतिक पहलों की एक शृंखला लागू कर रही है।

- सरकार पहले से ही हाई अलर्ट पर है और आग से बचाव के उपायों के बारे में जन जागरूकता बढ़ाने के लिये राज्य भर में 1 फरवरी से 7 फरवरी तक 'वन अग्नि सुरक्षा सप्ताह' चला रही है।

मुख्य बिंदु:

- निगरानी और नियंत्रण प्रयासों को मज़बूत करने के लिये, लखनऊ में विभाग प्रमुख एवं प्रधान मुख्य वन संरक्षक के कार्यालयों में एक समर्पित अग्नि नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है।
  - मुख्य वन संरक्षक (प्रचार) को राज्य मुख्यालय सेल के लिये नोडल अधिकारी के रूप में नामित किया गया है, जो सरकार को अधीनस्थ कार्यालयों से प्राप्त वनाग्नि की घटनाओं पर साप्ताहिक रिपोर्टिंग के लिये ज़िम्मेदार है।
  - संभागीय स्तर पर, सरकार ने चौबीसों घंटे संचालन सुनिश्चित करने के लिये नियंत्रण कक्ष की स्थापना अनिवार्य कर दी है।
  - तीन-शिफ्ट कर्मचारियों की तैनाती के साथ 24/7 संचालन करते हुए, ये नियंत्रण कक्ष विभिन्न श्रेणियों में जानकारी दर्ज करेंगे, जिससे घटना का पता चलने पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित होगी।
    - वन संरक्षक (क्षेत्रीय) मुख्य वन संरक्षक को भी प्रासंगिक जानकारी देंगे।
- वनाग्नि की घटनाओं से संबंधित जानकारी के लिये हेल्पलाइन नंबर स्थापित किये गए हैं, सभी ज़िलों में अधिकारियों, आम जनता और अन्य विभागों के लिये स्थानीय हेल्पलाइन नंबर उपलब्ध कराए गए हैं।
- सरकार के निगरानी प्रयासों के सकारात्मक परिणाम मिले हैं, जिससे पिछले तीन वर्षों में वनाग्नि की घटनाओं में उल्लेखनीय गिरावट आई है।

रूस में भारतीय दूतावास में घुसपैठ करने वाला पाकिस्तानी गिरफ्तार

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश पुलिस के आतंकवाद निरोधक दस्ते ने मॉस्को में नई दिल्ली के राजनयिक मिशन के सुरक्षा सहायक सतेंद्र सिवाल को गिरफ्तार किया है।

- यह पता चला है कि पाकिस्तान की सैन्य जासूसी एजेंसी ने दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग सहित रूस के साथ देश के संबंधों के विषय में वर्गीकृत जानकारी प्राप्त करने के लिये मास्को में भारतीय दूतावास में गुप्त सूचना दी थी।

मुख्य बिंदु:

- वह हापुड़ के निवासी थे और विदेश मंत्रालय (MEA) में मल्टीटास्किंग स्टाफ में से एक थे, जो वर्ष 2021 से मास्को में भारतीय दूतावास में सुरक्षा सहायक के रूप में तैनात थे।
  - पाकिस्तान की इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (ISI) के एजेंट के रूप में उनका एक्सपोज़र भारतीय विदेश सेवा (IFS) के ग्रेड बी अधिकारी माधुरी गुप्ता की गिरफ्तारी के लगभग 14 वर्ष बाद आया था, जो इस्लामाबाद में भारतीय उच्चायोग में तैनात थे और जासूसी के लिये पड़ोसी देश की खुफिया एजेंसी द्वारा इस्तेमाल किया गया था।
- भारत द्वारा यूक्रेन में रूस के "विशेष सैन्य अभियानों" के खिलाफ आवाज़ उठाने से इंकार करने के बाद मॉस्को के साथ नई दिल्ली के संबंध भी संयुक्त राज्य अमेरिका और शेष पश्चिम की जाँच के दायरे में हैं तथा पूर्व सोवियत संघ राष्ट्र के साथ कच्चे तेल व सैन्य हार्डवेयर की खरीद जारी रखने के लिये अमेरिकी एवं यूरोपीय प्रतिबंधों की अवहेलना की।
- नई दिल्ली के एक राजनयिक मिशन में ISI गुप्तचर का अंतिम सार्वजनिक प्रदर्शन तब हुआ था जब वर्ष 2008 में 26 से 28

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

नवंबर के बीच लश्कर-ए-तैयबा के 10 आतंकवादियों ने मुंबई में 26/11 के नरसंहार को अंजाम दिया था, जिसमें 166 लोग मारे गए और कई अन्य घायल हो गए थे।

- माधुरी गुप्ता इस्लामाबाद में भारतीय उच्चायोग में तैनात थीं, जब उन्हें ISI एजेंटों ने लालच दिया था, जिन्होंने उनका इस्तेमाल पाकिस्तानी राजधानी में नई दिल्ली के राजनयिक मिशन से वर्गीकृत जानकारी हासिल करने के लिये किया था।
- भारत की खुफिया एजेंसियों ने उसे जाँच के घेरे में ले लिया और यह पुष्टि हो गई कि वह ISI के लिये कार्य कर रही थी। उन्हें कुछ आधिकारिक कार्य के लिये नई दिल्ली बुलाया गया और गिरफ्तार कर लिया गया। बाद में उन्हें दोषी ठहराया गया और जेल में डाल दिया गया। वर्ष 2021 में उनका निधन हो गया।

यूपी बजट 2024-25: मुख्य बिंदु और प्रमुख घोषणाएँ

चर्चा में क्यों?

5 फरवरी 2024 को उत्तर प्रदेश के वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने राज्य विधानसभा में वित्तीय वर्ष 2024-2025 के लिये बजट पेश किया।

मुख्य बिंदु:

- कुल व्यय 7,36,437.71 करोड़ रुपए अनुमानित है।
- कुल व्यय में से 5,32,655.33 करोड़ रुपए राजस्व खाते के लिये और 2,03,782.38 करोड़ रुपए पूंजी खाते के लिये आवंटित किये गए हैं।
- समेकित निधि की प्राप्तियों से कुल व्यय घटाने के बाद बजट में 15,103.89 करोड़ रुपए के घाटे का अनुमान है।
- कृषि क्षेत्र को आगे बढ़ाने के लिये तीन योजनाएँ:
  - राज्य कृषि विकास योजना में 200 करोड़ रुपए का प्रावधान होगा।
  - विश्व बैंक सहायतित यूपी एग्रीस योजना के लिये 200 करोड़ रुपए आवंटित किये गए हैं।
  - प्रखंडों और पंचायतों में स्वचालित मौसम स्टेशन-स्वचालित वर्षामापी यंत्र की स्थापना के लिये 60 करोड़ रुपए आवंटित किये गए हैं।
- निराश्रित महिला पेंशन योजना के तहत पात्र लाभार्थियों को देय राशि 500 रुपए प्रति माह से बढ़ाकर 1,000 रुपए प्रति माह करने की घोषणा की गई।
  - वर्ष 2023-2024 की तीसरी तिमाही तक कुल 31,28,000 निराश्रित महिलाओं को इस योजना से लाभ हुआ है।
- महिला किसान सशक्तीकरण परियोजना का लक्ष्य वित्तीय वर्ष 2024-2025 में 200 उत्पादक समूहों का गठन करके तकनीकी सहायता प्रदान करना है।
- वर्ष 2023-2024 के लिये राज्य का बजट 6.90 लाख करोड़ रुपए था जिसमें नई योजनाओं के लिये 32,721 करोड़ रुपए का आवंटन शामिल था।

अनुच्छेद 112

- भारतीय संविधान के अनुच्छेद 112 के अनुसार, एक वर्ष के केंद्रीय बजट को वार्षिक वित्तीय विवरण (AFS) कहा जाता है।
- यह एक वित्तीय वर्ष में सरकार की अनुमानित प्राप्तियों और व्यय का विवरण है (जो चालू वर्ष के 1 अप्रैल को शुरू होता है तथा अगले वर्ष के 31 मार्च को समाप्त होता है)।

निराश्रित महिला पेंशन योजना

- यह एक राज्य योजना है जिसके तहत 18 वर्ष या उससे अधिक उम्र की निराश्रित या परित्यक्त महिलाओं और विधवाओं को योजना के नियमों में निर्धारित पात्रता मानदंडों के अनुसार पेंशन दी जाती है।
- योजना का उद्देश्य उन महिलाओं को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करना है जो अपने संसाधनों से अपना भरण-पोषण करने में असमर्थ हैं और उन्हें वित्तीय सहायता की आवश्यकता है।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

उत्तर प्रदेश बजट: नोएडा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के लिये 1,150 करोड़ रुपय आवंटित

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश सरकार ने वर्ष 2024-25 के बजट में गौतमबुद्ध नगर में आगामी नोएडा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के लिए 1,150 करोड़ रुपए आवंटित किये हैं।

मुख्य बिंदु:

- यह घोषणा यूपी के वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने राज्य विधानसभा में वित्तीय वर्ष का बजट पेश करते हुए की।
- नोएडा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के पहले चरण का विकास कार्य चल रहा है, जिसे वर्ष 2024 के अंत तक वाणिज्यिक संचालन के लिये खोलने की योजना है।
- राज्य में हवाई कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिये केंद्र की क्षेत्रीय कनेक्टिविटी योजना (RCS-UDAN) और राज्य सरकार की नागरिक उड्डयन प्रोत्साहन नीति के तहत पहल की जा रही है।
- हवाई कनेक्टिविटी के लिये अलीगढ़, आज़मगढ़, मोरादाबाद, श्रावस्ती और चित्रकूट जैसे चुनिंदा हवाई अड्डों का विकास किया गया है। म्योरपुर (सोनभद्र) एवं सरसावा (सहारनपुर) हवाई अड्डों का विकास कार्य प्रगति पर है।
  - अयोध्या में महर्षि वाल्मिकी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के विस्तार के लिये 150 करोड़ रुपए का प्रस्ताव किया गया है।
  - हवाई पट्टियों के निर्माण, विस्तार और सुदृढ़ीकरण के साथ-साथ भूमि अधिग्रहण के लिये 1,100 करोड़ रुपए का प्रस्ताव किया गया है।

उड़े देश का आम नागरिक (उड़ान- UDAN)

- इसे वर्ष 2016 में नागरिक उड्डयन मंत्रालय के तहत एक क्षेत्रीय कनेक्टिविटी योजना (RCS) के रूप में लॉन्च किया गया था।
- इसे राष्ट्रीय नागरिक उड्डयन नीति (NCAP)-2016 की समीक्षा के आधार पर तैयार किया गया और यह योजना 10 वर्ष की अवधि के लिये लागू की गई थी।
- योजना के तहत व्यवहार्यता अंतर वित्तपोषण आवश्यकताओं को पूरा करने हेतु क्षेत्रीय कनेक्टिविटी अनुदान (Regional Connectivity Fund- RCF) की व्यवस्था की गई थी।
  - VGF का अर्थ बुनियादी ढाँचा परियोजनाओं का समर्थन करने के लिये प्रदान किया जाने वाला एकमुश्त या स्थगित अनुदान है जो आर्थिक रूप से उचित है लेकिन वित्तीय व्यवहार्यता से कम है।

लखनऊ को 1500 एकड़ की एयरोसिटी मिलेगी

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश के वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने घोषणा की कि लखनऊ अपनी एयरोसिटी पाने के लिये पूरी तरह तैयार है। हैदराबाद और दिल्ली के एयरोसिटीज की तरह, यह उन कॉर्पोरेट नेताओं के लिये पसंद का नया गंतव्य होगा, जिनका राज्य भर में कहीं भी व्यवसाय है।

मुख्य बिंदु:

- लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेस-वे, जो एयरोसिटी के करीब स्थित है, का भी चौड़ीकरण हो रहा है और 104 किलोमीटर लंबी आउटर रिंग रोड भी एयरोसिटी के प्रस्तावित स्थान के करीब है।
  - 'एयरोसिटी' नाम इस तथ्य पर आधारित है कि वे सामान्यत: हवाई अड्डों के करीब स्थित होते हैं।
- यह बताया गया है कि हिंदुजा समूह अपना इलेक्ट्रिक वाहन (EV) प्लांट उस स्थान पर स्थापित करने के लिये पूरी तरह तैयार है, जहाँ पहले सरोजिनी नगर में स्कूटर इंडिया प्लांट मौजूद था।
- उत्तर प्रदेश में ग्रेटर नोएडा के जेवर में बनने वाले नोएडा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे में 172 एकड़ में फैली एक एयरोसिटी भी होगी।

यूपी में 21 हवाई अड्डे होंगे

चर्चा में क्यों?

विमानन क्षेत्र की तीव्र गति पर ज़ोर देते हुए, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने बताया कि यह राज्य 21 हवाई अड्डों वाला भारत का पहला राज्य बनने के लिये तैयार है।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- यूपी सरकार ने बजट 2024-25 के तहत जेवर में आगामी नोएडा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के लिये 1,150 करोड़ रुपए आवंटित किये हैं।

मुख्य बिंदु:

- राज्य में पिछले 9 वर्षों में विमानन बुनियादी ढाँचे का तेज़ी से विकास हुआ है।
  - वर्ष 2014 में यूपी में केवल 6 हवाई अड्डे थे और अब राज्य में 10 हवाई अड्डे हैं जिनमें अयोध्या में नव उद्घाटन महर्षि वाल्मिकी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा भी शामिल है।
- मार्च 2024 तक, यूपी में 5 और हवाई अड्डे होंगे, जिनमें आज़मगढ़, अलीगढ़, मोरादाबाद, श्रावस्ती तथा चित्रकूट में एक-एक हवाई अड्डा होगा।

नोट:
नोएडा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा 2024 के अंत तक वाणिज्यिक परिचालन के लिये खुलने वाला है, जिससे उत्तर प्रदेश भारत का एकमात्र राज्य बन जाएगा जहाँ पाँच अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे हैं (अन्य चार महर्षि वाल्मिकी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा, अयोध्या, कुशीनगर अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा, कुशीनगर, चौधरी चरण सिंह अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा, लखनऊ और लाल बहादुर शास्त्री अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा, वाराणसी हैं।

यूपी में पंचायतों की राजस्व प्राप्तियाँ सबसे ज़्यादा

चर्चा में क्यों?

वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिये भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) द्वारा हाल ही में जारी 'पंचायती राज संस्थानों का वित्त' शीर्षक से रिपोर्ट भारत में पंचायती राज संस्थानों (PRI) की वित्तीय गतिशीलता पर प्रकाश डालती है।

मुख्य बिंदु:

- राज्य राजस्व हिस्सेदारी और अंतर-राज्य असमानताएँ:
  - अपने-अपने राज्य के राजस्व में पंचायतों की हिस्सेदारी न्यूनतम बनी हुई है।
    - उदाहरण के लिये, आंध्र प्रदेश में, पंचायतों की राजस्व प्राप्तियाँ राज्य के स्वयं के राजस्व का केवल 0.1% है, जबकि उत्तर प्रदेश में यह 2.5% है, जो राज्यों में सबसे अधिक है।
  - प्रति पंचायत अर्जित औसत राजस्व को लेकर राज्यों में व्यापक भिन्नताएँ हैं।
    - केरल और पश्चिम बंगाल क्रमश: 60 लाख रुपए और 57 लाख रुपए प्रति पंचायत के औसत राजस्व के साथ सबसे आगे हैं।
    - असम, बिहार, कर्नाटक, ओडिशा, सिक्किम और तमिलनाडु में प्रति पंचायत राजस्व 30 लाख रुपए से अधिक था।
    - आंध्र प्रदेश, हरियाणा, मिज़ोरम, पंजाब और उत्तराखंड जैसे राज्यों का औसत राजस्व 6 लाख रुपए प्रति पंचायत से काफी कम है।
- **RBI की सिफारिशें:**
  - RBI अधिक विकेंद्रीकरण को बढ़ावा देने और स्थानीय नेताओं तथा अधिकारियों को सशक्त बनाने का सुझाव देता है। यह पंचायती राज की वित्तीय स्वायत्तता और स्थिरता को बढ़ाने के उपायों का समर्थन करता है।

पंचायती राज संस्थान

- 73वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1992 ने पंचायती राज संस्थाओं (PRI) को संवैधानिक दर्जा प्रदान किया और एक समान संरचना (PRI के तीन स्तर), चुनाव, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं महिलाओं के लिये सीटों का आरक्षण तथा PRI को निधि, कार्यों व पदाधिकारियों का हस्तांतरण किया।
  - पंचायतें तीन स्तरों पर कार्य करती हैं: ग्राम सभा (गाँव या छोटे गाँवों का समूह), पंचायत समितियाँ (ब्लॉक परिषद) और ज़िला परिषद (ज़िला)।
- पंचायती राज मंत्रालय, पंचायती राज और पंचायती राज संस्थाओं से संबंधित सभी मामलों को देखता है। इसे मई 2004 में बनाया गया था।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- यूपी में पंचायतों की संख्या: 59, 062
- यूपी में ब्लॉकों की संख्या: 826
- यूपी में ज़िलों की संख्या: 75

यूपी के प्रमुख शहरों का सोलर हब में परिवर्तन

चर्चा में क्यों?

हाल ही में उत्तर प्रदेश सरकार ने अयोध्या और वाराणसी के साथ-साथ राज्य के 17 प्रमुख शहरों को सौर शहरों के रूप में विकसित करने की योजना का अनावरण किया है।

मुख्य बिंदु:

- उत्तर प्रदेश सरकार अयोध्या को राज्य की पहली सोलर सिटी के रूप में स्थापित करने का प्रयास कर रही है।
  - वाराणसी में बड़े पैमाने पर सौर संयंत्र के उद्घाटन की तैयारी चल रही है, जिससे सौर ऊर्जा क्षेत्र में उत्तर प्रदेश की अग्रणी स्थिति और मज़बूत होगी।
- अयोध्या में पहले से ही उल्लेखनीय 14 मेगावाट सौर ऊर्जा का उत्पादन किया जा रहा है, जबकि अतिरिक्त 40 मेगावाट क्षमता पहले ही स्थापित की जा चुकी है और उत्पादन जल्द ही शुरू होने वाला है।
- अयोध्या में सोलर सिटी परियोजना में 2,500 से अधिक सौर-संचालित स्ट्रीट लाइटों की स्थापना शामिल है, जो स्थिरता के प्रति शहर की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है।
  - उत्तर प्रदेश के CM ने अयोध्या में सोलर बोट का उद्घाटन किया।
- अयोध्या में सौर ऊर्जा से चलने वाली सुविधाएँ जैसे एटीएम और इसके 40 चौराहों पर लगे सोलर ट्री भी हैं, जो शहर के नवीकरणीय ऊर्जा समाधानों को अपनाने का प्रतीक हैं।
- अब केंद्र वाराणसी है, जहाँ सरकारी भवनों में छत पर सौर संयंत्र स्थापित करने की योजना है।
  - वाराणसी में 25,000 छतों पर सौर संयंत्रों की स्थापना होने की उम्मीद है, जो इसे सौर नवाचार के प्रतीक के रूप में स्थापित करेगा।

उत्तर प्रदेश में 10 लाख करोड़ रुपए की परियोजनाएँ

चर्चा में क्यों?

ग्राउंडब्रेकिंग सेरेमनी (GBC) 4.0 में, उत्तर प्रदेश सरकार 14,000 परियोजनाओं को शामिल करने वाले 10 लाख करोड़ रुपए के समझौता ज्ञापन (MoU) की घोषणा करने के लिये तैयार है, जिससे 33.50 लाख रोज़गार के अवसर उत्पन्न होने की उम्मीद है।

मुख्य बिंदु:

- GBC 4.0 के लिये अनुमानित निवेश रोलआउट पिछले तीन ग्राउंडब्रेकिंग समारोहों में लागू किये गए 2.10 लाख करोड़ रुपए से अधिक के संचयी निवेश से पाँच गुना अधिक है।
  - इनमें से 52% से अधिक परियोजनाएँ पश्चिमी उत्तर प्रदेश में शुरू की जाएंगी, जिसे पश्चिमांचल क्षेत्र के रूप में भी जाना जाता है।
  - पूर्वांचल क्षेत्र में लगभग 29% MoU को लागू किया जाएगा, जिसमें राज्य के पूर्वी हिस्से शामिल हैं।
  - मध्यांचल में 14% और बुन्देलखण्ड में 5 % MoU लागू होंगे।
- इन MoU पर फरवरी 2023 में लखनऊ में आयोजित उत्तर प्रदेश ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2023 में हस्ताक्षर किये गये थे।
- प्रतिष्ठित उद्योगपतियों, 500 कंपनियों के प्रतिनिधियों, विदेशी निवेशकों, राजदूतों, उच्चायुक्तों और अन्य विशिष्ट अतिथियों सहित लगभग 3000 लोग ग्राउंडब्रेकिंग समारोह 4.0 में भाग लेंगे।

पिछला ग्राउंडब्रेकिंग समारोह

- राज्य में तीन ग्राउंडब्रेकिंग समारोह पहले ही हो चुके हैं, जिससे 2.10 लाख करोड़ रुपए से अधिक का निवेश आया है।
- पहला यूपी इन्वेस्टर्स समिट फरवरी 2018 में आयोजित किया गया था जिसमें 4.28 लाख करोड़ रुपए के 1045 MoU पर हस्ताक्षर किये गए थे।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- पहला ग्राउंडब्रेकिंग समारोह जुलाई 2018 में हुआ, उसके बाद दूसरा जुलाई 2019 में हुआ, जिसके परिणामस्वरूप क्रमश: 61,792 करोड़ रुपए के निवेश के साथ 81 परियोजनाएँ और 67,202 करोड़ रुपए के निवेश के साथ लगभग 290 परियोजनाएँ सफलतापुर्वक लॉन्च हुईं।

उत्तर प्रदेश ने एस्केलेटर विधेयक और लोकायुक्त संशोधन विधेयक, 2024 पारित किया

चर्चा में क्यों?

हाल ही में उत्तर प्रदेश विधानसभा ने उत्तर प्रदेश लिफ्ट और एस्केलेटर विधेयक, 2024 तथा उत्तर प्रदेश लोकायुक्त एवं उप-लोकायुक्त (संशोधन) विधेयक, 2024 पारित किया।

मुख्य बिंदु:

- विधेयक के कानून बनने के बाद ऊर्जा विभाग की मंज़ूरी के बिना लिफ्ट और एस्केलेटर नहीं लगाए जा सकेंगे।
  - मरम्मत न कराने और मानकों की अनदेखी करने पर मालिक या संबंधित संस्था पर जुर्माना लगाया जाएगा।
  - विधेयक में प्रावधान किया गया है कि सार्वजनिक स्थानों पर लिफ्ट और एस्केलेटर लगाने के लिये पंजीकरण अनिवार्य होगा।
  - इनका प्रत्येक पाँच वर्ष में नवीनीकरण कराना होगा, सालाना परीक्षण कराना होगा और इसके लिये 1500 रुपए शुल्क जमा करना होगा।
- उत्तर प्रदेश लोकायुक्त और उप-लोकायुक्त (संशोधन) विधेयक, 2024 के तहत लोकायुक्त एवं उप-लोकायुक्त का कार्यकाल आठ वर्ष से घटाकर पाँच वर्ष कर दिया गया और अधिकतम आयु 70 वर्ष कर दी गई है।
- महाराष्ट्र, गुजरात, पश्चिम बंगाल और हरियाणा जैसे राज्यों में लिफ्ट लगाने के लिये अपने कानून हैं लेकिन उत्तर प्रदेश में इसके लिये ऐसा कोई प्रावधान नहीं था।
  - इसके लागू होने से न सिर्फ दुर्घटनाओं पर अंकुश लगेगा बल्कि व्यवस्था भी मज़बूत होगी।

लोकायुक्त

- लोकायुक्त भारतीय संसदीय लोकपाल है, जिसे भारत की प्रत्येक राज्य सरकारों के माध्यम से और उसके लिये निष्पादित किया जाता है।
- यह एक भ्रष्टाचार विरोधी व्यवस्था है। किसी राज्य में लोकायुक्त व्यवस्था का उद्देश्य लोक सेवकों के विरुद्ध शिकायतों, आरोपों की जाँच करना है।

उत्तर प्रदेश में निवेश में उल्लेखनीय वृद्धि का अनुभव

चर्चा में क्यों?

भारत के प्रधानमंत्री 19 से 21 फरवरी, 2024 तक लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान (IGP) में आयोजित होने वाले ग्राउंडब्रेकिंग समारोह में 10.11 लाख करोड़ रुपए के निवेश को धरातल पर लाने के लिये "भूमि पूजन" करेंगे।

मुख्य बिंदु:

- इन परियोजनाओं में गैर-नवीकरणीय ऊर्जा, सूचना प्रौद्योगिकी, ऑटोमोबाइल और फिल्म सिटी जैसे विभिन्न क्षेत्रों में 14,000 से अधिक इकाइयाँ शामिल हैं।
- यह 29 जुलाई, 2018 को लखनऊ में आयोजित पहले ग्राउंडब्रेकिंग समारोह में 60,000 करोड़ रुपए से अब 10.11 लाख करोड़ रुपए तक एक बड़ा निवेश होने जा रहा है।
- राज्य सरकार ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) पर एक प्रदर्शनी भी तैयार की है, जिसमें स्विट्ज़रलैंड के ईटीएच ज्यूरिख विश्वविद्यालय की एक टीम शामिल है।
- फिल्म सिटी परियोजना, जो 1,500 करोड़ रुपए के निवेश के साथ 230 एकड़ से अधिक भूमि में स्थापित की जाएगी, राज्य में सबसे आकर्षक निवेशों में से एक है।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

UPDIC रक्षा उत्पादन में भारत को 'आत्मनिर्भर' बनाना

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश रक्षा औद्योगिक गलियारा (UPDIC) 24,510.60 करोड़ रुपए के निवेश को आकर्षित कर रहा है और इसका लक्ष्य 41,667 रोज़गार के अवसर उत्पन्न करना है।

मुख्य बिंदु:

- ब्रह्मोस एयरोस्पेस, टाटा टेक्नोलॉजीज़ और अदानी डिफेंस सिस्टम्स जैसी प्रमुख कंपनियों ने कॉरिडोर में निवेश का प्रस्ताव दिया है।
- UPDIC महत्त्वपूर्ण प्रगति करते हुए, बड़े निवेश को आकर्षित कर रहा है और रक्षा व एयरोस्पेस क्षेत्र में भारत को 'आत्मनिर्भर' बनाने के लिये प्रतिबद्धता प्रदर्शित कर रहा है।
- 3585.85 करोड़ रुपए की 34 निवेश परियोजनाएँ आगामी ग्राउंडब्रेकिंग समारोह में शामिल होने के लिये तैयार हैं।
  - ये परियोजनाएँ रक्षा औद्योगिक गलियारे के अलीगढ़, झाँसी, कानपुर और लखनऊ नोड्स में फैली हुई हैं तथा 8,530 से अधिक रोज़गार के अवसर उत्पन्न करेंगी।
- यूपी सरकार निवेशकों के लिये अनुकूल माहौल बनाते हुए सभी नोड्स में बुनियादी ढाँचे के विकास में निवेश कर रही है।
  - आईआईटी कानपुर और आईआईटी (BHU) वाराणसी को अनुसंधान करने तथा महत्त्वपूर्ण अनुसंधान एवं विकास अंतराल को भरने के लिये उत्कृष्टता केंद्र के रूप में नामित किया गया है।
- UPDIC राज्य को रक्षा और एयरोस्पेस विनिर्माण के एक प्रमुख केंद्र में बदल रहा है, जो भारत की आत्मनिर्भरता तथा आर्थिक विकास में योगदान दे रहा है।
  - इसने अनुकूलित ऋण प्रस्तुत करने और रक्षा एवं एयरोस्पेस क्षेत्र में MSME व स्टार्ट-अप की विशिष्ट ज़रूरतों को पूरा करने के लिये वित्तीय संस्थानों के साथ सहयोग किया है।

उत्तर प्रदेश रक्षा औद्योगिक गलियारा (UPDIC)

- यह एक महत्त्वाकांक्षी परियोजना है जिसका उद्देश्य भारतीय एयरोस्पेस और रक्षा क्षेत्र पर विदेशी निर्भरता को कम करना है। इसका उद्घाटन वर्ष 2018 में हुआ था।
- उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (UPEIDA) को विभिन्न अन्य राज्य एजेंसियों के साथ मिलकर इस परियोजना को निष्पादित करने के लिये नोडल एजेंसी बनाया गया था।

उत्तर प्रदेश का मेगा निवेश अभियान

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश सरकार लखनऊ में ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी (GBC@IV) के चौथे संस्करण की मेज़बानी करने वाली है, जिसका उद्देश्य 10 लाख करोड़ रुपए के निवेश प्रस्तावों को लागू करना है।

मुख्य बिंदु:

- उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण (UPSIDA) इस समारोह में 1.5 लाख करोड़ रुपए की राशि के 15% प्रस्तावों को शुरू करने हेतु तैयार है।
- **इन मेगा परियोजनाओं में शामिल हैं:**
  - चंदौली में एकीकृत टाउनशिप: 333 एकड़ को कवर करने वाली 7,000 करोड़ रुपए की एकीकृत टाउनशिप का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी GBC@IV के दौरान करेंगे।
  - चंदौली में वर्ल्ड ट्रेड सेंटर विकास: वर्ल्ड ट्रेड सेंटर नोएडा डेवलपमेंट कंपनी द्वारा एकीकृत टाउनशिप और मॉल के विकास से चंदौली में 12,000 अतिरिक्त रोज़गार के अवसर उत्पन्न होंगे।
  - विनिर्माण उद्यम: भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स, एपेक्स वेलफेयर ट्रस्ट और अनीता डिस्टिलरी की परियोजनाएँ सामूहिक रूप से औद्योगिक सामान उत्पादन, स्वास्थ्य सेवा तथा जैव ईंधन उत्पादन जैसे क्षेत्रों में हज़ारों लोगों के लिये रोज़गार के अवसर उत्पन्न करेंगी।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- इन परियोजनाओं के कार्यान्वयन से चंदौली, ललितपुर, बस्ती, एटा, बुलंदशहर, अमेठी, मोरादाबाद और झाँसी सहित कई ज़िलों में आर्थिक वृद्धि तथा विकास को गति मिलने की उम्मीद है।
- नियोजित निवेश 45 ज़िलों में 3,500 से अधिक इकाइयाँ बनाने के लिये तैयार है, जो रोज़गार सृजन और आर्थिक सशक्तीकरण में महत्त्वपूर्ण योगदान देगा।
- निवेश के इस विशाल प्रवाह से उत्तर प्रदेश की आर्थिक शक्ति को बढ़ावा मिलने और भारत के समग्र सकल घरेलू उत्पाद (GDP) की वृद्धि में योगदान मिलने की उम्मीद है।

पिछला ग्राउंडब्रेकिंग समारोह

- राज्य में तीन अभूतपूर्व समारोह पहले ही हो चुके हैं, जिससे ₹2.10 लाख करोड़ से अधिक का निवेश आया है।
- पहला यूपी इन्वेस्टर्स समिट फरवरी 2018 में आयोजित किया गया था जिसमें 4.28 लाख करोड़ रुपए के 1045 MOU पर हस्ताक्षर किये गए थे।
- पहला ग्राउंडब्रेकिंग समारोह जुलाई 2018 में हुआ, उसके बाद दूसरा जुलाई 2019 में हुआ, जिसके परिणामस्वरूप क्रमश: ₹61,792 करोड़ के निवेश के साथ 81 परियोजनाएँ और ₹67,202 करोड़ के निवेश के साथ लगभग 290 परियोजनाएँ सफल लॉन्च हुईं।

हरित उद्योग आधार

चर्चा में क्यों?

राज्य सरकार 19 फरवरी, 2024 को होने वाले ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी में उत्तर प्रदेश को 'हरित उद्योग आधार' वाले राज्य के रूप में स्थापित करेगी।

मुख्य बिंदु:

- उद्योग विभाग नए खिलाड़ियों को आकर्षित करने के लिये अपने सौर, जैव ईंधन, पंप स्टोरेज और EV बैटरी पारिस्थितिकी तंत्र को प्रोजेक्ट करेगा।
  - अधिकारियों के मुताबिक, यूपी की सौर ऊर्जा उत्पादन क्षमता 22.38 गीगावाट (GW) थी जो कई राज्यों की तुलना में काफी अधिक है।
  - राज्य एक ग्रीन एनर्जी कॉरिडोर लेकर आ रहा है जिसमें सौर ऊर्जा के उपयोग के लिये लगभग 1,54,000 हेक्टेयर भूमि बैंक है। सरकार ने 3,600 मेगावाट की क्षमता वाले छह सौर पार्कों को स्वीकृति दी है।
- भारत में कुल ईवी का 25% यूपी में उपयोग किया जाता है। राज्य ने पहले ही 450 से अधिक सक्रिय चार्जिंग स्टेशनों का एक नेटवर्क विकसित कर लिया है, जबकि अन्य 100 से अधिक पाइपलाइन में हैं और एक्सप्रेस-वे, सार्वजनिक स्थानों एवं इमारतों के किनारे पहले से ही पहचाने गए स्थान हैं।
  - सात माल ढुलाई स्मार्ट शहरों के लिये ईवी योजना की कवायद चल रही है।
- यूपी ने सोनभद्र, मिर्ज़ापुर और चंदौली में 13,250 मेगावाट की संचयी क्षमता वाली आठ परियोजनाओं को स्वीकृति दे दी है।
- यह ध्यान में रखते हुए कि यूपी अकेले राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन के तहत लक्ष्य का 1/5 हिस्सा उपभोग कर सकता है, राज्य संपीड़ित बायोगैस संयंत्र, बायोडीज़ल/इथेनॉल उत्पादन संयंत्र स्थापित करने के लिये एकल खिड़की अनुमोदन लेकर आया है।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन (National Green Hydrogen Mission-NGHM)

नोडल मंत्रालय

- [illegible]

उद्देश्य

- [illegible]
- [illegible]
- GH2 और इसके व्युत्पन्नों के लिये निर्यात के अवसर सृजित करना

NGHM के घटक

- ग्रीन हाइड्रोजन दायित्व प्रोग्राम के लिये रणनीतिक क्रियाकलाप (SHGIP)
- रणनीतिक हाइड्रोजन पायलट परियोजना (SHIP) (अनुसंधान एवं विकास के लिये प्रतिस्पर्द्धात्मक-आधारित परियोजना)

CO2 उत्सर्जन में वैश्विक स्तर पर हाइड्रोजन [illegible] है। भारत में वार्षिक स्तर लगभग 330 MT/टन है। राष्ट्रीय हाइड्रोजन उत्पन्न मिशन का लक्ष्य इसे 100 टन/वर्ष से नीचे लाना है।

वर्ष 2030 तक अपेक्षित परिणाम

- प्रति वर्ष कम से कम 5 MMT (मिलियन मीट्रिक टन) ग्रीन हाइड्रोजन (GH2) का उत्पादन
- पैमाने के लाभ के साथ 1 लाख करोड़ रुपए से अधिक का निवेश
- लगभग 6 लाख रोज़गार
- संचयी CO2 उत्सर्जन में लगभग 50 MMT की कमी
- 8 राज्य पोर्ट से अधिक का पूल लाभ

हाइड्रोजन तथा हरित हाइड्रोजन

- हाइड्रोजन पहली में सबसे प्रचुर मात्रा में पाया जाने वाला तत्त्व है लेकिन यह अन्य तत्त्वों के साथ संयोजन में ही पाया जाता है। इसे व्यावसायिक रूप से पाए जाने वाले यौगिकों (जैसे जल) से अलग किया जाता है।
- अल्कलाइन इलेक्ट्रोलाइज़र (AE) इन संयंत्रों में विद्युत अपघटनी-इलेक्ट्रोलाइट का उपयोग करके इलेक्ट्रोलिसिस/विद्युत अपघटन द्वारा विद्युत ऊर्जा से जल से विभाजित हुए ग्रीन हाइड्रोजन (GH2) पैदा करते हैं।

Prepare with DrishtiIAS

राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!

हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!

राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!

निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

प्रधानमंत्री कल्कि धाम मंदिर की नींव रखेंगे

चर्चा में क्यों?

प्रधानमंत्री संभल ज़िले में श्री कल्कि धाम मंदिर का शिलान्यास करेंगे।

मुख्य बिंदु:

- मंदिर का निर्माण श्री कल्कि धाम निर्माण ट्रस्ट द्वारा किया जा रहा है।
- उद्घाटन कार्यक्रम में कई संत, धार्मिक नेता और अन्य गणमान्य व्यक्ति शामिल होंगे।
- उत्तर प्रदेश ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2023 (UPGIS 2023) के दौरान प्राप्त निवेश प्रस्तावों के चौथे ग्राउंडब्रेकिंग समारोह में प्रधानमंत्री पूरे उत्तर प्रदेश में 10 लाख करोड़ रुपए से अधिक की 14,000 परियोजनाओं का भी शुभारंभ करेंगे।
  - ये परियोजनाएँ विनिर्माण, नवीकरणीय ऊर्जा, सूचना प्रौद्योगिकी और इससे संबंधित सेवाओं, खाद्य प्रसंस्करण, आवास तथा रियल एस्टेट, आतिथ्य एवं मनोरंजन, शिक्षा जैसे क्षेत्रों से संबंधित हैं।

पश्चिमी विक्षोभ से उत्तर प्रदेश में बारिश की संभावना

चर्चा में क्यों?

भारती मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, आने वाले दिनों में दिल्ली, पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश, तूफान तथा ओलावृष्टि साथ ही पश्चिमी हिमालय क्षेत्र में तीव्र बर्फबारी होने की संभावना है।

मुख्य बिंदु:

- सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ से उत्तर-पश्चिम भारत के कई क्षेत्रों में अलग-अलग मौसम की स्थिति देखी जाने की उम्मीद है।
- पश्चिमी विक्षोभ के कारण सामान्य मौसम प्रारूप में महत्त्वपूर्ण बदलाव होने की उम्मीद है तथा समुदायों को इन परिवर्तनों के लिये तैयार रहने की सलाह दी जाती है।
  - अधिकारियों से सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिये किसी भी आवश्यक उपाय हेतु तैयार रहने का आग्रह किया गया है।

पश्चिमी विक्षोभ:

- पश्चिमी विक्षोभ चक्रवाती तूफानों की एक शृंखला है जो भूमध्यसागरीय क्षेत्र में उत्पन्न होते हैं, ये 9,000 किमी. से अधिक की दूरी तय करके भारत में पहुँचते हैं। यह उत्तर-पश्चिम भारत में शीत ऋतु में वर्षा के लिये उत्तरदायी है।
  - पश्चिमी विक्षोभ भूमध्य सागर, काला सागर और कैस्पियन सागर से आर्द्रता एकत्र करता है तथा पश्चिमी हिमालय पर्वत से टकराने से पहले ईरान एवं अफगानिस्तान के ऊपर से गुज़रता है।
- जबकि तूफान प्रणाली पूरे वर्ष में मौजूद होती है, वे मुख्य रूप से दिसंबर और अप्रैल के बीच भारत को प्रभावित करते हैं क्योंकि उपोष्णकटिबंधीय पछुआ जेट स्ट्रीम का प्रक्षेपवक्र शीत ऋतु के महीनों के दौरान हिमालय क्षेत्र में स्थानांतरित हो जाता है।
  - जेट स्ट्रीम हिमालय के ऊपर से पूरे वर्ष तिब्बत के पठार और चीन की ओर प्रवाहित होती है। इसका प्रक्षेपवक्र सूर्य की स्थिति से प्रभावित होता है।
- **भारत के लिये महत्त्व:**
  - पश्चिमी विक्षोभ हिमपात का प्राथमिक स्रोत है जो शीत ऋतु के दौरान हिमालय के ग्लेशियरों में वृद्धि करता है।
    - ये ग्लेशियर गंगा, सिंधु और यमुना जैसी प्रमुख हिमालयी नदियों के साथ-साथ असंख्य पर्वतीय झरनों और नदियों का पोषण करते हैं।
  - ये कम दबाव वाली तूफान प्रणालियाँ भारत में किसानों को रबी फसल उगाने में मदद करती हैं।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- **समस्याएँ:**
  - पश्चिमी विक्षोभ हमेशा अच्छे मौसम के अग्रदूत नहीं होते हैं। कभी-कभी पश्चिमी विक्षोभ बाढ़, फ्लैश फ्लड, भूस्खलन, धूल भरी आँधी, ओलावृष्टि और शीतलहर जैसी चरम मौसम की घटनाओं का कारण बन सकते हैं, बुनियादी ढाँचे को नष्ट कर सकते हैं, साथ ही जीवन तथा आजीविका को प्रभावित कर सकते हैं।

भारत मौसम विज्ञान विभाग

- IMD की स्थापना वर्ष 1875 में हुई थी। यह देश की राष्ट्रीय मौसम विज्ञान सेवा है और मौसम विज्ञान एवं संबद्ध विषयों से संबंधित सभी मामलों में प्रमुख सरकारी एजेंसी है।
- यह भारत सरकार के पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय की एक एजेंसी के रूप में कार्य करती है।
- इसका मुख्यालय नई दिल्ली में है।
- IMD विश्व मौसम विज्ञान संगठन के छह क्षेत्रीय विशिष्ट मौसम विज्ञान केंद्रों में से एक है।

उत्तर प्रदेश ने ESMA लागू किया

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश सरकार ने छह महीने की अवधि के लिये सभी राज्य सरकार के विभागों, निगमों और प्राधिकरणों में सरकारी कर्मचारियों द्वारा हड़ताल पर प्रतिबंध लगाते हुए आवश्यक सेवा अनुरक्षण अधिनियम (ESMA), 1968 लागू किया।

- यह निर्णय विभिन्न यूनियन संगठनों द्वारा आहूत किसानों की हड़ताल के दौरान आया।

मुख्य बिंदु:

- उत्तर प्रदेश आवश्यक सेवा अनुरक्षण अधिनियम, 1966 (यूपी अधिनियम संख्या 30, 1966) की धारा-3 की उपधारा (1) के तहत, राज्य सरकार ने छह महीने की अवधि के लिये हड़ताल पर रोक लगा दी है।
- अधिनियम पुलिस को प्रावधानों का उल्लंघन करने वाले कर्मचारियों को बिना वारंट के गिरफ्तार करने की शक्ति देता है और एक वर्ष तक की कैद या गैरकानूनी हड़ताल के लिये उकसाने वाले व्यक्ति को ₹1,000 तक का जुर्माना या दोनों का जुर्माना लगा सकता है।
- इस अधिनियम के तहत पुलिस को उन कर्मचारियों को गिरफ्तार करने का अधिकार दिया गया है, जो बिना वारंट के प्रावधानों का उल्लंघन कर रहे हैं और एक अवधि के लिये कारावास की सज़ा दे सकते हैं, जो एक वर्ष तक हो सकता है या एक जुर्माना जो 1,000 रुपए तक बढ़ा सकता है या दोनों किसी भी व्यक्ति को जो अधिनियम के तहत अवैध था।
- अतीत में, यूपी सरकार ने कोविड-19 महामारी के के दौरान और फिर मई 2021 में छह महीने के लिये हड़ताल पर प्रतिबंध लगा दिया था।

आवश्यक सेवा अनुरक्षण अधिनियम, 1968

- इसे वर्ष 1968 में कुछ सेवाओं की डिलीवरी सुनिश्चित करने के लिये अधिनियमित किया गया था, जिनके बाधित होने पर लोगों का सामान्य जीवन प्रभावित होगा।
- यह भारत के संविधान की 7वीं अनुसूची की समवर्ती सूची में सूची संख्या 33 के तहत भारत की संसद द्वारा बनाया गया एक कानून है।
- इस श्रेणी के अंतर्गत आने वाली सेवाएँ हैं:
  - सार्वजनिक संरक्षण, स्वच्छता, जल आपूर्ति, अस्पताल या राष्ट्रीय रक्षा से संबंधित सेवाएँ आवश्यक हैं।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- पेट्रोलियम, कोयला, विद्युत, इस्पात या उर्वरक के उत्पादन या वितरण में शामिल किसी भी प्रतिष्ठान को भी आवश्यक सेवाएँ प्रदान करने के रूप में वर्गीकृत किया जाता है। इसके अलावा, बैंकिंग से संबंधित कोई भी सेवा ESMA के अधीन हो सकती है।
- यह कानून संचार और परिवहन सेवाओं तथा खाद्यान्न के अधिग्रहण एवं वितरण से संबंधित किसी भी सरकारी पहल पर भी लागू होता है।

यूपी को वर्ष 2000-17 की तुलना में 2019-23 में चार गुना अधिक FDI प्राप्त हुआ

चर्चा में क्यों?

हाल ही में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने 'यूपी: भारत में विदेशी निवेश के लिये एक उभरता हुआ गंतव्य' सम्मेलन का उद्घाटन किया।

मुख्य बिंदु:

- सम्मेलन के दौरान सीएम ने बताया कि वर्ष 2000-2017 की तुलना में वर्ष 2019-23 में यूपी को चार गुना ज़्यादा प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (FDI) मिला।
  - आधिकारिक बयान के मुताबिक, राज्य सरकार प्रधानमंत्री द्वारा यूपी के लिये निर्धारित लक्ष्यों को समयबद्ध तरीके से पूरा करेगी।
  - पिछले 6-7 वर्षों में राज्य की छवि बदली है। सात वर्ष पहले यूपी देश का बीमारू (BIMARU) राज्य हुआ करता था।
- सीएम के मुताबिक बढ़ा हुआ निवेश बेहतर कानून व्यवस्था का नतीजा है।

बीमारू (BIMARU)

- यह बिहार, मध्य प्रदेश, राजस्थान और उत्तर प्रदेश का संक्षिप्त रूप है, जो उन राज्यों का समूह है जो ऐतिहासिक रूप से आर्थिक तथा सामाजिक संकेतकों में पिछड़े हुए हैं।
- इन राज्यों की विशेषता उच्च स्तर की गरीबी, कम साक्षरता दर और खराब बुनियादी ढाँचा है।
- ऐसे कई कारक हैं जिन्होंने इसमें योगदान दिया है, जिनमें शामिल हैं:
  - निवेश की कमी: इन राज्यों को ऐतिहासिक रूप से भारत के अन्य राज्यों की तुलना में केंद्र सरकार से कम निवेश प्राप्त हुआ है। इससे बुनियादी ढाँचे के विकास में कमी आई है, जिससे इन राज्यों में व्यवसायों का संचालन करना मुश्किल हो गया है।
  - खराब शासन: बीमारू राज्य भी खराब शासन से त्रस्त हैं। इसके परिणामस्वरूप भ्रष्टाचार, भाई-भतीजावाद और पारदर्शिता की कमी हुई है। इससे इन राज्यों में व्यवसायों के लिये कार्य करना मुश्किल हो गया है तथा निवेश भी हतोत्साहित हुआ है।
  - उच्च जनसंख्या वृद्धि: बीमारू राज्यों ने भी उच्च जनसंख्या वृद्धि दर का अनुभव किया है। इससे संसाधनों पर दबाव पड़ा है और इन राज्यों की सरकारों के लिये अपने नागरिकों को बुनियादी सेवाएँ प्रदान करना मुश्किल हो गया है।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

आगरा के जामा मस्जिद मेट्रो स्टेशन का नाम बदला गया

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश मेट्रो ने आगरा के जामा मस्जिद स्टेशन का नाम बदलकर मनकामेश्वर मंदिर कर दिया है।

Prepare with DrishtiIAS

राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!

हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!

राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!

निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

मुख्य बिंदु:

- प्राथमिकता गलियारे पर मेट्रो सेवा का उद्घाटन 25 से 28 फरवरी के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किये जाने की उम्मीद है।
- जामा मस्जिद स्टेशन, ताज महल से जामा मस्जिद तक छह स्टेशनों के प्राथमिकता गलियारे पर तीसरा और अंतिम भूमिगत मेट्रो स्टेशन था।
- पौराणिक कथाओं के अनुसार, मनकामेश्वर मंदिर की स्थापना स्वयं भगवान शिव ने द्वापर युग में की थी, जब वे भगवान कृष्ण के बाल रूप के दर्शन के लिये मथुरा आए थे। कैलाश से मथुरा जाते समय शिव इस स्थान पर रुके थे और उन्होंने प्रतिज्ञा की थी कि यदि वे कृष्ण को अपनी बाहों में पकड़ने में सक्षम होंगे तो वे एक शिवलिंग स्थापित करेंगे।

उत्तर प्रदेश में किसानों की मांगों पर विचार करने हेतु समिति का गठन

चर्चा में क्यों?

हाल ही में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने राज्य के किसानों की शिकायतों पर विचार करने के लिये तीन सदस्यीय समिति का गठन किया, जिनकी भूमि विकास उद्देश्यों के लिये नोएडा, ग्रेटर नोएडा और यमुना एक्सप्रेस-वे क्षेत्रों में अधिग्रहित की गई थी।

मुख्य बिंदु:

- नोएडा और ग्रेटर नोएडा गाँवों के किसान पिछले दो महीनों से 64.7 प्रतिशत बढ़े हुए भूमि मुआवज़े, अपने परिवारों के लिये बेहतर पुनर्वास सुविधाओं, वाणिज्यिक उद्देश्यों के लिये आवासीय भूखंडों का उपयोग करने की अनुमति, अपने बच्चों के लिये नौकरी तथा बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं।
- समिति आवश्यक कदम उठाने के लिये किसानों और अन्य हितधारकों के साथ भी चर्चा करेगी।नोएडा और ग्रेटर नोएडा के CEOs किसानों के मुद्दों को संबोधित करने में इस समिति का समर्थन करेंगे। समिति तीन महीने में राज्य सरकार को अपनी रिपोर्ट सौंपेगी।

उत्तर प्रदेश विकास परियोजनाओं के लिये CSR फंड का उपयोग करेगा

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश सरकार सामाजिक-आर्थिक विकास के लिये राज्य के कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (CSR) भंडार को बढ़ाने के लिये कॉर्पोरेट्स की ओर रुख करेगी।

मुख्य बिंदु:

- उत्तर प्रदेश उन शीर्ष पाँच राज्यों में से एक है जो कंपनियों से CSR फंड का अधिकांश हिस्सा हैं। अन्य में महाराष्ट्र, कर्नाटक, गुजरात और तमिलनाडु शामिल हैं।
- कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 135 कुछ कंपनियों को पिछले तीन वित्तीय वर्षों से अपने औसत मुनाफे का 2% CSR गतिविधियों के लिये आवंटित करने का आदेश देती है।
- राज्य ने CSR फंड के माध्यम से बड़े पैमाने पर निजी क्षेत्र की अग्रणी कंपनियों के योगदान को भी स्वीकार किया है।
  - वर्ष 2014-15 में, यूपी को केवल 148 करोड़ रुपए मिले जो वर्ष 2017-18 में बढ़कर 435 करोड़ रुपए हो गए। वर्ष 2021-22 में, यूपी में 1,321 करोड़ रुपए का CSR खर्च हुआ जो वर्ष 2022-23 में बढ़कर लगभग 1,500 करोड़ रुपए हो गया।

कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (CSR)

- कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व की अवधारणा में यह दृष्टिकोण निहित है कि कंपनियों को पर्यावरण एवं सामाजिक कल्याण पर उनके प्रभावों का आकलन करना चाहिये और ज़िम्मेदारी लेनी चाहिये, साथ ही सकारात्मक सामाजिक तथा पर्यावरणीय परिवर्तन को बढ़ावा देना चाहिये।
- कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के चार मुख्य प्रकार हैं:
  - पर्यावरणीय उत्तरदायित्व
  - नैतिक उत्तरदायित्व
  - परोपकारी उत्तरदायित्व
  - आर्थिक उत्तरदायित्व

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- कंपनी अधिनियम, 2013 के अंतर्गत कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व प्रावधान उन कंपनियों पर लागू होते हैं जिनका वार्षिक कारोबार 1,000 करोड़ रुपए एवं उससे अधिक है या जिनकी कुल संपत्ति 500 करोड़ रुपए एवं उससे अधिक है या उनका शुद्ध लाभ 5 करोड़ रुपए एवं उससे अधिक है।
  - इस अधिनियम में कंपनियों द्वारा एक CSR समिति गठित करना आवश्यक है जो निदेशक मंडल को एक कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व नीति की सिफारिश करेगी और समय-समय पर उसकी निगरानी भी करेगी।

कंपनी अधिनियम, 2013

- भारतीय कंपनी अधिनियम संसद का एक अधिनियम है जिसे वर्ष 1956 में अधिनियमित किया गया था। यह कंपनियों को पंजीकरण द्वारा गठित करने में सक्षम बनाता है, कंपनियों, उनके कार्यकारी निदेशक और सचिवों की ज़िम्मेदारियों को निर्धारित करता है।
- वर्ष 2013 में सरकार ने भारतीय कंपनी अधिनियम 1956 में संशोधन किया और एक नया अधिनियम जोड़ा जिसे भारतीय कंपनी अधिनियम, 2013 कहा गया।
  - कंपनी अधिनियम, 1956 को आंशिक रूप से भारतीय कंपनी अधिनियम 2013 द्वारा प्रतिस्थापित किया गया था।
  - यह एक अधिनियम बन गया और अंततः यह सितंबर 2013 में लागू हुआ।
- वर्ष 2020 में भारत की संसद ने कंपनी अधिनियम में और संशोधन करने तथा विभिन्न अपराधों को कम करने के साथ-साथ देश में व्यापार करने में सुगमता को बढ़ावा देने के लिये कंपनी (संशोधन) विधेयक, 2020 पारित किया।
- प्रस्तावित परिवर्तनों में कुछ अपराधों के लिये दंड में कमी के साथ-साथ अधिकारों के मुद्दों के संदर्भ में समय-सीमा, कॉर्पोरेट सामाजिक ज़िम्मेदारी (CSR) अनुपालन आवश्यकताओं में छूट और राष्ट्रीय कंपनी कानून अपीलीय
- याधिकरण (NCLAT) में अलग बेंच की स्थापना भी शामिल है

उत्तर प्रदेश में जल्द ही 21 हवाई अड्डे होंगे

चर्चा में क्यों?

हाल ही में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि विमानन क्षेत्र की तीव्र गति पर ज़ोर देते हुए यूपी 21 हवाई अड्डों वाला भारत का पहला राज्य बनने के लिये तैयार है।

मुख्य बिंदु:

- केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री के अनुसार, राज्य में पिछले 9 वर्षों में विमानन बुनियादी ढाँचे का तेज़ी से विकास हुआ है।
  - वर्ष 2014 में उत्तर प्रदेश में केवल 6 हवाई अड्डे थे और अब राज्य में 10 हवाई अड्डे हैं जिनमें अयोध्या में नव उद्घाटन हवाई अड्डा भी शामिल है।
  - यूपी में 5 और हवाई अड्डे होंगे, इनमें आज़मगढ़, अलीगढ, मोरादाबाद, श्रावस्ती तथा चित्रकूट में एक-एक हवाई अड्डा होगा।
- राज्य के बजट 2024-25 के तहत, उत्तर प्रदेश सरकार ने गौतम बुद्ध नगर ज़िले के जेवर में आगामी नोएडा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के लिये 1,150 करोड़ रुपए आवंटित किये।
- प्रस्तावित धनराशि भारत सरकार की क्षेत्रीय कनेक्टिविटी योजना (RCS-UDAN) और उत्तर प्रदेश नागरिक उड्डयन संवर्धन नीति के उद्देश्यों के अनुरूप है।

क्षेत्रीय कनेक्टिविटी योजना (RCS-UDAN)

- यह योजना नागरिक उड्डयन मंत्रालय द्वारा क्षेत्रीय हवाई अड्डे के विकास और क्षेत्रीय कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिये शुरू की गई थी।
- यह राष्ट्रीय नागरिक उड्डयन नीति 2016 का एक हिस्सा है।
- यह योजना 10 वर्ष की अवधि के लिये लागू है।
- उद्देश्य:
  - भारत के सुदूर और क्षेत्रीय क्षेत्रों में हवाई कनेक्टिविटी में सुधार करना।
  - दूरस्थ क्षेत्रों का विकास और व्यापार एवं वाणिज्य तथा पर्यटन विस्तार को बढ़ाना।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- आम लोगों को सस्ती दरों पर हवाई यात्रा की सुविधा उपलब्ध कराना।
- विमानन क्षेत्र में रोज़गार सृजन।

उत्तर प्रदेश नागरिक उड्डयन प्रोत्साहन नीति

- उत्तर प्रदेश की नागरिक उड्डयन प्रोत्साहन नीति वर्ष 2017 में शुरू की गई थी।
- इसका इरादा राज्य में इस क्षेत्र के विकास के लिये आवश्यक दिशा प्रदान करना है।
- प्रोत्साहन प्रदान करके RCS के तहत नए मार्गों के विकास के माध्यम से हवाई कनेक्टिविटी में सुधार करना और यूपी के गैर-RCS हवाई अड्डों की इंटर-कनेक्टिविटी की सुविधा प्रदान करना।
- एयर कार्गो हब और पूर्ति केंद्रों के विकास का समर्थन करके यूपी में कृषि-निर्यात, अन्य खराब होने वाले सामान, विनिर्माण तथा ई-कॉमर्स व्यवसायों को बढ़ावा देना।
- राज्य में रखरखाव, मरम्मत और ओवरहाल (MRO) सुविधाओं के विकास को सुविधाजनक बनाना।

उत्तर प्रदेश: तहसील स्तर पर अग्निशमन केंद्र रखने वाला पहला राज्य

चर्चा में क्यों?

एक कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने घोषणा की कि उत्तर प्रदेश जल्द ही तहसील स्तर पर फायर स्टेशन बनाने वाला देश का पहला राज्य बन जाएगा।

मुख्य बिंदु:

- इस कार्यक्रम के दौरान CM ने वर्चुअली 38 फायर स्टेशनों का उद्घाटन और शिलान्यास किया।
  - राज्य में यूपी फायर एंड इमरजेंसी सर्विसेज की स्थापना वर्ष 1944 में हुई थी।
  - वर्ष 2017 तक राज्य में केवल 288 फायर स्टेशन स्थापित थे, जबकि पिछले 7 वर्षों में 70 से अधिक नए फायर स्टेशन स्थापित किये गए हैं।
- CM ने 35 अग्निशमन वाहनों को भी हरी झंडी दिखाई।
- उन्होंने जान-माल की हानि को कम करने हेतु फायर टेंडरों के लिये प्रतिक्रिया समय को कम करने को प्राथमिकता देने की आवश्यकता पर ज़ोर दिया।
- सरकार ने राज्य में राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (SDRF) की भी स्थापना की।

राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (SDRF)

- यह आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005 की धारा 48 (1) (A) के तहत गठित, अधिसूचित आपदाओं की प्रतिक्रिया के लिये राज्य सरकारों के पास उपलब्ध प्राथमिक निधि है।
- केंद्र सरकार सामान्य श्रेणी के राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों के लिये SDRF आवंटन का 75% और विशेष श्रेणी के राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों (पूर्वोत्तर राज्यों, सिक्किम, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, जम्मू और कश्मीर) के लिये 90% का योगदान करती है।
- वित्त आयोग की सिफारिश के अनुसार वार्षिक केंद्रीय योगदान दो समान किश्तों में जारी किया जाता है।
- SDRF का उपयोग केवल पीड़ितों को तत्काल राहत प्रदान करने के व्यय को पूरा करने के लिये किया जाएगा।
- SDRF, उत्तर प्रदेश का मुख्यालय लखनऊ में स्थित है।

MYUVA योजना

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री "मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान (MYUVA)" योजना शुरू करने जा रहे हैं।

- इसका उद्देश्य राज्य के युवाओं में उद्यमिता को बढ़ावा देना है।

मुख्य बिंदु:

- इस योजना के तहत, राज्य सरकार का लक्ष्य प्रत्येक वर्ष 5 लाख रुपए तक की परियोजनाओं के लिये ब्याज मुक्त ऋण प्रदान करके एक लाख युवा उद्यमियों को तैयार करना है।
  - सरकार ने इस पहल का समर्थन करने के लिये वित्तीय वर्ष 2024-25 के बजट में 1,000 करोड़ रुपए आवंटित किये हैं।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- इसे राज्य भर में शिक्षित और कुशल युवाओं को सशक्त बनाने, स्व-रोज़गार के अवसरों को सुविधाजनक बनाने तथा नए MSME (सूक्ष्म, लघु व मध्यम उद्यम मंत्रालय) की स्थापना को बढ़ावा देने के लिये डिज़ाइन किया गया है।
- जिन लाभार्थियों ने सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं जैसे कि विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना, एक ज़िला एक उत्पाद प्रशिक्षण और टूलकिट योजना, अनुसूचित जाति, जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग प्रशिक्षण योजना तथा उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन द्वारा संचालित कौशल उन्नयन में प्रशिक्षण प्राप्त किया है, वे सहायता के लिये पात्र होंगे।
  - इसके अतिरिक्त, शैक्षणिक संस्थानों से प्रमाण-पत्र, डिप्लोमा और डिग्री वाले युवा भी इस योजना के तहत लाभ के हकदार होंगे।
- पहले ऋण के सफल पुनर्भुगतान पर, इकाइयाँ दूसरे चरण के वित्तपोषण के लिये पात्र होंगी, जहाँ प्रारंभिक राशि से दोगुना या 7.50 लाख रुपए तक का समग्र ऋण प्रदान किया जा सकता है।

पी.एम. विश्वकर्मा योजना:

- यह योजना लोहार, सुनार, मिट्टी के बर्तन (कुम्हार), बढ़ईगीरी और मूर्तिकला जैसे विभिन्न व्यवसायों में लगे पारंपरिक कारीगरों तथा शिल्पकारों के उत्थान के लिये बनाई गई है, जिसमें सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने एवं उन्हें औपचारिक अर्थव्यवस्था व वैश्विक मूल्य शृंखला में एकीकृत करने पर ध्यान दिया गया है।
- इसे एक केंद्रीय क्षेत्र योजना के रूप में लागू किया जाएगा, जो पूरी तरह से भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित होगी।
- सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय इस योजना के लिये नोडल मंत्रालय है।
- उद्देश्य:
  - यह सुनिश्चित करना कि कारीगरों को घरेलू और वैश्विक मूल्य शृंखलाओं में निर्बाध रूप से एकीकृत किया जाए, जिससे उनकी बाज़ार पहुँच एवं अवसरों में वृद्धि हो।
  - भारत की पारंपरिक शिल्प की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण और संवर्धन।
  - कारीगरों को औपचारिक अर्थव्यवस्था में परिवर्तन करने और उन्हें वैश्विक मूल्य शृंखलाओं में एकीकृत करने में सहायता करना।

उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन

- यूपी कौशल विकास मिशन की स्थापना 13 सितंबर, 2013 को यूपी सरकार के व्यावसायिक शिक्षा और कौशल विकास विभाग के तहत सोसायटी पंजीकरण अधिनियम, 1860 के तहत पंजीकृत एक सोसायटी के रूप में की गई थी।

यूपी सरकार ने स्कूलों और आंगनवाड़ी के लिये धनराशि आवंटित की

चर्चा में क्यों?

हाल ही में राज्य के 100 अविकसित शहरों में विकास को गति देने के लिये, उत्तर प्रदेश सरकार ने आकांक्षी शहर कार्यक्रम शुरू किया है।

मुख्य बिंदु:

- इस प्रयास के हिस्से के रूप में, प्रारंभिक केंद्र इन शहरों में स्कूलों और आंगनवाड़ी केंद्रों को व्यापक रूप से बदलने पर होगा।
- मुख्यमंत्री के निर्देश के क्रम में आंगनबाडी केंद्रों के लिये अलग से योजना तैयार की गई है।
- मुख्यमंत्री के निर्देशों के अनुसार, राज्य के 100 महत्त्वाकांक्षी शहरी क्षेत्रों में कुल 913 स्कूलों का उन्नयन किया जाएगा, साथ ही 25 अतिरिक्त नए स्कूल स्थापित किये जाएंगे।
  - राज्य के 100 अविकसित शहरी क्षेत्रों में, राज्य सरकार वर्तमान में किराए या वैकल्पिक सरकारी संरचनाओं में स्थित 348 आंगनवाड़ी केंद्रों के लिये नए भवन बनाने की योजना बना रही है।
- इसके अलावा, इन आकांक्षी शहरी क्षेत्रों में वर्तमान में किराए या वैकल्पिक सरकारी सुविधाओं में संचालित 348 आंगनवाड़ी केंद्रों के लिये नए भवनों का निर्माण किया जाएगा।
- राज्य सरकार ने इन परियोजनाओं के कार्यान्वयन के लिये 143 करोड़ रुपए से अधिक का आवंटन किया है।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- कुल 35.5 करोड़ रुपए की लागत से 25 नए मुख्यमंत्री अभ्युदय कम्पोजिट विद्यालय भी स्थापित किये जाएंगे, प्रत्येक स्कूल पर 1.42 करोड़ रुपए की लागत आएगी। इस प्रकार, राज्य सरकार उन्नयन और नए स्कूल खोलने के लिये 101.83 करोड़ रुपए खर्च करेगी।

नोट: उत्तर प्रदेश सरकार ने यूपी के 38 ज़िलों के 100 नगर निकायों को आकांक्षी शहरी निकाय श्रेणी में रखा है।

ओखला पक्षी अभयारण्य ने विश्व वन्यजीव दिवस मनाया

चर्चा में क्यों?

हाल ही में ओखला पक्षी अभयारण्य में विश्व वन्यजीव दिवस मनाया गया, जिसमें इसकी समृद्ध जैवविविधता पर प्रकाश डाला गया और मिशन लाइफ पर ध्यान केंद्रित किया गया।

- प्रत्येक वर्ष जंगली जीवों और पौधों का उत्सव मनाने के लिये 3 मार्च को WWD मनाया जाता है।

मुख्य बिंदु:

- **WWD 2024 की थीम:** WWD 2024 की थीम थी "व्यक्तियों और पृथ्वी को जोड़ना: वन्यजीव संरक्षण में डिजिटल नवाचार की खोज।" इस विषय में वन्यजीव संरक्षण प्रयासों में डिजिटल नवाचारों की भूमिका पर ज़ोर दिया गया।
- **अंतर-पीढ़ीगत आदान-प्रदान:** यह आयोजन स्थायी डिजिटल वन्यजीव संरक्षण पर कला, प्रस्तुतियों और चर्चा जैसी विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से अंतर-पीढ़ीगत आदान-प्रदान एवं युवा सशक्तीकरण के लिये एक मंच के रूप में कार्य करता है।
- **तकनीकी नवाचार की भूमिका:** अनुसंधान उपकरण, संचार विधियों, ट्रैकिंग सिस्टम और डीएनए विश्लेषण जैसी तकनीकी प्रगति ने अधिक कुशल एवं सटीक वन्यजीव संरक्षण प्रयासों को सुविधाजनक बनाया है।
- **डिजिटल क्रांति:** वैश्विक डिजिटल क्रांति जन-केंद्रित डिजिटल शासन की बाधाओं को तोड़ रही है और वन्यजीव संरक्षण के लिये डिजिटल परिवर्तन में शामिल होने के लिये सभी को समान अवसर प्रदान कर रही है।
- **आयोजित गतिविधियाँ:** कार्यक्रम में विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित की गईं, जिनमें इको ट्रेल्स, पोस्टर मेकिंग और ऑन-द-स्पॉट हाथ तथा चेहरे की पेंटिंग शामिल हैं, जो सभी WWD 2024 की थीम पर केंद्रित थीं।

बच्चों के लिये शैक्षिक सशक्तीकरण पहल

चर्चा में क्यों?

हाल ही में ऊर्जा मंत्रालय के तहत एक महारत्न केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम, REC लिमिटेड ने उत्तर प्रदेश के सिद्धार्थनगर ज़िले में लगभग 75,500 बच्चों की शिक्षा का समर्थन करने के लिये विज्ञान और शैक्षिक विकास इकाई (UNISED) के साथ साझेदारी की है।

मुख्य बिंदु:

- **वित्तीय प्रतिबद्धता:** आरईसी लिमिटेड की CSR शाखा, REC फाउंडेशन ने सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रति अपने समर्पण को प्रदर्शित करते हुए, इस पहल के लिये 9.91 करोड़ रुपए की वित्तीय सहायता प्रदान की है।
- **समझौता ज्ञापन (MOA):** नई दिल्ली में REC फाउंडेशन और यूनिसेड के बीच एक औपचारिक समझौते पर हस्ताक्षर किये गए हैं, जो सिद्धार्थनगर ज़िले में वंचित बच्चों के लिये शैक्षिक अवसरों में सुधार हेतु उनकी प्रतिबद्धता को मज़बूत करता है।
- **उद्देश्य:** सहयोग का उद्देश्य सौर ऊर्जा से संचालित स्मार्ट कक्षाओं और आनंददायक शिक्षण संसाधन प्रयोगशालाओं के कार्यान्वयन के माध्यम से सरकारी स्कूलों में शैक्षिक बुनियादी ढाँचे तथा संसाधनों को बढ़ाना है।
  - यह पहल छात्रों को आधुनिक शैक्षिक उपकरणों के साथ सशक्त बनाने और शैक्षणिक एवं रचनात्मक उत्कृष्टता को बढ़ावा देने हेतु डिज़ाइन की गई है।
- **आरईसी फाउंडेशन की पूर्व पहल:** आरईसी फाउंडेशन ने पहले सशस्त्र बल झंडा दिवस कोष में 15 करोड़ रुपए का योगदान देकर पूर्व सैनिकों के 12,500 बच्चों की शिक्षा के लिये समर्थन दिखाया है, जिससे शिक्षा और सामाजिक कल्याण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता पर ज़ोर दिया गया है।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

REC लिमिटेड

- **परिचय:**
  - REC लिमिटेड एक महारत्न केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम है जो आरबीआई के साथ गैर-बैंकिंग वित्त कंपनी और इंफ्रास्ट्रक्चर फाइनेंसिंग कंपनी (IFC) के रूप में पंजीकृत है। यह विद्युत बुनियादी ढाँचा क्षेत्र के वित्तपोषण में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है और इसने गैर-विद्युत बुनियादी ढाँचा क्षेत्रों में भी विविधता ला दी है।
- **रणनीतिक भूमिका:**
  - REC लिमिटेड विद्युत क्षेत्र के लिये सरकार की विभिन्न प्रमुख योजनाओं में एक महत्त्वपूर्ण रणनीतिक भूमिका निभाता है, जिसमें प्रधानमंत्री सहज विद्युत हर घर योजना (सौभाग्य), दीन दयाल उपाध्याय ग्राम ज्योति योजना (DDUGJY) और राष्ट्रीय विद्युत निधि (NEF) योजना शामिल है। देश की विद्युत वितरण प्रणाली को मज़बूत करने और 100% गाँव विद्युतीकरण हासिल करने में योगदान देना।

हरित हाइड्रोजन परियोजना

चर्चा में क्यों?

हाल ही में उत्तर प्रदेश कैबिनेट ने अपनी पाँच-वर्षीय हरित हाइड्रोजन नीति को मंज़ूरी दी, जिसमें वर्ष 2028 के लक्ष्य के लिये पर्याप्त क्षमता को प्रोत्साहित करने हेतु सब्सिडी कार्यक्रम के लिये 50.4 बिलियन रुपए (608 मिलियन अमेरिकी डॉलर) निर्धारित किये गए हैं।

मुख्य बिंदु:

- सफल होने पर, यह नीति भारत के राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन के तहत वर्ष 2030 तक पाँच मिलियन टन वार्षिक उत्पादन तक पहुँचने के लक्ष्य का पाँचवाँ हिस्सा पूरा कर लेगी।
  - यह नीति निर्बाध जीवाश्म ईंधन का उपयोग करके बनाए गए ग्रे हाइड्रोजन को बदलने के लिये ज़्यादातर औद्योगिक प्रक्रियाओं जैसे रसायनों और तेल शोधन में मौजूदा मांग को लक्षित करेगी।
  - अब तक, हाइड्रोजन उत्पादन तकनीक गैस पर निर्भर रही है, जिसे ग्रे हाइड्रोजन के रूप में जाना जाता है। ग्रे हाइड्रोजन से ग्रीन हाइड्रोजन में परिवर्तन के लिये अब एक महत्त्वपूर्ण प्रयास चल रहा है।
- यह नीति वर्ष 2028 तक अगले चार वर्षों के भीतर सालाना दस लाख मीट्रिक टन हरित हाइड्रोजन का उत्पादन करने के महत्त्वाकांक्षी लक्ष्य की रूपरेखा तैयार करती है।
- जिन उत्पादकों को फास्ट-ट्रैक पर्यावरण अनुमति/परमिटिंग दी जाएगी, वे इंट्रास्टेट ग्रिड का उपयोग करने से जुड़े ट्रांसमिशन शुल्क पर पूर्ण छूट के साथ-साथ विद्युत कर (दस वर्षों के लिये) और स्टांप शुल्क से भी पूर्ण छूट के पात्र होंगे।
- फास्ट ट्रैक परमिटिंग में बेहतर पर्यावरण नीतियों और प्रक्रियाओं का एक सेट शामिल है जो पूरे राष्ट्रमंडल में विकास तथा आर्थिक विकास को बढ़ावा देता है।
- राज्य सरकार, राज्य में हरित हाइड्रोजन परियोजनाएँ स्थापित करने वाले राज्य के स्वामित्व वाले उद्यमों को प्रति वर्ष एक रुपए प्रति एकड़ के हिसाब से भूमि पट्टे पर देने का भी प्रस्ताव कर रही है।
- निजी नवीकरणीय हाइड्रोजन निवेशक प्रति वर्ष 15,000 रुपए (USD 181) प्रति एकड़ की भूमि पट्टा दर के लिये पात्र होंगे।

हाइड्रोजन

- स्वच्छ वैकल्पिक ईंधन विकल्प के लिये हाइड्रोजन पृथ्वी पर सबसे प्रचुर तत्त्वों में से एक है।
- हाइड्रोजन का प्रकार उसके बनने की प्रक्रिया पर निर्भर करता है:
  - ग्रीन हाइड्रोजन अक्षय ऊर्जा (जैसे- सौर, पवन) का उपयोग करके जल के इलेक्ट्रोलिसिस द्वारा निर्मित होता है और इसमें कार्बन फुटप्रिंट कम होता है।
    - इसके तहत विद्युत द्वारा जल (H_2O) को हाइड्रोजन (H) और ऑक्सीजन (O_2) में विभाजित किया जाता है।
    - उपोत्पाद: जल, जलवाष्प।
  - ब्राउन हाइड्रोजन का उत्पादन कोयले का उपयोग करके किया जाता है जहाँ उत्सर्जन को वायुमंडल में निष्कासित किया जाता है।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- ग्रे हाइड्रोजन (Grey Hydrogen) प्राकृतिक गैस से उत्पन्न होता है जहाँ संबंधित उत्सर्जन को वायुमंडल में निष्कासित किया जाता है।
- ब्लू हाइड्रोजन (Blue Hydrogen) प्राकृतिक गैस से उत्पन्न होती है, जहाँ कार्बन कैप्चर और स्टोरेज का उपयोग करके उत्सर्जन को कैप्चर किया जाता है।

उपयोग:

- हाइड्रोजन एक ऊर्जा वाहक है, न कि स्रोत और यह ऊर्जा की अधिक मात्रा को वितरित या संग्रहीत कर सकता है।
- इसका उपयोग फ्यूल सेल में विद्युत या ऊर्जा और ऊष्मा उत्पन्न करने के लिये किया जा सकता है।
  - वर्तमान में पेट्रोलियम शोधन और उर्वरक उत्पादन में हाइड्रोजन का सबसे अधिक उपयोग किया जाता है, जबकि परिवहन एवं अन्य उपयोगिताएँ इसके लिये उभरते बाज़ार हैं।
- हाइड्रोजन और ईंधन सेल वितरित या संयुक्त ताप तथा शक्ति सहित विविध अनुप्रयोगों में उपयोग के लिये ऊर्जा प्रदान कर सकते हैं; अतिरिक्त उर्जा; अक्षय ऊर्जा के भंडारण एवं इसे सक्षम करने के लिये सिस्टम; पोर्टेबल विद्युत आदि।
- इनकी उच्च दक्षता और शून्य या लगभग शून्य-उत्सर्जन संचालन के कारण हाइड्रोजन एवं फ्यूल सेलों जैसे कई अनुप्रयोगों में ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करने की क्षमता है।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन)
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग
क्लिक करें या स्कैन करें!

प्रोजेक्ट प्रवीण के तहत कौशल प्रशिक्षण

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश सरकार ने 'प्रोजेक्ट प्रवीण' के माध्यम से राज्य में 61,000 से अधिक लड़के और लड़कियों को कौशल प्रशिक्षण प्रदान किया है।

मुख्य बिंदु:

- इस योजना के तहत युवाओं को रोज़गार बाज़ार के लिये तैयार होने के लिये मुफ्त कौशल प्रशिक्षण और नए ज़माने के पाठ्यक्रम प्रदान किये जा रहे हैं।
- यह परियोजना राज्य के उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में पढ़ने वाले कक्षा 9 से 12 तक के छात्रों के लिये है।
  - छात्र अपने नियमित अध्ययन के साथ-साथ IT क्षेत्र, इलेक्ट्रॉनिक्स, सौंदर्य, स्वास्थ्य सेवा, परिधान और लेखांकन जैसे अपने हितों से जुड़े ट्रेडों में दैनिक नि:शुल्क प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं।
- 'प्रोजेक्ट प्रवीण' माध्यमिक शिक्षा और उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन के बीच एक समझौता ज्ञापन (MoU) के तहत संचालित किया जा रहा है।
- इस परियोजना का प्राथमिक उद्देश्य राज्य की शिक्षा प्रणाली और पाठ्यक्रम में सुधार करना है।
- प्रोजेक्ट प्रवीण को वर्ष 2022-23 में एक पायलट प्रोजेक्ट के रूप में शुरू किया गया था।
  - इस अवधि के दौरान, 150 सरकारी माध्यमिक विद्यालयों में 20,582 छात्रों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। इसके अलावा, कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय को भी इस योजना से जोड़ा गया, जिससे 3,450 छात्राओं को प्रशिक्षण की सुविधा मिली।
  - वर्ष 2023-24 के लिये परियोजना के तहत कुल 315 सरकारी माध्यमिक विद्यालयों को शामिल किया गया है।
  - इन संस्थानों के माध्यम से अब तक 61,400 छात्रों को कौशल विकास प्रशिक्षण प्रदान किया जा चुका है।
- प्रस्तावित सभी पाठ्यक्रम राष्ट्रीय व्यावसायिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण परिषद द्वारा अखिल भारतीय स्तर पर प्रामाणित और अनुमोदित हैं।
  - प्रशिक्षण और मूल्यांकन पूरा होने पर, छात्रों को ऐसे प्रमाण-पत्र प्रदान किये जाते हैं जिनकी पूरे देश में वैधता होती है।
- प्रोजेक्ट प्रवीण के तहत प्रशिक्षण लेने वाले छात्रों को स्कूल में ही निजी प्रशिक्षण केंद्रों द्वारा प्रशिक्षण दिया जाता है।
- ये प्रशिक्षक शिक्षकों के प्रशिक्षण (TOT) कार्यक्रम के तहत प्रमाणित हैं और कौशल विकास मिशन के तहत पंजीकृत हैं।

उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन (UPSDM)

- यूपी कौशल विकास मिशन की स्थापना 13 सितंबर, 2013 को यूपी सरकार के व्यावसायिक शिक्षा और कौशल विकास विभाग के तहत सोसायटी पंजीकरण अधिनियम, 1860 के तहत पंजीकृत एक सोसायटी के रूप में की गई थी।
- वर्ष 2022 तक 500 मिलियन लोगों को कुशल बनाने के लक्ष्य के साथ वर्ष 2009 में एक राष्ट्रीय कौशल विकास नीति शुरू की गई थी। राष्ट्रीय योजना के तहत, उत्तर प्रदेश राज्य का लक्ष्य 12वीं पंचवर्षीय योजना के अंत तक 4 मिलियन से अधिक युवाओं को कौशल प्रदान करना है।
- इस लक्ष्य को प्राप्त करने और राज्य के युवाओं को रोज़गारपरक कौशल प्रदान करने के लिये UPSDM की स्थापना की गई है।
  - राज्य कौशल विकास नीति का लाभ उठाते हुए सभी कौशल विकास पहलों का समन्वय करना अनिवार्य है।
  - इसने कौशल विकास प्रशिक्षण आयोजित करने के लिये सरकारी प्रशिक्षण भागीदारों के अलावा निजी प्रशिक्षण भागीदारों को सूचीबद्ध किया।

राष्ट्रीय व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण परिषद (NCVET)

- NCVET को 5 दिसंबर 2018 को भारत सरकार द्वारा एक नियामक निकाय के रूप में स्थापित किया गया था। यह 1 अगस्त 2020 से पूरी तरह से चालू हो गया है।
- यह मानकों को स्थापित करने, व्यापक नियमों को विकसित करने और व्यावसायिक शिक्षा, प्रशिक्षण एवं कौशल

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

पारिस्थितिकी तंत्र में सुधार करने के उद्देश्य से एक व्यापक राष्ट्रीय नियामक के रूप में कार्य करता है।

- NCVET का प्राथमिक उद्देश्य मज़बूत उद्योग इंटरफेस सुनिश्चित करना और व्यावसायिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण की गुणवत्ता तथा परिणामों को बढ़ाने वाले प्रभावी नियमों को लागू करना है।

राष्ट्रीय कौशल विकास मिशन (NSDM)

- इसका उद्देश्य कौशल प्रशिक्षण गतिविधियों के संदर्भ में क्षेत्रों और राज्यों में अभिसरण बनाना है।
- इसका उद्देश्य गति और मानकों के साथ बड़े पैमाने पर कौशल हासिल करने के लिये सभी क्षेत्रों में निर्णय लेने में तेज़ी लाना है।

सोनभद्र में 177 विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया गया

चर्चा में क्यों?

हाल ही में आवास और शहरी मामलों तथा पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री ने उत्तर प्रदेश के सोनभद्र में 177 विकास परियोजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास किया।

प्रमुख बिंदु:

- 10 करोड़ 41 लाख रुपए की परियोजनाएँ श्री पुरी के सांसद स्थानीय क्षेत्र विकास योजना निधि से वित्त पोषित हैं
- जनवरी 2018 से मार्च 2024 तक लगातार आकांक्षी ज़िला कार्यक्रम के समग्र प्रदर्शन में सोनभद्र 112 ज़िलों में से शीर्ष पाँच ज़िलों में शामिल है।
- मंत्री ने वर्ष 2018 में नीति आयोग के आकांक्षी ज़िला कार्यक्रम के तहत सोनभद्र की विकास पहल की देखरेख की ज़िम्मेदारी संभाली।

MPLAD स्कीम

- यह एक केंद्रीय क्षेत्र योजना है जिसकी घोषणा दिसंबर 1993 में की गई थी।
- **उद्देश्य:**
  - सांसदों को मुख्य रूप से अपने निर्वाचन क्षेत्रों में पेयजल, प्राथमिक शिक्षा, सार्वजनिक स्वास्थ्य, स्वच्छता और सड़कों आदि के क्षेत्रों में धारणीय सामुदायिक संपत्तियों के निर्माण पर ज़ोर देने के साथ विकासात्मक प्रकृति के कार्यों की सिफारिश करने में सक्षम बनाना।
  - जून 2016 से, MPLAD फंड का उपयोग स्वच्छ भारत अभियान, सुगम्य भारत अभियान (सुगम्य भारत अभियान), वर्षा जल संचयन के माध्यम से जल संरक्षण और सांसद आदर्श ग्राम योजना आदि योजनाओं के कार्यान्वयन के लिये भी किया जा सकता है।

आकांक्षी ज़िला कार्यक्रम

- इसे वर्ष 2018 में लॉन्च किया गया था, जिसका उद्देश्य उन ज़िलों में परिवर्तन लाना है, जिन्होंने प्रमुख सामाजिक क्षेत्रों में अपेक्षाकृत कम प्रगति दर्शाई है।
- आकांक्षी जिले भारत के वे ज़िले हैं, जो कम प्रदर्शन करने वाले सामाजिक-आर्थिक संकेतकों से प्रभावित हैं।

पीएम ने 34,000 करोड़ रुपए से अधिक की परियोजनाएँ लॉन्च कीं

चर्चा में क्यों?

हाल ही में भारत के प्रधानमंत्री ने कुल 34,000 करोड़ रुपए की कई विकास पहलों का उद्घाटन किया।

मुख्य बिंदु:

- नागरिक उड्डयन क्षेत्र को महत्त्वपूर्ण बढ़ावा देने के लिये, प्रधानमंत्री ने देश भर में कई हवाईअड्डा परियोजनाओं के लिये ज़मीनी कार्य शुरू किया।
  - उन्होंने पुणे, कोल्हापुर, ग्वालियर, जबलपुर, दिल्ली, लखनऊ, अलीगढ़, आज़मगढ़, चित्रकूट, मोरादाबाद, श्रावस्ती और आदमपुर सहित हवाई अड्डों पर 12 नए टर्मिनल भवनों का अनावरण किया।
  - उन्होंने कडप्पा, हुबली और बेलगावी हवाई अड्डों पर तीन नए टर्मिनल भवनों की आधारशिला रखी।
- उन्होंने लाइट हाउस प्रोजेक्ट (LHP) का भी उद्घाटन किया, जिसने आधुनिक सुविधाओं के साथ 2000 से अधिक किफायती फ्लैटों के निर्माण की सुविधा प्रदान की है।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- प्रधानमंत्री ने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत निर्मित 3700 करोड़ रुपए से अधिक लागत की 744 ग्रामीण सड़क परियोजनाएँ राष्ट्र को समर्पित कीं।
- इन परियोजनाओं में उत्तर प्रदेश में 5,400 किलोमीटर से अधिक की संचयी लंबाई वाली ग्रामीण सड़कें शामिल हैं, जिससे राज्य के लगभग 59 ज़िलों को लाभ होगा।

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (PMGSY)

- लॉन्च की गई: 25 दिसंबर, 2000।
- उद्देश्य: असंबद्ध बस्तियों तक हर मौसम के लिये उपयुक्त सड़क के माध्यम से कनेक्टिविटी प्रदान करना।
- पात्रता: ग्रामीण आबादी की सामाजिक-आर्थिक स्थिति में सुधार के लिये कोर नेटवर्क में निर्दिष्ट जनसंख्या आकार (500 + मैदानी क्षेत्रों में और पूर्वोत्तर राज्यों, हिमालयी राज्यों, रेगिस्तान तथा जनजातीय क्षेत्रों में वर्ष 2001 की जनगणना के अनुसार 250 +) की असंबद्ध बस्तियाँ।
  - एक असंबद्ध बस्ती वह है जिसकी निर्धारित आकार की आबादी किसी बारहमासी सड़क या किसी जुड़ी हुई बस्ती से कम-से-कम 500 मीटर या उससे अधिक (पहाड़ियों के मामले में 1.5 किमी पथ दूरी) की दूरी पर स्थित है।
  - कोर नेटवर्क: यह सड़कों (मार्गों) का वह न्यूनतम नेटवर्क है जो कम-से-कम एकल ऑल-वेदर रोड कनेक्टिविटी के माध्यम से चयनित क्षेत्रों में सभी पात्र बस्तियों को आवश्यक सामाजिक और आर्थिक सेवाओं तक बुनियादी पहुँच प्रदान करने के लिये आवश्यक है।
- नवीनतम फंडिंग पैटर्न: राज्यों को फंड आवंटन बाद के वर्षों में राज्यों को स्वीकृत परियोजनाओं के मूल्य के अनुरूप किया गया है।
  - उत्तर-पूर्वी और हिमालयी राज्यों में योजना के तहत स्वीकृत परियोजनाओं के संबंध में केंद्र सरकार परियोजना लागत का 90% वहन करती है जबकि अन्य राज्यों के लिये केंद्र सरकार 60% लागत वहन करती है।
- ग्रामीण सड़कों का निर्माण: PMGSY के तहत निर्मित ग्रामीण सड़कें भारतीय सड़क कॉन्ग्रेस (IRC) के प्रावधान के अनुसार होंगी।
  - IRC देश में राजमार्ग इंजीनियरों की सर्वोच्च संस्था है।
  - IRC की स्थापना वर्ष 1934 में हुई थी।
- PMGSY - चरण-I
  - PMGSY - चरण-I को दिसंबर, 2000 में 100% केंद्र प्रायोजित योजना के रूप में लॉन्च किया गया था।
  - योजना के तहत, 1,35,436 बस्तियों को सड़क कनेक्टिविटी प्रदान करने और 3.68 लाख किमी मौजूदा ग्रामीण सड़कों के उन्नयन का लक्ष्य रखा गया था ताकि खेत से बाज़ार तक पूर्ण कनेक्टिविटी सुनिश्चित की जा सके।
- PMGSY - चरण-II
  - इसके बाद भारत सरकार ने अपनी समग्र दक्षता में सुधार के लिये मौजूदा ग्रामीण सड़क नेटवर्क के 50,000 किलोमीटर के उन्नयन के लिये वर्ष 2013 में PMGSY-II लॉन्च किया।
  - जबकि चल रही PMGSY - I जारी रही, PMGSY चरण-II के तहत, ग्रामीण बुनियादी ढाँचे को बढ़ाने के लिये गाँव की कनेक्टिविटी हेतु पहले से बनाई गई सड़कों को उन्नत किया जाना था।
  - लागत केंद्र और राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों के बीच साझा की गई थी।
- PMGSY - चरण-III
  - चरण-III को जुलाई 2019 के दौरान कैबिनेट द्वारा अनुमोदित किया गया था।
  - यह सुविधाओं को प्राथमिकता देता है, जैसे:
    - ग्रामीण कृषि बाज़ार (GrAMs)
  - GrAM, फार्म गेट के नज़दीक खुदरा कृषि बाज़ार हैं जो किसानों की उपज के अधिक कुशल लेनदेन को बढ़ावा देते हैं और सेवा प्रदान करते हैं।
    - उच्चतर माध्यमिक विद्यालय और
    - अस्पताल।
  - PMGSY-III योजना के तहत, राज्यों में 1,25,000 किलोमीटर लंबी सड़क को समेकित करने का प्रस्ताव है। योजना की अवधि वर्ष 2019-20 से 2024-25 तक है।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

देशभर में CAA लागू होने के बाद उत्तर प्रदेश अलर्ट पर

चर्चा में क्यों?

नागरिकता संशोधन कानून, 2019 लागू होने की घोषणा के बाद उत्तर प्रदेश में अलर्ट जारी कर दिया गया।

मुख्य बिंदु:

- DGP मुख्यालय ने अधिकारियों को अलर्ट पर रहने का आदेश दिया है जबकि संवेदनशील इलाकों में अतिरिक्त बल तैनात किया गया है।
  - जनता को भड़काने वाली सामग्री को नियंत्रित करने के लिये सोशल मीडिया पर निगरानी रखना।
  - राज्य भर की पुलिस को संबंधित इलाकों में पैदल गश्त करने का निर्देश दिया गया है।
  - राज्य में हालात पर नज़र रखने के लिये CCTV और ड्रोन कैमरे तैनात किये जाएंगे।
- यह घटनाक्रम केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा CAA के कार्यान्वयन के लिये नियमों को आधिकारिक तौर पर अधिसूचित करने के बाद आया।

नागरिकता संशोधन अधिनियम (CAA), 2019

- CAA पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश से छह गैर-दस्तावेज़ गैर-मुस्लिम समुदायों (हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी और ईसाई) को धर्म के आधार पर नागरिकता प्रदान करता है, जिन्होंने 31 दिसंबर, 2014 को या उससे पहले भारत में प्रवेश किया था।
- यह छह समुदायों के सदस्यों को विदेशी अधिनियम, 1946 और पासपोर्ट अधिनियम, 1920 के तहत किसी भी आपराधिक मामले से छूट देता है।
- दोनों अधिनियम अवैध रूप से देश में प्रवेश करने और समाप्त वीज़ा तथा परमिट पर यहाँ रहने के लिये सज़ा निर्दिष्ट करते हैं।

उत्तर प्रदेश 8 रेलवे स्टेशनों का नाम बदलेगा

चर्चा में क्यों?

हाल ही में केंद्रीय गृह मंत्रालय ने अमेठी ज़िले के आठ रेलवे स्टेशनों का नाम बदलने के उत्तर प्रदेश सरकार के प्रस्ताव को अपनी स्वीकृति दे दी है।

मुख्य बिंदु:

- इस निर्णय का उद्देश्य क्षेत्र की सांस्कृतिक पहचान और विरासत को संरक्षित करना है।
  - सरकार द्वारा भेजे गए प्रस्ताव में कासिमपुर हॉल्ट का नाम बदलकर जायस सिटी करने और कई मध्यवर्ती स्टेशनों जैसे जायस का नाम गुरु गोरखनाथ धाम, बानी का नाम स्वामी परमहंस, मिसरौली का नाम माँ कालिकन धाम, निहालगढ़ का नाम महाराजा बिजली पासी, अकबरगंज का नाम माँ अहोरवा भवानी धाम करने का सुझाव दिया गया है। वारिसगंज को अमर शहीद भाले सुल्तान और फुरसतगंज को तपेश्वरनाथ धाम के रूप में जाना जाता है।

सूखे की निगरानी हेतु 'वेदर स्टेशन'

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश सरकार ने बुंदेलखंड क्षेत्र के सात ज़िलों की सभी तहसीलों सहित राज्य की 100 सर्वाधिक सूखाग्रस्त तहसीलों में सूखे की स्थिति पर नज़र रखने के लिये टेलीमेट्रिक वेदर स्टेशन (TWS) स्थापित करने की योजना की घोषणा की।

मुख्य बिंदु:

- इस पहल का उद्देश्य TWS के माध्यम से राज्य के विभिन्न स्थानों के तापमान, सौर विकिरण, वायु की गति आदि को जानने के बाद उत्तर प्रदेश में लगातार सूखे की स्थिति से निपटना है।
  - इसे रणनीतिक रूप से मौजूदा ऑटोमैटिक वेदर स्टेशन (AWS) और ऑटोमैटिक रेन -गेज स्टेशन (ARG) से 7-10 किलोमीटर की दूरी पर 10 x 10 मीटर की दूरी पर रखा जाएगा।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- बुंदेलखंड क्षेत्र में हमीरपुर, बांदा, ललितपुर, जालौन, झाँसी, महोबा और चित्रकोट ज़िले आते हैं जो प्रत्येक वर्ष सूखे की चुनौतियों का सामना करते हैं।
- **ऑटोमैटिक वेदर स्टेशन (AWS):** ऑटोमैटिक/स्वचालित प्रकार का पारंपरिक वेदर स्टेशन और इसका उपयोग दूरदराज़ के क्षेत्रों में या जब मानव शक्ति अपर्याप्त हो तो मौसम की निगरानी के लिये किया जाता है।
- **ऑटोमैटिक रेन-गेज स्टेशन (ARG):** इसे "मौसम विज्ञान स्टेशन" के रूप में परिभाषित किया गया है, जिस पर अवलोकन स्वचालित रूप से किये और प्रसारित किये जाते हैं।

उत्तर प्रदेश सरकार ने निजी कंपनियों को ई-मोबिलिटी में निवेश के लिये आमंत्रित किया

चर्चा में क्यों?

हाल ही में उत्तर प्रदेश सरकार ने निजी कंपनियों को अपने ई-मोबिलिटी पुश में निवेश करने के लिये आमंत्रित किया है। राज्य ने अगले पाँच वर्षों में 75 ज़िलों में 50,000 इलेक्ट्रिक बसें शुरू करने का प्रस्ताव रखा है।

मुख्य बिंदु:

- उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम (UPSRTC) ने सकल लागत अनुबंध के आधार पर 5,000 ई-बसों की आपूर्ति, संचालन और रखरखाव के लिये बोलियाँ आमंत्रित करते हुए एक निविदा जारी की है।
- पहले चरण में अगले वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान ही 5,000 ई-बसें तैनात की जाएंगी।
  - ई-बसों की आपूर्ति, संचालन और रखरखाव के अलावा, बोलीदाता संबद्ध विद्युत तथा नागरिक बुनियादी ढाँचे का भी ध्यान रखेगा।
  - उन्हें राजस्व साझाकरण मॉडल पर मौजूदा अंतर-ज़िला मार्गों पर परिचालन की अनुमति दी जाएगी।
- ई-बसों की तैनाती से राज्य के सार्वजनिक गतिशीलता बेड़े से कार्बन उत्सर्जित करने वाली 12,000 डीज़ल बसें चरणबद्ध तरीके से समाप्त हो जाएंगी।

उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम (UPSRTC)

- यह एक सार्वजनिक क्षेत्र का यात्री सड़क परिवहन निगम है जो उत्तर प्रदेश, भारत और उत्तर भारत के आस-पास के राज्यों को सेवा प्रदान करता है।
- यह राज्य और अंतर्राष्ट्रीय बस सेवा के रूप में संचालित होती है तथा उत्तर भारत में बसों का सबसे बड़ा बेड़ा है।
- निगम का कॉर्पोरेट कार्यालय लखनऊ में स्थित है।
- सड़क परिवहन अधिनियम, 1950 के प्रावधानों के तहत 1 जून 1972 को यूपी सरकारी रोडवेज़ का नाम बदलकर उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम (UPSRTC) कर दिया गया। इस उपक्रम के उद्देश्य थे:
  - इससे संबंधित सड़क परिवहन क्षेत्र का विकास व्यापार और उद्योग के समग्र विकास को बढ़ावा देगा।
  - परिवहन के अन्य साधनों के साथ सड़क परिवहन सेवाओं का समन्वय।
  - राज्य के निवासियों को पर्याप्त, किफायती और कुशलतापूर्वक समन्वित सड़क परिवहन सेवा प्रदान करना।

बुंदेलखंड बनेगा नया पावर हाउस

चर्चा में क्यों?

हाल ही में बुंदेलखंड में 10 सौर ऊर्जा परियोजनाएँ शुरू की गई हैं, जिनसे 3,000 मेगावाट से अधिक विद्युत उत्पन्न होगी। यह पूरा क्षेत्र उत्तर प्रदेश का नया ऊर्जा केंद्र बनने के लिये तैयार है।

मुख्य बिंदु:

- सौर ऊर्जा उत्पादन संयंत्र बुंदेलखंड के जालौन, झाँसी, ललितपुर, बांदा, चित्रकूट तथा महोबा ज़िलों में स्थापित किये जायेंगे। अकेले झाँसी ज़िले में तीन सौर ऊर्जा इकाइयाँ स्थापित की जा रही हैं।
- परियोजनाएँ हैं:
  - झाँसी ज़िले में टस्को द्वारा 3,430 करोड़ रुपए की लागत से 600 मेगावाट का सौर संयंत्र स्थापित किया जा रहा है, जिससे 300 रोज़गार सृजन के अवसर उत्पन्न होने की संभावना है।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- फोर्थ पार्टनर एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड 1,200 करोड़ रुपए में 100 मेगावाट का सौर संयंत्र स्थापित करेगा, जिससे 1,000 से अधिक रोज़गार सृजन के अवसर जुड़ेंगे।
- सन सोर्स एनर्जी 600 करोड़ रुपए की 135 मेगावाट की ओपन-एक्सेस सौर ऊर्जा परियोजना शुरू करने के लिये तैयार है, जिसमें 2,000 रोज़गार सृजन की क्षमता है।

- टस्को द्वारा ललितपुर ज़िले में 3,450 करोड़ रुपए की लागत से 600 मेगावाट का सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किया जा रहा है, जिससे 300 रोज़गार सृजन के अवसर उत्पन्न होंगे।
  - सूर्य ऊर्जा फोर प्राइवेट लिमिटेड द्वारा 150 करोड़ रुपए की लागत से 10-15 मेगावाट की सौर ऊर्जा परियोजना स्थापित की जाएगी, जिससे 200 लोगों के लिये रोज़गार सृजन के अवसर उत्पन्न होंगे।
- अवाडा इंड सोलर प्राइवेट लिमिटेड 350 करोड़ रुपए की लागत से बाँदा में 750 मेगावाट की सौर ऊर्जा परियोजना स्थापित करेगी।
  - सनश्योर सोलर पार्क प्राइवेट लिमिटेड द्वारा 62 करोड़ रुपए की लागत से 15 मेगावाट की सौर ऊर्जा परियोजना भी स्थापित की जा रही है।
- चित्रकूट में टस्को लिमिटेड 4,700 करोड़ रुपए की लागत से 800 मेगावाट की सौर ऊर्जा परियोजना स्थापित करेगी। इससे 400 लोगों को रोज़गार के अवसर मिलेंगे।
  - श्री सीमेंट प्राइवेट लिमिटेड 202 करोड़ रुपए का सोलर पावर प्लांट लगाएगी।
- टस्को लिमिटेड महोबा में 1008 करोड़ रुपए की 155 मेगावाट की अर्जुन सागर फ्लोटिंग सोलर पावर परियोजना स्थापित कर रही है, जिससे 78 लोगों के लिये रोज़गार के अवसर उत्पन्न होंगे।
  - IB वोग्ट सोलर फोर प्राइवेट लिमिटेड महोबा में 80 करोड़ रुपए की लागत से सौर ऊर्जा परियोजना भी स्थापित करेगी।

- बुंदेलखंड क्षेत्र में कार्यान्वित की जा रही अन्य प्रमुख परियोजनाओं में शामिल हैं:
  - रेलवे का LBH कोच प्रोजेक्ट और ट्रैक वर्क प्लांट 2,840 करोड़ रुपए का है।
  - संत मां कर्म मानव संवर्धन समिति द्वारा 501 करोड़ रुपए का एक निजी विश्वविद्यालय।
  - 30 करोड़ रुपए की पत्थर खनन परियोजना और 20 करोड़ रुपए की बंदूक प्रणोदक परियोजना।

लखनऊ में धारा 144 लागू

चर्चा में क्यों?

हाल ही में उत्तर प्रदेश सरकार ने आगामी लोकसभा चुनाव और त्योहारों के मद्देनज़र लखनऊ में 17 मई, 2024 तक दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 144 लागू कर दी है।

मुख्य बिंदु:

- उत्तर प्रदेश में वर्ष 2024 का लोकसभा चुनाव 19 अप्रैल से 1 जून तक सात चरणों में आयोजित किया जाएगा।
- भारतीय निर्वाचन आयोग द्वारा घोषित चुनाव कार्यक्रम, राज्य के पश्चिमी क्षेत्र में गन्ना बेल्ट से शुरू होगा और पूर्वांचल में समाप्त होगा जिसे अक्सर यूपी का चावल का कटोरा कहा जाता है।
  - वोटों की गिनती 4 जून, 2024 को होने वाली है।

CrPC की धारा 144

- यह कानून भारत में किसी भी राज्य या केंद्रशासित प्रदेश के मजिस्ट्रेट को एक निर्दिष्ट क्षेत्र में चार या अधिक लोगों के इकट्ठा होने पर रोक लगाने का आदेश पारित करने का अधिकार देता है।
- यह उन उपद्रव या किसी घटना के संभावित खतरे के मामलों में लगाया जाता है जिसमें मानव जीवन को परेशानी या संपत्ति को क्षति पहुँचाने की संभावना होती है।
- यह आदेश किसी विशेष व्यक्ति या आम जनता के खिलाफ पारित किया जा सकता है।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- **धारा 144 की विशेषताएँ:**
  - यह दिये गए क्षेत्राधिकार में किसी भी प्रकार के हथियार रखने या ले जाने पर प्रतिबंध लगाता है।
    - इस तरह के कृत्य के लिये अधिकतम दंड तीन वर्ष है।
  - इस धारा के अंतर्गत पारित आदेश के अनुसार, जनता की आवाजाही नहीं होगी और सभी शिक्षण संस्थान बंद रहेंगे।
  - साथ ही इस आदेश के संचालन की अवधि के दौरान किसी भी प्रकार की जनसभा या रैलियाँ करने पर पूर्ण रोक होती है।
  - कानून प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा किसी गैर-कानूनी सभा को भंग न करना एक दंडनीय अपराध माना जाता है।
  - यह अधिकारियों को क्षेत्र में इंटरनेट एक्सेस को ब्लॉक करने का अधिकार भी देता है।
  - धारा 144 का अंतिम उद्देश्य उन क्षेत्रों में शांति और व्यवस्था बनाए रखना है जहाँ दैनिक गतिविधियों को बाधित करने से परेशानी हो सकती है।

दीपक कुमार उत्तर प्रदेश के नए गृह सचिव

चर्चा में क्यों?

हाल ही में निर्वाचन आयोग ने वरिष्ठ IAS अधिकारी दीपक कुमार को उत्तर प्रदेश का नया गृह सचिव नियुक्त करने की मंज़ूरी दे दी है।

मुख्य बिंदु:

वर्ष 1990 बैच के IAS अधिकारी दीपक कुमार वर्तमान में वित्त एवं मूलभूत शिक्षा के अतिरिक्त मुख्य सचिव हैं।

राज्य के मुख्य सचिव

- **नियुक्ति:**
  - मुख्य सचिव का चुनाव (Chosen) मुख्यमंत्री द्वारा किया जाता है।
  - चूँकि मुख्य सचिव की नियुक्ति मुख्यमंत्री की कार्यकारी आदेश से होती है, इसलिये इसे राज्य के राज्यपाल द्वारा नामित किया जाता है।
- **पदास्थिति:**
  - मुख्य सचिव (Chief Secretary) भारतीय राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों की सिविल सेवाओं का वरिष्ठतम पद है।
  - यह पद भारतीय प्रशासनिक सेवा की संवर्ग या कॉडर (Cadre) पद है।
  - मुख्य सचिव राज्य प्रशासन (मंत्रिमंडल) से जुड़े सभी मामलों में मुख्यमंत्री के प्रधान सलाहकार के रूप में कार्य करता है।
- **कार्यकाल:**
  - मुख्य सचिव के पद को कार्यकाल प्रणाली के संचालन से बाहर रखा गया है।
  - इस पद के लिये कोई निश्चित कार्यकाल निर्धारित नहीं है।

भारतीय निर्वाचन आयोग

- भारतीय निर्वाचन आयोग, एक स्वायत्त सांविधानिक प्राधिकरण है जो भारत में संघ और राज्य निर्वाचन प्रक्रियाओं के प्रशासन के लिये ज़िम्मेदार है।
- इसकी स्थापना 25 जनवरी 1950 को संविधान के अनुसार की गई थी (राष्ट्रीय मतदाता दिवस के रूप में मनाया जाता है)। आयोग का सचिवालय नई दिल्ली में है।
- यह निकाय भारत में लोकसभा, राज्यसभा एवं राज्य विधानसभाओं तथा देश में राष्ट्रपति एवं उपराष्ट्रपति के पदों के लिये निर्वाचन का प्रबंधन करता है।
- इसका राज्यों में पंचायतों एवं नगर पालिकाओं के निर्वाचन से कोई सरोकार नहीं है। इसके लिये भारत का संविधान एक अलग राज्य चुनाव आयोग का प्रावधान करता है।

उत्तर प्रदेश: फार्मास्युटिकल उत्पादों का प्रमुख उत्पादक और निर्यातक

चर्चा में क्यों?

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मुताबिक, फार्मा उपभोक्ता राज्य होने से उत्तर प्रदेश फार्मास्युटिकल उत्पादों का प्रमुख उत्पादक और निर्यातक बनने की दिशा में तेज़ी से आगे बढ़ रहा है।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

मुख्य बिंदु:

- सीएम ने कहा कि सरकार ललितपुर में 2,000 एकड़ में फैला एक फार्मा पार्क बना रही है और एक मेडिकल डिवाइस पार्क विकसित करने की भी योजना बना रही है।
- उन्होंने गोरखपुर में मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में एक फार्मेसी भवन की आधारशिला भी रखी।
- कार्यक्रम के दौरान सीएम ने स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तीकरण योजना के तहत छात्रों को स्मार्टफोन और टैबलेट भी वितरित किये।

स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तीकरण योजना

- इस योजना के तहत उच्च शिक्षण संस्थानों के विभिन्न शिक्षण/प्रशिक्षण कार्यक्रमों में नामांकित स्नातक, स्नातकोत्तर, डिप्लोमा, कौशल विकास, पैरामेडिकल और नर्सिंग छात्र आदि को इस योजना का लाभ मिलेगा।
- राज्य सरकार छात्रों को उनके संबंधित विश्वविद्यालय/कॉलेज/संस्थान के माध्यम से टैबलेट/स्मार्ट फोन वितरित करेगी।
- ये उपकरण छात्रों के बीच सरकार की विभिन्न विकासात्मक योजनाओं और कार्यक्रमों के बारे में जागरूकता फैलाने में सहायता करेंगे।

त्रिनेत्र ऐप 2.0

चर्चा में क्यों?

हाल ही में यूपी पुलिस ने अपराध की रोकथाम और जाँच के लिये डिजिटल प्लेटफॉर्म त्रिनेत्र ऐप 2.0 को अपनाया है।

मुख्य बिंदु:

- त्रिनेत्र के डेटाबेस में अब 9.32 लाख से अधिक आपराधिक रिकॉर्ड डिजिटल हो गए हैं, फ्रंटलाइन अधिकारियों के पास सुरक्षा जाँच के दौरान संदिग्धों की तेज़ी से पहचान करने की क्षमता होगी।
- इसका उपयोग इंस्पेक्टर और उससे ऊपर रैंक के सभी पुलिस कर्मी आवश्यकतानुसार कर सकते हैं।
  - पुलिस कर्मी अपराध से संबंधित व्यापक जानकारी इनपुट और एक्सेस कर सकते हैं, जिसमें अपराध इतिहास, एफआईआर विवरण, पूछताछ रिपोर्ट, ऑडियो रिकॉर्डिंग, तस्वीरें, पुरस्कार, कारावास विवरण एवं ज़ब्ती रिकॉर्ड शामिल हैं।
  - यह चेहरे की पहचान क्षमताओं के साथ कानून प्रवर्तन को सशक्त बनाता है, जिससे फोटोग्राफिक डेटा के आधार पर संदिग्धों की त्वरित पहचान संभव हो पाती है।
- क्राइम GPT सुविधा जाँच प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करते हुए अपराधियों और आपराधिक गतिविधियों के बारे में व्यापक जानकारी तक त्वरित पहुँच सक्षम बनाती है।
- त्रिनेत्र 2.0 फोटो लिंकिंग और चेहरे की पहचान तकनीक के माध्यम से लापता व्यक्तियों की खोज की सुविधा भी प्रदान करता है, जिससे लापता व्यक्तियों का पता लगाने एवं उनके परिवारों के साथ पुनर्मिलन के प्रयासों को बल मिलता है।

इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने यूपी मदरसा शिक्षा अधिनियम को असंवैधानिक घोषित किया

चर्चा में क्यों?

हाल ही में इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने फैसला सुनाया कि उत्तर प्रदेश मदरसा शिक्षा बोर्ड अधिनियम, 2004 "असंवैधानिक" है और धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांत का उल्लंघन करता है तथा राज्य सरकार को औपचारिक स्कूली शिक्षा प्रणाली में वर्तमान छात्रों को समायोजित करने का आदेश दिया।

मुख्य बिंदु:

- याचिकाकर्त्ता ने यूपी मदरसा बोर्ड की संवैधानिकता को चुनौती दी थी साथ ही मदरसों का प्रबंधन शिक्षा विभाग के बजाय अल्पसंख्यक कल्याण विभाग द्वारा किये जाने पर भी आपत्ति जताई थी।
- याचिकाकर्त्ता और उनके वकील ने प्रस्तुत किया कि मदरसा अधिनियम धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांतों का उल्लंघन करता है, जो संविधान की मूल संरचना है, यह 14 वर्ष की आयु/कक्षा-आठवीं तक गुणवत्तापूर्ण अनिवार्य शिक्षा प्रदान करने में विफल है जैसा

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

कि अनुच्छेद 21-A के तहत अनिवार्य है: और मदरसों में पढ़ने वाले सभी बच्चों को सार्वभौमिक तथा गुणवत्तापूर्ण स्कूली शिक्षा प्रदान करने में विफल है।

- यूपी में लगभग 25,000 मदरसे हैं जिनमें से 16,500 को यूपी मदरसा शिक्षा बोर्ड द्वारा मान्यता प्राप्त है। इनमें से 560 मदरसों को सरकार से अनुदान मिलता है। इसके अलावा राज्य में 8,500 गैर मान्यता प्राप्त मदरसे हैं।

- वर्ष 2004 में सरकार द्वारा मदरसा शिक्षा अधिनियम बनाया गया था। इसी प्रकार प्रदेश में संस्कृत शिक्षा परिषद का भी गठन किया गया है।
- दोनों बोर्ड का उद्देश्य अरबी, फारसी और संस्कृत जैसी भाषाओं को बढ़ावा देना था।
- यूपी मदरसा शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष के मुताबिक बोर्ड फैसले का अध्ययन करेगा और आगे की कार्रवाई तय करेगा।

यूपी मदरसा शिक्षा अधिनियम, 2004

- मदरसा शिक्षा को सुव्यवस्थित करने के लिये वर्ष 2004 में कानून बनाया गया था, इसे अरबी, उर्दू, फारसी, इस्लामी अध्ययन, तिब्ब (पारंपरिक चिकित्सा), दर्शन और अन्य निर्दिष्ट शाखाओं में शिक्षा के रूप में परिभाषित किया गया था।
- इसके बाद बोर्ड का पुनर्गठन किया गया, जिसमें एक अध्यक्ष, निदेशक, रामपुर में सरकारी संचालित ओरिएंटल कॉलेज के प्रिंसिपल, सुन्नी और शिया संप्रदायों का प्रतिनिधित्व करने वाले एक विधायक, एक NCERT प्रतिनिधि, सुन्नी एवं शिया संस्थानों के प्रमुख, शिक्षक तथा एक विज्ञान या तिब्ब शिक्षक शामिल थे।

अनुच्छेद 21 (A)

- शिक्षा का अधिकार घोषित करता है कि राज्य छह से चौदह वर्ष की आयु के सभी बच्चों को मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा प्रदान करेगा।
- यह प्रावधान केवल प्रारंभिक शिक्षा को मौलिक अधिकार बनाता है, न कि उच्च या व्यावसायिक शिक्षा को।
- यह प्रावधान वर्ष 2002 के 86वें संवैधानिक संशोधन अधिनियम द्वारा जोड़ा गया था।
- 86वें संशोधन से पहले, संविधान के भाग IV में अनुच्छेद 45 के तहत बच्चों के लिये मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा का प्रावधान था

5 करोड़ आयुष्मान कार्ड जारी करने वाला पहला राज्य बना उत्तर प्रदेश

चर्चा में क्यों?

हाल ही में उत्तर प्रदेश ने पाँच करोड़ आयुष्मान कार्ड जारी करने वाला भारत का पहला राज्य बनकर एक महत्त्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है।

मुख्य बिंदु:

- आर्थिक रूप से वंचित व्यक्तियों को स्वास्थ्य देखभाल लागत के खिलाफ वित्तीय सुरक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से बनाई गई आयुष्मान भारत योजना में उत्तर प्रदेश में उल्लेखनीय प्रगति देखी गई है।
  - कुल 50,017,920 आयुष्मान कार्ड जारी किये गए, जिससे 74,382,304 व्यक्तियों को लाभ हुआ, राज्य इस महत्त्वपूर्ण पहल को लागू करने में अग्रणी बनकर उभरा है।
- आयुष्मान कार्ड जारी करने की प्रक्रिया को सुव्यवस्थित किया गया है, पंचायत सहायकों, जोतदारों और आशा कार्यकर्त्ताओं ने निवासियों के लिये कार्ड बनाने की सुविधा हेतु घर-घर जाकर दौरा किया है।
  - पात्र लाभार्थी अपने कार्ड अपने संबंधित गाँवों के ग्राम पंचायत भवन से भी प्राप्त कर सकते हैं।
- आयुष्मान भारत योजना के तहत, उत्तर प्रदेश में 92.48% की प्रभावशाली निपटान दर के साथ कुल 3,481,252 स्वास्थ्य दावे दायर किये गए हैं।
  - यह ज़रूरतमंदों को समय पर सहायता प्रदान करने में योजना की प्रभावशीलता को इंगित करता है।

आयुष्मान भारत योजना

- यह पूरी तरह से सरकार द्वारा वित्तपोषित विश्व की सबसे बड़ी स्वास्थ्य बीमा योजना है।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- वर्ष 2018 में लॉन्च की गई, यह माध्यमिक देखभाल और तृतीयक देखभाल के लिये प्रति परिवार 5 लाख रुपए की बीमा राशि प्रदान करती है।
  - स्वास्थ्य लाभ पैकेज में सर्जरी, चिकित्सा एवं डे केयर उपचार, दवाओं और निदान की लागत शामिल है।

उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र महामारी के बाद भारत के विकास में अग्रणी: SBI रिपोर्ट

चर्चा में क्यों?

भारतीय स्टेट बैंक अनुसंधान के नवीनतम निष्कर्षों के अनुसार, 235 आधार बिंदु (bp) वृद्धि में से, महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश 56 तथा 40 bp का योगदान देकर अग्रणी बनकर उभरे, जबकि शेष 90 bp अन्य राज्यों से प्राप्त हुए।

मुख्य बिंदु

- भारतीय अर्थव्यवस्था ने कोविड-19 महामारी के मद्देनज़र लचीलेपन का प्रदर्शन किया है, औसत वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि 8.1% तक बढ़ गई है, जो महामारी से पहले की अवधि में देखी गई 5.7% की वृद्धि से काफी अधिक है।
- **रिपोर्ट के अनुसार:**
  - सकल राज्य घरेलू उत्पाद (GSDP) के मोर्चे पर, गुजरात ने अपने आर्थिक उत्पादन को उल्लेखनीय रूप से दोगुना कर दिया है, जो पिछले दशक में 2.2 गुना वृद्धि दर्शाता है।
  - इसके बाद कर्नाटक, असम, आंध्र प्रदेश, ओडिशा, तेलंगाना, सिक्किम और मध्य प्रदेश जैसे राज्य महत्त्वपूर्ण आर्थिक गति तथा विकास प्रदर्शित कर रहे हैं।
  - जबकि उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़, बिहार और मध्य प्रदेश जैसे कुछ राज्यों ने प्रति व्यक्ति आय वृद्धि प्रक्षेप पथ को स्थिर बनाए रखा है, वहीं झारखंड, राजस्थान, पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र, पंजाब, दिल्ली तथा गोवा जैसे अन्य राज्यों ने इस पहलू में कमी दर्ज की है।
  - रिपोर्ट में कोविड-19 महामारी के बाद प्रति व्यक्ति शुद्ध राज्य घरेलू उत्पाद (NSDP) के संदर्भ में राज्य-व्यापी असमानता में उल्लेखनीय कमी पर प्रकाश डाला गया है।
- SBI रिसर्च टीम ने सभी राज्यों में आर्थिक विकास की गति को बनाए रखने और बढ़ाने के लिये निरंतर नीति समर्थन तथा लक्षित हस्तक्षेप के महत्त्व पर ज़ोर दिया।
- यह नीति निर्माताओं, अर्थशास्त्रियों और हितधारकों के लिये एक संसाधन के रूप में कार्य करता है, जो भारतीय अर्थव्यवस्था की उभरती गतिशीलता में अंतर्दृष्टि प्रदान करता है तथा भविष्य की विकास पहलों का मार्गदर्शन करता है।

आधार बिंदु

- ये माप की एक इकाई है जिसका उपयोग वित्तीय साधनों के मूल्य में प्रतिशत परिवर्तन या किसी सूचकांक या अन्य बेंचमार्क में दर परिवर्तन का वर्णन करने के लिये किया जाता है।
  - एक आधार बिंदु 0.01% (प्रतिशत का 1/100वाँ हिस्सा) या दशमलव रूप में 0.0001 के बराबर है।

मसान होली

चर्चा में क्यों?

हाल ही में वाराणसी में दो दिवसीय विशेष कार्यक्रम मसान होली मनायी गई। इस दौरान भक्त एक-दूसरे पर अंतिम संस्कार की अग्नि की राख और गुलाबी पाउडर (गुलाल) डालते हैं। इस आयोजन को मृत्यु का जश्न मनाने के तौर पर भी देखा जाता है।

मुख्य बिंदु

- ऐसा माना जाता है कि वाराणसी में मसान होली की रस्म होलिका-प्रहलाद की पौराणिक घटना को चिता की राख के साथ मनाई जाती है।
- वाराणसी की मसान होली में चिता की राख का उपयोग जीवन की अल्पता और इस भौतिकवादी विश्व में व्यक्ति के अस्तित्त्व की चक्रीय प्रकृति का प्रतीक है।
- ऐसा माना जाता है कि मसान होली में उपयोग की जाने वाली राख में शुद्धिकरण गुण होते हैं जो शरीर, मन और आत्मा की अशुद्धियों को साफ करते हैं।
- होली के दौरान एक-दूसरे को राख लगाकर, लोग आध्यात्मिक कायाकल्प और आंतरिक शुद्धि चाहते हैं।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

उत्तर प्रदेश का मक्का उत्पादन बढ़ाने का लक्ष्य

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश सरकार वर्ष 2027-28 तक मक्का का उत्पादन 3.2 मिलियन टन (mt) से अधिक तक बढ़ाने का लक्ष्य रख रही है।

मुख्य बिंदु:

- वर्तमान में, विभिन्न फसल मौसमों (**खरीफ, रबी और ज़ैद**) **में राज्य का मक्का उत्पादन 830,000 हेक्टेयर में 2.12 मिलियन टन** होने का अनुमान है।
  - उपज लगभग **25.49 क्विंटल (100 किलोग्राम) प्रति हेक्टेयर** है, जो राष्ट्रीय औसत से कम है।
  - राज्य की योजना मक्के का रकबा **200,000 हेक्टेयर बढ़ाने और अतिरिक्त 1.1 मिलियन टन** उत्पादन बढ़ाने की है।
  - इससे राज्य का मक्का क्षेत्र और उत्पादन क्रमशः **1.03 मिलियन हेक्टेयर MH) तथा 3.2 मिलियन** टन तक बढ़ जाएगा।
- राज्य विभिन्न मक्का प्रचार कार्यक्रमों पर लगभग 150 करोड़ रुपए का निवेश करेगा और **खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों को प्रोत्साहन** देगा।
- मक्के की फसल का **भोजन, पोल्ट्री चारा और ईंधन (अनाज आधारित इथेनॉल) के रूप में विविध उपयोग** होता है।
- इसका उपयोग **फार्मास्युटिकल, कॉस्मेटिक, कपड़ा, कागज़ और अल्कोहल उद्योगों** में भी किया जाता है।
  - **धान और गेहूँ के बाद मक्का भारत में तीसरी सबसे महत्त्वपूर्ण** अनाज की फसल है तथा कुल **खाद्यान्न उत्पादन का लगभग 10% हिस्सा** है।
  - विश्व स्तर पर, अनाज फसलों के बीच अपनी उच्च आनुवंशिक उपज क्षमता के कारण मक्के को '**अनाज की रानी**' कहा जाता है।
- उद्योग ने अनुमान लगाया है कि इथेनॉल और पोल्ट्री क्षेत्रों की मांग को पूरा करने के लिये भारत को अगले चार-पाँच वर्षों में मक्का उत्पादन में 10 मिलियन टन की वृद्धि करने की आवश्यकता है।
- बढ़ती स्वास्थ्य जागरूकता के कारण मक्के की मांग बढ़ रही है। लोग मक्के को इसके **उच्च पोषण मूल्य, स्टार्च, फाइबर, प्रोटीन, वसा, विटामिन बी कॉम्प्लेक्स, कैरोटीन और मैग्नीशियम, जस्ता, फास्फोरस एवं ताँबे** जैसे आवश्यक खनिजों के लिये पसंद करते हैं।

मक्का

- **तापमान:** 21-27°C के बीच
- **वर्षा:** अधिक वर्षा।
- **मृदा का प्रकार:** पुरानी जलोढ़ मृदा।
- **शीर्ष मक्का उत्पादक राज्य:** कर्नाटक, मध्य प्रदेश, बिहार, तमिलनाडु, तेलंगाना, महाराष्ट्र और आंध्र प्रदेश।
- **FAO (खाद्य और कृषि संगठन)** के आँकड़ों के अनुसार, भारत 2020 में मक्का का पाँचवाँ सबसे बड़ा उत्पादक था।
- इसका उपयोग **भोजन और चारे** दोनों के रूप में किया जाता है।
- **अधिक उपज देने वाले किस्म के बीज, उर्वरक और सिंचाई** जैसे आधुनिक आदानों के उपयोग ने मक्के के उत्पादन को बढ़ाने में योगदान दिया है।
- **मक्का पर प्रौद्योगिकी मिशन** मक्का के लिये सरकार की पहलों में से एक है।

ISARC: कम मीथेन उत्सर्जन के साथ चावल का विकास

चर्चा में क्यों?

हाल ही में भारत, बांग्लादेश, श्रीलंका और नेपाल के वरिष्ठ कृषि अधिकारी 7वीं ISARC समन्वय समिति (ICC) की बैठक के लिये अंतर्राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान (IRRI), दक्षिण एशिया क्षेत्रीय केंद्र (ISARC), वाराणसी में एकत्र हुए।

मुख्य बिंदु:

- बैठक की अध्यक्षता करते हुए, **IRRI के अंतरिम महानिदेशक ने कहा कि ISARC दक्षिण एशियाई क्षेत्र** में चावल

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

आधारित कृषि-खाद्य प्रणाली को बदलने से संबंधित सभी शोधों के लिये एक साक्ष्य-आधारित अनुसंधान केंद्र के रूप में उभर रहा है।

- वर्ष 2024 में, **कम मीथेन उत्सर्जन वाले चावल की किस्मों के विकास और प्रीमियम गुणवत्ता वाले पौष्टिक चावल की उत्पादकता बढ़ाने पर ध्यान** केंद्रित किया गया है।

- लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिये, ISARC **सीधी बुआई वाला चावल (DSR)** और **वैकल्पिक गीले तथा सुखाने (AWD)** जैसे सर्वोत्तम कृषि विज्ञान एवं प्रबंधन प्रथाओं के प्रसार पर कार्य कर रहा है।
- **DSR, IRRI के प्रमुख अनुसंधान कार्यक्रमों में से एक है,** जो तेज़ी से रोपण और परिपक्वता प्रदान करता है, जल तथा श्रम जैसे दुर्लभ संसाधनों का संरक्षण करता है।
  - पारंपरिक पोखर ट्रांसप्लांट **चावल तकनीक की तुलना में यह मशीनीकरण के लिये अधिक अनुकूल है** और जलवायु परिवर्तन में योगदान करने वाली ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन को कम करता है।
- ISARC ने अनुसंधान, विस्तार, क्षमता विकास और प्रौद्योगिकी प्रसार में अपनी क्षमताओं का प्रदर्शन किया है, जिससे हमारे **कृषि परिदृश्य के सामने आने वाली गंभीर चुनौतियों का समाधान करने हेतु ठोस समाधान सामने आए हैं।**
- कुछ उपलब्धियाँ जैसे **अल्ट्रा-लो ग्लाइसेमिक इंडेक्स चावल की किस्मों** को जारी करना, स्पीड ब्रीडिंग प्रोटोकॉल, डायरेक्ट सीडेड चावल एवं सीड्स विदाउट बॉर्डर व राष्ट्रीय भागीदारों से ISARC के तकनीकी समर्थन के माध्यम से अपने-अपने क्षेत्रों में नवाचारों को दोहराने का आग्रह किया।

अंतर्राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान (IRRI)

- IRRI एक स्वतंत्र, गैर-लाभकारी, अनुसंधान और शैक्षणिक संस्थान है, जिसकी स्थापना वर्ष 1960 में फिलीपीन सरकार के समर्थन से फोर्ड एवं रॉकफेलर फाउंडेशन द्वारा की गई थी।
- लॉस बानोस, फिलीपींस में मुख्यालय वाले इस संस्थान के कार्यालय एशिया और अफ्रीका के 17 चावल उत्पादक देशों में हैं।
- IRRI दक्षिण एशिया क्षेत्रीय केंद्र वाराणसी (उत्तर प्रदेश) में स्थित है।
- इसका उद्देश्य चावल किसानों और उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य तथा कल्याण में सुधार करना एवं भावी पीढ़ियों के लिये चावल उगाने वाले पर्यावरण की रक्षा करना है।

सीधी बुआई वाला चावल (DSR)

- अनुत्पादक जल प्रवाह को कम करने के लिये यह एक व्यवहार्य विकल्प है।
- DSR नर्सरी से रोपाई के बजाय खेत में बोए गए बीजों से चावल की फसल तैयार करने की प्रक्रिया को संदर्भित करता है।
- पारंपरिक चावल स्थापना प्रणाली के लिये पर्याप्त मात्रा में जल की आवश्यकता होती है।

वैकल्पिक रूप से गीला करना और सुखाना (AWD)

- यह एक जल-बचत तकनीक है जिसे किसान चावल के खेतों में सिंचाई के जल की खपत को कम करने के लिये लागू कर सकते हैं, बिना इसकी उपज को कम किये।
- AWD में, तालाब का जल गायब होने के कुछ दिनों बाद सिंचाई का जल प्रयोग किया जाता है।

44% मौजूदा सांसदों पर आपराधिक आरोप: ADR

चर्चा में क्यों?

चुनाव अधिकार संस्था, एसोसिएशन ऑफ डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (ADR) द्वारा विश्लेषण किये गए स्व-शपथ हलफनामों के अनुसार, 514 मौजूदा लोकसभा सांसदों में से 225 (44%) के खिलाफ आपराधिक मामले हैं।

- रिपोर्ट से पता चला है कि आपराधिक आरोपों वाले मौजूदा सांसदों में से **29% गंभीर आपराधिक मामलों** का सामना कर रहे हैं, जिनमें हत्या, हत्या का प्रयास, सांप्रदायिक वैमनस्य को बढ़ावा देना, अपहरण और महिलाओं के खिलाफ अपराध के आरोप शामिल हैं।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

मुख्य बिंदु:

- राज्यों के बीच आपराधिक मामलों के वितरण के संबंध में, **उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, बिहार, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और हिमाचल प्रदेश** अपने 50% से अधिक सांसदों के साथ आपराधिक आरोपों का सामना कर रहे हैं।
- **गंभीर आपराधिक मामलों** के लिये मानदंड:
  - वह अपराध जिसके लिये अधिकतम सज़ा 5 वर्ष या उससे अधिक है
  - यदि कोई अपराध **गैर-ज़मानती** है
  - यदि यह **चुनावी अपराध** है (उदाहरण के लिये: रिश्वतखोरी)
  - राजकोष को हानि से संबंधित अपराध
  - ऐसे अपराध जो **हमला, हत्या, अपहरण या बलात्कार** से संबंधित हैं
  - **लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 (धारा 8)** में वर्णित अपराध
  - **भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988** के तहत अपराध और **महिलाओं के खिलाफ अपराध**
- **संविधान के अनुच्छेद 105** के तहत, सांसदों को कुछ विशेषाधिकार प्राप्त हैं ताकि वे बिना किसी बाधा के अपने संसदीय कर्त्तव्यों का पालन कर सकें।
  - विशेषाधिकारों में से एक यह है कि किसी सांसद को किसी नागरिक मामले में सत्र या सदन समिति की बैठक शुरू होने से 40 दिन पहले और उसके 40 दिन बाद गिरफ्तार नहीं किया जा सकता है।

गैर-ज़मानती अपराध

- **कोई भी अपराध जो CrPC की पहली अनुसूची या किसी अन्य कानून के तहत ज़मानती नहीं बताया गया है**, उसे गैर-ज़मानती अपराध माना जाता है।
- **गैर-ज़मानती अपराध का आरोपी व्यक्ति ज़मानत को अधिकार के रूप में दावा नहीं कर सकता है। CrPC** की धारा 437 में यह प्रावधान है कि **गैर-ज़मानती अपराध के मामले में ज़मानत कब ली जा सकती है।**
- गैर-ज़मानती अपराध के आरोपी व्यक्ति को जमानत दी जा सकती है, बशर्ते **आरोपी निम्नलिखित आधारों के अंतर्गत न आता हो:**
  - यह मानने के उचित आधार हैं कि उसने मृत्युदंड या आजीवन कारावास से दंडनीय अपराध किया है।
  - यह कि अभियुक्त ने संज्ञेय अपराध किया है और उसे पहले भी मृत्युदंड, सात वर्ष या अधिक के कारावास से दंडनीय अपराध का दोषी ठहराया गया था।
  - यह कि अभियुक्त को पहले दो या अधिक अवसरों पर संज्ञेय अपराध करने के लिये दोषी ठहराया गया था, जिसमें तीन वर्ष या उससे अधिक लेकिन सात वर्ष से कम की कैद की सज़ा नहीं थी।
  - ऐसे असाधारण मामले हैं जिनमें **CrPC की धारा 437(1)** के आधार पर कानून व्यक्तियों के पक्ष में विशेष विचार करता है, यानी जहाँ आरोपी **नाबालिग, महिला, बीमार व्यक्ति** आदि है।

एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (ADR)

- यह भारत में एक **अराजनीतिक और गैर-पक्षपातपूर्ण, गैर-लाभकारी संगठन है**, जो 25 वर्षों से अधिक समय से चुनावी तथा राजनीतिक सुधारों पर कार्य कर रहा है।
- इसकी **स्थापना वर्ष 1999** में भारतीय प्रबंधन संस्थान (IIM) अहमदाबाद के प्रोफेसरों के एक समूह द्वारा की गई थी।

अवमानना कार्यवाही में CAT के आदेश के विरुद्ध अपील

चर्चा में क्यों?

हाल ही में इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने माना है कि प्रशासनिक न्यायाधिकरण अधिनियम 1985 की धारा 17 के तहत अपने अवमानना क्षेत्राधिकार का प्रयोग करते हुए केंद्रीय प्रशासनिक अधिकरण (Central Administrative Tribunal-CAT) के एक आदेश के विरुद्ध अपील न्यायालय की अवमानना अधिनियम, 1971 की धारा 19 के तहत सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष की जा सकती है।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- न्यायालय ने कहा कि **भारत के संविधान के अनुच्छेद 226** के तहत ऐसे किसी भी आदेश को उच्च न्यायालय के समक्ष चुनौती नहीं दी जा सकती।

मुख्य बिंदु:

- **केंद्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण की स्थापना संविधान के अनुच्छेद 323-A के तहत की गई थी।**
  - यह संघ या सरकार के नियंत्रण में अन्य प्राधिकरणों के मामलों के संबंध में सार्वजनिक सेवाओं और पदों पर नियुक्त व्यक्तियों की **भर्ती तथा सेवा की शर्तों के संबंध में विवादों एवं शिकायतों के निर्णय का प्रावधान करता है।**
  - **पूरे भारत में CAT की 19 बेंच हैं।**
- CAT एक विशेषज्ञ निकाय है जिसमें प्रशासनिक सदस्य और न्यायिक सदस्य शामिल हैं जो अपने विशेष ज्ञान के आधार पर त्वरित एवं प्रभावी न्याय देने के लिये बेहतर ढंग से सुसज्जित हैं।
  - एक अध्यक्ष जो किसी उच्च न्यायालय का मौजूदा या सेवानिवृत्त न्यायाधीश रहा हो, CAT का प्रमुख होता है।

संविधान का अनुच्छेद 226

- संविधान का अनुच्छेद 226 उच्च न्यायालय को नागरिकों के मौलिक अधिकारों को लागू करने और किसी अन्य उद्देश्य के लिये बंदी प्रत्यक्षीकरण, परमादेश, उत्प्रेषण, निषेध तथा अधिकार वारंट **सहित रिट जारी करने का अधिकार प्रदान करता है।**
  - यहाँ 'किसी अन्य उद्देश्य' का अर्थ किसी **सामान्य कानूनी अधिकार के प्रवर्तन से है।** इस प्रकार **रिट को लेकर उच्च न्यायालय का अधिकार क्षेत्र सर्वोच्च न्यायालय की तुलना में काफी व्यापक है।**
- ऐसा इसलिये है क्योंकि उच्च न्यायालय केवल मौलिक अधिकारों को लागू करने के लिये रिट जारी कर सकता है, किसी अन्य उद्देश्य के लिये नहीं, यानी यह उस मामले तक लागू नहीं होता है जहाँ सामान्य कानूनी अधिकार के उल्लंघन का आरोप लगाया जाता है।
- उच्च न्यायालय किसी भी व्यक्ति, प्राधिकरण और सरकार को न केवल **अपने क्षेत्रीय अधिकार क्षेत्र के भीतर बल्कि अपने क्षेत्रीय अधिकार क्षेत्र के बाहर भी रिट जारी कर सकता है यदि कार्रवाई का कारण उसके क्षेत्रीय अधिकार क्षेत्र के भीतर उत्पन्न होता है।**

अतिरिक्त महाधिवक्ता

चर्चा में क्यों?

हाल ही में उत्तर प्रदेश के अतिरिक्त महाधिवक्ता (AAG) अर्धेन्दुमौली कुमार प्रसाद ने कार्यालय से इस्तीफा दे दिया।

- AAG के रूप में नियुक्त होने से पहले, उन्होंने **सर्वोच्च न्यायालय** में यूपी के लिये स्थायी वकील के रूप में कार्य किया।

मुख्य बिंदु:

- अतिरिक्त महाधिवक्ता एक **कानूनी अधिकारी होता है जो भारत में किसी राज्य या केंद्रशासित प्रदेश के महाधिवक्ता (AG)** की सहायता करता है।
- उनकी नियुक्ति **AG की सिफारिश** पर राज्य के राज्यपाल द्वारा की जाती है।
- AAG, AG द्वारा उसे सौंपे गए कर्त्तव्यों का पालन करता है, जैसे राज्य सरकार की ओर से उच्च न्यायालय या अन्य न्यायालयों में उपस्थित होना, कानूनी राय देना और दलीलों का मसौदा तैयार करना।

घाटे की पूर्ति हेतु विद्युत की खरीदारी

चर्चा में क्यों?

हाल ही में उत्तर प्रदेश पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (UPPCL) ने पावर बैंकों के माध्यम से 11 राज्यों से 5,500 मिलियन यूनिट (Mu) विद्युत का व्यापार किया है।

- उच्च ऊर्जा मांग अवधि (अप्रैल-अक्तूबर) के दौरान लगभग 4,000 Mu की आपूर्ति की जाएगी।

मुख्य बिंदु:

- वर्ष 2023 में, राज्य ने 28,284 मेगावाट (MW) की उच्च मांग स्थापित की, जबकि पावर कॉर्पोरेशन ने मांग-आपूर्ति के अंतर को दूर करने के लिये पाँच राज्यों से 3,000 Mu ऊर्जा की व्यवस्था की।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- यूपी के पावर बैंकिंग राज्य भागीदारों में **मध्य प्रदेश, राजस्थान, तेलंगाना, महाराष्ट्र, कर्नाटक, गुजरात, पंजाब, जम्मू एवं कश्मीर और हिमाचल प्रदेश** शामिल हैं।
- उत्तर प्रदेश की **अधिकतम ऊर्जा मांग वर्ष 2024 में 31,000 MW** और **वर्ष 2028 तक 53,000 MW** तक पहुँचने की संभावना है।
  - हालाँकि राज्य सरकार को उम्मीद है कि वह **नवीकरणीय ऊर्जा** उत्पादन में पर्याप्त वृद्धि करेगी।
  - राज्य ने **4-5 वर्षों में 22,000 MW सौर ऊर्जा उत्पादन का लक्ष्य रखा है।**

उत्तर प्रदेश पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (UPPCL)

- **14 जनवरी 2000 को** यूपी में विद्युत क्षेत्र के सुधारों और पुनर्गठन के परिणामस्वरूप स्थापित किया गया, **जो विद्युत क्षेत्र का केंद्र बिंदु है** जो विद्युत के **संचारण, वितरण तथा आपूर्ति के माध्यम** से क्षेत्र की योजना एवं प्रबंधन के लिये ज़िम्मेदार है।
- यह पेशेवर रूप से प्रबंधित उपयोगिता है जो राज्य के प्रत्येक नागरिक को विश्वसनीय और लागत कुशल विद्युत की आपूर्ति करती है।

गर्मी से संबंधित बीमारी के प्रबंधन हेतु स्वास्थ्य विभाग के दिशा-निर्देश

चर्चा में क्यों?

हाल ही में उत्तर प्रदेश स्वास्थ्य विभाग ने राज्य में गर्मी के दौरान गर्मी से होने वाली बीमारियों की रोकथाम और प्रबंधन की तैयारियों के साथ सभी ज़िलाधिकारियों व मुख्य चिकित्सा अधिकारियों को दिशा-निर्देश जारी किये हैं।

मुख्य बिंदु:

- **भारतीय मौसम विभाग** के अनुसार, इस गर्मी के दौरान देश के अधिकांश हिस्सों में सामान्य से **अधिक तापमान** रहने की संभावना है, खासकर उत्तर प्रदेश के मध्य और उत्तर-पश्चिमी हिस्सों में।
  - विभिन्न संस्थानों ने मार्च और मई 2024 के बीच **बीमारियों के मौसमी प्रकोप की आशंका** जताई है।
  - मार्च से मई 2024 तक देश के मध्य और उत्तर-पश्चिमी क्षेत्रों में **हीटवेव** की अधिक संभावना है।
- स्वास्थ्य विभाग गर्मी से संबंधित बीमारियों के साथ-साथ उनकी रोकथाम और प्रबंधन के बारे में जागरूकता बढ़ाने हेतु कार्यक्रमों की एक शृंखला आयोजित करने के लिये अंतर-विभागीय समन्वय स्थापित करेगा।
  - विभाग भीड़भाड़ वाले स्थानों पर **शीतल एवं स्वच्छ पेयजल** की व्यवस्था करेगा तथा गर्मी से बचाव के लिये आश्रय स्थल उपलब्ध कराएगा।
  - **मौसम के पूर्वानुमान और तापमान** को भीड़-भाड़ वाले स्थानों पर स्थापित स्क्रीनों पर प्रदर्शित किया जाएगा, जबकि स्कूलों में **गर्मी से बचाव पर जागरूकता सत्र आयोजित किये** जाएंगे।
  - विभाग चिकित्सा अधिकारियों, पैरामेडिकल स्टाफ और फ्रंटलाइन कार्यकर्त्ताओं के प्रशिक्षण एवं जागरूकता को **प्राथमिकता देगा, यह सुनिश्चित करते हुए कि वे इन बीमारियों की तुरंत पहचान करने एवं उनका उपचार करने के** कौशल से लैस हैं।
  - **आवश्यक दवाओं, अंत:शिरा तरल पदार्थ, आइस पैक, मौखिक पुनर्जलीकरण लवण और अन्य आवश्यक आपूर्ति** की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी।
  - गर्मी से संबंधित बीमारियों और उन्हें रोकने तथा प्रबंधित करने के बारे में सार्वजनिक जागरूकता बढ़ाने के लिये **शैक्षिक सामग्री वितरित की जाएगी।**

नक्सली साजिश मामले में NIA ने 12 जगहों पर छापेमारी की

चर्चा में क्यों?

भारत विरोधी साजिश मामले में राष्ट्रीय जाँच एजेंसी (NIA) ने उत्तर प्रदेश और बिहार में 12 जगहों पर छापेमारी की।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

मुख्य बिंदु:

- कुल में से, **उत्तर प्रदेश के बलिया** ज़िले में **11 स्थानों** और **बिहार के कैमूर ज़िले** में एक स्थान की तलाशी मूल रूप से उत्तर प्रदेश के **आतंकवाद विरोधी दस्ते (ATS)** द्वारा दर्ज मामले के संबंध में की गई थी।
  - तलाशी अभियान के दौरान, मोबाइल फोन, सिम कार्ड और मेमोरी कार्ड सहित **कई डिजिटल उपकरणों** के साथ-साथ प्रतिबंधित **नक्सली** संगठन के पर्चे जैसे **आपत्तिजनक दस्तावेज़** ज़ब्त किये गए।
- NIA की अब तक की जाँच के अनुसार, प्रतिबंधित संगठन उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, दिल्ली, पंजाब, हरियाणा और हिमाचल प्रदेश सहित **उत्तरी क्षेत्रीय ब्यूरो** में अपनी उपस्थिति को फिर से सक्रिय करने के लिये सक्रिय प्रयास कर रहा है।

राष्ट्रीय जाँच एजेंसी (NIA)

- NIA भारत की **केंद्रीय आतंकवाद-रोधी कानून प्रवर्तन एजेंसी** है जो भारत की **संप्रभुता, सुरक्षा और अखंडता** को प्रभावित करने वाले सभी अपराधों की जाँच करने के लिये अधिकृत है। इसमें शामिल है:
  - विदेशी राष्ट्रों के साथ मैत्रीपूर्ण
  - परमाणु और नाभिकीय सुविधाओं के
  - **हथियारों, नशीली दवाओं** और **नकली भारतीय मुद्रा की तस्करी** तथा सीमा पार से घुसपैठ।
  - संयुक्त राष्ट्र, इसकी **एजेंसियों** और अन्य **अंतर्राष्ट्रीय संगठनों** की **अंतर्राष्ट्रीय संधियों, समझौतों, सम्मेलनों व प्रस्तावों** को लागू करने **के लिये बनाए गए वैधानिक कानूनों** के तहत अपराध।
- इसका गठन **राष्ट्रीय जाँच एजेंसी (NIA) अधिनियम, 2008** के तहत किया गया था।
- एजेंसी को **गृह मंत्रालय की लिखित उद्घोषणा** के तहत **राज्यों की विशेष अनुमति के बिना** राज्यों में आतंकवाद से संबंधित अपराधों की जाँच से निपटने का अधिकार है।
- **मुख्यालय :** नई दिल्ली

भारत में नक्सलवाद

- नक्सलवाद शब्द का नाम **पश्चिम बंगाल के गाँव नक्सलबाड़ी** से लिया गया है।
- इसकी शुरुआत स्थानीय ज़मींदारों के खिलाफ विद्रोह के रूप में हुई, जिन्होंने भूमि विवाद पर एक किसान की पिटाई की थी। विद्रोह की शुरुआत वर्ष 1967 में **कानू सान्याल** और **जगन संथाल** के नेतृत्व में मेहनतकश किसानों को भूमि के उचित पुनर्वितरण के उद्देश्य से की गई थी।
- पश्चिम बंगाल में शुरू हुआ यह आंदोलन पूरे पूर्वी भारत: छत्तीसगढ़, ओडिशा के अतिरिक्त आंध्र प्रदेश जैसे राज्यों के कम विकसित क्षेत्रों में भी फैल गया है।
- ऐसा माना जाता है कि नक्सली **माओवादी राजनीतिक भावनाओं** और विचारधारा का समर्थन करते हैं।

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा मदरसों का लाइसेंस रद्द

चर्चा में क्यों?

हाल ही में उत्तर प्रदेश सरकार ने राज्य भर के सभी 16,000 मदरसों के लाइसेंस रद्द कर दिये। इस निर्णय के अनुसार मदरसों में नामांकित छात्रों को अब सरकार द्वारा संचालित स्कूलों में प्रवेश लेना होगा।

मुख्य बिंदु:

- 22 मार्च 2024 को, **इलाहाबाद उच्च न्यायालय** ने **उत्तर प्रदेश मदरसा शिक्षा बोर्ड अधिनियम, 2004** को **असंवैधानिक** घोषित कर दिया
  - न्यायालय ने इस अधिनियम को **धर्मनिरपेक्षता** के सिद्धांतों का उल्लंघन बताते हुए कहा कि **मदरसा शिक्षा धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांत के विरुद्ध** है और राज्य को यह सुनिश्चित करना चाहिये कि धार्मिक शिक्षाओं में भाग लेने वाले छात्रों को औपचारिक शिक्षा प्रणाली में समायोजित किया जाना चाहिये।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- हालाँकि **सर्वोच्च न्यायालय ने** इलाहाबाद उच्च न्यायालय के आदेश पर **रोक लगा दी**।

- मदरसा लाइसेंस रद्द करना धार्मिक शिक्षा संस्थानों के प्रति राज्य के दृष्टिकोण में एक महत्त्वपूर्ण बदलाव का प्रतीक है।
  - इस कदम का उद्देश्य उत्तर प्रदेश में शिक्षा प्रणाली को सुव्यवस्थित करना और सभी शैक्षणिक संस्थानों में पाठ्यक्रम व मानकों में एकरूपता सुनिश्चित करना है।
- उल्लेखनीय है कि **उत्तर प्रदेश में** 25,000 से अधिक मदरसे हैं, जिनमें से लगभग **16,500 मदरसा शिक्षा बोर्ड द्वारा आधिकारिक तौर पर मान्यता प्राप्त** हैं।

उत्तर प्रदेश मदरसा शिक्षा बोर्ड अधिनियम, 2004

- इस अधिनियम का उद्देश्य उत्तर प्रदेश राज्य में **मदरसों (इस्लामिक शैक्षणिक संस्थानों)** के कामकाज को विनियमित और नियंत्रित करना है।
- इसने पूरे उत्तर प्रदेश में मदरसों की स्थापना, मान्यता, पाठ्यक्रम और प्रशासन के लिये एक रूपरेखा प्रदान की।
- इस अधिनियम के तहत, राज्य में मदरसों की गतिविधियों की देखरेख और पर्यवेक्षण के लिये **उत्तर प्रदेश मदरसा शिक्षा बोर्ड** की स्थापना की गई थी

इलाहाबाद उच्च न्यायालय मथुरा मस्जिद हटाने की याचिका पर सुनवाई करेगा

चर्चा में क्यों?

इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने मथुरा में कृष्ण जन्मस्थान मंदिर के बगल में स्थित शाही ईदगाह मस्जिद को हटाने के संबंध में एक याचिका पर सुनवाई के लिये तारीख तय की है।

मुख्य बिंदु:

- कटरा केशव देव खेवट में भगवान श्रीकृष्ण विराजमान और अन्य 17 द्वारा दायर मुकदमों में दावा किया गया है कि मस्जिद **कटरा केशव देव मंदिर की 13.37 एकड़ भूमि** पर बनाई गई थी।

- **विवादित भूमि का इतिहास:**
  - ओरछा के **राजा वीर सिंह बुंदेला ने भी वर्ष 1618 में** उसी परिसर में एक **मंदिर बनवाया** था और **वर्ष 1670 में औरंगज़ेब ने** पूर्वकाल के **मंदिर की जगह पर मस्जिद बनवाया** था।
  - माना जाता है कि **मथुरा में कृष्ण जन्मस्थान मंदिर** का निर्माण **लगभग 2,000 वर्ष पूर्व, पहली शताब्दी ईस्वी** में हुआ था।
  - उस परिसर के पूर्ण स्वामित्व के लिये हिंदू प्रतिनिधियों की मांग के कारण एक सर्वेक्षण का आदेश दिया गया है जहाँ **वर्ष 1670 में मुगल सम्राट औरंगज़ेब** के आदेश पर केशव देव मंदिर को नष्ट कर दिया गया था।
  - इस क्षेत्र को नज़ूल भूमि माना जाता था- गैर-कृषि राज्य भूमि जिसका स्वामित्व पहले मराठों और फिर अंग्रेज़ों के पास था।
  - यह मंदिर मूल रूप से **वर्ष 1618 में जहाँगीर के** शासनकाल के दौरान बनाया गया था और इसका संरक्षण औरंगज़ेब के **भाई तथा प्रतिद्वंद्वी दारा शिकोह** ने किया था।
  - **वर्ष 1815 में, बनारस के राजा** ने **ईस्ट इंडिया कंपनी** से 13.77 एकड़ ज़मीन खरीदी।
  - बाद में **श्री कृष्ण जन्मभूमि ट्रस्ट** की स्थापना की गई।
  - ट्रस्ट ने वर्ष 1951 में मंदिर पर मालिकाना हक हासिल कर लिया।
  - 13.77 एकड़ ज़मीन इस शर्त के साथ ट्रस्ट के अधीन रखी गई थी कि इसे कभी बेचा या गिरवी नहीं रखा जाएगा।
  - वर्ष 1956 में, मंदिर के मामलों के प्रबंधन के लिये श्री कृष्ण जन्मस्थान सेवा संघ की स्थापना की गई थी।
  - वर्ष 1968 में, श्री कृष्ण जन्मस्थान सेवा संघ और शाही ईदगाह मस्जिद ट्रस्ट के बीच एक समझौते पर हस्ताक्षर किये गए, जहाँ मंदिर प्राधिकरण ने समझौते के हिस्से के रूप में ज़मीन का एक हिस्सा ईदगाह को दे दिया।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- मौजूदा विवाद में मंदिर के याचिकाकर्त्ता शामिल हैं जो ज़मीन के पूरे हिस्से पर कब्ज़ा चाहते हैं।

मंगल पांडे

चर्चा में क्यों?

महान स्वतंत्रता सेनानी मंगल पांडे को उनकी पुण्य तिथि पर स्मरण।

- उन्हें '**1857 के भारतीय विद्रोह**' का प्रणेता माना जाता है।

मुख्य बिंदु:

- उनका जन्म **19 जुलाई, 1827 को फ़ैज़ाबाद के पास एक कस्बे में हुआ था** जो अब पूर्वी उत्तर प्रदेश है।
- वह **ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी की 34वीं बंगाल नेटिव इन्फैंट्री** में शामिल हुए।
  - उन्होंने **जानवरों की चर्बी वाले कारतूसों को पेश करने के लिये** ईस्ट इंडिया कंपनी के खिलाफ विद्रोह किया क्योंकि इससे सैनिकों की धार्मिक भावनाएँ आहत होती थीं।
  - आखिरकार, विद्रोहियों का यह आंदोलन भारत के अन्य हिस्सों तक पहुँच गया और जिसके कारण **सरकार के खिलाफ बड़े पैमाने पर विद्रोह हुआ।**
  - विरोध और विद्रोह के आंदोलन को **वर्ष 1857 के सिपाही विद्रोह** के रूप में जाना जाता है, जिसे **प्रथम स्वतंत्रता संग्राम** भी कहा जाता है।
- **29 मार्च, 1857** को पांडे और उनके साथी सिपाहियों ने ब्रिटिश अधिकारियों के खिलाफ विद्रोह कर दिया तथा उन्हें गोली मारने का भी प्रयास किया। इसके परिणामस्वरूप उन्हें **8 अप्रैल, 1857 को बैरकपुर में फाँसी** दे दी गई।
- **अक्तूबर 1984 में,** उनके प्रयासों को श्रद्धांजलि के रूप में भारत सरकार ने उनकी **छवि के साथ एक डाक टिकट जारी किया।**

टोंस नदी

चर्चा में क्यों?

हाल ही में उत्तर प्रदेश के बलिया ज़िले के एक गाँव में दो लोग टोंस नदी में डूब गए।

मुख्य बिंदु:

- टोंस **यमुना की सबसे बड़ी सहायक नदी** है। यह उत्तराखंड में **गढ़वाल क्षेत्र** से होकर हिमाचल प्रदेश को छूती हुई बहती है।
- यह सबसे **प्रमुख बारहमासी भारतीय हिमालयी नदियों** में से एक है।
- इसका उद्गम उत्तराखंड के **बंदरपूंछ पर्वत** से 6,315 मीटर की ऊँचाई पर होता है।
- इसमें यमुना से भी अधिक जल होता है जो यह उत्तराखंड के **देहरादून के पास कालसी** के नीचे मिलती है।
- **पब्बर और आसन** नदियाँ टोंस नदी की मुख्य सहायक नदियाँ हैं।
  - **आसन दो छोटी नदी प्रणालियों का संगम है,** एक में **हिमालय शृंखला से दक्षिण की ओर विकास नगर से टिहरी की ओर** (केंद्र में मसूरी के साथ) बहने वाली धाराएँ शामिल हैं और दूसरी में **निचली शिवालिक पहाड़ियों (जो देहरादून और सहारनपुर ज़िलों को अलग करती हैं) से उत्तर-पश्चिम की ओर बहने वाली धाराएँ शामिल हैं।**

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

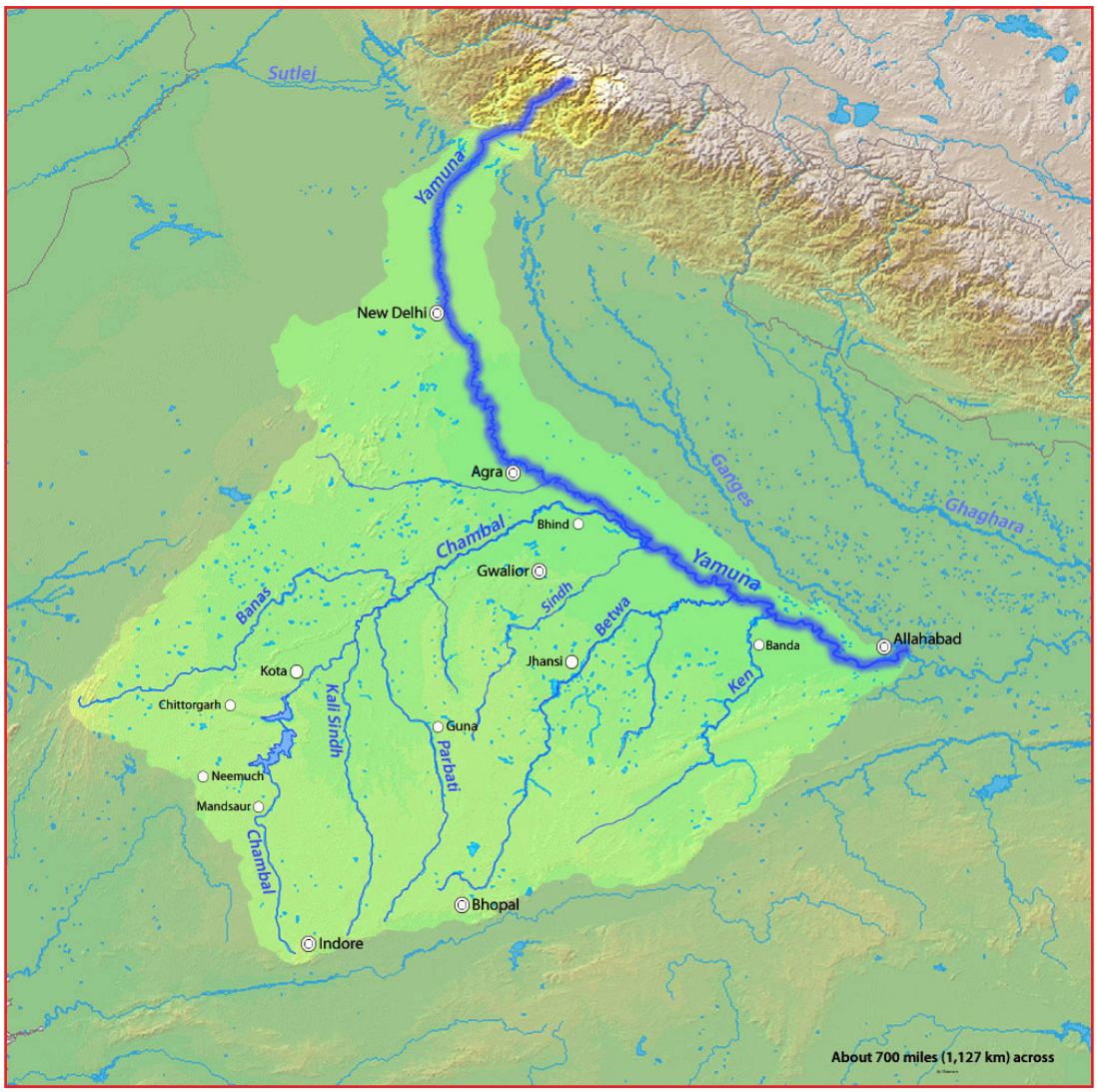

यमुना नदी

- यमुना नदी उत्तर भारत में गंगा की प्रमुख सहायक नदियों में से एक है।
- यह विश्व के व्यापक जलोढ़ मैदानों में से एक **यमुना-गंगा मैदान** का एक अभिन्न भाग है।
- इसका स्रोत निचली **हिमालय पर्वतमाला** में **बंदरपूँछ शिखर** के दक्षिण-पश्चिमी किनारों पर **6,387 मीटर की ऊँचाई पर यमुनोत्री ग्लेशियर** में स्थित है।
- यह **उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा और दिल्ली** से प्रवाहित होते हुए उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में **संगम (जहाँ कुंभ मेला आयोजित होता है) स्थल पर गंगा** में मिल जाती है।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- महत्त्वपूर्ण बाँध हैं: लखवार-व्यासी बाँध (उत्तराखंड), ताज़ेवाला बैराज बाँध (हरियाणा) आदि।
- महत्त्वपूर्ण सहायक नदियाँ : चंबल, सिंध, बेतवा और केन।
- **यमुना नदी से संबंधित सरकारी पहल:**
  - यमुना एक्शन प्लान
  - फरवरी 2025 तक यमुना को साफ करने के लिये दिल्ली सरकार की छह सूत्री कार्य योजना

प्रयागराज में नए ट्रांसफार्मर

चर्चा में क्यों?

पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (PVVNL) के अनुसार, वे ज़िले के शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों को कवर करते हुए प्रयागराज में चौबीसों घंटे विद्युत आपूर्ति की गारंटी दे रहे हैं।

मुख्य बिंदु:

- खराब ट्रांसफार्मरों के कारण होने वाली विद्युत कटौती को रोकने के लिये प्रयागराज के शहरी क्षेत्र को **294 नए ट्रांसफार्मर** मिले हैं।
- विद्युत आपूर्ति बढ़ाने के लिये शहर में दो अतिरिक्त उप-स्टेशनों का निर्माण किया जाना था, जिसमें **मालवा** में एक स्टेशन अप्रैल 2024 से परिचालन शुरू करने के लिये तैयार था।
- **खराब विद्युत तारों से होने वाली विद्युत खराबी को कम करने के भी प्रयास किये गए हैं।**

पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (PVVNL)

- यह **उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड** का सह-उत्तराधिकारी है, जिसका उद्देश्य उत्तर प्रदेश के पूर्वी क्षेत्र में विद्युत वितरण करना है।
- इसकी **स्थापना 5 जुलाई 2003** को हुई थी, इसका **मुख्यालय वाराणसी में है।**

धरोहर काशी की

चर्चा में क्यों?

भारतीय अल्पसंख्यक फाउंडेशन (IMF) ने वाराणसी के हस्तशिल्प और हथकरघा उत्पादों को प्रदर्शित करने व समर्थन करने के लिये 13 एवं 14 अप्रैल, 2024 को दो दिवसीय भव्य कार्यक्रम 'धरोहर काशी की' निर्धारित किया है।

मुख्य बिंदु:

- राज्यसभा सदस्य और IMF के संयोजक सतनाम सिंह संधू के अनुसार, **20 से अधिक देशों के राजदूत** नाव अभियान के माध्यम से **काशी विश्वनाथ धाम** तथा राजसी रिवरफ्रंट का दौरा करेंगे तथा **गंगा आरती** देखेंगे।
- प्रसिद्ध फैशन डिज़ाइनर मनीष मल्होत्रा द्वारा आयोजित '**बनारसी साड़ी - भारतीय विरासत और कुशल कारीगरों का मिश्रण**' नामक **फैशन शो नमो घाट** पर होने वाला है।
  - इसमें **बॉलीवुड कलाकार** कृति सेनन और रणवीर सिंह रनवे पर वाराणसी के शिल्प का प्रदर्शन करेंगे।
  - फैशन शो के दौरान मशहूर भोजपुरी गायक और अभिनेता रवि किशन द्वारा **सांस्कृतिक एवं संगीतमय प्रस्तुति** दी जाएगी।
- IMF द्वारा **प्रतिष्ठित बुनकरों को भी श्रद्धांजलि** दी जाएगी, जिन्होंने काशी के उत्कृष्ट शिल्प की उन्नति और सुरक्षा में बहुत बड़ा योगदान दिया है।

भारतीय अल्पसंख्यक फाउंडेशन (IMF)

- IMF एक **गैर-सरकारी संगठन** है, जिसकी स्थापना चंडीगढ़ विश्वविद्यालय के चांसलर सतनाम सिंह संधू ने की थी।
- इसका मुख्य उद्देश्य अल्पसंख्यक समूहों के बीच उनके साझा इतिहास, संस्कृति और राष्ट्र में योगदान को उजागर करके व नागरिक जीवन में सक्रिय भागीदारी को प्रोत्साहित कर **राष्ट्रीय गौरव की भावना को बढ़ावा** देना है

विश्व होम्योपैथी दिवस

चर्चा में क्यों?

हाल ही में उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने गोमतीनगर में होमियो शक्ति 2024 कार्यक्रम में विश्व होम्योपैथी दिवस (10 अप्रैल) समारोह का उद्घाटन किया।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

मुख्य बिंदु:

- इस अवसर पर **सैमुअल हैनिमैन की 269वीं जयंती** मनाई गई, जिन्हें व्यापक रूप से **होम्योपैथी के जनक** के रूप में मान्यता प्राप्त है।
- इस्कॉन मंदिर लखनऊ के पुजारी श्याम दास प्रभु ने **शारीरिक कल्याण के साथ-साथ मानसिक स्वास्थ्य के महत्त्व** पर ज़ोर दिया, तनाव और चिंता से निपटने के लिये **आध्यात्मिक एवं शारीरिक देखभाल के बीच संतुलन** का आग्रह किया।
- विश्व होम्योपैथी दिवस 2024 की थीम है **"होम्योपरिवार: एक स्वास्थ्य, एक परिवार"**।

होम्योपैथी

- 'होम्योपैथी' शब्द दो ग्रीक शब्दों से बना है, **होमोइस** का अर्थ है **समान** और **पैथोस का अर्थ है पीड़ा।**
- इसका सीधा सा मतलब है बीमारियों का उपचार सूक्ष्म खुराकों में निर्धारित पद्धति से करना, जो स्वस्थ लोगों द्वारा लेने पर रोग के समान लक्षण उत्पन्न करते हैं।
- यह **उपचार के प्राकृतिक नियम**- "Similia Similibus Curantur (सिमिलिया सिमिलिबस क्यूरंटूर)" पर आधारित है, जिसका अर्थ है "रोग के समान उपचार से रोग को ठीक किया जाना"।
- 19वीं सदी की शुरुआत में **डॉ. सैमुअल हैनीमैन** (1755-1843) ने इसे **वैज्ञानिक आधार** प्रदान किया था।

अग्नि सुरक्षा पर जागरूकता अभियान

चर्चा में क्यों?

हाल ही में 14 अप्रैल, 2024 को 'राष्ट्र निर्माण में योगदान के लिये अग्नि सुरक्षा सुनिश्चित करें' विषय के तहत राष्ट्रीय अग्निशमन सेवा दिवस मनाया गया।

मुख्य बिंदु:

- यह दिन उन सभी साहसी अग्निशामकों के भी सम्मान में मनाया जाता है जिन्होंने **वर्ष 1944 में मुंबई डॉकयार्ड में एक जहाज़ विस्फोट** के दौरान अपने जीवन का बलिदान दिया था।
- अग्निशमन विभाग ने शॉर्ट सर्किट, गैस रिसाव या आगजनी को रोकने की दिशा में निवारक उपायों के बारे में दुकान मालिकों और निवासियों को शिक्षित करने के लिये आवासीय क्षेत्रों, अपार्टमेंट, औद्योगिक इकाइयों, बाज़ारों, मॉल तथा शॉपिंग कॉम्प्लेक्स में व्यापक जागरूकता अभियान चलाया है।

भारत में अग्नि सुरक्षा के संबंध में वर्तमान प्रावधान

- अग्निशमन सेवा देश की सबसे महत्त्वपूर्ण आपातकालीन प्रतिक्रिया सेवाओं में से एक है, जो **नगरपालिका कार्यों** से संबंधित **भारतीय संविधान की 12वीं अनुसूची के अंतर्गत आती है।**
  - वर्तमान में, आग की रोकथाम और अग्निशमन सेवाएँ संबंधित **राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों (UT)** तथा **शहरी स्थानीय निकायों (ULB)** द्वारा आयोजित की जाती हैं।
- **भारत का राष्ट्रीय भवन कोड (NBC), 2016:** भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा प्रकाशित, NBC एक **"अनुशंसित दस्तावेज़"** है और राज्य सरकारों से अपेक्षा की जाती है कि वे कानूनों द्वारा इसे अपने स्थानीय भवन में शामिल करें, जिससे **सिफारिशें एक अनिवार्य आवश्यकता बन जाएंगी।**
  - इसमें मुख्य रूप से **प्रशासनिक नियम,** सामान्य भवन आवश्यकताएँ जैसे **अग्नि सुरक्षा आवश्यकताएँ,** संरचनात्मक डिज़ाइन और निर्माण (सुरक्षा सहित) प्रावधान शामिल हैं।
- **मॉडल बिल्डिंग उपनियम, 2003:** इसके तहत प्रत्येक बिंदु पर अग्नि निकासी **मुख्य अग्निशमन अधिकारी** की ज़िम्मेदारी है। संबंधित विकास प्राधिकरण को मंज़ूरी उद्देश्यों के लिये मुख्य अग्निशमन अधिकारी को भवन योजना प्रदान करनी होगी।
- **राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण** के दिशा-निर्देश **अस्पतालों सहित सार्वजनिक भवनों** के लिये अग्नि सुरक्षा आवश्यकताओं के साथ-साथ **खुली जगह, निकास तंत्र, सीढ़ियों और निकासी ड्रिल के न्यूनतम स्तर** को बनाए रखने से संबंधित डिज़ाइन दिशा-निर्देशों को निर्धारित करते हैं।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

आतिथ्य क्षेत्र में उत्तर प्रदेश सरकार का निवेश

चर्चा में क्यों?

अधिकारियों के मुताबिक, उत्तर प्रदेश सरकार आतिथ्य और पर्यटन क्षेत्र में 32,000 करोड़ रुपए का निवेश कर सकती है।

- **वर्ष 2028** तक राज्य की **वार्षिक पर्यटक संख्या 850 मिलियन तक** पहुँचने का अनुमान है।

मुख्य बिंदु:

- कमरे की उपलब्धता में कमी को पूरा करने के लिये निवेश से होटल और रिज़ॉर्ट्स के माध्यम से **अतिरिक्त 80,000 आवास इकाइयाँ तैयार होने की संभावना** है।
- राज्य **वाराणसी, अयोध्या, प्रयागराज** और **आगरा** जैसे पर्यटन हॉटस्पॉट में **आतिथ्य इकाइयों** को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है।
- किलों और महलों सहित विरासत संपत्तियों को विकास के लिये निजी क्षेत्र को पेश किया जा रहा है।
- **पर्यटन नीति-2022** के तहत राज्य द्वारा विशिष्ट **ग्रामीण इलाकों में फार्म स्टे** स्थापित करने के लिये सब्सिडी भी प्रदान किया जा रहा है।
  - गृहस्वामियों को होमस्टे के लिये अपनी संपत्तियों को सूचीबद्ध करने हेतु प्रोत्साहित किया जाता है, जबकि विरासत संपत्तियों के मालिकों को समझदार पर्यटकों के लिये अपने परिसर को विरासत होटल के रूप में परिवर्तित करने को आमंत्रित किया जा रहा है।
- राज्य का लक्ष्य वेलनेस सेंटर जैसे **मल्टी-एक्सपीरियंस सर्किट** विकसित करना और सारनाथ व कौशांबी जैसे बौद्ध स्थलों की कनेक्टिविटी में सुधार करना है।
- यह साहसिक **पर्यटन, बैठकें, प्रोत्साहन, सम्मेलन एवं प्रदर्शनियाँ,** MICE (Meetings, Incentives, Conferences, and Exhibitions), कल्याण और इको-टूरिज़्म विकसित करके पर्यटन अनुभवों में विविधता लाने तथा समकालीन पर्यटन उत्पाद बनाने पर भी ध्यान केंद्रित कर रहा है।

रामनवमी पर विशेष

चर्चा में क्यों?

डाक विभाग एवं प्रयाग फिलाटेलिक सोसायटी के तत्त्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में प्रयागराज क्षेत्र के पोस्टमास्टर जनरल ने रामनवमी की पूर्व संध्या पर एक विशेष कवर जारी किया।

मुख्य बिंदु:

- **भगवान राम** जैसी प्रतिष्ठित सांस्कृतिक हस्तियों वाले टिकट संग्रह **लोगों और उनकी विरासत के बीच एक सेतु का कार्य करते हैं।**
- ये टिकट न केवल भारत में बल्कि पूरे विश्व के 20 से अधिक देशों में भी लोकप्रिय हैं जहाँ वे **महाकाव्य रामायण** के पात्रों और कहानियों को दर्शाते हैं।
- अद्वितीय **राम नवमी-थीम वाला टिकट** प्रयागराज के मुख्य डाकघर में स्थित **फिलाटेलिक ब्यूरो में 25 रुपए में बिक्री पर होगा।**

प्रयाग फिलाटेलिक सोसायटी

- इसका **गठन 21 जुलाई 2017** को इलाहाबाद में **सोसायटी पंजीकरण अधिनियम 1860** के तहत एक पंजीकृत सोसायटी के रूप में किया गया था।
- इसका उद्देश्य सभी आयु समूहों के बीच डाक टिकट संग्रह को बढ़ावा देना है, इसने पूरे भारत से सदस्यता आमंत्रित की है।

रामनवमी

- यह **वसंत ऋतु का हिंदू त्योहार** है।
- यह त्योहार **भगवान विष्णु के सातवें अवतार भगवान राम के जन्म का प्रतीक है।**
- यह दिन **चैत्र नवरात्रि का नौवाँ और आखिरी दिन है।** यह सामान्यत: प्रत्येक वर्ष मार्च या अप्रैल के ग्रेगोरियन महीनों में होता है।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

GI टैग में उत्तर प्रदेश शीर्ष पर

चर्चा में क्यों?

छह नए उत्पादों के साथ, उत्तर प्रदेश ने भारत में सर्वाधिक 75 भौगोलिक संकेतक (Geographical Indication - GI) टैग वाले उत्पादों वाले राज्य के रूप में अपना स्थान बरकरार रखा है।

मुख्य बिंदु:

- इसमें **काशी की प्रसिद्ध 'तिरंगी बर्फी'** शामिल है, जो एक तिरंगे रंग की मिठाई है जिसका व्यापार **भारत छोड़ो आंदोलन** में **स्वतंत्रता सेनानियों** द्वारा एक बयान देने के लिये किया गया था।
- उत्तर प्रदेश में प्रमाणन प्राप्त करने वाले अन्य उत्पादों में **बनारस मेटल कास्टिंग क्राफ्ट, लखीमपुर खीरी थारू कढ़ाई, बरेली बेंत एवं बाँस शिल्प, बरेली ज़रदोज़ी शिल्प और पिलखुवा हैंड ब्लॉक प्रिंट टेक्सटाइल शामिल हैं।**
  - इन छह नई वस्तुओं को शामिल करने के साथ उत्तर प्रदेश सबसे अधिक GI-टैग उत्पादों के साथ भारत का अग्रणी राज्य बना हुआ है।
  - **58 GI उत्पादों के साथ तमिलनाडु दूसरे स्थान पर है।**

भौगोलिक संकेतक (GI) टैग

- **परिचय:**
  - भौगोलिक संकेत (GI) टैग, एक ऐसा **नाम या चिह्न** है जिसका **उपयोग उन विशेष उत्पादों पर किया जाता है** जो किसी विशिष्ट भौगोलिक स्थान या मूल से संबंधित होते हैं।
  - GI टैग यह सुनिश्चित करता है कि केवल **अधिकृत उपयोगकर्त्ताओं या भौगोलिक क्षेत्र में रहने वाले लोगों** को ही लोकप्रिय उत्पाद के नाम का उपयोग करने की अनुमति है।
  - यह उत्पाद को दूसरों द्वारा नकल या अनुकरण किये जाने से भी बचाता है।
  - एक पंजीकृत GI टैग **10 वर्षों के लिये वैध** होता है।
  - GI पंजीकरण की देखरेख वाणिज्य तथा उद्योग मंत्रालय के अधीन **उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग** द्वारा की जाती है।
- **विधिक ढाँचा तथा दायित्व:**
  - **वस्तुओं का भौगोलिक उपदर्शन (रजिस्ट्रीकरण और संरक्षण) अधिनियम, 1999** भारत में वस्तुओं से संबंधित भौगोलिक संकेतकों के पंजीकरण तथा बेहतर संरक्षण प्रदान करने का प्रयास करता है।
  - यह **बौद्धिक संपदा अधिकार के व्यापार-संबंधित पहलुओं (TRIPS) पर WTO समझौते** द्वारा विनियमित एवं निर्देशित है।
  - इसके अतिरिक्त **बौद्धिक संपदा के अभिन्न घटकों** के रूप में औद्योगिक संपत्ति और भौगोलिक संकेतों की सुरक्षा के महत्त्व को पेरिस कन्वेंशन के अनुच्छेद 1(2) एवं 10 में स्वीकार किया गया, साथ ही इस पर अधिक बल दिया गया है।

अयोध्या में सूर्य तिलक परियोजना

चर्चा में क्यों?

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के तहत एक स्वायत्त निकाय, भारतीय खगोल भौतिकी संस्थान (Indian Institute of Astrophysics- IIA) ने अयोध्या में सूर्य तिलक परियोजना में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।

मुख्य बिंदु:

- सूर्य तिलक परियोजना के तहत चैत्र मास में **श्री राम नवमी** के अवसर पर **दोपहर 12 बजे श्री राम लला के माथे पर सूर्य की रोशनी लाई गई।**
- IIA टीम ने **सूर्य की स्थिति, ऑप्टिकल/प्रकाशिकी सिस्टम के डिज़ाइन** व **इष्टतम उपयोग** की गणना की और साइट पर एकीकरण व संरेखण का प्रदर्शन किया।
  - IIA टीम ने **19 वर्षों के एक चक्र** के लिये श्री राम नवमी के कैलेंडर दिनों की पहचान हेतु गणना का नेतृत्व किया, इसके बाद इसकी पुनरावृत्ति, राम नवमी की कैलेंडर तिथियों पर आकाश में स्थिति का अनुमान लगाया।
  - टीम ने मंदिर के शीर्ष से मूर्ति के माथे तक सूरज की रोशनी लाने के लिये एक **ऑप्टो-मैकेनिकल प्रणाली** के डिज़ाइन

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

का भी नेतृत्व किया, सिस्टम में **दर्पण और लेंस के आकार, आकृति तथा स्थान का निर्धारण** लगाया ताकि लगभग 6 मिनट तक मूर्ति पर पर्याप्त रोशनी पड़ सके।

- **डिवाइस का निर्माण ऑप्टिका, बैंगलोर द्वारा** किया गया है और साइट पर ऑप्टो-मैकेनिकल सिस्टम का **कार्यान्वयन वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद- केंद्रीय भवन अनुसंधान संस्थान (CSIR-CBRI)** द्वारा किया जा रहा है।

भारतीय खगोल भौतिकी संस्थान (Indian Institute of Astrophysics- IIA)

- IIA पूर्णत: **विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार द्वारा वित्तपोषित** भारत का एक प्रमुख शोध संस्थान है जो खगोल विज्ञान, खगोल भौतिकी और संबंधित क्षेत्रों के अध्ययन के लिये समर्पित है
- इसमें कई **ओब्ज़र्वेशन सुविधाएँ** हैं, जिनमें तमिलनाडु के कवलूर में **वेणु बप्पू वेधशाला,** कर्नाटक में **गौरीबिदानूर रेडियो वेधशाला** और लद्दाख, जम्मू एवं कश्मीर में **हनले वेधशाला** शामिल हैं।

श्री राम परिवार भक्ति आंदोलन

चर्चा में क्यों?

विशाल भारत संस्थान ने राम पंथ के सहयोग से, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) के वरिष्ठ पदाधिकारी की उपस्थिति में राम नवमी के अवसर पर 'श्री राम परिवार भक्ति आंदोलन' शुरू किया।

मुख्य बिंदु:

- आंदोलन की शुरुआत लमही गाँव में आयोजित **'महादीक्षा संस्कार'** से हुई, जहाँ 1,100 लोगों ने राम परिवार भक्ति आंदोलन को पूरे देश में ले जाने का संकल्प लिया।
- दलितों, आदिवासियों, किन्नरों और महिलाओं के एक समूह को दीक्षा लेने के बाद पुजारी के रूप में नियुक्त किया गया था।
- रामपंथी संस्कृति का प्रसार करेंगे और रामभक्ति आंदोलन को व्यापक दर्शकों तक लाएंगे। **लमही में राम संबंध मंदिर** के निर्माण से सभी धर्मों के लोगों को दर्शन की सुविधा मिलेगी।

रामनवमी

- यह **वसंत ऋतु का हिंदू त्योहार** है।
- यह त्योहार **भगवान विष्णु के सातवें अवतार भगवान राम के जन्म का प्रतीक है।**
- यह दिन **चैत्र नवरात्रि का नौवाँ और आखिरी दिन है।** यह सामान्यत: प्रत्येक वर्ष मार्च या अप्रैल के ग्रेगोरियन महीनों में होता है।

IIT कानपुर का सशस्त्र बल चिकित्सा सेवाओं के साथ सहयोग

चर्चा में क्यों?

हाल ही में सशस्त्र बल चिकित्सा सेवा (AFMS) ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (IIT) कानपुर के साथ सहयोगात्मक अनुसंधान और प्रशिक्षण के लिये एक समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किये।

मुख्य बिंदु:

- इसके तहत AFMS और IIT कानपुर दुर्गम क्षेत्रों में **सैनिकों के** सामने आने वाली **स्वास्थ्य समस्याओं के समाधान** की दिशा में **नई प्रौद्योगिकियों के अनुसंधान एवं विकास के लिये सहयोग** करेंगे।
- यह **सशस्त्र बल मेडिकल कॉलेज में स्थापित कंप्यूटेशनल मेडिसिन** के लिये सशस्त्र बल केंद्र में **AI डायग्नोस्टिक मॉडल** विकसित करने के लिये तकनीकी विशेषज्ञता भी प्रदान करेगा, जो भारत में **मेडिकल कॉलेजों में इस प्रकार का पहला** मेडिकल कॉलेज है।
- इस MoU के दायरे में फैकल्टी एक्सचेंज प्रोग्राम, संयुक्त शैक्षणिक गतिविधियाँ और प्रशिक्षण मॉड्यूल के विकास की भी योजना बनाई जाएगी।

सशस्त्र बल चिकित्सा सेवाएँ

- सशस्त्र बल चिकित्सा सेवा (AFMS) **रक्षा मंत्रालय** के तहत **एक अंतर सेवा संगठन है,** जो **भारतीय सशस्त्र बलों** को कवर करता है।
- यह **वर्ष 1948 में अस्तित्त्व** में आया।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

सबसे हल्की बुलेट प्रूफ़ जैकेट

चर्चा में क्यों?

रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (DRDO) के रक्षा सामग्री तथा भंडार अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान (DMSRDE), कानपुर ने BIS 17051 गोला-बारूद के स्तर 6 से सुरक्षा के लिये देश में सबसे हल्के बुलेट प्रूफ जैकेट को सफलतापूर्वक विकसित किया है।

मुख्य बिंदु:

- इस बुलेट प्रूफ जैकेट का **टर्मिनल बैलिस्टिक रिसर्च लेबोरेटरी (TBRL) चंडीगढ़** में सफलतापूर्वक परीक्षण किया गया।
- यह जैकेट एक नए डिज़ाइन दृष्टिकोण पर आधारित है, जहाँ नई प्रक्रियाओं के साथ नवीन सामग्री का उपयोग किया गया है।
- इस जैकेट का फ्रंट **हार्ड आर्मर पैनल (HAP)** इन-कंजंक्शन विद (ICW) और स्टैंड-अलोन डिज़ाइन दोनों में कई हिट्स को मात देता है।
- एर्गोनॉमिक रूप से डिज़ाइन किया गया फ्रंट HAP पॉलिमर बैकिंग के साथ मोनोलिथिक सिरेमिक प्लेट से बना है जो ऑपरेशन के दौरान पहनना आसान और आराम को बढ़ाता है।

टर्मिनल बैलिस्टिक अनुसंधान प्रयोगशाला (TBRL)

- TBRL **चंडीगढ़ स्थित एक महत्त्वपूर्ण DRDO प्रयोगशाला** है। यह विभिन्न उच्च विस्फोटकों के विस्फोट, इनका विकास, घातकता, उत्पादन, प्रसंस्करण और लक्षण वर्णन के साथ ही हथियारों, गोले व अन्य गोला-बारूद के विखंडन अध्ययन, बमों, मिसाइलों एवं हवाई प्रणालियों की कैप्टिव उड़ान परीक्षण, विभिन्न सुरक्षात्मक प्रणालियों जैसे बॉडी कवच, वाहन कवच तथा छोटे हथियारों के गोला-बारूद के खिलाफ हेलमेट आदि का बैलिस्टिक मूल्यांकन में सक्रिय रूप से संलग्न है।

वर्ष 2025 के लिये महाकुंभ की तैयारी

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश सरकार वर्ष 2025 में होने वाले भव्य दिव्य महाकुंभ के लिये कार्य कर रही है।

मुख्य बिंदु:

- राज्य सरकार बड़े धार्मिक आयोजन में शामिल होने वाले **आगंतुकों के लिये** बेहतरीन सुविधाएँ तैयार कर रही है।
  - कुंभ क्षेत्र में **आवास की व्यवस्था** के अलावा शहर में **लग्जरी होटलों का निर्माण** किया जा रहा है।
- कुंभ मेला **यूनेस्को की मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर की प्रतिनिधि सूची में आता है**
- कुंभ मेला पृथ्वी पर तीर्थयात्रियों का सबसे बड़ा शांतिपूर्ण जमावड़ा है, जिसके दौरान यात्री पवित्र नदी में स्नान करते हैं या डुबकी लगाते हैं।
  - यह **नासिक में गोदावरी नदी** के तट पर, **उज्जैन में शिप्रा नदी** के तट पर, **हरिद्वार में गंगा** के तट पर और **प्रयागराज में गंगा, यमुना तथा पौराणिक नदी सरस्वती** के संगम स्थल पर होता है। गंगा, यमुना तथा सरस्वती के संगम स्थल को **'संगम'** कहा जाता है।
- चूँकि यह भारत के चार अलग-अलग शहरों में आयोजित किया जाता है, इसमें विभिन्न सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियाँ शामिल होती हैं जो इसे **सांस्कृतिक रूप से विविध त्योहार** बनाती हैं।
- एक **महीने तक चलने वाले इस मेले** की विशेषता एक विशाल टेंट वाली टाउनशिप का निर्माण है, जो कॉटेज, झोपड़ियों, प्लेटफॉर्मों, नागरिक सुविधाओं, प्रशासनिक और सुरक्षा उपायों से परिपूर्ण है।
  - इसे सरकार, स्थानीय अधिकारियों और पुलिस द्वारा व्यवस्थित रूप से आयोजित किया जाता है।
- यह मेला विशेष रूप से वनों, पहाड़ों और गुफाओं में दूरदराज़ के स्थानों से आए **धार्मिक तपस्वियों की एक असाधारण श्रृंखला की उपस्थिति के लिये प्रसिद्ध है।**

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

काशी विश्वनाथ धाम और UPSNA के बीच समझौता ज्ञापन

चर्चा में क्यों?

श्री काशी विश्वनाथ विशेष क्षेत्र विकास बोर्ड, महाशिवरात्रि जैसे विभिन्न अवसरों के दौरान काशी विश्वनाथ धाम में सांस्कृतिक कार्यक्रमों को बढ़ाने के लिये उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी (UPSNA) के साथ एक समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर करने के लिये तैयार है।

मुख्य बिंदु:

- लखनऊ में आयोजित एक वैश्विक कार्यशाला के दौरान, पवित्र **शहर के सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक परिदृश्य** पर सांस्कृतिक गतिविधियों के सकारात्मक प्रभाव पर एक प्रस्तुति पर ज़ोर दिया गया।
  - इसके बाद, **महाशिवरात्रि जैसे त्योहारों** और **सनातन कैलेंडर में प्रदोष** जैसी महत्त्वपूर्ण तिथियों पर आयोजित कार्यक्रमों एवं गतिविधियों में रंगों की एक विस्तृत श्रृंखला पेश करने का निर्णय लिया गया।
- UPSNA के निदेशक के अनुसार, अकादमी द्वारा काशी विश्वनाथ धाम में सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन की एक व्यापक योजना शीघ्र ही राज्य सरकार को प्रस्तुत की जाएगी।
  - राज्य सरकार से मंज़ूरी मिलने के बाद प्रस्तावित MoU पर हस्ताक्षर करने के लिये धार्मिक कार्य विभाग के निदेशक और संभागीय आयुक्त की सहमति मांगी जाएगी।
  - MoU के अनुसार स्थानीय, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय कलाकारों को शामिल करके नई व्यवस्थाएँ बनाई जाएंगी।

उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी (UPSNA)

- यह भारत के उत्तर प्रदेश राज्य में **संगीत, नृत्य और रंगमंच के प्रचार तथा संरक्षण** के लिये समर्पित एक प्रमुख संस्थान है।
- इसकी **स्थापना 13 नवंबर, 1963** को हुई थी।

सारनाथ के पवित्र बुद्ध अवशेष

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश के सारनाथ स्थित पवित्र बुद्ध अवशेषों को **मई 2025** में **वियतनाम** में आयोजित **संयुक्त राष्ट्र वेसाक दिवस (UNDV)** समारोह के अवसर पर प्रदर्शित किया जाएगा।

मुख्य बिंदु

- **बुद्ध अवशेषों के बारे में:**
  - ये अवशेष **उत्तर प्रदेश के सारनाथ स्थित मूलगंध कुटी विहार** से संबंधित हैं, यह विहार **महाबोधि सोसाइटी** द्वारा संचालित है, जिसकी स्थापना **अंगारिका धर्मपाल** ने की थी।
  - अवशेषों की **खुदाई 1927-1931** के दौरान नागार्जुनकोंडा **(आंध्र प्रदेश)** में **एच. लॉन्गहर्स्ट** द्वारा की गई थी।
  - इन अवशेषों को 27 दिसंबर, 1932 को **राय बहादुर दयाराम साहनी** ने **भारत के वायसराय** की ओर से महाबोधि सोसाइटी को सौंपा था।
  - यह कार्यक्रम **भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय** और **अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ (IBC)** के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है।
- **संयुक्त राष्ट्र वेसाक दिवस (UNDV)**
  - **वेसाक दिवस** बौद्ध धर्म का सबसे पवित्र दिन है, जो **महात्मा बुद्ध के जन्म, ज्ञान प्राप्ति (ज्ञानोदय)** और **महापरिनिर्वाण** की स्मृति में मनाया जाता है।
  - **संयुक्त राष्ट्र महासभा** ने **15 दिसंबर, 1999** को एक प्रस्ताव पारित कर इसे **अंतरराष्ट्रीय दिवस** के रूप में मान्यता दी।
  - पहला आधिकारिक आयोजन **वर्ष 2000** में **न्यूयॉर्क स्थित संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय** में किया गया था।
  - संयुक्त राष्ट्र वेसाक दिवस 2025 की थीम है- **"मानव गरिमा के लिये एकता और समावेशिता के लिये बौद्ध दृष्टिकोण: विश्व शांति और सतत् विकास के लिये बौद्ध अंतर्दृष्टि"**।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ (IBC)

- यह सबसे बड़ा धार्मिक बौद्ध संघ है।
- इस संघ का उद्देश्य वैश्विक मंच पर बौद्ध धर्म की भूमिका का निर्माण करना है, ताकि बौद्ध धर्म की विरासत को संरक्षित करने, ज्ञान साझा करने और मूल्यों को बढ़ावा देने में मदद मिल सके तथा वैश्विक वार्ता में सार्थक भागीदारी के साथ बौद्ध धर्म का संयुक्त प्रतिनिधित्व किया जा सके।
- नवंबर 2011 में नई दिल्ली में **'वैश्विक बौद्ध मंडली' (GBC)** की मेज़बानी की गई थी, जहाँ उपस्थित लोगों ने सर्वसम्मति से एक अंतर्राष्ट्रीय अम्ब्रेला निकाय- अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ (IBC) के गठन के प्रस्ताव को अपनाया।
- **मुख्यालय:** दिल्ली (भारत)

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन)
क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें!
क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें
क्लिक करें या स्कैन करें!
निःशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग
क्लिक करें या स्कैन करें!

उत्तर प्रदेश में 'रात्रिकालीन लैंडिंग' हवाई पट्टी

चर्चा में क्यों

उत्तर प्रदेश के शाहजहाँपुर में गंगा एक्सप्रेस-वे का 3.5 किमी. हिस्सा देश का पहला ऐसा एक्सप्रेस-वे होगा, जहाँ भारतीय वायु सेना के लड़ाकू विमान **रात्रिकालीन लैंडिंग** कर सकेंगे।

मुख्य बिंदु

- गंगा एक्सप्रेस-वे **के बारे में:**
  - **गंगा एक्सप्रेस-वे मुंबई-नागपुर एक्सप्रेस-वे** के बाद देश का **दूसरा सबसे लंबा एक्सप्रेस-वे** है।
  - यह 594 किमी. की अनुमानित लंबाई वाला एक महत्त्वाकांक्षी पहल है।
  - राज्य को पूर्व से पश्चिम तक जोड़ने वाला **यह एक्सप्रेस-वे 12 ज़िलों के 518 गाँवों से होकर** गुज़रेगा, जिससे **मेरठ और प्रयागराज के बीच यात्रा का समय काफी कम** हो जाएगा।
- **रणनीतिक दृष्टिकोण**
  - उत्तर प्रदेश में अब तीन ऐसे एक्सप्रेस-वे हैं, जहाँ **लड़ाकू विमानों की लैंडिंग की सुविधा उपलब्ध है — लखनऊ-आगरा एक्सप्रेस-वे**, पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे और **गंगा एक्सप्रेस-वे**।
  - यह पहली बार है जब भारत में किसी **एक्सप्रेस-वे** पर रात में राफेल, मिराज और जगुआर जैसे अत्याधुनिक लड़ाकू विमान **लैंड करेंगे**।
  - यह हवाई पट्टी **युद्ध अथवा आपदा की स्थिति में** भारतीय वायुसेना के लिये एक **वैकल्पिक रनवे के रूप में कार्य करेगी।**

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- **राफेल**
  - राफेल (Rafale) फ्राँस का डबल इंजन वाला और मल्टीरोल लड़ाकू विमान है, जिसे फ्राँस की **डसॉल्ट एविएशन कंपनी** द्वारा डिज़ाइन किया गया है।
  - इस लड़ाकू विमान में अत्याधुनिक तकनीक का प्रयोग किया गया है और यह एक 4.5 जेनरेशन (4.5 Generation) वाला लड़ाकू विमान है।
  - राफेल लड़ाकू विमान में मौजूद मीटीओर मिसाइल (Meteor Missile), SCALP क्रूज मिसाइल (Scalp Cruise Missile) और MICA मिसाइल प्रणाली (MICA Missile System) इसे सुरक्षा की दृष्टि से काफी महत्त्वपूर्ण बनाती हैं।
  - राफेल 2,222.6 किमी. प्रति घंटे की रफ्तार और 50,000 फीट की ऊँचाई तक उड़ सकता है।
  - यह लड़ाकू विमान लगभग 15.27 मीटर लंबा है और यह अपने साथ एक बार में 9,500 किलोग्राम बम और गोला-बारूद ले जा सकता है।
- **जगुआर**
  - जगुआर एक **बहुमुखी विमान है, जिसका उपयोग ज़मीनी हमले, हवाई रक्षा और टोही मिशनों (Reconnaissance missions) के लिये किया जाता है।**
    - यह **पाँचवीं पीढ़ी (5G) का लड़ाकू विमान है, जो अत्यधिक संघर्ष वाले युद्ध क्षेत्रों में परिचालन करने में सक्षम है तथा इसमें** वर्तमान और संभावित दोनों **प्रकार के सबसे उन्नत हवाई और ज़मीनी खतरों की उपस्थिति** को रेखांकित किया गया है।
    - 5G लड़ाकू विमानों में **स्टेल्थ क्षमता होती है** और वे आफ्टर बर्नर का उपयोग किये बिना सुपरसोनिक गति **से उड़ान भर सकते हैं।**
    - यह अपनी बहु-स्पेक्ट्रल **निम्न-अवलोकनीय डिज़ाइन, आत्म-सुरक्षा, रडार जैमिंग क्षमताओं और एकीकृत एवियोनिक्स** के कारण **चौथी पीढ़ी (4G) के समकक्षों से अलग है।**
    - **मिग-21, मिग-29, जगुआर और मिराज** 2000 के स्क्वाड्रनों को अगले दशक के मध्य तक चरणबद्ध तरीके से समाप्त कर दिया जाएगा।

रेड क्राउन रूफ्ड टर्टल

चर्चा में क्यों

तीन दशकों की अनुपस्थिति के बाद रेड क्राउन रूफ्ड टर्टल की गंगा नदी **में वापसी** हुई है।

- यह सफलता **नमामि गंगे मिशन** और उसके तहत संचालित **टर्टल सरवाइवल एलायंस इंडिया (TSAFI) परियोजना** के अंतर्गत एक **ऐतिहासिक जैवविविधता संरक्षण उपलब्धि** है।

मुख्य बिंदु

- **रेड क्राउन रूफ्ड टर्टल के बारे में:**
  - **वैज्ञानिक नाम:** बाटागुर कचुगा।
  - **सामान्य नाम:** बंगाल रूफ टर्टल, रेड क्राउन रूफ्ड टर्टल।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- **परिचय:**
  - रेड क्राउन रूफ्ड टर्टल **भारत के स्थानिक 24 प्रजातियों में से एक है** जिसके नर के चेहरे और गर्दन पर लाल, पीले, सफेद एवं नीले जैसे चमकीले रंग उनकी विशेषता है।

- **वितरण:**
  - **यह मीठे पानी में पाए जाने वाले कछुए की प्रजाति है जो नेस्टिंग साइट्स वाली गहरी बहने वाली नदियों में पाई जाती है।**
  - ऐतिहासिक रूप से यह प्रजाति **भारत और बांग्लादेश दोनों में गंगा नदी में व्यापक रूप से पाई जाती थी।** यह ब्रह्मपुत्र बेसिन में भी पाई जाती है।
  - वर्तमान में भारत में **राष्ट्रीय** चंबल नदी घड़ियाल अभयारण्य एकमात्र ऐसा क्षेत्र है **जहाँ इस प्रजाति की पर्याप्त आबादी है,** लेकिन यह संरक्षित क्षेत्र और आवास भी अब खतरे में हैं।
- **खतरा:**
  - **बड़ी तटीय और नदी परियोजनाएँ** नदी के प्राकृतिक प्रवाह को बाधित करती हैं और इससे जल प्रदूषण में वृद्धि होती है।
  - उप-प्रजातियाँ **मत्स्य जालों में फँसने** और **मानव गतिविधियों से उत्पन्न व्यवधानों** के कारण संकट में पड़ जाती हैं।
  - **प्रदूषण, सिंचाई के लिये जल की अत्यधिक निकासी** और **अनियंत्रित बाँधों का प्रवाह** प्राकृतिक आवासों को नुकसान पहुँचाते हैं।
  - **गंगा नदी** के किनारे स्थित **रेत के टापुओं** का क्षेत्र, जो शिकार के लिये उपयुक्त होता है, **खनन और मौसमी कृषि** के कारण लगातार सिकुड़ता जा रहा है।
  - **अवैध उपभोग और** अवैध अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के लिये जानवर को ओवरहार्वेस्ट करना।
- **सुरक्षा की स्थिति:**
  - अंतर्राष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ (International Union for Conservation of Nature-IUCN) रेड लिस्ट: **गंभीर रूप से लुप्तप्राय** (Critically Endangered)
  - वन्यजीव संरक्षण अधिनियम (WPA), 1972: **अनुसूची I** (Schedule I)
  - CITES : **परिशिष्ट II**
- **पुनर्वास**
  - कछुओं को उत्तर प्रदेश के हैदरपुर आर्द्रभूमि में छोड़ा गया। यह क्षेत्र गंगा नदी के साथ स्थित है और यहाँ का **पारिस्थितिकी तंत्र** कछुओं के पुनर्वास के लिये उपयुक्त माना गया।
  - कछुओं को दो समूहों में बाँटा गया था – एक को गंगा बैराज के ऊपरी हिस्से में और दूसरे को निचले हिस्से में छोड़ा गया।
  - प्रत्येक कछुए में एक ट्रैकिंग डिवाइस लगाया गया है, जिससे उनके आवागमन और पर्यावरण में अनुकूलन को मॉनिटर किया जा सके।

नमामि गंगे कार्यक्रम

- **परिचय:**
  - नमामि गंगे कार्यक्रम एक एकीकृत संरक्षण मिशन है, जिसे जून 2014 में **केंद्र सरकार द्वारा 'फ्लैगशिप कार्यक्रम' के रूप में अनुमोदित किया गया था,** ताकि प्रदूषण के प्रभावी उन्मूलन और राष्ट्रीय नदी गंगा के संरक्षण एवं कायाकल्प के दोहरे उद्देश्यों को पूरा किया जा सके।
  - यह जल संसाधन मंत्रालय, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग तथा जल शक्ति मंत्रालय **के तहत संचालित किया जा रहा है।**

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- **नमामि गंगे कार्यक्रम (2021-26) के दूसरे चरण** में राज्य परियोजनाओं को तेज़ी से पूरा करने और गंगा के सहायक शहरों में परियोजनाओं के लिये विश्वसनीय विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (Detailed Project Report- DPR) तैयार करने पर ध्यान केंद्रित करेंगे।
  - छोटी नदियों और **आर्द्रभूमि के पुनरुद्धार पर भी ध्यान दिया जा रहा है।**

टर्टल सर्वाइवल एलायंस इंडिया (TSAFI)

- TSAFI, वैश्विक टर्टल सर्वाइवल एलायंस का भारतीय इकाई का प्रतिनिधित्व करता है, जो दुनिया भर में **मीठे पानी की कछुओं की प्रजातियों की सुरक्षा** के लिये समर्पित है।
- यह संस्था कछुओं को **प्रमुख ख़तरों** जैसे कि **आवास विनाश, अवैध वन्यजीव व्यापार** और **जलवायु परिवर्तन के प्रभावों** से बचाने के लिये कार्य करती है।
- यह विभिन्न पहलें संचालित करती है, जैसे:
  - कछुओं की प्रजातियों और उनके आवासों पर **वैज्ञानिक अनुसंधान**
  - **मैदान स्तर पर संरक्षण परियोजनाएँ**
  - **जनता में शिक्षा और जागरूकता अभियान**
- TSAFI का उद्देश्य है **वैज्ञानिक विशेषज्ञता और समुदाय की भागीदारी** को एक साथ जोड़कर भारत में कछुओं की प्रजातियों का **दीर्घकालिक संरक्षण सुनिश्चित** करना है।

राष्ट्रीय चंबल अभयारण्य

- **राष्ट्रीय चंबल अभयारण्य राजस्थान, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश** के त्रि-जंक्शन पर स्थित है।
  - यह एक दुर्बल सरित्जीवी (Lotic) पारिस्थितिकी तंत्र है, जो घड़ियालों- **मछली खाने वाले मगरमच्छों** के लिये एक महत्त्वपूर्ण प्रजनन स्थल है।
    - यह अभयारण्य वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 के तहत संरक्षित है और इसे 'महत्त्वपूर्ण पक्षी और जैवविविधता क्षेत्र' के रूप में सूचीबद्ध किया गया है।
    - अभयारण्य एक **प्रस्तावित** रामसर स्थल भी है जिसमें स्थानीय और प्रवासी पक्षियों की 320 से अधिक प्रजातियाँ पाई जाती हैं।

उत्तर प्रदेश में कृषि सखी

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश सरकार ने प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिये **महिलाओं को 'कृषि सखी'** के रूप में प्रशिक्षित करने का निर्णय लिया है।

मुख्य बिंदु

- **कृषि सखी योजना के बारे में:**
  - यह पहल कृषि क्षेत्र में महिलाओं की भूमिका को औपचारिक पहचान देती है तथा उन्हें आर्थिक और सामाजिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक मज़बूत कदम है।
- **चयन प्रक्रिया और भूमिका:**
  - 'कृषि सखी' के रूप में उन्हीं महिलाओं का चयन किया जाएगा जो:
    - **स्थानीय निवासी** हों।
    - स्व-सहायता समूहों (SHG) से जुड़ी हों या **कृषि कार्य में सक्रिय** हों।
    - न्यूनतम **प्राथमिक शिक्षा** प्राप्त हों (साक्षरता अनिवार्य)।
  - उनकी भूमिका में निम्नलिखित शामिल हैं:
    - किसानों को **प्राकृतिक खेती के लाभों** के प्रति जागरूक करना।
    - **प्रशिक्षण प्राप्त करना और देना**, विशेषकर जैविक खाद, कीटनाशक, बीज उपचार आदि से संबंधित।
    - **कृषि क्लस्टर की निगरानी** करना और किसानों की समस्याओं को कृषि विज्ञान केंद्र तक पहुँचाना।
    - **महिलाओं की टोली** बनाकर सामूहिक खेती को बढ़ावा देना।
- **प्रशिक्षण और मानदेय:**
  - इन महिलाओं को KVK (कृषि विज्ञान केंद्र) द्वारा **प्राकृतिक खेती, जैविक उत्पाद निर्माण, प्रयोग विधियाँ, रोग नियंत्रण** जैसे विषयों पर नियमित प्रशिक्षण दिया जाएगा।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- प्रशिक्षण के दौरान उन्हें **फील्ड डेमोंस्ट्रेशन**, **विज़ुअल एड्स**, और **टूलकिट्स** प्रदान की जाएंगी।
- प्रत्येक ज़िले में **दो जैव इनपुट अनुसंधान केंद्र (Bio-input Research Centres)** की स्थापना की जाएगी।
- 'कृषि सखियों' को **प्रति माह ₹5,000 का मानदेय** प्रदान किया जाएगा, जो ग्रामीण महिलाओं के लिये **निश्चित आय का स्रोत** बनेगा।
- इसके अतिरिक्त, कुछ क्षेत्रों में **प्रदर्शन आधारित प्रोत्साहन राशि (Performance-Based Incentives)** भी दी जा सकती है।

प्राकृतिक खेती:

- प्राकृतिक खेती स्थानीय रूप से **उपलब्ध संसाधनों पर आधारित एक रसायन मुक्त कृषि पद्धति** है।
  - यह पारंपरिक स्वदेशी तरीकों को प्रोत्साहित करती है जो उत्पादकों को बाहरी आदानों पर निर्भर रहने से मुक्त करते हैं।
- प्राकृतिक खेती का प्रमुख ध्यान बायोमास **मल्चिंग के साथ ऑन-फार्म बायोमास रीसाइक्लिंग, ऑन-फार्म देसी गाय के गोबर एवं मूत्र का उपयोग, विविधता के माध्यम से कीटों का प्रबंधन, ऑन-फार्म वनस्पति मिश्रण** एवं प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से सभी सिंथेटिक रासायनिक आदानों का बहिष्करण है।
  - चूँकि प्राकृतिक खेती में किसी भी सिंथेटिक रसायन का उपयोग नहीं होता है जिसकी वजह से यह **स्वास्थ्य के लिये कम जोखिमपूर्ण है**।
- इन खाद्यान्नों में **उच्च पोषण तत्त्व** होता है और बेहतर स्वास्थ्य लाभ प्रदान करते हैं।
- प्राकृतिक खेती का उद्देश्य **लागत तथा जोखिम में कमी, समान पैदावार और इंटरक्रॉपिंग से आय के परिणामस्वरूप किसानों की शुद्ध आय में वृद्धि** कर खेती को व्यवहार्य एवं आकांक्षी बनाना है।

आनंदीबेन पटेल पर आधारित पुस्तक

चर्चा में क्यों?

लखनऊ स्थित डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम **प्राविधिक विश्वविद्यालय** में **भारत के** उपराष्ट्रपति द्वारा राज्यपाल **आनंदीबेन पटेल** की आत्मकथात्मक पुस्तक '**चुनौतियाँ मुझे पसंद हैं**' का विमोचन किया गया।

मुख्य बिंदु

- **पुस्तक के बारे में:**
  - यह पुस्तक **राजनीति, प्रशासन और सामाजिक जीवन** में उनके संघर्षों और उपलब्धियों को दर्शाती है।
  - पुस्तक में एक साधारण कार्यकर्त्ता से लेकर **गुजरात की** पहली महिला मुख्यमंत्री और **उत्तर प्रदेश की राज्यपाल** बनने तक के सफर का उल्लेख है।
  - यह पुस्तक **महिलाओं के नेतृत्व, संघर्ष और सशक्तीकरण** का उदाहरण प्रस्तुत करती है।
- **आनंदीबेन पटेल**
  - आनंदीबेन पटेल वर्तमान में **उत्तर प्रदेश की राज्यपाल** हैं और भारतीय राजनीति की एक **प्रभावशाली महिला नेतृत्वकर्त्ता** के रूप में जानी जाती हैं।
  - उनका जन्म 21 नवंबर 1941 को गुजरात के मेहसाणा ज़िले के खरोद गाँव में एक पाटीदार परिवार में हुआ था।
  - **उन्होंने ई-जमीन कार्यक्रम** शुरू किया, जिससे **भूमि रिकॉर्ड का कंप्यूटरीकरण** हुआ और **किसानों के अंगूठे के निशानों और तस्वीरों** को डिजिटल रूप दिया गया।

राज्यपाल

- **परिचय**
  - राज्यपाल, राज्य का कार्यकारी प्रमुख होता है। **परंपरा के अनुसार,** वह उस राज्य से संबंधित न हो जहाँ उसे नियुक्त किया गया है, ताकि वह स्थानीय राजनीति से मुक्त रह सके।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- राज्यपाल **न तो जनता द्वारा सीधे चुना जाता है** और न ही अप्रत्यक्ष रूप से राष्ट्रपति की तरह संवैधानिक प्रक्रिया के तहत उसका निर्वाचन होता है।
- उसकी **नियुक्ति** राष्ट्रपति के मुहर लगे आज्ञापत्र के माध्यम से होती है।
- वह **राष्ट्रपति की इच्छा पर पद धारण करता है** और राष्ट्रपति द्वारा किसी भी समय हटाया जा सकता है।

राज्यपाल कार्यालय की शर्तें:

- बिना किराए के उसे राजभवन (आधिकारिक निगम) उपलब्ध होगा।
- वह संसद द्वारा निर्धारित सभी प्रकार की उपलब्धियों, **विशेषाधिकारों और भत्तों** के लिये अधिकृत होगा।
- यदि वह व्यक्ति दो या अधिक राज्यों का राज्यपाल नियुक्त होता है, तो ये उपलब्धियाँ और भत्ते **राष्ट्रपति द्वारा तय मानकों** के हिसाब से राज्य मिलकर प्रदान करेंगे।
- उसके कार्यकाल के दौरान उसकी आर्थिक उपलब्धियों व भत्तों को **कम नहीं किया जा सकता।**

विशेषाधिकार:

- **अनुच्छेद 361 के तहत,** उसे अपने शासकीय कृत्यों के लिये विधिक दायित्व से निजी उन्मुक्ति प्राप्त होती हैं।
- अपने कार्यकाल के दौरान, उसे **आपराधिक कार्यवाही** (चाहे वह व्यक्तिगत क्रियाकलाप हो) की सुनवाई से उन्मुक्ति प्राप्त है।
- **उसे गिरफ्तार कर कारावास में नहीं डाला जा सकता है।**
  - यद्यपि **दो महीने के नोटिस देने** पर व्यक्तिगत क्रियाकलापों पर उनके विरुद्ध नागरिक कानून संबंधी कार्यवाही प्रारंभ की जा सकती है।

मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार

चर्चा में क्यों?

केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल ने **ओलंपियन सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी** को वर्ष 2023 के लिये मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया।

मुख्य बिंदु

मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार के बारे में:

- इसे **भारत का सर्वोच्च खेल** सम्मान माना जाता है।
- किसी खिलाड़ी द्वारा पिछले **चार वर्षों की अवधि में खेल के क्षेत्र में किये गए शानदार और सर्वाधिक उत्कृष्ट प्रदर्शन** के लिये दिया जाता है।
- इसमें विजेताओं को एक **पदक, प्रमाण-पत्र और 25 लाख रुपए पुरस्कार** के रूप में प्रदान की जाती है।
- **इस पुरस्कार** की स्थापना वर्ष 1991-92 में हुई थी; इसे पहले **राजीव गांधी खेल रत्न पुरस्कार** कहा जाता था, जिसका नाम वर्ष 2021 में बदलकर **मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार** दिया गया।
- यह पुरस्कार **भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय** द्वारा प्रदान किया जाता है।

मेजर ध्यानचंद

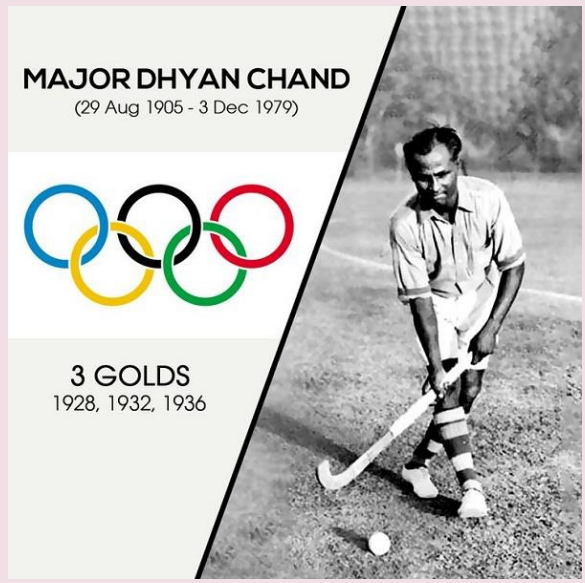

- मेजर ध्यानचंद का जन्म 29 अगस्त 1905 को **प्रयागराज** में हुआ था।
- वे एक फील्ड हॉकी खिलाड़ी थे जिन्होंने **वर्ष 1926 से 1949 तक** अंतर्राष्ट्रीय हॉकी खेली।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- वह **तीन बार के ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता** थे, जिन्होंने **वर्ष 1928, 1932 और 1936** के ओलंपिक संस्करणों में स्वर्ण पदक जीते थे।
- खेल में उनके असाधारण कौशल के चलते उन्हें **'हॉकी के जादूगर'** की उपाधि दी गई।
  - ध्यानचंद ने अपने भाई रूप सिंह के साथ मिलकर भारत के 35 गोलों की संख्या में महत्त्वपूर्ण योगदान दिया, जिसके चलते उन्हें **'हॉकी ट्विन्स'** के नाम से भी जाना गया।
  - **वर्ष 1934** में ध्यानचंद को **भारतीय टीम की कप्तानी से** सम्मानित किया गया।
- मेजर ध्यानचंद वर्ष 1956 में सेना में मेजर पद से सेवानिवृत्त हुए और उन्हें **पद्म भूषण** से सम्मानित किया गया।
- हर साल **29 अगस्त** को **मेजर ध्यानचंद की जयंती** पर उनके योगदान को सम्मान देने और **खेल संस्कृति** को बढ़ावा देने के लिये **राष्ट्रीय खेल दिवस** मनाया जाता है।

ट्रांसजेंडरों के लिये वृद्धाश्रम

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश सरकार ने 60 वर्ष से अधिक आयु के **ट्रांसजेंडर नागरिकों को वृद्धाश्रम की सुविधाएँ** प्रदान करने का निर्णय लिया है।

मुख्य बिंदु

- **ट्रांसजेंडरों के लिये विशेष सुविधाएँ:**
  - इस पहल के तहत उन्हें **पेंशन, आयुष्मान भारत कार्ड, नियमित स्वास्थ्य जाँच, पौष्टिक भोजन, दवाइयाँ, चिकित्सकीय देखरेख** और **मानसिक स्वास्थ्य परामर्श** जैसी आवश्यक सेवाएँ दी जाएंगी।
  - सरकार की इस पहल का उद्देश्य **ट्रांसजेंडर समुदाय के सामाजिक, आर्थिक और मानसिक सशक्तीकरण** को सुनिश्चित करना है।
  - वृद्ध ट्रांसजेंडर नागरिकों के लिये वृद्धाश्रमों में विशेष व्यवस्था की गई है, जिनमें **सामुदायिक गतिविधियाँ, पुस्तकालय, योग और ध्यान सत्र** भी सम्मिलित हैं।
- **ट्रांसजेंडर कल्याण नीति**
  - वर्ष 2021 में उत्तर प्रदेश में **ट्रांसजेंडर कल्याण नीति** लागू की गई थी, जिसके तहत **ट्रांसजेंडर कल्याण बोर्ड** का गठन किया गया।
- **गरिमा गृह**
  - इसके अंतर्गत **गोरखपुर** में एक **गरिमा गृह** की स्थापना की गई है, जहाँ ट्रांसजेंडर व्यक्तियों को **आवास, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाएँ** और **कौशल विकास प्रशिक्षण** उपलब्ध कराया जा रहा है।
- **ट्रांसजेंडर सुरक्षा सेल:**
  - **राज्य और ज़िला दोनों स्तर पर ट्रांसजेंडर सुरक्षा सेल** की स्थापना की गई है।
  - इन सेल्स के माध्यम से **पुलिस संरक्षण, कानूनी सहायता, उत्पीड़न के मामलों में कार्रवाई** और **सामाजिक पुनर्वास** जैसी सेवाएँ प्रदान की जाती हैं।

ट्रांसजेंडर

- **ट्रांसजेंडर व्यक्ति (अधिकारों का संरक्षण) बिल, 2019** के अनुसार, ट्रांसजेंडर का अर्थ ऐसे व्यक्ति से है जिसका लिंग उस व्यक्ति के जन्म के समय दिये गए लिंग से मेल नहीं खाता है।
- इसमें ट्रांस-मेन (परा-पुरुष) और ट्रांस-वूमेन (परा-स्त्री), इंटरसेक्स भिन्नताओं एवं जेंडर क्वीर (Queer) आते हैं।
- भारत की **2011 की जनगणना** अपने इतिहास में देश की **'किन्नर/ट्रांस'** आबादी को शामिल करने वाली पहली जनगणना थी। रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया है कि 4.8 मिलियन भारतीयों की पहचान ट्रांसजेंडर के रूप में की गई है।
- सबसे अधिक ट्रांसजेंडर आबादी वाले शीर्ष 3 राज्य उत्तर प्रदेश, आंध्र प्रदेश और महाराष्ट्र हैं।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

आयुष्मान भारत योजना

- **परिचय:**
  - **आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (Ayushman Bharat Pradhan Mantri Jan Arogya Yojana- AB PM-JAY) विश्व की सबसे बड़ी सार्वजनिक रूप से वित्त पोषित स्वास्थ्य आश्वासन योजना है, जो माध्यमिक और तृतीयक देखभाल** के लिये प्रतिवर्ष प्रति परिवार **5 लाख रुपए** तक की बीमा राशि प्रदान करती है।
  - AB PM-JAY के अंतर्गत परिवार के आकार, आयु या लिंग की कोई सीमा नहीं है, जिससे सभी लाभार्थियों के लिये समावेशिता सुनिश्चित होती है।
- इसके अतिरिक्त **पहले से मौजूद बीमारियों को भी** पहले दिन से ही कवर किया जाता है।
  - PM-JAY 27 विशेषताओं में **1,949 चिकित्सा प्रक्रियाओं को** कवर करता है जिसमें **निःशुल्क दवाएँ, निदान, भोजन, आवास** और **अस्पताल से छुट्टी के बाद 15 दिनों की दवा शामिल है।**
  - **पात्रता एवं लाभार्थी पहचान:**
    - इसमें शामिल परिवार क्रमशः ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के लिये **सामाजिक-आर्थिक जाति जनगणना 2011 (Socio-Economic Caste Census- SECC 2011) के अभाव और व्यावसायिक मानदंडों** पर आधारित हैं।

उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश के तीन क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों आर्यावर्त बैंक, प्रथमा बैंक और बड़ौदा यूपी बैंक का विलय कर दिया गया है। जिसे 'उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक' के नाम से जाना जाएगा।

मुख्य बिंदु

- **उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक के बारे में:**
  - इस बैंक का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में **वित्तीय समावेशन, एकीकृत प्रबंधन** और **बेहतर ग्राहक सेवाएँ** सुनिश्चित करना है।
  - यह नया बैंक **भारत सरकार के वित्त मंत्रालय** की अधिसूचना के तहत **1 मई 2025** से अस्तित्व में आया।
  - इस नवगठित बैंक का कार्यक्षेत्र उत्तर प्रदेश के 26 ज़िलों तक फैला होगा, जिसमें कुल 22 क्षेत्रीय कार्यालयों के माध्यम से संचालन किया जाएगा।
  - इस नवगठित बैंक का **मुख्यालय लखनऊ** में स्थापित किया जाएगा और इसका संचालन **बैंक ऑफ बड़ौदा** के प्रायोजन में किया जाएगा।
- **लाभ**
  - **ऋण वितरण में सुगमता:** किसानों, स्वरोज़गार से जुड़े ग्रामीण उद्यमियों को शीघ्र ऋण स्वीकृति।
  - **डिजिटल सेवाओं का विस्तार:** मोबाइल बैंकिंग, UPI, नेट बैंकिंग जैसी सुविधाएँ दूरस्थ गाँवों तक पहुँचेंगी।
  - **सुविधाओं की निगरानी: नाबार्ड** द्वारा एक विशेष समिति गठित की गई है, जो ग्राहकों की सुविधा का आकलन करेगी।

राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (NABARD)

- नाबार्ड एक विकास बैंक है जो प्राथमिक तौर पर देश के ग्रामीण क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करता है। यह कृषि एवं ग्रामीण विकास हेतु वित्त प्रदान करने के लिये शीर्ष बैंकिंग संस्थान है।
- इसका मुख्यालय देश की वित्तीय राजधानी मुंबई में अवस्थित है।
- कृषि के अतिरिक्त यह छोटे उद्योगों, कुटीर उद्योगों एवं ग्रामीण परियोजनाओं के विकास के लिये उत्तरदायी है।
- यह एक सांविधिक निकाय है जिसकी स्थापना **वर्ष 1982 में राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक अधिनियम, 1981 के तहत की गई थी।**

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

पिपरहवा अवशेष

चर्चा में क्यों?

केंद्र सरकार ने हांगकांग में सोथबी को **पवित्र पिपरहवा अवशेषों की नीलामी करने से रोकने के लिये एक मज़बूत कूटनीतिक और कानूनी अभियान शुरू** किया है, जिनके बारे में माना जाता है कि वे **भगवान बुद्ध के अवशेष हैं।**

प्रमुख बिंदु

- **पिपरहवा अवशेषों के बारे में:**
  - उत्खननकर्त्ताओं ने वर्ष 1898 में **उत्तर प्रदेश के पिपरहवा स्तूप** में **पिपरहवा अवशेषों की खोज** की थी, जिसे भगवान बुद्ध की जन्मस्थली, **प्राचीन कपिलवस्तु** माना जाता है।
  - अवशेषों में **हड्डियों के टुकड़े, क्रिस्टल के ताबूत, सोने के आभूषण और अन्य अनुष्ठानिक प्रसाद शामिल हैं।**
  - एक ताबूत पर **ब्राह्मी लिपि** में एक शिलालेख है जो अवशेषों को प्रत्यक्ष रूप से भगवान बुद्ध से जोड़ता है, जिसमें **उल्लेख किया गया है कि इन्हें शाक्य कुल द्वारा स्थापित** किया गया था।
- **अवशेषों का कानूनी संरक्षण:**
  - भारत इन अवशेषों को 'AA' **पुरावशेषों के रूप में वर्गीकृत** करता है, जिससे उन्हें राष्ट्रीय कानून के तहत **उच्चतम स्तर की कानूनी सुरक्षा** प्राप्त होती है।
  - भारतीय कानून **इनकी बिक्री या निर्यात पर प्रतिबंध** लगाता है, तथा इन्हें नीलाम करने या हटाने का कोई भी प्रयास अवैध है।
  - जबकि **अधिकांश अवशेष वर्ष 1899 में भारतीय संग्रहालय, कोलकाता को सौंप दिये गए थे , ब्रिटिश उत्खननकर्त्ता विलियम क्लैक्सटन पेप्पे के वंशजों ने कुछ अवशेष अपने पास रख लिये,** जो अब नीलामी बाज़ार में सामने आ रहे हैं।
- **भारत की तत्काल कार्रवाई:**
  - हांगकांग में प्रस्तावित सोथबी नीलामी के बारे में जानकारी के बाद, संस्कृति मंत्रालय ने कानूनी नोटिस जारी कर इसे तत्काल रोकने की मांग की।
  - **भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ASI)** द्वारा हस्तक्षेप हेतु हांगकांग स्थित भारत के महावाणिज्य दूतावास से संपर्क किया।

कपिलवस्तु अवशेष

- **वर्ष 1898 में पिपरहवा (उत्तर प्रदेश के सिद्धार्थनगर के पास)** के स्तूप स्थल पर एक उत्कीर्ण ताबूत की खोज से इस स्थान को प्राचीन कपिलवस्तु के साथ पहचानने में सहायता प्राप्त हुई।
- **ताबूत के ढक्कन पर अंकित अभिलेख बुद्ध और उनके समुदाय, शाक्य के अवशेषों का उल्लेख** करता है ।
- भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा वर्ष 1971-77 में पुन: स्तूप का उत्खनन किया, जिसमें दो अतिरिक्त शैलखटी अवशेष संदूक मिले, जिनमें कुल 22 पवित्र अस्थि अवशेष थे, जो वर्तमान में राष्ट्रीय संग्रहालय में रखे गए हैं।
- इसके बाद पिपरहवा के पूर्वी मठ में विभिन्न स्तरों और स्थानों से 40 से अधिक टेराकोटा मुहरों की खोज हुई, जिससे यह स्थापित हुआ कि पिपरहवा ही प्राचीन कपिलवस्तु था।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

ट्रांसजेंडर समुदाय के लिये विशेष राशन कार्ड

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश सरकार ने ट्रांसजेंडर नागरिकों को राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (NFSA) के तहत **राशन कार्ड** जारी करने के लिये एक **विशेष अभियान** शुरू करने की घोषणा की है।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

मुख्य बिंदु

- **ट्रांसजेंडर समुदाय की स्थिति:**
  - यह कदम उत्तर प्रदेश **ट्रांसजेंडर कल्याण बोर्ड** की रिपोर्ट के बाद उठाया गया है, जिसमें समुदाय की उपेक्षा और सरकारी सुविधाओं से वंचित रहने की स्थिति उजागर की गई थी।
  - रिपोर्ट के माध्यम से शासन को अवगत कराया गया कि बड़ी संख्या में ट्रांसजेंडर व्यक्ति स्थायी **रोज़गार और सरकारी योजनाओं से वंचित हैं।**
  - सामाजिक भेदभाव के कारण वे खाद्य सुरक्षा, पेंशन, स्वास्थ्य सेवाओं जैसी बुनियादी सुविधाओं से भी वंचित हैं।
- **मुख्यमंत्री का हस्तक्षेप:**
  - उत्तर पदेश के मुख्यमंत्री ने इस रिपोर्ट का संज्ञान लेते हुए निर्देश दिये हैं कि:
    - राशन कार्ड वितरण प्रक्रिया को **सरल, तेज़ और पारदर्शी** बनाया जाए।
    - यह कार्य राज्य के **'शून्य गरीबी' कार्यक्रम** के शुभारंभ से पूर्व पूरा किया जाए।
    - सभी ज़िलों को निर्देश दिये हैं कि वे राशन कार्ड न रखने वाले ट्रांसजेंडर व्यक्तियों की **पहचान कर उन्हें दस्तावेज़ जारी करें।**
    - इन लाभार्थियों को **'पात्र गृहस्थी'** श्रेणी में जोड़ कर उन्हें **राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (NFSA)** के अंतर्गत लाया जाए।
- **महत्त्व**
  - **इससे सामाजिक समावेशन** को बढ़ावा मिलेगा तथा ट्रांसजेंडर समुदाय को **समान अधिकार और गरिमा** मिलेगी।
  - **खाद्य सुरक्षा** सुनिश्चित होने से उनकी **आर्थिक स्थिति मज़बूत** होगी।
  - **प्रशासनिक सुधार** और पारदर्शिता से **कल्याण योजनाओं** की पहुँच अधिक प्रभावी होगी।

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (NFSA), 2013

- **अधिसूचित:** 10 सितंबर, 2013
- **उद्देश्य:** इसका उद्देश्य एक गरिमापूर्ण जीवन जीने के लिये लोगों को वहनीय मूल्यों पर अच्छी गुणवत्तापूर्ण खाद्यान्न की पर्याप्त मात्रा उपलब्ध कराते हुए उन्हें खाद्य और पोषण सुरक्षा प्रदान करना है।
- **कवरेज:** लक्षित सार्वजनिक वितरण प्रणाली (TPDS) के तहत रियायती दर पर खाद्यान्न प्राप्त करने के लिये ग्रामीण आबादी का 75 प्रतिशत और शहरी आबादी का 50 प्रतिशत।
  - राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (NFSA) समग्र तौर पर देश की कुल आबादी के 67 प्रतिशत हिस्से को कवर करता है।
- **पात्रता**
  - राज्य सरकार के दिशा-निर्देशों के अनुसार, लक्षित सार्वजनिक वितरण प्रणाली (TPDS) के तहत आने वाले प्राथमिकता वाले घर।
  - अंत्योदय अन्न योजना के तहत कवर किये गए घर।
- **प्रावधान**
  - प्रतिमाह प्रति व्यक्ति 5 किलोग्राम खाद्यान्न, जिसमें चावल 3 रुपए किलो, गेंहूँ 2 रुपए किलो और मोटा अनाज 1 रुपए किलो।
  - हालाँकि अंत्योदय अन्न योजना के तहत मौजूदा प्रतिमाह प्रति परिवार 35 किलोग्राम खाद्यान्न प्रदान करना जारी रहेगा।
  - गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं को गर्भावस्था के दौरान तथा बच्चे के जन्म के 6 माह बाद भोजन के अलावा कम-से-कम 6000 रुपए का मातृत्व लाभ प्रदान किये जाने का प्रावधानहै।
  - 14 वर्ष तक के बच्चों के लिये भोजन।
  - खाद्यान्न या भोजन की आपूर्ति नहीं होने की स्थिति में लाभार्थियों को खाद्य सुरक्षा भत्ता।
  - ज़िला और राज्य स्तर पर शिकायत निवारण तंत्र स्थापित करना।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

उत्तर प्रदेश में वैश्विक सेवा केंद्र

चर्चा में क्यों?

वैश्विक निवेश को आकर्षित करने के लिये **उत्तर प्रदेश सरकार** ने वैश्विक क्षमता केंद्र (GCC) नीति को मंज़ूरी प्रदान की है।

प्रमुख बिंदु

- **परिचय:**
  - इस नीति का उद्देश्य उत्तर प्रदेश को 1 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के महत्त्वाकांक्षी लक्ष्य की ओर ले जाना है।
  - अनुमान है कि **यह नीति IT, बैंकिंग, स्वास्थ्य सेवा, इंजीनियरिंग एवं अगली पीढ़ी की प्रौद्योगिकियों** में वैश्विक अभिकर्त्ताओं को आकर्षित करेगी।
  - यह नीति आकर्षक प्रोत्साहन प्रदान करने पर केंद्रित है तथा इसे वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं का अध्ययन करने के बाद तैयार किया गया है।
- **GCC द्वारा कवर की गई प्रौद्योगिकियाँ:**
  - उत्तर प्रदेश में स्थापित किये जा रहे GCC में निम्नलिखित अत्याधुनिक डोमेन शामिल हैं:
    - कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI)
    - मशीन लर्निंग
    - क्लाउड कम्प्यूटिंग
    - साइबर सुरक्षा
    - रोबोटिक प्रक्रिया स्वचालन
    - इंजीनियरिंग डिज़ाइन और विकास
- **पहले से ही शामिल क्षेत्र और कंपनियाँ:**
  - बैंकिंग, वित्तीय सेवाओं, बीमा, ऑटोमोटिव, इलेक्ट्रॉनिक्स और **सेमीकंडक्टर विनिर्माण क्षेत्र** की वैश्विक कंपनियों द्वारा उत्तर प्रदेश में परिचालन शुरू किया गया है।
  - **माइक्रोसॉफ्ट ने नोएडा** में 10,000 सीटों वाले डेवलपमेंट सेंटर की आधारशिला रखी है।
  - **MAQ सॉफ्टवेयर** द्वारा 3,000 सीटों वाला इंजीनियरिंग केंद्र स्थापित किया है।
  - राज्य सरकार **नोएडा एवं NCR के साथ-साथ वाराणसी, कानपुर और प्रयागराज** में भी GCC को आकर्षित करने की दिशा में कार्य कर रही है।

वैश्विक क्षमता केंद्र (GCC)

- GCC का आशय उन ऑफशोर प्रतिष्ठानों से है, जिन्हें कंपनियों द्वारा अपनी मूल संस्थाओं को अनेक प्रकार की सेवाएँ प्रदान करने के लिये स्थापित किया जाता है।
- वैश्विक कॉर्पोरेट ढाँचे के तहत आंतरिक संस्थाओं के रूप में कार्य करते हुए ये केंद्र **IT सेवाओं, अनुसंधान एवं विकास**, ग्राहक सहायता तथा विभिन्न अन्य व्यावसायिक कार्यों सहित विशिष्ट सेवाएँ प्रदान करते हैं।
- **GCC लागत दक्षताओं का लाभ उठाने, प्रतिभा का उचित उपयोग** करने तथा मूल उद्यमों एवं उनके ऑफशोर समकक्षों के बीच सहयोग को बढ़ावा देने में प्रमुख भूमिका निभाते हैं।
- विशेष आर्थिक क्षेत्र (SEZ) कर छूट, सरलीकृत विनियमन और सुव्यवस्थित नौकरशाही जैसे कई लाभ प्रदान करके **GCC के विकास में सहायता** प्रदान कर सकते हैं।

वीर रथ पार्क

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश के नोएडा में स्वतंत्रता संग्राम के वीरों की स्मृति में एक म्यूज़ियम और ओपन थियेटर सहित **वीर रथ पार्क** का निर्माण किया जाएगा।

मुख्य बिंदु:

- **पार्क के बारे में:**
  - यह पार्क **कुल 32 स्वतंत्रता सेनानियों की विरासत** को संरक्षित एवं प्रदर्शित करने के उद्देश्य से नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस-वे के समीप स्थित **नलगढ़** गाँव में स्थापित किया जा रहा है।
    - ऐतिहासिक दृष्टि से, **नलगढ़ गाँव** शहीद **भगत सिंह, राजगुरु, सुखदेव, सुभाष चंद्र बोस** और आज़ाद हिंद फ़ौज **के कर्नल करनैल सिंह** की शरणस्थली

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

रहा है। ऐसा माना जाता है कि इन सेनानियों ने यहीं रहकर **ब्रिटिश सेना पर हमले की रणनीतियाँ** तैयार की थीं।

- **इस पार्क** की स्थापना लगभग **22 एकड़ भूमि** पर की जाएगी, जिसकी अनुमानित लागत **42 करोड़ रुपए** है।
- इस पार्क में एक **संग्रहालय (Museum)** भी होगा, जिसमें शहीदों की **पत्थर की मूर्तियाँ** और **सूचनात्मक प्रदर्शन (informational exhibits)** लगाए जाएंगे।
- संग्रहालय की दीवारों पर **स्वतंत्रता सेनानियों और सेना के जवानों की कहानियाँ** भी अंकित की जाएंगी।
- युद्धकालीन टैंक और लड़ाकू विमान प्रतीकात्मक रूप से भारत की सैन्य विरासत को प्रदर्शित करेंगे, जबकि लेज़र शो देशभक्ति की भावना को प्रेरित करेगा।
- ओपन-एयर थिएटर में भारत की स्वतंत्रता पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे।

आज़ाद हिंद फौज (INA)

- **परिचय:** यह द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान भारत में ब्रिटिश शासन का सामना करने के उद्देश्य से गठित एक **सैन्य बल** था, जिसने **भारत के स्वतंत्रता संग्राम** में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।
- **गठन:**
  - **मोहन सिंह:** उन्होंने **भारतीय युद्धबंदियों (POW)** से एक सेना गठित करने का प्रस्ताव किया और जापानी समर्थन प्राप्त किया। उन्होंने शुरुआत में INA का नेतृत्व किया, जिसमें लगभग **40, 000 सैनिकों** की भर्ती की गई।
- हालाँकि, **सैनिकों की संख्या** को लेकर जापानियों के साथ संघर्ष के कारण उन्हें हटा दिया गया।
  - **रासबिहारी बोस:** यह एक अनुभवी **क्रांतिकारी** थे और इन्होने INA के लिये **समर्थन** जुटाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई और टोक्यो में भारतीय स्वतंत्रता लीग का गठन किया (1942)।
  - **सुभाष चंद्र बोस:** **25 अगस्त 1943** को बोस को INA का **सुप्रीम कमांडर** नियुक्त किया गया और बाद में **21 अक्तूबर 1943** को उन्होंने सिंगापुर में स्वतंत्र भारत की अनंतिम सरकार अथवा **आज़ाद हिंद** की स्थापना की।
- इसे **जापान, जर्मनी, इटली** और चीन (वांग जिंगवेई के नेतृत्व में) सहित **9 देशों** द्वारा मान्यता दी गई।

मिशन शक्ति

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश सरकार के मिशन शक्ति अभियान ने महिला सशक्तीकरण के क्षेत्र में नया कीर्तिमान रचते हुए **9 करोड़ से अधिक महिलाओं तक पहुँच बनाने में सफलता प्राप्त की** है।

मुख्य बिंदु

- **मिशन शक्ति अभियान के बारे में:**
  - **'मिशन शक्ति'** उत्तर प्रदेश सरकार की एक **महत्त्वाकांक्षी बहु-आयामी योजना** है, जिसका उद्देश्य महिलाओं और बालिकाओं की **सुरक्षा, सम्मान और आत्मनिर्भरता** सुनिश्चित करना है।
  - इसका शुभारंभ 17 **अक्तूबर 2020** में किया गया था और अब तक यह अभियान **पाँच चरणों** में संपन्न हो चुका है।
- **उपलब्धियाँ और आँकड़े:**
  - **1, 707 संभावित बाल विवाह** रोके गए, जिससे बालिकाओं के अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित हुई।
  - **महिला हेल्पलाइन 1090** ने अब तक **7.78 लाख मामलों** को सफलतापूर्वक निपटाया।
  - **वन स्टॉप सेंटरों** ने हिंसा और दुर्व्यवहार के **2.10 लाख से अधिक मामलों** में सहायता प्रदान की।
  - मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना के माध्यम से **23.40 लाख लड़कियों** को लाभ प्रदान किया गया।
  - **आकांक्षी ज़िलों में 2 लाख से अधिक बालिकाओं** की पहचान कर उनके **समग्र विकास** के लिये सहायता दी गई।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- **सुरक्षा हेतु बुनियादी ढाँचे में निवेश:**
  - राज्य में **100 गुलाबी पुलिस बूथ** स्थापित किये गए हैं।
  - **1090 कॉल सेंटर** को **80 अतिरिक्त टर्मिनलों** के साथ विस्तार दिया गया है।
  - 189 नगरीय निकायों में **1, 100 से अधिक गुलाबी शौचालयों** का निर्माण किया गया है।
  - विशेष आयोजनों, प्रशिक्षण सत्रों और अभियानों के माध्यम से **गाँवों, स्कूलों, कॉलेजों और शहरी वार्डों** में पहुँच बनाई गई है।
  - **साइबर अपराध, घरेलू हिंसा, मानसिक स्वास्थ्य, कानूनी अधिकार, वित्तीय साक्षरता** पर कार्यशालाओं का आयोजन किया गया है।

मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना

- **परिचय**
  - **मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना** की शुरुआत **अप्रैल 2019** में उत्तर प्रदेश में महिला कल्याण विभाग द्वारा की गई।
  - योजना के तहत, परिवार में **कन्या का जन्म** होने पर उसे **15 हज़ार रुपए** की वित्तीय सहायता दी जाती है।
  - यह राशि बेटी के जन्म से लेकर **स्नातक** होने तक, छह चरणों में प्रोत्साहन स्वरूप दी जाती है।
  - एक परिवार से **अधिकतम दो बेटियों** को इस योजना का लाभ प्राप्त होता है।
- **उद्देश्य**
  - योजना के प्रमुख उद्देश्य **कन्या भ्रूण हत्या का उन्मूलन, बाल विवाह की रोकथाम, स्वास्थ्य और शिक्षा में वृद्धि** तथा **आत्मनिर्भरता** को बढ़ावा देना हैं।

जीएसटी संग्रह में मेरठ शीर्ष पर

चर्चा में क्यों?

अप्रैल 2025 में **उत्तर प्रदेश के मेरठ ज़ोन** ने **राज्य कर विभाग के अंतर्गत** जीएसटी **संग्रह** में पूरे प्रदेश में **पहला स्थान** प्राप्त किया है।

मुख्य बिंदु

- **जीएसटी संग्रह के बारे में:**
  - **प्रदेश में** लखनऊ का कॉरपोरेट सर्किल मुख्यालय दूसरे स्थान पर रहा। जबकि तीसरे, चौथे और पाँचवें स्थान पर क्रमशः **गौतमबुद्ध नगर, लखनऊ द्वितीय ज़ोन** और **बरेली ज़ोन** रहे।
  - **राज्य कर विभाग के पोर्टल के अनुसार**, अप्रैल 2024 में मेरठ ज़ोन द्वारा 147.34 करोड़ रुपए का जीएसटी संग्रह किया गया था, जबकि **अप्रैल 2025 के लिये 287.08 करोड़ रुपए का लक्ष्य** निर्धारित किया गया था।
  - **मेरठ ज़ोन ने इस वर्ष अप्रैल में 211.87 करोड़ रुपए का राजस्व संग्रह कर लक्ष्य का एक बड़ा हिस्सा प्राप्त किया।**
  - **आबकारी विभाग ने भी राजस्व में उल्लेखनीय योगदान दिया**, जहाँ **अप्रैल 2025 में शराब बिक्री से 103 करोड़ रुपए की आय हुई**, जो पिछले वर्ष (अप्रैल 2024) में प्राप्त **78.96 करोड़ रुपए की तुलना में 42.04 करोड़ रुपए अधिक** है।
  - यह सफलता **बढ़ती टैक्स अनुपालना, व्यापारियों की जागरूकता, आईटीसी नियमों में सुधार** तथा **डिजिटल निगरानी व्यवस्था** के सुदृढ़ीकरण से संभव हो पाई है।
  - **टेलीकम्युनिकेशन, निर्माण, शिक्षा और** सेवा क्षेत्र जैसे उद्योगों के विस्तार ने इस संग्रह को गति दी है।

वस्तु एवं सेवा कर

- **परिचय:** GST एक मूल्य वर्द्धित कर प्रणाली है, जो भारत में वस्तुओं और सेवाओं की आपूर्ति पर लगाया जाता है।
  - यह एक व्यापक अप्रत्यक्ष कर है, जिसे **1 जुलाई, 2017 को 101वें** संविधान संशोधन **अधिनियम, 2016** के माध्यम से **'एक राष्ट्र एक कर'** के नारे के साथ भारत में लागू किया गया था।
- **GST के लाभ:**
  - **सरलीकृत कर व्यवस्था:** GST ने कई अप्रत्यक्ष करों को प्रतिस्थापित कर दिया, जिससे अनुपालन आसान हो गया और व्यवसायों के लिये कागज़ी कार्रवाई कम हो गई।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- **पारदर्शिता में वृद्धि:** ऑनलाइन GST पोर्टल कर प्रशासन को सरल बनाता है और प्रणाली में पारदर्शिता को बढ़ावा देता है।
- **कर का बोझ कम होना:** व्यापक करों के समाप्त होने से कीमतें कम होने से उपभोक्ताओं को लाभ होता है।
- **आर्थिक विकास को बढ़ावा:** कर बाधाओं को दूर करके और दक्षता में सुधार करके, **GST से उच्च आर्थिक विकास तथा रोज़गार सृजन में योगदान** की उम्मीद है।

- **GST परिषद:** GST परिषद एक संवैधानिक निकाय है जो भारत में **GST के कार्यान्वयन से संबंधित मुद्दों पर सिफारिशें करने के लिये ज़िम्मेदार** है।
  - संशोधित संविधान के अनुच्छेद 279A (1) के अनुसार, **GST परिषद का गठन राष्ट्रपति द्वारा** किया गया था।

उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन (UPSDM)

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश सरकार ने उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन (UPSDM) के तहत राज्य के युवाओं को **वैश्विक स्तर का तकनीकी कौशल** प्रदान के लिये भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (IIT), **रुड़की** के साथ एक **समझौता ज्ञापन** (MoU) पर हस्ताक्षर किये।

मुख्य बिंदु

- **समझौता ज्ञापन के बारे में:**
  - इस समझौते के माध्यम से **राज्य सरकार और IIT रुड़की** के बीच तकनीकी सहयोग की स्थापना की गई है, जिसका लक्ष्य **युवाओं को अत्याधुनिक तकनीकी दक्षता** से युक्त करना है।
  - युवाओं को **IIT रुड़की के विशेषज्ञों** के मार्गदर्शन में निम्नलिखित सुविधाएँ प्राप्त होंगी:
    - **उन्नत तकनीकी प्रशिक्षण**
    - **नवाचार-संचालित शिक्षा**
    - **अनुसंधान के अवसर**
    - **स्टार्टअप सहयोग और परामर्श**
  - यह पहल युवाओं को **राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर** पर **स्पर्द्धा के लिये सक्षम** बनाएगी, जिससे उनकी **रोज़गार क्षमता में मज़बूती** आएगी।

उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन (UPSDM)

- उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन की स्थापना **13 सितंबर, 2013** को उत्तर प्रदेश सरकार के व्यावसायिक शिक्षा और कौशल विकास विभाग के तहत सोसायटी पंजीकरण अधिनियम, 1860 के तहत पंजीकृत एक सोसायटी के रूप में की गई थी।
- **वर्ष 2022 तक 500 मिलियन लोगों** को कुशल बनाने के लक्ष्य के साथ **वर्ष 2009 में एक राष्ट्रीय कौशल विकास नीति** शुरू की गई थी। राष्ट्रीय योजना के तहत, उत्तर प्रदेश राज्य का लक्ष्य 12वीं पंचवर्षीय योजना के अंत तक 4 मिलियन से अधिक युवाओं को कौशल प्रदान करना है।
- इस लक्ष्य को प्राप्त करने और राज्य के युवाओं को रोज़गारपरक कौशल प्रदान करने के लिये UPSDM की स्थापना की गई है।
  - **राज्य कौशल विकास नीति का लाभ उठाते हुए सभी कौशल विकास पहलों का समन्वय करना अनिवार्य है।**
  - इसने कौशल विकास प्रशिक्षण आयोजित करने के लिये सरकारी प्रशिक्षण भागीदारों के अलावा निजी प्रशिक्षण भागीदारों को सूचीबद्ध किया।

यूपी-एग्रीस और एआई प्रज्ञा कार्यक्रम

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश के **मुख्यमंत्री द्वारा** विश्व बैंक **के अध्यक्ष** की उपस्थिति में लखनऊ में '**यूपी-एग्रीस**' और '**एआई प्रज्ञा**' कार्यक्रमों का शुभारंभ किया गया।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

मुख्य बिंदु

- **यूपी-एग्रीस के बारे में:**
  - **यह** कार्यक्रम उत्तर प्रदेश के पूर्वांचल और बुंदेलखंड क्षेत्रों के **28 ज़िलों** में लागू किया जाएगा।
  - इस कार्यक्रम का मुख्य **उद्देश्य** कृषि उत्पादकता में वृद्धि करना, **प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण** सुनिश्चित करना और किसानों की **आय बढ़ाना** है।
  - कार्यक्रम की **कुल लागत 3900 करोड़** रुपए है, जिसमें 2737 करोड़ रुपए का ऋण **विश्व बैंक** द्वारा प्रदान किया जाएगा। जबकि राज्य सरकार इस योजना में 1166 करोड़ रुपए का **अंशदान** देगी।
  - **6 वर्ष** की यह ऋण सहायता, जिसे **1.23% ब्याज दर** पर **35 वर्षों** में चुकाया जाएगा, से **10 लाख किसान** लाभान्वित होंगे — जिनमें से **30% महिलाएँ** होंगी।
  - इस परियोजना के तहत **10,000 महिला उत्पादक समूहों** को जोड़ा जाएगा और **500 किसानों** को उन्नत प्रशिक्षण के लिये **विदेश** भेजा जाएगा।
- **एआई प्रज्ञा कार्यक्रम:**
  - **'एआई प्रज्ञा'** कार्यक्रम का मुख्य **उद्देश्य** उत्तर प्रदेश को कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) और **डिजिटल तकनीकों** के क्षेत्र में **नेतृत्वकारी राज्य** के रूप में स्थापित करना है।
  - इस कार्यक्रम के अंतर्गत **10 लाख युवाओं** को **AI, मशीन लर्निंग, डाटा एनालिटिक्स** और साइबर सुरक्षा जैसी अत्याधुनिक तकनीकों में **प्रशिक्षण** और **प्रमाण-पत्र** प्रदान किया जाएगा।
  - इस पहल से प्रदेश में **AI आधारित स्टार्टअप** को बढ़ावा मिलेगा, **रोज़गार के अवसर** बढ़ेंगे और **डिजिटली दक्ष कार्यबल** का निर्माण होगा।
  - कार्यक्रम का संचालन **शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, राजस्व, सचिवालय प्रशासन** जैसे विभिन्न राज्य विभागों के **सहयोग** से किया जाएगा।

विश्व बैंक

- **परिचय:**
  - इसे **वर्ष 1944 में IMF के साथ मिलकर** पुनर्निर्माण और विकास के लिये अंतर्राष्ट्रीय बैंक (IBRD) के रूप में स्थापित किया गया था। **बाद में IBRD विश्व बैंक बन गया।**
  - विश्व बैंक समूह पाँच संस्थानों की एक अनूठी वैश्विक साझेदारी है जो विकासशील देशों में गरीबी को कम करने और साझा समृद्धि का निर्माण करने वाले स्थायी समाधानों के लिये कार्य कर रहा है।
  - विश्व बैंक संयुक्त राष्ट्र की विशिष्ट एजेंसियों में से एक है।
- **सदस्य:**
  - **189 देश** इसके **सदस्य हैं।**
  - **भारत भी इसका सदस्य है।**
- **पाँच विकास संस्थान:**
  - अंतर्राष्ट्रीय पुनर्निर्माण एवं विकास बैंक (IBRD)
  - अंतर्राष्ट्रीय विकास संघ (IDA)
  - अंतर्राष्ट्रीय वित्त निगम (IFC)
  - बहुपक्षीय गारंटी एजेंसी (MIGA)
  - निवेश विवादों के निपटान के लिये अंतर्राष्ट्रीय केंद्र (ICSID)
    - भारत ICSID का सदस्य नहीं है।
- **विश्व बैंक की शेयरधारिता:**
  - 16.41% वोटों के साथ संयुक्त राज्य अमेरिका सबसे बड़ा एकल शेयरधारक है, इसके बाद जापान (7.87%), जर्मनी (4.49%), यूनाइटेड किंगडम (4.31%), और फ्राँस (4.31%) का स्थान है। शेष शेयर अन्य सदस्य देशों के बीच विभाजित हैं।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन (UPSDM)

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश सरकार ने उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन (UPSDM) के तहत राज्य के युवाओं को **वैश्विक स्तर का तकनीकी कौशल** प्रदान के लिये भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (IIT), **रुड़की** के साथ एक **समझौता ज्ञापन** (MoU) पर हस्ताक्षर किये।

मुख्य बिंदु

- **समझौता ज्ञापन के बारे में:**
  - इस समझौते के माध्यम से **राज्य सरकार और IIT रुड़की** के बीच तकनीकी सहयोग की स्थापना की गई है, जिसका लक्ष्य **युवाओं को अत्याधुनिक तकनीकी दक्षता** से युक्त करना है।
  - युवाओं को **IIT रुड़की के विशेषज्ञों** के मार्गदर्शन में निम्नलिखित सुविधाएँ प्राप्त होंगी:
    - **उन्नत तकनीकी प्रशिक्षण**
    - **नवाचार-संचालित शिक्षा**
    - **अनुसंधान के अवसर**
    - **स्टार्टअप सहयोग और परामर्श**
  - यह पहल युवाओं को **राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर** पर **स्पर्द्धा के लिये सक्षम** बनाएगी, जिससे उनकी **रोज़गार क्षमता में मज़बूती** आएगी।

उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन (UPSDM)

- उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन की स्थापना **13 सितंबर, 2013** को उत्तर प्रदेश सरकार के व्यावसायिक शिक्षा और कौशल विकास विभाग के तहत सोसायटी पंजीकरण अधिनियम, 1860 के तहत पंजीकृत एक सोसायटी के रूप में की गई थी।
- **वर्ष 2022 तक 500 मिलियन लोगों** को कुशल बनाने के लक्ष्य के साथ **वर्ष 2009 में एक राष्ट्रीय कौशल विकास नीति** शुरू की गई थी। राष्ट्रीय योजना के तहत, उत्तर प्रदेश राज्य का लक्ष्य 12वीं पंचवर्षीय योजना के अंत तक 4 मिलियन से अधिक युवाओं को कौशल प्रदान करना है।
- इस लक्ष्य को प्राप्त करने और राज्य के युवाओं को रोज़गारपरक कौशल प्रदान करने के लिये UPSDM की स्थापना की गई है।
  - **राज्य कौशल विकास नीति का लाभ उठाते हुए सभी कौशल विकास पहलों का समन्वय करना अनिवार्य है।**
  - इसने कौशल विकास प्रशिक्षण आयोजित करने के लिये सरकारी प्रशिक्षण भागीदारों के अलावा निजी प्रशिक्षण भागीदारों को सूचीबद्ध किया।

ब्रह्मोस मिसाइल

चर्चा में क्यों?

केंद्रीय रक्षा मंत्री के द्वारा उत्तर प्रदेश के **लखनऊ में** ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल उत्पादन यूनिट का उद्घाटन किया गया।

मुख्य बिंदु

- ब्रह्मोस मिसाइल के बारे में:
  - भारत-रूस संयुक्त उद्यम, ब्रह्मोस मिसाइल की **मारक क्षमता 290 किमी. है** और यह मैक 2.8 (ध्वनि की गति से लगभग तीन गुना) की उच्च गति के साथ **विश्व की सबसे तेज़ क्रूज़ मिसाइल** है।
    - इसका नाम भारत की ब्रह्मपुत्र नदी और रूस की मोस्कवा नदी के नाम पर रखा गया है।
  - यह दो चरणों वाली **(पहले चरण में ठोस प्रणोदक इंजन और दूसरे में तरल रैमजेट)** मिसाइल है।
  - यह एक मल्टीप्लेटफॉर्म मिसाइल है **जिसे स्थल, वायु एवं समुद्र में बहुक्षमता वाली मिसाइल से सटीकता के साथ लॉन्च किया जा सकता** है जो खराब मौसम के बावजूद दिन और रात में काम कर सकती है।
  - यह "फायर एंड फॉरगेट/दागो और भूल जाओ" सिद्धांत पर काम करती है यानी लॉन्च के बाद इसे मार्गदर्शन की आवश्यकता नहीं होती।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- **लखनऊ ब्रह्मोस यूनिट के बारे में:**
  - यूनिट की स्थापना **300 करोड़ रुपए** की लागत से **उत्तर प्रदेश रक्षा औद्योगिक गलियारे (UP DIC)** के अंतर्गत की गई है।
  - यह भारत सरकार के रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (DRDO) और रूस की कंपनी NPOM का **संयुक्त उपक्रम** है।
  - इसमें भारत की 50.5% और रूस की 49.5% हिस्सेदारी है।
  - पहले चरण में यहाँ ब्रह्मोस मिसाइल के **कल-पुर्जे जोड़े जाएंगे** और बाद में **पूर्ण निर्माण** कार्य शुरू किया जाएगा।
  - यूनिट में प्रतिवर्ष **100 से 150 अगली पीढ़ी की मिसाइलें** बनाई जाएंगी।
  - नए संस्करण का वज़न **2,900 किग्रा से घटकर 1,290 किग्रा** कर दिया गया है।
  - इसकी रेंज **300 किमी से अधिक** होगी।

उत्तर प्रदेश रक्षा औद्योगिक गलियारा

- यह एक महत्त्वाकांक्षी परियोजना है, जिसका उद्देश्य **भारतीय एयरोस्पेस** और **रक्षा क्षेत्र की विदेशी निर्भरता** को कम करना है।
- इसमें **6 नोड्स** हैं- अलीगढ़, आगरा, कानपुर, चित्रकूट, झाँसी और लखनऊ।
- **उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (UPEIDA)** को राज्य की विभिन्न एजेंसियों के साथ मिलकर इस परियोजना को निष्पादित करने के लिये **नोडल एजेंसी** बनाया गया है।
- इस कॉरिडोर/गलियारे का **उद्देश्य राज्य को सबसे बड़े और उन्नत रक्षा विनिर्माण केंद्रों** में से एक के रूप में **स्थापित** करना एवं विश्व मानचित्र पर लाना है।

रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (DRDO)

- **परिचय:**
  - **DRDO की स्थापना 1958** में भारतीय सेना के **तकनीकी विकास प्रतिष्ठान (TDE), तकनीकी विकास और उत्पादन निदेशालय (DTDP)** और **रक्षा विज्ञान संगठन (DSO)** का संयोजन करके की गई थी।
  - DRDO भारत सरकार के **रक्षा मंत्रालय** का अनुसंधान एवं विकास विंग है।
  - आरंभ में DRDO के पास 10 प्रयोगशालाएँ थीं, वर्तमान में यह 41 प्रयोगशालाओं और 5 DRDO युवा वैज्ञानिक प्रयोगशालाओं (DYSL) का संचालन करता है।
- **सिद्धांत:**
  - DRDO का मार्गदर्शक सिद्धांत "बलस्य मूलं विज्ञानम्" **(शक्ति विज्ञान में निहित है) है,** जो राष्ट्र को शांति और युद्ध दोनों ही स्थिति में मार्गदर्शित करता है।
- **मिशन:**
  - इसका मिशन तीनों सेनाओं की आवश्यकताओं के अनुसार भारतीय सशस्त्र बलों को अत्याधुनिक हथियार प्रणालियों और उपकरणों से लैस करते हुए **महत्त्वपूर्ण रक्षा प्रौद्योगिकियों तथा प्रणालियों में आत्मनिर्भर** होना है

CIL और UPRVUNL के बीच समझौता

चर्चा में क्यों?

कोल इंडिया लिमिटेड (CIL) और उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड (UPRVUNL) ने प्रदेश में सौर ऊर्जा परियोजना स्थापित करने हेतु **समझौता ज्ञापन (MoU)** पर हस्ताक्षर किये हैं।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

मुख्य बिंदु

- **समझौता ज्ञापन के बारे में:**
  - यह समझौता CIL की **हरित ऊर्जा क्षेत्र में रणनीतिक पहल** का हिस्सा है और उत्तर प्रदेश की **तेज़ी से बढ़ती ऊर्जा मांग** को पूरा करने की दिशा में एक मज़बूत कदम है।
  - यह एक **गैर-बाध्यकारी (Non-binding) समझौता है, जो** उत्तर प्रदेश के भीतर **500 मेगावाट क्षमता की सौर ऊर्जा परियोजना** स्थापित करने के **उद्देश्य** से किया गया है।
- **सौर ऊर्जा**
  - सौर ऊर्जा, जिसे सूर्य से प्राप्त ऊर्जा के रूप में जाना जाता है, एक स्वच्छ और अक्षय ऊर्जा स्रोत है। यह सौर प्रौद्योगिकी के माध्यम से उपयोग की जाती है, जो मुख्य रूप से दो प्रकार की होती है:
    - **सौर तापीय:** इसमें सूर्य की ऊष्मा का उपयोग पानी को गर्म करने के लिये किया जाता है।
    - **सौर फोटोवोल्टिक (पीवी):** इसमें सूर्य की किरणों को विद्युत ऊर्जा में बदलने के लिये फोटोवोल्टिक प्रभाव का उपयोग किया जाता है।
  - **सौर ऊर्जा का उपयोग:**
    - सौर प्रौद्योगिकियाँ मापनीय और लचीली होती हैं, जो पूरे शहर को सौर फार्मों के माध्यम से बिजली प्रदान कर सकती हैं।
    - विकेंद्रीकृत प्रणालियों के द्वारा दूरदराज़ क्षेत्रों में भी बिजली की आपूर्ति की जा सकती है।
    - छतों पर सौर पैनल लगाकर घरों और वाणिज्यिक भवनों को ऊर्जा प्रदान की जा सकती है।
- **उदाहरण:** कोचीन अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा एक ऐसा उदाहरण है जहाँ सौर ऊर्जा का प्रभावी उपयोग किया जा रहा है।
  - **सौर ऊर्जा के महत्त्व:**
    - जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता में कमी।
    - **कार्बन उत्सर्जन** को कम करना।
    - वायु गुणवत्ता में सुधार।
    - **ऊर्जा तक पहुँच और सुरक्षा** को बढ़ावा देना।

कोल इंडिया लिमिटेड (CIL)

- **परिचय:** CIL भारत में एक **सरकारी स्वामित्व वाली कोयला खनन कंपनी है,** जो देश में कोयला संसाधनों के उत्पादन और प्रबंधन के लिये ज़िम्मेदार है।
  - इसकी स्थापना **वर्ष 1975 में की गई थी,** जो **विश्व की सबसे बड़ी** कोयला उत्पादक खनन कंपनी **है।**
- **संगठनात्मक संरचना:** CIL को **'महारत्न' सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यम के रूप में वर्गीकृत किया गया है।** यह ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (ECL), भारत कोकिंग कोल लिमिटेड (BCCL) जैसी **8 सहायक कंपनियों के माध्यम से कार्य करती है।**
  - **महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड (MCL)** CIL की सबसे बड़ी कोयला उत्पादक सहायक कंपनी है।
- **सामरिक महत्त्व:** भारत की **स्थापित विद्युत क्षमता का आधे से अधिक हिस्सा** कोयला आधारित है, जिसमें CIL देश के कुल कोयला उत्पादन का लगभग 78% आपूर्ति करता है।
  - **भारत की प्राथमिक वाणिज्यिक ऊर्जा आवश्यकताओं** में भी कोयले का योगदान 40% है।
- **खनन क्षमता: आठ भारतीय राज्यों** में CIL **84 खनन क्षेत्रों** में कार्य करती है तथा कुल **313 सक्रिय खदानों का प्रबंधन करती है।**

उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड (UPRVUNL)

- यह राज्य सरकार के पूर्ण स्वामित्व वाला एक तापीय विद्युत उत्पादन उपक्रम है, जो प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में स्थित पाँच ताप विद्युत ग्रहों का संचालन करता है।
- इसका गठन **25 अगस्त 1980** को **कंपनी अधिनियम, 1956** के अंतर्गत किया गया था, ताकि राज्य में नवीन ताप विद्युत परियोजनाओं का निर्माण किया जा सके।
- निगम द्वारा निर्मित प्रथम परियोजना **ऊँचाहार ताप विद्युत ग्रह (2x210 मेगावाट)** थी, जिसे **13 फरवरी 1992** को **एन.टी.पी.सी.** को हस्तांतरित कर दिया गया।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- बाद में, **उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत सुधार अधिनियम 1999** तथा **उत्तर प्रदेश स्थानांतरण योजना 2000** के अंतर्गत **उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत परिषद** का पुनर्गठन कर इसे तीन सार्वजनिक उपक्रमों में बाँटा गया—
  - **उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड** (विद्युत उत्पादन हेतु)
  - उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन लिमिटेड (विद्युत वितरण हेतु)
  - **उत्तर प्रदेश पावर ट्रान्समिशन कारपोरेशन लिमिटेड** (विद्युत पारेषण हेतु)।

यूपीएससी के नए अध्यक्ष नियुक्त

चर्चा में क्यों?

पूर्व रक्षा सचिव डॉ. अजय कुमार को संघ लोक सेवा आयोग (UPSC) का **नया अध्यक्ष नियुक्त** किया गया है।

मुख्य बिंदु

- **संघ लोक सेवा आयोग**
  - संघ लोक सेवा आयोग' (UPSC) एक संवैधानिक निकाय है। भारतीय संविधान के भाग XIV में अनुच्छेद 315 से अनुच्छेद 323 के तहत संघ लोक सेवा आयोग की संरचना, उसके सदस्यों की नियुक्ति और निष्कासन तथा संघ लोक सेवा आयोग की शक्तियों और कार्यों से संबंधित प्रावधान किये गए हैं।
  - **सदस्यों की नियुक्ति:** UPSC के अध्यक्ष और अन्य सदस्यों की नियुक्ति भारत के राष्ट्रपति द्वारा की जाती है।
  - **कार्यालय:** UPSC का कोई भी सदस्य छह साल की अवधि के लिये या 65 वर्ष की आयु तक, जो भी पहले हो, पद पर रहेगा।
  - **पुनर्नियुक्ति:** कोई भी व्यक्ति जो एक बार लोक सेवा आयोग के सदस्य के रूप में पद धारण कर चुका है अपने कार्यालय में पुनर्नियुक्ति का पात्र नहीं होगा।
  - **त्यागपत्र:** संघ लोक सेवा आयोग का कोई सदस्य भारत के राष्ट्रपति को लिखित त्यागपत्र देकर अपने पद से इस्तीफा दे सकता है।
  - **सदस्यों का निष्कासन/निलंबन:** संघ लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष या किसी अन्य सदस्य को भारत के राष्ट्रपति के आदेश से ही उसके पद से हटाया जाएगा।
    - राष्ट्रपति अध्यक्ष या किसी अन्य सदस्य को उसके कार्यालय पूर्ण होने से पूर्व भी निलंबित कर सकता है, जिसके संबंध में सर्वोच्च न्यायालय का संदर्भ दिया गया है।
  - **पदच्युत:** UPSC के अध्यक्ष या किसी अन्य सदस्य को हटाया जा सकता है यदि वह:
    - दिवालिया घोषित किया गया है।
    - अपने कार्यकाल के दौरान कार्यालय के कर्तव्यों के बाहर किसी भी भुगतान वाले रोजगार में संलग्न होता है।
    - राष्ट्रपति की राय में मानसिक या शरीर की दुर्बलता के कारण पद पर बने रहने के लिये अयोग्य है।
  - **सेवा की शर्तों को विनियमित करना:** UPSC के मामले में भारत के राष्ट्रपति की शक्ति:
    - आयोग के सदस्यों की संख्या और उनकी सेवा की शर्तें निर्धारित करता है।
    - आयोग के कर्मचारियों की संख्या और उनकी सेवा शर्तों के संबंध में प्रावधान करता है।
  - **शक्तियों पर प्रतिबंध:** UPSC के सदस्यों की सेवा शर्तों में नियुक्ति के बाद किसी भी प्रकार का संशोधन नहीं किया जाएगा।
  - **कार्यों का विस्तार करने की शक्ति:** किसी राज्य का विधानमंडल संघ लोक सेवा आयोग या SPSC द्वारा संघ या राज्य की सेवाओं के संबंध में और कानून अथवा किसी सार्वजनिक संस्था द्वारा गठित किसी भी स्थानीय प्राधिकरण या अन्य निकाय कॉर्पोरेट की सेवाओं के संबंध में अतिरिक्त कार्यों के अभ्यास के हेतु प्रावधान कर सकता है।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- **व्यय:** आयोग के सदस्यों या कर्मचारियों के वेतन, भत्ते और पेंशन सहित UPSC का खर्च भारत की संचित निधि (Consolidated Fund of India) से लिया जाता है।
  - **रिपोर्ट प्रस्तुत करना:** UPSC भारत के राष्ट्रपति को आयोग द्वारा किये गए कार्यों की एक वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करता है।
- जिन मामलों में आयोग की सलाह स्वीकार नहीं की गई हो उन मामलों के संदर्भ में राष्ट्रपति को ज्ञापन प्रस्तुत करना होता है।
- अस्वीकृति के कारणों को राष्ट्रपति के समक्ष प्रस्तुत करने से पूर्व संसद के प्रत्येक सदन (Parliament) के समक्ष प्रस्तुत करना होगा।

नोएडा में पहला 3nm चिप डिज़ाइन केंद्र शुरू

चर्चा में क्यों?

हाल ही में केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री ने उत्तर प्रदेश के **नोएडा** में भारत के पहले **3-नैनोमीटर (3nm) चिप डिज़ाइन केंद्र** का उद्घाटन किया।

मुख्य बिंदु

- **3nm तकनीक की उपलब्धि:**
  - यह तकनीक मौजूदा 7nm और 5nm की तुलना में कहीं अधिक उन्नत है।
  - इससे **उच्च प्रदर्शन, कम ऊर्जा खपत और अधिक कम्प्यूटिंग दक्षता** संभव होती है।
  - यह डिज़ाइन स्तर पर नवाचार की चरम सीमा का प्रतीक है, जिसे अब भारत में साकार किया जा रहा है।
  - इस केंद्र की स्थापना **रेनेसास इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया** द्वारा की गई है, जो जापानी मूल की कंपनी है।
- **सरकारी रणनीति का समर्थन:**
  - यह पहल **भारत सरकार की सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम** को विकसित करने की व्यापक रणनीति का हिस्सा है।
  - सरकार सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम में डिज़ाइन, निर्माण, ATMP (Assembly, Testing, Marking, Packaging) और संबंधित उपकरणों की आपूर्ति को समाहित कर रही है।
  - यह भारत का सेमीकंडक्टर मिशन और Production Linked Incentive (PLI) योजना के अंतर्गत क्रियान्वित हो रही है।
- **वैश्विक मान्यता और आत्मविश्वास:**
  - विश्व आर्थिक मंच (दावोस) जैसे वैश्विक मंचों पर भारत की सेमीकंडक्टर क्षमता को सराहा जा रहा है।
  - इससे अंतरराष्ट्रीय कंपनियों और निवेशकों में भारत को लेकर **आत्मविश्वास** बढ़ा है।

भारत का सेमीकंडक्टर मिशन (ISM)

- **परिचय:**
  - ISM को **वर्ष 2021** में **इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY)** के तत्वावधान में कुल **76,000 करोड़ रुपए** के वित्तीय परिव्यय के साथ लॉन्च किया गया था।
  - यह देश में **संवहनीय सेमीकंडक्टर** एवं **डिस्प्ले पारितंत्र** के विकास के लिये एक व्यापक कार्यक्रम का अंग है।
  - इस कार्यक्रम का उद्देश्य सेमीकंडक्टर/अर्द्धचालक, डिस्प्ले विनिर्माण और डिज़ाइन पारितंत्र में निवेश करने वाली कंपनियों को **वित्तीय सहायता** प्रदान करना है।
  - परिकल्पना की गई है कि ISM **सेमीकंडक्टर और डिस्प्ले उद्योग** के **वैश्विक विशेषज्ञों** के नेतृत्व में योजनाओं के कुशल, सुसंगत एवं सुचारू कार्यान्वयन के लिये नोडल एजेंसी के रूप में कार्य करेगा।
- **घटक:**
  - **भारत में सेमीकंडक्टर फैब्स स्थापित करने की योजना:**
- यह सेमीकंडक्टर फैब (विनिर्माण संयंत्र) की स्थापना के लिये पात्र आवेदकों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है जिसका उद्देश्य देश में सेमीकंडक्टर वेफर (पटलिका) फैब्रिकेशन सुविधाओं की स्थापना हेतु निवेश आकर्षित करना है।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- **सेमीकंडक्टर चिप्स:**
  - यह सेमीकंडक्टर (सिलिकॉन या जर्मेनियम) से बना एक छोटा इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस है, जो अधिकांश इलेक्ट्रॉनिक सर्किट के **बेसिक बिल्डिंग ब्लॉक** के रूप में कार्य करता है।
  - इन चिप्स में एक नाखून से भी छोटी चिप पर अरबों माइक्रोस्कोपिक स्विच हो सकते हैं।
  - सेमीकंडक्टर चिप का मूल घटक छोटे ट्रांजिस्टर से निर्मित एक **सिलिकॉन वेफर** है, जो विभिन्न कम्प्यूटेशनल निर्देशों के अनुसार विद्युत् प्रवाह को नियंत्रित करता है।
  - यह विभिन्न कार्य करता है, जैसे **डेटा संसाधित** करना, जानकारी संग्रहीत करना या इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को नियंत्रित करना आदि।
  - ये स्मार्टफोन, कंप्यूटर और एकीकृत सर्किट सहित लगभग प्रत्येक आधुनिक इलेक्ट्रॉनिक उपकरण का एक **महत्त्वपूर्ण हिस्सा** हैं।

गोमती नदी

चर्चा में क्यों?

गोमती नदी में ऑक्सीजन की कमी, फेकल कोलीफॉर्म की अधिकता और अनुपचारित सीवेज की बढ़ती मात्रा को लेकर पर्यावरण विशेषज्ञों और नागरिकों ने गंभीर चिंता जताई है।

मुख्य बिंदु

- **गोमती नदी:**
  - **गोमती** गंगा नदी की 960 किमी. लंबी सहायक नदी है।
  - यह पीलीभीत ज़िले के माधो टांडा से निकलती है और ग़ाज़ीपुर के कैथी में गंगा में मिल जाती है।
  - लखनऊ में नदी को शहरीकरण के कारण बढ़ते खतरों का सामना करना पड़ रहा है, जिसमें निम्न ऑक्सीजन स्तर और बढ़ता मल प्रदूषण शामिल है।
- **शहरीकरण दबाव और सीवेज बोझ:**
  - तेज़ी से बढ़ती जनसंख्या और शहर का विस्तार गोमती के पारिस्थितिक संतुलन को बिगाड़ रहा है।
  - शहर में वर्तमान में 730 MLD की आवश्यकता में से 450 MLD का उपचार किया जाता है; लगभग 280 MLD अनुपचारित सीवेज सीधे नदी में प्रवाहित हो जाता है।
  - **मेगा टाउनशिप परियोजनाएँ:**
    - लखनऊ **विकास प्राधिकरण (LDA)** चार प्रमुख परियोजनाओं की योजना बना रहा है: वेलनेस सिटी, आईटी सिटी, एजुकेशनल सिटी और प्रबंध नगर।
    - अन्य प्रमुख विकासों में अनंत नगर (मोहन रोड) और एयरो सिटी (अमौसी हवाई अड्डा) शामिल हैं।
    - ये टाउनशिप प्रमुख गलियारों के किनारे स्थित हैं और इससे गोमती पर जनसंख्या घनत्व और सीवेज का भार और बढ़ जाएगा।
- **टिकाऊ शहरी नियोजन की आवश्यकता:**
  - **पर्यावरणविद** एकीकृत जल निकासी, हरित स्थान, सीवेज उपचार संयंत्र और जल पुनः उपयोग प्रणालियों सहित वैज्ञानिक शहरी नियोजन की आवश्यकता पर ज़ोर देते हैं।
- **सार्वजनिक स्वास्थ्य संबंधी चिंताएँ:**
  - नदी में मल कोलीफॉर्म के स्तर में तीव्र वृद्धि और ऑक्सीजन में गिरावट से गंभीर स्वास्थ्य और पारिस्थितिकीय खतरा उत्पन्न हो रहा है।
  - नालों से अनुपचारित जल का निर्वहन तथा अपर्याप्त बुनियादी संरचना जलीय जीवन और मानव स्वास्थ्य दोनों के लिये खतरा उत्पन्न करते हैं।

एक जनपद एक उत्पाद के तहत नए उत्पाद शामिल

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश सरकार ने एक जनपद एक उत्पाद (ODOP) योजना के तहत **12 नए उत्पादों को शामिल किया**।

मुख्य बिंदु

- **एक जनपद एक उत्पाद योजना के बारे में:**
  - यह योजना उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री द्वारा **24 जनवरी 2018** को शुरू की गई थी।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- इसके अंतर्गत राज्य के प्रत्येक ज़िले के **विशिष्ट और पारंपरिक उत्पादों की पहचान** की जाती है तथा उन्हें भौगोलिक संकेत (GI) टैग प्रदान किया जाता है, जिससे यह प्रमाणित होता है कि वे उत्पाद किसी विशेष क्षेत्र से संबंधित हैं।
- राज्य सरकार इन उत्पादों को **राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाज़ार** में पहचान दिलाने के लिये उद्यमियों को **वित्तीय सहायता**, **सामूहिक विपणन सुविधाएँ** तथा अन्य संसाधन प्रदान करती है।
- इस योजना के प्रमुख उद्देश्यों में शामिल हैं:
  - **राज्य में रोज़गार के नए अवसरों का सृजन**
  - **राज्य के निर्यात को बढ़ावा देना**
  - **उत्तर प्रदेश को वर्ष 2029 तक एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था** बनाने की दिशा में योगदान देना
- अब तक इस योजना के अंतर्गत **62 उत्पाद** सूचीबद्ध थे, किंतु **12 नए उत्पाद** जोड़े जाने के बाद यह संख्या बढ़कर **74 हो गई है**।

12 नए उत्पाद जो शामिल किये गए हैं:

- **बागपत** – कृषि यंत्र एवं संबंधित उपकरण
- **सहारनपुर** – होज़री उत्पाद
- **फिरोज़ाबाद** – खाद्य प्रसंस्करण
- **गाज़ियाबाद** – मैटल, वस्त्र एवं परिधान
- **अमरोहा** – मेटल एवं वुडन हैंडीक्राफ्ट
- **आगरा** – पेठा उद्योग और सभी प्रकार के फुटवीयर
- **हमीरपुर** – मैटल उत्पाद
- **बरेली** – लकड़ी के उत्पाद
- **एटा** – चिकोरी उत्पाद
- **प्रतापगढ़** – खाद्य प्रसंस्करण
- **बिजनौर** – ब्रश और संबंधित उत्पाद
- **बलिया** – सत्तू उत्पाद

भौगोलिक संकेत (GI) टैग

- भौगोलिक संकेत (GI) टैग, एक ऐसा **नाम या चिह्न** है जिसका **उपयोग उन विशेष उत्पादों पर किया जाता है** जो किसी विशिष्ट भौगोलिक स्थान या मूल से संबंधित होते हैं।
- GI टैग यह सुनिश्चित करता है कि केवल **अधिकृत उपयोगकर्त्ताओं या भौगोलिक क्षेत्र में रहने वाले लोगों** को ही लोकप्रिय उत्पाद के नाम का उपयोग करने की अनुमति है।
- यह उत्पाद को दूसरों द्वारा नकल या अनुकरण किये जाने से भी बचाता है।
- एक पंजीकृत GI टैग **10 वर्षों के लिये वैध** होता है।
  - GI पंजीकरण की देखरेख वाणिज्य तथा उद्योग मंत्रालय के अधीन उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग द्वारा की जाती है।
  - **विधिक ढाँचा:**
- यह बौद्धिक संपदा अधिकार के **व्यापार-संबंधित पहलुओं (TRIPS)** पर WTO समझौते द्वारा विनियमित एवं निर्देशित है।

भारत का सबसे बड़ा टाइटेनियम और सुपरलॉय सामग्री संयंत्र

चर्चा में क्यों?

केंद्रीय **रक्षा मंत्री** और **उत्तर प्रदेश के** मुख्यमंत्री ने **लखनऊ में** भारत के सबसे बड़े **टाइटेनियम और सुपरएलॉय मटेरियल्स प्लांट** का उद्घाटन किया।

मुख्य बिंदु

प्लांट के बारे में:

- यह टाइटेनियम **प्लांट PTC इंडस्ट्रीज लिमिटेड** की सहायक कंपनी एरोलॉय टेक्नोलॉजीज लिमिटेड द्वारा संचालित है।
- यह प्लांट **50 एकड़** क्षेत्र में फैला है और इसकी वार्षिक उत्पादन क्षमता **6,000 टन** है, जिससे यह **दुनिया की सबसे बड़ी सिंगल-साइट टाइटेनियम रीमेल्टिंग सुविधा** बन गया है।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- इस संयंत्र में उपयोग की जा रही अत्याधुनिक तकनीकों में शामिल हैं:
  - **वैक्यूम आर्क रीमेल्टिंग (VAR)**
  - **इलेक्ट्रॉन बीम (EB)**
  - **प्लाज्मा आर्क मेल्टिंग (PAM)**
  - **वैक्यूम इंडक्शन मेल्टिंग (VIM)**
- इन तकनीकों से **aerospace-grade सामग्री** का घरेलू उत्पादन संभव हो सकेगा।

- टाइटेनियम प्लांट के साथ-साथ **सात अतिरिक्त उन्नत सुविधाओं** की आधारशिला भी रखी गई। इनमें प्रमुख हैं:
  - **एयरोस्पेस प्रिसिजन कास्टिंग प्लांट:** जो सिंगल क्रिस्टल कास्टिंग बनाते हैं, जो जेट इंजन के लिये महत्त्वपूर्ण हैं।
  - **एयरोस्पेस फोर्ज शॉप और मिल उत्पाद संयंत्र:** बिलेट्स, बार और प्लेट्स जैसे महत्त्वपूर्ण सामग्री के निर्माण की आवश्यकता समाप्त हो जाएगी।
  - **एयरोस्पेस प्रिसिजन मशीनिंग शॉप:** जो रेडी-टू-असेंबल अल्ट्रा-प्रिसिजन सीएनसी मशीनीकृत घटकों की क्षमता प्रदान करता है।
- यह परियोजना उत्तर प्रदेश रक्षा औद्योगिक गलियारे के अंतर्गत विकसित की जा रही है, जिसका उद्देश्य **रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भरता** को बढ़ावा देना है।

टाइटेनियम

- यह एक हल्की एवं मज़बूत धातु है। यह इस्पात जैसा **मज़बूत, लेकिन उससे बहुत हल्का होता** है।
- जलमग्न वस्तु बनाने के लिये टाइटेनियम पसंदीदा पदार्थ है, क्योंकि यह अधिक गहराई में भी पानी के भारी दबाव का सामना कर सकता है और इसमें जंग भी नहीं लगता है।
- टाइटेनियम धातु एल्यूमीनियम, मोलिब्डेनम, मैंगनीज, लोहा और अन्य धातुओं के साथ मिश्र धातु बनाने में प्रयोग किया जाता है। टाइटेनियम के इन मिश्र धातुओं का **उपयोग विमानन उद्योग** में किया जाता है।
- टाइटेनियम संयुक्त प्रतिस्थापन भागों का एक घटक है, जिसमें हिप बॉल और सॉकेट शामिल हैं।
- टाइटेनियम का **प्रयोग दंत प्रत्यारोपण** में भी किया जाता है।

उत्तर प्रदेश रक्षा औद्योगिक गलियारा

- यह एक महत्त्वाकांक्षी परियोजना है, जिसका उद्देश्य **भारतीय एयरोस्पेस और रक्षा** क्षेत्र की विदेशी निर्भरता को कम करना है।
- इसमें 6 नोड्स होंगे- अलीगढ़, आगरा, कानपुर, चित्रकूट, झाँसी और लखनऊ।
- उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (UPEIDA) को राज्य की विभिन्न एजेंसियों के साथ मिलकर इस परियोजना को निष्पादित करने के लिये **नोडल एजेंसी** बनाया गया था।
- इस कॉरिडोर/गलियारे का उद्देश्य **राज्य को सबसे बड़े और उन्नत रक्षा विनिर्माण केंद्रों में से एक के रूप में स्थापित करना** एवं विश्व मानचित्र पर लाना है।
  - **रक्षा गलियारा** एक मार्ग या पथ को संदर्भित करता है, जिसका उपयोग **सार्वजनिक क्षेत्र, निजी क्षेत्र** और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों द्वारा रक्षा उपकरणों के घरेलू उत्पादन के साथ-साथ रक्षा बलों हेतु उपकरण/परिचालन क्षमता को बढ़ाने के लिये किया जाता है।

यंत्रीकृत स्वच्छता पारिस्थितिकी तंत्र के लिये राष्ट्रीय कार्य योजना (NAMASTE)

चर्चा में क्यों?

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा बरेली में राष्ट्रीय मशीनीकृत स्वच्छता पारिस्थितिकी तंत्र कार्य योजना (NAMASTE) पर केंद्रित एक कार्यक्रम आयोजित किया गया।

- इसका **उद्देश्य सफाई कर्मचारियों को सामाजिक और आर्थिक रूप से सशक्त बनाना** तथा सुरक्षित, सम्मानजनक आजीविका को बढ़ावा देना था।

मुख्य बिंदु

- **NAMASTE के बारे में:**
  - **यह सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय (MoSJE)** तथा **आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय (MoHUA)** द्वारा एक सहयोगी पहल है।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- इसे वित्तीय वर्ष 2023-24 से 2025-26 की अवधि के लिये 349.73 करोड़ रुपए के बजट आवंटन के साथ केंद्रीय प्रायोजित योजना के रूप में वित्तीय वर्ष **2023-24 में लॉन्च किया गया था।**
- इसका मुख्य उद्देश्य मैनुअल स्कैवेंजिंग **को समाप्त करना** तथा **सफाई कर्मचारियों की सुरक्षा और सम्मान को बढ़ावा देना है।**

मुख्य घटक:

- नगर स्थानीय निकायों (ULBs) द्वारा नियुक्त SSWs का **विवरण एकत्र** करना ताकि **लक्षित हस्तक्षेप** किये जा सकें।
- **SSWs को** आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (AB-PMJAY) के तहत व्यावसायिक सुरक्षा प्रशिक्षण, **व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (PPE)** किट और स्वास्थ्य बीमा प्राप्त होता है।
- यह योजना **SSWs को** "सैनिप्रेन्योर्स" या स्वच्छता उद्यमी बनाने के लिये **पूंजी सब्सिडी** प्रदान करके **स्वरोज़गार और औपचारिक रोज़गार को बढ़ावा देती है।**
- **ठोस अपशिष्ट प्रबंधन** में लगे कचरा बीनने वालों को वर्ष 2024 में NAMASTE योजना के तहत एक घटक के रूप में शामिल किया गया है।

कार्यक्रम का महत्त्व

- यह कार्यक्रम सफाई कर्मचारियों की **सामाजिक-आर्थिक स्थिति में सुधार लाने की** दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम है, जिन्हें अक्सर खतरनाक कार्य वातावरण और सामाजिक कलंक का सामना करना पड़ता है।
- NAMASTE के अंतर्गत मशीनीकरण पर ज़ोर देने से मैनुअल स्कैवेंजिंग में कमी आती है तथा **स्वस्थ एवं सुरक्षित कार्य स्थितियों को बढ़ावा मिलता है।**
- (AB-PMJAY) के तहत आयुष्मान कार्डों का वितरण **स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुँच सुनिश्चित करता है,** जो व्यावसायिक स्वास्थ्य जोखिमों के संपर्क में आने वाले श्रमिकों के लिये महत्त्वपूर्ण है।
- सिलाई मशीनें उपलब्ध कराने से **वैकल्पिक आजीविका के अवसरों** को बढ़ावा मिलता है, जिससे कौशल का विविधीकरण होता है और **आर्थिक स्थिरता** सुनिश्चित होती है।
- NAMASTE कार्यक्रम सरकार के सामाजिक न्याय, **समावेशन और** हाशिये पर पड़े समुदायों के कल्याण के व्यापक उद्देश्यों के अनुरूप है।
- यह कार्यक्रम सतत् विकास लक्ष्यों (SDG) **को** प्राप्त करने में मदद करता है, विशेष रूप से स्वच्छ कार्य, स्वास्थ्य और कल्याण (SDG 3 और 8) से संबंधित लक्ष्यों को प्राप्त करने में।

मैनुअल स्कैवेंजिंग

- मैनुअल स्कैवेंजिंग को "सार्वजनिक सड़कों और शुष्क शौचालयों से मानव मल को हटाना, सेप्टिक टैंक, गटर और सीवर की सफाई करना" के रूप में परिभाषित किया गया है।
- भारत ने मैनुअल स्कैवेंजर्स के रूप में रोज़गार का निषेध और उनका पुनर्वास अधिनियम, 2013 (PEMSR) के तहत इस प्रथा पर प्रतिबंध लगा दिया है।
- यह अधिनियम हाथ से मैला ढोने की प्रथा को **"अमानवीय प्रथा"** के रूप में परिभाषित करता है और मैनुअल स्कैवेंजरों द्वारा सामना किये जाने वाले **ऐतिहासिक अन्यायों से मुक्त** कराने का प्रयास करता है।

मैनुअल स्कैवेंजिंग से संबंधित योजनाएँ

- मैनुअल स्कैवेंजरों के पुनर्वास के लिये स्वरोज़गार योजना (SESRM)
- राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी वित्त और विकास निगम (NSKFDC)
- राष्ट्रीय गरिमा अभियान
- स्वच्छ भारत मिशन 2.0
- दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन (DAY-NULM)

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

भारत की पहली जंगल सफारी विस्टाडोम ट्रेन

चर्चा में क्यों?

भारतीय रेलवे और उत्तर प्रदेश सरकार ने **भारत की पहली विस्टाडोम जंगल सफारी ट्रेन शुरू की।**

मुख्य बिंदु

- **जंगल सफारी विस्टाडोम ट्रेन के बारे में:**
  - **यह ट्रेन कतर्नियाघाट वन्यजीव अभयारण्य को दुधवा टाइगर रिज़र्व** से जोड़ेगी, जिससे यात्रियों को राज्य की समृद्ध जैवविविधता का अनुभव करने का मौका मिलेगा।
  - वर्तमान में यह सेवा सप्ताहांत पर संचालित है, लेकिन इसे दैनिक परिचालन में विस्तारित करने की योजना बनाई जा रही है, **जिससे यह वर्ष भर अधिक आगंतुकों के लिये सुलभ हो सके।**
- **एक गंतव्य, तीन वन:**
- **यह योजना उत्तर प्रदेश के इको टूरिज्म बोर्ड की "एक गंतव्य, तीन वन"** थीम का हिस्सा है।
- **इसका उद्देश्य दुधवा राष्ट्रीय उद्यान, कतर्नियाघाट** और **किशनपुर वन्यजीव अभयारण्य को एक संयुक्त पर्यटन स्थल** के रूप में विकसित करना है, ताकि वन्यजीवों के बीच बेहतर और अधिक अनुभव प्राप्त हो सके।
- **आर्थिक महत्त्व:**
  - इस ट्रेन से स्थानीय पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, नए रोज़गार सृजित होंगे तथा सतत् विकास को बढ़ावा मिलेगा।

कतर्नियाघाट वन्यजीव अभयारण्य

- यह उत्तर प्रदेश के बहराइच ज़िले में **ऊपरी गंगा के मैदान में** स्थित है, जो प्राकृतिक रूप से एक समृद्ध और विविध पारिस्थितिकी तंत्र को बनाए रखता है।
- यह 400.6 वर्ग किमी क्षेत्र में फैला हुआ है।
- **संरक्षण:**
  - वर्ष 1987 में इसे 'प्रोजेक्ट टाइगर' के दायरे में लाया गया और **किशनपुर वन्यजीव अभयारण्य** और **दुधवा राष्ट्रीय उद्यान** के साथ मिलकर यह दुधवा टाइगर रिज़र्व बनाता है। इसकी स्थापना 1975 में हुई थी।
  - अभयारण्य में **चीतल, हिरण, जंगली सूअर, बाघ, हाथी और तेंदुए** आदि प्रजातियाँ भी पाई जाती हैं।
  - यह **घड़ियाल, बाघ, गैंडे, गंगा डॉल्फिन, दलदली हिरण, हिसपिड खरगोश, बंगाल फ्लोरिकन, सफेद पीठ वाले और लंबी चोंच वाले गिद्धों** सहित कई लुप्तप्राय प्रजातियों का घर है।
- **पारिस्थितिकी संरचना:**
  - यह क्षेत्र **मिश्रित पर्णपाती वन** से घिरा हुआ है, जिसमें साल और सागौन के जंगल, हरे-भरे घास के मैदान, असंख्य दलदल और आर्द्रभूमि शामिल हैं।
  - इस क्षेत्र में **गिरवा नदी बहती है,** जो पारिस्थितिकी तंत्र को संतुलित करती है।

दुधवा टाइगर रिज़र्व

- यह उत्तर प्रदेश के तराई क्षेत्र में **भारत-नेपाल सीमा पर** लखीमपुर-खीरी ज़िले में स्थित है।
- अपनी समृद्ध जैवविविधता के लिये जाना जाने वाला यह स्थान **बंगाल टाइगर, भारतीय गैंडे,** दलदली हिरण, **तेंदुए** और कई पक्षी प्रजातियों का **घर है।**
- **तराई आर्क लैंडस्केप (TAL) में शामिल हैं:**
  - दुधवा राष्ट्रीय उद्यान
  - किशनपुर वन्यजीव अभयारण्य
  - कतर्नियाघाट वन्यजीव अभयारण्य
- ये **तीन क्षेत्र प्रोजेक्ट टाइगर के अंतर्गत दुधवा टाइगर रिज़र्व का निर्माण करते हैं,** जो राज्य में रॉयल बंगाल टाइगर्स की अंतिम व्यवहार्य आबादी की रक्षा करते हैं।
- दुधवा राष्ट्रीय उद्यान और किशनपुर अभयारण्य वर्ष **1987 में तथा कतर्नियाघाट वर्ष 2000 में इसमें शामिल किये** गए।

शाही जामा मस्जिद विवाद एवं पूजा स्थल अधिनियम 1991

चर्चा में क्यों?

इलाहाबाद **उच्च न्यायालय ने उत्तर** प्रदेश के संभल ज़िले में **शाही जामा मस्जिद** का सर्वेक्षण करने के लिये एडवोकेट कमिश्नर नियुक्त करने के ट्रायल कोर्ट के निर्णय को बरकरार रखा।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

मुख्य बिंदु

शाही जामा मस्जिद विवाद

- **पृष्ठभूमि:** यह मामला स्थानीय निवासियों द्वारा संभल अदालत में दायर याचिका से उत्पन्न हुआ, जिसमें दावा किया गया कि यह स्थल मूलत: श्री हरिहर मंदिर था, जिसे कथित तौर पर मुगल सम्राट बाबर **ने वर्ष** 1529 में ध्वस्त कर दिया था।
- **कानूनी स्थिति:** शाही जामा मस्जिद प्राचीन स्मारक संरक्षण अधिनियम, 1904 के तहत एक संरक्षित स्मारक है। इसे भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण (ASI) द्वारा राष्ट्रीय महत्त्व के स्मारक के रूप में सूचीबद्ध किया गया है।
- **शाही जामा मस्जिद और उपासना स्थल अधिनियम, 1991:** उपासना स्थल (विशेष प्रावधान) अधिनियम, 1991 इस विवाद के केंद्र में है।
  - अधिनियम में प्रावधान किया गया है कि उपासना स्थलों का धार्मिक स्वरूप, जैसा कि वे 15 अगस्त 1947 **को थे, संरक्षित किया जाना चाहिये** तथा ऐसे स्थानों की धार्मिक पहचान में किसी भी प्रकार के परिवर्तन पर रोक लगाई गई है।
  - शाही जामा मस्जिद विवाद में मस्जिद के धार्मिक स्वरूप को परिवर्तित करने की मांग करके अधिनियम के प्रावधानों को चुनौती दी गई है।

उपासना स्थल (विशेष प्रावधान) अधिनियम, 1991

- **परिचय: उपासना स्थल** (विशेष प्रावधान) अधिनियम, 1991 का उद्देश्य उपासना स्थलों की धार्मिक स्थिति को संरक्षित रखना तथा **विभिन्न** धार्मिक संप्रदायों **के बीच या एक ही संप्रदाय** के भीतर धर्मांतरण को रोकना है।
  - इस अधिनियम का उद्देश्य इन स्थानों के धार्मिक चरित्र को स्थिर रखते हुए तथा ऐसे धर्मांतरण से उत्पन्न विवादों को रोककर सांप्रदायिक सद्भाव **बनाए रखना** है।
- **अधिनियम के प्रमुख प्रावधान**
  - **धारा 3:** किसी भी उपासना स्थल को, **पूर्णत: या आंशिक रूप से,** एक धार्मिक संप्रदाय से दूसरे धार्मिक संप्रदाय में परिवर्तित करने पर रोक लगाती है।
  - **धारा 4(1):** यह अनिवार्य करता है कि उपासना स्थल की धार्मिक पहचान **15 अगस्त 1947** की स्थिति से अपरिवर्तित रहनी चाहिये। धार्मिक चरित्र को बदलने का कोई भी प्रयास निषिद्ध है।
  - **धारा 4(2):** यह विधेयक **15 अगस्त 1947** से पहले किसी उपासना स्थल के धार्मिक स्वरूप के परिवर्तन से संबंधित सभी चल रही कानूनी कार्यवाहियों को समाप्त करता है तथा ऐसे स्थानों की धार्मिक स्थिति को चुनौती देने वाले नए मामलों को शुरू करने पर रोक लगाता है।
  - **धारा 5 (अपवाद):** अयोध्या विवाद (बाबरी मस्जिद-राम जन्मभूमि), जिसे अधिनियम से छूट दी गई।
    - अयोध्या विवाद के अलावा, अधिनियम में निम्नलिखित को भी छूट दी गई है: कोई भी उपासना स्थल जो प्राचीन और ऐतिहासिक स्मारक है, या प्राचीन स्मारक तथा पुरातत्व स्थल और अवशेष अधिनियम, 1958 के अंतर्गत आने वाला कोई पुरातात्त्विक स्थल है।
    - ऐसे मामले जो पहले ही आपसी समझौते से सुलझा लिये गए हों या निपटा दिये गए हों।
    - अधिनियम के लागू होने से पहले हुए धर्मांतरण।
  - **धारा 6 (दंड):** अधिनियम में उल्लंघन के लिये कठोर दंड का प्रावधान किया गया है, जिसमें तीन वर्ष तक का कारावास और उपासना स्थल के धार्मिक चरित्र को बदलने का प्रयास करने पर जुर्माना शामिल है।

भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण (ASI)

- ASI केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण के अधीन कार्य करता है। यह देश की सांस्कृतिक विरासत के पुरातात्त्विक अनुसंधान और संरक्षण के लिये प्रमुख संगठन है।
- **यह प्राचीन स्मारक तथा पुरातत्त्व स्थल और अवशेष अधिनियम,1958 के तहत देश के भीतर** सभी पुरातात्त्विक उपक्रमों की देख-रेख करता है।
- यह 3,650 से अधिक प्राचीन स्मारकों, पुरातात्त्विक स्थलों और राष्ट्रीय महत्त्व के अवशेषों का प्रबंधन करता है।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- इसकी गतिविधियों में पुरातात्त्विक अवशेषों का सर्वेक्षण करना, पुरातात्त्विक स्थलों की खोज और उत्खनन, संरक्षित स्मारकों का संरक्षण तथा रखरखाव आदि शामिल हैं।
- इसकी स्थापना **वर्ष 1861 में ASI के पहले महानिदेशक अलेक्जेंडर कनिंघम द्वारा की गई** थी। अलेक्जेंडर कनिंघम को **"भारतीय पुरातत्त्व का जनक"** भी कहा जाता है।

बाल श्रम उन्मूलन अभियान

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश सरकार ने वर्ष 2027 तक बाल श्रम को समाप्त करने के लिये एक व्यापक राज्यव्यापी अभियान शुरू किया है।

मुख्य बिंदु

अभियान के बारे में:

- इस अभियान का **उद्देश्य जागरूकता बढ़ाना, शिक्षा प्रदान करना** और पुनर्वास का समर्थन करना है ताकि प्रत्येक बच्चे को विकास और सीखने के उचित अवसर मिल सकें।
- सरकार जन सहभागिता बढ़ाने के लिये विश्व बाल श्रम निषेध दिवस के अवसर पर **12 जून 2025 को विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करेगी।**

बंधुआ मज़दूरी उन्मूलन और बाल पुनर्वास में उत्तर प्रदेश के प्रयास

- सरकार ने बंधुआ मज़दूरी **के खिलाफ सख्त रुख अपनाया है और वर्ष** 2018-19 से 2024-25 के बीच 1,408 व्यक्तियों का पुनर्वास किया है।
  - इन व्यक्तियों को 18.17 करोड़ रुपए की वित्तीय सहायता प्राप्त हुई है, जिससे उन्हें स्वतंत्र और सम्मानजनक जीवन जीने में मदद मिली।
- **वर्ष 2017-18 से 2024-25 के बीच,** उत्तर प्रदेश सरकार ने **12,426 बच्चों का पुनर्वास किया है,** जिससे उन्हें अपनी शिक्षा जारी रखने में मदद मिली है।
- राज्य **ने 1,089 परिवारों को आर्थिक सहायता प्रदान की है,** ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वे आय के लिये बाल श्रम पर निर्भर न रहें।
- **बाल श्रमिक विद्या योजना** के अंतर्गत सरकार ने 2,000 कामकाजी बच्चों को स्कूलों में दाखिला दिलाया है।
  - उत्तर प्रदेश सरकार ने लक्षित, संरचित दृष्टिकोण के माध्यम से **बाल श्रम से निपटने** के लिये वर्ष **2020 में इस राज्य-स्तरीय पहल की शुरुआत की।**
  - इस योजना का उद्देश्य **बाल श्रमिकों को औपचारिक शिक्षा** प्रणाली में पुन: शामिल करना है, ताकि उनके सीखने के अधिकार और सम्मानजनक भविष्य को सुनिश्चित किया जा सके।

विश्व बाल श्रम निषेध दिवस

- **परिचय:**
  - **विश्व बाल श्रम निषेध दिवस** प्रतिवर्ष **12 जून को मनाया जाता है।**
  - इस दिवस का उद्देश्य बाल श्रम की व्यापकता तथा इसे समाप्त करने के लिये आवश्यक तत्काल कार्रवाई की ओर वैश्विक ध्यान आकर्षित करना है।
- **वैश्विक सहयोग:**
  - यह दिन दुनिया भर की **सरकारों, नियोक्ताओं और श्रमिक संगठनों, नागरिक समाज समूहों और नागरिकों को एकजुट करने के लिये एक मंच के रूप में कार्य करता है।**
  - यह **बाल श्रमिकों के सामने आने वाली चुनौतियों को उजागर करने** तथा उनके शोषण को समाप्त करने के व्यावहारिक समाधानों की पहचान करने पर केंद्रित है।
- **बाल श्रम उन्मूलन और सतत विकास लक्ष्य रूपरेखा:**
  - संयुक्त राष्ट्र सतत विकास लक्ष्य (SDG) 8.7 के अंतर्गत बाल श्रम का उन्मूलन एक प्रमुख उद्देश्य है।
  - SDG लक्ष्य 8.7 में निम्नलिखित के लिये तत्काल एवं प्रभावी उपाय करने का आह्वान करता है ताकि:
    - **जबरन मज़दूरी (Forced Labour)** का उन्मूलन किया जा सके,
    - **आधुनिक गुलामी** और **मानव तस्करी** को समाप्त किया जा सके,

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- **बाल श्रम के सबसे ख़राब रूपों**, जिसमें **बाल सैनिकों की भर्ती और उपयोग** भी शामिल है, को **प्रतिबंधित और समाप्त** किया जा सके।

बंधुआ मज़दूरी

- **भारत के** राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग द्वारा परिभाषित बंधुआ मज़दूरी, गुलामी का एक रूप है **जिसे ऋण बंधन कहा जाता है** जो सदियों से जारी है।
- इसे **आधुनिक गुलामी का सबसे गंभीर रूप माना जाता है,** जहाँ श्रमिकों को कम वेतन पर लंबे समय तक काम करने के लिये मज़बूर किया जाता है। इसमें किसी नियोक्ता द्वारा ऋण चुकाने के लिये एक निश्चित अवधि के लिये बिना वेतन के काम करने के लिये मज़बूर किया जाना शामिल हो सकता है।

बाल श्रम से संबंधित संवैधानिक प्रावधान

- **अनुच्छेद 23:** यह मानव तस्करी और जबरन श्रम पर प्रतिबंध लगाता है, शोषण तथा अपमानजनक कार्य स्थितियों से सुरक्षा सुनिश्चित करता है।
- **अनुच्छेद 24: यह कहता है कि 14 वर्ष से कम आयु के** बच्चे को कोई भी खतरनाक कार्य करने के लिये नियोजित नहीं किया जा सकता।
- **अनुच्छेद 39:** इसमें उन सिद्धांतों की रूपरेखा दी गई है जिनका राज्य को पालन करना चाहिये, जिसमें पुरुषों और महिलाओं के लिये आजीविका के समान अधिकार, समान कार्य के लिये समान वेतन, श्रमिकों के स्वास्थ्य और **बच्चों की भलाई की सुरक्षा तथा बच्चों** को स्वस्थ और सम्मानजनक तरीके से विकसित होने के अवसर सुनिश्चित करना शामिल है।

भारत के 86वें ग्रैंडमास्टर

चर्चा में क्यों?

तमिलनाडु के **श्रीहरि LR** संयुक्त अरब अमीरात के अल ऐन में एशियाई व्यक्तिगत पुरुष शतरंज चैंपियनशिप 2025 में भारत के 86वें ग्रैंडमास्टर (GM) बने।

मुख्य बिंदु

- **श्रीहरि LR के बारे में:**
  - श्रीहरि ने अपना **पहला GM नॉर्म वर्ष 2023 में कतर मास्टर्स** में और **दूसरा वर्ष 2024 में चेन्नई GM ओपन में अर्जित किया।**
  - उन्होंने **अगस्त 2024 में 2500 एलो रेटिंग पार कर ली,** लेकिन अंतिम मानदंड प्राप्त करने में उन्हें लगभग 10 महीने लग गए।
    - एलो **रेटिंग प्रणाली** कुछ खेलों, जैसे शतरंज, में अन्य खिलाड़ियों की तुलना में किसी खिलाड़ी की सापेक्षिक शक्ति को मापती है।
- **भारत के ग्रैंडमास्टर्स:**
  - पहले **भारतीय ग्रैंडमास्टर** विश्वनाथन आनंद थे, जिन्होंने वर्ष 1988 में यह खिताब जीता था।
  - पहली **भारतीय महिला ग्रैंडमास्टर कोनेरू हंपी** थीं, जिन्होंने वर्ष 2002 में 15 वर्ष की आयु में यह खिताब जीता था। उस समय वह दुनिया की सबसे कम उम्र की महिला ग्रैंडमास्टर बनी थीं।
    - वर्तमान में **भारत में तीन महिला ग्रैंडमास्टर हैं:** कोनेरू हंपी, द्रोणावल्ली हरिका और **आर. वैशाली।**
  - प्रथम **भारतीय अंतर्राष्ट्रीय मास्टर मैनुअल एरॉन वर्ष 1961 में बने थे तथा** अंतर्राष्ट्रीय मास्टर का खिताब जीतने वाली **प्रथम भारतीय महिला जयश्री खादिकर वर्ष 1979** में बनी थीं।

अंतर्राष्ट्रीय शतरंज महासंघ (FIDE)

- **परिचय:**
  - FIDE शतरंज के खेल के लिये एक वैश्विक नियामक संस्था है।
  - इसकी **स्थापना वर्ष 1924 में पेरिस, फ्राँस में हुई थी।**
  - **इसका मुख्यालय लॉज़ेन, स्विटज़रलैंड** में है।
  - यह सभी अंतर्राष्ट्रीय शतरंज प्रतियोगिताओं की **देखरेख और उनको विनियमित करता है।**

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- **एक गैर-सरकारी संस्था** के रूप में स्थापित, FIDE को वर्ष **1999 में** अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति (IOC) द्वारा आधिकारिक तौर पर वैश्विक खेल संगठन के रूप में **मान्यता दी गई थी।**

- **FIDE का आदर्श वाक्य:**
  - **"जेन्स ऊना सुमस"- लैटिन में इसका अर्थ है "हम एक परिवार हैं"**, जो वैश्विक शतरंज समुदाय में एकता पर ज़ोर देता है।
- **FIDE की मुख्य गतिविधियाँ:**
  - शीर्ष 10 समग्र खिलाड़ियों और शीर्ष 10 महिला खिलाड़ियों की औसत रेटिंग के आधार पर देश की रैंकिंग जारी करता है।
  - **सभी अंतर्राष्ट्रीय शतरंज टूर्नामेंटों** के नियमों, मानदंडों और आचरण को नियंत्रित करता है।
  - यह विश्व के राष्ट्रीय शतरंज महासंघों को जोड़ने वाले एक केंद्रीय मंच के रूप में कार्य करता है।

उत्तर प्रदेश ने बुनियादी ढाँचे के विकास में बनाए दो विश्व रिकॉर्ड

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश सरकार ने मात्र **24 घंटे के भीतर** 10 किमी. **क्रैश बैरियर का निर्माण** और 34.24 किमी. **बिटुमिनस कंक्रीट सड़क बिछाकर सड़क निर्माण** में **दो विश्व रिकॉर्ड स्थापित किये हैं।**

- इन रिकार्डों को **गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स, एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स** और **इंडियन बुक ऑफ रिकॉर्ड्स** द्वारा **आधिकारिक रूप से मान्यता दी गई।**

मुख्य बिंदु

सड़क निर्माण की स्थिति

- **हरदोई और उन्नाव ज़िलों के बीच** गंगा मोटर-वे परियोजना पर निर्माण कार्य किया गया। यह मोटर-वे **भारत के सबसे लंबे सरकारी स्वामित्व वाले एक्सप्रेस-वे** का हिस्सा है।

गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स

- गोल्डन **बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स (GBWR)** एक वैश्विक मंच है, जो लोगों को रिकॉर्ड स्थापित करने या तोड़ने के माध्यम से अपनी प्रतिभा दिखाने में मदद करता है।
- यह एक सरल ऑनलाइन प्रक्रिया प्रदान करता है, कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (CSR) गतिविधियों का समर्थन करता है तथा आसान पहुँच और मान्यता के लिये दैनिक आधार पर रिकॉर्ड को अद्यतन करता है।

एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स

- एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स, **जिसका मुख्यालय भारत और वियतनाम में है,** विश्व रिकॉर्ड्स यूनियन के तहत काम करता है और एशिया तथा उसके बाहर कई राष्ट्रीय रिकॉर्ड पुस्तकों के साथ सहयोग करता है।
- इसकी **स्थापना वर्ष 2008 में** एशिया में अद्वितीय प्रतिभाओं और अपरिचित खेलों को मान्यता देने के लिये की गई थी, ताकि एक ऐसा मंच तैयार किया जा सके जहाँ राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक महाद्वीपीय मान्यता के लिये प्रतिस्पर्द्धा कर सकें।
- **40,000 से अधिक रिकार्डों के डेटाबेस** के साथ, यह वर्ल्डकिंग के साथ साझेदारी में एक वार्षिक संस्करण प्रकाशित करता है, जो विश्व स्तर पर वितरित किया जाता है।

इंडियन बुक ऑफ रिकॉर्ड्स

- **वर्ष 2006 से भारतीय अभिलेखों पर अग्रणी प्राधिकरण,** इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स, व्यक्तिगत और सामूहिक विकास के लिये मानवीय सीमाओं को आगे बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करता है।
- यह **19 वर्षों से हर वर्ष प्रकाशित हो रही है और ऐसा करने वाली यह एकमात्र रिकॉर्ड बुक है,** जिसके संपादक विभिन्न देशों से हैं।

पर्यटन के लिये बुनियादी ढाँचे का विकास

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश सरकार महत्त्वपूर्ण धार्मिक और ऐतिहासिक स्थलों को जोड़ने वाली सड़कों के उन्नयन के लिये वर्ष 2025-26 में 4,560 करोड़ रुपए खर्च करेगी।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- इसमें 272 परियोजनाएँ शामिल हैं जिनका उद्देश्य धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देना, बुनियादी ढाँचे में सुधार करना और श्रद्धालुओं के लिये यात्रा को सरल बनाना है।

मुख्य बिंदु

- **परियोजना के बारे में:**
  - प्रमुख लक्षित क्षेत्रों में शामिल हैं: अयोध्या, वाराणसी, मथुरा, चित्रकूट, **प्रयागराज**, **नैमिषारण्य** और **मिर्ज़ापुर।**
    - इन स्थानों का धार्मिक, सांस्कृतिक और पौराणिक महत्त्व बहुत अधिक है।
  - चयनित सड़कों पर **प्रतिवर्ष औसतन 5 लाख श्रद्धालु आते हैं।**
  - **कार्यान्वयन का प्रबंधन लोक निर्माण विभाग (PWD)** और **धार्मिक कार्य विभाग** द्वारा संयुक्त रूप से किया जाएगा।
  - उन मार्गों को प्राथमिकता दी जाएगी जिनके लिये न्यूनतम भूमि अधिग्रहण की आवश्यकता होती है ताकि त्वरित कार्यान्वयन सुनिश्चित किया जा सके।
- **परियोजना की प्रमुख विशेषताएँ:**
  - **सड़क चौड़ीकरण** और **सुदृढ़ीकरण**
  - **पैदल पथ** तथा **कैरेजवे (Carriageway)** का उन्नयन
  - **सौंदर्यीकरण** एवं **विस्तार**
  - **यातायात प्रबंधन** में सुधार
  - सड़क सुरक्षा **मानकों** में वृद्धि
- **महत्त्व:**
  - **यात्रा समय में कमी** और **तीर्थयात्रियों की सुरक्षा में वृद्धि**
  - **पर्यटकों** व **श्रद्धालुओं** के लिये अधिक **सुव्यवस्थित व सुगम यात्रा**
  - **धार्मिक पर्यटन** को बढ़ावा और **स्थानीय आर्थिक विकास** में योगदान

वाराणसी के पर्यटन स्थल

- **सारनाथ: वाराणसी से 10 किमी. उत्तर-पूर्व में** गंगा और वरुणा नदियों के संगम के पास स्थित सारनाथ एक महत्त्वपूर्ण बौद्ध स्थल है, जहाँ भगवान बुद्ध ने अपना पहला उपदेश दिया था।
- **गंगा घाट:** वाराणसी में गंगा किनारे पर स्थित प्रतिष्ठित नदी तट हैं। शहर में 88 घाट हैं, जिनमें से अधिकांश का उपयोग स्नान और धार्मिक अनुष्ठानों के लिये किया जाता है।
- श्री काशी विश्वनाथ मंदिर: भगवान शिव को समर्पित भारत के सबसे प्रतिष्ठित मंदिरों में से एक है। यह एक प्रमुख आध्यात्मिक केंद्र और तीर्थ स्थल है।
- BHU (बनारस हिंदू विश्वविद्यालय): ऐतिहासिक नगर वाराणसी में स्थित, जिसे काशी या **प्रकाश नगरी** भी कहा जाता है, बीएचयू (BHU) एक प्रमुख शैक्षिक एवं आध्यात्मिक केंद्र है, जो अनेक महत्त्वपूर्ण धार्मिक स्थलों से घिरा हुआ है।

मथुरा और वृंदावन क्षेत्र

- **श्री कृष्ण जन्मभूमि (मथुरा):** यह पवित्र स्थल भगवान कृष्ण की जन्मस्थली है, ऐसा माना जाता है कि **यहीं पर वे जेल की कोठरी में प्रकट हुए थे।**
- **श्री द्वारकाधीश मंदिर (मथुरा): मथुरा के सबसे पुराने और सबसे बड़े मंदिरों** में से एक, **जो भगवान कृष्ण को** उनके द्वारकाधीश (द्वारका के राजा) रूप में समर्पित है।
- **रमन रेती, गोकुल:** मथुरा के निकट स्थित रमन रेती (या रमन वन) को वह पवित्र भूमि माना जाता है **जहाँ युवा कृष्ण रेत पर खेला करते थे।**
- **श्री बांके बिहारी मंदिर (वृंदावन): वृंदावन में स्थित** एक प्रमुख कृष्ण **मंदिर, जो** अपनी अनूठी पूजा शैली और आध्यात्मिक वातावरण के लिये जाना जाता है।
- **इस्कॉन मंदिर, वृंदावन: इसे** श्री कृष्ण बलराम मंदिर के रूप में भी जाना जाता है, यह अंतर्राष्ट्रीय कृष्ण भावनामृत संघ (इस्कॉन) द्वारा निर्मित पहला मंदिर है और विश्व में कृष्ण भक्ति का केंद्र है।
- **श्री राधा रानी मंदिर (बरसाना):** बरसाना में स्थित यह मंदिर राधा रानी को समर्पित है और ब्रज क्षेत्र का एक प्रमुख तीर्थ स्थल है, जो होली जैसे त्योहारों के दौरान बड़ी भीड़ को आकर्षित करता है।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

चित्रकूट

- **रामघाट: मंदाकिनी नदी के तट** पर स्थित एक पवित्र घाट, जहाँ माना जाता है कि भगवान राम, सीता और लक्ष्मण ने स्नान किया था। यह विशेष रूप से त्योहारों के दौरान आध्यात्मिक गतिविधियों का केंद्र है।
- **कामदगिरि:** एक जंगली पहाड़ी, **जिसे मुख्य चित्रकूट माना जाता है।** भक्त इस पहाड़ी के चारों ओर **परिक्रमा करते हैं और** इसे अत्यंत पवित्र मानते हैं।
- **भरत मिलाप मंदिर: कामदगिरि परिक्रमा पथ** पर स्थित, यह मंदिर उस स्थान को चिह्नित करता है जहाँ भरत ने भगवान राम से मुलाकात कर उन्हें अयोध्या लौटने के लिये मनाया था।
- **हनुमान धारा: पहाड़ी की चोटी पर स्थित** एक सुंदर स्थान जहाँ हनुमान की मूर्ति के ऊपर से एक जलधारा बहती है। ऐसा माना जाता है कि लंका दहन के बाद भगवान राम ने **हनुमान का क्रोध यहीं शांत किया था।**
- **सती अनुसूया आश्रम:** ऋषि अत्रि और उनकी पत्नी अनुसूया से जुड़ा एक प्राचीन आश्रम। यह शांत जंगलों और प्राकृतिक झरनों से घिरा हुआ है।

शादी अनुदान योजना

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश सरकार ने शादी अनुदान योजना के तहत वित्तीय वर्ष 2024-25 में 1 लाख अन्य पिछड़ा वर्ग (OBC) **परिवारों को विवाह अनुदान प्रदान किया है।**

- इस उपलब्धि के बावजूद, सामाजिक अंकेक्षण की रिपोर्टों और क्षेत्रीय **सर्वेक्षणों** से पता चलता है कि भले ही **पहुँच में सुधार** हुआ है, लेकिन **प्रणालीगत कमियाँ** अब भी बनी हुई हैं।

मुख्य बिंदु

शादी अनुदान योजना (विवाह अनुदान योजना)

- **परिचय:**
  - यह योजना **गरीब, निर्बल** तथा गरीबी रेखा से नीचे (BPL) जीवनयापन करने वाले **अन्य पिछड़ा वर्ग** (OBC) वर्ग के परिवारों की **बेटियों की शादी** हेतु **वित्तीय सहायता** प्रदान करती है।
- **पात्रता मापदंड:**
  - आवेदक राज्य सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त **OBC वर्ग से होना चाहिये।**
    - अल्पसंख्यक समुदायों के व्यक्ति जो OBC श्रेणी में आते हैं, वे **इस योजना के अंतर्गत पात्र नहीं हैं।**
  - लड़की और लड़के की आयु क्रमशः **18 वर्ष और 21 वर्ष या उससे अधिक होनी चाहिये।**
  - निराश्रित विधवाओं, विकलांगों, भूमिहीनों और प्राकृतिक आपदा से पीड़ित व्यक्तियों के विवाह के लिये सब्सिडी देने में प्राथमिकता दी जाती है।
- **अनुदान राशि:** प्रति विवाह 20,000 रुपए
  - एक परिवार से **अधिकतम 2 बेटियों को** अनुदान दिया जाएगा।
- **लाभार्थियों की संख्या में वृद्धि का कारण:** यह उल्लेखनीय वृद्धि मुख्य रूप से आय पात्रता मानदंड में संशोधन के कारण हुई है। पहले यह सीमा शहरी और ग्रामीण BPL परिवारों तक ही सीमित थी, लेकिन **अब आय सीमा बढ़ाकर 1 लाख रुपए कर दी गई है,** जिससे अधिक से अधिक परिवार इस योजना का लाभ उठा सकेंगे।
  - इसके अलावा, **शहरी और ग्रामीण दोनों** लाभार्थियों के लिये आय पात्रता को मानकीकृत किया गया है।

योजना से संबंधित चुनौतियाँ

- **धन वितरण में विलंब:** ग्रामीण ज़िलों में लाभार्थियों को धन वितरण के लिये **4-6 महीने तक इंतजार करना पड़ता है,** जिससे कई परिवारों को शादी के खर्चों को पूरा करने के लिये **धन उधार लेने के लिये मज़बूर होना पड़ता है।**
- **अंतिम छोर तक वितरण अंतराल: वर्ष 2024 के सामाजिक अंकेक्षण** के अनुसार, केवल **68% प्राप्तकर्त्ताओं को शादी से पहले** उनकी धनराशि प्राप्त हुई, जिससे वित्तीय सहायता की समयबद्धता प्रभावित हुई।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- **उच्च आवेदन अस्वीकृति दर:** लगभग **23% आवेदनों को दस्तावेज़ी कमियों** के कारण अस्वीकृत कर दिया गया, जिससे और अधिक **देरी व जटिलताएँ उत्पन्न** हुईं।
- सत्यापन में बाधाएँ: सत्यापन में **मैनुअल प्रक्रियाएँ** और **नौकरशाही संबंधी देरी लाभार्थियों को समय पर** सहायता प्रदान करने में बाधा डालती है।

सुधार के उपाय

- विभाग **अंतिम छोर तक वितरण में सुधार के लिये जागरूकता अभियान की योजना बना रहा है** तथा अपने समावेशी विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिये सुव्यवस्थित प्रक्रियाओं की आवश्यकता को स्वीकार कर रहा है।
- जरूरतों और चुनौतियों की पहचान करने के लिये नियमित रूप से लाभार्थियों की प्रतिक्रिया एकत्रकरें तथा **कार्यक्रम को बेहतर बनाने और अधिक प्रभाव के लिये उसे अनुकूलित करने के लिये अंतर्दृष्टि का उपयोग करें।**
- प्रभावशीलता और सुधार के क्षेत्रों का आकलन करने के लिये **नियमित निगरानी और मूल्यांकन** स्थापित करें।

OBC के सशक्तीकरण से संबंधित योजनाएँ

- **श्रेयस (युवा उपलब्धिकर्त्ताओं के लिये उच्च शिक्षा हेतु छात्रवृत्ति) योजना:** श्रेयस योजना एक व्यापक कार्यक्रम है, जिसमें चार उप-योजनाएँ शामिल हैं, जिसका उद्देश्य आर्थिक रूप से वंचित अनुसूचित जाति (SC) और अन्य पिछड़ा वर्ग (OBC) के छात्रों को शैक्षिक अवसर और वित्तीय सहायता प्रदान करना है।
- **पीएम-यशस्वी (OBC एवं अन्य के लिये जीवंत भारत हेतु पीएम युवा उपलब्धि छात्रवृत्ति पुरस्कार योजना):** पीएम-यशस्वी योजना OBC, EBC और विमुक्त, खानाबदोश जनजातियों (DNT) के छात्रों को कक्षा 12वीं से आगे उच्च शिक्षा के लिये **पूर्ण वित्तीय सहायता प्रदान करती है।**
  - सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय द्वारा 100% वित्त पोषित, यह वर्ष 2021-22 से मंत्रालय द्वारा अधिसूचित संस्थानों के छात्रों को कवर करती है।
- **OBC प्री मैट्रिक छात्रवृत्ति- उत्तर प्रदेश:** OBC **प्री मैट्रिक छात्रवृत्ति** उन छात्रों को सहायता देने के लिये बनाई गई है जो आर्थिक रूप से वंचित हैं और कक्षा 9 या 10 में माध्यमिक शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं।

सोयाबीन की उच्च उपज देने वाली किस्में

चर्चा में क्यों?

खरीफ 2025 सीज़न से पहले, **कृषि विभाग** ने **उत्तर प्रदेश के बुंदेलखंड क्षेत्र** में स्थानीय **जलवायु-आधारित कृषि परिस्थितियों** के तहत उपज को बेहतर बनाने के लिये **कुछ विशेष उच्च-उपज वाली सोयाबीन किस्मों** की खेती की सिफ़ारिश की है।

मुख्य बिंदु

- **उच्च उपज देने वाली किस्में:** इन किस्मों ने बुंदेलखंड क्षेत्र के विशिष्ट **वर्षा पैटर्न,** मिट्टी के प्रकार और तापमान प्रोफाइल के प्रति उत्कृष्ट अनुकूलनशीलता प्रदर्शित की है।
- उत्तर प्रदेश के लिये विशेष रूप से कोई अतिरिक्त राज्य-विशिष्ट सोयाबीन किस्म अधिसूचित नहीं की गई है।
- **क्षेत्रीय परिस्थितियों के अनुरूपता:** ये किस्में **मध्यम से गहरी काली मिट्टी** तथा **मानसून-आधारित वर्षा पैटर्न** के तहत अच्छी पैदावार देने में सक्षम मानी जाती हैं।
- **भारत में सोयाबीन की खेती: वर्तमान में** इसकी खेती **कुछ प्रमुख राज्यों में केंद्रित है, जो वैश्विक सोयाबीन उत्पादन में** लगभग 4% का योगदान देती है।
- प्रमुख सोयाबीन उत्पादक राज्यों में **मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र और गुजरात शामिल हैं।**
- **सोयाबीन की खेती का महत्त्व:**
  - **जल दक्षता:** सोयाबीन को धान की तुलना में काफी कम पानी की आवश्यकता होती है, जिससे यह सीमित जल उपलब्धता वाले क्षेत्रों के लिये अत्यधिक उपयुक्त फसल मानी जाती है।
  - **आर्थिक लाभ: कम लागत** और **अच्छी पैदावार** के चलते सोयाबीन की खेती से किसानों को **धान के समान या उससे बेहतर आय** प्राप्त हो सकती है।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- **मृदा स्वास्थ्य:** एक दलहनी फसल के रूप में सोयाबीन मृदा में नाइट्रोजन की मात्रा बढ़ाती है, जिससे रासायनिक उर्वरकों की आवश्यकता कम हो जाती है।
- **फसल विविधीकरण:** सोयाबीन को फसल चक्र प्रणालियों जैसे सोयाबीन-गेहूँ, सोयाबीन-मटर-ग्रीष्मकालीन मूंग आदि में प्रभावी रूप से एकीकृत किया जा सकता है, जिससे किसानों को अपनी **फसल पद्धति में विविधता लाने** और पानी की अधिक खपत वाली धान की खेती पर निर्भरता कम करने में मदद मिलेगी।
- **बाज़ार और पोषण मूल्य:** सोयाबीन प्रोटीन और तेल दोनों से समृद्ध है, जिससे यह भोजन, पशु आहार और विभिन्न औद्योगिक अनुप्रयोगों के लिये मूल्यवान है।

खरीफ फसलें

- **खरीफ फसलें** वे फसलें हैं, जो **वर्षा ऋतु के दौरान बोई जाती हैं,** जो भारत में आमतौर पर **जून से सितंबर तक रहती है।**
- इन फसलों को उगने के लिये **अधिक पानी और गर्म मौसम की आवश्यकता होती है** और ये **मानसून पर बहुत अधिक निर्भर करती हैं।**
- **बुवाई का समय: जून से जुलाई (मानसून** की शुरुआत में)
- **कटाई का समय:** अक्तूबर से नवंबर (मानसून का अंत में)
- **प्रमुख खरीफ फसलें:**
  - **धान (चावल), मक्का (मकई), मूँगफली, कपास,** आदि।

रबी फसलें

- **रबी की फसलें सर्दियों के मौसम में अक्तूबर** से मार्च तक उगाई जाती हैं।
- ये फसलें आमतौर पर मानसून **समाप्त होने के बाद बोई जाती हैं** और विकास अवधि के दौरान इन्हें **ठंडी जलवायु और कटाई के समय गर्म, शुष्क परिस्थितियों की आवश्यकता होती है।**
- **बुवाई का समय:** अक्तूबर से नवंबर
- **कटाई का समय:** मार्च से अप्रैल
- **प्रमुख रबी फसलें: गेहूँ, चना, मटर, सरसों, अलसी,** आदि।

विश्व कछुआ दिवस 2025: उत्तर प्रदेश के कछुआ संरक्षण प्रयास

चर्चा में क्यों?

23 मई, 2025 को विश्व कछुआ दिवस के रूप में मनाया गया, जिसका उद्देश्य कछुओं के पारिस्थितिक महत्त्व और संरक्षण के बारे में जागरूकता बढ़ाना है और **उत्तर प्रदेश** भारत में कछुआ संरक्षण के क्षेत्र में **अग्रणी राज्य** के रूप में उभरा।

मुख्य बिंदु

- **भारत में कछुआ प्रजातियाँ:**
  - भारत में **30 प्रकार की मीठे पानी की कछुआ प्रजातियाँ** पाई जाती हैं, जिनमें से **26 प्रजातियाँ** वन्य जीव संरक्षण अधिनियम, 1972 की **अनुसूची-I** में सूचीबद्ध हैं।
  - इसके अतिरिक्त, भारत में **5 समुद्री कछुआ प्रजातियाँ** भी पाई जाती हैं — **ऑलिव रिडले ग्रीन, लॉगरहेड, हॉक्सबिल** और **लेदरबैक**, जो सभी **WPA, 1972 की अनुसूची-I** के अंतर्गत संरक्षित हैं।
- **उत्तर प्रदेश में प्रजातियाँ:**
  - भारत में पाई जाने वाली 30 कछुआ प्रजातियों में से **15 प्रजातियाँ उत्तर प्रदेश** में पाई जाती हैं, जिनमें शामिल हैं- **ब्राह्मणी, पाछेड़ा, कोरी पाछेड़ा, कालीतोह, काला कछुआ, हल्दी बाथ कछुआ, साल कछुआ तिलकधारी, धोर कछुआ, भूतकथा कछुआ, पहाड़ी त्रिकुटकी कछुआ, सुंदरी कछुआ, मोरपंखी कछुआ, कटहवा लिथरहवा, स्योंतर फाइटर, पार्वती कछुआ** आदि।
- **उत्तर प्रदेश के संरक्षण प्रयास:**
  - **सारनाथ कछुआ प्रजनन एवं पुनर्वास केंद्र,** जिसे वर्ष **2017 में पुनर्निर्मित और पुनर्विकसित** किया गया था, ने वर्ष **2017 से 2025** के बीच **3,298 कछुओं** का संरक्षण कर उन्हें **वाराणसी में** गंगा नदी में छोड़ा, जिससे नदी की पारिस्थितिकी को स्वस्थ बनाए रखने में सहायता मिली।
  - **वर्ष 2017 से** 'नमामि गंगे' कार्यक्रम के अंतर्गत कछुआ पुनर्वास केंद्र को शामिल किये जाने के बाद से **कछुओं की तस्करी में भी उल्लेखनीय कमी** आई है।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- **कुकरेल, सारनाथ** एवं **चंबल** सहित कई अन्य कछुआ संरक्षण केंद्र भी स्थापित किये गए हैं।
- **नमामि गंगे कार्यक्रम** के अंतर्गत **2020 में प्रयागराज के निकट एक कछुआ अभयारण्य** की स्थापना की गई।
- यह अभयारण्य **गंगा नदी के जलग्रहण क्षेत्र और तटीय इलाकों के 30 किमी क्षेत्र** को कवर करता है। यह **तीन ज़िलों– प्रयागराज के कोठारी मेजा से प्रारम्भ होकर, मिर्ज़ापुर** और **भदोही** से होते हुए **उपरवार** तक विस्तृत है।

कछुओं की अवैध तस्करी पर अंकुश लगाने के लिये पीटीआर की योजना

- **विश्व कछुआ दिवस 2025** के अवसर पर **पिलीभीत टाइगर रिज़र्व (PTR)** में **अवैध कछुआ तस्करी पर अंकुश, वैज्ञानिक संरक्षण को प्रोत्साहन** तथा **प्राकृतिक आवासों के पुनर्स्थापन** हेतु एक **दीर्घकालिक रणनीतिक योजना** की घोषणा की गई।
  - **मीठे पानी के कछुओं** की तस्करी प्राय: **चीन, इंडोनेशिया, मलेशिया, ताइवान** एवं **थाईलैंड** जैसे देशों में की जाती है, जहाँ इनका उपयोग **पारंपरिक औषधियों, मांस, अंडों**, यहाँ तक कि **रक्त** के उपभोग हेतु होता है।
- **वन्य जीव अपराध नियंत्रण ब्यूरो (WCCB)** द्वारा वर्ष **2018 में चलाए गए ऑपरेशन सेव कूर्मा (Operation Save Kurma)** के दौरान **पिलीभीत-खीरी क्षेत्र** को उत्तर प्रदेश के **पाँच सबसे संवेदनशील कछुआ तस्करी क्षेत्रों** में शामिल किया गया था।
  - **उत्तर प्रदेश, असम** और **पश्चिम बंगाल** के बाद **कछुआ विविधता** में **तीसरे स्थान** पर है, जहाँ की **नदियों, झीलों, शारदा सागर बाँध** एवं अन्य जल निकायों में पाई जाने वाली 15 प्रजातियों में से **13 प्रजातियाँ पिलीभीत** में पाई जाती हैं।
- इस रणनीति के तहत, **पहचान किये गए कछुआ तस्करों का पुनर्वास** कर उन्हें **सरकारी अनुदानित मत्स्य पालन (पिसीकल्चर) योजनाओं** से जोड़ा जाएगा, ताकि उन्हें एक **सतत् आजीविका** का विकल्प प्रदान किया जा सके। यह **उत्तर प्रदेश में अपनी तरह की पहली पहल** है।
- इसके अतिरिक्त, **माला नदी** के तट पर **CAMPA निधि** से एक **कछुआ संरक्षण एवं अनुसंधान केंद्र** की स्थापना की जा रही है।

कछुए

- **परिचय: कछुए (Order Testudines) सरीसृप** हैं जो अपनी पसलियों (Ribs) से विकसित एक **उपास्थिल कवच (Cartilaginous Shell)** द्वारा पहचाने जाते हैं, जो एक **सुरक्षा कवच** का निर्माण करता है।
  - अन्य कवचधारी प्राणियों के विपरीत **कछुए अपने कवच को न तो त्याग सकते हैं** और **न ही उससे बाहर आ सकते हैं**, क्योंकि यह **उनके कंकाल (Skeleton) का अभिन्न अंग** है।
- **निवास स्थान:** कछुए **स्वच्छ जल** और **समुद्री (लवणीय) दोनों वातावरणों** में रह सकते हैं।
- **टॉर्टोइस से भिन्नता: टॉर्टोइस (Tortoises)** अन्य कछुओं से मुख्य रूप से इस कारण भिन्न होते हैं कि वे **पूर्णत: स्थलीय** होते हैं, जबकि **कछुओं की कई प्रजातियाँ आंशिक रूप से जलीय** होती हैं।
  - हालाँकि **सभी टॉर्टोइस कछुए हैं,** लेकिन सभी कछुए टॉर्टोइस नहीं हैं।
  - दोनों आम तौर पर शर्मीले, एकांतप्रिय जानवर हैं जो भूमि पर घोंसलों का निर्माण कर अपने अंडों को सुरक्षित रखते है।
- **प्रमुख विशेषताएँ:** कछुए **असमतापी (बाह्यउष्मीय)** प्रजाति हैं, अर्थात वे **उष्ण और शीत वातावरण के बीच विचरण करके अपने शरीर के तापमान को नियंत्रित** कर सकते हैं।
  - अन्य बाह्यतापी जीवों जैसे कि **कीट, मत्स्य और उभयचरों की तरह,** इनमें **धीमी चयापचय क्रिया होती है** तथा ये **भोजन या जल के बिना भी लंबे समय तक जीवित** रह सकते हैं।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- उत्तर प्रदेश में **कटहवा, मोरपंखी, साल** और **सुंदरी** जैसी कछुआ प्रजातियाँ बढ़ते **प्रदूषण संकट** के बीच **जल निकायों को स्वच्छ और पारिस्थितिक रूप से संतुलित** बनाए रखने में अहम भूमिका निभाती हैं।
- **महत्त्व:**
  - कछुए पृथ्वी पर पाए जाने वाले **सबसे प्राचीन और दीर्घायु जीवों** में गिने जाते हैं, जो **जलीय पारिस्थितिकी तंत्र के संतुलन** में महत्त्वपूर्ण योगदान देते हैं। इन्हें प्राय: **"जल निकायों के क्लीनर"** के रूप में जाना जाता है, क्योंकि ये **नदियों, तालाबों और झीलों** में **प्रदूषण नियंत्रण** में सहायता करते हैं और पारिस्थितिकीय स्वास्थ्य को बनाए रखते हैं।

ऑपरेशन सेव कुर्मा

- **कछुओं** के **व्यावसायिक शोषण** पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से वर्ष **2016 में "ऑपरेशन सेव कूर्मा"** शुरू किया गया।
- यह अभियान विशेष रूप से **शिकार, परिवहन** और **जीवित कछुओं के अवैध व्यापार** से जुड़े प्रमुख राज्यों पर केंद्रित था।
- इस अभियान में **10 राज्य** शामिल थे — **उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, महाराष्ट्र, ओडिशा, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक** और **पश्चिम बंगाल**।

प्रोजेक्ट अलंकार

चर्चा में क्यों?

नई दिल्ली में **प्रधानमंत्री** की अध्यक्षता में आयोजित बैठक के दौरान **उत्तर प्रदेश सरकार की शैक्षिक सुधार पहल 'प्रोजेक्ट अलंकार'** की व्यापक रूप से सराहना की गई।

मुख्य बिंदु

- **प्रोजेक्ट अलंकार के बारे में:**
  - इसे **1 अक्तूबर 2021 को** उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा लॉन्च किया गया था।
  - इसका लक्ष्य 2,441 सरकारी माध्यमिक विद्यालयों में 35 **बुनियादी ढाँचे** और सुविधा मानदंडों का **100% अनुपालन सुनिश्चित करना है।**
  - इसका प्राथमिक लक्ष्य राज्य के विद्यार्थियों के लिये अधिक **अनुकूल, समावेशी और आधुनिक शिक्षण वातावरण तैयार करना है।**
- **विशेषताएँ:**
  - नवनिर्मित कक्षाओं, विज्ञान प्रयोगशालाओं, पुस्तकालयों, कंप्यूटर प्रयोगशालाओं और स्मार्ट कक्षाओं सहित **भौतिक बुनियादी ढाँचे का उन्नयन।**
  - स्वच्छ पेयजल और स्वच्छ शौचालय जैसी **आवश्यक सुविधाओं का प्रावधान, विशेष रूप से लड़कियों की स्वच्छता सुविधाओं पर ध्यान केंद्रित करना।**
- **योजना के अंतर्गत विशिष्ट विद्यालयों का विकास:**
  - **मुख्यमंत्री आदर्श विद्यालय** (प्री-प्राइमरी से कक्षा 12 तक) और **मुख्यमंत्री अभ्युदय विद्यालय** (प्री-प्राइमरी से कक्षा 8 तक) भी विकसित किये जा रहे हैं।
    - **इन स्कूलों में विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित (STEM)** प्रयोगशालाएँ, कंप्यूटर प्रयोगशालाएँ आदि सहित अत्याधुनिक सुविधाएँ हैं।
    - प्रत्येक अभ्युदय स्कूल में 450 विद्यार्थियों की क्षमता है तथा विकास के लिये 1.42 करोड़ रुपए आवंटित किये गए हैं।
  - **7 ज़िलों में 141 संस्कृत विद्यालयों का नवीनीकरण और आधुनिकीकरण,** उनके पुनरुद्धार के लिये 14.94 करोड़ रुपए की समर्पित निधि।
- **वित्तपोषण और कार्यान्वयन:**
  - प्रोजेक्ट अलंकार के वित्तपोषण स्रोतों में राज्य सरकार, **समग्र शिक्षा अभियान, ग्राम पंचायतें, शहरी स्थानीय निकाय,** कॉर्पोरेट **सामाजिक उत्तरदायित्व (CSR) योगदान** और स्वैच्छिक दान शामिल हैं।
  - कार्यान्वयन की **कड़ी निगरानी ज़िला मजिस्ट्रेटों की अध्यक्षता वाली ज़िला स्तरीय समितियों द्वारा की** जाती है तथा राज्य शिक्षा निदेशक इसकी देखरेख करते हैं।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- **प्रभाव और परिणाम:**
  - **वार्षिक शिक्षा स्थिति रिपोर्ट (ASER) 2024** के अनुसार, वर्ष 2022-23 और 2024-25 के बीच सरकारी माध्यमिक विद्यालयों में नामांकन में **23% की वृद्धि हुई।**
  - प्राथमिक विद्यालय में उपस्थिति (कक्षा 1-5) वर्ष 2010 से 2024 तक **11.5% बढ़ी,** जबकि उच्च प्राथमिक उपस्थिति (कक्षा 6-8) वर्ष 2018 और 2024 के बीच 9.6% बढ़ी - जो **देश में सबसे अधिक है।**
  - स्कूल पुस्तकालयों के उपयोग में 55.2% की वृद्धि हुई तथा बालिकाओं की शौचालय सुविधाओं तक पहुँच में 54.4% सुधार हुआ, जो **बेहतर स्वच्छता और शिक्षण सहायता को दर्शाता है।**

समग्र शिक्षा अभियान

- **परिचय:** केंद्रीय बजट 2018-19 में प्रस्तुत, **समग्र शिक्षा** एक व्यापक कार्यक्रम है जिसके अंतर्गत समान शिक्षण परिणाम सुनिश्चित करने के उद्देश्य से **प्री-नर्सरी से बारहवीं कक्षा तक** के सभी पहलुओं को शामिल किया गया है।
- **प्रमुख विशेषताएँ:**
  - **योजनाओं का एकीकरण:** इसमें पहले की तीन योजनाएँ सम्मिलित हैं:
    - **सर्व शिक्षा अभियान (SSA):** सार्वभौमिक प्राथमिक शिक्षा पर केंद्रित।
    - **राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान (RMSA):** इसका उद्देश्य माध्यमिक शिक्षा है।
    - **शिक्षक शिक्षा (TE):** शिक्षकों के प्रशिक्षण पर केंद्रित।
  - **क्षेत्र-व्यापी विकास दृष्टिकोण:** इस अभियान के अंतर्गत खंडित परियोजना-आधारित उद्देश्यों के स्थान पर **सभी स्तरों (राज्य, ज़िला और उप-ज़िला) पर कार्यान्वयन** को सुव्यवस्थित किया गया है।
  - **सतत् विकास लक्ष्यों के साथ संरेखण:** लैंगिक असमानताओं को समाप्त करते हुए और सुभेद्य समूहों (SDG 4.1) के लिये पहुँच सुनिश्चित करते हुए निःशुल्क, समान और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा **सुनिश्चित की जाती है** (SDG 4.5)।
- **कार्यान्वयन:** यह केंद्र प्रायोजित योजना (CSS) है, जिसका कार्यान्वयन **राज्य/संघ राज्य क्षेत्र स्तर** पर **एकल राज्य कार्यान्वयन सोसायटी (SIS)** के माध्यम से किया जाता है।
  - SIS एक **राज्य-पंजीकृत निकाय है** जो CSS और **विकास कार्यक्रमों** का क्रियान्वन करता है।

नोएडा में उत्तर भारत की सबसे बड़ी फिल्म सिटी

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री द्वारा **अंतर्राष्ट्रीय फिल्म सिटी परियोजना** का **लेआउट** यमुना एक्सप्रेस-वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (YEIDA) को सौंप दिया गया है।

मुख्य बिंदु

- **परियोजना के बारे में:**
  - **फिल्म सिटी** का निर्माण **ग्रेटर नोएडा** के **सेक्टर-21** में यमुना एक्सप्रेस-वे के किनारे किया जाएगा।
  - यह कुल **1,000 एकड़** क्षेत्र में फैली होगी, जिससे यह **उत्तर भारत की सबसे बड़ी फिल्म सिटी** बनेगी।
  - **पहले चरण** में **230 एकड़** क्षेत्र को शामिल किया जाएगा, जिस पर अनुमानित **1,510 करोड़** रुपए का निवेश किया जाएगा।
- **उत्तर प्रदेश फिल्म नीति 2023:**
  - सरकार **अवधी**, **ब्रज**, **बुंदेली और भोजपुरी** जैसी क्षेत्रीय भाषाओं में बनने वाली फिल्मों की **कुल लागत पर 50% सब्सिडी प्रदान करती है।**
  - **हिंदी फिल्मों** के लिये कुल निर्माण लागत का **25% तक सब्सिडी** उपलब्ध है।
  - **उत्तर प्रदेश में अपनी शूटिंग के कम-से-कम 50% दिन** पूरे करने वाली फिल्में **1 करोड़ रुपए की सब्सिडी** के लिये पात्र हैं।
  - यदि कोई फिल्म **अपनी दो-तिहाई शूटिंग राज्य में पूरी करती है तो वह अधिकतम 2 करोड़ रुपए की सब्सिडी** के लिये पात्र हो जाती है।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- **स्थानीय प्रतिभाओं को प्रोत्साहन:**
  - **उत्तर प्रदेश के स्थायी निवासियों को अभिनेता के रूप फिल्म में शामिल करने के लिये 25 लाख रुपए** या वास्तविक पारिश्रमिक (जो भी कम हो) का अनुदान प्रदान किया जाता है।
  - राज्य के **स्थानीय गायकों, संगीतकारों, गीतकारों, निर्देशकों, कैमरामैनों और अन्य क्रू सदस्यों को रोज़गार देने के लिये 5 लाख रुपए** या **कुल सब्सिडी का 2%** (जो भी कम हो) का अतिरिक्त अनुदान प्रदान किया जाता है।
- **ओटीटी प्रोडक्शंस प्रोत्साहन:**
  - उत्तर प्रदेश में कम-से-कम दो-तिहाई शूट की गई वेब-सीरीज़ को उत्पादन लागत का 50% या प्रति एपिसोड 10 लाख रुपए (जो भी कम हो) की सब्सिडी प्रदान की जाती है।
  - वेब-फिल्मों को समान मानदंडों के तहत लागत का 25% या 1 करोड़ रुपए तक का अनुदान मिलता है।
- **फिल्म अवसंरचना सब्सिडी:**
  - **फ़िल्म प्रशिक्षण संस्थानों** को **25% की पूंजीगत सब्सिडी** या **50 लाख रुपए (न्यूनतम 50 लाख रुपए निवेश)** तक की सहायता दी जाती है।
  - फिल्म स्टूडियो/प्रयोगशालाओं को 25% सब्सिडी या 50 लाख रुपए मिलते हैं। इसे **पूर्वांचल, विंध्यांचल और बुंदेलखंड** में 35% (अधिकतम 50 लाख रुपए) तक बढ़ाया गया।
- **आउटडोर शूटिंग समर्थन:**
  - उत्तर प्रदेश के **STDC होटलों/मोटलों** में **आवास पर 25% की छूट** दी जाती है।
  - **सरकारी अतिथि गृहों** में **मानक दरों** पर फ़िल्म क्रू के लिये कमरे उपलब्ध कराए जाते हैं।
- **फिल्म शिक्षा सहायता:**
  - **फिल्म एंड टेलीविज़न इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (FTII) पुणे** और सत्यजीत रे फ़िल्म एंड टेलीविज़न इंस्टीट्यूट कोलकाता में प्रत्येक संस्थान से **10 छात्रों के प्रशिक्षण** पर **प्रति छात्र 25,000 रुपए की छात्रवृत्ति राशि दी** जाती है।
- **नोडल एजेंसी:**
  - फिल्म नीति के कार्यान्वयन और समन्वय का प्रबंधन राज्य की आधिकारिक फिल्म प्रमोशन संस्था, **फिल्म बंधु द्वारा किया जाता है।**

बफर में सफर योजना

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश वन एवं वन्यजीव विभाग ने 'बफर में सफर योजना' नाम से एक नई इकोटूरिज़्म पहल शुरू की है।

मुख्य बिंदु

बफर में सफर योजना

- **योजना के उद्देश्य:**
  - इस योजना का प्राथमिक लक्ष्य बाघ अभ्यारण्यों के बफर क्षेत्रों में सतत् और पर्यावरण अनुकूल पर्यटन को बढ़ावा देना है।
  - इस पहल का उद्देश्य **स्थानीय समुदायों को** पर्यटन क्षेत्र में प्रशिक्षण और रोज़गार के अवसर प्रदान करके उन्हें सशक्त बनाना है।
  - इसका उद्देश्य समुदाय के नेतृत्व में जैवविविधता के संरक्षण को प्रोत्साहित करके वन्यजीव संरक्षण प्रयासों को दृढ़ करना भी है।
- **महत्त्व:**
  - इस पहल से **उत्तर प्रदेश** के भारत में **अग्रणी इकोटूरिज़्म गंतव्य** बनने के लक्ष्य में महत्त्वपूर्ण योगदान मिलने की आशा है।
  - **पर्यटन, संरक्षण और स्थानीय रोज़गार को** संयोजित करने का एकीकृत दृष्टिकोण, आर्थिक विकास के साथ पारिस्थितिक स्थिरता को संतुलित करने के इच्छुक **अन्य राज्यों** के लिये भी एक मॉडल के रूप में कार्य कर सकता है।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- **कार्यान्वयन क्षेत्र:**
  - **प्रमुख बाघ अभयारण्य और बफर ज़ोन:**
    - यह योजना दुधवा, पीलीभीत और लखीमपुर खीरी जैसे प्रमुख बाघ रिज़र्व बफर ज़ोन में क्रियान्वित की जा रही है, जो अपनी समृद्ध जैवविविधता और भारत-नेपाल सीमा से निकटता के लिये प्रसिद्ध हैं।
    - सोहगीबरवाऔर कतर्नियाघाट वन्यजीव अभयारण्य जैसे पारिस्थितिक रूप से महत्त्वपूर्ण क्षेत्रों को भी इस योजना के अंतर्गत शामिल किया गया है।
  - **विशेष पारिस्थितिक स्थल:**
    - प्रवासी पक्षियों के लिये एक महत्त्वपूर्ण पर्यावास स्थल, **सेमराई झील** को इकोटूरिज़्म सर्किट के एक भाग के रूप में विकसित किया जा रहा है।
- इससे पक्षी प्रेमियों को अन्वेषण के नए अवसर प्राप्त होंगे।
- **पर्यटन अवसंरचना विकास:**
  - **दुधवा टाइगर रिज़र्व** में आगंतुकों की सहभागिता बढ़ाने के लिये एक **आधुनिक सूचना केंद्र स्थापित** किया गया है।
  - यह केंद्र क्षेत्र के वनस्पतियों और जीव-जंतुओं के संबंध में शैक्षिक जानकारी प्रदान करेगा, साथ ही संरक्षण प्रयासों के संबंध में विस्तृत जानकारी भी प्रदान करेगा।

दुधवा राष्ट्रीय उद्यान

- यह भारत-नेपाल सीमा के निकट उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी में स्थित है।
- इसे **1977 में एक राष्ट्रीय उद्यान** (1958 से वन्यजीव अभयारण्य) के रूप में स्थापित किया गया था।
- **वन्यजीव एवं पारिस्थितिकी तंत्र:**
  - बंगाल टाइगर, तेंदुए, हाथी, भालू और **450 से अधिक पक्षी प्रजातियों** का निवास स्थान।
  - **घास के मैदान, दलदल और घने वन** जैसे विविध पारिस्थितिकी तंत्र की विशेषताएँ।
- **संरक्षण एवं पारिस्थितिकी पर्यटन:**
  - **निवास स्थान की पुनर्स्थापना और बारहसिंगा जैसी लुप्तप्राय प्रजातियों** के पुन: प्रवेश के लिये जाना जाता है।
  - स्थानीय समुदायों को सहयोग देने और पर्यावरण को संरक्षित करने के लिये इको-पर्यटन को प्रोत्साहन देना।

पीलीभीत टाइगर रिज़र्व

- सितंबर 2008 में इसे प्रोजेक्ट टाइगर **पहल** के तहत भारत का 45वाँ टाइगर रिज़र्व घोषित किया गया।
- **भूगोल:**
  - पीलीभीत टाइगर रिज़र्व की उत्तरी सीमा भारत-नेपाल सीमा पर स्थित है, **जो** एक प्राकृतिक अंतर्राष्ट्रीय सीमा प्रदान करती है।
  - दक्षिणी **सीमा शारदा** और **खकरा नदियों** द्वारा निर्धारित होती है, जो इस क्षेत्र की समृद्ध जैव विविधता और जल संसाधनों में योगदान देती हैं।
- **पारिस्थितिक महत्त्व:**
  - **यह तराई पारिस्थितिकी तंत्र** का एक प्रमुख उदाहरण है, जो अपने **खुले घास के मैदानों, साल के वनों, जल निकायों** और **समृद्ध जैव विविधता के लिये जाना जाता है**
  - तराई क्षेत्र के लिये विशिष्ट अद्वितीय **पारिस्थितिक और व्यवहारिक बाघ अनुकूलन के लिये** भारतीय वन्यजीव संस्थान द्वारा मान्यता प्राप्त
- **वनस्पति और जीव:** प्रमुख वन्यजीवों में **बाघ, दलदली हिरण, बंगाल फ्लोरिकन, हॉग हिरण, तेंदुए** और समृद्ध शिकार आधार (चीतल, सांभर, जंगली सूअर, नीलगाय आदि) शामिल हैं।

कतर्नियाघाट वन्यजीव अभयारण्य

- **उत्तर प्रदेश के तराई क्षेत्र** में स्थित **कतर्नियाघाट वन्यजीव अभयारण्य** लगभग **400 वर्ग किमी.** में विस्तृत है और **घाघरा नदी के किनारे स्थित है।**

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- इसकी स्थापना **वर्ष 1975 में हुई थी** और **वर्ष 2008 में इसे टाइगर रिज़र्व घोषित किया गया, यह दुधवा टाइगर रिज़र्व** का एक प्रमुख हिस्सा है।
- **जैवविविधता:**
  - **बंगाल टाइगर,** भारतीय हाथी, तेंदुआ, भालू और **लुप्तप्राय** गंगा डॉल्फिन का निवास स्थान।
  - समृद्ध शिकार आधार में **हॉग हिरण, दलदल हिरण,** और अधिक शामिल हैं।
  - **यह 350 से अधिक पक्षी प्रजातियों** का घर है, जिनमें **भारतीय स्कीमर, ऑस्प्रे, ग्रेट हॉर्नबिल** और **किंगफिशर शामिल हैं।**
  - अभयारण्य में **घने साल के वन** के साथ-साथ सागौन, **जामुन** और **औषधीय पौधे भी हैं।**

NFSA के तहत ज़िलेवार कोटा समाप्त किया

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश सरकार ने राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (NFSA), 2013 के अंतर्गत लाभार्थी आवंटन के लिये **ज़िलेवार कोटा प्रणाली को समाप्त करने का निर्णय लिया है,** ताकि **पात्र परिवारों,** विशेषकर **पिछड़े और वंचित ज़िलों** में रहने वालों को अधिक **न्यायसंगत ढंग से शामिल किया जा सके।**

मुख्य बिंदु

- **राज्य में वर्तमान स्थिति:**
  - **राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम** (NFSA) के अंतर्गत प्रत्येक राज्य के लिये **अन्न आवंटन** केंद्र सरकार द्वारा **निर्धारित जनसंख्या कवरेज** के आधार पर किया जाता है, जो कि **ग्रामीण क्षेत्रों** में 64.46% तथा **शहरी क्षेत्रों** में 78.54% तय किया गया है।
- **नीति परिवर्तन:**
  - **ज़िलेवार कोटा हटाना:**
    - उत्तर प्रदेश में पारंपरिक रूप से प्रति ज़िले लाभार्थियों को आवंटित करने की **एक अतिरिक्त ज़िलेवार सीमा का पालन किया जाता रहा है।**
    - इसके **परिणामस्वरूप असमान वितरण हुआ,** जो गाज़ियाबाद और गौतम बुद्ध नगर जैसे अपेक्षाकृत समृद्ध ज़िलों के पक्ष में रहा तथा गरीब ज़िलों में **प्रायः सभी पात्र परिवारों को समायोजित करने में असमर्थता रही।**
  - **राज्यव्यापी आवंटन की शुरूआत:**
    - नई प्रणाली लाभ आवंटित करने के लिये **राज्यव्यापी** जनसंख्या डेटा और **पात्रता मानदंडों का उपयोग करेगी।**
    - इससे **यह सुनिश्चित करने की अपेक्षा की जाती है कि वितरण मनमाने प्रशासनिक सीमाओं से बाधित होने के बजाए** अधिनियम में निर्धारित पात्रता मानदंडों के साथ अधिक निकटता से संरेखित हो।
  - **लाभार्थी कवरेज पर प्रभाव:**
    - पुनर्वितरण प्रक्रिया के भाग के रूप में, सीतापुर, बाराबंकी और ललितपुर ज़िलों में से प्रत्येक में 5,000 नए लाभार्थियों को जोड़ा गया है।
    - **ये वृद्धि गाज़ियाबाद** और **गौतम बुद्ध नगर** से लाभार्थियों की संख्या को पुनः आवंटित करके की गई।
    - **बुंदेलखंड क्षेत्र** में NFSA कवरेज को **90% तक बढ़ाया गया है।**
    - **पूर्वी उत्तर प्रदेश के** कई योग्य ज़िलों में कवरेज को **85% तक बढ़ाया गया है।**
  - **प्रशासनिक प्रदर्शन:**
    - **एकीकृत शिकायत निवारण प्रणाली** (IGRS) **पोर्टल** की अप्रैल की रिपोर्ट के अनुसार, **खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग** जन शिकायतों के समाधान में **चौथे** स्थान पर है।
    - **इसका स्थान** खादी एवं ग्रामोद्योग, **सहकारिता विभाग** तथा **आबकारी विभाग** से ठीक पीछे था।
    - निचले चार स्थानों में शामिल विभागों में **उद्योग एवं अवसंरचना विकास, आवास एवं शहरी नियोजन,** पर्यावरण **एवं जलवायु परिवर्तन** तथा **महिला कल्याण शामिल हैं।**

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (NFSA), 2013

- **NFSA के बारे में:**
  - इसे भारत में खाद्य और पोषण सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से **5 जुलाई 2013 को अधिनियमित किया गया था।**
  - इसने कल्याण-आधारित दृष्टिकोण से **अधिकार-आधारित दृष्टिकोण की ओर बदलाव को चिह्नित किया,** जिससे जनसंख्या के एक महत्त्वपूर्ण हिस्से को सब्सिडी वाले खाद्यान्न प्राप्त करने का कानूनी अधिकार प्राप्त हुआ।
- **उद्देश्य:**
  - इस अधिनियम का उद्देश्य लोगों को सम्मानजनक जीवन जीने के लिये **वहनीय मूल्य पर पर्याप्त मात्रा में गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराना है।**
  - यह राशन कार्ड के प्रयोजनों के लिये परिवार की सबसे बड़ी महिला (18 वर्ष या उससे अधिक आयु) को परिवार का मुखिया नामित करके महिला सशक्तीकरण **को** भी बढ़ावा देता है।
- **कवरेज और अधिकार:**
  - NFSA कानूनी तौर पर **ग्रामीण आबादी के 75%** और **शहरी आबादी के 50% को** रियायती दरों पर खाद्यान्न प्राप्त करने का अधिकार देता है।
  - इसमें पूरे भारत में लगभग **81.34 करोड़ व्यक्ति शामिल हैं।**
- **लाभार्थियों की श्रेणियाँ:**
  - अंत्योदय अन्न योजना **के तहत आने** वाले परिवार, जिन्हें सबसे गरीब माना जाता है, **प्रति परिवार प्रति माह 35 किलोग्राम खाद्यान्न पाने के हकदार हैं।**
  - **प्राथमिकता वाले परिवारों को प्रति व्यक्ति प्रति माह 5 किलोग्राम खाद्यान्न** प्राप्त करने का अधिकार है।
- **खाद्यान्न की कीमतें:**
  - अधिनियम में खाद्यान्नों के लिये सब्सिडीयुक्त मूल्य निर्दिष्ट किये गए हैं:
    - **चावल** 3 रुपए और **गेहूँ** 2 रुपये प्रति किलोग्राम की दर से उपलब्ध कराया जाता है।
    - **मोटा अनाज** 1 रुपए प्रति किलोग्राम की दर से उपलब्ध कराया जाता है।
    - ये कीमतें शुरू में कार्यान्वयन की तारीख से तीन वर्षों के लिये निर्धारित की गई थीं, लेकिन केंद्र सरकार द्वारा समय-समय पर इन्हें बढ़ाया जाता रहा है
  - **NFSA के अंतर्गत जिम्मेदारियाँ:**
    - **केंद्र सरकार:**
      - राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को खाद्यान्न आवंटित करने की ज़िम्मेदारी केंद्र सरकार की है।
      - यह निर्धारित डिपो तक खाद्यान्न के परिवहन का प्रबंधन करती है तथा आगे वितरण के लिये वित्तीय सहायता प्रदान करती है।
    - **इसके पास धारा 39** के अंतर्गत अधिनियम के कार्यान्वयन के लिये नियम बनाने की शक्ति भी है।
    - **राज्य एवं संघ राज्य क्षेत्र सरकारें:**
      - **राज्य एवं संघ राज्य क्षेत्र सरकारें पात्र परिवारों की पहचान करने,** राशन कार्ड **जारी करने** और **उचित मूल्य की दुकानों (FPS)** के माध्यम से **खाद्यान्न वितरित करने** के लिये ज़िम्मेदार हैं।
    - उन्हें **FPS नेटवर्क की निगरानी भी करनी होगी,** लाइसेंस जारी करना होगा और **शिकायत निवारण प्रणाली स्थापित करनी होगी।**
- **अतिरिक्त प्रावधान:**
  - **पात्र खाद्यान्न या भोजन की आपूर्ति न होने** की स्थिति में, लाभार्थी **खाद्य सुरक्षा भत्ते** के हकदार होते हैं, जो राज्य सरकार द्वारा प्रदान किया जाना चाहिये।
  - **टाइड ओवर आबंटन** का प्रावधान उन राज्यों की रक्षा के लिये किया गया है, जिनका NFSA के तहत आबंटन उनके पूर्व **लक्षित सार्वजनिक वितरण प्रणाली (TPDS)** के आबंटन से कम है।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- केंद्र सरकार ने अधिनियम के अंतर्गत कई नियम अधिसूचित किये हैं, जिनमें शामिल हैं:
  - **खाद्य सुरक्षा भत्ता नियम, 2015**
  - **खाद्य सब्सिडी का नकद हस्तांतरण नियम, 2015**
  - **राज्य सरकारों को सहायता नियम, 2015**

वीरता पुरस्कार 2025

चर्चा में क्यों?

भारत के राष्ट्रपति ने 76वें गणतंत्र दिवस 2025 की पूर्व संध्या पर घोषित वीरता पुरस्कारों के तहत **सशस्त्र बलों, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों तथा राज्य/केंद्रशासित प्रदेशों** की पुलिस कर्मियों को **6 कीर्ति चक्र** (4 मरणोपरांत) और **33 शौर्य चक्र** (7 मरणोपरांत) प्रदान किये गए।

मुख्य बिंदु

वीरता पुरस्कारों के बारे में:

- ये पुरस्कार कार्मिकों को कर्त्तव्य के दौरान **अदम्य साहस, अद्वितीय बहादुरी तथा व्यक्तिगत सुरक्षा की पूर्ण उपेक्षा के लिये दिये जाते हैं।**
- इन वीरता पुरस्कारों की घोषणा वर्ष में दो बार की जाती है, पहले गणतंत्र दिवस के अवसर पर और फिर स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर।

प्रकार:

- **शत्रु के विरुद्ध कार्रवाई संबंधी वीरता पुरस्कार:**
  - **परमवीर चक्र (PVC):** इसके अग्रभाग पर **"इंद्र के वज्र"** की चार प्रतिकृतियाँ उभरी होती हैं तथा **मध्य में राज्य चिह्न उभरा होता है।**
    - यह पुरस्कार **शत्रु की उपस्थिति में सर्वाधिक विशिष्ट बहादुरी** या किसी **साहसिक या वीरता या आत्म-बलिदान** के उत्कृष्ट कार्य के लिये दिया जाता है।
  - **महावीर चक्र (MVC):** इसका अग्रभाग एक **पाँच नुकीले हेराल्डिक सितारे** से युक्त होता है, जिसकी नोकें बाहरी किनारे को स्पर्श करती हैं। सितारे के केंद्र में उभरा हुआ स्वर्ण जड़ित राज्य प्रतीक होता है।
    - यह पुरस्कार **शत्रु की उपस्थिति में वीरता के कार्यों** के लिये प्रदान किया जाता है।
  - **वीर चक्र:** इस सितारे के केंद्र में एक चक्र होता है तथा चक्र के अंदर एक गुंबदाकार केंद्रबिंदु होता है, जिस पर स्वर्ण-जड़ित राज्य चिह्न अंकित रहता है।
    - यह पुरस्कार **भूमि, समुद्र या वायु में दुश्मन की मौजूदगी में वीरतापूर्ण कार्यों के लिये दिया जाता है।** यह सम्मान मरणोपरांत भी दिया जा सकता है।
- **शत्रु के विरुद्ध कार्रवाई के अलावा अन्य वीरता पुरस्कार:**
  - **पदक:** इसमें **अशोक चक्र, कीर्ति चक्र और शौर्य चक्र** शामिल हैं, पदक के **अग्रभाग (सामने वाले हिस्से) के केंद्र** में संबंधित चक्र की **एक आकृति उत्कीर्णित** होती है, जो **कमल की एक माला से आबद्ध** होती है।
    - **किनारे के** साथ-साथ, आंतरिक भाग में **कमल के पत्तों, फूलों और कलियों** का पैटर्न होता है।
    - इसके पृष्ठ भाग पर **हिंदी और अंग्रेज़ी दोनों में संबंधित शब्द** उत्कीर्णित होते हैं तथा दोनों संस्करण **दो कमल के फूलों से पृथक** होते हैं।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

नागरिक एवं वीरता पुरस्कार (Civilian and Gallantry Awards)

नागरिक पुरस्कार

भारत रत्न:

- भारत का **सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार; वर्ष 1954** में स्थापित
- मानव सेवा के किसी भी क्षेत्र में असाधारण सेवा/उच्चतम क्रम के प्रदर्शन हेतु सम्मानित
- इस पुरस्कार में प्रमाण-पत्र और पदक शामिल हैं **(कोई मौद्रिक अनुदान नहीं)**
- **प्रधानमंत्री द्वारा राष्ट्रपति को** अनुशंसित
- **एक वर्ष में अधिकतम तीन व्यक्तियों को ही** दिया जा सकता है

पद्म पुरस्कार:

- **वर्ष 1954** में स्थापित; घोषणा- प्रत्येक वर्ष **गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या** पर
- **सार्वजनिक सेवा** से जुड़े सभी क्षेत्रों/विषयों में उपलब्धियों को मान्यता दी जाती है
- **श्रेणियाँ: पद्म विभूषण > पद्म भूषण > पद्म श्री**
- **पद्म पुरस्कार समिति** (प्रधानमंत्री द्वारा प्रत्येक वर्ष गठित) द्वारा अनुशंसित
- **दो बार निलंबित** - वर्ष 1978-79 और वर्ष 1993-97
- एक वर्ष में पुरस्कारों की अधिकतम संख्या - 120

वीरता पुरस्कार

- **युद्धकालीन** वीरता पुरस्कार की स्थापना **26 जनवरी, 1950** को हुई
- **शांतिकालीन** वीरता की स्थापना **4 जनवरी, 1952** को की गई
- **घोषणा वर्ष में दो बार - गणतंत्र दिवस और स्वतंत्रता दिवस**
- **वरीयता क्रम - परमवीर** चक्र > **अशोक** चक्र > **महावीर** चक्र > **कीर्ति** चक्र > **वीर** चक्र > **शौर्य** चक्र

- **पात्रता:**
  - » पात्रता- सभी रैंकों के सभी अधिकारी **(सेना, नौसेना, भारतीय वायुसेना), टेरिटोरियल बल, प्रादेशिक सेना**
  - » उपरोक्त किसी भी बल के अंतर्गत **नर्सिंग सेवाएँ प्रदान करने वाले व्यक्ति**

दृष्टि The Vision
Drishti IAS

Prepare with DrishtiIAS

राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!

हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!

राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!

निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- **पुरस्कार का वरीयता क्रम:**
  - परमवीर चक्र
  - अशोक चक्र
  - महावीर चक्र
  - कीर्ति चक्र
  - वीर चक्र
  - शौर्य चक्र

- **पात्रता:**
  - **परमवीर चक्र, महावीर चक्र और वीर चक्र: नौसेना, सेना, वायु सेना, रिज़र्व एवं टेरिटोरियल बलों** के सभी रैंक के सदस्य, जिनमें **चिकित्सा और नर्सिंग कर्मचारी तथा उनके निर्देशन में कार्यरत नागरिक** भी शामिल हैं।
  - **अशोक चक्र, कीर्ति चक्र और शौर्य चक्र: सशस्त्र बलों, रिज़र्व और टेरिटोरियल बलों, नर्सिंग सेवाओं, पुलिस, केंद्रीय अर्द्ध-सैनिक बलों, रेलवे सुरक्षा बल** के सभी रैंक के सदस्य तथा सामान्य नागरिक।

  नोट: ऐसी ही बहादुरी के प्रत्येक आगामी कार्य के लिये प्राप्तकर्त्ता को **'चक्र' के साथ 'पट्टी' लगाकर सम्मानित** किया जाता है।
- इसके अलावा, अतिरिक्त बहादुरी के लिये **'चक्र'** और **'पट्टी' दोनों को मरणोपरांत** प्रदान किया **जा सकता है।**

पंडित जवाहरलाल नेहरू की पुण्यतिथि

चर्चा में क्यों?

भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की पुण्यतिथि **27 मई 2025** को मनाई गई। उन्हें **आधुनिक भारत के निर्माता** के रूप में याद किया जाता है।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

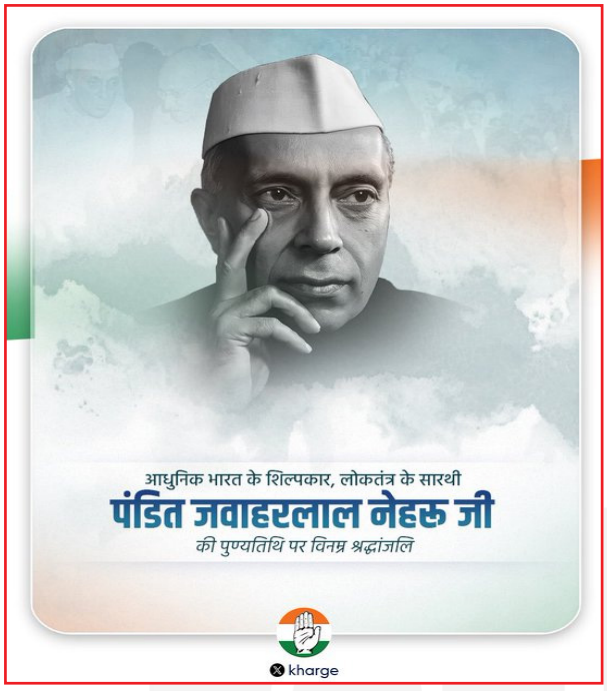

मुख्य बिंदु

जवाहरलाल नेहरू के बारे में:

- **प्रारंभिक जीवन:**
  - उनका जन्म **14 नवंबर 1889 को** प्रयागराज में हुआ। वर्ष **1912 में बाँकीपुर (पटना)** में एक प्रतिनिधि के रूप में अपने **पहले कॉन्ग्रेस** सत्र में भाग लिया और वर्ष 1916 में एनी बेसेंट **की होम रूल लीग** में शामिल हो गए, **वर्ष 1919 में उन्हें इस लीग का इलाहाबाद सचिव चुना गया।**
- **स्वतंत्रता संग्राम में योगदान:**
  - वे वर्ष **1929 के लाहौर अधिवेशन** में **कॉन्ग्रेस अध्यक्ष चुने गए,** जिसमें पूर्ण स्वतंत्रता के लिये ऐतिहासिक **पूर्ण स्वराज प्रस्ताव पारित किया गया और बाद में उन्होंने समाजवाद को बढ़ावा देते हुए वर्ष 1936 के लखनऊ** एवं वर्ष **1937 के फैजपुर** अधिवेशनों की अध्यक्षता की।
  - उन्होंने **मौलिक अधिकार** और **आर्थिक नीति (वर्ष 1929-31) का मसौदा तैयार किया,** जिसे **सरदार पटेल** के तहत वर्ष **1931 के कराची अधिवेशन में अपनाया गया एवं भारतीय राष्ट्रीय सेना (INA) के सैनिकों** के लिये कानूनी सुरक्षा प्रदान करने का समर्थन किया।
  - उन्होंने वर्ष 1946 में **अंतरिम सरकार का नेतृत्व किया।**
- **स्वतंत्रता के बाद: वर्ष 1953** में, उन्होंने **राज्य पुनर्गठन आयोग** का गठन किया, **पंचवर्षीय योजनाओं** के माध्यम से **औद्योगीकरण को बढ़ावा दिया और गुटनिरपेक्ष आंदोलन का** नेतृत्व किया।
- **पुरस्कार:**
  - उन्हें **भारत रत्न (वर्ष 1955)** और **विश्व शांति परिषद पुरस्कार (मरणोपरांत, 1970) से सम्मानित किया गया।**
- **साहित्यिक योगदान:**
  - **भारत की खोज** एक **आत्मकथा, विश्व इतिहास की झलकियाँ** और **एक पिता के अपनी पुत्री को पत्र।**

उत्तर प्रदेश में सेमीकंडक्टर यूनिट

चर्चा में क्यों?

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने **उत्तर प्रदेश के जेवर में 3,700 करोड़ रुपए** की **डिस्प्ले ड्राइवर चिप निर्माण इकाई** स्थापित करने को मंजूरी दी है।

- यह परियोजना **इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन (ISM)** के **पहले चरण** के अंतर्गत स्वीकृत की गई **छठी सेमीकंडक्टर निर्माण इकाई** है।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

मुख्य बिंदु

- **परियोजना विवरण:**
  - यह इकाई **भारतीय कंपनी HCL** और **ताइवानी इलेक्ट्रॉनिक्स निर्माण क्षेत्र की दिग्गज कंपनी Foxconn** के बीच एक **संयुक्त उपक्रम** है।
  - **जेवर संयंत्र** में **व्यावसायिक उत्पादन वर्ष 2027 तक शुरू होने की संभावना** है, जिसके लिये तेज़ी से निर्माण और विकास की आवश्यकता होगी।
  - इस संयंत्र में उत्पादित **चिप्स** का उपयोग **लैपटॉप, पर्सनल कंप्यूटर, स्मार्टफोन** और **ऑटोमोबाइल्स** में किया जाएगा।
- **सामरिक महत्त्व:**
  - यह **उत्तर प्रदेश का पहला सेमीकंडक्टर विनिर्माण संयंत्र है**, जो तेज़ी से विकसित हो रहे औद्योगिक क्षेत्र जेवर में स्थित है।
    - उत्तर प्रदेश सरकार ने इसके समर्थन में UP सेमीकंडक्टर नीति-2024 की शुरुआत की है।
    - यह **महत्त्वाकांक्षी नीति**, राज्य में **स्थानीय सेमीकंडक्टर निर्माण** को प्रोत्साहित करने के साथ-साथ भारत को **महत्त्वपूर्ण प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में रणनीतिक रूप से आत्मनिर्भर** बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है।
  - यह संयंत्र भारत की **डिस्प्ले और इलेक्ट्रॉनिक्स वैल्यू चेन में मौजूद एक महत्त्वपूर्ण रिक्ति को भरने** में सहायक होगा।
  - संयंत्र के चालू होने के बाद, भारत में एक **डिस्प्ले पैनल निर्माण संयंत्र** की स्थापना की भी संभावना है, जिससे **देश की लगभग 40% डिस्प्ले आवश्यकता** पूरी की जा सकेगी।
- **परियोजना का महत्त्व:**
  - **मेक इन इंडिया और इलेक्ट्रॉनिक्स निर्माण को बढ़ावा:** यह परियोजना भारत के **सेमीकंडक्टर निर्माण में आत्मनिर्भर बनने के लक्ष्य** के अनुरूप है, जो **प्रौद्योगिकीय संप्रभुता** और **आर्थिक विकास** के लिये आवश्यक है।
  - **रोज़गार और औद्योगिक विकास:** यह इकाई उत्तर प्रदेश में **औद्योगिक गतिविधियों को गति** देगी, **रोज़गार के अवसर उत्पन्न** करेगी और **सहायक उद्योगों को आकर्षित** करेगी।
  - **आयात पर निर्भरता में कमी:** घरेलू स्तर पर चिप निर्माण की वृद्धि से **आयात पर निर्भरता घटेगी** और भारत की **इलेक्ट्रॉनिक्स आपूर्ति शृंखला की मज़बूती** सुनिश्चित होगी।

भारत सेमीकंडक्टर मिशन (ISM)

- ISM **को** इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय (MeitY) के तत्त्वावधान में 76,000 करोड़ रुपए के कुल वित्तीय परिव्यय के साथ वर्ष 2021 में शुरू किया गया था।
- यह देश में टिकाऊ सेमीकंडक्टर और डिस्प्ले पारिस्थितिकी तंत्र के विकास के लिये व्यापक कार्यक्रम का हिस्सा है।
- इस कार्यक्रम का उद्देश्य सेमीकंडक्टर, डिस्प्ले विनिर्माण और डिज़ाइन पारिस्थितिकी तंत्र में निवेश करने वाली कंपनियों को वित्तीय सहायता प्रदान करना है।
- सेमीकंडक्टर और डिस्प्ले उद्योग के वैश्विक विशेषज्ञों के नेतृत्व में ISM योजनाओं के कुशल, सुसंगत और सुचारू कार्यान्वयन के लिये नोडल एजेंसी के रूप में कार्य करेगा।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

अर्द्धचालक (SEMICONDUCTORS)

अर्द्धचालक/सेमीकंडक्टर ऐसे पदार्थ हैं जिनकी प्रतिरोधकता या चालकता धातुओं तथा विद्युतरोधी पदार्थों के बीच की होती है

उदाहरण

- **तत्त्व:** सिलिकॉन और जर्मेनियम
- **यौगिक:** गैलियम आर्सेनाइड और कैडमियम सेलेनाइड

महत्त्व

- अर्थव्यवस्था के लगभग सभी क्षेत्रों के लिये आवश्यक - **एयरोस्पेस, ऑटोमोबाइल, संचार, स्वच्छ ऊर्जा, सूचना प्रौद्योगिकी और चिकित्सा उपकरण आदि।**

सेमीकंडक्टर और भारत

- **प्रमुख निर्यातक देश: चीन, ताइवान, अमेरिका** और **जापान**
- **भारत का सेमीकंडक्टर बाज़ार: वर्ष 2026 तक 55 अरब अमेरिकी डॉलर** तक पहुँचने की उम्मीद है

योजनाएँ	उद्देश्य
उत्पादन संबद्ध प्रोत्साहन (PLI) योजना	देश में **सेमीकंडक्टर** और **डिस्प्ले विनिर्माण** को प्रोत्साहित करना।
डिज़ाइन संबद्ध प्रोत्साहन (DLI) योजना	सेमीकंडक्टर डिज़ाइन में >20 घरेलू कंपनियों का पोषण आगामी 5 वर्षों में > 1500 करोड़ रुपए का कारोबार हासिल करना
इलेक्ट्रॉनिक घटकों और अर्द्धचालकों के विनिर्माण हेतु प्रोत्साहन योजना (SPECS)	इलेक्ट्रॉनिक्स घटकों और अर्द्धचालकों का निर्माण

भारत सेमीकंडक्टर मिशन (ISM)

उद्देश्य

- **अर्द्धचालक, डिस्प्ले विनिर्माण** और **डिज़ाइन इकोसिस्टम** में निवेश करने वाली कंपनियों को वित्तीय सहायता प्रदान करना

आरंभ

- 2021

नोडल मंत्रालय

- इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय

कुल वित्तीय परिव्यय

- 76,000 करोड़ रुपए

घटक

- भारत में सेमीकंडक्टर फैब स्थापित करने के लिये योजना
- भारत में डिस्प्ले फैब स्थापित करने के लिये योजना
- भारत में कंपाउंड सेमीकंडक्टर्स/सिलिकॉन फोटोनिक्स/सेंसर फैब और सेमीकंडक्टर असेंबली, टेस्टिंग, मार्किंग एवं पैकेजिंग (ATMP)/OSAT सुविधाओं की स्थापना के लिये योजना
- DLI योजना

Drishti IAS

Prepare with DrishtiIAS

राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!

हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!

राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!

निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

मिस वर्ल्ड 2025

चर्चा में क्यों?

31 मई 2025 को तेलंगाना के हैदराबाद में हाईटेक्स प्रदर्शनी केंद्र में आयोजित **72वें मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता** के ग्रैंड फिनाले के दौरान **थाईलैंड** की **ओपल सुचाता चुआंगसरी को मिस वर्ल्ड 2025** का ताज पहनाया गया।

मुख्य बिंदु

- **प्रतियोगिता के बारे में:**
  - यह एक **महीने तक चलने वाला उत्सव था** जिसमें विश्व भर से **108 प्रतिभागियों ने भाग लिया,** इसमें **ऐतिहासिक स्थलों के भ्रमण**, **सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ** और प्रतिभागियों द्वारा संचालित **जागरूकता अभियानों** को शामिल किया गया।
  - इस कार्यक्रम की मेज़बानी **मिस वर्ल्ड 2016 स्टेफनी डेल वैले** और भारतीय टीवी व्यक्तित्व **सचिन कुंभार ने की।**
- विजेता:
  - **थाईलैंड का प्रतिनिधित्व करने वाली ओपल सुचाता चुआंगस्त्री** ने **मिस वर्ल्ड 2025** का ताज़ जीता। उन्हें **मिस वर्ल्ड 2024 क्रिस्टिना पिस्कोवा (चेक गणराज्य)** ने ताज पहनाया।
  - **इथियोपिया के हासेट डेरेजे ने** प्रथम उपविजेता और **पोलैंड की माजा क्लाजदा ने** दूसरे उपविजेता का खिताब जीता।
- **महाद्वीपीय क्वीन:** प्रत्येक महाद्वीप से विजेताओं का चयन **रैपिड-फायर राउंड के माध्यम से किया** किया गया:
  - **मिस मार्टीनिक** – अमेरिका और कैरिबियन
  - **मिस इथियोपिया** – अफ्रीका
  - **मिस पोलैंड** – यूरोप
  - **मिस थाईलैंड** – एशिया और ओशिनिया
- **अन्य मुख्य बिंदु:**
  - **मिस इंडोनेशिया मोनिका केज़िया सेम्बिरिंग** ने अपने प्रोजेक्ट **"पाइपलाइन फॉर लाइफलाइन"** के लिये **ब्यूटी विद अ पर्पज़** राउंड जीता, जिसका उद्देश्य स्वच्छ जल और स्वच्छता **तक पहुँच में सुधार** करना था।
  - **अभिनेता सोनू सूद** को **मिस वर्ल्ड मानवतावादी पुरस्कार** (Miss World Humanitarian Award) से सम्मानित किया गया, जो **राणा दग्गुबाती** द्वारा प्रदान किया गया।
- भारत की भागीदारी:
  - **मिस इंडिया 2025 नंदिनी गुप्ता** ने **टॉप मॉडल चैलेंज** में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए **72वीं मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता में चार महाद्वीपीय विजेताओं** में स्थान प्राप्त किया, लेकिन वे **शीर्ष 20** में पहुँचने के बाद प्रतियोगिता से बाहर हो गईं।

घाटमपुर थर्मल पावर परियोजना

चर्चा में क्यों?

30 मई, 2025 को प्रधानमंत्री ने उत्तर प्रदेश के **कानपुर में** घाटमपुर ताप विद्युत परियोजना की यूनिट-1 को राष्ट्र को समर्पित किया।

मुख्य बिंदु

- **परियोजना के बारे में:**
  - घाटमपुर थर्मल पावर परियोजना की कुल स्थापित क्षमता **1,980 मेगावाट है,** जिसमें **660 मेगावाट** की **तीन सुपरक्रिटिकल इकाइयाँ शामिल हैं।**
  - शेष दो इकाइयों को **वित्तीय वर्ष 2025-26 तक चालू किया जाना है।**
  - यह परियोजना नेवेली **उत्तर प्रदेश पावर लिमिटेड (NUPPL)** द्वारा कार्यान्वित की जा रही है, जो NLC इंडिया लिमिटेड और **उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड (UPRVUNL)** के बीच एक संयुक्त उद्यम है।
  - परियोजना की कुल लागत अनुमानित **21,780.94 करोड़ रुपए** है।
- **विद्युत आवंटन:**

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- उत्पादित बिजली का **1,487.28 मेगावाट (75.12%) उत्तर प्रदेश को आवंटित करने के लिये** एक **विद्युत क्रय समझौते (PPA)** पर हस्ताक्षर किये गए हैं और शेष **492.72 मेगावाट (24.88%) असम** के लिये निर्धारित किया गया है।

पर्यावरण सुरक्षा उपाय:

- प्लांट में नाइट्रोजन ऑक्साइड (NOx) उत्सर्जन को कम करने के लिये **सेलेक्टिव कैटालिटिक रिडक्शन (SCR)** तकनीक लगाई गई है।
- सल्फर डाइऑक्साइड (SOx) उत्सर्जन नियंत्रण के लिये **फ्लू गैस डिसल्फराइजेशन (FGD)** सिस्टम स्थापित किये गए हैं।
- परियोजना में **जीरो लिक्विड डिस्चार्ज (ZLD)** सिस्टम होगा, जिससे प्लांट से कोई भी जल डिस्चार्ज नहीं होगा।

बचपन डे केयर सेंटर

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश सरकार **विशेष आवश्यकता वाले बच्चों** और दिव्यांग व्यक्तियों हेतु अपनी पहल का विस्तार करने के लिये 26 और ज़िलों में बचपन डे केयर सेंटर खोलने जा रही है, **साथ ही पहुँच,** शिक्षा, **पुनर्वास और प्रशिक्षण** में सुधार के लिये नई योजनाएँ शुरू करेगी।

मुख्य बिंदु

बचपन डे केयर सेंटर के बारे में:

- ये उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा स्थापित विशेष सुविधाएँ हैं, जो **विशेष आवश्यकता वाले बच्चों** को प्रारंभिक हस्तक्षेप, देखभाल, शिक्षा और सामाजिक प्रशिक्षण प्रदान करती हैं।
- इन केंद्रों का उद्देश्य प्रारंभिक आयु से ही **सहायक और समावेशी वातावरण** देकर **दिव्यांग बच्चों के समग्र विकास** को बढ़ावा देना है।
- वर्तमान में ये केंद्र 25 ज़िलों में संचालित हो रहे हैं, जिनमें सभी **संभागीय मुख्यालय** तथा सात **आकांक्षी ज़िले (चित्रकूट, फतेहपुर, बहराइच, श्रावस्ती, बलरामपुर, सिद्धार्थनगर और चंदौली)** शामिल हैं।

सुलभता एवं अवसंरचना सुधार:

- यह सुनिश्चित करने के लिये एक नई योजना प्रस्तावित की गई है कि **सभी स्टेडियम और खेल परिसर** दिव्यांग व्यक्तियों के लिये पूरी तरह से सुलभ हों।
  - इसके अतिरिक्त, **दिव्यांग** व्यक्तियों के लिये **पहुँच और सुविधा बढ़ाने, सार्वजनिक स्थानों में समावेशिता और समान भागीदारी को बढ़ावा देने के लिये राज्य में अवसंरचना सुधार को उन्नत किया जाएगा।**
- इस कदम का उद्देश्य न केवल खेलों में उनकी भागीदारी को बढ़ावा देना है, बल्कि **'एक भारत श्रेष्ठ भारत' की भावना को भी मज़बूत करना है।**

विशेष शिक्षा में डिजिटल रूपांतरण:

- **विशेष विद्यालयों के लिये ई-लर्निंग प्रबंधन प्रणाली पोर्टल** की शुरुआत की जा रही है। यह पोर्टल—
  - **शैक्षणिक गतिविधियों और विद्यार्थियों की प्रतिभाओं की रीयल-टाइम निगरानी** को सक्षम बनाएगा,
  - **शिक्षा की गुणवत्ता को बेहतर बनाएगा** और
  - **विशेष आवश्यकताओं वाले बच्चों के समग्र विकास को प्रोत्साहित करेगा।**

बौद्धिक रूप से विकलांग व्यक्तियों के लिये पुनर्वास और सहायता:

- प्रत्येक ज़िले में **आश्रयगृह-सह-प्रशिक्षण केंद्र** की स्थापना की योजना बनाई गई है।
- ये केंद्र सुरक्षित वातावरण और कौशल-आधारित प्रशिक्षण प्रदान करेंगे।
- ये स्वतंत्र जीवन को प्रोत्साहित करने के लिये सरकार और निजी संस्थाओं द्वारा समर्थित हैं।

विशेष शिक्षकों के लिये प्रशिक्षण और सहायता:

- **सेवारत विशेष शिक्षकों के लिये रिफ्रेशर कोर्स एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों** की शुरुआत की जा रही है, जिनका उद्देश्य शिक्षकों को **आधुनिक शैक्षणिक विधियों** से अद्यतन रखना है।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- जिससे वे **दिव्यांग विद्यार्थियों की बदलती आवश्यकताओं का बेहतर ढंग से समाधान** कर सकें।

विशेष आवश्यकता वाले बच्चों से संबंधित योजनाएँ

- **दिव्यांग पेंशन योजना:** राज्य सरकार की पेंशन योजना **18 वर्ष या उससे अधिक आयु के दिव्यांग व्यक्तियों को मासिक वित्तीय सहायता प्रदान करती है,** जिससे उनकी आजीविका और जीवन स्तर में सुधार होता है। बेहतर सहायता प्रदान करने के लिये पेंशन राशि में समय-समय पर वृद्धि की जाती है।
- दीन दयाल विकलांग पुनर्वास योजना (DDRS): यह योजना वर्ष 1999 में शुरू की गई थी और वर्ष 2003 में इसे संशोधित कर इसका **नाम परिवर्तित** किया गया। इसे पहले **"दिव्यांगजनों के लिये स्वैच्छिक प्रयासों को प्रोत्साहन देने की योजना" के रूप में जाना जाता था।**
  - **DDRS एक केंद्रीय क्षेत्र की योजना है,** जो दिव्यांगजनों की शिक्षा और पुनर्वास हेतु कार्यरत स्वैच्छिक संगठनों **को वित्तीय सहायता** प्रदान करती है।

सतत् विमानन ईंधन विनिर्माण नीति-2025

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश सरकार ने कृषि अपशिष्ट को जेट ईंधन में परिवर्तित करने हेतु सतत् विमानन ईंधन (SAF) **विनिर्माण नीति-2025** की रूपरेखा प्रस्तुत की है।

- इस नीति की रूपरेखा पर विचार-विमर्श हेतु **लखनऊ में Invest UP द्वारा एक उच्च स्तरीय गोलमेज सम्मेलन** का आयोजन किया गया।

मुख्य बिंदु

- **SAF के बारे में:**
  - यह **कृषि अपशिष्ट,** नगर ठोस अपशिष्ट **और वन अवशेषों** जैसे नवीकरणीय स्रोतों से उत्पादित किया जाता है।
  - यह पारंपरिक जेट ईंधन की तुलना में **ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को 80% तक कम करने की क्षमता** रखता है।
  - SAF के उत्पादन के लिये गन्ने के शीरे जैसे स्वदेशी फीडस्टॉक और मेक इन इंडिया तकनीक का उपयोग किया जा रहा है।
- **नीति के बारे में:**
  - **नीति का लक्ष्य** गन्ने की खोई, चावल की भूसी और गेहूँ के भूसे जैसे **कृषि अपशिष्टों** से सतत् विमानन ईंधन का उत्पादन करना है।
  - साथ ही इसका उद्देश्य उत्तर प्रदेश में जैव-जेट ईंधन विनिर्माण के लिये औद्योगिक इकाइयाँ स्थापित करना है।
  - इस पहल से **लगभग 2.5 करोड़ किसानों को सीधे लाभ होगा,** क्योंकि इससे उनकी फसल के अपशिष्ट के लिये नए बाज़ार उपलब्ध होंगे।
- **नीति का महत्त्व:**
  - **देश में अपनी तरह की पहली नीति:** यह भारत के विमानन ईंधन मिश्रण में **कृषि अपशिष्ट-आधारित** जैव ईंधन को शामिल करने की दिशा में **एक अग्रणी पहल** है।
  - **जलवायु परिवर्तन शमन:** यह **पेरिस समझौते के तहत** कार्बन उत्सर्जन **की तीव्रता घटाने** तथा **नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देने** की भारत की प्रतिबद्धता का समर्थन करती है।
  - **कृषि अपशिष्ट प्रबंधन:** यह **पराली जलाने की प्रवृत्ति में कमी** लाकर, जो उत्तरी भारत में वायु प्रदूषण और धुंध का एक प्रमुख कारण है, **सार्वजनिक स्वास्थ्य और पारिस्थितिकीय संतुलन में सुधार** कर सकती है।
  - **ग्रामीण अर्थव्यवस्था का सशक्तीकरण:** यह **कृषि अवशेषों के लिये नए बाज़ार और मूल्य शृंखलाएँ** निर्मित कर **किसानों के लिये अतिरिक्त आय के स्रोत** उत्पन्न करेगी।
  - **औद्योगिक वृद्धि:** यह उत्तर प्रदेश **की रणनीतिक लॉजिस्टिक और कृषि-औद्योगिक क्षमता** का उपयोग कर **SAF निर्माण इकाइयों की स्थापना को बढ़ावा** देगी।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- **संबंधित चुनौतियाँ:**
  - **तकनीकी व्यवहार्यता:** विभिन्न कृषि अपशिष्टों को प्रभावी ढंग से **विमान ईंधन** में परिवर्तित करने के लिये विश्वसनीय और व्यापक प्रक्रियाओं का विकास एक बड़ी चुनौती बना हुआ है।
  - **मूल्य प्रतिस्पर्द्धा:** SAF का उत्पादन ऐसी लागत पर किया जाना आवश्यक है, जो पारंपरिक जेट ईंधन के समान हो, ताकि भारी सब्सिडी के बिना इसके उपयोग को प्रोत्साहित किया जा सके।
  - **अवसंरचना विकास:** बिखरे हुए फसल अवशेषों का प्रभावी **संग्रहण, परिवहन और भंडारण** सुनिश्चित करने के लिये प्रभावी **लॉजिस्टिक्स** की आवश्यकता है ताकि निरंतर आपूर्ति बनी रहे।
  - **नीति समन्वय:** बायोफ्यूल और विमानन से जुड़ी राज्य और केंद्र की नीतियों को संगत बनाना जरूरी है ताकि अनुमोदन और प्रोत्साहनों की प्रक्रिया सुचारू हो सके।

पवित्र बुद्ध अवशेषों को श्रद्धांजलि

चर्चा में क्यों?

राष्ट्रीय संग्रहालय **(नई दिल्ली)** में एक **श्रद्धा समारोह** आयोजित किया गया जहाँ **भक्तगण** बुद्ध के पवित्र अवशेषों को **अंतिम श्रद्धांजलि** देने के लिये एकत्र हुए, इससे पहले कि वे **उत्तर प्रदेश** के सारनाथ में **मूलगंध कुटी विहार मंदिर** में पुन: प्रतिष्ठापित होने के लिये **सारनाथ** लौटें।

- यह समारोह **राष्ट्रीय संग्रहालय** और अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ **(IBC)** द्वारा संस्कृति मंत्रालय के सहयोग से आयोजित किया गया था।

मुख्य बिंदु

- **अवशेषों के बारे में:**
  - ये अवशेष **उत्तर प्रदेश के सारनाथ स्थित मूलगंध कुटी विहार** से संबंधित हैं, यह विहार **महाबोधि सोसाइटी** द्वारा संचालित है, जिसकी स्थापना **अंगारिका धर्मपाल** ने की थी।
  - अवशेषों की **खुदाई 1927–1931** के दौरान नागार्जुनकोंडा **(आंध्र प्रदेश)** में **एच. लॉन्गहर्स्ट** द्वारा की गई थी।
  - इन अवशेषों को 27 दिसंबर, 1932 को राय बहादुर दयाराम साहनी ने **भारत के वायसराय** की ओर से महाबोधि सोसाइटी को सौंपा था।
- **सारनाथ का आध्यात्मिक महत्त्व:**
  - **सारनाथ को बौद्ध धर्म** में, विशेषकर 21वीं सदी में, सर्वाधिक **पूजनीय तीर्थ स्थलों में से एक माना जाता है।**
  - सारनाथ में ही गौतम बुद्ध **ने** ज्ञान प्राप्ति के बाद अपना पहला उपदेश दिया था, जिसके बाद **धर्मचक्र** प्रवर्तन हुआ था।
  - सारनाथ को **संघ का जन्मस्थान भी माना जाता है**- जो बुद्ध के शिष्यों और अनुयायियों का समुदाय है।
  - ऐसा माना जाता है कि सम्राट अशोक ने बुद्ध के प्रथम उपदेश की स्मृति में **249 ईसा पूर्व में सारनाथ** में धमेख स्तूप का निर्माण कराया था।
  - 12वीं शताब्दी में **राजा गोविंद चंद्र की पत्नी द्वारा सारनाथ में धर्म-चक्र-जिन विहार मठ** का निर्माण कराया गया, जिससे इसकी आध्यात्मिक विरासत और भी समृद्ध हुई।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ (IBC)

- यह सबसे बड़ा **धार्मिक बौद्ध संघ** है।
- इस संघ का उद्देश्य वैश्विक मंच पर बौद्ध धर्म की भूमिका का निर्माण करना है, ताकि बौद्ध धर्म की विरासत को संरक्षित करने, ज्ञान साझा करने और मूल्यों को बढ़ावा देने में मदद मिल सके तथा वैश्विक वार्ता में सार्थक भागीदारी के साथ बौद्ध धर्म का संयुक्त प्रतिनिधित्व किया जा सके।
- नवंबर 2011 में नई दिल्ली में **'वैश्विक बौद्ध मंडली'** (GBC) की मेज़बानी की गई थी, जहाँ उपस्थित लोगों ने सर्वसम्मति से एक अंतर्राष्ट्रीय अंब्रेला निकाय- **अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ (IBC)** के गठन के प्रस्ताव को अपनाया।
- **मुख्यालय:** दिल्ली (भारत)

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

उत्तर प्रदेश में अग्निवीरों के लिये क्षैतिज आरक्षण

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश सरकार ने राज्य पुलिस बल में विभिन्न पदों पर पूर्व अग्निवीरों को **20%** क्षैतिज आरक्षण देने की घोषणा की है।

- आरक्षण के अतिरिक्त, सरकार ने उनकी भर्ती को आसान बनाने के लिये **आयु में 3 वर्ष की छूट** भी प्रदान की है।

प्रमुख बिंदु

- **अग्निपथ योजना:**
  - **परिचय:**
    - "**अग्निवीर**" शब्द का अर्थ है "अग्नि-योद्धा" और यह एक **नई सैन्य रैंक** है।
    - यह योजना **उन सैन्य कर्मियों की भर्ती के लिये लागू की गई है जो अधिकारी रैंक से नीचे के होते हैं,** जैसे **सैनिक, वायुसैनिक (एयरमैन)** और **नाविक (सेलर),** जो भारतीय सशस्त्र बलों में कमीशन प्राप्त अधिकारी नहीं होते।
    - इनकी **भर्ती 4 वर्षों की अवधि** के लिये की जाती है, जिसके पश्चात् इन अग्निवीरों में से **अधिकतम 25%** को **स्थायी कमीशन** (अगले 15 वर्षों के लिये), योग्यता और संगठनात्मक आवश्यकताओं के आधार पर सेवाओं में शामिल किया जा सकता है।
    - वर्तमान में, चिकित्सा शाखा के तकनीकी संवर्ग को छोड़कर **सभी सैनिक, वायुसैनिक और नाविकों** की भर्ती इस योजना के अंतर्गत की जा रही है।
  - **पात्रता मापदंड:**
    - इस योजना के लिये **17.5 वर्ष से 23 वर्ष** की आयु के अभ्यर्थी आवेदन के पात्र हैं (अधिकतम आयु सीमा को 21 वर्ष से बढ़ाकर 23 वर्ष किया गया है)।
    - **निर्धारित आयु सीमा के अंतर्गत आने वाली लड़कियाँ भी अग्निपथ प्रवेश के लिये पात्र हैं,** हालाँकि इस योजना के तहत महिलाओं के लिये कोई विशेष आरक्षण प्रावधान नहीं है।
  - **वेतन एवं लाभ:**
    - **ड्यूटी के दौरान मृत्यु:** यदि किसी अग्निवीर की मृत्यु ड्यूटी पर होती है, तो उसके परिवार को कुल **₹1 करोड़** की राशि प्रदान की जाती है, जिसमें **सेवा निधि पैकेज** तथा सेवाकाल के शेष वेतन की राशि सम्मिलित होती है।
    - **दिव्यांगता:** यदि किसी अग्निवीर को सैन्य सेवा के कारण या उसके दौरान दिव्यांगता होती है, तो दिव्यांगता की गंभीरता के आधार पर अधिकतम **₹44 लाख** तक का मुआवज़ा दिया जा सकता है। यह राशि केवल उन्हीं मामलों में दी जाती है, **जहाँ दिव्यांगता सैन्य सेवा के कारण उत्पन्न हुई हो** या उसमें वृद्धि हुई हो।
  - **पेंशन:** परंपरागत प्रणाली के सैनिकों के विपरीत, अग्निवीरों को 4 वर्ष की सेवा के बाद नियमित पेंशन का लाभ नहीं दिया जाता।
    - स्थायी कमीशन के लिये चयनित होने वाले **केवल 25%** लोग ही पेंशन के लिये पात्र होंगे।
  - **अग्निपथ का लक्ष्य:**
    - यह योजना **सशस्त्र बलों में युवा प्रोफाइल को बनाए रखने, बल संरचना को अनुकूलित करने, संचालन क्षमता को बढ़ाने** तथा **रक्षा व्यय में दीर्घकालिक वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित करने** के उद्देश्य से लागू की गई है।

आरक्षण

- आरक्षण एक प्रकार की **सकारात्मक कार्यवाही (Affirmative Action) है, जिसे हाशिये पर पड़े वर्गों के मध्य समानता को बढ़ावा देने** तथा उन्हें **सामाजिक और ऐतिहासिक अन्याय से संरक्षण** प्रदान करने के लिये बनाया गया है।
- सामान्यत: इसका अर्थ है समाज के **वंचित वर्गों को रोज़गार और शिक्षा की उपलब्धि में प्राथमिकता** देना है।
- इसकी शुरुआत ऐतिहासिक भेदभाव के **अन्याय को सुधारने और वंचित समुदायों को प्रोत्साहन** देने के उद्देश्य से की गई थी।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- भारत में लोगों के साथ ऐतिहासिक रूप से जाति के आधार पर भेदभाव किया गया है।
- **ऊर्ध्वाधर आरक्षण:**
  - अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य पिछड़े वर्गों के लिये आरक्षण को ऊर्ध्वाधर आरक्षण कहा जाता है।
  - यह कानून के अंतर्गत निर्दिष्ट **प्रत्येक समूह पर पृथक रूप से लागू** होता है।
  - **उदाहरण:** संविधान का अनुच्छेद 16(4) ऊर्ध्वाधर आरक्षण का प्रावधान करता है।
- **क्षैतिज आरक्षण:**
  - यह उन अन्य **लाभार्थी वर्गों** जैसे महिलाओं, पूर्व सैनिकों, ट्रांसजेंडर समुदाय, और दिव्यांग व्यक्तियों को प्रदान किये जाने वाले **समान अवसर को संदर्भित** करता है, जो उर्ध्वाधर श्रेणियों (vertical categories) के पार जाकर लागू होता है।
    - क्षैतिज आरक्षण **प्रत्येक उर्ध्वाधर श्रेणी पर पृथक रूप से लागू किया जाता है, न कि समग्र रूप से।**
  - **उदाहरण:** संविधान का अनुच्छेद 15(3) क्षैतिज आरक्षण का प्रावधान करता है।

नमामि गंगे मिशन

चर्चा में क्यों?

विश्व पर्यावरण दिवस 2025 (5 जून 2025) पर नमामि गंगे मिशन के तहत एक **विशेष कार्यक्रम बुलंदशहर, उत्तर प्रदेश** में आयोजित किया गया, जिसमें **पारिस्थितिक बहाली, टिकाऊ प्रथाओं** और **नदी संरक्षण** के लिये **आधुनिक तकनीक** पर ध्यान केंद्रित किया गया।

- **नोट: मॉन्ट्रियल** में संयुक्त राष्ट्र जैवविविधता सम्मेलन में **गंगा पुनरुद्धार कार्यक्रम** को दुनिया की **शीर्ष 10 पारिस्थितिकी तंत्र बहाली पहलों** में से एक माना गया।

मुख्य बिंदु

- **कार्यक्रम की मुख्य बातें:**
- **सीवेज और प्रदूषण नियंत्रण उपाय:**
  - गंगा बेसिन में स्थित सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट अनुपचारित अपशिष्ट जल को नदी में जाने से रोक रहे हैं।
  - **प्रदूषण फैलाने वालों** के ख़िलाफ़ **सख्त कार्रवाई** पर ज़ोर दिया गया, साथ ही **सामुदायिक नदी संरक्षकों (गंगा प्रहरियों)** की **महत्त्वपूर्ण भूमिका** पर भी ज़ोर दिया गया।
- **प्राकृतिक खेती को बढ़ावा:**
  - **रासायनिक उर्वरक** के उपयोग को कम करने, **मृदा स्वास्थ्य** में सुधार लाने तथा **नदियों में अपवाह** को रोकने के लिये **प्राकृतिक खेती** को बढ़ावा दिया गया।
  - सतत् कृषि और **जल संरक्षण** को बढ़ावा देने के लिये **पारंपरिक जैव-आगतों** की सिफ़ारिश की गई।
- **तकनीकी एकीकरण की भूमिका:**
  - **प्रदूषण के प्रमुख स्थानों** की पहचान करने तथा नदी में प्रवेश करने वाले **नालों** का पता लगाने के लिये **ड्रोन** और LiDAR (लाइट डिटेक्शन एंड रेंजिंग) सर्वेक्षण जैसे **आधुनिक उपकरणों** का उपयोग किया जा रहा है।
  - **ग्रामीण और अर्द्ध-शहरी क्षेत्रों** में **पर्यावरण जागरूकता** को बढ़ावा देने के लिये राष्ट्रीय पुस्तक न्यास (NBT) द्वारा एक **मोबाइल लाइब्रेरी, पुस्तक परिक्रमा** शुरू की गई।
- **पारिस्थितिकी बहाली कार्य:**
  - **जलीय जीवन** को बहाल करने के लिये **बसी घाट** पर **मछलियों और कछुओं** को छोड़ा गया।
  - गंगा डॉल्फ़िन और **मीठे पानी के कछुओं** के लिये **बचाव केंद्र**, लुप्तप्राय प्रजातियों के **संरक्षण** में **महत्त्वपूर्ण भूमिका** निभाता है।
- **वृक्षारोपण एवं वनरोपण:**
  - "एक पेड़, माँ के नाम" पहल के तहत **पेड़ लगाए गए**, जिससे **पारिस्थितिकी संतुलन** में वनीकरण की भूमिका को **मज़बूती** मिली।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

नमामि गंगे कार्यक्रम

- **परिचय:** यह **प्रदूषण को कम करने, जल की गुणवत्ता में सुधार लाने** और **नदी के पारिस्थितिकी तंत्र को बहाल कर गंगा नदी** और उसकी सहायक नदियों के संरक्षण के लिये एक **प्रमुख कार्यक्रम** है।
- **कार्यान्वयन:** **गंगा नदी के संरक्षण हेतु पाँच स्तरीय संरचना**।
- **NGP के 8 स्तंभ:**

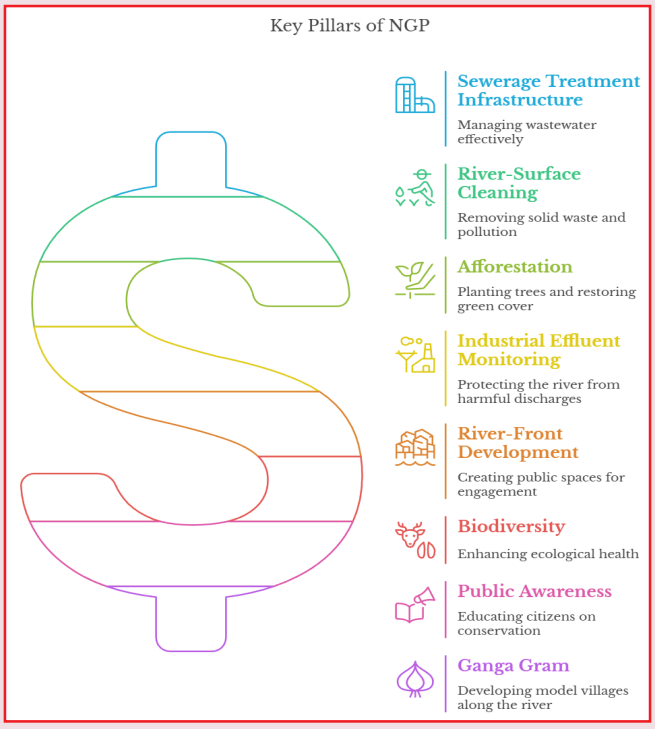

दुधवा टाइगर रिज़र्व में तितली विविधता

चर्चा में क्यों?

अपनी **विशाल बाघ आबादी** के लिये प्रसिद्ध **उत्तर प्रदेश** का **दुधवा टाइगर रिज़र्व (DTR)** अब **तितलियों** की **180 प्रजातियों** का भी आश्रय स्थल बन गया है, जो **एक स्वस्थ पारिस्थितिकी तंत्र** और **बेहतर संरक्षण प्रयासों** का संकेत है।

मुख्य बिंदु

- **तितली प्रजातियों में वृद्धि:**
  - **लखनऊ विश्वविद्यालय** द्वारा हाल ही में किये गए सर्वेक्षण में DTR में 110 से अधिक तितली प्रजातियाँ दर्ज की गईं, जबकि पहले ज्ञात संख्या केवल 45 थी।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- **प्रवासी एवं दुर्लभ प्रजातियाँ:**
  - **उत्तराखंड से प्रवासी तितलियाँ** उत्तर प्रदेश में बढ़ती विविधता में योगदान देती हैं।
  - पहचानी गई दुर्लभ और उल्लेखनीय प्रजातियों में कॉमन मॉर्मन, कॉमन माइन, कॉमन लाइम, टॉनी कोस्टर, गौडी बैरन (दुर्लभ), स्ट्राइप्ड टाइगर, कॉमन टाइगर (दोनों लिंग), ग्रे काउंट (दुर्लभ), कमांडर शामिल हैं।
- **महत्त्व:**
  - तितलियाँ, जिन्हें जैव-संकेतक **के रूप में जाना जाता है,** जलवायु परिवर्तन के प्रति अत्यधिक संवेदनशील होती हैं तथा केवल पारिस्थितिकी रूप से स्वस्थ वातावरण में ही पनपती हैं।
  - यह तीव्र वृद्धि **एक अधिक स्वस्थ एवं संतुलित पारिस्थितिकी तंत्र का संकेत है।**
- **दुधवा टाइगर रिज़र्व (DTR) के बारे में:**
- **पृष्ठभूमि**
  - **संरक्षणवादी बिली अर्जन सिंह ने जनवरी 1977 में दुधवा को राष्ट्रीय उद्यान का दर्जा** दिलाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।
  - **बाद में वर्ष 1987 में** इसे टाइगर रिज़र्व घोषित कर दिया गया।
  - **दुधवा टाइगर रिज़र्व (DTR) में शामिल हैं:**
    - दुधवा राष्ट्रीय उद्यान
    - किशनपुर वन्यजीव अभयारण्य
    - कतर्नियाघाट वन्यजीव अभयारण्य
    - उत्तरी खीरी, दक्षिण खीरी और शाहजहाँपुर वन प्रभागों के बफर ज़ोन।
- **वनस्पति और जीव:**
  - यह क्षेत्र ऊपरी गंगा के मैदानों के तराई-भाबर **पारिस्थितिकी तंत्र का प्रतिनिधित्व करता है।**
  - यहाँ की वनस्पति मुख्यत: उत्तर भारतीय नम पर्णपाती वन **है।**
  - यह रिज़र्व अपनी समृद्ध जैवविविधता के लिये जाना जाता है, जहाँ विभिन्न प्रकार की वनस्पतियाँ और जीव पाए जाते हैं जिनमें बंगाल टाइगर, भारतीय गैंडा, दलदली हिरण, तेंदुआ **और पक्षियों की कई प्रजातियाँ शामिल हैं।**
- **जैवविविधता और संरक्षण स्थिति:**
  - 490.3 वर्ग किमी. क्षेत्र में फैले दुधवा राष्ट्रीय उद्यान में **उत्तर प्रदेश के कुल 205 बाघों में से 135 बाघ हैं,** जो वर्ष 2018 के 82 बाघों से उल्लेखनीय वृद्धि को दर्शाता है।
  - **वर्ष 2022 की अखिल भारतीय बाघ जनगणना** में, दुधवा टाइगर रिज़र्व (DTR) को बाघ आबादी के लिये **भारत में चौथा स्थान दिया गया।**

नोट:

- वर्ष 2015 में, महाराष्ट्र "ब्लू मॉर्मन" (*पैपिलियो पॉलीमनेस्टर*) को अपना **राज्य तितली नामित करने वाला भारत का पहला राज्य बन गया।**
- यह तितली **भारत में** दक्षिणी बर्डविंग के बाद दूसरी सबसे बड़ी तितली है।

संत कबीरदास जयंती 2025

चर्चा में क्यों?

प्रधानमंत्री ने संत कबीरदास की **648वीं जयंती** के अवसर पर, जिसे कबीरदास जयंती **(कबीर प्रकट दिवस)** के रूप में मनाया जाता है, पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

मुख्य बिंदु

- **ऐतिहासिक पृष्ठभूमि:**
  - **कबीरदास जयंती** हर वर्ष हिंदू पंचांग के अनुसार **ज्येष्ठ मास की पूर्णिमा तिथि** को मनाई जाती है।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- **कबीरदास** 15वीं शताब्दी के **कवि, संत** तथा समाज सुधारक थे, जिनका जन्म सन् **1440** में **वाराणसी (उत्तर प्रदेश)** में एक **हिंदू परिवार** में हुआ था, लेकिन उनका **पालन-पोषण** एक **मुस्लिम बुनकर दंपत्ति** द्वारा किया गया था।
- उन्होंने **रामानंद** और **शेख तकी** जैसे **गुरुओं** से **आध्यात्मिक मार्गदर्शन** प्राप्त किया तथा अपने **अद्वितीय दर्शन** को आकार दिया।

दर्शन, कार्य और शिक्षाएँ:

- वे भक्ति आंदोलन में एक **उल्लेखनीय व्यक्ति** थे, जिसमें **ईश्वर के प्रति समर्पण और प्रेम** पर विशेष ज़ोर दिया गया।
- **भक्ति आंदोलन** की शुरुआत 7वीं शताब्दी में **दक्षिण भारत** में हुई थी, जो 14वीं व 15वीं शताब्दी तक **उत्तर भारत** में फैल गया।
- उन्होंने **कबीर पंथ** की स्थापना की, जो एक **आध्यात्मिक समुदाय** है, जिसके अनुयायी आज भी **बड़ी संख्या** में विद्यमान हैं।
- उनके प्रमुख **साहित्यिक योगदानों** में **बीजक, सखी ग्रंथ, कबीर ग्रंथावली** तथा **अनुराग सागर** शामिल हैं।
- उन्होंने अनेक **भजन** और **दोहे** लिखे, जिनमें **अंधविश्वास की निंदा** की गई तथा **सामाजिक सुधार, स्वतंत्र चिंतन** एवं **आध्यात्मिक एकता** को बढ़ावा दिया गया।
- ब्रजभाषा और अवधी बोलियों में लिखी गई उनकी **कविताओं** ने भारतीय साहित्य और **हिंदी भाषा** के विकास में **महत्त्वपूर्ण योगदान** दिया।

मृत्यु और प्रतीकात्मक विरासत:

- **कबीरदास** का निधन सन् **1518** में **मगहर (उत्तर प्रदेश)** में हुआ, जहाँ उनके **अंतिम संस्कार** को लेकर **हिंदुओं और मुसलमानों** के बीच **विवाद** उत्पन्न हुआ।
- **संत कबीर** की **विरासत** को दोनों **समुदायों** द्वारा **सम्मान** दिया जाता है, वहाँ **हिंदुओं** द्वारा निर्मित **समाधि** है और **मुसलमानों** द्वारा निर्मित **मज़ार**, एक साथ स्थित हैं।

राष्ट्रीय आपातकाल के 50 वर्ष

चर्चा में क्यों?

50 वर्ष पूर्व 12 जून 1975 को, इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने **इंदिरा नेहरू गाँधी बनाम श्री राज नारायण केस, 1975** में **इंदिरा गाँधी** के **1971 के चुनाव** को **अवैध** घोषित कर दिया, जिसके परिणामस्वरूप **25 जून 1975** को राष्ट्रीय आपातकाल की घोषणा कर दी गई, जो **मार्च 1977** तक जारी रहा।

मुख्य बिंदु

इंदिरा नेहरू गाँधी बनाम श्री राज नारायण केस, 1975

- यह भारत के संवैधानिक और लोकतांत्रिक इतिहास में एक **मील का पत्थर** है, जिसकी पृष्ठभूमि **1971 के आम चुनावों** से जुड़ी है, जिसमें **प्रधानमंत्री इंदिरा गाँधी** ने **समाजवादी नेता राज नारायण** को पराजित किया था। इस पराजय के बाद राज नारायण ने चुनावी कदाचार के आधार पर कानूनी चुनौती दी।

चुनावी संदर्भ और आरोप:

- राज नारायण ने आरोप लगाया कि इंदिरा गाँधी ने **चुनावी लाभ** के लिये **सरकारी मशीनरी और सार्वजनिक धन** का दुरुपयोग किया, जो जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 का उल्लंघन है।
  - उन्होंने इन **कथित कदाचारों** के आधार पर उनके **चुनाव को अमान्य** घोषित करने हेतु **इलाहाबाद उच्च न्यायालय** में याचिका दायर की।

इलाहाबाद उच्च न्यायालय का निर्णय:

- **न्यायालय** ने पाया कि इंदिरा गाँधी ने **चुनाव प्रचार** के लिये **सरकारी मशीनरी** का दुरुपयोग किया है। परिणामस्वरूप, उनका चुनाव **अवैध घोषित** कर दिया गया तथा उन्हें प्रधानमंत्री **पद के लिये अयोग्य** ठहराया गया।

सर्वोच्च न्यायालय में अपील:

- इंदिरा गाँधी ने **उच्च न्यायालय के निर्णय** के विरुद्ध सर्वोच्च न्यायालय में अपील दायर की तथा **अंतरिम रोक** और निष्कर्षों को चुनौती देने का अवसर मांगा।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- **आपातकाल की घोषणा:**
  - राजनीतिक अस्थिरता के बीच **25 जून 1975** को इंदिरा गाँधी की सरकार ने **राष्ट्रीय आपातकाल** की घोषणा कर दी, जिसके परिणामस्वरूप **नागरिक स्वतंत्रताएँ निलंबित**, **प्रेस पर सेंसरशिप लागू** और **चुनाव स्थगित** कर दिये गए।

राष्ट्रीय आपातकाल से संबंधित मुख्य तथ्य:

- **राष्ट्रीय आपातकाल के बारे में:**
  - जब **भारत या उसके किसी भाग** की सुरक्षा को **युद्ध, बाह्य आक्रमण** (बाह्य आपातकाल) या **सशस्त्र विद्रोह** (आंतरिक आपातकाल) से खतरा होता है, तब **राष्ट्रपति अनुच्छेद 352** के अंतर्गत **राष्ट्रीय आपातकाल** की घोषणा कर सकते हैं।
- **38वाँ संशोधन अधिनियम, 1975:**
  - इस संशोधन ने राष्ट्रपति को **युद्ध, बाह्य आक्रमण, सशस्त्र विद्रोह** अथवा इसके **आसन्न खतरे** के आधार पर आपातकालीन उद्घोषणा जारी करने की अनुमति दी।
- **44वाँ संशोधन अधिनियम, 1978:**
  - इसने **"आंतरिक अशांति"** के स्थान पर **"सशस्त्र विद्रोह"** शब्द को प्रतिस्थापित किया, ताकि आपातकाल के प्रयोग को सीमित किया जा सके।
- **प्रादेशिक विस्तार:**
  - आपातकाल की घोषणा **संपूर्ण देश** या **किसी विशिष्ट भाग** तक सीमित की जा सकती है। 42वाँ संशोधन अधिनियम, 1976 ने राष्ट्रपति को भारत के **एक विशिष्ट हिस्से** में आपातकाल लागू करने में सक्षम बनाया।
- **संसदीय अनुमोदन:**
  - **44वाँ संशोधन अधिनियम, 1978** के अनुसार, आपातकाल की घोषणा को **एक माह के भीतर** दोनों सदनों द्वारा विशेष बहुमत से अनुमोदित किया जाना अनिवार्य है (पूर्व में यह अवधि दो माह थी)।
  - यदि घोषणा के समय **लोकसभा भंग** हो, तो **राज्यसभा का अनुमोदन वैध** रहेगा, किंतु **पुनर्गठित लोकसभा** को अपनी **पहली बैठक के 30 दिनों के भीतर** इसे अनुमोदित करना होगा।
- **अवधि:**
  - आपातकाल **6 माह** तक लागू रहता है और इसे प्रत्येक **6 माह** में संसद की स्वीकृति से **अनिश्चितकाल तक बढ़ाया जा सकता है** (44वाँ संशोधन, 1978)।
- **निरसन:**
  - आपातकाल को राष्ट्रपति द्वारा कभी भी, संसद **की स्वीकृति के बिना** वापस लिया जा सकता है।
- **लोकसभा द्वारा अस्वीकृति का प्रावधान:**
  - यदि लोकसभा के कुल सदस्यों का **दसवाँ हिस्सा** अध्यक्ष (यदि सत्र चल रहा हो) या राष्ट्रपति (यदि सत्र स्थगित हो) को **लिखित सूचना** देता है, तो **14 दिनों के भीतर विशेष बैठक** आहूत करनी होगी।
- इस बैठक में **साधारण बहुमत** से प्रस्ताव पारित कर आपातकाल को **अस्वीकृत** किया जा सकता है।
- **न्यायिक समीक्षा:**
  - 38वाँ संशोधन अधिनियम, 1975 ने **आपातकालीन घोषणा** को **न्यायिक समीक्षा से बाहर** कर दिया था।
  - बाद में **44वाँ संशोधन अधिनियम, 1978** द्वारा इस प्रावधान को **विलोपित** कर दिया गया।
- **मिनर्वा मिल्स मामला, 1980:**
  - **सर्वोच्च न्यायालय** ने निर्णय दिया कि यदि आपातकाल की घोषणा **दुर्भावनापूर्ण, अप्रासंगिक तथ्यों या विकृत जानकारी** पर आधारित हो, तो उसे **चुनौती दी जा सकती है**।

राम प्रसाद बिस्मिल की जयंती

चर्चा में क्यों?

11 जून 2025 को स्वतंत्रता सेनानी राम प्रसाद बिस्मिल की जयंती मनाई गई। अपनी क्रांतिकारी भावना और काव्य प्रतिभा के लिये प्रसिद्ध, **बिस्मिल** ने ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन **के खिलाफ भारत के संघर्ष** में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

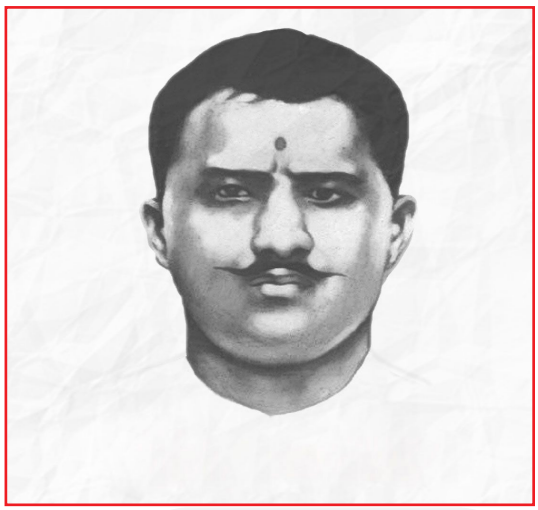

मुख्य बिंदु

- **जन्म:**
  - बिस्मिल का जन्म 11 जून, 1897 को उत्तर प्रदेश के शाहजहाँपुर ज़िले में हुआ था।
- **प्रारंभिक प्रभाव और विचारधारा:**
  - बिस्मिल आर्य समाज (वर्ष 1875 में दयानंद सरस्वती द्वारा स्थापित) में शामिल हो गए और **'बिस्मिल' यानी 'घायल' या 'बेचैन'** जैसे नामों का उपयोग करते हुए एक **प्रतिभाशाली लेखक तथा कवि** बन गए।
  - एक भारतीय राष्ट्रवादी और आर्यसमाजी धर्मप्रचारक **भाई परमानंद** को मौत की सज़ा के बारे में पढ़कर **उनमें पहली बार देशभक्ति की भावना उत्पन्न** हुई।
  - 18 वर्ष की आयु में उन्होंने अपनी पीड़ा को **'मेरा जन्म'** नामक सशक्त कविता के माध्यम **से व्यक्त किया**।
  - वह **गांधीवादी तरीकों के विपरीत स्वतंत्रता संग्राम के क्रांतिकारी तरीकों में विश्वास करते** थे।
- **प्रमुख योगदान:**
- **मैनपुरी षड्यंत्र:**
  - बिस्मिल का कॉन्ग्रेस पार्टी की उदारवादी विचारधारा से मोहभंग हो गया और उन्होंने **'मातृवेदी'** नामक एक क्रांतिकारी संगठन की स्थापना की।
  - वे वर्ष 1918 के **'मैनपुरी षड्यंत्र** में शामिल थे, जिसमें बिस्मिल और दीक्षित को सरकार द्वारा प्रतिबंधित पुस्तकें बेचते हुए पाया गया था।
    - 28 जनवरी, 1918 को बिस्मिल ने पैम्फलेट के रूप में अपने दो लेखों- **देशवासियों के नाम संदेश (ए मैसेज टू कंट्रीमेन)** और **मैनपुरी की प्रतिज्ञा (वाउ ऑफ मैनपुरी)** को आम लोगों में वितरित किया।
  - वर्ष 1918 में तीन मौकों पर उन्होंने अपनी पार्टी के लिये धन इकट्ठा करने हेतु सरकारी खजाने को लूटा।
- **हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन की स्थापना:**
  - **वर्ष 1920 में** उन्होंने सचिंद्र नाथ सान्याल और जादूगोपाल मुखर्जी के साथ **हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन (HRA)** का गठन किया।
  - HRA का घोषणा-पत्र मुख्य रूप से बिस्मिल द्वारा लिखा गया, **जिसका उद्देश्य सशस्त्र क्रांति के माध्यम से संयुक्त राज्य भारत के रूप में एक संघीय गणराज्य** की स्थापना करना था।
- **काकोरी कांड:**
  - **वर्ष 1925 में** काकोरी ट्रेन डकैती HRA की एक बड़ी कार्रवाई थी, जिसका उद्देश्य अपनी गतिविधियों और प्रचार हेतु धन प्राप्त करना था।
  - बिस्मिल और उनके साथी **चंद्रशेखर आज़ाद एवं अशफाकउल्ला खान** ने लखनऊ के पास काकोरी में ट्रेन लूटने का फैसला किया।
  - वे अपने प्रयास में सफल रहे हालाँकि घटना के एक महीने के भीतर एक दर्जन अन्य HRA सदस्यों के साथ गिरफ्तार कर लिये गए और उन पर **काकोरी षडयंत्र केस के तहत मुकदमा चलाया गया।**
  - यह कानूनी प्रक्रिया 18 महीने चली। **बिस्मिल, लाहिड़ी, खान और ठाकुर रोशन सिंह को मौत की सज़ा** दी गई।
- **साहित्यिक योगदान:**
  - बिस्मिल ने **हिंदी और उर्दू में देशभक्ति से ओतप्रोत कविताएँ लिखीं,** जिनसे असंख्य भारतीयों को स्वतंत्रता संग्राम में शामिल होने की प्रेरणा मिली।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- उनकी प्रसिद्ध कविता **'सरफ़रोशी की तमन्ना अब हमारे दिल में है'** स्वतंत्रता आंदोलन का **जयघोष** बन गई।
- उनकी रचनाओं में सामाजिक न्याय, **मानव गरिमा** तथा **समानता** के प्रति गहरी चिंता परिलक्षित होती है।

- **शहादत:**
  - ब्रिटिश सरकार ने **बिस्मिल को 19 दिसंबर 1927 को गोरखपुर जेल** में फाँसी दे दी।

नोट:

अगस्त 2025 में, उत्तर प्रदेश सरकार ने **'काकोरी कांड' का नाम बदलकर 'काकोरी ट्रेन एक्शन' कर दिया, जिसमें कहा गया कि 'कांड' (जिसका अर्थ है 'घटना' या 'घोटाला')** शब्द एक नकारात्मक अर्थ रखता है और भारत के स्वतंत्रता संग्राम में इस ऐतिहासिक कृत्य के महत्त्व को कम करता है।

एक पेड़ माँ के नाम 2.0 अभियान

चर्चा में क्यों?

'एक पेड़ माँ के नाम 2.0' अभियान के तहत, **भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (NHAI) ने** उत्तर प्रदेश के बागपत में **दिल्ली-देहरादून कॉरिडोर** पर 40,000 पेड़ लगाने के लिये **वृक्षारोपण अभियान** शुरू किया।

मुख्य बिंदु

'एक पेड़ माँ के नाम 2.0' का राष्ट्रव्यापी प्रभाव:

- **'एक पेड़ माँ के नाम 2.0'** पहल के अंतर्गत NHAI अब तक **देशभर में राष्ट्रीय राजमार्गों** पर **5.12 लाख से अधिक पेड़** लगा चुका है।
  - इस पहल के दूसरे **चरण का शुभारंभ प्रधानमंत्री द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून, 2025 को** किया गया।
    - इसका उद्देश्य है **माताओं के नाम पर वृक्षारोपण को प्रोत्साहित करके उन्हें सम्मानित करना** तथा **पर्यावरण संरक्षण को मातृत्व के प्रति श्रद्धांजलि** के साथ जोड़ना, जो यह दर्शाता है कि **माताएँ भी पेड़ों की भाँति जीवन का पोषण और संरक्षण करती हैं।**

- **अभियान का लक्ष्य है:**
  - राजमार्गों के किनारे **वृक्षारोपण** की पूर्ण संतृप्ति
  - सरकारी निकायों, **स्थानीय प्राधिकरणों तथा समुदायों सहित** अनेक हितधारकों की भागीदारी
  - **हरित, लचीले और टिकाऊ** राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क का निर्माण

- **भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (NHAI):**
  - NHAI की स्थापना **NHAI अधिनियम, 1988** के तहत **सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय (MoRTH)** के प्रशासनिक नियंत्रण में की गई थी।
  - **उद्देश्य:** इसे **राष्ट्रीय राजमार्ग विकास परियोजना (NHDP)** सहित **विकास, रखरखाव और प्रबंधन** हेतु **अन्य लघु परियोजनाएँ** सौंपी गई हैं।
    - **वर्ष 1998 में शुरू की गई NHDP** भारत में **प्रमुख राजमार्गों को उच्चतर स्तर तक उन्नत, पुनर्वासित और चौड़ा** करने की एक परियोजना है।
    - **विजन: राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क के प्रावधान और रखरखाव** के लिये **वैश्विक मानकों** के अनुरूप **राष्ट्र की आवश्यकताओं** को पूरा करना तथा **उपयोगकर्त्ताओं की अपेक्षाओं** को **सबसे समयबद्ध और लागत-प्रभावी तरीके** से पूरा करना एवं **लोगों की आर्थिक भलाई व जीवन की गुणवत्ता** को **बढ़ावा देना।**

शारदा नदी

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश के सीतापुर ज़िले के देवराघाट के निकट **शारदा नदी** की तेज़ धाराओं में बह जाने से कई लोगों की मृत्यु हो गई।

मुख्य बिंदु

- **शारदा नदी के बारे में:**
  - **उत्पत्ति और प्रवाहमार्ग:**
    - शारदा नदी, जिसे ऊपरी भाग में **काली नदी** के नाम से भी जाना जाता है, उत्तराखंड से निकलती है।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- इसका **उद्गम** महान हिमालय में नंदा देवी पर्वत की पूर्वी ढलानों पर स्थित है।
- सामान्यत: दक्षिण-दक्षिण-पश्चिम दिशा में बहती हुई यह **नदी उत्तराखंड (भारत) और पश्चिमी नेपाल के बीच सीमा बनाती है।**
- पहाड़ों से उतरने के बाद यह नदी **नेपाल** के **बरमदेव मंडी** में सिंधु-गंगा के मैदान में प्रवेश करती है।

शारदा बैराज के ऊपर नदी का विस्तार बढ़ने के कारण इसे **शारदा नदी** कहा जाता है।

- भारत में प्रवेश करने के बाद, शारदा नदी उत्तरी उत्तर प्रदेश से होकर दक्षिण-पूर्व की ओर बहती है।
- यह अंतत: **बहराइच के दक्षिण-पश्चिम में** घाघरा नदी से मिलती है। इसकी कुल लंबाई लगभग 480 किमी. (300 मील) है।

प्रमुख सहायक नदियाँ:

- **शारदा नदी** की प्रमुख सहायक नदियाँ धौलीगंगा, गोरीगंगा तथा सरयू नदी हैं।

शारदा बैराज और नहर प्रणाली:

- **उत्तराखंड में बनबसा के पास स्थित** शारदा बैराज सिंचाई में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है।
- यह वर्ष 1930 **में पूरी हुई शारदा नहर का उद्गम स्थल है,** जो उत्तर भारत की सबसे लंबी सिंचाई नहरों में से एक है।

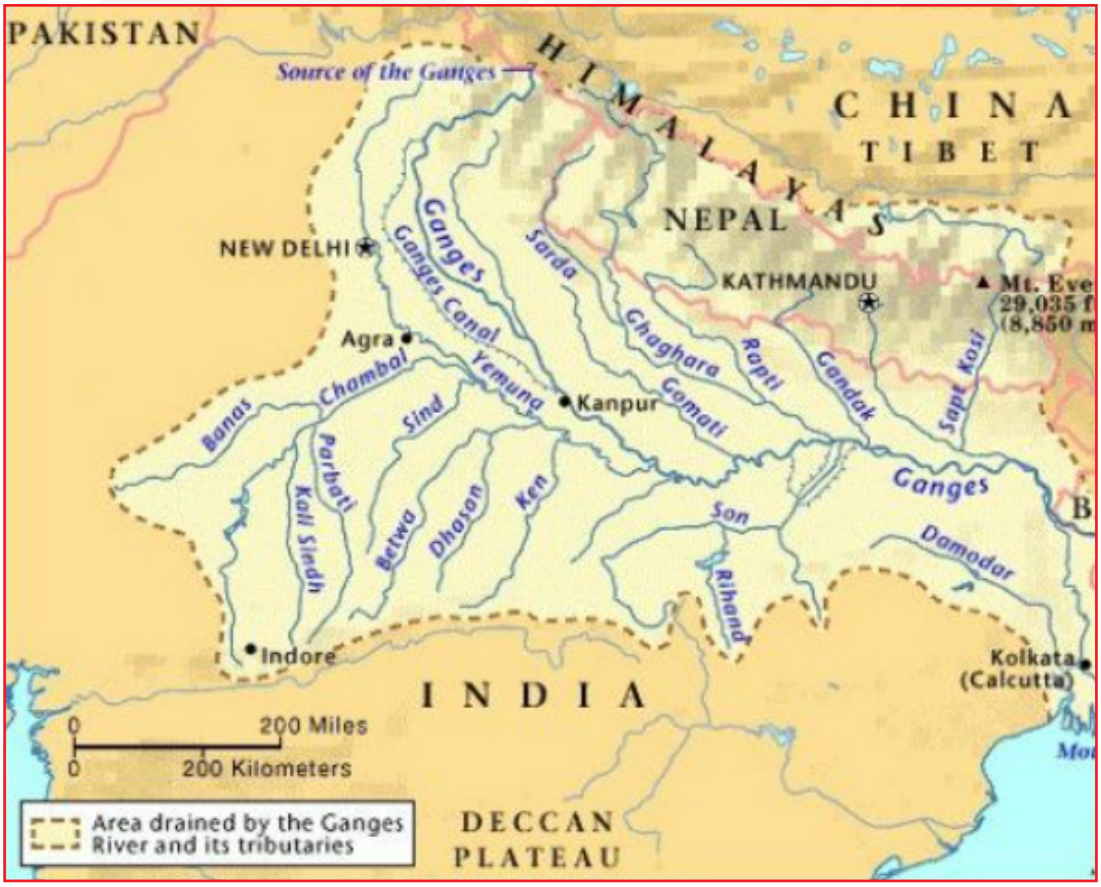

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

घाघरा नदी

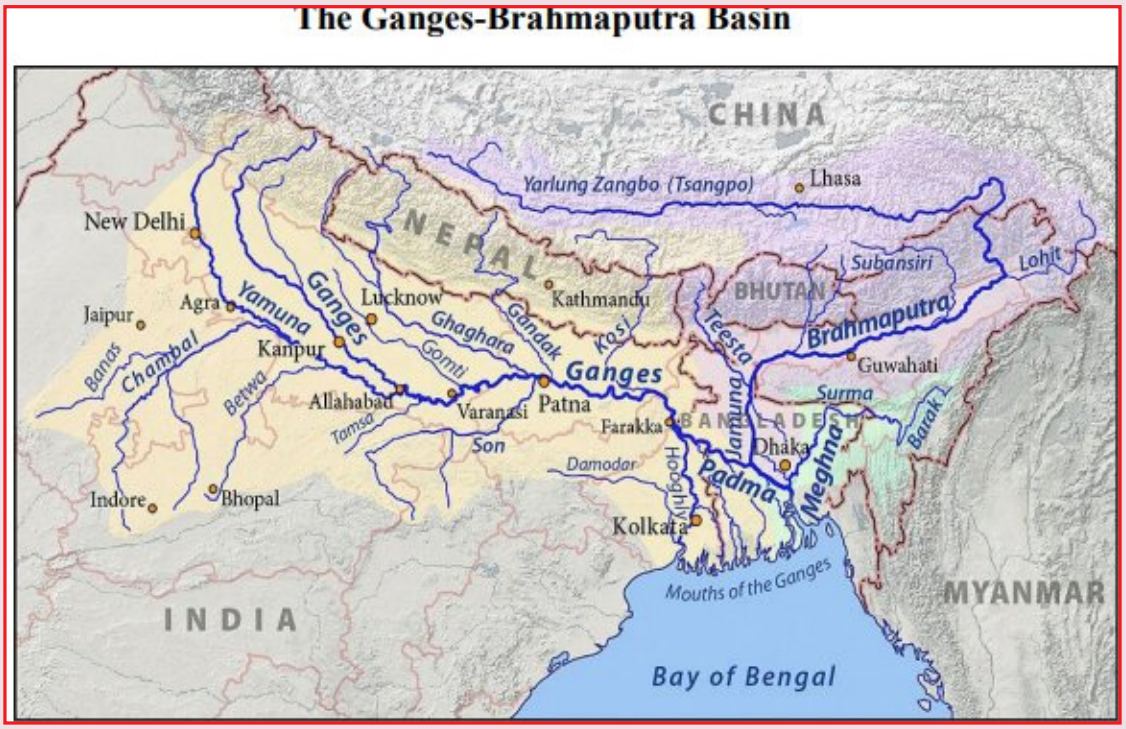

- **उद्गम एवं ऊपरी मार्ग:**
  - **घाघरा नदी**, गंगा नदी की एक प्रमुख **बायीं तटवर्ती सहायक नदी** है। इसका **उद्गम चीन** के **दक्षिणी तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र** के उच्च हिमालय में **करनाली नदी** के रूप में होता है।
  - **नेपाल** से **दक्षिण-पूर्व** की ओर बहते हुए यह नदी शिवालिक पर्वतमाला को काटते हुए पहाड़ों से नीचे उतरती है और ती है।
- **नदी का निर्माण:**
  - **शिवालिक श्रेणी** को पार करने के बाद नदी **दो शाखाओं** में विभाजित हो जाती है।
  - ये शाखाएँ **भारत-नेपाल सीमा** के **दक्षिण** में पुन: मिलती हैं तथा **घाघरा नदी** के नाम से जानी जाती हैं।
- **प्रमुख सहायक नदियाँ:**
  - **उत्तर** से घाघरा में मिलने वाली प्रमुख सहायक नदियों में **कुवां नदी**, राप्ती नदी, **छोटी गंडक नदी** शामिल हैं।
  - ये सहायक नदियाँ नदी के **जल-स्तर** में **महत्त्वपूर्ण योगदान** देती हैं तथा **उत्तरी उत्तर प्रदेश** के विस्तृत जलोढ़ मैदानों को आकार देने में सहायता करती हैं।
  - अपने **निचले क्षेत्रों** में **घाघरा नदी** को **सरयू नदी**, **देवहा** आदि नामों से भी जाना जाता है।
  - **दूसरी शताब्दी** के यूनानी भूगोलवेत्ता टॉलेमी ने इसे **सरबोस** नाम से संदर्भित किया था।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

ULBs को राज्य क्षेत्रक योजना से वित्तीय अनुदान मिलेगा

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश सरकार ने नगर निगमों, नगर पालिकाओं और नगर पंचायतों सहित शहरी स्थानीय निकायों (ULBs) को **शहरी विकास विभाग** से अनुमोदन प्राप्त किये बिना **10 करोड़ रुपए** तक की बुनियादी ढाँचा **परियोजनाओं** को सीधे निष्पादित करने का अधिकार दिया है।

- इस कदम का उद्देश्य **वित्तीय बाधाओं** को दूर करना तथा **ULBs** को अपने समुदायों की **बुनियादी ढाँचे संबंधी आवश्यकताओं** को, विशेष रूप से **सार्वजनिक हित परियोजनाओं** के लिये, पूरा करने में सक्षम बनाना है।

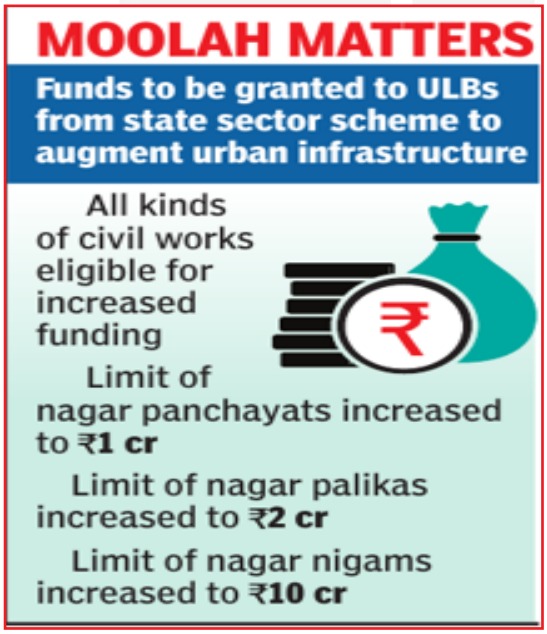

मुख्य बिंदु

- **बुनियादी ढाँचे के कार्यों का विस्तारित क्षेत्र:**
  - प्रारंभ में **शहरी विकास विभाग** ने **ULBs** को जल निकासी कार्यों के लिये अधिक व्यय सीमा के साथ कार्य करने की अनुमति दी थी। अब इस लचीलेपन को विस्तारित करते हुए विभिन्न प्रकार के **नागरिक निर्माण कार्यों** को भी इसमें शामिल कर लिया गया है।
- **इस योजना के अंतर्गत अब निम्नलिखित प्रकार के कार्यों की अनुमति दी गई है:**
  - सीवरेज लाइनों, सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट्स, **पंपिंग स्टेशन** तथा **जल आपूर्ति प्रणालियों** का निर्माण तथा विस्तार।
  - **जल मीटर, ट्यूबवेल, ओवरहेड टैंक** तथा वर्षा जल संचयन प्रणाली की स्थापना।
  - **जल पुनर्चक्रण** तथा **जल शोधन ढाँचा**।
- **अतिरिक्त अनुमेय कार्य:** ULBs को निम्नलिखित परियोजनाओं के क्रियान्वयन के लिये भी अधिकृत किया गया है:
  - जल निकायों से गाद निकालना।
  - रिटेनिंग वॉल का निर्माण।
  - वृक्षारोपण अभियान।
  - सौर ऊर्जा आधारित प्रकाश व्यवस्था की स्थापना।
- **वित्तीय प्रावधान:**
  - इन परियोजनाओं का वित्तपोषण **ULBs को उपलब्ध बढ़ी हुई** बजटीय आवंटन तथा राज्य क्षेत्रक योजना के अंतर्गत कार्यक्रमों के क्रियान्वयन हेतु उपलब्ध प्रावधानों के माध्यम से किया जा सकता है। इससे यह सुनिश्चित होता है कि बुनियादी ढाँचे के काम को पूरा करने के लिये धन **आसानी से उपलब्ध हो।**

उत्तर प्रदेश सरकार ने मक्का खेती की ओर बढ़ते रुझान को रेखांकित किया

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश सरकार ने प्रगतिशील किसानों के बीच **मक्का की खेती** की ओर बढ़ती प्रवृत्ति को रेखांकित किया है, जिसका प्रमुख कारण इस फसल के **आर्थिक लाभ, कम जल आवश्यकता** तथा **उच्च पोषणीय मूल्य** को माना गया है।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

मुख्य बिंदु

- **मक्का के बारे में मुख्य तथ्य:**
  - मक्का को **पानी की कम आवश्यकता होती है** और यह महत्त्वपूर्ण **पोषणीय लाभ** प्रदान करता है, जिससे यह अनेक किसानों के लिये एक स्थायी विकल्प बन गया है।
  - मक्का की बुवाई के लिये आदर्श समय 15 जून से 15 जुलाई तक है। यदि सिंचाई उपलब्ध है, तो **मई के अंत में बुवाई शुरू की जा सकती है** , जिससे भारी बारिश शुरू होने से पहले जल्दी विकास हो सके।
  - आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाने से मक्का की **उपज 100 क्विंटल प्रति हेक्टेयर** तक पहुँच सकती है।
  - **वर्तमान में तमिलनाडु** 59.39 क्विंटल प्रति हेक्टेयर की औसत उपज के साथ अग्रणी है, जबकि **उत्तर प्रदेश में यह औसत** 21.63 क्विंटल प्रति हेक्टेयर है, जो वृद्धि की पर्याप्त संभावनाओं को दर्शाता है।
    - परंपरागत रूप से **मेंथा उत्पादन** के लिये प्रसिद्ध **बाराबंकी ज़िले** में अब **मक्का की खेती की ओर तीव्र रूप से झुकाव** देखा जा रहा है।
  - मक्का को इसके प्रचुर पोषक तत्त्वों, जैसे कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन, विटामिन और खनिज के कारण **"अनाज की रानी" माना जाता है।**
    - मक्का को **स्वीट कॉर्न, बेबी कॉर्न,** जैव ईंधन (biofuels) तथा बायोप्लास्टिक उत्पादन सहित **अनेक उपयोगों** के लिये उपयुक्त माना जाता है।
- **सरकारी समर्थन:**
  - राज्य सरकार ने किसानों के लिये **क्विक मक्का विकास कार्यक्रम** शुरू किया है तथा न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) की भी घोषणा की है।
  - **वर्ष 2024-25 के लिये मक्का का MSP 2,225 रुपए प्रति क्विंटल** निर्धारित किया गया है।
  - **मक्का की खरीद 15 जून से 31 जुलाई** तक **विभिन्न ज़िलों** में की जाएगी।
  - राज्य सरकार ने **वर्ष 2027 तक मक्का उत्पादन को दुगुना करने** का **लक्ष्य** निर्धारित किया है।

उत्तर प्रदेश में मॉडल रॉकेट का परीक्षण

चर्चा में क्यों?

एस्ट्रोनॉटिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया (ASI) ने IN-SPACe (भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष संवर्द्धन और प्राधिकरण केंद्र) तथा भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) के सहयोग से अक्तूबर 2025 में निर्धारित छात्र मॉडल रॉकेटरी प्रतियोगिता की तैयारी के तहत **रॉकेट लॉन्च परीक्षणों** का सफलतापूर्वक संचालन किया।

मुख्य बिंदु

- **भारतीय अंतरिक्ष यात्री सोसाइटी (ASI):**
  - भारत में अंतरिक्ष यात्रियों के विकास को बढ़ावा देने के लिये वर्ष **1990** में ASI की स्थापना की गई थी।
  - यह अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष यात्री महासंघ (IAF), **पेरिस** में अपनी भूमिका के माध्यम से विकासशील देशों के हितों का सक्रिय रूप से समर्थन करता है, जहाँ यह एक **मतदान सदस्य** के रूप में कार्य करता है।
- **छात्र मॉडल रॉकेटरी प्रतियोगिता:**
  - कुशीनगर में प्रस्तावित IN-SPACe कैनसैट (**CANSAT**) तथा मॉडल रॉकेटरी इंडिया छात्र प्रतियोगिता 2024-25, स्नातक छात्रों को **अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी** का व्यावहारिक अनुभव प्रदान करेगी। इसमें छात्र CANSAT तथा मॉडल रॉकेट के **डिज़ाइन, निर्माण और प्रक्षेपण** में भाग लेंगे।
    - कैनसैट वे छोटे उपग्रह होते हैं, जो सॉफ्ट ड्रिंक के डिब्बे में समा जाते हैं। इन्हें साउंडिंग रॉकेट के माध्यम से कुछ सौ मीटर की ऊँचाई तक प्रक्षेपित किया जाता है और पैराशूट के सहारे नीचे उतारा जाता है।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष संवर्धन एवं प्राधिकरण केंद्र (IN-SPACe)

परिचय:

- IN-SPACe एक एकल-द्वार, स्वतंत्र और नोडल एजेंसी है, जो **अंतरिक्ष विभाग (DOS)** के अंतर्गत एक स्वायत्त संस्था के रूप में कार्य करती है। इसका गठन वर्ष **2020** में अंतरिक्ष क्षेत्र में सुधारों के बाद, निजी क्षेत्र की भागीदारी को सक्षम एवं सुविधाजनक बनाने के लिये किया गया था।

प्रमुख कार्य:

- IN-SPACe गैर-सरकारी संस्थाओं (NGEs) की अंतरिक्ष गतिविधियों को **प्रोत्साहित**, अधिकृत और पर्यवेक्षण करता है। इसके अंतर्गत प्रक्षेपण वाहनों का निर्माण, अंतरिक्ष सेवाएँ प्रदान करना, **ISRO** के बुनियादी ढाँचे को साझा करना तथा नई अंतरिक्ष सुविधाओं की स्थापना शामिल है।
- IN-SPACe, **ISRO** और NGEs के बीच इंटरफेस के रूप में कार्य करता है, जिससे अंतरिक्ष अभियानों में निजी क्षेत्र की भागीदारी को सरल और प्रभावी बनाया जा सके।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन)
क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें!
क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें
क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग
क्लिक करें या स्कैन करें!

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO)

- **परिचय:**
  - ISRO का मुख्यालय बंगलूरू, कर्नाटक में स्थित है। यह अंतरिक्ष विभाग के अधीन कार्य करता है और भारत की राष्ट्रीय अंतरिक्ष एजेंसी है, जो राष्ट्रीय तथा वैश्विक हितों के लिये अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी को आगे बढ़ाने पर केंद्रित है।
- **ऐतिहासिक पृष्ठभूमि:**
  - ISRO का विकास **भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष अनुसंधान समिति (INCOSPAR)** से हुआ, जिसकी स्थापना वर्ष **1962** में डॉ. विक्रम साराभाई के दृष्टिकोण के तहत की गई थी।
  - वर्ष **1969** में ISRO को औपचारिक रूप से स्थापित किया गया, जिसने INCOSPAR का स्थान लिया और अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में भारत की भूमिका को सुदृढ़ किया।
- वर्ष **1972** में अंतरिक्ष विभाग की स्थापना हुई और ISRO को इसके प्रशासनिक नियंत्रण में लाया गया।
- **मुख्य उद्देश्य:**
  - ISRO/अंतरिक्ष विभाग का लक्ष्य राष्ट्रीय आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु **अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी** का विकास एवं अनुप्रयोग करना है, जिनमें शामिल हैं:
    - संचार और प्रसारण
    - मौसम सेवाएँ
    - संसाधन निगरानी और प्रबंधन
    - नेविगेशन तथा पोजिशनिंग सिस्टम
- **प्रमुख उपलब्धियाँ:**
  - ISRO ने भारत में टेलीविज़न, मौसम पूर्वानुमान तथा उपग्रह आधारित संसाधन मानचित्रण के लिये प्रमुख **अंतरिक्ष प्रणालियाँ** विकसित की हैं।
  - इसने उपग्रहों को वांछित कक्षा में स्थापित करने हेतु ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान (PSLV) तथा भूस्थिर उपग्रह प्रक्षेपण यान (GSLV) जैसे **स्वदेशी प्रक्षेपण यान** भी विकसित किये हैं।

लखनऊ का यूनेस्को गैस्ट्रोनॉमी शहर के लिये नामांकन

चर्चा में क्यों?

अपनी संस्कृति, व्यंजन परंपरा और विरासत के लिये प्रसिद्ध **लखनऊ** को आधिकारिक तौर पर **"गैस्ट्रोनॉमी के शहर"** श्रेणी के तहत यूनेस्को क्रिएटिव सिटीज नेटवर्क (UCCN) में नामांकन हेतु प्रस्तुत किया गया है।

- वर्तमान में, **हैदराबाद** भारत का **एकमात्र शहर** है जिसे **UCCN** के तहत **"गैस्ट्रोनॉमी का शहर"** का **दर्जा प्राप्त** है।

मुख्य बिंदु

- **यूनेस्को क्रिएटिव सिटीज़ नेटवर्क (UCCN):**
  - इसकी स्थापना वर्ष **2004** में उन **शहरों के बीच सहयोग को बढ़ावा** देने के लिये की गई थी, जिन्होंने **रचनात्मकता** को सतत् शहरी विकास के लिये एक **रणनीतिक कारक** के रूप में पहचाना है।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- सतत् विकास लक्ष्य (SDG)-11 का उद्देश्य **शहरों और मानव बस्तियों** को **समावेशी, सुरक्षित, टिकाऊ और सक्षम** बनाना है।
- नेटवर्क में सात रचनात्मक क्षेत्र शिल्प एवं लोक कला, **मीडिया कला, फिल्म, डिज़ाइन, गैस्ट्रोनॉमी, साहित्य** और **संगीत** शामिल हैं।
- गैस्ट्रोनॉमी क्षेत्र में **सदस्य शहरों में** अल्बा (इटली), अरेक्विपा (पेरू), बर्गेन (नॉर्वे), बेलेम (ब्राज़ील) और बेंडिगो (ऑस्ट्रेलिया) शामिल हैं।

UCCN में भारतीय शहर (2023 तक):

- कुल **10 भारतीय शहर** विभिन्न रचनात्मक क्षेत्रों में UCCN का हिस्सा हैं, जिनमें मुख्य हैं– **कोझीकोड** (साहित्य), **ग्वालियर** (संगीत), **जयपुर** (शिल्प और लोक कला), वाराणसी (संगीत), **चेन्नई** (संगीत), **मुंबई** (फिल्म), **हैदराबाद** (पाककला), श्रीनगर (शिल्प और लोक कला)।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को उनकी पुण्यतिथि (24 जून) पर श्रद्धांजलि अर्पित की तथा अखंड भारत के लिये उनके दृष्टिकोण और अनुच्छेद 370 को समाप्त करने पर प्रकाश डाला।

मुख्य बिंदु

परिचय एवं उपलब्धियाँ:

- श्यामा प्रसाद मुखर्जी का जन्म **6 जुलाई, 1901** को **कलकत्ता** में एक बंगाली ब्राह्मण परिवार में हुआ था।
- वह एक भारतीय **राजनीतिज्ञ, बैरिस्टर और शिक्षाविद** थे जिन्होंने प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के मंत्रिमंडल में उद्योग और आपूर्ति मंत्री के रूप में कार्य किया।
- उन्होंने वर्ष 1922 में **बंगाली पत्रिका "बंगवाणी"** और वर्ष 1940 में **द नेशनलिस्ट** की शुरुआत की।
- श्यामा प्रसाद मुखर्जी 33 वर्ष की आयु में वर्ष 1934 में कलकत्ता विश्वविद्यालय के सबसे युवा **कुलपति** बने और वर्ष 1938 तक इस पद पर रहे।

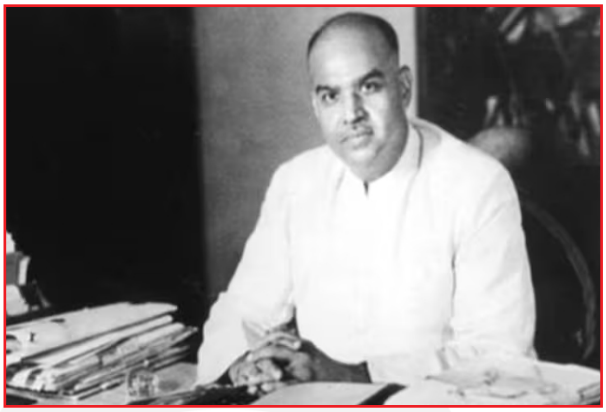

स्वतंत्रता के बाद:

- वर्ष 1946 में उन्होंने बंगाल विभाजन का समर्थन किया ताकि इसके हिंदू-बहुल क्षेत्रों को मुस्लिम बहुल पूर्वी पाकिस्तान में शामिल होने से रोका जा सके।
- वर्ष 1947 में उन्होंने सुभाष चंद्र बोस के भाई शरत बोस और बंगाली मुस्लिम राजनेता **हुसैन शहीद सुहरावर्दी** द्वारा प्रस्तावित **संयुक्त किंतु स्वतंत्र बंगाल** की असफल पहल का भी विरोध किया।
- उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्ववर्ती भारतीय जनसंघ (BJS) की स्थापना की और इसके पहले अध्यक्ष बने।
- वह **अनुच्छेद 370** और बिना पूर्व अनुमति के **जम्मू-कश्मीर** में प्रवेश पर रोक लगाने वाले अन्य प्रतिबंधों के खिलाफ थे।
  - वह जम्मू-कश्मीर राज्य के भारतीय संघ में पूर्ण एकीकरण के पक्ष में थे।

मृत्यु:

- जून 1953 में कश्मीर को दिये गए **विशेष दर्जे के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करते समय** हिरासत में रहने के दौरान रहस्यमय परिस्थितियों में उनकी **मृत्यु** हो गई।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

वाराणसी में मध्य क्षेत्रीय परिषद की 25वीं बैठक

चर्चा में क्यों?

केंद्रीय गृह मंत्री एवं सहकारिता **मंत्री ने** उत्तर प्रदेश के वाराणसी में 25वीं मध्य **क्षेत्रीय परिषद** बैठक की अध्यक्षता की।

- **इसका आयोजन अंतर-राज्यीय परिषद सचिवालय** द्वारा उत्तर प्रदेश सरकार के सहयोग से किया गया था।

मुख्य बिंदु

बैठक के बारे में:

- प्रधानमंत्री की **दृढ़ इच्छाशक्ति** तथा भारतीय सशस्त्र बलों की **बहादुरी** की प्रशंसा करने वाले **प्रस्ताव** को **मध्य क्षेत्रीय परिषद** द्वारा **सर्वसम्मति** से अनुमोदित किया गया।
- गृह मंत्री ने इस बात पर **प्रकाश डाला** कि **मध्य क्षेत्रीय परिषद** एकमात्र ऐसी **क्षेत्रीय परिषद** है, जहाँ **सदस्य राज्यों** के बीच कोई **मुद्दा** या **विवाद** मौजूद नहीं है तथा यह एक **महत्त्वपूर्ण उपलब्धि** है।
- **वर्ष 2004 से 2014** के बीच जहाँ केवल **11 क्षेत्रीय परिषद बैठकें** तथा **14 स्थायी समिति बैठकें** आयोजित हुईं, वहीं वर्ष **2014 से 2025** के बीच **28 क्षेत्रीय परिषद बैठकें** तथा **33 स्थायी समिति बैठकें** हुईं, जो **दोगुनी वृद्धि** को दर्शाता है।
- इन बैठकों में कुल **1,287 मुद्दों** का **समाधान** किया गया, जो एक ऐतिहासिक और उत्साहवर्द्धक उपलब्धि है।
- अन्य प्रमुख मुद्दों के अतिरिक्त महिलाओं तथा बच्चों के खिलाफ बलात्कार के मामलों की त्वरित जाँच तथा न्यायिक निपटान के लिये फास्ट ट्रैक विशेष न्यायालयों (FTSC) की स्थापना, प्रत्येक गाँव के निर्दिष्ट दायरे में भौतिक बैंकिंग सुविधाओं का प्रावधान तथा आपातकालीन प्रतिक्रिया सहायता **प्रणाली** (ERSS-112) के **कार्यान्वयन** सहित कुल **19 मुद्दों** पर **विस्तृत चर्चा** की गई।
- गृह मंत्री ने आह्वान किया कि **परिषद** के सभी **राज्यों** को बाल कुपोषण का **उन्मूलन**, स्कूल छोड़ने वालों की दर को **शून्य** तक लाना तथा **सहकारी क्षेत्र** को मज़बूत करने के लिये प्रतिबद्धता दिखाएँ।
- उन्होंने सदस्य राज्यों से यह भी आग्रह किया कि वे ग्राम पंचायतों के राजस्व में वृद्धि करें तथा भारत की त्रिस्तरीय पंचायती राज प्रणाली को मज़बूत करने के लिये नियम बनाएँ।

क्षेत्रीय परिषदें

- **परिचय:**
  - **क्षेत्रीय परिषदें राज्य पुनर्गठन अधिनियम, 1956** के तहत स्थापित **वैधानिक निकाय** हैं, **राज्यों के बीच सहकारी कार्य** को बढ़ावा देने और एक **स्वस्थ अंतर-राज्यीय तथा केंद्र-राज्य वातावरण** बनाने के लिये एक **उच्च-स्तरीय सलाहकार मंच के रूप** में की गई है।
  - क्षेत्रीय परिषदों का विचार पहली बार पूर्व **प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू द्वारा 1956** में **राज्य पुनर्गठन आयोग (फज़ल अली आयोग, 1953)** की **रिपोर्ट** पर चर्चा के दौरान प्रस्तावित किया गया था।
  - **राज्य पुनर्गठन अधिनियम, 1956** की **धारा 15 से 22** के अंतर्गत **पाँच क्षेत्रीय परिषदों** की स्थापना की गई।
  - उत्तर-पूर्वी क्षेत्र के लिये एक **अलग परिषद** है, जिसे **पूर्वोत्तर परिषद** कहा जाता है। इसकी स्थापना वर्ष **1972 में, पूर्वोत्तर परिषद अधिनियम, 1972** के अंतर्गत की गई थी।
  - सात **पूर्वोत्तर राज्यों को क्षेत्रीय परिषदों में शामिल नहीं किया गया है और उनकी विशेष समस्याओं को पूर्वोत्तर**

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

परिषद अधिनियम, 1972 के तहत स्थापित **पूर्वोत्तर परिषद** द्वारा देखा जाता है।

- **पूर्वोत्तर परिषद (संशोधन) अधिनियम, 2002** के तहत सिक्किम राज्य को भी पूर्वोत्तर परिषद में शामिल किया गया है।

संघटन:

क्षेत्रीय परिषद	राज्य अमेरिका
मध्य क्षेत्रीय परिषद	उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, उत्तराखंड
उत्तरी क्षेत्रीय परिषद	हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, पंजाब, राजस्थान, दिल्ली, चंडीगढ़
पूर्वी क्षेत्रीय परिषद	बिहार, झारखंड, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, सिक्किम
पश्चिमी क्षेत्रीय परिषद	राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र, गोवा, दादरा और नगर हवेली, दमन एवं दीव
दक्षिणी क्षेत्रीय परिषद	आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु, पुदुचेरी

संगठनात्मक संरचना:

- **अध्यक्ष:** सभी पाँच क्षेत्रीय परिषदों के लिये **केंद्रीय गृहमंत्री** अध्यक्ष होते हैं। वे **पूर्वोत्तर परिषद (NEC)** के **पदेन अध्यक्ष** भी होते हैं।
- **उपाध्यक्ष:** किसी एक सदस्य राज्य के मुख्यमंत्री होते हैं, जिन्हें **वार्षिक क्रमानुसार** के आधार पर चुना जाता है।
- **सदस्य:** इसके सदस्यों में सदस्य राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के मुख्यमंत्री, **उपराज्यपाल या प्रशासक** शामिल होते हैं।
  - इसके अतिरिक्त, प्रत्येक सदस्य राज्य से राज्यपाल दो मंत्रियों को परिषद के सदस्य के रूप में नामित करता है।
- **सलाहकार:** नीति आयोग (पूर्व में योजना आयोग) से एक नामित व्यक्ति, सदस्य राज्यों के मुख्य सचिव और विकास आयुक्त।
  - प्रत्येक **क्षेत्रीय परिषद** में एक **स्थायी समिति होती है, जिसमें** सदस्य राज्यों के **मुख्य सचिव** शामिल होते हैं। **राज्य द्वारा प्रस्तावित मुद्दों पर सबसे पहले इस समिति द्वारा चर्चा की जाती है और फिर अनसुलझे मामलों को** आगे के विचार-विमर्श के लिये पूर्ण **क्षेत्रीय परिषद के समक्ष रखा जाता है।**

उद्देश्य:

- राष्ट्रीय एकीकरण को साकार करना।
- **तीव्र राज्यक संचेतना, क्षेत्रवाद तथा विशेष प्रकार की प्रवृत्तियों के विकास को रोकना।**
- केंद्र एवं राज्यों को विचारों एवं अनुभवों का आदान-प्रदान करने तथा सहयोग करने के लिये सक्षम बनाना।
- विकास परियोजनाओं के सफल एवं तीव्र निष्पादन के लिये राज्यों के बीच सहयोग के वातावरण की स्थापना करना।

कार्य: प्रत्येक क्षेत्रीय परिषद एक **सलाहकार निकाय** होती है और निम्नलिखित विषयों पर चर्चा एवं अनुशंसा कर सकती है-

- **आर्थिक और सामाजिक नियोजन** के क्षेत्र में सामान्य हित का कोई भी मामला;
- सीमा विवाद, भाषाई अल्पसंख्यकों या अंतर-राज्यीय परिवहन से संबंधित कोई भी मामला;
- राज्य पुनर्गठन अधिनियम, 1956 के तहत राज्यों के पुनर्गठन से संबंधित या उससे उत्पन्न कोई भी मामला।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

चंबल नदी में घड़ियाल शावकों की संख्या में वृद्धि

चर्चा में क्यों?

राष्ट्रीय चंबल अभयारण्य में **इटावा रेंज में 1,186** तथा **बाह रेंज में 840** घड़ियाल के बच्चे पैदा हुए हैं, जो अब चंबल नदी में आनंदपूर्वक विचरण कर रहे हैं।

- घड़ियाल के अंडों को सेने (Incubation) में 50 से 60 दिन लगते हैं तथा जून के आरंभ में बच्चे बाहर निकलते हैं और यह प्रक्रिया लगभग **एक माह तक चलती है**।

मुख्य बिंदु

घड़ियाल के बारे में:

- **परिचय**
  - **घड़ियाल (*Gavialis gangeticus*)** अपने लंबे थूथन के कारण अन्य मगरमच्छों से अलग है।
  - ये **सबसे बड़े जीवित** सरीसृप हैं, जो मुख्य रूप से **मीठे पानी के दलदलों, झीलों और नदियों** में रहते हैं, जिनमें एक **खारे पानी की प्रजाति भी शामिल** है।
  - ये **रात्रिचर** और **पोइकिलोथर्मिक** (जिन्हें बाह्य-ऊष्मीय या शीत-रक्तीय जीव कहा जाता है तथा इनके शरीर का तापमान आसपास के वातावरण के साथ बदलता रहता है) होते हैं।
- **वितरण:**
  - **भारतीय वन्यजीव संस्थान** के अनुसार, घड़ियाल **भारत, भूटान, बांग्लादेश, नेपाल तथा पाकिस्तान** की ब्रह्मपुत्र, **गंगा**, **सिंधु** एवं **महानदी-ब्रह्मणी-बैतरणी नदी प्रणालियों** में व्यापक रूप से पाए जाते हैं।
  - वर्तमान में, उनकी प्रमुख आबादी **गंगा की तीन सहायक** नदियों (भारत में चंबल और गिरवा, तथा नेपाल में राप्ती-नारायणी नदी) में पाई जाती है।
  - ओडिशा भारत का एकमात्र राज्य है, जहाँ तीनों देशज मगरमच्छ प्रजातियाँ- **घड़ियाल** (Gavialis gangeticus), **मगर** (Crocodylus palustris) और **खारे पानी के मगरमच्छ** (Crocodylus porosus) प्राकृतिक रूप से पाई जाती हैं।
- **जनसंख्या:**
  - भारत में वैश्विक घड़ियालों की कुल जंगली आबादी का **लगभग 80% हिस्सा** रहता है। लगभग **3,000 घड़ियाल** देश के विभिन्न संरक्षित क्षेत्रों जैसे- राष्ट्रीय चंबल अभयारण्य, कतर्नियाघाट तथा **सोन घड़ियाल अभयारण्य** में पाए जाते हैं।
- **मगरमच्छ संरक्षण परियोजना:**
  - भारत ने **संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम** और **खाद्य एवं कृषि संगठन** के सहयोग से ओडिशा के **भितरकनिका राष्ट्रीय उद्यान** में **मगरमच्छ संरक्षण परियोजना** का शुभारंभ किया।
  - इसने **"रियर एंड रिलीज़" पद्धति** को अपनाया, **भितरकनिका और सतकोसिया टाइगर रिज़र्व** जैसे संरक्षित आवासों का निर्माण किया तथा **कैप्टिव ब्रीडिंग** और **जन-जागरूकता** को बढ़ावा दिया, जिससे यह मगरमच्छ संरक्षण के लिये एक राष्ट्रीय मॉडल बन गया है।
  - **विश्व मगरमच्छ दिवस (17 जून)** पर, भारत अपने **मगरमच्छ संरक्षण परियोजना (CCP) (1975-2025) के 50 वर्ष पूरे होने** का स्मरण स्मरण कर रहा है।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

भारत में मगरमच्छ की प्रजातियाँ

भारत में मगरमच्छ की तीन विविध प्रजातियाँ पाई जाती हैं - मगर, खारे पानी का मगरमच्छ, और घड़ियाल- देश भर में अलग-अलग आवासों में पाए जाते हैं।

दृष्टिकोण	घड़ियाल	मगर /भारतीय मगरमच्छ	खारे पानी का मगरमच्छ
वैज्ञानिक नाम	गेवियलिस गैंगेटिकस 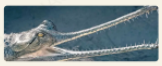	क्रोकोडायलस पलुस्ट्रिस	क्रोकोडायलस पोरोसस
वितरण: भारत	**बहुल आबादी:** राष्ट्रीय चंबल अभयारण्य (उत्तर प्रदेश, राजस्थान, मध्यप्रदेश) **आबादी:** सोन, गंडक, हुगली, घाघरा और सतकोसिया वन्य जीव अभयारण्य (ओडिशा)	संपूर्ण भारत में	पूर्वी तट (ओडिशा का भितरकनिका वन्य जीव अभयारण्य, अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह तट और सुंदरवन)
वितरण: पड़ोस	भूटान और बांग्लादेश की ब्रह्मपुत्र और इरावदी नदी	भूटान और म्यांमार में विलुप्त	पूरे दक्षिण पूर्व एशिया में
विशेष सुविधा	सभी मगरमच्छों में सबसे लंबा, लंबा और पतले मुँह वाला	अंडे देने वाले, घोंसला बनाने वाले, चौड़े और यू-आकार का मुँह	सबसे अधिक जीवित सरीसृप, नुकीला और V-आकार का मुँह
प्राकृतिक वास	ताज़े जल	ताज़े जल	खारा पानी, खारा और आर्द्रभूमि
IUCN स्थिति	CR	VU	LC
CITES स्थिति	परिशिष्ट I	परिशिष्ट I	परिशिष्ट I
CMS स्थिति	परिशिष्ट I	-	परिशिष्ट II
WPA,1972 स्थिति	अनुसूची I	अनुसूची I	अनुसूची I
संकट	बाँध, प्रदूषण, रेत खनन	आवास नष्ट हो गए हैं	इसका खाल और पर्यावास हानि के लिये शिकार हुआ
सरकारी पहल	ओडिशा: महानदी नदी बेसिन में घड़ियाल के संरक्षण के लिये 1000 रुपए का पुरस्कार भारतीय मगरमच्छ संरक्षण परियोजना, 1975	भारतीय मगरमच्छ संरक्षण परियोजना, 1975 मगर संरक्षण कार्यक्रम मद्रास क्रोकोडाइल बैंक ट्रस्ट	भारतीय मगरमच्छ संरक्षण परियोजना, 1975

विविध तथ्य

- **17 जून:** विश्व मगरमच्छ दिवस
- **वार्षिक सरीसृप जनगणना, 2023:** खारे पानी के मगरमच्छों की संख्या में मामूली वृद्धि **(भीतरकनिका राष्ट्रीय उद्यान और इसके आस-पास के क्षेत्र)**
- **ओडिशा का केंद्रपाड़ा ज़िला:** भारत का एकमात्र ज़िला जहाँ मगरमच्छ की तीनों प्रजातियाँ पाई जाती हैं।

Drishti IAS

Prepare with DrishtiIAS

राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!

हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!

राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!

निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

राष्ट्रीय चंबल अभयारण्य

- इसे वर्ष 1979 में चंबल नदी की लगभग 425 किमी लंबाई में एक नदी अभयारण्य के रूप में स्थापित किया गया था।
- इसके **बीहड़** राजस्थान, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के त्रि-बिंदु के पास **चंबल नदी** के किनारे 2-6 किमी तक विस्तृत हैं।
- राष्ट्रीय चंबल अभयारण्य को **महत्त्वपूर्ण पक्षी क्षेत्र (IBA)** के रूप में सूचीबद्ध किया गया है तथा यह एक प्रस्तावित रामसर स्थल भी है।

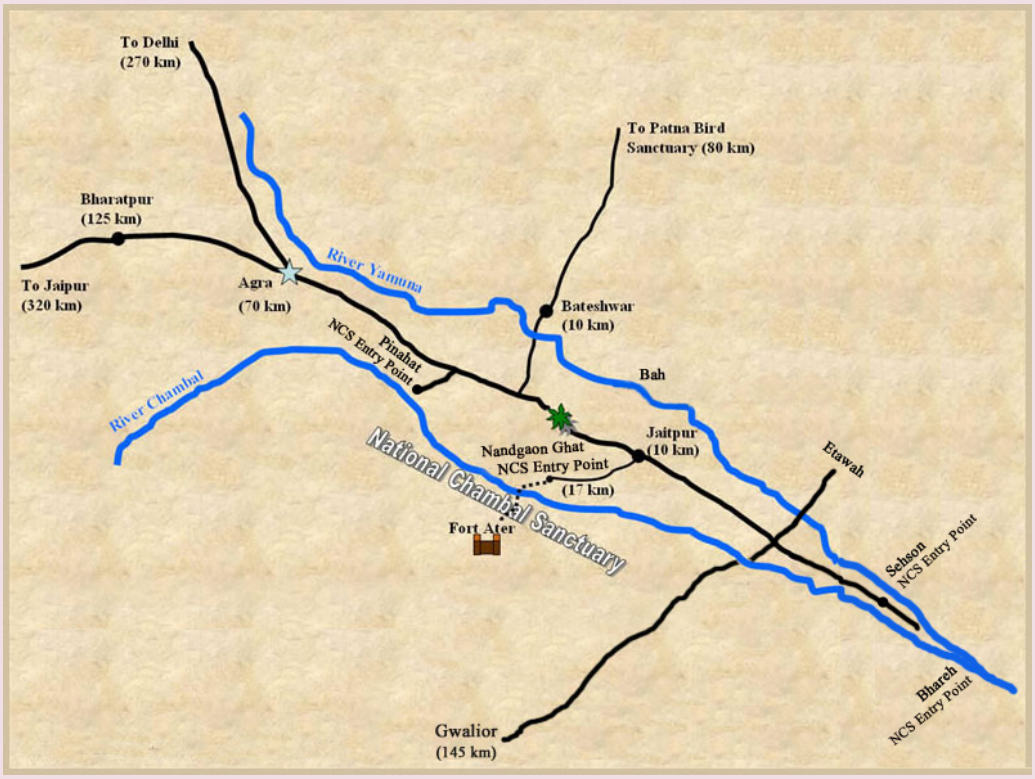

उत्तर प्रदेश में बनेंगे चार आधुनिक बचाव केंद्र

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश सरकार मानव और बड़े मांसाहारी जीवों के बीच बढ़ते टकराव को देखते हुए चार **आधुनिक बचाव केंद्रों** की स्थापना कर रही है।

मुख्य बिंदु

बचाव केंद्रों के बारे में

- **वन एवं वन्यजीव विभाग** मानव-वन्यजीव संघर्षों, विशेष रूप से बाघ, तेंदुआ **और सियार** जैसे **बड़े मांसाहारी जानवरों** के संघर्षों को कम करने और उनसे निपटने के लिये **चार आधुनिक बचाव केंद्र** स्थापित कर रहा है।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- ये **बचाव केंद्र** रणनीतिक रूप से प्रमुख क्षेत्रों में स्थापित किये जाएंगे: **पश्चिमी उत्तर प्रदेश, तराई, अवध और बुंदेलखंड**, ताकि **मानव बस्तियों** में भटक कर आने वाले **जंगली जानवरों** को **सुरक्षित आश्रय** प्रदान किया जा सके।
- इन केंद्रों के लिये जिन विशिष्ट स्थानों का चयन किया गया है, उनमें **हस्तिनापुर वन्यजीव अभयारण्य (मेरठ), पीलीभीत टाइगर रिज़र्व, सोहागीबरवा वन्यजीव अभयारण्य (महराजगंज)** तथा **रानीपुर वन्यजीव अभयारण्य (चित्रकूट)** शामिल हैं।
- **राज्य सरकार** ने इन बचाव केंद्रों की स्थापना के लिये **57.2 करोड़ रुपए** आवंटित किये हैं, जो इस पहल के **महत्त्व** को दर्शाता है।

मानव-वन्यजीव संघर्ष

- **परिचय:**
  - **मानव-वन्यजीव संघर्ष** उन स्थितियों को संदर्भित करता है जहाँ मानव गतिविधियों, जैसे कि कृषि, बुनियादी ढाँचे का विकास अथवा संसाधन निष्कर्षण, में वन्यजीवों के साथ संघर्ष की स्थिति होती है, परिणामस्वरूप मानव एवं वन्यजीवों दोनों के लिये नकारात्मक परिणाम सामने आते हैं।
- **प्रभाव:**
  - **आर्थिक क्षति:** मानव-वन्यजीव संघर्ष के परिणामस्वरूप **लोगों**, विशेष रूप से किसानों और पशुपालकों **की आर्थिक क्षति** हो सकती है। वन्यजीव फसलों को नष्ट कर सकते हैं, बुनियादी ढाँचे को नुकसान पहुँचा सकते हैं तथा पशुधन को हानि पहुँचा सकते हैं जिससे वित्तीय कठिनाई हो सकती है।
  - **मानव सुरक्षा के लिये खतरा:** जंगली जानवर **मानव सुरक्षा** के लिये खतरा उत्पन्न कर सकते हैं, खासकर उन क्षेत्रों में जहाँ मानव और वन्यजीव सह-अस्तित्व में रहते हैं। शेर, बाघ और भालू जैसे बड़े शिकारियों के हमलों के परिणामस्वरूप गंभीर चोट या मृत्यु हो सकती है।
  - **पारिस्थितिक क्षति:** मानव-वन्यजीव संघर्ष पर्यावरण पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है। उदाहरण के लिये, यदि मानव शिकारी-जीवों को मारते हैं तो **शिकार प्रजातियों की आबादी में वृद्धि** हो सकती है, जो पारिस्थितिक असंतुलन का कारण बन सकती है।
  - **संरक्षण चुनौतियाँ:** मानव-वन्यजीव संघर्ष भी संरक्षण प्रयासों के लिये एक चुनौती उत्पन्न कर सकता है, क्योंकि इससे वन्यजीवों की नकारात्मक धारणा हो सकती हैं तथा संरक्षण उपायों को लागू करना कठिन हो सकता है।
  - **मनोवैज्ञानिक प्रभाव:** मानव-वन्यजीव संघर्ष का लोगों पर मनोवैज्ञानिक प्रभाव भी हो सकता है, विशेष रूप से उन लोगों पर जिन्होंने हमलों या **संपत्ति के नुकसान** का अनुभव किया है। यह भय, चिंता और आघात का कारण बन सकता है।
- **मानव-वन्यजीव संघर्ष से निपटने के लिये सरकारी उपाय:**
  - **वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972:** यह अधिनियम गतिविधियों, शिकार पर प्रतिबंध, वन्यजीव आवासों की सुरक्षा और प्रबंधन तथा संरक्षित क्षेत्रों की स्थापना आदि के लिये कानूनी ढाँचा प्रदान करता है।
  - **जैविक विविधता अधिनियम, 2002:** भारत, **जैविक विविधता पर संयुक्त राष्ट्र कन्वेंशन** का एक हिस्सा है। यह सुनिश्चित करता है कि जैविक विविधता अधिनियम वनों और वन्यजीवों से संबंधित **मौजूदा कानूनों का उल्लंघन करने के बजाय पूरक** है।
  - **राष्ट्रीय वन्यजीव कार्य योजना (2002-2016):** यह संरक्षित क्षेत्र नेटवर्क को मज़बूत करने और बढ़ाने, लुप्तप्राय वन्यजीवों तथा उनके आवासों के संरक्षण, वन्यजीव उत्पादों में व्यापार को नियंत्रित करने एवं अनुसंधान, शिक्षा व प्रशिक्षण पर केंद्रित है।
  - **राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (NDMA):** यह अपनी विकास योजनाओं और परियोजनाओं में आपदा की रोकथाम या इसके प्रभावों को कम करने के उपायों को एकीकृत करने के उद्देश्य से केंद्र सरकार के विभिन्न मंत्रालयों या विभागों द्वारा पालन किये जाने वाले दिशा-निर्देश निर्धारित करता है।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

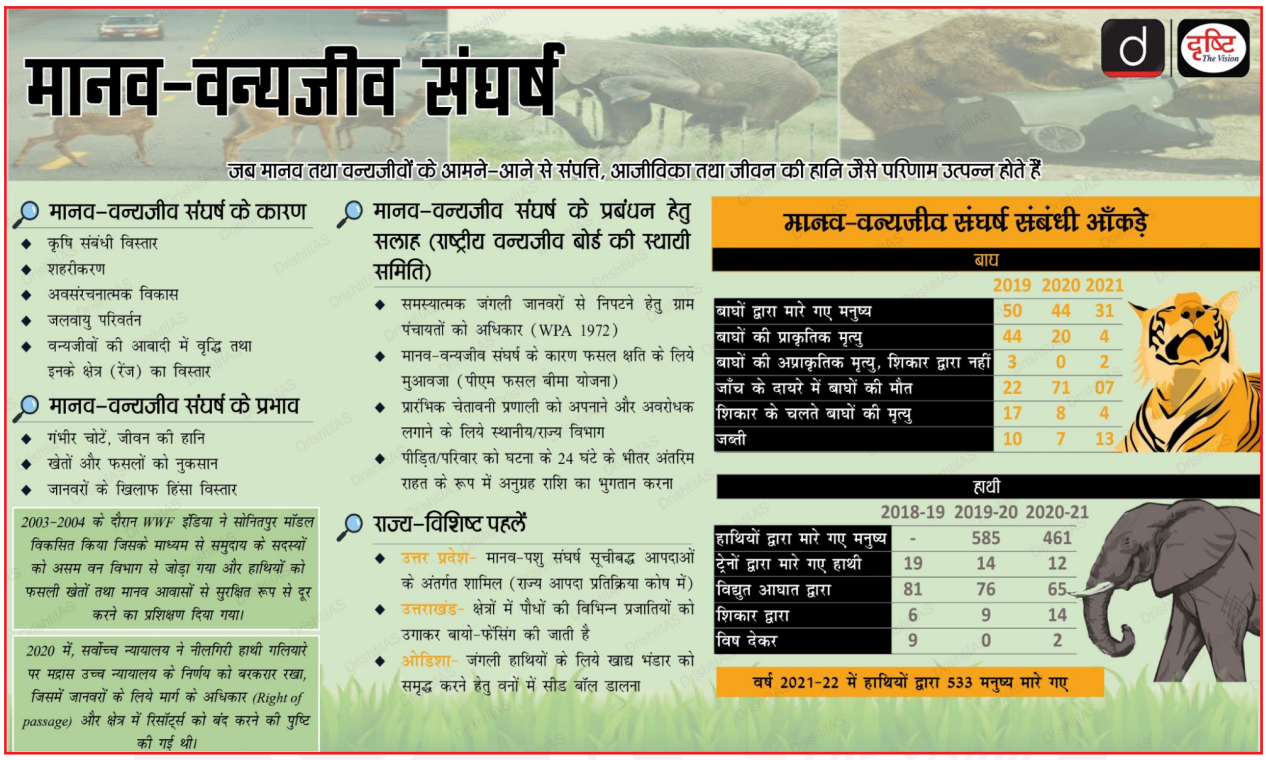

IOC की पहली महिला अध्यक्ष

चर्चा में क्यों?

23 जून 2025 को, IOC की **131वीं वर्षगाँठ** के अवसर पर क्रिस्टी कोवेंट्री अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति (IOC) की **पहली महिला** तथा **पहली अफ्रीकी अध्यक्ष** बनीं।

- थॉमस बाक, जिन्होंने 2013 से प्रारंभ होकर 12 वर्षों का कार्यकाल पूर्ण किया, अब IOC अध्यक्ष के **मानद पद** को ग्रहण करेंगे।

मुख्य बिंदु

क्रिस्टी कोवेंट्री के बारे में

- **ओलंपिक सफलता:**
  - वह ज़िम्बाब्वे की सबसे सफल ओलंपियन हैं, जिन्होंने देश के कुल आठ में से सात ओलंपिक पदक जीते हैं।
  - किसी भी अफ्रीकी खिलाड़ी ने उनसे अधिक ओलंपिक पदक नहीं जीते हैं। वे बैकस्ट्रोक और मेडली तैराकी में विशेषज्ञ रही हैं।
  - एथेंस 2004 ओलंपिक में, उन्होंने तीन पदक जीते: 200 मीटर बैकस्ट्रोक में स्वर्ण, 100 मीटर बैकस्ट्रोक में रजत और 200 मीटर मेडले में कांस्य।
  - उन्होंने बीजिंग 2008 में 200 मीटर बैकस्ट्रोक में अपना खिताब बरकरार रखा और तीन रजत पदक भी जीते।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- **विश्व खिताब और सेवानिवृत्ति:**
  - कोवेंट्री ने वर्ष 2005 और 2009 में तीन लॉन्ग-कोर्स विश्व खिताब तथा वर्ष 2008 में चार शॉर्ट-कोर्स स्वर्ण पदक जीते।
  - उन्होंने रियो ओलंपिक 2016 के बाद प्रतिस्पर्द्धात्मक तैराकी से संन्यास लिया, जो उनका **पाँचवाँ ओलंपिक** था।
- **सरकारी भूमिका:**
  - सितंबर 2018 में उन्हें ज़िम्बाब्वे की **युवा, खेल, कला एवं मनोरंजन मंत्री** नियुक्त किया गया।
- **IOC में सहभागिता:**
  - उन्हे वर्ष 2013 में एथलीट आयोग की सदस्य के रूप में IOC में चुना गया तथा वर्ष 2021 में उन्हें स्वतंत्र IOC सदस्य के रूप में पुन: निर्वाचित किया गया।
- **IOC अध्यक्ष के रूप में भूमिका:**
  - वह अपने पहले ओलंपिक खेलों के रूप में वर्ष 2026 शीतकालीन ओलंपिक खेल मिलानो कॉर्टिना की देखरेख करेंगी।
  - वे वर्ष **2028** ग्रीष्मकालीन ओलंपिक की मेज़बान शहर के चयन की प्रक्रिया की भी निगरानी करेंगी।
  - **कतर और सऊदी अरब** जैसे संभावित दावेदारों पर विचार चल रहा है, तथा IOC की नई प्रक्रिया के तहत **पसंदीदा उम्मीदवार** को शीघ्र चुना जा सकता है।
  - वे लगभग **100 IOC सदस्यों** के साथ बंद-द्वार सत्र की अध्यक्षता करेंगी, जिनमें वर्तमान व पूर्व राष्ट्राध्यक्ष, कारोबारी नेता, खिलाड़ी तथा ओलंपिक खेल संगठनों के प्रमुख शामिल होंगे।
  - उन्होंने अपने अध्यक्षीय कार्यकाल को **ओलंपिक मंच की संरक्षकता** के रूप में रेखांकित करते हुए कहा कि उनका उद्देश्य **प्रेरणा देना, जीवन बदलना तथा दुनिया भर में आशा फैलाना** है। वे अगले **आठ वर्षों तक IOC का नेतृत्व** करेंगी।

अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति

- IOC **स्विट्ज़रलैंड के लॉज़ेन** में स्थित एक गैर-सरकारी अंतर्राष्ट्रीय संगठन है, जो वर्ष 1894 में अस्तित्व में आया था।
- यह समिति **ओलंपिक खेलों के नियम व दिशा-निर्देश तय करती है**, तथा यह निर्धारित करती है कि अगले ओलंपिक खेल **कब और कहाँ** होंगे।
- IOC एक स्थायी संगठन है जो **अपने सदस्यों का चुनाव करता है** जिसका **प्रत्येक सदस्य फ्रेंच या अंग्रेज़ी भाषी** होता है और **राष्ट्रीय ओलंपिक समिति वाले देश का नागरिक** होता है या वहाँ रहता है।
  - IOC ओलंपिक खेलों और ओलंपिक मूवमेंट से संबंधित सभी विवादों के समाधान के लिये अंतिम प्राधिकारण है।
- इसका उद्देश्य ओलंपिक खेलों का **नियमित आयोजन सुनिश्चित करना** तथा **ओलंपिकवाद (Olympism)** और **ओलंपिक मूवमेंट** को बढ़ावा देना है।
  - **ओलंपिकवाद** एक ऐसा **दर्शन** है जो **खेल, संस्कृति, शिक्षा और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को संगठित करता** है, जो प्रयास के आनंद, अच्छे उदाहरणों के शैक्षिक मूल्य, सामाजिक जिम्मेदारी तथा **सार्वभौमिक नैतिक सिद्धांतों के सम्मान पर ज़ोर** देता है।
  - ओलंपिक मूवमेंट का लक्ष्य ओलंपिकवाद और उसके मूल्यों के अनुसार अभ्यास किये जाने वाले खेलों के माध्यम से युवाओं को शिक्षित कर एक शांतिपूर्ण एवं बेहतर विश्व के निर्माण में योगदान देना है।
  - ओलंपिक मूवमेंट के तीन मुख्य घटक हैं **अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति (IOC), अंतर्राष्ट्रीय खेल महासंघ (IF)** और राष्ट्रीय ओलंपिक समितियाँ (NOC)।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

ओलंपिक

प्राचीन इतिहास

- उत्पत्ति - ओलंपिया, ग्रीस (776 ईसा पूर्व)
- ग्रीक संस्कृति से संबंधित
- प्रतियोगिता - दौड़, कुश्ती और रथ दौड़
- समापन - 393 ई. में सम्राट थियोडोसियस प्रथम द्वारा

आधुनिक इतिहास

- पुनर्जीवित - 19वीं सदी के अंत में पियरे डी कुबर्टिन (IOC के संस्थापक सदस्य) द्वारा
- पहला आधुनिक ओलंपिक - एथेंस, ग्रीस (वर्ष 1896)

आगामी प्रतियोगिताएँ

- **शीतकालीन ओलंपिक 2026:** मिलान और कॉर्टिना डी'एम्पेज़ो, इटली
- **ग्रीष्मकालीन ओलंपिक 2028:** लॉस एंजेलिस, संयुक्त राज्य अमेरिका
- **ग्रीष्मकालीन ओलंपिक 2032:** ब्रिस्बेन, ऑस्ट्रेलिया
- भारत वर्ष 2036 के ओलंपिक खेलों की मेज़बानी करेगा

लोगो और मोटो/आदर्श वाक्य

- **लोगो:** श्वेत पृष्ठभूमि पर नीले, पीले, काले, हरे और लाल रंग के 5 इंटरलॉकिंग रिंग **(5 महाद्वीपों के सम्मिलन और विश्व एथलीटों का प्रतिनिधित्व करते हैं)**
- **आदर्श वाक्य:** सिटिअस, अल्टिअस और फोर्टिअस - कम्यूनिटर (अधिक तेज, उच्चतर, अधिक मज़बूत - एकजुट या साथ-साथ) ('कम्यूनिटर' को वर्ष 2021 में जोड़ा गया था)

अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति (IOC)

- स्थापना - वर्ष 1894
- ओलंपिक खेलों का संरक्षक
- मुख्यालय - लॉज़ेन, स्विटज़रलैंड

टोक्यो में होने वाली वर्ष 2020 की ओलंपिक प्रतियोगिता में 5 नए खेल शामिल किये गए: सर्फिंग, स्केटबोर्डिंग, स्पोर्ट क्लाइम्बिंग, कराटे और बेसबॉल/सॉफ्टबॉल

पेरिस ओलंपिक 2024

पदक तालिका में भारत 71वें स्थान पर; टोक्यो वर्ष 2020 में 48वें स्थान पर पहुँचा)

भारतीय खिलाड़ी/टीम	पदक	प्रतियोगिता
नीरज चोपड़ा	रज़त	पुरुष भाला फेंक
मनु भाकर और सरबजोत सिंह	कांस्य	10 मीटर एयर पिस्तौल मिश्रित टीम स्पर्द्धा
स्वप्निल कुसाले	कांस्य	पुरुषों के 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन
भारतीय हॉकी टीम	कांस्य	पुरुष हॉकी
मनु भाकर	कांस्य	महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्द्धा
अमन सहरावत	कांस्य	पुरुषों की फ्रीस्टाइल 57 किग्रा कुश्ती स्पर्द्धा

भारतीय ओलंपिक संघ (IOA)

- स्थापना - **वर्ष 1927**
- ओलंपिक, एशियाई खेलों और राष्ट्रमंडल खेलों में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले एथलीटों का चयन करता है

दृष्टि The Vision | d Drishti IAS

Prepare with DrishtiIAS

राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) — क्लिक करें या स्कैन करें!

हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! — क्लिक करें या स्कैन करें!

राज्य पीसीएस पुस्तकें — क्लिक करें या स्कैन करें!

निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग — क्लिक करें या स्कैन करें!

जाह्नवी डांगेती

चर्चा में क्यों?

आंध्र प्रदेश के पश्चिमी गोदावरी ज़िले की 23 वर्षीय **जाह्नवी डांगेती को** अमेरिका स्थित **निजी अंतरिक्ष अनुसंधान एजेंसी टाइटन स्पेस इंडस्ट्रीज (TSI)** के वर्ष 2029 के अंतरिक्ष मिशन के लिये **एस्ट्रोनॉट कैंडिडेट (ASCAN)** के रूप में चुना गया है।

- **एस्ट्रोनॉट कैंडिडेट** वह व्यक्ति होता है, जिसे किसी अंतरिक्ष एजेंसी या संगठन द्वारा **अंतरिक्ष यात्रा के लिये प्रशिक्षण** हेतु चयनित किया जाता है, ताकि उसे भविष्य में अंतरिक्ष अभियानों के लिये योग्य बनाया जा सके।

मुख्य बिंदु

जाह्नवी डांगेती के बारे में

- उन्होंने अपनी स्कूली शिक्षा **पश्चिम गोदावरी ज़िले** में पूरी की तथा उसके बाद **लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी (LPU), पंजाब** से **इलेक्ट्रॉनिक्स और कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग** में स्नातक की उपाधि प्राप्त की; उनके माता-पिता **पद्मश्री** और **श्रीनिवास** वर्तमान में **कुवैत** में रहते हैं।
- वह वर्ष 2022 में पोलैंड के क्राकोव में **एनालॉग अंतरिक्ष यात्री प्रशिक्षण केंद्र (AATC)** में **सबसे कम उम्र की विदेशी एनालॉग अंतरिक्ष यात्री** और **पहली भारतीय बनीं।**
- उन्होंने नासा द्वारा प्रायोजित **अंतर्राष्ट्रीय खगोलीय खोज सहयोग (IASC)** के साथ कार्य किया है और हवाई में स्थित **पैन-स्टार्स टेलीस्कोप** के माध्यम से क्षुद्रग्रहों की खोज में योगदान दिया है।
- उनको कई पुरस्कार मिले हैं, जिनमें नासा स्पेस ऐप्स चैलेंज में **पीपल्स चॉइस अवार्ड** और **इसरो** के विश्व अंतरिक्ष सप्ताह समारोह में **यंग अचीवर अवार्ड** शामिल हैं।
- **केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ने** नासा के अंतर्राष्ट्रीय वायु एवं अंतरिक्ष कार्यक्रम को पूरा करने वाली पहली भारतीय बनने पर उन्हें बधाई दी तथा उनकी उपलब्धि को भारत के लिये गौरव का क्षण बताया।

टाइटंस अंतरिक्ष मिशन

- वर्ष 2029 के लिये निर्धारित इस मिशन का नेतृत्व **NASA** के अनुभवी अंतरिक्ष यात्री **कर्नल (सेवानिवृत्त) विलियम मैकआर्थर जूनियर** करेंगे।
- **अमेरिका** स्थित इस मिशन में लगभग **5 घंटे** का समय लगेगा, इस दौरान चालक दल **ग्रह के चारों ओर दो बार उड़ान** भरेगा तथा **दो सूर्योदय और दो सूर्यास्त** का अनुभव करेगा।
- यह मिशन लगभग **3 घंटे तक निरंतर शून्य गुरुत्वाकर्षण** प्रदान करेगा, जो **वैज्ञानिक जाँच** तथा **मानव अंतरिक्ष उड़ान विकास** के लिये एक **क्रांतिकारी वातावरण** उपलब्ध कराएगा।
- **जाह्नवी वर्ष 2026 में अंतरिक्ष यात्री प्रशिक्षण** प्रारंभ करेंगी, जिसमें **उड़ान सिमुलेशन, अंतरिक्ष यान प्रक्रियाएँ, उत्तरजीविता प्रशिक्षण तथा चिकित्सा और मनोवैज्ञानिक मूल्यांकन** शामिल होंगे।

अंतरिक्ष में भारत की अन्य प्रमुख उपलब्धियाँ:

- **एक्सिओम-4 (Ax-4) मिशन (2025):** ग्रुप कैप्टन **शुभांशु शुक्ला** अंतरिक्ष की यात्रा करने वाले **दूसरे भारतीय** बने और **NASA के अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (ISS)** का दौरा करने वाले **पहले भारतीय** होंगे।
  - **चार सदस्यीय दल** (अमेरिका से **पैगी व्हिटसन**, पोलैंड से **स्लावोज़ उज्नान्स्की-विस्निएव्स्की**, तथा हंगरी से **टिबोर कापू**) **60 वैज्ञानिक प्रयोग** करेंगे, जिनमें से **7 प्रयोग भारत द्वारा** किये जाएंगे।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- ISRO के प्रयोगों का उद्देश्य **अंतरिक्ष, उसके जैविक प्रभावों और सूक्ष्मगुरुत्व** के बारे में हमारी समझ को बढ़ाना है, जिसमें एक प्रमुख प्रयोग **6 प्रकार के फसल बीजों पर अंतरिक्ष उड़ान के प्रभाव** की जाँच करना है।
- **रूसी सोयुज मिशन (1984):** राकेश शर्मा अंतरिक्ष में जाने वाले **पहले भारतीय** बने, जो भारत की अंतरिक्ष यात्रा के लिये एक **ऐतिहासिक उपलब्धि थी**।

CIP-दक्षिण एशिया क्षेत्रीय केंद्र (CSARC), आगरा

चर्चा में क्यों?

सरकार ने उत्तर प्रदेश के **आगरा ज़िले के सिंगना** में **पेरू स्थित** अंतर्राष्ट्रीय आलू केंद्र (CIP) के **दक्षिण एशिया क्षेत्रीय केंद्र** की स्थापना को मंजूरी दे दी है।

- भारत में **CIP क्षेत्रीय केंद्र** न केवल **घरेलू किसानों** की बल्कि **अन्य दक्षिण एशियाई देशों के किसानों** की भी आवश्यकताओं को पूरा करेगा।

मुख्य बिंदु

- **उद्देश्य:**
  - परियोजना का प्राथमिक उद्देश्य **खाद्य एवं पोषण सुरक्षा** को बढ़ाना, **किसानों की आय में वृद्धि** करना तथा आलू और शकरकंद की उत्पादकता, कटाई के बाद प्रबंधन एवं मूल्य संवर्द्धन में सुधार करके **रोज़गार सृजन** करना है।
- **परियोजना लागत:**
  - उत्तर प्रदेश सरकार ने प्रस्तावित केंद्र के लिये **10 हेक्टेयर भूमि** आवंटित की है। परियोजना की कुल लागत **171 करोड़ रुपए** है, जिसमें भारत **111 करोड़ रुपए** का योगदान देगा और **CIP (अंतर्राष्ट्रीय आलू केंद्र)** द्वारा **60 करोड़ रुपए** प्रदान किये जाएंगे।
- **रोज़गार पर प्रभाव:**
  - भारत का **आलू क्षेत्र**- **उत्पादन**, प्रसंस्करण, पैकेजिंग, परिवहन, **विपणन** तथा **विस्तृत मूल्य शृंखला** जैसे क्षेत्रों में **रोज़गार सृजन की महत्त्वपूर्ण क्षमता** रखता है।
- **नवाचार:**
  - CSARC (केंद्रीय आलू एवं शकरकंद अनुसंधान केंद्र) द्वारा **आलू और शकरकंद** की उच्च उपज देने वाली, पोषक तत्त्वों से भरपूर तथा जलवायु-अनुकूल किस्मों का विकास किया जाएगा, जिससे विश्व स्तरीय **वैज्ञानिक अनुसंधान और नवाचार** के माध्यम से न केवल भारत बल्कि पूरे दक्षिण एशिया में सतत् विकास को गति मिलेगी।
- **भारत का आलू उत्पादन:**
  - भारत विश्व स्तर पर **आलू का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक और उपभोक्ता** है, जिसका उत्पादन वर्ष **2020 में 51.30 मिलियन टन** था।
  - **भारत और चीन** मिलकर वैश्विक आलू उत्पादन का **एक-तिहाई से अधिक** उत्पादन करते हैं, जो वर्ष 2020 में कुल 359.07 मिलियन टन था।
- **भारत में प्रमुख उत्पादक राज्य:**
  - **उत्तर प्रदेश** और **पश्चिम बंगाल** आलू उत्पादन में अग्रणी हैं, जिनमें से प्रत्येक ने **2020-21 में 15 मिलियन टन** का योगदान दिया।
  - **बिहार** में **9 मिलियन टन** उत्पादन होता है तथा गुजरात, मध्य प्रदेश और पंजाब भी इसमें महत्त्वपूर्ण योगदान देते हैं।

संबंधित संस्थान

- **अंतर्राष्ट्रीय आलू केंद्र (CIP):** इसकी स्थापना वर्ष **1971** में हुई थी, इसका मुख्यालय लीमा, पेरू में है, यह **आलू, शकरकंद** तथा अन्य कंद फसलों पर अनुसंधान करता है।
- **चीन:** पूर्वी एशिया और प्रशांत क्षेत्र की सेवा के लिये वर्ष 2017 में बीजिंग के यानकिंग में चाइना सेंटर फॉर एशिया पैसिफिक (CCCAP) की स्थापना की गई।
- **भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (ICAR):** भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद **कंद फसलों पर केंद्रित** दो प्रमुख **संस्थानों** का संचालन करती है:
  - ICAR-CPRI (केंद्रीय आलू अनुसंधान संस्थान), शिमला, जो **आलू** पर अनुसंधान करता है।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- ICAR-CTCRI (केंद्रीय कंद फसल अनुसंधान संस्थान), तिरुवनंतपुरम, जो **शकरकंद** पर अनुसंधान करता है।

- **अन्य कृषि केंद्र की स्थापना:** वर्ष 2017 में, कृषि मंत्रालय ने **वाराणसी** में **फिलीपींस स्थित** अंतर्राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान (IRRI) के एक **क्षेत्रीय केंद्र** की स्थापना का समर्थन किया।

गाज़ियाबाद में ग्रीन डाटा सेंटर

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश के **गाज़ियाबाद में** अत्याधुनिक **ग्रीन डाटा सेंटर का** उद्घाटन किया गया।

मुख्य बिंदु

- **परियोजना विवरण:**
  - यह परियोजना **विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय** के अंतर्गत सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम **सेंट्रल इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (CEL)** और ESDS के बीच एक **संयुक्त पहल** है।
  - इसमें **1,000 करोड़ रुपए** का **अनुमानित निवेश** प्रस्तावित है तथा इसकी **क्षमता 30 मेगावाट** होगी।
- **संरचना:**
  - यह **डाटा सेंटर ऊर्जा-कुशल प्रौद्योगिकियों, नवीकरणीय ऊर्जा** तथा **पर्यावरण-अनुकूल डिज़ाइन** का उपयोग करेगा।
- **कनेक्टिविटी और अनुकूलता:**
  - इसमें **क्लाउड एकीकरण** तथा **आपदा पुनर्प्राप्ति** के लिये **40 Gbps रिंग फाइबर नेटवर्क** और **दोहरे 10 Gbps कनेक्शन** की सुविधा होगी।
  - इसमें **वर्षा जल संचयन, परावर्तक छत** तथा **स्मार्ट शीतलन प्रणाली** जैसी सुविधाएँ भी शामिल की जाएंगी।

उत्तर प्रदेश डाटा सेंटर नीति 2021

- **विज़न और मिशन:**
  - उत्तर प्रदेश को डाटा सेंटर उद्योग के लिये एक पसंदीदा निवेश गंतव्य के रूप में स्थापित करना।
  - वैश्विक एवं घरेलू निवेश को आकर्षित करते हुए तथा MSME/स्टार्ट-अप्स को समर्थन प्रदान कर विश्व स्तरीय डाटा सेंटर पारिस्थितिकी तंत्र का विकास करना।
- **लक्ष्य:**
  - राज्य में **900 मेगावाट** की **डाटा सेंटर क्षमता** विकसित करना।
  - लगभग **30,000 करोड़ रुपए** का **निवेश आकर्षित** करना।
  - कम-से-कम **8 निजी अत्याधुनिक डाटा सेंटर पार्क** स्थापित करना।
- **नोडल एजेंसी:**
  - **उत्तर प्रदेश का IT एवं इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग** इस नीति के **क्रियान्वयन हेतु नोडल एजेंसी** नियुक्त करेगा।
- **परिभाषाएँ:**
  - **डाटा सेंटर पार्क:** इसकी न्यूनतम क्षमता **40 मेगावाट** होनी चाहिये।
  - **डाटा सेंटर यूनिट:** इसकी क्षमता **2 मेगावाट से अधिक और 40 मेगावाट से कम** होनी चाहिये; इसमें **कैप्टिव डाटा सेंटर** शामिल नहीं होंगे।
- **डाटा सेंटर पार्क हेतु प्रोत्साहन:**
  - डाटा सेंटर पार्कों को **7 वर्षों तक अधिकतम 60% ब्याज अनुदान** मिलेगा, जिसकी **वार्षिक अधिकतम सीमा 10 करोड़ रुपए** तथा **प्रत्येक पार्क हेतु कुल अधिकतम सीमा 50 करोड़ रुपए** निर्धारित की गई है।
    - **मध्यांचल** और **पश्चिमांचल** में **25%** तथा **बुंदेलखंड एवं पूर्वांचल** में **50%** की **भूमि सब्सिडी** उपलब्ध है, जिसकी अधिकतम सीमा **कुल परियोजना लागत के 7.5%** या **75 करोड़ रुपए** (जो भी कम हो) तक निर्धारित है।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- यह सब्सिडी केवल **नीति के अंतर्गत अधिसूचित पहले 8 डाटा सेंटर पार्कों** पर लागू होगी तथा यदि किसी पार्क में यह **पहले से दावा की जा चुकी है**, तो उस पार्क के भीतर **डाटा सेंटर इकाइयों** पर यह **लागू नहीं होगी**।
- **स्टाम्प ड्यूटी में छूट: पहले लेनदेन** पर **100% छूट** तथा **दूसरे लेनदेन** पर **50% छूट** प्रदान की जाती है। इसके अतिरिक्त, **दोहरी पावर ग्रिड आपूर्ति** की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाती है।

डेटा सेंटर इकाइयों के लिये प्रोत्साहन:

- **डेटा सेंटर इकाइयाँ 20 करोड़** रुपए तक के **निश्चित पूंजी निवेश** (भूमि और भवन को छोड़कर) पर **7% पूंजी सब्सिडी** का लाभ उठा सकती हैं, जिसे **10 वर्षों** में **2 करोड़ रुपए प्रति वर्ष** की अधिकतम सीमा के साथ वितरित किया जाएगा।

भूमि सब्सिडी के लिये भी ये इकाइयाँ पात्र हैं: **मध्यांचल** और **पश्चिमांचल** में **25%** तथा **बुंदेलखंड** एवं **पूर्वांचल** में **50%** की दर से, जिसकी अधिकतम सीमा **परियोजना लागत के 7.5%** या **75 करोड़ रुपए** (जो भी कम हो) तक होगी।

सलखन जीवाश्म पार्क

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश के सलखन जीवाश्म पार्क, जिसे सोनभद्र जीवाश्म पार्क के नाम से भी जाना जाता है, को **यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थलों की संभावित सूची** में शामिल किया गया है।

मुख्य बिंदु

सलखन जीवाश्म पार्क के बारे में:

- उत्तर प्रदेश के **सोनभद्र** ज़िले के **सलखन गाँव** में स्थित यह पार्क **कैमूर वन्यजीव अभयारण्य** से सटे सुंदर **कैमूर रेंज** के भीतर **25 हेक्टेयर** क्षेत्र में फैला हुआ है।
- यद्यपि इस स्थल में भूवैज्ञानिक रुचि **1930** के दशक से रही है, फिर भी इसे आधिकारिक रूप से वर्ष **2002** में **जीवाश्म पार्क** घोषित किया गया।
- सलखन जीवाश्म पार्क में **स्ट्रोमैटोलाइट्स** को संरक्षित किया गया है, जो प्राचीन **साइनोबैक्टीरिया** (नीली-हरित शैवाल) द्वारा निर्मित दुर्लभ स्तरित अवसादी संरचनाएँ हैं।
  - लगभग **3.5 अरब वर्ष** पूर्व उत्पन्न हुए सायनोबैक्टीरिया संभवत: **ऑक्सीजनिक प्रकाश संश्लेषण** करने वाले प्रथम जीव थे, जिनके कारण **महान ऑक्सीकरण घटना** (लगभग **2.4 अरब वर्ष पूर्व**) घटित हुई, जिसने पृथ्वी के वायुमंडल को **ऑक्सीजन** से समृद्ध किया जिससे जटिल जीवन संभव हो सका।
- ये प्रकाश संश्लेषण करने वाले **सूक्ष्मजीव मेसोप्रोटेरोज़ोइक युग** (1.6–1.0 **बिलियन वर्ष** पूर्व) के हैं, जिससे इनके जीवाश्म **1.4 बिलियन वर्ष** पुराने माने जाते हैं।
- इस प्रकार की संरचनाएँ **विश्व स्तर पर अत्यंत दुर्लभ** हैं, जो **सलखन** को दुनिया के **सबसे प्राचीन जीवाश्म स्थलों** में से एक बनाती हैं, जो **शार्क बे (ऑस्ट्रेलिया)** तथा **येलोस्टोन (अमेरिका)** से भी पुराना है।

वैज्ञानिक मान्यताओं को चुनौती देना:

- **सलखन** में हुई खोजों ने प्रारंभिक जीवन की वैज्ञानिक समझ को बदल दिया है।
- पहले वैज्ञानिकों का मानना था कि जीवन लगभग **570 मिलियन वर्ष** पूर्व आरंभ हुआ था, लेकिन यहाँ पाए गए प्राचीन **स्ट्रोमेटोलाइट्स** उस काल से भी पहले के हैं।
- इस वैज्ञानिक अवलोकन में एक महत्त्वपूर्ण प्रगति **यूपी इको-पर्यटन विकास बोर्ड** तथा **बीरबल साहनी पुराविज्ञान संस्थान, लखनऊ** के बीच हुए **समझौता ज्ञापन (MoU)** के माध्यम से हुई।
- ये **जीवाश्म** पृथ्वी के प्रारंभिक **जैवमंडल** और **महासागरीय पारिस्थितिकी तंत्र** के विकास से संबंधित महत्त्वपूर्ण सुराग प्रदान करते हैं।

विश्व धरोहर स्थल (WHS)

विश्व धरोहर स्थल (WHS) वे स्थान हैं, जिन्हें **मानवता के लिये उनके उत्कृष्ट सार्वभौमिक मूल्य** के लिये मान्यता प्राप्त है और उन्हें भावी पीढ़ियों के लिये सुरक्षा और संरक्षण हेतु **विश्व धरोहर सूची** में अंकित किया गया है।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- इन स्थलों की प्रकृति **सांस्कृतिक, प्राकृतिक अथवा मिश्रित** हो सकती है। **WHS को विश्व धरोहर सम्मेलन, 1972** के तहत संरक्षित किया जाता है, जो **UNESCO के सदस्य देशों** द्वारा अपनाया गया एक अंतर्राष्ट्रीय समझौता है।
- यह अभिसमय ऐसे स्थलों की पहचान, सुरक्षा और परिरक्षण में **राष्ट्र पक्षकारों** की ज़िम्मेदारियों को रेखांकित करता है।
- विश्व धरोहर स्थलों की सूची का अनुरक्षण अंतर्राष्ट्रीय **'विश्व धरोहर कार्यक्रम'** द्वारा किया जाता है, जिसका विनियमन **UNESCO विश्व धरोहर समिति** द्वारा किया जाता है।
- भारत ने वर्ष 1977 में इस अभिसमय का अनुसमर्थन किया।

- **जून 2025** तक, भारत में **43 विश्व धरोहर स्थल** (34 सांस्कृतिक, 7 प्राकृतिक और 2 मिश्रित) और **63 स्थल संभावित सूची में हैं**।

रक्षा सामग्री एवं भंडार अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान (DMSRDE)

चर्चा में क्यों?

रक्षा राज्य मंत्री ने उत्तर पदेश के **कानपुर** में स्थित **रक्षा सामग्री एवं भंडार अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान** (DMSRDE), जो DRDO की एक प्रमुख प्रयोगशाला है, का दौरा किया तथा **स्वदेशी रक्षा प्रौद्योगिकियों**, विशेषकर ऑपरेशन सिंदूर के संदर्भ में इसकी भूमिका की सराहना की।

मुख्य बिंदु

- **स्वदेशी रक्षा नवाचारों को मान्यता:**
  - DMSRDE को उन्नत रक्षा प्रणालियों और **स्वदेशी उत्पादों के विकास में** महत्त्वपूर्ण योगदान के लिये सराहना मिली। प्रमुख उपलब्धियों में शामिल हैं:
- **बुलेट प्रूफ जैकेट** (लेवल-6)-देश की **सबसे हल्की बुलेटप्रूफ जैकेट**
  - ब्रह्मोस मिसाइल के लिये नेफथाइल ईंधन
  - भारतीय तटरक्षक पोतों के लिये उच्च दबाव पॉलिमर झिल्लियाँ
- **सिलिकॉन कार्बाइड फाइबर**
  - सक्रिय कार्बन फैब्रिक-आधारित रासायनिक, जैविक, रेडियोलॉजिकल और परमाणु (CBRN) सूट
  - युद्ध क्षेत्र में जीवित रहने की क्षमता बढ़ाने वाली **गुप्त सामग्रियों की एक शृंखला**
- **प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और उद्योग सहयोग में अग्रणी:**
  - DMSRDE ने पिछले 2 वर्षों में सभी DRDO प्रयोगशालाओं में सबसे अधिक प्रौद्योगिकी हस्तांतरण किया है।
  - प्रयोगशाला ने वर्ष **2047 तक विकसित भारत** के राष्ट्रीय दृष्टिकोण के अनुरूप, **उद्योग तथा शिक्षा जगत** के साथ सहयोग पर केंद्रित किया है।
- **व्यापक योगदान:**
  - नैनो-सामग्री, तकनीकी वस्त्र, छलावरण प्रणाली, कोटिंग्स, रबर और स्नेहक क्षेत्रों में नवाचार प्रस्तुत किये गए।
  - यह अत्याधुनिक **दोहरे उपयोग वाली प्रौद्योगिकियों** के विकास हेतु DRDO की प्रतिबद्धता को प्रमाणित करता है।

DRDO के बारे में

- **DRDO की स्थापना वर्ष 1958** में भारतीय सेना के **तकनीकी विकास प्रतिष्ठान** (TDE), **तकनीकी विकास और उत्पादन निदेशालय** (DTDP) और रक्षा विज्ञान संगठन (DSO) का संयोजन करके की गई थी।
  - DRDO भारत सरकार के **रक्षा मंत्रालय** का अनुसंधान एवं विकास विंग है।
  - आरंभ में DRDO के पास 10 प्रयोगशालाएँ थीं, वर्तमान में यह 41 प्रयोगशालाओं और 5 DRDO युवा वैज्ञानिक प्रयोगशालाओं (DYSL) का संचालन करता है।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- **सिद्धांत:** DRDO का मार्गदर्शक सिद्धांत "***बलस्य मूलं विज्ञानम्***" **(शक्ति विज्ञान में निहित है) है,** जो राष्ट्र को शांति और युद्ध दोनों ही स्थिति में मार्गदर्शित करता है।
- **मिशन:** इसका मिशन तीनों सेनाओं की आवश्यकताओं के अनुसार भारतीय सशस्त्र बलों को अत्याधुनिक हथियार प्रणालियों और उपकरणों से लैस करते हुए **महत्त्वपूर्ण रक्षा प्रौद्योगिकियों तथा प्रणालियों में आत्मनिर्भर** होना है।

ब्रह्मोस मिसाइल:

- भारत-रूस संयुक्त उद्यम, ब्रह्मोस मिसाइल की **मारक क्षमता 290 किमी. है** और यह मैक 2.8 (ध्वनि की गति से लगभग तीन गुना) की उच्च गति के साथ **विश्व की सबसे तेज़ क्रूज़ मिसाइल** है।
  - इसका नाम भारत की ब्रह्मपुत्र नदी और रूस की **मोस्कवा नदी** के नाम पर रखा गया है।
- यह दो चरणों वाली **(पहले चरण में ठोस प्रणोदक इंजन और दूसरे में तरल रैमजेट)** मिसाइल है।
- यह एक मल्टीप्लेटफॉर्म मिसाइल है **जिसे स्थल, वायु एवं समुद्र में बहुक्षमता वाली मिसाइल से सटीकता के साथ लॉन्च किया जा सकता** है जो खराब मौसम के बावजूद दिन और रात में काम कर सकती है।
- यह 'दागो और भूल जाओ' (Fire and Forget) सिद्धांत पर काम करती है यानी लॉन्च के बाद इसे मार्गदर्शन की आवश्यकता नहीं होती।

ऑपरेशन सिंदूर

- यह पहलगाम आतंकी हमले के प्रत्युत्तर में 7 मई, 2025 को भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा लॉन्च किया गया एक समन्वित स्ट्राइक ऑपरेशन था।
  - इसे भारतीय भू-भाग से **सेना, नौसेना और वायु सेना** के समन्वित प्रयासों द्वारा कार्यान्वित किया गया।
  - पिछले अभियानों के आक्रामक और शक्ति प्रदर्शन पर केंद्रित नामों के विपरीत, इस अभियान का नाम पीड़ितों, विशेषकर पहलगाम हमले की विधवाओं, के प्रति **व्यक्तिगत श्रद्धांजलि** स्वरूप चुना गया था।
- **लक्ष्य:** 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत भारतीय सशस्त्र बलों ने पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (PoJK) में स्थित **जैश-ए-मोहम्मद, लश्कर-ए-तैयबा और हिजबुल मुजाहिदीन से संबद्ध आतंकी ठिकानों** को लक्षित किया।
  - इन हमलों का उद्देश्य भारत के खिलाफ हमलों की योजना बनाने में इस्तेमाल किये गए आतंकवादी ठिकानों को नष्ट करना था।

प्रथम आयुष विश्वविद्यालय

चर्चा में क्यों?

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने उत्तर प्रदेश के पहले आयुष विश्वविद्यालय **'महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय'** का गोरखपुर में उद्घाटन किया।

- उन्होंने इस क्षेत्र की **आध्यात्मिक** तथा **ऐतिहासिक विरासत** पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह **परमहंस योगानंद** की जन्मस्थली भी है।

मुख्य बिंदु

गोरखपुर की आध्यात्मिक और ऐतिहासिक विरासत:

- **नाथ परंपरा:**
  - **श्री आदिनाथ, मत्स्येन्द्रनाथ** तथा गुरु गोरखनाथ की शिक्षाओं पर आधारित नाथ परंपरा की उत्पत्ति गोरखपुर में हुई।
  - समय के साथ यह **आध्यात्मिक परंपरा** संपूर्ण भारत में फैली तथा विश्व के अनेक देशों तक पहुँची, जिससे विविध **योगिक** एवं **तप साधना पद्धतियों** पर व्यापक प्रभाव पड़ा।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- **भारत के स्वतंत्रता संग्राम में भूमिका:**
  - गोरखपुर का महत्त्व केवल आध्यात्मिक ही नहीं, बल्कि उसका भारत के **स्वतंत्रता आंदोलनों** से भी गहरा संबंध रहा है।
  - **18वीं शताब्दी** में साधुओं के नेतृत्व में हुए विद्रोहों से लेकर 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम तक, यह क्षेत्र निरंतर **प्रतिरोध का केंद्र** बना रहा।
  - **बाबू बंधू सिंह** तथा राम प्रसाद बिस्मिल जैसे महान स्वतंत्रता सेनानियों का बलिदान इस **पवित्र भूमि** से गहराई से जुड़ा है, जो इसके **साहस** तथा **देशभक्ति** की परंपरा को उजागर करता है।
- **गुरु गोरखनाथ के बारे में:**
  - गोरखनाथ, जिनका काल संभवत: **11वीं शताब्दी ईस्वी** के आसपास माना जाता है, एक **प्रख्यात हिंदू योगी** और **कानफटा योगियों** के आध्यात्मिक प्रवर्तक माने जाते हैं। यह संप्रदाय **हठ योग** का अभ्यास करने वाले तपस्वियों के रूप में प्रसिद्ध है।
  - **कनफटा योगी**, हठ योग के सिद्धांतों के अनुरूप **शारीरिक अनुशासन** तथा **आध्यात्मिक निपुणता** दोनों पर ज़ोर देते हैं। हठ योग, जो गोरखनाथ की शिक्षाओं से निकटता से जुड़ा है, एक ऐसी दार्शनिक एवं **आध्यात्मिक प्रणाली** है, जो **आध्यात्मिक पूर्णता** के मार्ग में **शरीर पर नियंत्रण** को माध्यम बनाती है।
  - यह विचारधारा **तप** को **गहन योगिक अनुशासन** के साथ संयोजित करती है, जो **कर्मकांडीय** अथवा **विशुद्ध भक्ति परंपराओं** से भिन्न मानी जाती है।

परमहंस योगानंद के बारे में:

- **परिचय**
  - **परमहंस योगानंद** (1893–1952) पश्चिमी दुनिया में स्थायी निवास स्थापित करने वाले पहले **भारतीय योग गुरु** थे।
  - उन्होंने **20वीं सदी** के प्रारंभ में पश्चिमी समाज को भारतीय आध्यात्मिक दर्शन से परिचित कराने में **महत्त्वपूर्ण भूमिका** निभाई।
- **एक स्थायी आध्यात्मिक विरासत:**
  - हालाँकि उनकी प्रारंभिक उपस्थिति ने पश्चिम में गहरा **सांस्कृतिक प्रभाव** डाला, किंतु योगानंद की **स्थायी विरासत** उनके द्वारा प्रेरित **आध्यात्मिक जागृति** में निहित है।
  - उन्होंने वर्ष **1952** में अपने निधन तक सतत् रूप से **व्याख्यान देना**, **लेखन करना** तथा **क्रिया योग**, **ध्यान** और **सार्वभौमिक आध्यात्मिकता** के समन्वय को बढ़ावा देना जारी रखा।
  - वर्ष **1946** में प्रकाशित उनकी मौलिक कृति '**योगी की आत्मकथा**' ने पश्चिमी दुनिया में **आध्यात्मिक क्रांति** को जन्म दिया, जो आज भी प्रेरणा का स्रोत बनी हुई है।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

आयुष चिकित्सा पद्धति

आयुष में आयुर्वेद, योग और प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध, सोवा रिग्पा और होम्योपैथी शामिल हैं, आयुर्वेद का 5000+ वर्षों का प्रलेखित इतिहास है।

आयुर्वेद

भगवान ब्रह्मा को आयुर्वेद का प्रथम प्रवर्तक माना जाता है

- **संहिता काल (1000 ईसा पूर्व):** परिपक्व चिकित्सा प्रणाली के रूप में उभरा
  - **चरक संहिता:** सबसे प्राचीन और आधिकारिक संहिता
  - **सुश्रुत संहिता:** आठ विशिष्टताओं में मौलिक सिद्धांत और चिकित्सीय विधियाँ प्रदान करती है
- **मुख्य शाखा:**
  - **आत्रेय पुनर्वसु-** चिकित्सकों की शाखा
  - **दिवोदास धन्वंतरि -** शल्यचिकित्सकों की शाखा

आयुर्वेद की शाखाएँ

- काय चिकित्सा- चिकित्सा।
- शल्य चिकित्सा- सर्जरी।
- शालाक्य तंत्र- ईएनटी और नेत्र विज्ञान।
- बाल रोग चिकित्सा।
- अगद तंत्र- विष विज्ञान।
- भूतविद्या - मनोरोग।
- रसायन- कायाकल्प चिकित्सा और जराचिकित्सा।
- वाजीकरण तंत्र- सेक्सोलॉजी।

योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा

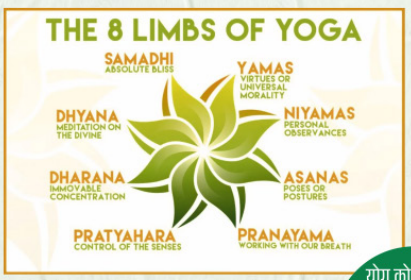

योग को सर्वप्रथम महर्षि पतंजलि ने व्यवस्थित रूप में योगसूत्र के रूप में प्रतिपादित किया

- **प्राकृतिक चिकित्सा:** 5 प्राकृतिक तत्वों - पृथ्वी, जल, वायु, अग्नि और आकाश की सहायता से उपचार
  - शरीर की स्व-उपचार क्षमता सिद्धांतों और स्वस्थ जीवन के सिद्धांतों पर आधारित
  - रोग-केंद्रित दृष्टिकोण के स्थान पर व्यक्ति-केंद्रित दृष्टिकोण को प्रोत्साहित करता है

यूनानी

ग्रीस में अग्रणी, अरबों द्वारा 7 सिद्धांतों के रूप में विकसित (उमूर-ए-तब्बिया)

- बुकरात (हिप्पोक्रेट्स) और जालीनूस (गैलेन) की शिक्षाओं के ढाँचे के आधार पर
  - चार ह्यूमर्स का हिप्पोक्रेटिक सिद्धांत अर्थात् रक्त, कफ, पीला पित्त और काला पित्त
- WHO द्वारा मान्यता प्राप्त और भारत द्वारा वैकल्पिक स्वास्थ्य प्रणाली के रूप में आधिकारिक दर्जा प्रदान किया गया

सिद्ध

10000 - 4000 ईसा पूर्व; सिद्धर अगस्तियार- सिद्ध चिकित्सा के जनक

- निवारक, प्रोत्साहनात्मक, उपचारात्मक, पुनर्जीवनात्मक और पुनर्वासात्मक स्वास्थ्य देखभाल
- **4 घटक:** लैट्रो-रसायन विज्ञान, चिकित्सा अभ्यास, योग अभ्यास और बुद्धि
- 3 निदानात्मक ह्यूमर्स (मुक्कुट्टरम) और 8 महत्त्वपूर्ण परीक्षणों (एन्वागई थेरवु) पर आधारित है

आयुर्वेद के 3 गुण (त्रिदोष): वात, पित्त और कफ

सोवा रिग्पा

उत्पत्ति: भगवान बुद्ध के समय 2500 वर्ष पूर्व भारत में

- लद्दाख, हिमाचल प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश आदि के हिमालयी क्षेत्रों में पारंपरिक चिकित्सा।
- भारतीय चिकित्सा केंद्रीय परिषद् अधिनियम, 1970 (वर्ष 2010 में संशोधित) द्वारा भारत में मान्यता प्राप्त।

होम्योपैथी

जर्मन चिकित्सक डॉ. क्रिश्चियन फ्रेडरिक सैमुअल हैनिमैन ने इसके मूलभूत सिद्धांतों को संहिताबद्ध किया

- जर्मन चिकित्सक डॉ. क्रिश्चियन फ्रेडरिक सैमुअल हैनिमैन ने इसके मूलभूत सिद्धांतों को संहिताबद्ध किया।
- औषधियाँ मुख्यतः प्राकृतिक पदार्थों (पौधे उत्पाद, खनिज, पशु स्रोत) से तैयार की जाती हैं।
- वर्ष 1810 में यूरोपीय मिशनरियों द्वारा भारत में लाया गया; वर्ष 1948 में आधिकारिक मान्यता प्रदान की गई।
- **3 प्रमुख सिद्धांत:**
  - सिमिलिया सिमिलिबस क्यूरेंटूर ("सम: समम् शमयति" या "समरूपता")
  - सिंगल मेडिसिन
  - मिनिमम डोज़

Drishti IAS

Prepare with DrishtiIAS

राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) — क्लिक करें या स्कैन करें!

हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! — क्लिक करें या स्कैन करें!

राज्य पीसीएस पुस्तकें — क्लिक करें या स्कैन करें!

निःशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग — क्लिक करें या स्कैन करें!

नव्या पहल

चर्चा में क्यों?

किशोरियों को **सशक्त बनाने** के लिये उत्तर प्रदेश के **सोनभद्र** ज़िले में **'नव्या – युवा किशोरियों के लिये व्यावसायिक प्रशिक्षण के माध्यम से आकांक्षाओं का पोषण'** कार्यक्रम प्रारंभ किया गया।

मुख्य बिंदु

- **सशक्तीकरण के लिये नव्या पहल:**
  - **नव्या, कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय** तथा **महिला एवं बाल विकास मंत्रालय** की एक **संयुक्त पहल** है।
    - इसे **19 राज्यों** के 27 आकांक्षी ज़िलों में क्रियान्वित किया जाएगा ताकि **हाशिये पर स्थित** तथा **वंचित क्षेत्रों** को प्राथमिकता दी जा सके।
  - यह एक **पायलट पहल** है जिसका उद्देश्य **16–18 वर्ष** की आयु वर्ग की किशोरियों को, जो **कक्षा 10** की न्यूनतम शैक्षिक योग्यता रखती हैं, मुख्यत: **गैर-पारंपरिक रोज़गार भूमिकाओं** में **व्यावसायिक प्रशिक्षण** प्रदान करना है।
    - यह पहल **विकसित भारत@2047 विज़न** के अनुरूप है तथा **महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास** को बढ़ावा देती है।
  - यह एक **कुशल, आत्मनिर्भर** और **समावेशी कार्यबल** के निर्माण हेतु सरकार की **प्रतिबद्धता** को मज़बूत करती है और **युवा लड़कियों** को **सामाजिक-आर्थिक परिवर्तन के वाहक** के रूप में स्थापित करती है।
  - यह कार्यक्रम **प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (PMKVY)** तथा अन्य प्रमुख **कौशल विकास योजनाओं** पर आधारित होगा।

प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (PMKVY):

- भारत सरकार द्वारा वर्ष 2015 में **कौशल भारत मिशन** की शुरुआत की गई थी, जिसके तहत प्रमुख योजना **प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (PMKVY)** को क्रियान्वित किया गया है।
- इस योजना का उद्देश्य **भारतीय युवाओं** को बेहतर **आजीविका** और **समाज में सम्मान** दिलाने के लिये उन्हें **व्यावसायिक प्रशिक्षण** एवं **प्रमाणन** प्रदान करना है।
- PMKVY का कार्यान्वयन **कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय (MSDE)** के मार्गदर्शन में **राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (NSDC)** द्वारा किया जाता है।

लखनऊ बना शून्य अपशिष्ट वाला शहर

चर्चा में क्यों?

लखनऊ ने शहरी अपशिष्ट प्रबंधन में एक बड़ी उपलब्धि प्राप्त की है। शहर के **शिवरी संयंत्र में 700 मीट्रिक टन ताजे अपशिष्ट की प्रोसेसिंग यूनिट** शुरू की गई है। इसके साथ ही लखनऊ अब प्रतिदिन उत्पन्न होने वाले 2,000 मीट्रिक टन अपशिष्ट को वैज्ञानिक तरीके से प्रोसेस करता है, जिससे यह एक **'शून्य शुद्ध अपशिष्ट शहर' (Zero Net Waste City)** बन गया है।

मुख्य बिंदु

- **शिवरी में विरासती अपशिष्ट उपचार:**
  - वर्ष 2022 में, शिवरी साइट को 18.5 लाख मीट्रिक टन संचित विरासती अपशिष्ट के साथ एक बड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा।
  - इससे निपटने के लिये, **लखनऊ नगर निगम (LMC)** ने 106.18 करोड़ रुपए की सुधार परियोजना शुरू की, जिसमें **स्वच्छ भारत मिशन (SBM-I) के तहत 96.53 करोड़ रुपए का वित्तपोषण** किया गया।
  - यह परियोजना भूमि ग्रीन एनर्जी को सौंपी गई, जिसने मार्च 2024 में कार्य शुरू किया।
- **क्रियाशील चक्रीय अर्थव्यवस्था:**
  - अब तक 12.86 लाख मीट्रिक टन पुराने अपशिष्ट को **अपशिष्ट-व्युत्पन्न ईंधन (RDF), जैव-मृदा और निर्माण-ग्रेड मलबे में संसाधित किया जा चुका है।**
    - **RDF में प्लास्टिक, कागज़ और वस्त्र जैसे** गैर-पुनर्चक्रणीय सूखा अपशिष्ट शामिल होता है, इसका

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

उच्च कैलोरी मान होता है और इसका उपयोग अपशिष्ट से ऊर्जा परियोजनाओं में **विद्युत उत्पादन** के लिये किया जा सकता है।

- पुन: प्राप्त की गई 25 एकड़ भूमि को अब **हरित क्षेत्रों**, **कंपोस्टिंग पैड और नए अपशिष्ट प्रबंधन बुनियादी ढाँचे** के लिये पुन: उपयोग में लाया जा रहा है।

- **पाइपलाइन में अपशिष्ट से ऊर्जा संयंत्र:**
  - निर्माण-स्वामित्व-संचालन **अपशिष्ट-से-ऊर्जा (WTE) संयंत्र के लिये** एक **विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (DPR) तैयार** की जा रही है।
  - तब तक, **राष्ट्रीय ताप विद्युत निगम लिमिटेड (NTPC)** द्वारा समर्थित मौजूदा शिवरी सुविधा शहर के अंतरिम अपशिष्ट प्रसंस्करण समाधान के रूप में कार्य करेगी।
- **स्वच्छ भारत मिशन (SBM-I):**
  - इसे **2 अक्तूबर, 2014 को पेयजल एवं स्वच्छता मंत्रालय तथा आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय** द्वारा लॉन्च किया गया था।
  - इसे ग्रामीण क्षेत्रों के लिये **SBM-ग्रामीण** तथा शहरी क्षेत्रों के लिये **SBM-शहरी** में भी विभाजित किया गया।
  - **उद्देश्य:**
    - इसका उद्देश्य व्यक्तिगत और सामुदायिक शौचालयों का निर्माण करके तथा स्कूलों और आँगनवाड़ी शौचालयों में अपशिष्ट प्रबंधन प्रणालियों को लागू करके भारत को **खुले में शौच मुक्त (ODF)** बनाना था।
    - किसी क्षेत्र को **खुले में शौच से मुक्त (ODF) घोषित किया जा सकता है** यदि दिन के किसी भी समय वहाँ एक भी व्यक्ति खुले में शौच करते हुए न पाया जाए।
- **SBM शहरी 2.0:**
  - इसका उद्देश्य सामग्री पुनर्प्राप्ति सुविधाएँ, अपशिष्ट से ऊर्जा बनाने वाले संयंत्र और पुनर्चक्रण इकाइयाँ स्थापित करके **"अपशिष्ट मुक्त शहर"** बनाना है, जिससे शहरी क्षेत्रों में ठोस अपशिष्ट प्रसंस्करण क्षमता में लगभग 1.06 लाख टन प्रतिदिन (TPD) की उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

ऑपरेशन कन्विक्शन

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश ने सख्त ज़ीरो टॉलरेंस नीति के माध्यम से अपनी कानून और व्यवस्था की स्थिति में परिवर्तन देखा है, **जिसमें ऑपरेशन कन्विक्शन भी शामिल है,** जो त्वरित दोषसिद्धि सुनिश्चित करने और गंभीर अपराधों से निपटने पर केंद्रित है।

मुख्य बिंदु

- **ऑपरेशन कन्विक्शन और प्रभाव:**
  - **जुलाई 2023** में लॉन्च किया गया ऑपरेशन **कन्विक्शन फास्ट-ट्रैक अभियोजन पर ध्यान केंद्रित** करके त्वरित न्याय सुनिश्चित करने के लिये एक महत्त्वपूर्ण रणनीति के रूप में उभरा है, जिससे सज़ा दरों में महत्त्वपूर्ण सुधार हुआ है।
    - **बच्चों के विरुद्ध अपराधों में,** कई लोगों को **यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (POCSO) अधिनियम, 2012** के अंतर्गत मृत्युदंड दिया गया तथा 600 से अधिक को आजीवन कारावास की सज़ा सुनाई गई।
    - शीर्ष अपराधियों और कुख्यात माफियाओं से संबंधित मामलों में महत्त्वपूर्ण सज़ाएँ प्राप्त हुई हैं, जो **संगठित अपराध पर ध्यान केंद्रित करने को रेखांकित** करता है।
- **POCSO अधिनियम, 2012:**
- **परिचय:**
  - **POCSO अधिनियम बच्चों के यौन शोषण और दुर्व्यवहार से** निपटने के लिये बनाया गया था, **जिसमें 18 वर्ष से कम आयु** के किसी भी व्यक्ति को बच्चा माना गया है।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- इसे भारत द्वारा बाल अधिकार पर संयुक्त राष्ट्र कन्वेंशन (1992) के अनुसमर्थन के परिणामस्वरूप अधिनियमित किया गया था।

- **प्रमुख विशेषताएँ:**
  - यह अधिनियम **लैंगिक भेदभाव रहित है**, जो **लड़के और लड़कियों दोनों** को यौन शोषण से बचाता है। इसमें विशेष न्यायालयों द्वारा **अंतरिम मुआवज़ा** और तत्काल ज़रूरतों के लिये **बाल कल्याण समिति (CWC)** के माध्यम से **तत्काल राहत का प्रावधान है।**
  - कानूनी कार्यवाही के दौरान बच्चे की सहायता के लिये एक **सहायक व्यक्ति नियुक्त किया जाता है। धारा 23** मीडिया में पीड़ित की पहचान के प्रकटीकरण पर रोक लगाकर **गोपनीयता** सुनिश्चित करती है।

- **संगठित अपराध:**
  - **संगठित अपराध को एक साथ काम करने वाले समूहों या नेटवर्क द्वारा की जाने वाली अवैध गतिविधियों के रूप में परिभाषित किया जाता है, जिसमें अक्सर वित्तीय या भौतिक लाभ प्राप्त करने के लिये** हिंसा, भ्रष्टाचार या संबंधित कार्य शामिल होते हैं।
  - अंतर्राष्ट्रीय संगठित अपराध (TOC) तब होता है जब गतिविधियाँ या समूह **कई देशों में संचालित** होते हैं।
  - संगठित अपराध के विभिन्न रूपों में शामिल हैं:
    - मनी लॉन्ड्रिंग, ड्रग तस्करी, मानव तस्करी, अवैध आग्नेयास्त्रों की तस्करी, प्राकृतिक संसाधनों की तस्करी, **धोखाधड़ी वाली दवाएँ, साइबर अपराध और पहचान की चोरी (Identity Theft)।**

राष्ट्रीय खेल नीति (NSP) 2025

चर्चा में क्यों?

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने **राष्ट्रीय खेल नीति (NSP) 2025** को **मंज़ूरी** दे दी है, जो **वर्ष 2001** की राष्ट्रीय खेल नीति का स्थान लेगी।

- भारत के **खेल पारिस्थितिकी तंत्र** में रूपांतरण के लिये अपनाए गए **नए दृष्टिकोण** को **पाँच प्रमुख स्तंभों** पर आधारित किया गया है।

मुख्य बिंदु

- **NSP 2025 के पाँच प्रमुख स्तंभ:**
- **वैश्विक मंच पर उत्कृष्टता:**
  - **प्रतिभा विकास:** प्रारंभिक प्रतिभा पहचान और पोषण के लिये तंत्र के माध्यम से ज़मीनी स्तर से लेकर उच्च स्तर तक खेल कार्यक्रमों को मज़बूत करना।
  - **बुनियादी ढाँचा और प्रतियोगिताएँ:** ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में खेल बुनियादी ढाँचे के विकास के साथ-साथ प्रतिस्पर्द्धी लीग और राष्ट्रव्यापी टूर्नामेंट को बढ़ावा देता है।
  - **समर्थन प्रणालियाँ:** राष्ट्रीय खेल महासंघों (NSFs) की क्षमता और प्रशासन को बढ़ाते हुए प्रशिक्षण, कोचिंग और एथलीट समर्थन के लिये विश्व स्तरीय प्रणालियाँ स्थापित करता है।
  - **विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी:** खेल विज्ञान, चिकित्सा और उन्नत प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा देना, साथ ही प्रशिक्षकों, तकनीकी अधिकारियों और सहायक कर्मचारियों सहित कुशल खेल कर्मियों के विकास को बढ़ावा देना।
- **आर्थिक विकास के लिये खेल:**
  - **पर्यटन एवं कार्यक्रम:** खेल पर्यटन को बढ़ावा देना और अंतर्राष्ट्रीय खेल आयोजनों की मेज़बानी करना।
  - **उद्योग और नवाचार:** खेल क्षेत्र में स्टार्टअप और उद्यमशीलता को प्रोत्साहित करते हुए घरेलू खेल सामान विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र को मज़बूत करता है।
  - **निवेश और सहयोग:** सार्वजनिक-निजी भागीदारी (PPP), कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (CSR) और नवीन वित्तपोषण मॉडल के माध्यम से निजी क्षेत्र की भागीदारी को बढ़ावा देना।
- **सामाजिक विकास के लिये खेल:**
  - **समावेशी भागीदारी:** महिलाओं, जनजातीय समूहों, वंचित वर्गों और विकलांग व्यक्तियों के लिये लक्षित कार्यक्रम।
  - **सांस्कृतिक संवर्द्धन:** स्वदेशी और पारंपरिक भारतीय खेलों का पुनरुद्धार।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- **कैरियर एकीकरण:** शिक्षा एकीकरण, स्वयंसेवा और दोहरे कैरियर विकल्पों के माध्यम से खेल को एक व्यवहार्य कैरियर पथ के रूप में स्थापित करना।
- **वैश्विक सहभागिता:** खेल पहलों के माध्यम से भारतीय प्रवासियों के साथ सहभागिता को मज़बूत करना।

खेल एक जन आंदोलन के रूप में:

- **जन भागीदारी:** फिटनेस संस्कृति को बढ़ावा देने के लिये राष्ट्रव्यापी अभियान और सामुदायिक कार्यक्रम।
- **फिटनेस मानक:** शैक्षिक संस्थानों और कार्यस्थलों के लिये फिटनेस सूचकांक की शुरूआत।
- **सुविधाओं तक पहुँच:** खेल अवसंरचना और अवसरों तक सार्वभौमिक पहुँच बढ़ाना।

शिक्षा के साथ एकीकरण:

- **पाठ्यक्रम विकास (NEP 2020 के साथ संरेखित):** औपचारिक स्कूली शिक्षा में खेलों को शामिल करना।
- **शिक्षक प्रशिक्षण:** शिक्षकों और शारीरिक शिक्षा शिक्षकों के लिये विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम।

रणनीतिक ढाँचा:

- **शासन:** पारदर्शिता और दक्षता सुनिश्चित करने के लिये मज़बूत कानूनी और नियामक ढाँचा।
- **वित्तपोषण एवं निजी क्षेत्र का समर्थन:** नवीन वित्तपोषण और CSR मॉडल के माध्यम से निजी संस्थाओं को शामिल करना।
- **प्रौद्योगिकी और नवाचार: निगरानी और प्रदर्शन वृद्धि के लिये** कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI), डाटा विश्लेषण और उभरती प्रौद्योगिकियों को अपनाना।
- **निगरानी एवं मूल्यांकन:** प्रमुख निष्पादन संकेतक (KPI), मानक और समयबद्ध लक्ष्यों के साथ राष्ट्रीय निगरानी ढाँचा।
- **राज्यों के लिये आदर्श नीति:** NSP 2025 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के लिये अपनी खेल नीतियों को संरेखित करने हेतु एक मार्गदर्शक ढाँचे के रूप में कार्य करेगी।
- **संपूर्ण सरकारी दृष्टिकोण:** सभी सरकारी विभागों और योजनाओं में खेल उद्देश्यों का एकीकरण।

उत्तर प्रदेश खेल नीति 2023

उत्तर प्रदेश की नई खेल नीति 2023 राज्य के खेल पारिस्थितिकी तंत्र को मज़बूत करने के लिये समग्र एथलीट विकास, संस्थागत एकीकरण और मज़बूत बुनियादी ढाँचे पर केंद्रित है।

मुख्य बिंदु:

- **एथलीट विकास:** ज़मीनी स्तर, विकासशील और उच्च स्तरीय एथलीटों के लिये अनुरूप, स्तर-आधारित समर्थन के साथ शारीरिक फिटनेस और प्रशिक्षण पर ज़ोर दिया जाता है।
- **संस्थागत संबंध:** नए खेल संस्थानों के निर्माण को प्रोत्साहित करता है और निजी अकादमियों और कॉलेजों के साथ सहयोग को बढ़ावा देता है।
- **बुनियादी ढाँचा और वित्तपोषण:** कम संसाधन वाले खेल निकायों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है, **सार्वजनिक निजी भागीदारी (PPP)** के माध्यम से बुनियादी ढाँचे के विकास को बढ़ावा देता है, जिसमें 14 खेल-विशिष्ट उत्कृष्टता केंद्र शामिल हैं और ग्रामीण क्षेत्रों में स्टेडियम तथा ओपन जिम बनाने की योजना है।
- **शासन एवं सुविधाएँ:** एक समर्पित **राज्य खेल प्राधिकरण** की स्थापना की जाएगी तथा राज्य भर में खेल सुविधाओं और कोचिंग संसाधनों का मानचित्रण किया जाएगा।
- **एकलव्य खेल निधि:** प्रत्येक पंजीकृत खिलाड़ी को 5 लाख रुपए तक का स्वास्थ्य बीमा प्रदान करती है तथा खिलाड़ियों के समग्र उपचार और कल्याण में सहायता करती है।
- **खेलो इंडिया एकीकरण:** प्रतिभा पहचान और सुविधा विकास के लिये खेलो इंडिया विश्वविद्यालय खेलों का लाभ उठाने पर ध्यान केंद्रित करना।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

उत्तर प्रदेश में नया ईवी पार्क

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश सरकार अपने **कानपुर महानगर विकास विज़न 2030** के तहत **700 करोड़ रुपए** की लागत से **इलेक्ट्रिक वाहन (EV) पार्क** की स्थापना करने जा रही है। 500 एकड़ में फैली इस महत्त्वाकांक्षी परियोजना का क्रियान्वयन **उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण (UPSIDA)** द्वारा किया जाएगा।

नोट: UPSIDA उत्तर प्रदेश में औद्योगिक और बुनियादी ढाँचे के विकास के लिये ज़िम्मेदार प्रमुख सरकारी एजेंसी है।

मुख्य बिंदु

- **परियोजना के बारे में:**
  - **उद्देश्य:** प्रस्तावित **ईवी पार्क** स्थानीय आपूर्ति श्रृंखला को बढ़ावा देगा, 'Make in UP' तथा 'Made in UP' पहल के तहत स्वदेशी विनिर्माण को प्रोत्साहित करेगा तथा **कानपुर** को वैश्विक **ईवी परिदृश्य** में औद्योगिक नवाचार के **केंद्र** के रूप में स्थापित करेगा।
  - **रणनीतिक स्थान: ईवी पार्क** को **कानपुर** में **भीमसेन** के पास स्थापित किया जाएगा, जो **समर्पित माल ढुलाई गलियारे (DFC)** के साथ रणनीतिक रूप से स्थित है।
    - यह स्थान प्रमुख रेल तथा सड़क नेटवर्क से जुड़ा होने के कारण **लॉजिस्टिक** दृष्टि से उपयुक्त है जिससे कच्चे माल तथा तैयार माल का निर्बाध परिवहन सुनिश्चित होता है।
  - **उत्तर प्रदेश के रक्षा और औद्योगिक गलियारों के साथ एकीकरण:** कानपुर, जो पहले से ही **उत्तर प्रदेश रक्षा औद्योगिक गलियारे** में एक महत्त्वपूर्ण **केंद्र** है, अपने औद्योगिक आधार को मज़बूत करके इस पहल से लाभान्वित होगा।
    - पार्क **की विनिर्माण क्षमताएँ राज्य के बड़े आर्थिक उद्देश्यों की पूर्ति करेंगी,** जिनमें रक्षा विनिर्माण, नवाचार और क्षेत्रीय विकास को बढ़ावा देना शामिल है।
    - कानपुर, **उत्तर प्रदेश रक्षा औद्योगिक गलियारे (UPDIC) के छह केंद्रों में से एक है।** अन्य पाँच केंद्र लखनऊ, आगरा, अलीगढ़, चित्रकूट और झाँसी हैं।
  - **सार्वजनिक-निजी भागीदारी (PPP) मॉडल:** ईवी पार्क को **पीपीपी मॉडल** के तहत विकसित किया जाएगा, जिसमें निजी क्षेत्र की दक्षता को सार्वजनिक बुनियादी ढाँचे के समर्थन के साथ जोड़ा जाएगा।
  - **उन्नत विनिर्माण अवसंरचना:** पार्क में आवश्यक ईवी घटकों के लिये अत्याधुनिक विनिर्माण इकाइयाँ होंगी, जिनमें शामिल हैं:
    - **इलेक्ट्रिक वाहनों में प्रयुक्त विद्युत मोटर, लिथियम-आयन सेल** और कोर इलेक्ट्रॉनिक प्रणालियाँ।
  - **समर्पित अनुसंधान एवं विकास केंद्र:** पार्क की एक मुख्य विशेषता ईवी प्रौद्योगिकियों में नवाचार पर केंद्रित एक समर्पित **अनुसंधान एवं विकास (R&D) केंद्र होगा।**
    - इससे क्षेत्रीय स्तर पर तकनीकी प्रगति को बढ़ावा मिलेगा, साथ ही इलेक्ट्रिक मोबिलिटी में वैश्विक प्रगति में भी योगदान मिलेगा।
  - **एकीकृत ईवी घटक क्लस्टर:** ईवी घटकों के विनिर्माण को समर्थन देने के लिये पार्क के भीतर एक एकीकृत क्लस्टर विकसित किया जाएगा।
    - **यह तंत्र लघु और मध्यम उद्यमों (SME), स्टार्टअप** और स्थानीय उद्यमियों को सशक्त बनाएगा।
    - इस पहल का उद्देश्य ईवी मूल्य श्रृंखला में स्थानीय भागीदारी को बढ़ाना और उद्यम-संचालित नवाचार को प्रोत्साहित करना है।
  - **रोज़गार सृजन:** इस परियोजना से प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष दोनों तरह के रोज़गार सृजित होने की उम्मीद है, जिससे क्षेत्र में आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा।
- **इलेक्ट्रिक वाहनों के बारे में:**
  - **परिचय:** इलेक्ट्रिक वाहन ऐसे वाहन हैं जो पेट्रोल या डीजल से चलने वाले **पारंपरिक आंतरिक दहन इंजन (ICE)** के बजाय प्रणोदन के लिये एक या एक से अधिक इलेक्ट्रिक मोटरों का उपयोग करते हैं।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- यद्यपि इलेक्ट्रिक वाहनों की अवधारणा लंबे समय से चली आ रही है, ईंधन आधारित वाहनों के **बढ़ते कार्बन उत्सर्जन और अन्य पर्यावरणीय प्रभावों के कारण पिछले दशक में इसमें व्यापक रूप से रुचि** बढ़ी है।

- **इलेक्ट्रिक वाहनों के प्रकार:**
  - **बैटरी इलेक्ट्रिक वाहन (BEVs):** ये प्रणोदन के लिये पूरी तरह बैटरी शक्ति पर निर्भर होते हैं तथा शून्य टेलपाइप उत्सर्जन उत्पन्न करते हैं।
  - **प्लग-इन हाइब्रिड इलेक्ट्रिक वाहन (PHEV):** इनमें इलेक्ट्रिक मोटर के साथ ही गैसोलीन इंजन मौजूद होता है। इन्हें बाह्य रूप से चार्ज किया जा सकता है और सीमित दूरी तक बैटरी पावर पर चलाया जा सकता है, जबकि लंबी यात्राओं के लिये गैसोलीन इंजन का उपयोग किया जा सकता है।
  - **हाइब्रिड इलेक्ट्रिक वाहन (HEVs):** इनमें इलेक्ट्रिक मोटर और गैसोलीन इंजन दोनों का उपयोग होता है, लेकिन बैटरी को सीधे प्लग-इन कर चार्ज नहीं किया जा सकता।
    - बैटरी को गैसोलीन इंजन या पुनर्योजी ब्रेकिंग (regenerative braking) के माध्यम से चार्ज किया जाता है।

भारत में इलेक्ट्रिक वाहन संबंधी नीतियाँ:

- **वर्ष 2010:** नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (MNRE) द्वारा 95 करोड़ रुपए की योजना (जहाँ **एक्स-फैक्ट्री कीमतों पर 20% तक के प्रोत्साहन की पेशकश** की गई) के माध्यम से भारत ने EVs को प्रोत्साहन प्रदान किया। हालाँकि, मार्च 2012 में यह योजना वापस ले ली गई।
- **वर्ष 2013:** EVs के अंगीकरण को बढ़ावा देने, ऊर्जा सुरक्षा को संबोधित करने और वाहन प्रदूषण को कम करने के लिये **'राष्ट्रीय इलेक्ट्रिक मोबिलिटी मिशन योजना (NEMMP) 2020''** का शुभारंभ किया गया। हालाँकि इस योजना का व्यापक क्रियान्वयन नहीं हो सका।
- **वर्ष 2015:** स्वच्छ ईंधन प्रौद्योगिकी कारों को प्रोत्साहित करने के लिये (**वर्ष 2020 तक 7 मिलियन EVs के लक्ष्य** के साथ) केंद्रीय बजट में 75 करोड़ रुपए के परिव्यय के साथ **FAME योजना** की घोषणा की गई।
- **वर्ष 2017:** भारतीय परिवहन मंत्रालय ने **वर्ष 2030 तक 100% इलेक्ट्रिक कारों** का लक्ष्य निर्धारित किया है। उद्योग की चिंताओं के बाद 100% के लक्ष्य को घटाकर 30% कर दिया गया।
- **वर्ष 2019:** केंद्रीय मंत्रिमंडल ने अग्रिम खरीद प्रोत्साहन और चार्जिंग अवसंरचना के साथ **इलेक्ट्रिक वाहनों के अंगीकरण में तेज़ी लाने के लिये 10,000 करोड़ रुपए** की **FAME-II योजना** को मंज़ूरी प्रदान की।
- **वर्ष 2023:** जीएसटी परिषद की 36वीं बैठक में इलेक्ट्रिक वाहन बाज़ार को बढ़ावा देने के लिये **इलेक्ट्रिक वाहनों पर जीएसटी दर को 12% से घटाकर 5%** और चार्जर या चार्ज स्टेशनों पर 18% से घटाकर 5% करने का निर्णय लिया गया।
- **वर्ष 2025:** केंद्र ने घरेलू ईवी उत्पादन को बढ़ावा देने के लिये **भारत में इलेक्ट्रिक यात्री कारों के विनिर्माण को बढ़ावा देने की योजना (SPMEPCI)** के लिये विस्तृत दिशानिर्देश जारी किये हैं।

भारत का पहला अश्व रोग-मुक्त कंपार्टमेंट (EDFC)

चर्चा में क्यों?

विश्व पशु स्वास्थ्य संगठन (WOAH) ने **उत्तर प्रदेश** के **मेरठ** स्थित **रिमाउंट वेटरनरी कॉर्प्स (RVC) सेंटर एवं कॉलेज** में स्थापित **भारत के पहले अश्व रोग मुक्त कंपार्टमेंट (Equine Disease Free Compartment - EDFC)** को आधिकारिक रूप से **मान्यता** प्रदान की है।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

मुख्य बिंदु

अश्व रोग मुक्त कंपार्टमेंट (EDFC):

- **परिचय:**
  - **EDFC** घोड़ों के लिये विशेष रूप से निर्दिष्ट एक **जैव-सुरक्षित क्षेत्र** है, जो गंभीर **अश्वीय रोगों** से सुरक्षा सुनिश्चित करता है तथा **खेल**, **प्रजनन** या **व्यापार** हेतु उनका सुरक्षित आवागमन संभव बनाता है।
  - इसकी स्थापना **मत्स्यपालन**, **पशुपालन** और **डेयरी मंत्रालय** के अंतर्गत की गई है।
- **विशेषताएँ:**
  - EDFC, विभिन्न क्षेत्रों में **रोग मुक्त क्षेत्र** स्थापित करने की एक **व्यापक पहल** का हिस्सा है।
  - भारत, पोल्ट्री उत्पादों के **सुरक्षित निर्यात** के लिये **अत्यधिक रोगजनक एवियन इन्फ्लूएंजा (HPAI)** मुक्त कंपार्टमेंट विकसित करने पर भी कार्य कर रहा है।
  - EDFC, वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं के अनुरूप **रोग की रोकथाम**, **कीट नियंत्रण**, **सुरक्षा**, **स्वच्छता**, **स्वास्थ्य निगरानी**, **अपशिष्ट प्रबंधन** तथा **निरंतर निगरानी** को समाहित करने वाले **विस्तृत मानक प्रचालन प्रक्रियाओं (SOPs)** का पालन करता है।
  - यह अनुमोदन, **WOAH की स्थलीय पशु स्वास्थ्य संहिता** के अनुरूप प्रदान किया गया है, जो **सख्त जैव-सुरक्षा** तथा **पशु देखभाल प्रथाओं** के माध्यम से **रोग मुक्त पशु उप-जनसंख्या** के प्रबंधन हेतु **वैज्ञानिक दिशानिर्देश** प्रदान करती है।
- **प्रमाणित रोग-मुक्त स्थिति:**
  - EDFC को प्रमुख अश्व रोगों जैसे कि **अश्व संक्रामक एनीमिया**, **अश्व इन्फ्लूएंजा**, **अश्व पिरोप्लास्मोसिस**, **ग्लैंडर्स** और **सुर्रा** से मुक्त घोषित किया गया है।
    - **भारत वर्ष 2014 से अफ्रीकन हॉर्स सिकनेस** से मुक्त है।
- **महत्त्व:**
  - **अंतर्राष्ट्रीय भागीदारी:** भारतीय खेल घोड़े अब अंतर्राष्ट्रीय घुड़सवारी प्रतियोगिताओं में भाग ले सकेंगे, जिससे वैश्विक स्तर पर भारत की उपस्थिति एवं भागीदारी बढ़ेगी।
  - **अश्व व्यापार और प्रजनन को बढ़ावा:** EDFC, **अश्व व्यापार** एवं **प्रजनन क्षेत्र** में भारत की स्थिति को सशक्त बनाएगा, जिससे **भारतीय घोड़ों** के लिये **वैश्विक बाज़ार** खुलेंगे।
  - **पशु स्वास्थ्य उत्कृष्टता:** विश्व स्तर पर स्वीकृत प्रथाओं के साथ पशु स्वास्थ्य प्रणालियों को मज़बूत करने की भारत की प्रतिबद्धता, इसे पशु चिकित्सा उत्कृष्टता में अग्रणी बनाती है।

विश्व पशु स्वास्थ्य संगठन (WOAH)

- **WOAH** पशु स्वास्थ्य और कल्याण हेतु समर्पित एक अग्रणी **अंतर्राष्ट्रीय संस्था** है।
- इसकी स्थापना वर्ष **1924** में ऑफिस इंटरनेशनल डेस एपिज़ूटीज़ **(OIE)** के रूप में की गई थी तथा इसने **मई 2003** में अपना वर्तमान नाम अपनाया।
- यह एक **अंतर-सरकारी संगठन** के रूप में कार्य करता है, जहाँ सदस्य राष्ट्र **पशु स्वास्थ्य** के क्षेत्र में **साझा वैश्विक लक्ष्यों** की प्राप्ति हेतु सहयोग करते हैं।
- संगठन का मुख्य उद्देश्य **वैश्विक पशु स्वास्थ्य में सुधार** लाना है। इसका **मुख्यालय पेरिस, फ्राँस** में स्थित है।
- **वर्ष 2025** तक WOAH के **183 सदस्य देश** हैं, जिनमें **भारत** भी शामिल है।
- यह संगठन, सदस्य देशों को **पशु रोगों के प्रवेश एवं प्रसार को रोकने** में सहयोग देने के लिये **स्थलीय पशु स्वास्थ्य संहिता** जैसे **वैज्ञानिक दिशानिर्देश** तैयार करता है।
- **विश्व व्यापार संगठन (WTO)** ने WOAH द्वारा निर्धारित **मानकों** को **अंतर्राष्ट्रीय स्वच्छता दिशानिर्देश** के रूप में स्वीकार किया है।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

उत्तर प्रदेश ने वैश्विक विनिर्माण बदलाव का लक्ष्य रखा

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश बहुराष्ट्रीय निर्माताओं को आकर्षित करने के लिये, विशेष रूप से चाइना+1 रणनीति के माध्यम से, अपनी **वैश्विक पहुँच** को तीव्र कर रहा है, जो कि मुख्यमंत्री **योगी आदित्यनाथ** के राज्य को 1 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था में बदलने के दृष्टिकोण का हिस्सा है।

मुख्य बिंदु

- **चीन+1 रणनीति के बारे में:**
  - यह वैश्विक प्रवृत्ति को संदर्भित करती है, जिसमें कंपनियाँ **चीन के अतिरिक्त अन्य देशों** में परिचालन स्थापित करके अपनी विनिर्माण एवं **आपूर्ति शृंखला** में विविधता लाने का प्रयास करती हैं।
  - इस रणनीति का उद्देश्य किसी एक देश पर अत्यधिक निर्भरता से उत्पन्न **जोखिमों को कम करना** है, विशेष रूप से **भू-राजनीतिक तनावों** एवं **आपूर्ति शृंखला में व्यवधानों** के परिप्रेक्ष्य में।
- **निवेश आकर्षित करने के लिये वैश्विक पहुँच:**
  - अपनी चीन+1 रणनीति के अंतर्गत, राज्य की नोडल निवेश प्रोत्साहन एजेंसी- **इन्वेस्ट यूपी**, एक **वैश्विक आउटरीच पहल** का नेतृत्व कर रही है।
  - इस अभियान में **फॉर्च्यून 500 कंपनियों** और **वैश्विक औद्योगिक नेताओं को** आकर्षित करने के लिये **संयुक्त राज्य अमेरिका, यूरोप और यूनाइटेड किंगडम** में रोड शो और रणनीतिक व्यापारिक कार्यक्रम शामिल हैं।
  - इस आउटरीच में **न्यूयॉर्क, लंदन, पेरिस** आदि जैसे वैश्विक व्यापार केंद्रों में **बिज़नेस-टू-गवर्नमेंट (B2G)** बैठकें तथा **गोलमेज़ चर्चाएँ** सम्मिलित हैं।
  - ये कार्यक्रम **भारतीय दूतावासों**, अमेरिका-भारत व्यापार परिषद (USIBC), भारतीय उद्योग परिसंघ (CII) तथा भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग महासंघ (FICCI) जैसे प्रमुख व्यापार संघों के सहयोग से आयोजित किये जा रहे हैं।
- **उत्तर प्रदेश में क्षेत्रीय विकास और प्रमुख निवेश:**
  - **इलेक्ट्रॉनिक्स:** 3,700 करोड़ रुपए का HCL-फॉक्सकॉन OSAT निवेश राज्य की सेमीकंडक्टर महत्त्वाकांक्षाओं में एक मील का पत्थर है।
  - **वस्त्र:** उत्तर प्रदेश पीएम मित्र मेगा टेक्सटाइल पार्क तथा सिंथेटिक, रक्षा और चिकित्सा वस्त्रों पर केंद्रित मिनी पार्कों के माध्यम से अपनी वस्त्र मूल्य शृंखला को सुदृढ़ कर रहा है।
  - इलेक्ट्रिक वाहन (EV): EV नीति 2023 के तहत, उत्तर प्रदेश ने वर्ष 2028 तक 36 गीगावाट-घंटे (GWh) बैटरी उत्पादन क्षमता का लक्ष्य रखा है।
  - **डिजिटल ढाँचा:** नोएडा-ग्रेटर नोएडा भारत के अग्रणी डाटा सेंटर हब के रूप में उभर रहा है, जहाँ एकीकृत AI सिटी विकसित करने की योजना है।

इन्वेस्ट यूपी

- **परिचय:**
  - इन्वेस्ट यूपी, जिसे पहले **उद्योग बंधु** के नाम से जाना जाता था, उत्तर प्रदेश सरकार की **निवेश संवर्द्धन एवं सुविधा एजेंसी** है।
  - यह एजेंसी राज्य में **नए निवेश को आकर्षित करने** तथा **विद्यमान एवं संभावित उद्योगों द्वारा सामना की जा रही समस्याओं के समाधान** के लिये समर्पित है।
- **दृष्टिकोण:**
  - इन्वेस्ट यूपी का दृष्टिकोण उत्तर प्रदेश को **भारत का सबसे पसंदीदा निवेश गंतव्य** बनाने का है।
  - इसका उद्देश्य **निवेश नीतियों के प्रभावी क्रियान्वयन** हेतु एक प्रेरक शक्ति के रूप में कार्य करना है तथा **विश्व-स्तरीय व्यापारिक परिवेश और अधोसंरचना** उपलब्ध कराकर **आर्थिक विकास को बढ़ावा देना** और राज्य की जनता के जीवन स्तर को ऊँचा उठाना है।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- **लक्ष्य (Mission):**
  - राज्य की **निवेश संवर्द्धन एवं सुविधा एजेंसी** के रूप में इन्वेस्ट यूपी का उद्देश्य है कि वह राज्य में **उद्योगों और अधोसंरचना के तीव्र विकास के लिये नीतियों के निर्माण में सक्रिय योगदान** देकर निवेश आकर्षित करे।
  - यह संस्था संभावित एवं वर्तमान **उद्यमियों की समस्याओं के समाधान के लिये परामर्श सेवाएँ** प्रदान करती है।

उत्तर प्रदेश सरकार के विद्यालय विलय आदेश के विरुद्ध दायर याचिकाएँ खारिज

चर्चा में क्यों?

इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने **सरकारी प्राथमिक विद्यालयों** और **उच्च प्राथमिक विद्यालयों** के **विलय** के राज्य सरकार के आदेश को चुनौती देने वाली **याचिकाओं** को खारिज कर दिया।

- **याचिकर्त्ताओं** ने तर्क दिया कि यह कदम शिक्षा का अधिकार (RTE) अधिनियम, 2009 का उल्लंघन करता है, **बच्चों की शिक्षा** में बाधा डालता है और सामाजिक असमानता को बढ़ाता है।

मुख्य बिंदु

- **उच्च न्यायालय का निर्णय:**
  - न्यायालय ने निर्णय दिया कि **नीतिगत निर्णयों** को तब तक चुनौती नहीं दी जा सकती जब तक कि वे **असंवैधानिक** या **मनमाने** न हों।
  - न्यायालय ने कहा कि स्कूलों का **विलय करना** संविधान के अनुच्छेद 21A का उल्लंघन नहीं है।
    - **अनुच्छेद 21A** 6 से 14 वर्ष की आयु के बच्चों के लिये मौलिक अधिकार के रूप में **शिक्षा के अधिकार** की गारंटी देता है।
  - सरकार का यह कदम **संवैधानिक** एवं **कानूनी रूप से वैध** है तथा इसका उद्देश्य **शैक्षिक गुणवत्ता** एवं **संसाधन दक्षता** को बढ़ाना है।
- **पृष्ठभूमि:**
  - **जून 2025** में उत्तर प्रदेश **बेसिक शिक्षा विभाग** ने एक आदेश जारी किया था कि **50 से कम छात्रों वाले स्कूलों** को **जुलाई 2025** से पास के स्कूलों में **विलय** कर दिया जाएगा।
    - सरकार का उद्देश्य इन छात्रों को **उच्च प्राथमिक** या **समग्र विद्यालयों** में स्थानांतरित करके **शिक्षा की गुणवत्ता** में सुधार करना तथा **संसाधनों का इष्टतम उपयोग** सुनिश्चित करना है।
- **शिक्षा का अधिकार (RTE) अधिनियम, 2009**
  - RTE अधिनियम का उद्देश्य 6 से 14 वर्ष की आयु के सभी बच्चों को प्राथमिक शिक्षा प्रदान करना है।
  - धारा 12 (1) (C) में कहा गया है कि गैर-अल्पसंख्यक निजी गैर-सहायता प्राप्त स्कूल आर्थिक रूप से कमज़ोर और वंचित पृष्ठभूमि के बच्चों के लिये प्रवेश स्तर ग्रेड में कम- से-कम **25% सीटें आरक्षित** करें।
  - यह विद्यालय न जाने वाले बच्चे के लिये एक उपयुक्त आयु से संबंधित कक्षा में भर्ती करने का प्रावधान भी करता है।
  - यह **केंद्र और राज्य सरकारों के बीच वित्तीय एवं अन्य ज़िम्मेदारियों** को साझा करने के बारे में भी जानकारी देता है।
    - भारतीय संविधान में **शिक्षा** समवर्ती सूची **का विषय है** और केंद्र व राज्य दोनों इस विषय पर कानून बना सकते हैं।
  - यह छात्र-शिक्षक अनुपात, भवन और **बुनियादी ढाँचा,** स्कूल-कार्य दिवस, शिक्षकों के लिये कार्यावधि से संबंधित मानदंडों और मानकों का प्रावधान करता है।
  - इस अधिनियम में गैर-शैक्षणिक कार्यों **जैसे-** स्थानीय जनगणना, स्थानीय प्राधिकरण, **राज्य** विधानसभाओं और संसद के चुनावों तथा आपदा राहत के अलावा अन्य कार्यों में शिक्षकों की तैनाती का प्रावधान करता है।
  - यह अपेक्षित प्रविष्टि और शैक्षणिक योग्यता के अनुसार शिक्षकों की नियुक्ति का प्रावधान करता है।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- **यह निम्नलिखित का निषेध करता है:**
  - शारीरिक दंड और मानसिक उत्पीड़न।
  - बच्चों के प्रवेश के लिये स्क्रीनिंग प्रक्रिया।
  - प्रति व्यक्ति शुल्क।
  - शिक्षकों द्वारा निजी ट्यूशन।
  - बिना मान्यता प्राप्त विद्यालय।

अस्मिता 2025

चर्चा में क्यों?

केंद्रीय खेल मंत्री ने उत्तर प्रदेश के **मोदीनगर** में अस्मिता लीग के **2025 सत्र** का शुभारंभ किया। इस सत्र की शुरुआत **दो दिवसीय** भारोत्तोलन प्रतियोगिता से हुई।

- टोक्यो ओलंपिक की **रजत पदक विजेता** मीराबाई चानू उन अनेक गणमान्य व्यक्तियों में शामिल थीं जो **अस्मिता भारोत्तोलन लीग** के उद्घाटन समारोह में उपस्थित थे।

मुख्य बिंदु

- **अस्मिता के बारे में:**
  - **अस्मिता (महिलाओं को प्रेरित कर खेल क्षेत्र में उपलब्धियाँ प्राप्त करना) 'खेलो इंडिया'** मिशन का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य लैंगिक समानता पर आधारित खेल संस्कृति को प्रोत्साहित करना है।
  - भारतीय खेल प्राधिकरण (SAI) इन लीगों को **क्षेत्रीय और राष्ट्रीय स्तर** पर विभिन्न आयु वर्गों में आयोजित करने हेतु **राष्ट्रीय खेल महासंघों** को सहायता प्रदान करता है।
  - वर्ष 2021 में शुरू की गई यह पहल महिलाओं की खेलों में भागीदारी को बढ़ावा देने और राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिभा पहचान मंच के रूप में कार्य करने के लिये शुरू की गई थी।
  - इस मिशन का उद्देश्य हर स्तर पर **अवसरों का सृजन**, **प्रतिभा की पहचान** और उसका **संवर्द्धन** करना है।
- **वित्तीय वर्ष 2025-26 में अस्मिता:**
  - वित्तीय वर्ष 2025-26 में 15 विभिन्न खेल विधाओं में **कुल 852 अस्मिता लीग** आयोजित की जानी हैं।
  - राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में फैली इन लीगों में 70,000 से अधिक महिला एथलीट शामिल होंगी।
    - इसकी तुलना में, पिछले सत्र में 27 विषयों में 550 लीग आयोजित की गईं, जिनमें 53,101 महिला प्रतिभागी थीं।
- **विद्यालय खेल और राष्ट्रीय कैलेंडर एकीकरण:**
  - राष्ट्रीय खेल नीति 2025, जिसे राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) के साथ एकीकृत किया गया है, के तहत सरकार **विद्यालय स्तर पर खेलों को बढ़ावा** दे रही है।
    - ये प्रयास खेलो इंडिया राष्ट्रीय खेल कैलेंडर में परिलक्षित होंगे, जिससे युवाओं के लिये निरंतर अवसर सुनिश्चित होंगे।

खेलो इंडिया पहल

- यह भारत में स्कूल और कॉलेज के छात्रों के लिये एक राष्ट्रीय स्तर की बहु-विषयक खेल प्रतियोगिता है।
- प्रधानमंत्री ने वर्ष 2018 में नई दिल्ली के इंदिरा गांधी एरिना में खेलो इंडिया स्कूल गेम्स के पहले संस्करण की शुरुआत की।
- वर्ष 2019 में इनका नाम बदलकर खेलो इंडिया यूथ गेम्स कर दिया गया।
- ये भारत सरकार की खेलो इंडिया पहल का हिस्सा हैं।
- इसका उद्देश्य खेल संस्कृति को बढ़ावा देना और ज़मीनी स्तर पर खेल प्रतिभाओं को पहचान दिलाना है।

खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025

- **खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025** का आयोजन **बिहार** के पाँच ज़िलों (**पटना**, **राजगीर**, **बेगूसराय**, **गया** और **भागलपुर**) में किया गया।
- जबकि तीन प्रमुख स्पर्द्धाएँ- **जिमनास्टिक**, **शूटिंग** और **साइकिलिंग**, **नई दिल्ली** में आयोजित की गईं थी।
- **गजसिम्हा** इस बार के खेलों का शुभंकर था।
- 12 दिवसीय यह आयोजन 27 खेलों में संपन्न हुआ, जिसमें कुल **285 स्वर्ण पदक** प्रदान किये गए।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

CPGRAMS पर 35 वीं रिपोर्ट

चर्चा में क्यों?

प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत विभाग (DARPG) ने **जून 2025** के लिये राज्यों और **केंद्रशासित प्रदेशों** के लिये केंद्रीकृत लोक शिकायत निवारण और निगरानी प्रणाली (CPGRAMS) की **35वीं मासिक रिपोर्ट** जारी की।

- यह रिपोर्ट राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों द्वारा लोक शिकायतों के प्रकारों और उनके निवारण का विश्लेषण प्रस्तुत करती है। इस संस्करण में **उत्तर प्रदेश** ने सबसे अधिक (25,870) मामलों का निस्तारण किया, इसके बाद **गुजरात** (3,986) का स्थान रहा।

मुख्य बिंदु

- **CPGRAMS के बारे में:**
  - CPGRAMS राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र द्वारा विकसित एक **24/7 ऑनलाइन प्लेटफॉर्म है**, जहाँ नागरिक सेवा वितरण से संबंधित शिकायतें दर्ज करा सकते हैं।
  - **इसे कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन मंत्रालय** के अंतर्गत **प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत विभाग (DARPG)** द्वारा लॉन्च किया गया था।
  - यह भारत सरकार और राज्य सरकार के सभी मंत्रालयों/विभागों से जुड़ा एक **एकल पोर्टल है।**
  - **यदि नागरिक शिकायत अधिकारी द्वारा किये गए समाधान से संतुष्ट नहीं हैं तो CPGRAMS** उन्हें **अपील की सुविधा** भी प्रदान करता है।
  - जिन मुद्दों का निवारण नहीं किया गया उनमें सूचना का अधिकार (RTI) मामले, न्यायालय से संबंधित या विचाराधीन मामले, धार्मिक मामले और सरकारी कर्मचारियों की सेवा संबंधी शिकायतें शामिल हैं।
- **वर्ष 2025-26 के लिये सेवोत्तम दिशानिर्देश:**
  - **ASCI हैदराबाद** के सहयोग से, DARPG ने वर्ष **2025-26** के लिये **सेवोत्तम दिशानिर्देश** विकसित किये हैं, जिसके साथ एक **व्यापक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम** भी है।
  - इन दिशानिर्देशों का उद्देश्य **सरकारी विभागों** में **शिकायत निवारण प्रक्रियाओं** को **मानकीकृत** करना तथा सार्वजनिक सेवाओं की गुणवत्ता में और सुधार करना है।

सेवोत्तम मॉडल

- **परिचय:**
  - द्वितीय प्रशासनिक सुधार आयोग (ARC) ने **"नागरिक-केंद्रित प्रशासन- शासन का हृदय"** शीर्षक से अपनी 12वीं रिपोर्ट में सरकारी संस्थाओं को अधिक **पारदर्शी**, **जवाबदेह** और **नागरिक-अनुकूल** बनाने की आवश्यकता पर ज़ोर दिया।
    - इस दृष्टिकोण को क्रियान्वित करने के लिये, DARPG ने **'सेवोत्तम' मॉडल** प्रस्तुत किया।
  - **सेवोत्तम मॉडल** भारत में **सार्वजनिक सेवा वितरण** में सुधार के लिये एक **संरचित ढाँचे** के रूप में कार्य करता है।
  - यह सार्वजनिक संस्थानों में **पारदर्शिता**, **जवाबदेही** और सेवाओं में **निरंतर वृद्धि** को बढ़ावा देकर **नागरिक-केंद्रित शासन** को बढ़ावा देता है।
- **सेवोत्तम मॉडल के प्रमुख घटक:**
- **नागरिक चार्टर:**
  - सार्वजनिक संगठन अपने द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाओं, सेवा वितरण **समय-सीमा** और नागरिकों के अधिकारों की घोषणा करने के लिये नागरिक चार्टर प्रकाशित करते हैं।
  - ये चार्टर नागरिकों को बेहतर सेवाओं की माँग करने तथा सेवा प्रदाताओं को जवाबदेह बनाने के लिये सशक्त बनाते हैं।
- **लोक शिकायत निवारण:**
  - इस मॉडल में शिकायतों का प्रभावी समाधान करने के लिये एक **मज़बूत शिकायत निवारण प्रणाली** शामिल है।
  - इसका ध्यान शिकायत के परिणाम की परवाह किये बिना **नागरिक संतुष्टि** सुनिश्चित करने पर केंद्रित है।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- **सेवा वितरण में उत्कृष्टता:**
  - यह घटक **क्षमता निर्माण**, **प्रदर्शन प्रबंधन** और **निरंतर सुधार** की संस्कृति के माध्यम से कुशल सेवा वितरण सुनिश्चित करता है।
- **7-चरणीय सेवोत्तम दृष्टिकोण:**
  - **सेवाओं को परिभाषित करना:** सार्वजनिक एजेंसियों को प्रत्येक विभाग या इकाई द्वारा दी जाने वाली सेवाओं को स्पष्ट रूप से पहचानना और परिभाषित करना होगा।
  - **मानक निर्धारित करना:** प्राधिकारियों को प्रत्येक चिह्नित सेवा के लिये मापनीय और समयबद्ध सेवा मानक निर्धारित करने चाहियें।
  - **क्षमता का विकास:** विभागों को सेवा वितरण मानदंडों को पूरा करने के लिये संस्थागत और मानव संसाधन क्षमता का निर्माण करने की आवश्यकता है।
  - **निष्पादन:** आंतरिक प्रणालियों और प्रक्रियाओं को यह सुनिश्चित करना चाहिये कि व्यक्ति और विभाग निर्धारित मानकों को निरंतर पूरा करें।
  - **निगरानी:** संगठनों को निर्धारित मानदंडों के अनुरूप प्रदर्शन पर नियमित रूप से नज़र रखनी चाहिये।
  - **मूल्यांकन:** प्राधिकारियों को सेवा की गुणवत्ता का आकलन करने के लिये नागरिकों की प्रतिक्रिया को शामिल करते हुए समय-समय पर मूल्यांकन करना चाहिये।
  - **निरंतर सुधार:** निगरानी और मूल्यांकन के आधार पर, संगठनों को समय के साथ सेवा वितरण को बढ़ाने के लिये सुधार लागू करने चाहियें।

उत्तर प्रदेश एग्रीटेक इनोवेशन हब

चर्चा में क्यों?

केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने उत्तर प्रदेश के **मेरठ** स्थित **सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (SVPUAT)** में **उत्तर प्रदेश एग्रीटेक इनोवेशन हब** और **एग्रीटेक स्टार्टअप एवं टेक्नोलॉजी प्रदर्शनी** का उद्घाटन किया।

मुख्य बिंदु

- **प्रौद्योगिकी और प्राकृतिक खेती का एकीकरण:**
  - रासायनिक-रहित **प्राकृतिक खेती** के महत्त्व को रेखांकित किया गया तथा खेत और बाज़ार के बीच की दूरी को पाटने के लिये **प्रौद्योगिकी** को माध्यम बनाने का आह्वान किया गया।
  - **इस पहल का उद्देश्य IoT- सक्षम सेंसर, स्मार्ट सिंचाई और स्वचालन प्रौद्योगिकियों** जैसी प्रौद्योगिकी के माध्यम से **सतत् कृषि** और **सुनियोजित खेती** को बढ़ाना है, जो विशेष रूप से उत्तर भारत में कृषि अर्थव्यवस्था में महत्त्वपूर्ण योगदान दे सकती है।
- **कौशल विकास और ग्रामीण युवाओं के सशक्तीकरण पर ज़ोर:**
  - कार्यक्रम में इस बात पर भी ज़ोर दिया गया कि एग्रीटेक इनोवेशन हब एक सहयोगात्मक पारिस्थितिकी तंत्र है, जहाँ किसान, प्रौद्योगिकीविद् और **स्टार्टअप** मिलकर भविष्य के लिये समाधान तैयार कर सकते हैं।
  - इस केंद्र का उद्देश्य ग्रामीण युवाओं और किसानों को **कृषि प्रौद्योगिकी क्रांति अपनाने के लिये सशक्त बनाना है।**
- **तकनीकी सहयोग:**
  - कृषि प्रौद्योगिकी अनुसंधान और नवाचार में सहयोग के लिये IIT रोपड़ और SVPUAT के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये गए।
  - यह केंद्र किसानों के लिये डेटा-आधारित निर्णय लेने की सुविधा के लिये उन्नत डेटा विश्लेषण प्लेटफार्मों और वास्तविक समय निगरानी प्रणालियों से सुसज्जित है।
- **प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण पहल:**
  - यह पहल किसानों और ग्रामीण युवाओं के लिये कार्यशालाओं और सत्रों के माध्यम से प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण पर भी ध्यान केंद्रित करेगी।
  - **कृषि विज्ञान केंद्र (KVK)** और **किसान उत्पादक संगठन (FPO)** कृषक समुदाय को प्रशिक्षित करने, प्रभावी प्रौद्योगिकी अपनाने और ज्ञान हस्तांतरण सुनिश्चित करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

कृषि विज्ञान केंद्र (KVK)

- KVK राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान प्रणाली का एक अभिन्न अंग है।
- **KVK** का कार्य **प्रौद्योगिकी** का **मूल्यांकन** और उसके **अनुप्रयोग** तथा **क्षमता विकास** के लिये **प्रदर्शन** करना है।
- इसका उद्देश्य **प्रौद्योगिकी मूल्यांकन, शोधन** और **प्रदर्शन** के माध्यम से **कृषि** और **संबद्ध उद्यमों** में **स्थान-विशिष्ट प्रौद्योगिकी मॉड्यूल** का **मूल्यांकन** करना है।
- **KVK गुणवत्तापूर्ण तकनीकी उत्पाद** (बीज, **रोपण सामग्री**, बॉयो-**एजेंट**, **पशुधन**) भी तैयार करते हैं और उन्हें **किसानों** को उपलब्ध कराते हैं।
- **KVK योजना** भारत सरकार द्वारा **100% वित्तपोषित** है और **KVK कृषि विश्वविद्यालयों, ICAR संस्थानों**, संबंधित **सरकारी विभागों** और **कृषि** के क्षेत्र में कार्यरत गैर-सरकारी संगठनों (NGO) को **स्वीकृत किये जाते हैं**।

किसान उत्पादक संगठन (FPO)

- FPO एक प्रकार का **उत्पादक संगठन (PO) है,** जिसके सदस्य **किसान** होते हैं और इसके प्रचार को **लघु कृषक कृषि व्यवसाय संघ (SFAC)** द्वारा समर्थन दिया जाता है।
  - FPO अर्थशास्त्री वाई.के. अलघ की कंपनी अधिनियम, 1956 **में संशोधन** करने की **सिफारिश (2002)** से प्रेरित थे।
  - FPO को **कंपनी अधिनियम, 2013, सोसायटी पंजीकरण अधिनियम, 1860 या** भारतीय ट्रस्ट अधिनियम, 1882 के तहत सार्वजनिक ट्रस्ट के रूप में पंजीकृत किया जा सकता है।
- उत्पादक संगठन **उत्पादकों, कृषि, गैर-कृषि या कारीगरों का एक समूह है, जो** उत्पादक कंपनियों या **सहकारी समितियों जैसे कानूनी रूप** ले सकता है तथा सदस्यों के बीच **लाभ साझा कर सकता है**।

धम्मचक्र प्रवर्तन दिवस

चर्चा में क्यों?

अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ (IBC) द्वारा **संस्कृति मंत्रालय** और **महाबोधि सोसाइटी ऑफ इंडिया** के सहयोग से **सारनाथ में आषाढ़ पूर्णिमा को** गहन **आध्यात्मिक भक्ति के साथ मनाया** गया।

- यह अवसर **"धम्मचक्र प्रवर्तन दिवस" का प्रतीक** है, जो भगवान बुद्ध के पहले उपदेश की स्मृति में मनाया जाता है।

प्रमुख बिंदु

- **बौद्ध धर्म के बारे में:**
  - यह एक आध्यात्मिक परंपरा है **जिसकी स्थापना 6वीं शताब्दी ईसा पूर्व में** सिद्धार्थ गौतम द्वारा की गई थी, जिन्हें **बुद्ध के नाम से जाना जाता है**।
  - बौद्ध धर्म भारत में उत्पन्न हुआ था और बाद में पूरे एशिया और विश्वभर में फैल गया।
  - **बौद्ध धर्म का मुख्य उद्देश्य** दुखों पर विजय प्राप्त करना और निर्वाण, मुक्ति और आंतरिक शांति की स्थिति प्राप्त करना है। यह **चार आर्य सत्यों का पालन करके प्राप्त किया जा** सकता है:
    - जीवन में दु:ख (दु:ख) शामिल है।
    - दुख इच्छा और आसक्ति के कारण होता है।
    - दुख समाप्त हो सकता है.
    - दु:ख को समाप्त करने का मार्ग अष्टांगिक मार्ग है।
  - अष्टांगिक **मार्ग** में सही समझ, इरादा, भाषण, क्रिया, आजीविका, प्रयास, जागरूकता और एकाग्रता शामिल हैं।
  - बौद्ध धर्म नैतिक आचरण, मानसिक अनुशासन और ज्ञान पर जोर देता है।
  - प्रमुख अवधारणाओं में कर्म (नैतिक कारण का नियम), पुनर्जन्म और ध्यान शामिल हैं।
  - **बौद्ध धर्म की तीन प्रमुख शाखाएँ हैं:**
    - थेरवाद (मुख्यत: श्रीलंका और दक्षिण पूर्व एशिया में प्रचलित)
    - महायान (मुख्यत: चीन, कोरिया और जापान में प्रचलित)

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- वज्रयान (मुख्यत: तिब्बत और मंगोलिया में प्रचलित)
- महत्त्वपूर्ण ग्रंथों में **त्रिपिटक (पाली कैनन)** और विभिन्न **महायान सूत्र शामिल हैं।**
- धर्म **चक्र** बुद्ध की शिक्षाओं का प्रतिनिधित्व करने वाला एक सामान्य प्रतीक है।

उत्तर प्रदेश में प्रमुख बौद्ध स्थल:

- **कपिलवस्तु (सिद्धार्थनगर):** यह बुद्ध का बचपन का घर था, जहाँ उन्होंने चार दर्शन देखे, जिसके कारण उन्हें संन्यास की ओर अग्रसर होना पड़ा।
- **सारनाथ: बुद्ध के प्रथम उपदेश** और बौद्ध संघ के गठन का स्थल।
- **श्रावस्ती:** यह शहर कई महत्त्वपूर्ण बौद्ध स्थलों का घर है, जिनमें जेतवन मठ भी शामिल है, वह स्थान जहाँ बुद्ध ने अपने अधिकांश उपदेश दिये थे।
- **संकिसा:** भगवान बुद्ध स्वर्ग में अपनी माँ को उपदेश देने के बाद यहाँ अवतरित हुए थे।
- **कौशांबी:** यहाँ स्थित प्रसिद्ध घोसीताराम मठ एक प्रमुख बौद्ध स्थल है, जिसके संबंध में माना जाता है कि इसका निर्माण भगवान बुद्ध के प्रमुख शिष्य आनंद द्वारा कराया गया था।
- **कुशीनगर:** यह परिनिर्वाण या बुद्ध की मृत्यु का स्थान है। इस शहर में कई बौद्ध मंदिर हैं, जिनमें महापरिनिर्वाण मंदिर भी शामिल है।
- **रामग्राम (महाराजगंज):** यहाँ बुद्ध के अवशेषों सहित एकमात्र अछूता स्तूप है।
- **देवदह:** बुद्ध की माँ, सौतेली माँ और पत्नी का मायका, प्रारंभिक शिक्षाओं का स्थान।

उत्तर प्रदेश विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम, 2021

चर्चा में क्यों?

प्रवर्तन निदेशालय (ED) ने उत्तर प्रदेश के बलरामपुर में उजागर हुए **कथित धर्म परिवर्तन रैकेट** से संबंधित धन शोधन निवारण अधिनियम (PMLA), 2002 के तहत मामला दर्ज किया है।

- **ED ने उत्तर प्रदेश गैरकानूनी धार्मिक धर्म परिवर्तन निषेध अधिनियम, 2021** के तहत दर्ज एक प्राथमिकी के बाद अपनी जांच शुरू की।

प्रमुख बिंदु

- **उत्तर प्रदेश विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम, 2021:**
  - इसका उद्देश्य धार्मिक रूपांतरणों को विनियमित करना **तथा मिथ्या प्रस्तुती, बल, अनुचित प्रभाव, जबरदस्ती, प्रलोभन या किसी भी धोखाधड़ी के माध्यम से किये गए धर्मांतरण पर रोक लगाना** है।
  - अवैध धर्मांतरण के **लिये कारावास और जुर्माने की मानक सज़ा है।**
    - यदि पीड़ित महिला, नाबालिग, या अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति से संबंधित है तो कारावास और जुर्माने की बढ़ी हुई सज़ा लागू होगी।
  - बार-बार अपराध करने पर संबंधित सज़ा से दोगुनी सज़ा हो सकती है। **गैरकानूनी धर्मांतरण के उद्देश्य से किया गया कोई भी विवाह अमान्य घोषित** कर दिया जाता है।
  - इससे पहले उत्तर प्रदेश विधानसभा ने **उत्तर प्रदेश विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध (संशोधन) विधेयक, 2024 पारित किया**, जिसमें मूल 2021 धर्मांतरण विरोधी कानून में महत्त्वपूर्ण बदलाव करते हुए इसके प्रावधानों को और अधिक कठोर बना दिया गया।
- **धन शोधन निवारण अधिनियम (PMLA) 2002:**
- **प्रमुख प्रावधान:**
  - **मनी लॉन्ड्रिंग को** अपराध से प्राप्त आय को छुपाना, कब्जाना, अधिग्रहण करना या उसका उपयोग करना तथा उसे वैध संपत्ति के रूप में प्रस्तुत करना कहा गया है।
  - **यह विधेयक प्रवर्तन निदेशालय (ED) को** अपराधों की जाँच करने, छापे मारने और अपराध की आय को कुर्क करने का अधिकार देता है।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- **वित्तीय संस्थाओं को** संदिग्ध लेनदेन की जाँच के लिये **वित्तीय खुफिया इकाई - भारत (FIU-IND) को रिपोर्ट करने का आदेश दिया** गया है।
- **धन शोधन के मामलों की सुनवाई में तेज़ी लाने के लिये विशेष न्यायालयों की स्थापना की गई है**, जिससे कानूनी रोकथाम सुनिश्चित हो सके।
- **इसमें अपराधों की अनुसूची** के अंतर्गत आर्थिक अपराध, भ्रष्टाचार, मादक पदार्थों की तस्करी और आतंकवाद जैसे **विविध प्रकार के अपराध शामिल हैं।**

प्रभावशीलता:

- **मज़बूत निवारण:** PMLA प्रमुख धोखाधड़ी और आर्थिक अपराधों में सख्त जाँच, अभियोजन और संपत्ति जब्ती के माध्यम से वित्तीय अपराधों को रोकता है।
- **अंतर्राष्ट्रीय सहयोग में वृद्धि: भारत** अवैध धन पर नज़र रखने के लिये इंटरपोल और **FATF (वित्तीय कार्रवाई कार्य बल) के साथ सहयोग** करता है।
- **बेहतर वित्तीय निगरानी:** बैंकों और वित्तीय संस्थानों को **नो योर कस्टमर (KYC)** मानदंडों को लागू करने के लिये बाध्य किया जाता है, जिससे मनी लॉन्ड्रिंग के जोखिम कम हो जाते हैं।

धर्म परिवर्तन से संबंधित प्रमुख संवैधानिक प्रावधान

अनुच्छेद 25: सार्वजनिक व्यवस्था, नैतिकता और स्वास्थ्य के अधीन, अंत:करण की स्वतंत्रता और धर्म को स्वतंत्र रूप से मानने, आचरण करने और प्रचार करने के अधिकार की गारंटी देता है। राज्य धार्मिक आचरण से जुड़ी किसी भी आर्थिक, वित्तीय, राजनीतिक या अन्य धर्मनिरपेक्ष गतिविधि को विनियमित या प्रतिबंधित कर सकता है।

- **यह धार्मिक आचरण से जुड़ी धर्मनिरपेक्ष गतिविधियों के विनियमन** और हिंदू धार्मिक संस्थाओं को हिंदुओं के सभी वर्गों और वर्गों के लिये खोलने की भी अनुमति देता है।

अनुच्छेद 26: प्रत्येक धार्मिक संप्रदाय को सार्वजनिक व्यवस्था, नैतिकता और स्वास्थ्य के अधीन अपने धार्मिक मामलों का प्रबंधन करने का अधिकार देता है।

अनुच्छेद 27 से 30: धार्मिक मामलों का प्रबंधन करने, किसी भी धर्म को आर्थिक योगदान देने तथा शैक्षणिक संस्थानों की स्थापना और प्रशासन की स्वतंत्रता की गारंटी।

'लर्निंग बाय डूइंग' कार्यक्रम

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश सरकार ने **सरकारी स्कूलों में शिक्षा की गुणवत्ता** सुधारने के उद्देश्य से **लर्निंग बाय डूइंग (LBD) कार्यक्रम** की शुरुआत की है।

मुख्य बिंदु

LBD कार्यक्रम के बारे में:

- **उत्तर प्रदेश सरकार** द्वारा शुरू किया गया **'लर्निंग बाय डूइंग (LBD)' कार्यक्रम** राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 के अनुरूप कक्षा 6 से 8 तक के विद्यार्थियों को **लकड़ी का काम, धातु का काम, ऊर्जा एवं पर्यावरण,** कृषि एवं बागवानी तथा **स्वास्थ्य और पोषण** जैसे क्षेत्रों में **व्यावहारिक प्रशिक्षण** प्रदान करता है।
- इस कार्यक्रम के **पायलट चरण** में 15 **ज़िलों** के 60 स्कूलों में विभिन्न व्यवसायों से जुड़े **5,937 छात्रों** को प्रशिक्षित किया गया। इस पहल के परिणामस्वरूप **विद्यार्थियों की उपस्थिति और सहभागिता** में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई।
- **वित्त वर्ष 2025-26** में सरकार इस कार्यक्रम को समग्र शिक्षा और पीएम श्री योजनाओं के तहत **3,288 और स्कूलों** तक विस्तारित करने की योजना बना रही है।
  - **समग्र शिक्षा अभियान** के तहत क्रियान्वित यह पहल शिक्षा को **रोज़गारपरकता** और **जीवन-कौशल** से जोड़ने के **दृष्टिकोण** को दर्शाती है।
- कार्यक्रम की **प्रभावी क्रियान्वयन** के लिये **बेसिक शिक्षा विभाग** ने **विज्ञान और गणित के शिक्षकों** को **चार दिवसीय बहु-कौशल प्रशिक्षण** प्रदान किया है।
- यूनिसेफ और **विज्ञान आश्रम** के तकनीकी सहयोग से राज्य ने **60 कौशल-आधारित गतिविधियों** वाला एक **शिक्षक मैनुअल** विकसित किया है, जिसे SCERT

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

(राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद) द्वारा **अनुमोदित** किया गया है।

- **स्कूलों में आधुनिक कौशल प्रयोगशालाओं का विस्तार:**
  - **शैक्षणिक वर्ष 2024-25** में उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा **सभी 75 ज़िलों** के **2,274 उच्च प्राथमिक और समग्र स्कूलों** में **आधुनिक 'लर्निंग बाय डूइंग (LBD)' प्रयोगशालाएँ** स्थापित **की जाएंगी**।
  - इन प्रयोगशालाओं में **आधुनिक उपकरण** और **साजो-सामान** उपलब्ध कराए जाएंगे। साथ ही, **स्कूल प्रबंधन समितियों (SMC)** को इन **व्यावहारिक गतिविधियों** के संचालन में सहयोग हेतु **कच्चा माल** और **उपभोग्य वस्तुएँ** प्रदान **की जाएंगी**।

समग्र शिक्षा अभियान

- **परिचय:**
  - केंद्रीय बजट 2018-19 में प्रस्तुत, **समग्र शिक्षा** एक व्यापक कार्यक्रम है जिसके अंतर्गत समान शिक्षण परिणाम सुनिश्चित करने के उद्देश्य से **प्री-नर्सरी से बारहवीं कक्षा तक** के सभी पहलुओं को शामिल किया गया है।
- **प्रमुख विशेषताएँ:**
  - **योजनाओं का एकीकरण:** इसमें पहले की तीन योजनाएँ सम्मिलित हैं:
    - **सर्व शिक्षा अभियान (SSA):** सार्वभौमिक प्राथमिक शिक्षा पर केंद्रित।
    - **राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान (RMSA):** इसका उद्देश्य माध्यमिक शिक्षा है।
    - **शिक्षक शिक्षा (TE):** शिक्षकों के प्रशिक्षण पर केंद्रित।
  - **क्षेत्र-व्यापी विकास दृष्टिकोण:** इस अभियान के अंतर्गत खंडित परियोजना-आधारित उद्देश्यों के स्थान पर **सभी स्तरों (राज्य, ज़िला और उप-ज़िला) पर कार्यान्वयन** को सुव्यवस्थित किया गया है।
  - **सतत् विकास लक्ष्यों के साथ संरेखण:** लैंगिक असमानताओं को समाप्त करते हुए और सुभेद्य समूहों (SDG 4.1) के लिये पहुँच सुनिश्चित करते हुए निःशुल्क, समान और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा **सुनिश्चित की जाती है** (SDG 4.5)।
- **कार्यान्वयन:**
  - यह **केंद्र प्रायोजित योजना** (CSS) है, जिसका कार्यान्वयन **राज्य/संघ राज्य क्षेत्र स्तर** पर **एकल राज्य कार्यान्वयन सोसायटी (SIS)** के माध्यम से किया जाता है।

पीएम-श्री योजना

- **परिचय:**
  - भारत सरकार द्वारा वर्ष 2022 में शुरू की गई PM-SHRI योजना एक **केंद्र समर्थित पहल** है, जिसे **राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP), 2020** के कार्यान्वयन को प्रदर्शित करने हेतु वर्तमान स्कूलों में सुधार करके लगभग 14,500 से अधिक **PM-SHRI स्कूल स्थापित करने के लिये** डिज़ाइन किया गया है।
- **उद्देश्य:**
  - इसका प्राथमिक उद्देश्य एक **समावेशी** और **पोषणकारी परिवेश** तैयार करना है, जो प्रत्येक छात्र के **कल्याण तथा सुरक्षा को बढ़ावा** दे, **विविध शिक्षण अनुभव** प्रदान करे एवं **गुणवत्तापूर्ण बुनियादी अवसंरचना एवं संसाधनों तक अभिगम** प्रदान करे।

उत्तर प्रदेश में ऐतिहासिक इमारतों का हेरिटेज होटलों के रूप में विकास

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग राज्य में **पर्यटन** को बढ़ावा देने के लिये प्राचीन किलों सहित **11 ऐतिहासिक इमारतों** का जीर्णोद्धार करेगा तथा उन्हें **सार्वजनिक-निजी भागीदारी (PPP) मॉडल** के माध्यम से हेरिटेज होटल, सांस्कृतिक केंद्र या **संग्रहालय** में परिवर्तित करेगा।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

मुख्य बिंदु

- **परियोजना के बारे में:**
  - इस परियोजना का उद्देश्य **उत्तर प्रदेश की स्थापत्य कला और सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करना है** तथा राज्य में हज़ारों लोगों के लिये रोज़गार के अवसर उत्पन्न करना है।
  - इस पहल के तहत, **निजी कंपनियाँ चिह्नित विरासत स्थलों का डिज़ाइन, विकास और जीर्णोद्धार** करेंगी तथा उन्हें आगे उपयोग के लिये सरकार को सौंप देंगी।
  - यह विरासत पुनरुद्धार कार्यक्रम सांस्कृतिक संरक्षण को आधुनिक विकास लक्ष्यों के साथ मिश्रित करने की एक बड़ी राज्य रणनीति का हिस्सा है, जो विरासत संरक्षण और स्थानीय विकास दोनों को सुनिश्चित करता है।
  - इस पहल का उद्देश्य विरासत आधारित पर्यटन के माध्यम से **बुंदेलखंड क्षेत्र** की अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित करना तथा सांस्कृतिक पहचान पर आधारित सतत् विकास को प्रोत्साहित करना है।
- **नवीकरण के लिये चिह्नित प्रमुख स्थल:**
  - **तालबेहट किला** – ललितपुर
  - **रनगढ़ और भूरागढ़ किला** – बाँदा
  - **वज़ीरगंज बारादरी** – गोंडा
  - **आलमबाग भवन, गुलिस्तान-ए-इरम और दर्शन विलास** – लखनऊ
  - **टिकैत राय बारादरी** – कानपुर
  - **मस्तानी महल और सेनापति महल** – महोबा
  - **टहरौली किला** – झाँसी
  - **सीताराम महल/कोटवन किला** – मथुरा

उत्तर प्रदेश पर्यटन नीति 2022

- **उद्देश्य:**
  - पर्यटन नीति के प्राथमिक उद्देश्य **सतत् विकास** सुनिश्चित करना, पर्यटकों की संतुष्टि बढ़ाना, आर्थिक विकास को बढ़ावा देना, सांस्कृतिक और प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा करना तथा सामुदायिक समावेशिता तथा भागीदारी को बढ़ावा देना है।
- **आकर्षक वित्तीय प्रोत्साहन:**
  - यह नीति उदार **सब्सिडी** और वित्तीय सहायता प्रदान करती है, जिनमें शामिल हैं:
    - पूंजी निवेश सब्सिडी 10-25% तक (निवेश आकार के आधार पर 2-40 करोड़ रुपए तक सीमित)।
    - 5 वर्षों तक 5 करोड़ रुपए तक के बैंक ऋण पर 5% ब्याज सब्सिडी।
    - स्टांप ड्यूटी, भूमि रूपांतरण शुल्क तथा रोज़गार से जुड़े EPF प्रतिपूर्ति पर 100% छूट।
    - अतिरिक्त प्रोत्साहनों का लक्ष्य टियर 2+ स्थान, महिला उद्यमी, अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति /पिछड़े वर्ग तथा पर्यटन स्थलों पर केंद्रित है।
- **पारिस्थितिकी, विरासत और विशिष्ट पर्यटन पर ध्यान:** नीति निम्नलिखित के विकास को बढ़ावा देती है:
  - वन्यजीव अभयारण्य, कैंपिंग स्थल, ट्रैकिंग तथा प्रकृति भ्रमण जैसे पारिस्थितिकी पर्यटन सर्किट।
  - **PPP मॉडल** के माध्यम से हेरिटेज, MICE (मीटिंग, इन्सेन्टिव, कॉन्फ्रेंस, एग्ज़ीबिशन), वेलनेस तथा मनोरंजन पार्क।
  - थीम आधारित सर्किटों के साथ एकीकरण – रामायण, कृष्ण, बौद्ध, महाभारत तथा शक्ति पीठ।
- उत्तर प्रदेश में वर्ष 2024 में 65 करोड़ पर्यटक आए, जो **अयोध्या, काशी और मथुरा** जैसे प्रमुख धार्मिक और विरासत स्थलों तथा विभिन्न प्राचीन मंदिरों एवं तीर्थस्थलों के विकास से प्रेरित थे।
- **निवेश सुविधा एवं वैश्विक प्रोत्साहन:**
  - उत्तर प्रदेश का लक्ष्य प्रतिवर्ष 5,000 करोड़ रुपए आकर्षित करना है, जिसके लिये निम्नलिखित उपाय किये गए हैं:
    - बाज़ार अनुसंधान, अनुमोदन और निवेश सहायता हेतु पर्यटन निवेशक सुविधा प्रकोष्ठ की स्थापना।
    - रोड शो, अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन कार्यक्रमों में भागीदारी तथा सहयोगात्मक ब्रांडिंग एवं उत्तर प्रदेश को वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर स्थापित करने की दिशा में प्रयास।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

आपदा प्रबंधन को प्रभावी बनाने हेतु UNDP के साथ साझेदारी

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश के राहत आयुक्त कार्यालय ने राज्य में आपदा प्रबंधन को अधिक **प्रभावी** और **वैज्ञानिक** बनाने के लिये संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (UNDP) के साथ एक **सहयोग ज्ञापन** (MoA) पर हस्ताक्षर किये गए हैं।

मुख्य बिंदु:

सहयोग ज्ञापन (MoA) के बारे में:

- **उद्देश्य:**
  - इसका उद्देश्य आपदा जोखिम न्यूनीकरण कार्यक्रमों को लागू करना, राज्य की **संस्थागत क्षमता** को सशक्त बनाना तथा एक **तकनीकी दृष्टिकोण** पर आधारित **बहु-स्तरीय आपदा प्रबंधन प्रणाली** का विकास करना है।
  - यह **समग्र आपदा प्रबंधन कार्यक्रम** राज्य को एक **मज़बूत जोखिम न्यूनीकरण ढाँचे** से सुसज्जित करेगा और संभावित आपदाओं के प्रति **तैयारी** को बढ़ाएगा।
  - इसके अंतर्गत राज्य में **आपदा जोखिम न्यूनीकरण उपायों** को लागू किया जाएगा, जिससे एक **समावेशी, उत्तरदायी तथा प्रभावी** आपदा प्रबंधन प्रणाली का निर्माण सुनिश्चित हो सके।
- **कार्यक्रम की मुख्य विशेषताएँ:**
  - उत्तर प्रदेश के सभी 75 ज़िलों तथा **15 प्रमुख राज्य विभागों** के लिये **आपदा प्रबंधन योजनाओं** का निर्माण किया जाएगा।
  - **20 प्रमुख नगरों** के लिये विस्तृत **जोखिम मूल्यांकन** एवं **असुरक्षा अध्ययन** किये जाएंगे तथा इन शहरों के लिये **शहरी आपदा प्रबंधन योजनाएँ** तैयार की जाएंगी।
  - **10 राज्य विभागों** के लिये **विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन** (DPRs) तैयार किये जाएंगे।
- **तकनीकी सुधार:**
  - **राज्य की आपदा सूचना प्रणाली** का एकीकरण करके सशक्त किया जाएगा।
  - इसके लिये **कार्यशालाओं, ICT उपकरणों की उपलब्धता** तथा राहत आयुक्त कार्यालय में **परियोजना प्रबंधन इकाई** (PMU) की स्थापना की जाएगी ताकि समन्वय प्रभावी ढंग से सुनिश्चित हो सके।
- **बजट और कार्यान्वयन:**
  - उत्तर प्रदेश सरकार ने आगामी **तीन वर्षों** के लिये इस कार्यक्रम के चरणबद्ध क्रियान्वयन हेतु **19.99 करोड़ रुपए** के बजट को मंज़ूरी दी है।
  - कार्यक्रम का कार्यान्वयन **UNDP के तकनीकी प्रस्तावों** के अनुसार किया जाएगा तथा इसे राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (NDMA) की सिफारिशों के अनुरूप संरेखित किया गया है।

संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (UNDP) के बारे में

- **परिचय:**
  - यह संयुक्त राष्ट्र का वैश्विक विकास नेटवर्क है, जो परिवर्तन का समर्थन करता है और लोगों को बेहतर जीवन बनाने में मदद करने के लिये देशों को ज्ञान, अनुभव तथा संसाधनों से जोड़ता है।
- **स्थापना एवं मुख्यालय:**
  - UNDP की स्थापना वर्ष 1965 में संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा आधिकारिक रूप से की गई थी।
  - इसका गठन संयुक्त राष्ट्र विस्तारित तकनीकी सहायता कार्यक्रम (1949) और संयुक्त राष्ट्र विशेष कोष (1958) को मिलाकर किया गया था।
  - इसका **मुख्यालय न्यूयॉर्क शहर** में है, लेकिन यह मुख्य रूप से लगभग 170 देशों और क्षेत्रों में स्थित अपने कार्यालयों के माध्यम से कार्य करता है।
- **वैश्विक उपस्थिति एवं कार्य पद्धति:**
  - यह लगभग 170 देशों और क्षेत्रों में ज़मीनी स्तर पर कार्य करता है, जहाँ यह विकास संबंधी चुनौतियों के लिये स्थानीय समाधानों को समर्थन प्रदान करता है तथा ऐसी राष्ट्रीय तथा स्थानीय क्षमताओं का निर्माण करता है, जो उन्हें मानव विकास व सतत् विकास लक्ष्यों की प्राप्ति में सक्षम बनाएँ।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- **मुख्य कार्यक्षेत्र:** UNDP का कार्य तीन प्रमुख क्षेत्रों पर केंद्रित है:
  - सतत् विकास
  - लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था और शांति निर्माण
  - जलवायु और आपदा प्रबंधन

नमस्ते दिवस

चर्चा में क्यों?

'नेशनल एक्शन फॉर मेकनाइज्ड सैनीटेशन इकोसिस्टम (NAMASTE) दिवस' (16 जुलाई) के अवसर पर, केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री ने **लखनऊ** में कचरा बीनने वालों के लिये **हेल्पलाइन (14473)** का उद्घाटन किया, साथ ही **सीवर और सेप्टिक टैंक श्रमिकों (SSWs)** तथा कचरा बीनने वालों को PPE किट एवं **आयुष्मान कार्ड** वितरित किये।

मुख्य बिंदु

नमस्ते योजना के बारे में:

- नमस्ते योजना सरकार द्वारा एक **मानव-केंद्रित पहल है, जिसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि किसी भी सफाई कर्मचारी को** सीवर और सेप्टिक टैंक की सफाई जैसे खतरनाक मैनुअल काम में शामिल न होना पड़े।
  - इस योजना का उद्देश्य **सीवर और सेप्टिक टैंक श्रमिकों (SSWs)** की कार्य स्थितियों में सुधार लाना तथा विभिन्न सहायता उपायों के माध्यम से उनके कल्याण को बढ़ावा देना है।
- **कार्यान्वयन और अवधि:**
  - **सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता तथा आवास एवं शहरी मामलों** के केंद्रीय मंत्रालयों द्वारा संयुक्त रूप से शुरू की गई इस योजना का कार्यान्वयन **राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी वित्त एवं विकास निगम (NSKFDC) द्वारा किया जा रहा है।**
  - **349.73 करोड़ रुपए** के बजट वाली यह योजना **वित्त वर्ष 2023-24 से 2025-26** तक चलेगी और देश के **4800 से अधिक शहरी स्थानीय निकायों (ULBs)** को कवर करेगी।
    - यह योजना हाथ से मैला ढोने वालों के **पुनर्वास की स्वरोज़गार योजना (SRMS)** का स्थान लेती है।
- **सीवर और सेप्टिक टैंक श्रमिकों (SSWs) के लिये प्रमुख अधिकार:**
  - **यह योजना SSWs के लिये उनकी सुरक्षा, कल्याण और स्थायी आजीविका सुनिश्चित करने के लिये विभिन्न अधिकार प्रदान करती है:**
    - **डिजिटल प्रोफाइलिंग** के माध्यम से कर्मियों की पहचान की जा रही है।
    - कार्य के दौरान सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिये **व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (PPE) किट** का प्रावधान।
    - **आवश्यक सुरक्षा उपकरणों** और संसाधनों तक पहुँच सुनिश्चित करना।
    - श्रमिकों की सुरक्षा और कौशल बढ़ाने के लिये प्रशिक्षण प्रदान करना।
    - SSWs के लिये व्यापक **स्वास्थ्य बीमा सुनिश्चित करना।**
  - इस योजना का उद्देश्य सीवर और सेप्टिक टैंक श्रमिकों (SSW) के लिये **आजीविका के अवसर भी सृजित करना है:**
    - जिसके तहत स्वच्छता से संबंधित वाहन और मशीनें रियायती दरों पर उपलब्ध कराई जा रही हैं तथा SSWs को क्षमता निर्माण पहलों द्वारा अपने स्वयं के स्वच्छता व्यवसाय शुरू करने के लिये प्रोत्साहित किया जा रहा है।

मैनुअल स्कैवेंजिंग:

- मैनुअल स्कैवेंजिंग (Manual Scavenging) या हाथ से मैला ढोने को "सार्वजनिक सड़कों और सूखे शौचालयों से मानव मल को हटाने, सेप्टिक टैंक, नालियों एवं सीवर की सफाई" के रूप में परिभाषित किया गया है।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- **मैनुअल स्कैवेंजर** वह व्यक्ति होता है, जिसे **अस्वास्थ्यकर शौचालयों**, **खुली नालियों**, **गड्ढों** या **रेलवे पटरियों** से **मानव मल** को पूरी तरह से सड़ने से पहले **हाथ से साफ करने**, **ले जाने** या **संभालने** के लिये नियुक्त किया जाता है, जैसा कि **'मैनुअल स्कैवेंजर के रूप में रोज़गार का प्रतिषेध और उनका पुनर्वास अधिनियम (PEMSR), 2013'** में परिभाषित किया गया है।

- भारत ने **PEMSR अधिनियम, 2013** के तहत इस प्रथा पर **प्रतिबंध** लगा दिया है, जो **मैनुअल स्कैवेंजिंग** को एक **"अमानवीय प्रथा"** मानता है और इसका उद्देश्य **मैनुअल स्कैवेंजरों** द्वारा सहन किये गए **ऐतिहासिक अन्यायों** को दूर करना है।

- **सरकारी पहल और योजनाएँ:**
  - सफाई मित्र सुरक्षा चैलेंज
  - स्वच्छता अभियान ऐप
  - राष्ट्रीय गरिमा अभियान
  - राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग
  - स्वच्छता उद्यमी योजना
  - पूर्व शिक्षा की मान्यता (RPL)
  - **स्वच्छ भारत मिशन 2.0**

उत्तर प्रदेश ने 50 नदियों का पुनरुद्धार किया

उत्तर प्रदेश सरकार ने **राज्य स्तरीय पहलों** और **स्थानीय सहभागिता** के समन्वित प्रयासों के माध्यम से **3,363 किमी लंबाई वाली 50 नदियों का सफलतापूर्वक पुनरुद्धार** किया है।

मुख्य बिंदु

- **परियोजना के बारे में:**
  - यह पहल **ग्रामीण क्षेत्रों** में 1,011 **ग्राम पंचायतों** में कार्यान्वित की गई।
  - ये प्रयास **नमामि गंगे कार्यक्रम** द्वारा संचालित थे तथा **महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोज़गार गारंटी अधिनियम (मनरेगा)** के माध्यम से जारी रहे।

- **प्रभाव:**
  - नदियों के पुनरुद्धार और ग्रामीण क्षेत्रों में **3,388 तालाबों के निर्माण** से **भूजल स्तर** तथा **जल भंडारण क्षमता** में वृद्धि हुई।
  - इससे जल की कमी दूर होगी तथा स्थानीय किसानों की कृषि एवं पशुधन संबंधी आवश्यकताओं को पूरा किया जा सकेगा।

- **स्थायित्व और मृदा संरक्षण:**
  - सरकार ने **कटाव को रोकने** और **तटबंधों को मज़बूत** करने के लिये **नदी के किनारों** पर पौधे लगाए, तथा नदी पुनरुद्धार एवं जलग्रहण विकास के लिये नई परियोजनाओं की पहचान की।

- **सामाजिक-सांस्कृतिक और रोज़गार लाभ:**
  - नदी पुनरुद्धार प्रयासों से **सांस्कृतिक स्थलों का जीर्णोद्धार** हुआ है, जल संरक्षण जागरूकता बढ़ी है, सामुदायिक भागीदारी को प्रोत्साहन मिला है तथा मनरेगा के माध्यम से ग्रामीण रोज़गार सृजित हुए हैं, जिससे स्थानीय विकास को सहायता मिली है।

नमामि गंगे कार्यक्रम

- **लॉन्च:** इसे **भारत सरकार** द्वारा एक प्रमुख एकीकृत संरक्षण मिशन के रूप में वर्ष 2014-15 में लॉन्च किया गया था।
- **उद्देश्य: गंगा नदी** और उसकी **सहायक नदियों** के **प्रदूषण उन्मूलन** तथा **पुनर्जीवन** के दोहरे लक्ष्य। "निर्मल धारा" (अप्रदूषित प्रवाह) एवं "अविरल धारा" (निरंतर प्रवाह) को बहाल करने पर विशेष ध्यान।
- **कवरेज: गंगा बेसिन** 11 राज्यों में फैला हुआ है, जो भारत के **27% भूमि क्षेत्र** को कवर करता है और **47% जनसंख्या** को पोषण प्रदान करता है।
- **मुख्य घटक:**
  - **निर्मल गंगा:** सीवेज उपचार और **अपशिष्ट प्रबंधन** के माध्यम से प्रदूषण नियंत्रण।
  - **अविरल गंगा:** पारिस्थितिकी प्रवाह बहाली और वनीकरण।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- **जन गंगा:** सामुदायिक जागरूकता और सहभागिता।
- **ज्ञान गंगा:** अनुसंधान, नीति समर्थन और नदी बेसिन योजना।

- **नवीनतम पहलें:**
  - **वाराणसी** और **भदोही** में **नए एसटीपी** एवं **नाला अवरोधन** (400 करोड़ रुपए से अधिक निवेश)।
  - **उत्तर प्रदेश** सहित 3 राज्यों के 7 ज़िलों में **जैवविविधता पार्क** और **प्राथमिकता वाली आर्द्रभूमियों** का विकास।
  - **उपचारित जल के सुरक्षित पुनः उपयोग** के लिये **राष्ट्रीय ढाँचे** का शुभारंभ।

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोज़गार गारंटी अधिनियम (मनरेगा)

- इसे वर्ष **2005** में पारित किया गया था और यह एक **अधिकार-आधारित रोज़गार गारंटी योजना** है, जिसका उद्देश्य **ग्रामीण आजीविका सुरक्षा** सुनिश्चित करना है।
- **मुख्य उद्देश्य:** प्रत्येक ग्रामीण परिवार, जिसके वयस्क सदस्य **अकुशल शारीरिक कार्य** करने के लिये इच्छुक हों, को **एक वित्तीय वर्ष में 100 दिनों का मज़दूरी युक्त गारंटीकृत रोज़गार** प्रदान करना।
- **प्रमुख विशेषताएँ:**
  - **पात्रता:** आवेदक **भारतीय नागरिक** होना चाहिये, जिसकी आयु **18 वर्ष या उससे अधिक** हो, वह **ग्रामीण परिवार** का हिस्सा हो और **अकुशल शारीरिक कार्य** करने के लिये इच्छुक हो।
  - **विकेंद्रीकृत योजना:** योजना निर्माण और क्रियान्वयन की ज़िम्मेदारी **ग्रामसभाओं** तथा **पंचायती राज संस्थाओं** को सौंपी गई है, जिससे **नीचे से ऊपर तक भागीदारी** सुनिश्चित होती है।
  - **बेरोज़गारी भत्ता:** यदि आवेदन के **15 दिनों के भीतर कार्य** उपलब्ध नहीं कराया जाता है, तो **मुआवज़े** के रूप में पहले 30 दिनों तक **चौथाई मज़दूरी**, तत्पश्चात् **आधी मज़दूरी** दी जाती है।
  - **कार्यस्थल मानक:** रोज़गार **5 किमी के दायरे** में ही उपलब्ध कराया जाना चाहिये; पीने का पानी, छाया और प्राथमिक चिकित्सा जैसी बुनियादी सुविधाएँ उपलब्ध कराई जानी चाहिये।
  - **समयबद्ध भुगतान:** मज़दूरी **साप्ताहिक रूप से** और अधिकतम **15 दिनों के भीतर** दी जानी चाहिये, अन्यथा मुआवज़ा देय होगा।

कौशल मेला 2025

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश के लखनऊ शहर में **इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान** में विश्व युवा कौशल दिवस के अवसर पर **कौशल मेला 2025** आयोजित किया गया।

- इसका उद्देश्य उत्तर प्रदेश के युवाओं में **व्यावसायिक प्रशिक्षण, कौशल विकास और आत्मनिर्भरता** को बढ़ावा देना था।

मुख्य बिंदु

उत्तर प्रदेश सरकार की कौशल पहल:

- **उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन (UPSDM):**
  - **लक्ष्य समूह:** यह मिशन **14 से 35 वर्ष** की आयु के युवाओं को **निःशुल्क, रोज़गारोन्मुख प्रशिक्षण** प्रदान करता है।
  - **उद्देश्य:** राज्य सरकार का उद्देश्य **कौशल आधारित रोज़गार के अवसर** सृजित करना है।
  - **वार्षिक प्रशिक्षण:** हर साल 2,800 से अधिक प्रशिक्षण केंद्रों में 3 लाख युवाओं को प्रशिक्षित किया जाता है।
  - **कुल प्रशिक्षण:** वित्त वर्ष 2017-18 में मिशन की स्थापना के बाद से मार्च 2025 तक 14,13,716 युवाओं को प्रशिक्षित किया जा चुका है।
  - **रोज़गार सुविधा:** मिशन के माध्यम से **5,66,483 युवाओं** को सफलतापूर्वक **रोज़गार दिलाया गया** है।
  - **साझेदारियाँ:** मिशन ने **24 प्रमुख औद्योगिक प्रतिष्ठानों** को प्रशिक्षण प्रदाता तथा **8 प्लेसमेंट एजेंसियों** को साझेदार बनाया है ताकि रोज़गार के अवसर बढ़ सकें।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- यह **भारत का पहला एकीकृत मॉडल** है, जो **पाँच केंद्रीय सरकार** तथा **एक राज्य सरकार** की कौशल विकास योजनाओं को **एकीकृत और समन्वित रूप** से संचालित करता है।

- **कौशल विकास पहल (SDI):**
  - कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय द्वारा वित्तपोषित यह योजना **14–35 वर्ष** के सभी वर्गों के युवाओं को **MES** कोर्स प्रदान करती है, जिसमें 30% महिलाएँ और 75% प्लेसमेंट का लक्ष्य होता है।
- **अनुसूचित जाति उप-योजना हेतु विशेष केंद्रीय सहायता:**
  - सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय की यह योजना **अनुसूचित जाति के 14–35 वर्ष के युवाओं** को लक्षित करती है। इसमें **MES और QP-NOS कोर्स** प्रदान किये जाते हैं, 30% महिला भागीदारी के साथ, यह योजना भारत सरकार द्वारा पूर्णत: वित्तपोषित है।
- **बहु-क्षेत्रीय विकास कार्यक्रम (MSDP):**
  - अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय द्वारा संचालित यह भारत सरकार की वित्तपोषित योजना है, जो उत्तर प्रदेश के चयनित ज़िलों में **अल्पसंख्यक युवाओं को MES प्रशिक्षण प्रदान** करती है, जिसमें 33% महिला भागीदारी और 75% प्लेसमेंट का लक्ष्य होता है।
- **सीमावर्ती क्षेत्र विकास कार्यक्रम (BADP):**
  - **गृह मंत्रालय** की यह योजना **उत्तर प्रदेश के सीमावर्ती 19 ब्लॉकों** में युवाओं को **MES और QP-NOS प्रशिक्षण** प्रदान करती है, जिसमें 50% महिला भागीदारी सुनिश्चित की जाती है। यह योजना भी भारत सरकार द्वारा पूर्णत: वित्तपोषित है।
- **भवन एवं अन्य निर्माण श्रमिक योजना (BOCW):**
  - यह उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा वित्तपोषित योजना है, जो 14–50 वर्ष के पंजीकृत निर्माण श्रमिकों और उनके परिवारों को MES तथा QP-NOS प्रशिक्षण प्रदान करती है।
- **राज्य कौशल विकास निधि (SSDF):**
  - यह **उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा स्थापित एक टॉप-अप फंड** है, जो **14–35 वर्ष** के युवाओं को **MES और QP-NOS प्रशिक्षण** प्रदान करता है। इसका उद्देश्य **20% अल्पसंख्यकों** तथा **30% महिलाओं** को लक्षित करना है एवं **60% प्लेसमेंट** प्राप्त करना है।
    - **राज्य कौशल विकास निधि (SSDF)** को **अतिरिक्त वित्तीय सहायता** प्रदान करने और योजनाओं के प्रभावी एकीकरण हेतु स्थापित किया गया है।
    - **सामान्य न्यूनतम मानदंडों** के अनुसार, प्रमाणित उम्मीदवारों की **70%** नियुक्ति अनिवार्य है, जिसमें कम-से-कम 50% को वेतनयुक्त रोज़गार मिलना चाहिये।

ITI चलो अभियान

- इसे उत्तर प्रदेश में **ITI में प्रवेश** बढ़ाने के लिये **12 मई 2025** को लॉन्च किया गया था।
- इसका उद्देश्य **मेक इन इंडिया** और **डिजिटल इंडिया** के साथ तकनीकी शिक्षा को मज़बूत करना तथा युवाओं में रोज़गार क्षमता को बढ़ाना है।
- यह अभियान ज़िला मजिस्ट्रेटों, स्कूल प्राधिकारियों और ग्राम प्रधानों के समन्वित प्रयासों से कार्यान्वित किया गया।
- 149 सरकारी ITI ने 11 **उद्योग-संरेखित दीर्घकालिक पाठ्यक्रम** प्रदान करने के लिये **टाटा टेक्नोलॉजीज़** के साथ साझेदारी की है।
- यह मिशन स्कूलों और ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता बढ़ाता है, **शिक्षा तथा रोज़गार के अंतर** को पाटता है एवं उत्तर प्रदेश को कौशल विकास का केंद्र बनाता है।

पीलीभीत टाइगर रिज़र्व (PTR)

चर्चा में क्यों?

पीलीभीत टाइगर रिज़र्व के निकट एक संदिग्ध **बाघ** हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जो तीन दिनों में इस तरह की दूसरी घटना है, जिसके बाद अधिकारियों ने बाघ को गोली मारने की अनुमति लेने पर विचार किया है।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

मुख्य बिंदु

पीलीभीत टाइगर रिज़र्व के बारे में:

- यह उत्तर प्रदेश के **पीलीभीत और शाहजहाँपुर ज़िलों** में स्थित है। इसे वर्ष 2014 में **बाघ अभयारण्य** के रूप में अधिसूचित किया गया था।
  - वर्ष 2020 में, इसने पिछले चार वर्षों में बाघों की संख्या **दोगुनी** करने के लिये अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार TX2 जीता।
- यह **ऊपरी गंगा के मैदान में** तराई आर्क परिदृश्य का हिस्सा है।
- गोमती नदी इसी अभयारण्य से निकलती है, जो **शारदा, चूका और माला खन्नोट** जैसी कई अन्य नदियों का जलग्रहण क्षेत्र भी है।
- **वनस्पति और जीव:**
  - यह **128 से अधिक जानवरों, 326 पक्षी प्रजातियों** और 2,100 पुष्पीय पौधों का **निवास स्थान** है।
  - **जंगली जानवरों** में **बाघ, दलदली हिरण,** बंगाल फ्लोरिकन, तेंदुआ आदि शामिल हैं।
  - इसमें **घने साल के जंगल, वृक्षारोपण और** घास के मैदान तथा कई जल निकाय शामिल हैं।

मानव-पशु संघर्ष

- **परिचय:**
  - मानव-पशु संघर्ष उन स्थितियों को संदर्भित करता है, जहाँ मानव गतिविधियों, जैसे कि कृषि, बुनियादी ढाँचे का विकास अथवा संसाधन निष्कर्षण, में वन्य पशुओं के साथ संघर्ष की स्थिति होती हैं, इसकी वजह से मानव एवं पशुओं दोनों के लिये नकारात्मक परिणाम सामने आते हैं।

मानव-पशु संघर्ष से निपटने के लिये सरकारी उपाय

- **वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972:** यह अधिनियम गतिविधियों, शिकार पर प्रतिबंध, वन्यजीव आवासों की सुरक्षा और प्रबंधन तथा संरक्षित क्षेत्रों की स्थापना आदि के लिये कानूनी ढाँचा प्रदान करता है।
- **जैविक विविधता अधिनियम, 2002:** भारत, **जैविक विविधता पर संयुक्त राष्ट्र कन्वेंशन** का एक हिस्सा है। यह सुनिश्चित करता है कि जैविक विविधता अधिनियम वनों और वन्यजीवों से संबंधित **मौजूदा कानूनों का खंडन करने के बजाय पूरक** है।
- **राष्ट्रीय वन्यजीव कार्य योजना (2002-2016):** यह संरक्षित क्षेत्र नेटवर्क को मज़बूत करने और बढ़ाने, लुप्तप्राय वन्यजीवों तथा उनके आवासों के संरक्षण, वन्यजीव उत्पादों में व्यापार को नियंत्रित करने एवं अनुसंधान, शिक्षा व प्रशिक्षण पर केंद्रित है।
- **प्रोजेक्ट टाइगर:** **प्रोजेक्ट टाइगर** एक **केंद्र प्रायोजित योजना** है, जो वर्ष 1973 में शुरू की गई थी। यह देश के राष्ट्रीय उद्यानों में बाघों के लिये आश्रय प्रदान करती है।
- **हाथी परियोजना:** यह एक केंद्र प्रायोजित योजना है और हाथियों, उनके आवासों तथा गलियारों की सुरक्षा के लिये फरवरी 1992 में शुरू की गई थी।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

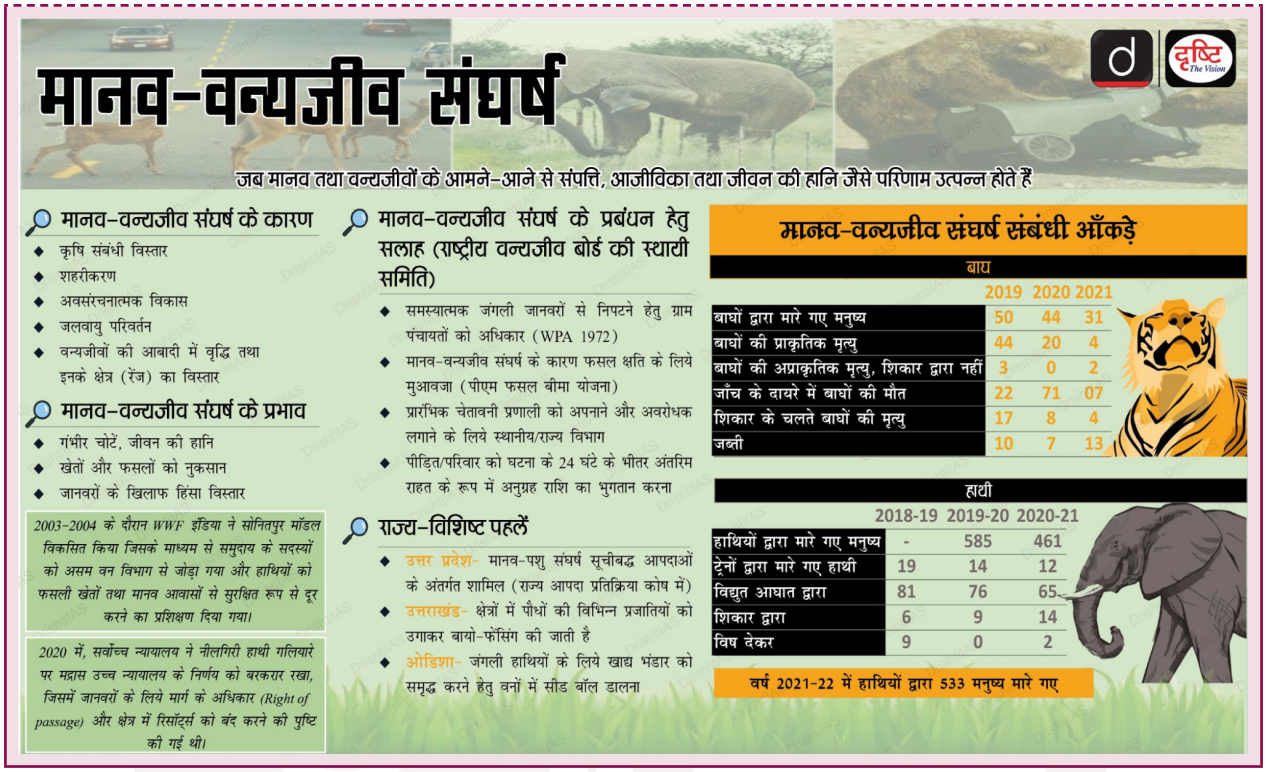

प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना (PMDDKY)

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश सरकार ने **कृषि उत्पादकता को बढ़ावा** देने के लिये **नव-प्रवर्तित** प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना (PMDDKY) में **महत्त्वपूर्ण हिस्सेदारी सुनिश्चित** करने हेतु केंद्र सरकार को एक **विस्तृत प्रस्ताव** प्रस्तुत किया है।

मुख्य बिंदु

प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना (PMDDKY) के बारे में

- **परिचय:**
  - PMDDKY एक **व्यापक कृषि कार्यक्रम** है, जिसे **उत्पादकता बढ़ाने**, सतत् कृषि पद्धतियों **को प्रोत्साहित** करने और **कृषकों की आजीविका सुधारने** के उद्देश्य से डिज़ाइन किया गया है।
  - इसकी **घोषणा केंद्रीय बजट 2025-26** में की गई थी।
  - यह योजना वर्ष **2025-26 से शुरू होकर छह वर्षों** तक चलेगी, जिसका **वार्षिक परिव्यय** 24,000 **करोड़ रुपए** है।
  - योजना का उद्देश्य **बेहतर सिंचाई, भंडारण**, तथा **कृषि ऋण की पहुँच** सुनिश्चित करना, **सतत् कृषि पद्धतियों** को बढ़ावा देना एवं देश के **100 कमज़ोर प्रदर्शन वाले ज़िलों** में **कृषि उत्पादकता सुधारना** है।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- यह **11 केंद्रीय मंत्रालयों की 36 योजनाओं** को मिलाकर एक **एकीकृत कृषि सहायता प्रणाली** तैयार करती है।
- यह नीति आयोग के आकांक्षी ज़िला कार्यक्रम से प्रेरित है।

ज़िला चयन के मानदंड

- **निम्न कृषि उत्पादकता:** प्रति हेक्टेयर कृषि उत्पादन की दर कम होना।
- **कम फसल तीव्रता:** प्रति वर्ष फसल चक्र की संख्या कम या फसल विविधता की कमी।
- **सीमित ऋण वितरण:** कृषि ऋण और वित्तीय संसाधनों की पहुँच का अभाव।।
- **राज्य प्रतिनिधित्व:** चयन में प्रत्येक राज्य/केंद्रशासित प्रदेश में शुद्ध फसल क्षेत्र और परिचालन जोत के हिस्से पर विचार किया जाएगा। संतुलित क्षेत्रीय विकास सुनिश्चित करने के लिये प्रत्येक राज्य से कम-से-कम एक ज़िला चुना जाएगा।

कार्यान्वयन और निगरानी व्यवस्था

- ज़िला कृषि एवं संबद्ध गतिविधियाँ योजनाएँ:
  - प्रत्येक ज़िले में **'ज़िला धन धान्य समिति'** द्वारा एक समर्पित योजना तैयार की जाएगी, जिसमें प्रगतिशील किसान सदस्य होंगे। ये योजनाएँ **फसल विविधीकरण**, जल संरक्षण और **कृषि आत्मनिर्भरता** जैसे राष्ट्रीय लक्ष्यों के अनुरूप होंगी।
- निगरानी और मूल्यांकन:
  - मासिक समीक्षा के साथ एक समर्पित डैशबोर्ड के माध्यम से **117 प्रमुख प्रदर्शन संकेतकों (KPI)** का उपयोग करके प्रगति पर नज़र रखी जाएगी।
  - सुचारू कार्यान्वयन के लिये प्रत्येक ज़िले में केंद्रीय नोडल अधिकारी नियुक्त किये **जाएंगे।**
  - **नीति आयोग** नियमित मार्गदर्शन प्रदान करेगा और ज़िला योजनाओं की समीक्षा करेगा।
- **विभिन्न स्तरों पर समितियाँ:**
  - योजना की प्रभावशीलता सुनिश्चित करने हेतु **ज़िला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर** पर समितियाँ योजना, कार्यान्वयन तथा प्रगति की निगरानी करेंगी।

अपेक्षित परिणाम:

- **किसान लाभार्थी:** भारत में लगभग 1.7 करोड़ किसानों को सीधे लाभ मिलने की उम्मीद है।
- **संबद्ध क्षेत्रों का एकीकरण:** यह योजना मूल्य संवर्द्धन और स्थानीय आजीविका सृजन के लिये पशुधन, डेयरी एवं मत्स्य पालन जैसे क्षेत्रों को एकीकृत करती है।
- **फोकस क्षेत्र:** फसलोपरांत भंडारण, बेहतर सिंचाई, आसान ऋण पहुँच तथा प्राकृतिक एवं जैविक खेती को बढ़ावा देने पर ज़ोर दिया जाएगा, जिससे ग्रामीण आर्थिक मज़बूती सुनिश्चित की जा सके।

राज्य सरकार की तैयारी के बारे में

- उत्तर प्रदेश सरकार ने इस योजना के लाभ का एक महत्त्वपूर्ण हिस्सा सुनिश्चित करने के लिये योजना बनाना प्रारंभ कर दिया है।
- राज्य के **कृषि विभाग** ने क्षेत्रीय विवरण की समीक्षा की है तथा योजना के **सफल कार्यान्वयन** हेतु केंद्र सरकार को एक **विस्तृत प्रस्ताव** प्रस्तुत किया है।
- उत्तर प्रदेश एक **प्रमुख कृषि प्रधान राज्य** है, अत: उसे इस योजना के **आवंटन में महत्त्वपूर्ण भागीदारी** मिलने की उम्मीद है।

अन्य पूरक योजनाएँ

यूपी-एग्रीस योजना:

- PMDDKY, **विश्व बैंक** द्वारा सहायता प्राप्त यूपी-एग्रीस योजना का पूरक है, जिसका उद्देश्य **पूर्वांचल** और **बुंदेलखंड** क्षेत्रों के **28 ज़िलों** में **कृषि उत्पादन** में सुधार करना है।
- इसका मुख्य उद्देश्य **कृषि उत्पादकता** बढ़ाना, **प्राकृतिक संसाधनों** का संरक्षण सुनिश्चित करना तथा किसानों की आय में वृद्धि करना है।
- इस परियोजना से **10,000 महिला उत्पादक समूहों** को जोड़ा जाएगा तथा **500 किसानों** को उन्नत प्रशिक्षण के लिये **विदेश भेजा जाएगा।**

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- **आकांक्षी ज़िला कार्यक्रम:**
  - आकांक्षी ज़िला कार्यक्रम भी राज्य में **कृषि उत्पादकता** बढ़ाने के लिये कार्य कर रहा है।
  - यह भारत सरकार द्वारा वर्ष 2018 में **112 सबसे कमज़ोर ज़िलों** के उत्थान के लिये शुरू किया गया।
  - **मूल दर्शन:**
    - ज़िलों को उनकी **छिपी हुई क्षमता** को उजागर करने के लिये सशक्त बनाकर **"पिछड़ेपन"** से **"आकांक्षा"** की ओर बदलाव।
  - **फोकस क्षेत्र:** स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा, बुनियादी ढाँचा और आर्थिक अवसर।

स्वच्छता सर्वेक्षण 2024-25 में उत्तर प्रदेश का प्रदर्शन

चर्चा में क्यों?

स्वच्छता सर्वेक्षण 2024-25 के तहत दस लाख से अधिक आबादी वाली श्रेणी में **लखनऊ** को अहमदाबाद और भोपाल के बाद देश का **तीसरा सबसे स्वच्छ शहर** माना गया।

मुख्य बिंदु

शीर्ष प्रदर्शनकर्त्ता:

- **लखनऊ:**
  - **रैंकिंग:** देश का तीसरा सबसे स्वच्छ शहर **(दस लाख से अधिक जनसंख्या श्रेणी में)।**
  - **उपलब्धि: 7-स्टार कचरा GFC रेटिंग** प्राप्त करने वाला **उत्तर प्रदेश का पहला शहर** बना।
- **प्रयागराज:**
  - **सबसे स्वच्छ गंगा नगरी** के रूप में विशेष पहचान अर्जित की, वाराणसी को पीछे छोड़कर देश में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
- **नोएडा:**
  - **रैंकिंग:** 3 से 10 लाख जनसंख्या श्रेणी में **सुपर स्वच्छ लीग में** शीर्ष स्थान।
  - शीर्ष स्तर के प्रदर्शनकर्त्ताओं को अलग से रैंक करने के लिये एक **नई श्रेणी शुरू की गई।**
- **अन्य उल्लेखनीय उपलब्धियाँ:**
  - 10 लाख से अधिक आबादी श्रेणी में उत्तर प्रदेश के सात शहर टॉप 20 में शामिल हैं: लखनऊ, आगरा, गोरखपुर, कानपुर, गाज़ियाबाद, प्रयागराज और नोएडा।
- **महाकुंभ 2025 के लिये पुरस्कार:**
  - महाकुंभ के दौरान स्वच्छता और साफ-सफाई की बेहतरीन व्यवस्थाओं के लिये विशेष पुरस्कार प्रदान किये गए, जो बड़े आयोजनों के दौरान राज्य की सफल स्वच्छता नीति को दर्शाते हैं।
- **शीर्ष रेटिंग वाले शहर:**
  - **5-स्टार रेटिंग:** आगरा, गोरखपुर, कानपुर, गाज़ियाबाद, प्रयागराज, नोएडा
  - **सफाईमित्र सुरक्षित शहर श्रेणी में तीसरा स्थान:** गोरखपुर
  - **शीर्ष 10 सबसे स्वच्छ शहर (3-10 लाख जनसंख्या):** गोरखपुर (तीसरा), मुरादाबाद (10वाँ)
  - **उभरता हुआ स्वच्छ शहर:** आगरा (राष्ट्रीय स्तर पर 32वाँ स्थान)
- **नई जल-प्लस उपलब्धियाँ:**
  - **बिजनौर और शम्साबाद सहित 16 शहरों को** पहली बार वाटर-प्लस का दर्जा मिला।
    - **स्वच्छता,** जल प्रबंधन और पुनर्चक्रण प्रथाओं में उत्कृष्टता प्राप्त करने वाले स्थानीय निकायों को जल-प्लस का दर्जा प्रदान किया जाता है।
  - 17 नगर निगमों में से **13 को जल-प्लस का दर्जा प्राप्त हुआ, जो** पिछले वर्ष की तुलना में उल्लेखनीय वृद्धि है (जहाँ केवल 2 शहरों को जल-प्लस का दर्जा प्राप्त था)
- **अपशिष्ट प्रबंधन में सुधार:**
  - **डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण (सत्यापित):** एक वर्ष में **48% से बढ़कर 62%**

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- **कचरा प्रसंस्करण:** एक वर्ष में **48% से बढ़कर 85%**

- **राज्यव्यापी सुधार:**
  - शहरी स्थानीय निकाय (ULBs): 83 शहरी स्थानीय निकायों ने पिछले वर्ष की तुलना में अपनी रैंकिंग में सुधार किया।
  - **ODF++ ULBs: 337 ULBs को ODF++ (खुले में शौच से मुक्त++) घोषित किया गया**, जो पिछले वर्ष (129 ULBs) की तुलना में **उल्लेखनीय वृद्धि है।**

स्वच्छ सर्वेक्षण

- **वर्ष** 2016 से **आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय** द्वारा संचालित स्वच्छ सर्वेक्षण, स्वच्छ भारत मिशन-शहरी (SBM-U) के तहत दुनिया का सबसे बड़ा **शहरी स्वच्छता और सफाई सर्वेक्षण** है।
- **स्वच्छ सर्वेक्षण पुरस्कार** स्वच्छ सर्वेक्षण के तहत शहरों और शहरी स्थानीय निकायों (ULBs) को दी जाने वाली **वार्षिक रैंकिंग तथा मान्यताएँ** हैं।
- इसका उद्देश्य **नागरिक भागीदारी** को बढ़ावा देना, **स्वच्छता** के बारे में **जागरूकता** बढ़ाना और **प्रदर्शन बेंचमार्किंग** के माध्यम से प्रतिस्पर्द्धी संघवाद को बढ़ावा देना है।
- **स्वच्छ सर्वेक्षण 2025:**
  - स्वच्छ सर्वेक्षण 2025 (9वें संस्करण) के **संशोधित ढाँचे** के तहत, **संकेतकों** को सरल बनाया गया है और 10 **व्यापक खंडों** में पुनर्गठित किया गया है।
  - वर्ष 2025 के लिये वार्षिक थीम "रिड्यूस, रीयूज़, रीसायकल (3R)" है, जो **12वें क्षेत्रीय 3R और सर्कुलर इकोनॉमी फोरम (मार्च 2025)** में अपनाए गए जयपुर घोषणा-पत्र के अनुरूप **सर्कुलर इकोनॉमी सिद्धांतों** को बढ़ावा देता है।

महिला आर्थिक सशक्तीकरण (WEE) सूचकांक

चर्चा में क्यों?

योजना विभाग द्वारा विकसित नवीनतम महिला आर्थिक सशक्तीकरण (WEE) सूचकांक, उत्तर प्रदेश में महिलाओं की आर्थिक भागीदारी को बढ़ाने की दिशा में हुई महत्त्वपूर्ण प्रगति को दर्शाता है।

मुख्य बिंदु

WEE सूचकांक के बारे में

- **परिचय:**
  - यह **योजना विभाग** और **उदयती फाउंडेशन** की एक **महत्त्वपूर्ण रिपोर्ट** है, जिसका उद्देश्य **महिला-उन्मुख सरकारी योजनाओं के प्रभाव** का मूल्यांकन करना तथा राज्य में लिंग-समावेशी **और डाटा-आधारित नीति निर्माण** को प्रोत्साहित करना है।
- **WEE सूचकांक की संरचना:** यह सूचकांक राज्य के सभी **75 ज़िलों** का मूल्यांकन निम्नलिखित **पाँच प्रमुख मानकों** के आधार पर करता है:
  - उद्यमिता
  - रोज़गार
  - शिक्षा एवं कौशल विकास
  - आजीविका
  - सुरक्षा एवं परिवहन अवसंरचना
  - इन श्रेणियों में प्रदर्शन मापने के लिये 15 विभागों से प्राप्त 49 संकेतकों का विश्लेषण किया जाता है।
- **ज़िला वर्गीकरण:** ज़िलों को **WEE सूचकांक** में उनके प्रदर्शन के आधार पर वर्गीकृत किया गया:
  - **'चैंपियंस':** इन ज़िलों ने प्रभावी सरकारी योजनाओं, महिलाओं की सक्रिय भागीदारी और संरचनात्मक समर्थन के कारण अच्छे परिणाम प्रदर्शित किये हैं।
    - इन ज़िलों की महिलाएँ उद्यमिता, शिक्षा और रोज़गार के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रही हैं।
    - इस सूची में शामिल हैं: लखनऊ, कानपुर नगर, वाराणसी, झाँसी, सुल्तानपुर, गौतम बुद्ध नगर, प्रयागराज, अयोध्या, सोनभद्र, रायबरेली, गोरखपुर, देवरिया, अंबेडकर नगर, आगरा, गाज़ियाबाद।
  - **'लीडर':** इन ज़िलों ने अच्छा प्रदर्शन किया है, लेकिन इन्हें अपनी गति बनाए रखने की ज़रूरत है।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- इस सूची में शामिल हैं: प्रतापगढ़, मुरादाबाद, बाराबंकी, अलीगढ़, बरेली।
- **'प्रतियोगी'**: इन ज़िलों ने कुछ प्रगति दिखाई है, लेकिन अभी भी अधिक प्रयासों की आवश्यकता है, विशेष रूप से कौशल प्रशिक्षण और रोज़गार के अवसरों के क्षेत्र में।
- इस सूची में शामिल हैं: गाज़ीपुर, जालौन, मुज़फ्फरनगर, बुलंदशहर।
- **'आकांक्षी'**: इन ज़िलों को ज़मीनी स्तर पर जागरूकता, शिक्षा, सुरक्षा और स्वरोज़गार जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। इन मुद्दों के समाधान के लिये विशेष अभियान चलाए जाएंगे।
  - इस सूची में शामिल हैं: चंदौली, बागपत, अमरोहा, बदायूं, सीतापुर, सिद्धार्थनगर, बलरामपुर, महोबा, संभल, श्रावस्ती।

सूचकांक की मुख्य अंतर्दृष्टि:

- **शिक्षा एवं कौशल विकास:** शिक्षा एवं कौशल विकास कार्यक्रमों में महिलाओं की भागीदारी में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।
  - **व्यावसायिक प्रशिक्षण**, मिशन शक्ति, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना और स्वच्छ भारत मिशन जैसी सरकारी पहलों ने सुरक्षा, सामाजिक जागरूकता और गतिशीलता को बढ़ाकर महिलाओं को सामाजिक और आर्थिक रूप से सशक्त बनाया है।
- **सार्वजनिक परिवहन समावेशन:** सार्वजनिक परिवहन में महिलाओं को ड्राइवर और कंडक्टर के रूप में भर्ती करने की योजना ने महिलाओं की आर्थिक स्वतंत्रता और गतिशीलता को प्रोत्साहन दिया है।

कार्यान्वयन योग्य उपाय

- **WEE सूचकांक का एकीकरण:** WEE सूचकांक को मुख्यमंत्री कंट्रोल रूम से जोड़ा जाएगा ताकि वास्तविक समय में निगरानी की जा सके। यह नीति निर्माण और विभिन्न विभागों में परिणामों की ट्रैकिंग के लिये एक आधार उपकरण के रूप में कार्य करेगा।
- **विभागीय योजनाएँ:** सभी विभागों को महिला सशक्तीकरण पर केंद्रित कार्यान्वयन योग्य योजनाएँ तैयार करने तथा राज्य स्तरीय योजनाओं के प्रभाव को स्थानीय स्तर पर लागू करने हेतु ज़िला-स्तरीय रणनीतियाँ बनाने के निर्देश दिये गए हैं।
- **लक्ष्यित अभियान:** बाँदा, जालौन, जौनपुर, महोबा, श्रावस्ती और सीतापुर जैसे ज़िलों में ODOP मार्जिन मनी योजना के तहत महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिये विशेष अभियान चलाए जाएंगे।
- **भर्ती अभियान:** होम गार्ड और शिक्षकों की भर्ती में महिलाओं को प्राथमिकता दी जाएगी, जैसा कि पुलिस भर्ती के सफल मॉडल में देखा गया।
- **महिला कार्यबल में भागीदारी का विस्तार:** महिलाओं के लिये तकनीकी संस्थानों, व्यावसायिक कार्यक्रमों तथा कौशल प्रशिक्षण केंद्रों में नामांकन बढ़ाने के प्रयास किये जाएंगे।
  - **री-एनरोलमेंट यूनिट्स** की स्थापना की जाएगी ताकि कोर्स बीच में छोड़ चुकी महिलाओं को पुन: नामांकित किया जा सके।
- **स्वास्थ्य क्षेत्र में करियर हेतु सहयोग:** पैरामेडिकल संस्थानों का विकास कर महिलाओं को स्वास्थ्य एवं सेवा क्षेत्र में करियर के लिये प्रोत्साहित किया जाएगा।
- **सार्वजनिक परिवहन में भूमिका:** महिलाओं को चालक और परिचालक के रूप में परिवहन क्षेत्र में शामिल करने हेतु विशेष प्रशिक्षण और सहायता सुविधाएँ प्रदान की जाएंगी।

मंगल पांडे जयंती

चर्चा में क्यों?

प्रधानमंत्री ने **19 जुलाई 2025** को महान स्वतंत्रता सेनानी मंगल पांडे की **198वीं जयंती** पर उन्हें **नमन किया**।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

मुख्य बिंदु

मंगल पांडे के बारे में:

- **प्रारंभिक जीवन और पृष्ठभूमि:**
  - 19 जुलाई, 1827 को बलिया ज़िले (वर्तमान उत्तर प्रदेश) के **नगवा गाँव** में **जन्मे मंगल** पांडे एक भूमिहार ब्राह्मण परिवार से थे।
  - वह 22 वर्ष की आयु में **ईस्ट इंडिया कंपनी की सेना में शामिल हो गए और 3 वीं बंगाल नेटिव इन्फैंट्री की 6वीं कंपनी में सेवा की।**
- **1857 की क्रांति में भूमिका:**
  - उन्होंने एनफील्ड पैटर्न 1853 राइफल-मस्कट का प्रयोग करने से मनाकर दिया, क्योंकि ऐसा माना जाता था कि इसके कारतूसों में गाय और सुअर की चर्बी लगी होती थी।
  - इससे **हिंदू** और **मुस्लिम** दोनों सिपाहियों की **धार्मिक भावनाओं को ठेस** पहुँची, क्योंकि कारतूस लोड करने के लिये **मुँह से काटना पड़ता था।**
  - 29 मार्च 1857 को मंगल पांडे ने कोलकाता के पास बैरकपुर में अपनी रेजिमेंट के सर्जेंट मेजर पर गोली चलाकर विद्रोह की पहली चिंगारी भड़काई।
  - **इस अवज्ञापूर्ण कार्य ने 1857 के** ऐतिहासिक विद्रोह को जन्म दिया, जिसे अक्सर **सिपाही विद्रोह** या **भारतीय स्वतंत्रता का प्रथम युद्ध** कहा जाता है।
  - इस विद्रोह के परिणामस्वरूप अंततः भारत में **ईस्ट इंडिया कंपनी का शासन समाप्त हो गया** तथा ब्रिटिश क्राउन ने वर्ष **1858 की महारानी विक्टोरिया की घोषणा और भारत सरकार अधिनियम, 1858** के अधिनियमन के माध्यम से अपने हाथ में प्रत्यक्ष नियंत्रण ले लिया, जिसके तहत **गवर्नर-जनरल के स्थान पर** एक वायसराय की नियुक्ति की गई।
  - इस नई व्यवस्था के तहत **लॉर्ड कैनिंग** पहले वायसराय बने।
  - मंगल पांडे को बाद में गिरफ्तार कर **8 अप्रैल 1857** को **बैरकपुर के लाल बागान** में **कोर्ट मार्शल** के आदेश से **फाँसी दे दी गई।**

- **विद्रोह का विस्तार:**
  - मंगल पांडे की फाँसी के बाद **7वीं अवध रेजिमेंट** ने भी विद्रोह किया, जिसे बाद में दबा दिया गया। असहमति जताने के कारण उनकी रेजिमेंट को भी **बेहरामपुर की 19वीं इन्फैंट्री** की तरह **भंग** कर दिया गया।
  - विद्रोह **अंबाला, लखनऊ और मेरठ की सैन्य छावनियों** तक फैल गया।
  - **10 मई 1857** को **मेरठ** में सिपाहियों ने विद्रोह शुरू किया जिससे यह एक राष्ट्रव्यापी विद्रोह में बदल गया।
  - उन्होंने **दिल्ली की ओर कूच किया** और वृद्ध **बहादुर शाह द्वितीय से प्रतीकात्मक सम्राट** बनने का आग्रह किया। अनुनय-विनय के बाद, उन्होंने स्वीकार कर लिया और उन्हें **शाह-ए-शाह-ए-हिंदुस्तान घोषित कर दिया गया।**
    - वह अंतिम मुगल सम्राट थे, जिन्हें विद्रोह की विफलता के बाद **रंगून** निर्वासित कर दिया गया था।
    - **19 सितंबर 1857** को **लाल किले** पर अंग्रेज़ों का कब्ज़ा हो गया और वर्ष **1862** में जेल में ही उनकी मृत्यु हो गई।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- **महत्त्व:**
  - बैरकपुर में मंगल पांडे का विद्रोह कोई **अकेली घटना** नहीं थी, बल्कि यह **ब्रिटिश शासन के तहत धार्मिक, आर्थिक और राजनीतिक शोषण** के प्रति **सामूहिक आक्रोश** का प्रतीक था।
  - वे **प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के सूत्रधार** माने जाते हैं और उनकी **बलिदानी विरासत** को आज भी **राष्ट्रीय प्रतिरोध** और देशभक्ति के प्रतीक रूप में याद किया जाता है।

अवध के सामाजिक-राजनीतिक संदर्भ के बारे में:

- मंगल पांडे **अवध से थे,** जो कंपनी भर्ती के लिये एक प्रमुख क्षेत्र था। अवध के **75,000 सिपाही** ब्रिटिश सेना का हिस्सा थे और लगभग हर **कृषक परिवार** का एक सदस्य सेना में था।
- वर्ष 1856 में लॉर्ड डलहौज़ी द्वारा कुशासन (हड़प नीति के तहत नहीं) के आधार पर **अवध पर** कब्ज़ा कर लिया। इसके अतिरिक्त, भू-राजस्व व्यवस्थाओं ने भी व्यापक असंतोष को जन्म दिया।
  - **हड़प नीति (डॉक्ट्रिन ऑफ़ लैप्स) लॉर्ड डलहौज़ी** (गवर्नर-जनरल, 1848-56) द्वारा लागू की गई थी। इसने दत्तक उत्तराधिकारियों को राज्यों के उत्तराधिकार के अधिकार से वंचित कर दिया, जिसके परिणामस्वरूप सतारा (1848), पंजाब (1849), झाँसी और नागपुर (1854) जैसे राज्यों का विलय हुआ।
- **ताल्लुकदारों की ज़मीनों की ज़ब्ती** और कठोर राजस्व व्यवस्था के कारण सिपाहियों ने अपनी आर्थिक तंगी के विरोध में **14,000 याचिकाएँ दायर कीं। इस प्रकार पांडे का विद्रोह इस बढ़ते हुए किसान-सैन्य असंतोष** का प्रतीक बन गया।

1857 के विद्रोह के अन्य प्रमुख नेताओं के बारे में

- **नाना साहब (कानपुर):** पेशवा बाजीराव द्वितीय के दत्तक पुत्र; अंग्रेज़ों द्वारा **पेंशन** के अधिकार से वंचित। कानपुर में नेतृत्व संभाला; वर्ष 1859 में नेपाल भाग गए, जहाँ संभवत: उनकी मृत्यु हो गई।
- **बेगम हज़रत महल (लखनऊ):** नवाब वाजिद अली शाह की विधवा; लखनऊ से **विद्रोह** का नेतृत्व किया। अपने बेटे **बिरजिस कद्र** को राजा बनाया। वर्ष 1879 में अपनी मृत्यु तक नेपाल में निर्वासित रहीं।
- **वीर कुंवर सिंह (बिहार):** भोजपुर के 80 वर्षीय **ज़मींदार**; **गुरिल्ला युद्ध** का नेतृत्व किया। वर्ष 1858 में घायल होने से पहले उन्होंने **जगदीशपुर** पर पुन: **कब्ज़ा** कर लिया।
- **रानी लक्ष्मीबाई (झाँसी):** हड़प नीति के तहत उत्तराधिकार से वंचित। वर्ष 1858 में जनरल **ह्यूग रोज़** के नेतृत्व में **ब्रिटिश सेना** से लड़ीं।
- **खान बहादुर खान (बरेली):** 82 वर्ष की आयु में बरेली में लंबे समय तक चले **प्रतिरोध** का नेतृत्व किया; सर **कॉलिन कैंपबेल** से लड़े।
- **मौलवी लियाकत अली (इलाहाबाद):** कुछ समय तक इलाहाबाद पर नियंत्रण रखा; **खुसरो बाग** को केंद्र बनाया। उन्हे वर्ष 1872 में गिरफ्तार कर अंडमान द्वीप भेज दिया गया।

उद्यमी मित्रों के लिये HRMS पोर्टल

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश सरकार ने निवेशक सुविधा और आंतरिक दक्षता बढ़ाने के लिये '**उद्यमी मित्रों**' के लिये **मानव संसाधन प्रबंधन प्रणाली (HRMS)** पोर्टल लॉन्च किया है।

- राज्य के **निवेश सारथी प्लेटफॉर्म** के साथ एकीकृत इस **क्लाउड-आधारित प्लेटफॉर्म का** उद्देश्य आवश्यक प्रशासनिक कार्यों को डिजिटल बनाना और सुव्यवस्थित करना है।

मुख्य बिंदु

HRMS पोर्टल के बारे में:

- **मानव संसाधन कार्यों का स्वचालन:** HRMS पोर्टल को **मुख्य मानव संसाधन कार्यों** जैसे उपस्थिति, अवकाश प्रबंधन, वेतन प्रसंस्करण और फॉर्म-16 निर्माण को स्वचालित करने के लिये डिज़ाइन किया गया है।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जाने! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- **अभिलेखों तक रियल-टाइम पहुँच:** यह पोर्टल कर्मचारियों के अभिलेखों तक रीयल-टाइम पहुँच प्रदान करता है, जिससे **पारदर्शिता को बढ़ावा** मिलता है तथा **ज़िला एवं राज्य स्तर पर प्रशासनिक निगरानी** को सुदृढ़ किया जाता है।
- **कार्यप्रवाह का डिजिटलीकरण:** मैनुअल प्रणाली से **सिस्टम-आधारित कार्यप्रवाह** की ओर संक्रमण से HR प्रक्रियाओं की **गति व शुद्धता में वृद्धि** होती है, जिससे समस्त संचालन अधिक सुचारू बनते हैं।
- **निवेश सारथी के साथ एकीकरण:** निवेश सारथी के साथ एकीकरण करके, पोर्टल उद्यमी मित्रों और अन्य सरकारी प्लेटफार्मों के बीच **निर्बाध समन्वय सुनिश्चित करता है**, जिससे संचार एवं परिचालन दक्षता में वृद्धि होती है।

उद्यमी मित्र

- **मुख्यमंत्री उद्यमी मित्र योजना** (2023 में प्रारंभ) के अंतर्गत, **ज़िलों** तथा **औद्योगिक प्राधिकरणों** में **110 से अधिक प्रशिक्षित उद्यमी मित्रों** की नियुक्ति की गई है।
- ये मित्र **निवेशकों** और **सरकार** के मध्य **संपर्क सेतु** की भूमिका निभाते हैं।
- **इनकी प्रमुख ज़िम्मेदारियाँ इस प्रकार हैं:**
  - **भूमि पहचान:** निवेशकों को उनकी परियोजनाओं के लिये उपयुक्त भूमि की पहचान करने में सहायता करना।
  - **समझौता ज्ञापन ट्रैकिंग:** समझौता ज्ञापनों (MoU) के सुचारू निष्पादन और निगरानी को सुनिश्चित करना।
  - **निवेश प्रस्ताव सत्यापन:** सरकारी नीतियों के साथ संरेखण सुनिश्चित करने के लिये निवेश प्रस्तावों का सत्यापन और वैधीकरण करना।
  - **औद्योगिक अंत:क्रियाएँ:** उद्योगपतियों और सरकारी प्राधिकारियों के बीच सुचारू अंत:क्रिया को सुगम बनाना।
  - **बाधाओं का समाधान: निवेश मित्र**, **निवेश सारथी** और OIMS (ऑनलाइन औद्योगिक प्रबंधन प्रणाली) जैसे प्लेटफार्मों के माध्यम से निवेशकों के सामने आने वाली बाधाओं को दूर करना।

उत्तर प्रदेश सरकार की अन्य निवेशक-अनुकूल पहल

- **निवेश सारथी:**
  - उत्तर प्रदेश में निवेश सारथी एक **ऑनलाइन प्लेटफॉर्म** है, जिसे राज्य में **निवेश प्रक्रिया** को सुविधाजनक और सुव्यवस्थित करने हेतु **नवंबर 2022** में **उत्तर प्रदेश सरकार** द्वारा लॉन्च किया गया।
  - यह प्लेटफॉर्म निवेशकों के लिये **एकल-खिड़की निकासी प्रणाली** के रूप में कार्य करता है तथा 50 से अधिक सरकारी विभागों की सेवाओं को एक डिजिटल पोर्टल पर एकीकृत कर उनके साथ संवाद को सरल बनाता है।
- **इन्वेस्ट यूपी:**
  - राज्य की समर्पित नोडल एजेंसी, जो संभावित और मौजूदा निवेशकों को **नीतिगत समर्थन**, **परियोजना सुविधा तथा देखभाल सेवाएँ** प्रदान करती है।
  - यह एजेंसी **निवेश प्रस्तावों को गति** देने और **उद्योग जगत की भागीदारी** को प्रोत्साहित करने हेतु **यूपी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट** जैसे प्रमुख कार्यक्रमों का संचालन करती है।
- **व्यापक भूमि बैंक विकास:**
  - उत्तर प्रदेश सरकार ने 30,000 एकड़ का **भूमि बैंक** विकसित किया है, विशेष रूप से एक्सप्रेस-वे के किनारे, जिसमें से 4,000 एकड़ भूमि औद्योगिक विकास हेतु पहले ही आवंटित की जा चुकी है।
- **विशेष क्षेत्रीय नीतियाँ:**
- **उत्तर प्रदेश औद्योगिक निवेश एवं रोज़गार प्रोत्साहन नीति 2022**
  - **GCC नीति 2024 (वैश्विक क्षमता केंद्र):** वैश्विक फर्मों को मेट्रो और गैर-मेट्रो दोनों शहरों में केंद्र स्थापित करने हेतु 50% तक भूमि सब्सिडी, पूंजी सब्सिडी तथा स्थानीय प्रतिभाओं के लिये वेतन सहायता प्रदान करती है।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- **SAF विनिर्माण प्रोत्साहन नीति 2025:** भारत में अपनी तरह की पहली नीति, जो सतत् विमानन ईंधन उद्योगों पर ध्यान केंद्रित करते हुए प्रोत्साहन एवं सुव्यवस्थित समर्थन प्रदान करती है, जिससे निवेशकों तथा स्थानीय किसानों दोनों को लाभ होगा।
- **इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण क्लस्टर (EMC 2.0):** गौतम बुद्ध नगर में 417 करोड़ रुपए की परियोजना, जिसके माध्यम से वर्ष 2028 तक 2,500 करोड़ रुपए का निवेश आने तथा 15,000 नौकरियाँ सृजित होने की संभावना है, जो मेक इन इंडिया के अनुरूप इलेक्ट्रॉनिक्स पारिस्थितिकी तंत्र को सशक्त बनाएगी।

FIDE विश्व कप 2025 भारत में आयोजित होगा

चर्चा में क्यों?

भारत 30 अक्तूबर 2025 से 27 नवंबर 2025 तक **शतरंज विश्व कप 2025** की मेज़बानी करेगा, मेज़बान शहर की घोषणा बाद में **अंतर्राष्ट्रीय शतरंज महासंघ (FIDE) द्वारा** की जाएगी।

मुख्य बिंदु

- **विश्व कप के बारे में:**
  - **FIDE शतरंज विश्व कप 2025 नॉकआउट प्रारूप** में आयोजित किया जाएगा, जिसमें **206 खिलाड़ी** भाग लेंगे।
  - प्रतियोगिता में **गतिशील विलोपन प्रणाली** होगी, जिसमें हारने वाला खिलाड़ी प्रत्येक राउंड के बाद बाहर हो जाता है।
  - प्रत्येक राउंड तीन दिनों तक चलता है: पहले दो दिन **दो क्लासिकल खेल तथा** यदि आवश्यक हो तो **तीसरे दिन टाई-ब्रेक** खेले जाएंगे।
  - **शीर्ष 50 खिलाड़ियों** को पहले दौर में **बाई** (byes) दी जाएगी, जबकि शेष खिलाड़ी इस सिद्धांत के आधार पर खेलेंगे कि **शीर्ष आधा भाग उलटे क्रम वाले निचले आधे भाग से** स्पर्द्धा करेगा।
- **चयन की प्रक्रिया:**
  - **प्रत्यक्ष प्रवेश:** वर्ष 2025 शतरंज विश्व कप के शीर्ष तीन स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों को वर्ष 2026 कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में सीधे प्रवेश मिलेगा।
  - **पात्र खिलाड़ी:** वर्तमान विश्व चैंपियन, 2023 विश्व कप के शीर्ष चार विजेता, महिला विश्व चैंपियन, 2024 विश्व जूनियर चैंपियन (U-20) तथा अन्य महाद्वीपीय प्रतियोगिताओं के विजेता।
  - **महाद्वीपीय स्थान:** महाद्वीपीय आयोजनों के माध्यम से खिलाड़ियों को 80 स्थान प्रदान किये जाएंगे। प्रत्येक महाद्वीप को अलग आवंटन प्राप्त होगा (अफ्रीका: 3, एशिया: 35, यूरोप: 30, अमेरिका: 3)।
  - **शीर्ष रेटिंग वाले खिलाड़ी:** FIDE जून 2025 रेटिंग सूची के उच्चतम रेटिंग प्राप्त खिलाड़ी आमंत्रित किये जाएंगे, साथ ही वर्ष 2024 शतरंज ओलंपियाड की शीर्ष 100 राष्ट्रीय संघों से भी खिलाड़ी चयनित होंगे।

शतरंज में भारत के योगदान

- भारत ने विश्व के कुछ **सर्वाधिक प्रसिद्ध शतरंज खिलाड़ी** दिये हैं, जिनमें सबसे उल्लेखनीय हैं **विश्वनाथन आनंद**, जो पाँच बार के **विश्व चैंपियन** और वर्तमान **FIDE के उपाध्यक्ष** हैं, जिन्होंने भारत को वैश्विक शतरंज केंद्र के रूप में स्थापित करने में मदद की है।
- **गुकेश डोमाराजू, प्रज्ञानंद आर** और **अर्जुन एरिगैसी** जैसी युवा प्रतिभाओं के उभरने से देश के शतरंज परिदृश्य में एक नया परिवर्तन आया है।
- वर्ष 2024 में, भारत ओपन और महिला शतरंज ओलंपियाड दोनों टीमों में अपना पहला स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया।
- **वर्ष 2024 FIDE विश्व शतरंज चैंपियनशिप गुकेश डोमाराजू** ने जीती, जो 18 वर्ष की आयु में इतिहास में सबसे कम उम्र के शतरंज विश्व चैंपियन बने।
- **उन्होंने सिंगापुर में आयोजित 14-गेम के क्लासिकल मैच में मौजूदा चैंपियन डिंग लिरेन (चीन) को हराया।**
  - FIDE विश्व चैंपियनशिप 2024 का मैच 138 वर्षों में पहला मैच था, जिसमें एशिया से दो प्रतियोगी शामिल थे।
  - प्रज्ञानंद आर 2023 विश्व कप में उपविजेता भी रहे।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- **भारत में प्रमुख शतरंज प्रतियोगिताएँ:** भारत ने अंतर्राष्ट्रीय शतरंज आयोजनों की सफल मेज़बानी के क्षेत्र में भी खुद को मज़बूत रूप से स्थापित किया है। हाल के कुछ उल्लेखनीय आयोजन इस प्रकार हैं:
  - **FIDE शतरंज ओलंपियाड 2022:** यह आयोजन मामल्लपुरम में हुआ था और यह **प्रशंसनीय ढंग से आयोजित** किया गया।
  - **टाटा स्टील शतरंज इंडिया:** यह वैश्विक शतरंज कैलेंडर का एक महत्त्वपूर्ण आयोजन बन चुका है।
  - **FIDE विश्व जूनियर U20 चैंपियनशिप 2024:** भारत द्वारा आयोजित इस आयोजन ने देश की उच्च स्तरीय शतरंज आयोजनों की क्षमता को दर्शाया।
  - **FIDE महिला ग्रैंड प्रिक्स (2025):** यह वैश्विक श्रृंखला का एक भाग है, जो शतरंज में महिलाओं की भागीदारी को रेखांकित करता है।

काशी घोषणा-पत्र

चर्चा में क्यों?

वाराणसी के **रुद्राक्ष अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर** में आयोजित **युवा आध्यात्मिक शिखर सम्मेलन** 'काशी घोषणा-पत्र' को औपचारिक रूप से अपनाने के साथ संपन्न हुआ, जो वर्ष 2047 तक **नशा मुक्त समाज** की दिशा में भारत की यात्रा में एक **महत्त्वपूर्ण** उपलब्धि है।

मुख्य बिंदु

- **युवा आध्यात्मिक शिखर सम्मेलन के बारे में:**
  - **युवा मामले और खेल मंत्रालय** द्वारा आयोजित इस शिखर सम्मेलन में 600 से अधिक **युवा नेता** और 120 **आध्यात्मिक** तथा सामाजिक-सांस्कृतिक संगठनों के प्रतिनिधि एकत्र हुए।
  - शिखर सम्मेलन ने **नशीली दवाओं** के दुरुपयोग के **मनोवैज्ञानिक** और सामाजिक प्रभावों, नशीली दवाओं की **तस्करी** की कार्यप्रणाली और **ज़मीनी स्तर** पर जागरूकता के लिये रणनीतियों पर गहन चर्चा के लिये एक मंच प्रदान किया।
  - इसमें चार **सत्र** आयोजित किये गए, जिनका समापन **काशी घोषणा-पत्र** के साथ हुआ। सत्रों के दौरान चर्चा किये गए प्रमुख विषय थे:
    - व्यसन के **मनोवैज्ञानिक प्रभाव**
    - नशीली दवाओं की **आपूर्ति श्रृंखला** और तस्करी तंत्र को समझना
    - नशीली दवाओं के प्रति जागरूकता के लिये प्रभावी **ज़मीनी स्तर** पर अभियान
    - **पुनर्वास** में आध्यात्मिक और सांस्कृतिक संस्थाओं की भूमिका
- **काशी घोषणा-पत्र:**
  - काशी घोषणा-पत्र नशीली दवाओं के दुरुपयोग को एक **सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट** और **सामाजिक चुनौती** के रूप में देखने की आम सहमति को दर्शाता है।
  - इसमें संपूर्ण सरकार और **संपूर्ण समाज के दृष्टिकोण** की माँग की गई है, जिसमें आध्यात्मिक, शैक्षिक और तकनीकी क्षेत्रों के प्रयासों को एकीकृत किया गया है।
  - घोषणा-पत्र में **बहु-मंत्रालयी समन्वय**, जवाबदेही सुनिश्चित करने और प्रगति पर नज़र रखने के लिये एक संयुक्त **राष्ट्रीय समिति** की स्थापना का प्रस्ताव है।
  - घोषणा-पत्र में **वार्षिक प्रगति रिपोर्ट** और नशे की लत से जूझ रहे व्यक्तियों को सहायता सेवाओं से जोड़ने के लिये एक **राष्ट्रीय मंच** की भी माँग की गई है।
- **युवा-नेतृत्व वाले अभियान** और **मेरा भारत ढाँचा:**
  - **'माई भारत'** पूरे देश में **नशीली दवाओं** के दुरुपयोग से निपटने के लिये युवाओं के नेतृत्व में प्रयासों को आगे बढ़ाने में **अग्रणी भूमिका** निभाएगा।
    - 'माई भारत' से संबद्ध **युवा क्लब** और स्वयंसेवक **जागरूकता अभियान**, **संकल्प अभियान** और **सामुदायिक संपर्क** प्रयासों का नेतृत्व करेंगे, जिससे इस आंदोलन की **स्थिरता** सुनिश्चित होगी।
  - **काशी घोषणा-पत्र** मार्गदर्शक दस्तावेज़ के रूप में काम करेगा, जो **युवा समूहों** और **नीति निर्माताओं** के प्रयासों को

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

निर्देशित करेगा और प्रगति व जवाबदेही के लिये **विकसित भारत युवा नेता संवाद 2026** के दौरान इसकी समीक्षा की जाएगी।

नोट:

- **मेरा भारत पोर्टल**, जिसे आधिकारिक रूप से **माई भारत (MY Bharat)** के रूप में जाना जाता है, भारत सरकार द्वारा स्थापित एक **व्यापक युवा-केंद्रित मंच** है, जिसे प्रधानमंत्री द्वारा **राष्ट्रीय एकता दिवस**, 31 अक्तूबर 2023 को लॉन्च किया गया है।
- यह **युवा मामले एवं खेल मंत्रालय** द्वारा एक **स्वायत्त निकाय** के रूप में संचालित किया जाता है, जिसे विशेष रूप से **15 से 29 वर्ष** की आयु के युवाओं के लिये विकसित किया गया है (10–19 वर्ष की आयु वालों के लिये कुछ गतिविधियाँ भी शामिल हैं), जो **राष्ट्रीय युवा नीति, 2014** के अनुरूप है।

समर्थ पोर्टल

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश सरकार राज्य के सभी **विश्वविद्यालयों और कॉलेजों** में शैक्षणिक सत्र 2025-26 तक '**समर्थ**' पोर्टल को पूर्ण रूप से लागू करने जा रही है।

- **यह पहल उच्च शिक्षा को अधिक पारदर्शी, कुशल** और **प्रौद्योगिकी-संचालित** प्रणाली में बदलने के सरकार के मिशन का हिस्सा है।

मुख्य बिंदु

- **समर्थ पोर्टल की विशेषताएँ:**
  - **समर्थ प्लेटफॉर्म** को उच्च शिक्षण संस्थानों में **प्रशासनिक प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित** करने के लिये विकसित किया गया है।
  - सभी प्रशासनिक कार्य अब इस **डिजिटल प्लेटफॉर्म** के माध्यम से संचालित होंगे, जिससे **प्रशासनिक भार में कमी** आएगी और कार्यप्रवाह अधिक **कुशल** बनेगा।
  - राज्य के उच्च शिक्षा विभाग द्वारा प्रस्तुत रोडमैप के अनुसार, वर्ष 2025 के अंत तक सभी निजी **ERP सिस्टम** को चरणबद्ध रूप से हटाकर केवल **समर्थ प्रणाली** को ही लागू किया जाएगा।
  - यह नई प्रणाली **शिक्षकों की पदोन्नति प्रक्रिया** को अधिक पारदर्शी और **सुगम** बनाएगी।
  - **कैरियर उन्नयन योजना** के तहत शिक्षक सरलता से पदोन्नति के लिये आवेदन कर सकेंगे और **चयन** प्रक्रिया सभी के लिये दृश्यमान होगी।
- **वर्तमान स्थिति:**
  - उत्तर प्रदेश के सभी **सरकारी विश्वविद्यालय** और संबद्ध कॉलेज पहले ही समर्थ पोर्टल पर पंजीकृत हो चुके हैं।
  - कई संस्थान अब इस पोर्टल का उपयोग **वेतन प्रक्रिया, व्यय प्रबंधन, अवकाश ट्रैकिंग, प्रवेश और परीक्षाओं** जैसे कार्यों के लिये कर रहे हैं।
  - **ऑनलाइन छात्र पंजीकरण** भी प्रगति पर है, जिससे **प्रवेश प्रक्रिया सरल** हो रही है।
- **केंद्रीकृत प्रवेश प्रणाली:**
  - **पारदर्शिता** को और बढ़ाने के लिये राज्य सरकार ने **जुलाई 2025** से एक **एकीकृत प्रवेश प्रणाली** शुरू की है।
  - अब सभी **छात्र प्रवेश** एक **एकल पोर्टल** के माध्यम से किये जाएंगे, जिससे **एकरूपता और पारदर्शिता** सुनिश्चित होगी।
  - इस एकीकृत प्रणाली का **पायलट चरण** पहले ही **सफलतापूर्वक पूर्ण** हो चुका है।
- **भविष्य में विकास:**
  - समर्थ पोर्टल के अतिरिक्त, उत्तर प्रदेश सरकार एक **अलग ऑनलाइन पोर्टल** विकसित कर रही है, जो सेमिनार, अनुसंधान परियोजनाओं, अकादमिक पुरस्कारों और अनुसंधान अनुदानों का प्रबंधन करेगा।
  - इससे शिक्षाविदों और शोधकर्त्ताओं के लिये **अधिक पारदर्शी** तथा **सरल प्रक्रिया उपलब्ध** होगी।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

अमृत सरोवर निर्माण में उत्तर प्रदेश प्रथम

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश देश में सबसे अधिक अमृत सरोवरों वाला राज्य बनकर उभरा है, जिसने वर्ष 2022 में कार्यक्रम के शुभारंभ के बाद से **16,630 सरोवरों का निर्माण और पुनरुद्धार** किया है, जो 5,550 के **मूल लक्ष्य से तीन गुना अधिक** है।

मुख्य बिंदु

- **मिशन अमृत सरोवर के बारे में:**
  - इसे **24 अप्रैल 2022** को भारत की स्वतंत्रता के 75वें वर्ष के लिये **"आज़ादी का अमृत महोत्सव"** समारोह के हिस्से के रूप में लॉन्च किया गया था।
  - इस मिशन का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में जल संकट को दूर करने के लिये **भारत के प्रत्येक ज़िले** में कम-से-कम **75 अमृत सरोवरों** का निर्माण/पुनरुद्धार करना है।
  - इन जल निकायों के लिये लक्ष्य स्थानीय स्तर पर जल स्थिरता सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम है।
  - ग्रामीण विकास विभाग, भूमि संसाधन विभाग, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, जल संसाधन विभाग, पंचायती राज मंत्रालय, वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, रेल मंत्रालय, सड़क, परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय सहित **आठ केंद्रीय मंत्रालय/विभाग** इस मिशन के क्रियान्वयन में सक्रिय रूप से योगदान दे रहे हैं।
  - भास्कराचार्य राष्ट्रीय अंतरिक्ष अनुप्रयोग एवं भू-सूचना विज्ञान संस्थान (BISAG-N) को इस मिशन के लिये तकनीकी साझेदार के रूप में नियुक्त किया गया है।
  - BISAG-N एक **स्वायत्त वैज्ञानिक सोसायटी** है, जो सोसायटी पंजीकरण अधिनियम, 1860 के तहत पंजीकृत है। यह इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अंतर्गत आती है।
  - अमृत सरोवर के निर्माण और पुनरुद्धार की पहचान करने तथा उसे क्रियान्वित करने में भू-स्थानिक डाटा तथा प्रौद्योगिकी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

- **राज्यवार रैंकिंग - अमृत सरोवर निर्माण (2022-2025):**

रैंक	राज्य	सरोवरों की संख्या
1	उत्तर प्रदेश	16,630
2	मध्य प्रदेश	5,839
3	छत्तीसगढ	2,902
4	बिहार	2,613
5	हरियाणा	2,088
6	झारखंड	2,048
7	पंजाब	1,450

उत्तर प्रदेश में जल संरक्षण के लिये अन्य पहलें

- **भूजल सप्ताह समारोह:**
  - उत्तर प्रदेश सरकार ने हाल ही में **भूजल सप्ताह (16 जुलाई-22 जुलाई)** मनाया, जिससे राज्य में चल रही जल संरक्षण परियोजनाओं और **भूजल चुनौतियों** से निपटने के प्रयासों को नई गति मिली।
- **खेत तालाब योजना:**
  - **कृषि तालाबों के निर्माण** पर केंद्रित इस योजना के तहत किसानों को **तालाब निर्माण के लिये 50% तक की सब्सिडी** प्रदान की जाती है। वर्ष **2017-18** में इसकी शुरुआत के बाद से सरकार ने इस योजना के तहत **37,403 कृषि सरोवरों** के निर्माण में मदद की है।
- **एक ज़िला-एक नदी योजना:**
  - इसका उद्देश्य प्रत्येक ज़िले को एक नदी पुनरुद्धार परियोजना सौंपकर **विलुप्त नदियों** को पुनर्जीवित करना है।
- **जल-बचत सिंचाई तकनीकों को बढ़ावा देना:**
  - इसमें पानी की खपत को कम करने के लिये स्प्रिंकलर और ड्रिप सिंचाई प्रणालियों के उपयोग को प्रोत्साहित किया जाता है।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- **भूजल संचयन का समावेशन:**
  - **भवन निर्माण** में **भूजल संचयन संरचनाओं** के एकीकरण को प्रोत्साहित किया जा रहा है।
- **बहुउद्देशीय तालाबों का विकास:**
  - इन तालाबों का विकास **नदी के किनारे** किया जा रहा है ताकि सतत् जल प्रबंधन को बढ़ावा मिल सके।
- **29 ज़िलों में भूजल सुधार:**
  - जिन क्षेत्रों में पिछले एक दशक से **भूजल स्तर कम** रहा है, वहाँ सरकार **जल-बचत प्रौद्योगिकियों** को अपनाने पर ध्यान केंद्रित कर रही है तथा इन क्षेत्रों के **कम-से-कम एक-चौथाई किसानों** को ऐसी पद्धतियों को लागू करने के लिये प्रोत्साहित कर रही है।

उत्तर प्रदेश मंत्रिमंडल द्वारा प्रमुख विकास परियोजनाओं को मंज़ूरी

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश मंत्रिमंडल ने महिलाओं के सशक्तीकरण, शिक्षा को बढ़ावा देने, बुनियादी ढाँचे के विकास तथा रक्षा पहल को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से कई परिवर्तनकारी निर्णयों को मंज़ूरी दी।

मुख्य बिंदु

- **महिलाओं के लिये स्टांप ड्यूटी में छूट:**
  - मंत्रिमंडल ने **1 करोड़ रुपए** तक की संपत्ति खरीदने वाली महिलाओं के लिये 1% स्टांप ड्यूटी **में छूट** को **मंज़ूरी** दी, जो कि पहले **10 लाख रुपए** तक सीमित थी।
  - नई छूट से महिलाओं को **संपत्ति पंजीकरण** पर **1 लाख रुपए** तक की छूट का दावा करने की अनुमति मिलेगी, जिससे **मध्यम वर्ग की महिलाओं** के बीच संपत्ति के स्वामित्व को बढ़ावा मिलेगा।
- **पॉलिटेक्निक संस्थानों में टाटा टेक्नोलॉजी केंद्र:**
  - उत्तर प्रदेश सरकार और टाटा टेक्नोलॉजीज़ लिमिटेड (TTL) की साझेदारी से **121 सरकारी पॉलिटेक्निक संस्थानों** का उन्नयन किया जाएगा।
  - TTL द्वारा **6,935.86 करोड़ रुपए** का निवेश किया जाएगा, जिसमें **87% लागत TTL** वहन करेगा और शेष **1,063.96 करोड़ रुपए** राज्य सरकार वहन करेगी।
  - यह पहल **उद्योग-समन्वित पाठ्यक्रम** के एकीकरण से **तकनीकी कौशल** और **रोज़गार क्षमता** को बढ़ाएगी। पहले चरण में **45 संस्थानों** को उन्नत किया जाएगा।
- **युवा रोज़गार के लिये टैबलेट वितरण:**
  - स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तीकरण योजना के तहत **25 लाख स्मार्टफोन** की पूर्व योजना को रद्द कर दिया गया है।
  - स्मार्टफोन के स्थान पर अब युवाओं को **उन्नत सुविधाओं वाले टैबलेट** वितरित किये जाएंगे, जिसके लिये वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिये **2,000 करोड़ रुपए** का बजट आवंटित किया गया है।
  - ये टैबलेट **Word, Excel, PowerPoint और Google Sheets** जैसे सॉफ्टवेयरों को सपोर्ट करके **रोज़गार के अवसरों** में सहायता करेंगे, जिससे डिजिटल साक्षरता तथा **नौकरी की तत्परता** बढ़ेगी।
- **चित्रकूट लिंक एक्सप्रेस-वे का निर्माण:**
  - मंत्रिमंडल ने **939.67 करोड़ रुपए** की चित्रकूट लिंक एक्सप्रेस-वे परियोजना को **मंज़ूरी** दे दी, जो **15.172 किमी** लंबी होगी और **चित्रकूट के भरतकूप** को **अहमदगंज गाँव** से जोड़ेगी।
  - यह परियोजना, जिसे शुरू में **चार लेन वाले एक्सप्रेस-वे** (छह लेन तक विस्तार योग्य) के रूप में डिज़ाइन किया गया था, **वाराणसी-बाँदा राष्ट्रीय राजमार्ग** तथा **NH-135BG** के बीच संपर्क में सुधार करेगी, जिससे क्षेत्र में यात्रा और व्यापार मार्ग बेहतर होंगे।
- **निर्यात-उन्मुख निवेश के लिये प्रोत्साहन:** मंत्रिमंडल ने दो कंपनियों के लिये प्रोत्साहन को मंज़ूरी दी—
  - संयुक्त अरब अमीरात की एक्वाब्रिज, जो उन्नाव में एक मत्स्य पालन परियोजना स्थापित करेगी।
  - कर्नाटक की इनोवा फूड पार्क, जो जेवर अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के पास एक कृषि निर्यात केंद्र स्थापित करेगी।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- ये निवेश **निर्यात वृद्धि** के साथ-साथ **स्थानीय किसानों** को भी लाभ पहुँचाएंगे और **कृषि विकास** को बढ़ावा देंगे।

रक्षा व ड्रोन विनिर्माण विस्तार:

- मंत्रिमंडल ने RAPHE mPhibr प्राइवेट लिमिटेड को **4.67 करोड़ रुपए** में एक भूमि पार्सल की बिक्री को मंजूरी दी।
- यह कंपनी पहले ही **800 करोड़ रुपए** का निवेश कर चुकी है और अब डेयरी इकाई को स्थानांतरित कर **10 करोड़ रुपए** की अतिरिक्त राशि स्थानीय अर्थव्यवस्था में लगाएगी।
- साथ ही, मंत्रिमंडल ने **यूपी** डिफेंस कॉरिडोर में DRDO के उपकरण अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान (IRDE) को **10 हेक्टेयर भूमि** के लिये सांकेतिक पट्टे को भी मंज़ूरी दी है, जिससे **150 प्रत्यक्ष** और **500 अप्रत्यक्ष रोज़गार** के अवसर सृजित होंगे।

उत्तर प्रदेश का ग्राम-ऊर्जा मॉडल

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश सरकार ने मुख्यमंत्री ग्राम-ऊर्जा मॉडल के तहत कई गाँवों में **बायोगैस संयंत्र स्थापित करने की योजना का अनावरण किया है।**

मुख्य बिंदु

उद्देश्य:

- इस पहल का उद्देश्य **अयोध्या**, **वाराणसी**, **गोरखपुर** और **गोंडा** ज़िलों में पायलट परियोजना के तहत **2,250 बायोगैस संयंत्र** स्थापित करना है।
- इसका प्राथमिक उद्देश्य **बायोगैस उत्पादन** को स्थानीय स्तर पर प्रोत्साहित करना है, जिसका उपयोग ग्रामीणों द्वारा सीधे किया जाएगा।

विस्तार योजनाएँ एवं लागत विवरण:

- यदि यह पायलट परियोजना सफल रहती है, तो अगले चार वर्षों में इसका विस्तार कर **2.50 लाख ग्रामीण परिवारों** को लाभान्वित किया जाएगा।
- प्रत्येक बायोगैस इकाई की अनुमानित लागत **39,300 रुपए** है, जिसमें किसानों को केवल **3,990 रुपए** का योगदान देना होगा। शेष लागत सरकारी सब्सिडी और कार्बन क्रेडिट मॉडल से वहन की जाएगी।
- यह **लागत-साझाकरण मॉडल** सुनिश्चित करता है कि यह पहल ग्रामीण किसानों के लिये वित्तीय रूप से व्यवहार्य और सुलभ बनी रहे।

अनुमोदन और सरकारी समर्थन:

- इस परियोजना को राज्य के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन विभाग से औपचारिक अनुमोदन प्राप्त हो चुका है, जिससे यह सुनिश्चित हो गया है कि यह पहल **पर्यावरण तथा जलवायु लक्ष्यों के अनुरूप** है।

सहायक बुनियादी ढाँचा:

- बायोगैस संयंत्रों के अतिरिक्त, सरकार उत्तर प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में **गौशालाओं** का विकास करने की योजना बना रही है।
- इन आश्रय स्थलों का निर्माण **महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोज़गार गारंटी अधिनियम (मनरेगा)** के अंतर्गत किया जाएगा, जिससे स्थानीय ग्रामीणों को **रोज़गार के अवसर** प्राप्त होंगे।
- पहले चरण में **43 गौशालाओं** को **बायोगैस एवं खाद उत्पादन इकाइयों** से सुसज्जित किया जाएगा।
- प्रत्येक गौशाला से प्रति माह लगभग **50 क्विंटल घोल** तैयार होने की संभावना है, जिसे आसपास के किसानों को जैविक खाद के रूप में वितरित किया जाएगा।

महत्त्व:

- इसमें ग्रामीण रसोई में **LPG के उपयोग में 70% तक की कटौती** करने की क्षमता है, जिससे गैर-नवीकरणीय ऊर्जा पर निर्भरता कम होने से **पर्यावरणीय प्रभाव** में उल्लेखनीय **कमी** आएगी।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

बायोगैस

- बायोगैस एक नवीकरणीय ऊर्जा स्रोत है, जो ऑक्सीजन की अनुपस्थिति में **कार्बनिक पदार्थों के अपघटन** से उत्पन्न होता है। इस प्रक्रिया को **अवायवीय अपघटन** कहा जाता है।
  - **बायोगैस** मुख्यत: मीथेन (CH_4) और कार्बन डाइऑक्साइड (CO_2) से मिलकर बना होता है।

ABVMU में मियावाकी वन का उद्घाटन

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश की राज्यपाल एवं **कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल** ने लखनऊ स्थित **अटल बिहारी वाजपेयी चिकित्सा विश्वविद्यालय** (ABVMU) में मियावाकी वन का उद्घाटन किया और **पौधारोपण अभियान** में भाग लिया।

मुख्य बिंदु

मियावाकी वृक्षारोपण विधि के बारे में:

- इसका नाम जापानी **वनस्पतिशास्त्री अकीरा मियावाकी** के नाम पर रखा गया है। इस विधि में हर **वर्ग मीटर** में दो से चार अलग-अलग प्रकार के **देशी वृक्ष** लगाए जाते हैं।
- इस पद्धति को **1970 के दशक** में विकसित किया गया था, जिसका मुख्य उद्देश्य भूमि के एक छोटे से टुकड़े में **हरित आवरण** को **सघन** बनाना था।
- इस विधि में वृक्ष **आत्मनिर्भर** हो जाते हैं और **तीन साल** के भीतर अपनी पूरी लंबाई तक बढ़ जाते हैं।
  - **मियावाकी पद्धति** में प्रयुक्त पौधों को **खाद और पानी** जैसी नियमित देखभाल की आवश्यकता नहीं होती।
- **देशी पेड़ों** का घना हरा आवरण उस क्षेत्र के **धूल कणों** को सोखने में **महत्त्वपूर्ण भूमिका** निभाता है जहाँ **उद्यान** स्थापित किया गया है। ये पौधे **सतह के तापमान** को नियंत्रित करने में भी मदद करते हैं।
- इन वनों में प्रयुक्त होने वाले कुछ सामान्य **देशी पौधों** में **अंजन, अमला, बेल, अर्जुन** और **गूंज** शामिल हैं।
- ये वन नई जैवविविधता और पारिस्थितिकी तंत्र को प्रोत्साहित करते हैं, जिससे मिट्टी की उर्वरता बढ़ती है।

उत्तर प्रदेश में PMAY शहरी 2.0 के लिये वित्तपोषण

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश सरकार ने प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) मिशन 2.0 के तहत 12,031 करोड़ रुपए की वित्तीय स्वीकृति प्राप्त कर ली है, जिसका उद्देश्य शहरी गरीबों के लिये **स्थायी पक्के मकानों** का निर्माण करना है।

मुख्य बिंदु

- **समय पर वितरण** और **गुणवत्ता मानकों** को सुनिश्चित करने के लिये राज्य तथा ज़िला स्तर के अधिकारियों द्वारा योजना की बारीकी से निगरानी की जा रही है।
- **वास्तविक समय निर्माण निगरानी** के लिये जियो-टैगिंग और **फोटोग्राफिक दस्तावेज़ीकरण** अनिवार्य होगा।
- भूकंप, बाढ़ और अन्य आपदाओं का सामना करने के लिये घरों को **आपदा-रोधी सुविधाओं** से सुसज्जित किया जाएगा।
- मुख्यमंत्री **योगी आदित्यनाथ** ने अधिकारियों को **गुणवत्ता** और **पारदर्शिता** का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिये हैं।

प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी (PMAY-U) 2.0 के बारे में

- **लॉन्च वर्ष:** वर्ष 2024 (PMAY-U मूल रूप से वर्ष 2015 में शुरू की गई थी)
- **नोडल मंत्रालय:** आवास और शहरी मामलों का मंत्रालय (MoHUA)
- **प्रकार:** केंद्र प्रायोजित योजना
  - **ब्याज सब्सिडी योजना (ISS) घटक** केंद्रीय क्षेत्र योजना है।
- **पात्रता:** पक्के मकान के बिना EWS/LIG/MIG परिवार; आय 9 लाख रुपए तक।
- **लाभ:** सभी मौसमों के अनुकूल पक्के मकानों के लिये सब्सिडी।
- **लक्ष्य:** 1 करोड़ शहरी परिवार (निर्माण, खरीद, किराये पर)।
- **कुल परिव्यय:** 10 लाख करोड़ रुपए (2.3 लाख करोड़ रुपए केंद्रीय सहायता)।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- **कवरेज क्षेत्र:** इस योजना में जनगणना 2011 में अधिसूचित सभी वैधानिक कस्बों और राज्य सरकारों द्वारा बाद में अधिसूचित कस्बों को शामिल किया गया है।
- **शहरी विकास** या **औद्योगिक प्राधिकरणों** के अंतर्गत अधिसूचित **योजना क्षेत्र** और **क्षेत्र** PMAY-U 2.0 के अंतर्गत शामिल किये गए हैं।

लखनऊ विश्वविद्यालय के साथ महिला सुरक्षा पर राष्ट्रीय संगोष्ठी

चर्चा में क्यों?

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (NHRC) ने **लखनऊ विश्वविद्यालय** के सहयोग से **व्यावसायिक** और **सार्वजनिक क्षेत्रों** में **लिंग आधारित हिंसा** पर बढ़ती चिंताओं के बीच '**कार्यस्थल** तथा **सार्वजनिक स्थानों पर महिला सुरक्षा**' पर **राष्ट्रीय संगोष्ठी** का आयोजन किया।

मुख्य बिंदु

- **संगोष्ठी के बारे में:**
  - NHRC के अध्यक्ष **न्यायमूर्ति वी. रामसुब्रमण्यन** ने महिलाओं के प्रति भारत की **सांस्कृतिक श्रद्धा** और हिंसा की चिंताजनक आवृत्ति हर घंटे **51 FIR** के बीच तीव्र अंतर को उजागर किया।
  - उन्होंने **कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम, 2013** के लिये किये गए लंबे संघर्ष को भी रेखांकित किया तथा **प्रणालीगत**, **प्रवर्तन-आधारित** एवं **जागरूकता-आधारित सुधारों** का आह्वान किया।
    - उन्होंने शिक्षकों और समाज से **लिंग-संवेदनशील व्यवहार** को बढ़ावा देने का आग्रह किया।
- **संस्थागत अंतराल और नीति सुझाव:**
  - संगोष्ठी में **कानून प्रवर्तन**, **संस्थागत जवाबदेही** तथा **जन-जागरूकता** में व्याप्त अंतराल को रेखांकित किया गया और निम्नलिखित आवश्यकताओं पर ज़ोर दिया गया:
    - **निर्णय लेने वाले निकायों** में महिलाओं का अधिक **प्रतिनिधित्व**।
    - **महिला सुरक्षा** से जुड़ी चर्चा में **अनौपचारिक क्षेत्र** को शामिल करना।
    - **SHE-Box, वन स्टॉप सेंटर** तथा **पिंक पुलिस बूथ** के प्रचार को बढ़ावा देना।
- **संगोष्ठी की मुख्य सिफारिशें:**
  - नीति-कार्यान्वयन-जागरूकता त्रिकोण को एक साथ संबोधित किया जाना चाहिये।
  - अनौपचारिक क्षेत्र के श्रमिकों के लिये **विशेष पहुँच** और **सुरक्षा उपायों** की आवश्यकता है।
  - **संवेदनशीलता** की शुरुआत **व्यक्तिगत** तथा **पारिवारिक स्तर** से होनी चाहिये।
  - महिलाओं के लिये **समावेशी स्थानों** और **प्रतिनिधित्व** को **संस्थागत** बनाया जाना चाहिये।
  - **शैक्षिक संस्थानों** को सक्रिय रूप से **लिंग जागरूकता** बढ़ाने और **प्रशिक्षण कार्यक्रमों** का आयोजन करना चाहिये।

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (NHRC) के बारे में

- भारत का NHRC एक **स्वायत्त वैधानिक निकाय** है, जिसकी स्थापना **मानव अधिकारों** को बढ़ावा देने और उनकी रक्षा करने के लिये की गई है।
- इसका गठन **12 अक्तूबर 1993** को **मानवाधिकार संरक्षण अधिनियम (PHRA), 1993** के तहत किया गया था, जिसे बाद में **2006** एवं **2019** में संशोधित किया गया।
- आयोग की स्थापना **पेरिस सिद्धांतों** के अनुरूप की गई थी, जो **मानव अधिकारों** को बढ़ावा देने और उनकी रक्षा हेतु अपनाए गए **अंतर्राष्ट्रीय मानक** हैं।
  - **पेरिस सिद्धांत**, मानव अधिकारों के **संवर्धन और संरक्षण** के लिये **पेरिस (अक्तूबर, 1991)** में अपनाए गए अंतर्राष्ट्रीय मानकों का समूह है, जिसे **20 दिसंबर 1993** को **संयुक्त राष्ट्र (UN)** की महासभा द्वारा अनुमोदित किया गया था।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- ये सिद्धांत दुनिया भर में **राष्ट्रीय मानवाधिकार संस्थाओं (NHRI)** के कार्यों का मार्गदर्शन करते हैं।

- **NHRC की शक्तियाँ:** NHRC को **सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908** के अनुसार **सिविल न्यायालय** के समकक्ष शक्तियाँ प्राप्त हैं।
- **NHRC निरीक्षण प्रकोष्ठ:** NHRC का अपना **निरीक्षण प्रकोष्ठ** है, जिसका नेतृत्व **पुलिस महानिदेशक** करते हैं।

दिव्या देशमुख महिला विश्व कप चैंपियन बनीं

चर्चा में क्यों?

19 वर्षीय दिव्या देशमुख ने FIDE महिला विश्व कप जीतकर इतिहास रच दिया, उन्होंने अनुभवी **कोनेरू हंपी** को **टाईब्रेकर** में हराया तथा बिना किसी मानदंड के टूर्नामेंट शुरू करने के बावजूद ग्रैंडमास्टर का **खिताब** हासिल किया।

प्रमुख बिंदु

- **ग्रैंडमास्टर:**
  - दिव्या अब भारत की 88वीं ग्रैंडमास्टर बन गई हैं और यह खिताब हासिल करने वाली **चौथी महिला** हैं। उनसे पहले हरिका द्रोणावल्ली, वैशाली रमेशबाबू तथा हंपी कोनेरू यह खिताब हासिल कर चुकी हैं।
  - उन्होंने फाइनल में हंपी का सामना करने से पहले चीन की विश्व नंबर 6 खिलाड़ी झू जिनर, भारतीय अनुभवी हरिका द्रोणावल्ली और पूर्व **महिला विश्व चैंपियन तान झोंगयी** जैसी शीर्ष खिलाड़ियों को हराया।
  - एक **अंतर्राष्ट्रीय मास्टर** के रूप में शुरुआत करते हुए, उनकी जीत ने उन्हें एक विशेष **FIDE विनियमन** के तहत पारंपरिक मानदंडों को दरकिनार करते हुए भारत की चौथी महिला **ग्रैंडमास्टर** बनने के लिये योग्य बना दिया है।
- **पूर्व उपलब्धियाँ:**
  - पिछले वर्ष, उन्हें लड़कियों की श्रेणी में **विश्व जूनियर चैंपियन** का खिताब मिला।
  - इसके अतिरिक्त, उन्होंने **बुडापेस्ट में आयोजित शतरंज ओलंपियाड** में भारत को स्वर्ण पदक दिलाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई, जहाँ उन्होंने व्यक्तिगत स्वर्ण भी अर्जित किया।
- **भविष्य की संभावनाएँ**
  - वे आगामी प्रतियोगिताओं में एक प्रभावशाली खिलाड़ी होंगी, जिनमें **कैंडिडेट्स टूर्नामेंट** शामिल है, जहाँ शीर्ष आठ खिलाड़ी **विश्व चैम्पियन** को चुनौती देने का अवसर प्राप्त करते हैं।
- **ऐतिहासिक समापन**
  - भारत की दोनों फाइनलिस्टों की उपस्थिति महिला शतरंज में देश के बढ़ते प्रभाव को दर्शाती है, जो ओपन वर्ग में गुकेश और प्रज्ञानंदा की सफलता के समानान्तर है तथा **चीनी** तथा **रूसी** खिलाड़ियों के दीर्घकालिक प्रभुत्व के साथ-साथ भारत की बढ़ती उपस्थिति को भी दर्शाती है।

बुंदेलखंड का कालिंजर दुर्ग

चर्चा में क्यों?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात के 124वें संस्करण में बुंदेलखंड स्थित कालिंजर किले के ऐतिहासिक महत्त्व को रेखांकित करते हुए इसे भारत की **सांस्कृतिक गरिमा** और **स्थायित्व** का प्रतीक बताया।

- प्रधानमंत्री ने नागरिकों से **भारत के समृद्ध अतीत** से जुड़ने और बुंदेलखंड क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिये इन किलों को देखने का आग्रह किया।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

प्रमुख बिंदु

- **कालिंजर किला के बारे में:**
  - **बुंदेलखंड** का **कालिंजर किला**, उत्तर प्रदेश के **बांदा ज़िले** की **ताराहाटी** तहसील में स्थित एक प्रमुख ऐतिहासिक दुर्ग है।
  - यह किला विंध्य शृंखला की पहाड़ी पर स्थित एक **प्राचीन स्मारक** है, जो अपने **सांस्कृतिक** और **ऐतिहासिक महत्त्व** के लिये प्रसिद्ध है।
  - इसमें **गिरि दुर्ग** (पहाड़ी किला) तथा **वन दुर्ग** (जंगल किला) दोनों की विशेषताएँ सम्मिलित हैं।
- **वास्तुकला**
  - किले में **सात प्रवेशद्वार** हैं, जिनमें प्रमुख हैं- आलमगिरी गेट तथा गणेश गेट।
  - इसमें **नीलकंठ मंदिर** और **कनाती मस्जिद** जैसी ऐतिहासिक संरचनाएँ स्थित हैं।
  - किले में **महल, मंदिर** तथा **पानी की टंकियों** सहित **बुंदेला वास्तुकला** के उत्कृष्ट उदाहरण देखे जा सकते हैं।
  - **प्रसिद्ध संरचनाओं में शामिल हैं—**
    - **नीलकंठ मंदिर**, जिसमें विशाल **काल भैरव मूर्ति** स्थित है।
    - **रानी महल** और **वेंकट बिहारी महल**।
    - शेरशाह का मकबरा, हालाँकि उनके पार्थिव अवशेष बाद में **सासाराम (बिहार)** ले जाए गए थे।
- **रक्षात्मक क्षमता**
  - किले की **45 मीटर ऊँची प्राचीर** इसे लगभग **अभेद्य** बनाती थी।
  - इसकी दीवारें **तोपखाने के गोलों** तक के आघात को सहने में सक्षम थीं, जिससे यह किला **सैन्य दृष्टि से अत्यंत सशक्त** माना जाता था।
- **ऐतिहासिक विरासत**
  - यह किला गुप्त, गुर्जर-प्रतिहार, चंदेल और मुगल जैसे विभिन्न राजवंशों से जुड़ा रहा है।
  - महमूद गज़नवी (1023 ई.): महमूद गज़नवी ने कालिंजर दुर्ग पर चढ़ाई की, किंतु उसकी सेनाएँ दुर्ग की सुरक्षा को भेद नहीं सकीं। असफल घेराबंदी के बाद **चंदेल राजा गंडदेव** ने प्रशंसात्मक कविताएँ प्रस्तुत करके शांति का प्रस्ताव रखा और अंततः किले पर पूर्ण विजय प्राप्त किये बिना ही उसने आत्मसमर्पण कर दिया गया।
  - कुतुबुद्दीन ऐबक **(13वीं शताब्दी के प्रारंभ में)**: दिल्ली सल्तनत की स्थापना के बाद, **मुहम्मद गौरी** के सेनापति कुतुबुद्दीन ऐबक ने कालिंजर पर अधिकार कर लिया, जिससे यह दुर्ग **मुस्लिम शासन** में आ गया।
  - **शेरशाह सूरी (1545 ई.)**: 13 मई, 1545 को कालिंजर दुर्ग की घेराबंदी के दौरान **बारूद विस्फोट** में शेरशाह सूरी की मृत्यु हो गई।
  - **मुगल (1569 ई.)**: शेरशाह की मृत्यु के पश्चात्, अकबर के शासनकाल में 1569 ई० में मुगलों ने कालिंजर पर अधिकार किया। अकबर के नवरत्नों में से एक **राजा बीरबल** को यह दुर्ग **जागीर** स्वरूप प्रदान किया गया।
  - **अंग्रेज़ (1812–1817 ई.)**: 1812 ई० में अंग्रेज़ अधिकारी **कर्नल मार्टिंडेल** की घेराबंदी के बाद स्थानीय शासक **दरियाव सिंह** ने दुर्ग समर्पित कर दिया। इसके पश्चात् कालिंजर ब्रिटिश नियंत्रण में आ गया।
  - 1857 का विद्रोह: इस विद्रोह के दौरान दुर्ग की मज़बूत प्राचीरों ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई, परंतु 1866 ई० में इसे **ध्वस्त कर दिया गया**।

उत्तर प्रदेश में हरित हाइड्रोजन उत्पादन केंद्र की स्थापना

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश की नवीकरणीय ऊर्जा पहलों को आगे बढ़ाने की दिशा में एक **महत्त्वपूर्ण** कदम के रूप में राज्य सरकार के एक प्रतिनिधिमंडल ने हाल ही में हरित हाइड्रोजन उत्पादन और **ऊर्जा नवाचार** को बढ़ावा देने के उद्देश्य से **जापान** का दौरा किया।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

प्रमुख बिंदु

- **ग्रीन हाइड्रोजन उत्कृष्टता केंद्र**
  - जापानी उद्यमियों ने उत्तर प्रदेश में ग्रीन हाइड्रोजन के लिये उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करने पर सहमति व्यक्त की है, जो राज्य के **नवीकरणीय ऊर्जा परिदृश्य** में एक महत्त्वपूर्ण विकास को चिह्नित करता है।
  - यह सहयोग अत्याधुनिक **अनुसंधान**, **नवाचार** और **सतत् ऊर्जा समाधानों** को अपनाने के लिये **उत्प्रेरक** का काम करेगा।
- **शून्य-उत्सर्जन परिवहन पर ध्यान केंद्रित**
  - इस यात्रा के दौरान उत्तर प्रदेश प्रतिनिधिमंडल ने अगली पीढ़ी की तकनीकों का अवलोकन किया, जिसमें हाइड्रोजन ईंधन सेल पर आधारित **टोयोटा मिराई वाहन** प्रमुख रहा।
  - यह वाहन हाइड्रोजन और ऑक्सीजन के संयोजन से चलता है तथा उप-उत्पाद के रूप में केवल **जल का उत्सर्जन** करता है, जो राज्य की शून्य-उत्सर्जन परिवहन नीति के अनुरूप है।
- **जापान की विशेषज्ञता से सीखना**
  - उत्तर प्रदेश **प्रतिनिधिमंडल** ने जापान के यामानाशी प्रांत में कई उन्नत सुविधाओं का दौरा किया, जैसे कि **NESRAD ग्रीन हाइड्रोजन संयंत्र** और संटोरी हाकुशू डिस्टिलरी, जहाँ पावर-टू-गैस तकनीक संयंत्र तथा हाइड्रोजन अनुसंधान केंद्र स्थित हैं।
  - इन दौरों ने हाइड्रोजन उत्पादन और **स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकियों** में वैश्विक श्रेष्ठ मानकों की महत्त्वपूर्ण जानकारी प्रदान की।
- **उत्तर प्रदेश के लिये निहितार्थ**
  - **नवीकरणीय ऊर्जा विस्तार:** ग्रीन हाइड्रोजन क्षेत्र में वैश्विक नेतृत्वकर्ताओं के साथ यह साझेदारी राज्य में सौर, जलविद्युत और बायोमास सहित **नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता** को बढ़ाएगी।
  - **प्रौद्योगिकीय उन्नति:** जापानी हाइड्रोजन फ्यूल सेल तकनीक को अपनाने से स्वच्छ और सतत् परिवहन को बढ़ावा मिलेगा, ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में कमी आएगी और वैकल्पिक ऊर्जा **स्रोतों** के माध्यम से राज्य के स्वच्छ ऊर्जा लक्ष्यों की पूर्ति में सहायता मिलेगी।
  - **आर्थिक वृद्धि एवं नवाचार: सेंटर ऑफ एक्सीलेंस** उत्तर प्रदेश को नवीकरणीय ऊर्जा का केंद्र बनाएगा, जिससे निवेश आकर्षित होंगे, **नवाचार को बढ़ावा** मिलेगा और **नये व्यवसायों** एवं **रोज़गार के अवसरों** का सृजन होगा।

उत्तर प्रदेश की नवीकरणीय ऊर्जा की स्थापित क्षमता

प्रकार	मेगावाट (30-06-2025 तक)
हाइड्रो (बड़ी + लघु)	551
सौर	3427

हाइड्रोजन

- हाइड्रोजन ब्रह्मांड का **सबसे अधिक प्रचुर मात्रा में पाया जाने वाला तत्त्व** है, लेकिन पृथ्वी पर, **द्रव्यमान** के आधार पर यह पृथ्वी की भू-पर्पटी का केवल **0.14%** है, जो **10वें सबसे प्रचुर तत्त्व** के रूप में स्थान रखता है।
  - हाइड्रोजन का प्रकार उसके **निर्माण की प्रक्रिया** पर निर्भर करता है:
- **ग्रीन हाइड्रोजन** का उत्पादन **नवीकरणीय ऊर्जा** (जैसे **सौर**, **पवन**) का उपयोग करके पानी के **इलेक्ट्रोलिसिस** द्वारा किया जाता है। इसका कार्बन फुटप्रिंट कम होता है।
  - इस प्रक्रिया में **विद्युत धारा जल को हाइड्रोजन और ऑक्सीजन** में विभाजित करती है।
  - **उप-उत्पाद:** जल, जलवाष्प।
- **ब्राउन हाइड्रोजन:** इसका उत्पादन कोयले का उपयोग करके किया जाता है, जहाँ उत्सर्जन हवा में छोड़ दिया जाता है।
- **ग्रे हाइड्रोजन:** इसे प्राकृतिक गैस से तैयार किया जाता है और इसमें भी संबंधित उत्सर्जन वायुमंडल में छोड़े जाते हैं।
- **ब्लू हाइड्रोजन:** इसका उत्पादन भी **प्राकृतिक गैस** से होता है, किंतु इसमें उत्पन्न उत्सर्जन को कार्बन कैप्चर एंड स्टोरेज (CCS) तकनीक द्वारा **संगृहीत** किया जाता है, जिससे वातावरण में उत्सर्जन नहीं होता।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

मुख्यमंत्री के रूप में योगी आदित्यनाथ का सबसे लंबा कार्यकाल

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री **योगी आदित्यनाथ** ने सबसे लंबे समय तक लगातार पद पर बने रहने का नया रिकॉर्ड बनाया है।

प्रमुख बिंदु

- **योगी आदित्यनाथ का कार्यकाल:**
  - उन्होंने **8 वर्ष, 4 माह और 10 दिन** का कार्यकाल पूर्ण कर लिया है, जिससे उन्होंने उत्तर प्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री गोविंद बल्लभ पंत द्वारा बनाए गए **8 वर्ष और 127 दिन** के पूर्व रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है।
  - गोविंद बल्लभ पंत, जिन्होंने वर्ष **1947 से 1954** तक मुख्यमंत्री के रूप में कार्य किया, राज्य के प्रथम मुख्यमंत्री थे और उन्होंने उत्तर प्रदेश की प्रारंभिक राजनीतिक संरचना में **महत्त्वपूर्ण भूमिका** निभाई थी।
- **योगी आदित्यनाथ का राजनीतिक यात्रा:**
  - योगी आदित्यनाथ ने वर्ष **2017** में पहली बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी, जब उन्होंने विधानसभा चुनावों में **प्रचंड बहुमत** से जीत प्राप्त की।
  - इसके पश्चात वे वर्ष **2022** में पुन: सत्ता में लौटे, जिससे वे **पिछले 37 वर्षों में पहले ऐसे व्यक्ति** बने जिन्होंने उत्तर प्रदेश में **लगातार दो बार मुख्यमंत्री पद** प्राप्त किया और उनका कार्यकाल **बिना किसी व्यवधान के** जारी रहा।
- **उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्रियों का कार्यकाल**
  - **योगी आदित्यनाथ:** 8 वर्ष, 4 महीने और 10 दिन (वर्तमान)
  - **गोविंद बल्लभ पंत:** 8 वर्ष, 127 दिन (संयुक्त प्रांत के प्रधानमंत्री (1946-1950) और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री (1950-1954)
  - **मायावती:** 7 वर्ष, 16 दिन
  - **मुलायम सिंह यादव:** 6 वर्ष, 274 दिन (3 बार मुख्यमंत्री रहे)
  - **संपूर्णानंद:** 5 साल 345 दिन
  - **अखिलेश यादव:** 5 साल, 4 दिन
  - **नारायण दत्त तिवारी:** 3 वर्ष, 314 दिन (3 बार मुख्यमंत्री रहे)

योगी आदित्यनाथ के बारे में

- **जन्म एवं प्रारंभिक जीवन:**
  - योगी आदित्यनाथ का जन्म **5 जून 1972** को **उत्तराखंड** में हुआ।
  - उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा विज्ञान विषय में ली, परंतु सामाजिक समस्याओं से उत्पन्न असंतोष के कारण मात्र **22 वर्ष की आयु में सांसारिक जीवन का त्याग** कर संन्यास ग्रहण किया।
- **आध्यात्मिक यात्रा:**
  - महंत अवैद्यनाथ जी महाराज के मार्गदर्शन में योगी आदित्यनाथ ने वर्ष **1994 में मात्र 22 वर्ष की आयु में** गोरक्षनाथ पीठ के उत्तराधिकारी व पीठाधीश्वर का पद ग्रहण किया।
  - **नाथ पंथ परंपरा** में निहित उनका आध्यात्मिक मार्ग सामाजिक सुधारों, हिंदू पुनर्जागरण और आध्यात्मिक विकास पर केंद्रित था।
- **राजनीतिक जीवन:**
  - वर्ष **1998 में 26 वर्ष की आयु में** योगी आदित्यनाथ **सबसे कम उम्र के सांसद** के रूप में **गोरखपुर से** लोकसभा के लिये निर्वाचित हुए।
  - इसके पश्चात उन्होंने वर्ष **1999, 2004, 2009 और 2014** में लगातार गोरखपुर से चुनाव जीतकर **अपनी राजनीतिक स्थिति** को मज़बूत किया।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

UPSIFS में पुलिसिंग कौशल बढ़ाने हेतु पाठ्यक्रम

चर्चा में क्यों?

पुलिस महानिदेशक (DGP) राजीव कृष्ण ने उत्तर प्रदेश राज्य फोरेंसिक विज्ञान संस्थान (UPSIFS) में **'वर्टिकल इंटरेक्शन कोर्स'** का उद्घाटन किया, जो पुलिस प्रणाली में कानूनी, तकनीकी और फोरेंसिक विशेषज्ञता को एकीकृत करने की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम है।

प्रमुख बिंदु

- **उद्देश्य:**
  - **पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो (BPRD)** द्वारा समर्थित इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य पुलिस अधिकारियों को **अंतरविषयक कौशल** प्रदान करना है ताकि वे **नवाचारी अपराधों**, विशेष रूप से साइबर अपराध का प्रभावी ढंग से सामना कर सकें।
  - DGP ने **आधुनिक अपराधों से निपटने में कानून, तकनीक और फोरेंसिक विज्ञान** के महत्त्व पर ज़ोर देते हुए कहा कि यह पाठ्यक्रम इन तीनों को **एकीकृत रूप में प्रस्तुत** करता है।
- **उन्नत डिजिटल डायग्नोस्टिक लैब का उद्घाटन:**
  - DGP ने UPSIFS में **नवविकसित 'उन्नत डिजिटल डायग्नोस्टिक लैब'** का भी उद्घाटन किया, जिसका उद्देश्य **प्रायोगिक न्यायालयिक प्रशिक्षण** प्रदान करना है।
  - उन्होंने कहा कि **अपराध का स्वरूप अब डिजिटल हो गया है** और साइबर अपराधियों के तेज़ी से बदलते तरीकों का सामना करने हेतु पुलिस को **हर स्तर पर तकनीकी प्रशिक्षण** अनिवार्य रूप से प्राप्त करना होगा।
- **BPRD के साथ सहयोग:**
  - संस्थान के संस्थापक निदेशक **जी.के. गोस्वामी** ने बताया कि **BPRD के सहयोग से दो विशेष पाठ्यक्रम प्रारंभ** किये गए हैं। पहले बैच में **IPS अधिकारियों का प्रशिक्षण उसी दिन प्रारंभ** हुआ।
  - उन्होंने कहा कि अपराधों की **समग्र जाँच** के लिये **कानूनी एवं वैज्ञानिक ज्ञान का एकीकरण** आवश्यक है। उन्होंने संस्थान की सोच को **"Law with Lab"** के रूप में परिभाषित किया।
- **महत्त्व:**
  - यह पहल आधुनिक पुलिस व्यवस्था में **कानून, प्रौद्योगिकी और फोरेंसिक के एकीकरण में** एक महत्त्वपूर्ण प्रगति को दर्शाती है, जिसमें डिजिटल युग में जटिल अपराधों से निपटने के लिये कानून प्रवर्तन एजेंसियों को बेहतर ढंग से सुसज्जित करने की क्षमता है।

पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो (BPR&D)

- **स्थापना एवं उद्देश्य:**
  - इसकी स्थापना आधिकारिक तौर पर भारत सरकार द्वारा 28 अगस्त 1970 को **गृह मंत्रालय** के अधीन की गई थी।
  - ब्यूरो का प्राथमिक उद्देश्य भारत में पुलिस बल का आधुनिकीकरण करना था। BPR&D के प्रमुख उद्देश्यों में शामिल हैं:
    - पुलिस से संबंधित मुद्दों में प्रत्यक्ष और सक्रिय रुचि लेना
    - पुलिस समस्याओं पर तीव्र और व्यवस्थित अनुसंधान को बढ़ावा देना
    - पुलिस के तरीकों और **तकनीकों में सुधार के लिये विज्ञान** तथा **प्रौद्योगिकी का प्रयोग**
- **कार्यक्षेत्र का विस्तार:**
  - समय के साथ BPR&D के कार्यक्षेत्र में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। जैसे:
  - **वर्ष 1983:** BPR&D के अधीन न्यायालयिक विज्ञान निदेशालय (Directorate of Forensic Sciences) की स्थापना की गई, जिससे पुलिस जाँच में फोरेंसिक विज्ञान के बढ़ते महत्त्व को दर्शाया गया।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- **वर्ष 1995:** भारत सरकार ने BPR&D को **कारावास प्रशासन**, विशेषकर **जेल सुधारों** से संबद्ध कार्य सौंपे ताकि बदलते समय में जेल प्रबंधन की चुनौतियों से प्रभावी ढंग से निपटा जा सके।
- वर्ष **2008 में,** BPR&D की देखरेख में राष्ट्रीय पुलिस मिशन का निर्माण किया गया, जिसका उद्देश्य पुलिस बलों का और अधिक आधुनिकीकरण करना तथा आंतरिक सुरक्षा बनाए रखने की उनकी क्षमता को बढ़ाना था।
- **वर्ष 2021** में BPR&D की ज़िम्मेदारियों में एक बार फिर विस्तार हुआ, जिसके अंतर्गत निम्नलिखित कार्य शामिल हुए:
  - थल और समुद्री सीमा प्रबंधन
  - केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (CAPFs) के लिये क्षमता निर्माण
  - नवाचारपूर्ण आपराधिक विधियों और विकसित होती सुरक्षा चुनौतियों का समाधान

विद्युत सखी कार्यक्रम

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश सरकार के 'विद्युत सखी' कार्यक्रम ने राजस्व संग्रहण एवं ग्रामीण महिलाओं के सशक्तीकरण में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है। **राजस्व वसूली में 11 गुना वृद्धि** इस कार्यक्रम की **विस्तारशीलता, दक्षता** और समुदाय में **विद्युत सखियों की पहुँच व विश्वास** को दर्शाती है।

प्रमुख बिंदु

- **कार्यक्रम के बारे में:**
  - यह कार्यक्रम उत्तर प्रदेश सरकार के **ग्रामीण विकास विभाग** द्वारा उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (UPSRLM) के अंतर्गत प्रारंभ किया गया था। जिसका दोहरा उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं के लिये रोज़गार के अवसर सृजित करना और **बिजली बिल संग्रहण** की चुनौती को हल करना था।
  - यह **ग्रामीण महिलाओं** (मुख्य रूप से स्वयं सहायता समूहों से) को बिजली बिल संग्रह के कार्य में में नियोजित कर रोज़गार के अवसर प्रदान करता है।
  - यह पहल ऐसे समय में विशेष रूप से महत्त्वपूर्ण थी जब **ग्रामीण क्षेत्रों से लोगों का पलायन** और **रोज़गार क्षति** के कारण ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर दबाव था।।
- **प्रभाव क्षेत्र:**
  - अब तक लगभग **15,000 विद्युत सखियाँ राजस्व संग्रहण** में सक्रिय रूप से संलग्न हैं, जिन्होंने सरकार के लिये **कुल 2,000 करोड़ रुपए** एकत्र किये हैं।
  - इस कार्यक्रम में **30,000 महिलाएँ UPSRLM के साथ पंजीकृत** हैं।
  - वर्ष **2024 में 14,000 महिलाओं को प्रशिक्षित** कर नए बैच के रूप में विद्युत सखियों के रूप में तैनात किया गया।
- **लाभ:**
  - वित्त वर्ष **2024-25 में विद्युत सखियों ने लगभग 13.4 करोड़ रुपए** बतौर कमीशन अर्जित किये।
  - उन्होंने वन टाइम सेटलमेंट (OTS) योजना के तहत **303 करोड़ रुपए** संगृहीत किये, जिससे **3.5 करोड़ रुपए** कमीशन मिला।
  - कुल **438 विद्युत सखियाँ** 'लखपति दीदी' बन चुकी हैं, जिन्होंने SHG से जुड़ी महिलाओं को **वर्षिक 1,00,000 रुपए या अधिक** की आय दिलाने में भूमिका निभाई।
- **राजस्व वृद्धि:**
  - वर्ष 2021-22 में विद्युत सखियों ने 87 करोड़ रुपए का राजस्व एकत्र किया था, जो **2024-25 में बढ़कर 1,045 करोड़ रुपए** हो गया अर्थात् **11 गुना से अधिक वृद्धि**।
  - वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में ही 256 करोड़ रुपए की वसूली हुई है और उम्मीद है कि यह पिछले वर्ष के आँकड़ों को पार कर जाएगा।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

लखपति दीदी पहल

- **परिचय**
  - लखपति दीदी **स्वयं सहायता समूह** (SHG) की वह सदस्य होती है, जिसने सफलतापूर्वक एक **लाख रुपए** या उससे अधिक की वार्षिक घरेलू आय प्राप्त कर ली हो।
  - यह आय कम-से-कम **चार कृषि मौसमों** या **व्यावसायिक चक्रों** तक बनी रहती है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि औसत मासिक आय **10 हज़ार रुपए** से अधिक है।
  - इसकी शुरुआत दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (DAY-NRLM) द्वारा की गई थी, जिसमें प्रत्येक SHG परिवार को **मूल्य शृंखला हस्तक्षेपों** के साथ-साथ कई **आजीविका गतिविधियों** को अपनाने के लिये प्रोत्साहित किया जाता है, जिसके परिणामस्वरूप प्रति वर्ष **1,00,000 रुपए** या उससे अधिक की **स्थायी आय** प्राप्त होती है।
- **उद्देश्य:**
  - इस पहल का उद्देश्य न केवल **महिलाओं की आय में सुधार** करके उन्हें **सशक्त** बनना है, बल्कि **स्थायी आजीविका** के माध्यम से उनके जीवन में बदलाव लाना भी है।
  - ये महिलाएँ अपने समुदायों में **प्रेरणास्रोत** के रूप में कार्य करती हैं और **संसाधनों के प्रभावी प्रबंधन** व **उद्यमशीलता** की शक्ति को प्रदर्शित करती हैं।

अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस और उत्तर प्रदेश में बाघों की संख्या में वृद्धि

चर्चा में क्यों?

प्रत्येक वर्ष **29 जुलाई** को अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस (ITD) के रूप में मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य बाघों के संरक्षण और सुरक्षा के प्रति **सजगता** तथा **प्रतिबद्धता** को पुन: स्मरण कराना है।

मुख्य बिंदु

- **अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस बारे में:**
  - इसकी स्थापना वर्ष 2010 में **रूस** में सेंट पीटर्सबर्ग टाइगर शिखर सम्मेलन के दौरान की गई थी।
    - यह शिखर सम्मेलन बाघों की संख्या में चिंताजनक गिरावट के बाद आयोजित किया गया था, उस समय वनों में **लगभग 3,000 बाघ** ही बचे थे।
  - इस शिखर सम्मेलन में बांग्लादेश, नेपाल, भारत और रूस सहित **13 बाघ-क्षेत्रीय राष्ट्र** एक साथ आए, जिसका **उद्देश्य बाघों की घटती संख्या की समस्या का समाधान** करना था।
  - इस सम्मेलन में Tx2 लक्ष्य निर्धारित किया गया, जिसका उद्देश्य **2022 तक बाघों की संख्या को दोगुना** करना था। यद्यपि इस लक्ष्य की प्राप्ति में चुनौतियाँ बनी रहीं, लेकिन इससे **अंतर्राष्ट्रीय प्रयासों की नींव** रखी गई।
- **अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस 2025 का विषय:**
  - स्थानीय समुदायों और आदिवासी जनों के सहयोग से बाघों का भविष्य सुरक्षित करना"
- **पारिस्थितिकी तंत्र में बाघों की भूमिका:**
  - बाघ एक की-स्टोन प्रजाति (keystone species) हैं, जो **शिकार प्रजातियों की जनसंख्या नियंत्रण** में भूमिका निभाते हैं।
  - बाघ-आधारित वन **जल सुरक्षा** सुनिश्चित करते हैं और कार्बन सिंक के रूप में कार्य करते हैं, जिससे **जलवायु परिवर्तन से निपटने** में सहायता मिलती है।

उत्तर प्रदेश में बाघों की संख्या

- **बाघों की संख्या में वृद्धि:**
  - उत्तर प्रदेश में बाघों की संख्या में **लगातार वृद्धि** देखी गई है (वर्ष **2018 में 173 से बढ़कर 2022 में 222 बाघ** हो गए हैं।), **जिसमें** दुधवा टाइगर रिज़र्व जैसे प्रमुख अभ्यारण्य अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं। इस अभ्यारण्य में अब **135 बाघ हैं,** जो वर्ष **2014 में 68** और वर्ष **2018 में 82 थे।**

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- अन्य महत्त्वपूर्ण क्षेत्रों में **पीलीभीत (63 बाघ), अमानगढ़ (20 बाघ)** और **रानीपुर (4 बाघ) शामिल हैं।**
- राज्य में बाघ संरक्षण की सफलता का श्रेय कई कारकों को दिया जाता है, जिनमें बेहतर **आवास प्रबंधन,** आधुनिक **गश्त प्रणाली** और **बाघ मित्र** जैसी पहल के माध्यम से अधिक सामुदायिक भागीदारी शामिल है।

बाघ मित्र पहल:

- **वर्ष 2019 में शुरू की गई** बाघ **मित्र पहल ने मानव-वन्यजीव संघर्ष को** कम करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है।
- **वर्ष 2023** में, **एक मोबाइल ऐप** के साथ इस कार्यक्रम का विस्तार किया गया, जिससे **वन कर्मियों और स्थानीय समुदायों के बीच त्वरित संचार** संभव हो सका।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- इस पहल के तहत **पीलीभीत** में **120 से अधिक ग्रामीणों को बाघ मित्र** के रूप में प्रशिक्षित किया गया है, जो **व्हाट्सएप** और आधिकारिक ऐप के माध्यम से जानवरों के देखे जाने की सूचना देने के लिये ज़िम्मेदार हैं।

- **M-Stripes प्रणाली और गश्ती प्रबंधन:**
  - M-Stripes प्रणाली के अंतर्गत वन कर्मचारी **दुधवा क्षेत्र में प्रतिमाह 1.5 लाख किमी से अधिक** की गश्ती करते हैं।
  - इस प्रणाली में **वाहनों, नौकाओं, हाथियों, साइकिलों और पैदल गश्ती** जैसे विभिन्न साधनों का उपयोग किया जाता है।

पवित्र जल विनिमय कार्यक्रम

चर्चा में क्यों?

28 जुलाई 2025 को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने काशी विश्वनाथ मंदिर और श्री रामेश्वरम ज्योतिर्लिंग के बीच **पवित्र जल विनिमय कार्यक्रम** का शुभारंभ किया।

मुख्य बिंदु

- **पृष्ठभूमि:**
  - यह **विनिमय कार्यक्रम** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की काशी-तमिल संगमम् पहल का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य **काशी (वाराणसी)** और **तमिलनाडु** के लोगों के बीच **घनिष्ठ संबंधों** को बढ़ावा देना है।
- **पवित्र जल और रेत का विनिमय:**
  - इस **विनिमय** के अंतर्गत **कलशों** में भरा गया पवित्र जल और रेत शामिल थे- **प्रयागराज के** त्रिवेणी संगम (गंगा, यमुना तथा पौराणिक सरस्वती का संगम) का पवित्र जल एवं रेत व **रामेश्वरम् कोड़ी तीर्थम्** (तमिलनाडु स्थित रामेश्वरम् मंदिर का पवित्र जल)।
  - इनका आदान-प्रदान **श्री रामेश्वरम् ज्योतिर्लिंग देवकोट्टई ज़मींदार फैमिली ट्रस्ट (DZFT)** के प्रतिनिधियों और **काशी विश्वनाथ मंदिर ट्रस्ट** के अधिकारियों के बीच संपन्न हुआ।
  - **आदान-प्रदान किये गए जल** का उपयोग **भगवान विश्वनाथ** और **भगवान रामनाथस्वामी** दोनों के **जलाभिषेक (अनुष्ठान स्नान)** के लिये किया जाएगा।
- **आगामी अनुष्ठान:**
  - **भगवान विश्वनाथ** का जलाभिषेक **श्रावण पूर्णिमा, 9 अगस्त 2025** को **रामेश्वरम से लाए गए जल** से किया जाएगा।
- **महत्त्व:**
  - यह पहल **काशी और तमिलनाडु** के बीच **संबंधों को मज़बूत** करती है, साथ ही **शास्त्रों में वर्णित एक पवित्र परंपरा** को **भावी पीढ़ियों** के लिये **पुनर्जीवित** तथा **संरक्षित** करती है।

काशी तमिल संगमम

- **परिचय**
  - यह एक **सांस्कृतिक पहल** है, जिसका उद्देश्य तमिलनाडु और काशी (वाराणसी) के बीच **ऐतिहासिक** तथा **सांस्कृतिक संबंधों** का उत्सव मनाना एवं **प्राचीन सभ्यतागत बंधन** को मज़बूत करना है।
  - यह आयोजन 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' पहल के अनुरूप है, जो भारत की विविध सांस्कृतिक विरासत के एकीकरण को बढ़ावा देती है।
  - **काशी-तमिल संगमम् (KTS 3.0)** का **तीसरा संस्करण** उत्तर प्रदेश के **वाराणसी** में **फरवरी 2025** में आयोजित हुआ, जो तमिलनाडु और काशी के बीच **सांस्कृतिक संगम** का प्रतीक है।
- **ऐतिहासिक महत्त्व:**
  - काशी (उत्तर प्रदेश) और तमिलनाडु के बीच **ऐतिहासिक संबंध 15वीं शताब्दी** से चले आ रहे हैं, जब मदुरै के राजा पराक्रम पांड्य अपने मंदिर (शिवकाशी, तमिलनाडु) के लिये एक पवित्र शिवलिंग लाने हेतु काशी गए थे।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- पांड्य शासकों ने केरल सीमा के निकट **दक्षिण-पश्चिमी तमिलनाडु** में स्थित **तेनकाशी** में **काशी विश्वनाथ मंदिर** की भी स्थापना की।
- यह गहन आध्यात्मिक और सांस्कृतिक संबंध **काशी तमिल संगमम्** पहल के सार को रेखांकित करता है।

मौसम सूचना नेटवर्क एवं डाटा प्रणाली (WINDS) परियोजना

चर्चा में क्यों?

राज्य सरकार ने चालू वित्त वर्ष (2025-26) के लिये आवंटित कुल 60 करोड़ रुपए में से **मौसम सूचना नेटवर्क और डाटा सिस्टम (WINDS) परियोजना** के लिये 9.77 करोड़ रुपए आवंटित किये हैं।

मुख्य बिंदु

- **योजना के बारे में:**
  - WINDS एक **कार्यक्रमगत पहल** है जिसका उद्देश्य देश में **मौसम डाटा अवसंरचना को सशक्त बनाना** तथा एकल डिजिटल प्लेटफॉर्म से **उत्तम गुणवत्ता वाले मौसम डाटा सेट** उपलब्ध कराना है।
  - इसे **कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय** द्वारा **जुलाई 2023** में प्रारंभ किया गया था। यह एक **राष्ट्रीय स्तर की पहल** है, जो **भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (IMD)**, विभिन्न **राज्य सरकारों** तथा **सार्वजनिक/निजी तकनीकी संस्थानों** की मौजूदा अवसंरचना एवं विशेषज्ञता को समेकित करती है।
- **उद्देश्य:**
  - WINDS परियोजना का उद्देश्य **अत्यधिक स्थानीय मौसम पूर्वानुमान** उपलब्ध कराकर **कृषि उत्पादकता को बढ़ाना** है।
- **प्रमुख घटक**
  - परियोजना के अंतर्गत **ब्लॉक एवं पंचायत स्तर** पर **मौसम स्टेशनों** और **वर्षा मापी यंत्रों (Rain Gauges)** की स्थापना की जाएगी।
  - **मौसम स्टेशन:** चयनित ब्लॉकों में कुल **308 स्वचालित मौसम स्टेशनों** की स्थापना की जाएगी, जो स्थानीय स्तर पर **सटीक एवं वास्तविक समय पर मौसम डाटा** उपलब्ध कराएंगे।
  - **वर्षामापी यंत्र:** वर्षा को मापने और **स्थानीय वर्षा पैटर्न** निर्धारित करने के लिये **ग्राम पंचायतों** में लगभग **55,570 वर्षामापी यंत्र** स्थापित किये जाएंगे।
- **अतिरिक्त बुनियादी ढाँचा:**
  - **राजस्व विभाग** और **भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (IMD)** द्वारा 518 मौसम केंद्रों का निर्माण कार्य चल रहा है।
- **अपेक्षित लाभ:**
  - **कृषि उत्पादकता:** सटीक मौसम पूर्वानुमानों के माध्यम से किसान **सूखा, बाढ़ एवं तूफानों** जैसे **चरम मौसमीय घटनाओं** के लिये बेहतर ढंग से तैयार रह सकेंगे।
  - इससे किसानों को अपनी **फसलों की सुरक्षा** के लिये **पूर्व-निवारक उपाय** करने तथा **इष्टतम कटाई समय** की योजना बनाने में मदद मिलेगी।
  - **जोखिम मूल्यांकन एवं हानि आकलन:** WINDS, चरम मौसम की स्थिति के दौरान **बागवानी फसलों** को होने वाले नुकसान का आकलन करने में सहायता करेगा, जिससे हितधारकों को प्रभावी ढंग से प्रतिक्रिया करने में मदद मिलेगी।
  - **फसल बीमा एवं कृषि कार्यक्रम:** इस परियोजना से प्राप्त **मौसम डाटा** का उपयोग **फसल बीमा निर्धारण** तथा अन्य **कृषि कार्यक्रमों** में किया जाएगा, जिससे समग्र **कृषि उत्पादकता में वृद्धि** होगी।
  - **वायु गुणवत्ता निगरानी:** यह परियोजना **कम लागत वाले, विश्वसनीय सेंसर आधारित प्रणालियों** के विकास द्वारा **वायु गुणवत्ता निगरानी** को भी बेहतर बनाने पर केंद्रित है।
  - **तकनीकी लाभ:** WINDS कृषि के लिये कार्रवाई योग्य जानकारी प्रदान करने के लिये उन्नत मौसम डाटा विश्लेषण का उपयोग करता है।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- इस प्रणाली का उद्देश्य **अति-स्थानीय मौसम डाटा उत्पन्न** करना है, जो किसानों को **सिंचाई**, **बुवाई** और **कटाई** के संबंध में **सूचित निर्णय** लेने में सहायता करेगा।

खिलाड़ियों को रोज़गार देकर सम्मानित किया

चर्चा में क्यों?

गोरखनाथ मंदिर में आयोजित उत्तर प्रदेश सीनियर कुश्ती प्रतियोगिता के समापन समारोह में, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने घोषणा की कि खेलों को बढ़ावा देने के लिये राज्य की प्रतिबद्धता के तहत **उत्तर प्रदेश में 500 से अधिक एथलीटों को सरकारी नौकरी** प्रदान की गई है।

मुख्य बिंदु

- **कुश्ती पुरस्कार एवं सम्मान:**
  - कुश्ती प्रतियोगिता के दौरान, मुख्यमंत्री ने विजेताओं को **यूपी केसरी, यूपी कुमार** और **यूपी वीर अभिमन्यु** जैसे प्रतिष्ठित खिताब प्रदान किये।
  - **पुरस्कार विजेताओं में शामिल थे:**
    - **यूपी केसरी:** जोंटी भाटी (गौतम बौद्ध नगर) को **1.01 लाख रुपए** और एक गदा मिली।
    - **यूपी कुमार:** सौरभ (गोरखपुर) को **1.01 लाख रुपए** और एक गदा मिली।
    - **यूपी वीर अभिमन्यु:** मोनू (गोंडा) को **51,000 रुपए** और एक गदा मिली।
  - मुख्यमंत्री ने प्रत्येक श्रेणी में तीसरे स्थान के विजेताओं को **21,000 रुपए और** चौथे स्थान के विजेताओं को **11,000 रुपए का पुरस्कार भी प्रदान किया।**
- **एथलीटों के लिये सरकारी नौकरियाँ:**
  - राज्य की खेल नीति के तहत, ओलंपिक, एशियाई खेल, राष्ट्रमंडल खेल, **विश्व चैंपियनशिप** और राष्ट्रीय खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले एथलीटों को सरकारी रोज़गार प्रदान किया जा रहा है।
- **खेल अवसंरचना विकास:**
  - **मुख्यमंत्री ने गाँव, ब्लॉक और ज़िला स्तर** पर **खेल अवसंरचना** विकसित करने के लिये वित्त आठ वर्षों में सरकार के प्रयासों पर ज़ोर दिया।
    - प्रमुख विकास कार्यों में ग्राम स्तर पर खेल मैदानों का निर्माण, ब्लॉक स्तर पर **मिनी स्टेडियमों का निर्माण तथा** ज़िला स्तर पर पूर्ण **स्टेडियमों का निर्माण शामिल है।**
- **व्यक्तिगत और सामाजिक विकास में खेलों की भूमिका:**
  - खेलों के महत्त्व पर ज़ोर देते हुए उन्होंने प्राचीन भारतीय दर्शन के एक वाक्यांश को उद्धृत किया, **"शरीर मध्यम खलु धर्म साधनम"**, जिसका अर्थ है कि धार्मिक कर्त्तव्यों की पूर्ति के लिये एक **स्वस्थ शरीर आवश्यक है।**

उत्तर प्रदेश खेल नीति 2023

- **उत्तर प्रदेश खेल विकास निधि (UPSD Fund) का निर्माण:** बुनियादी ढाँचे, एथलीटों, संघों और अकादमियों, विशेष रूप से संसाधनों की कमी वाले अकादमियों को समर्थन देने के लिये 10 करोड़ रुपए का कोष।
- **संस्थागत समर्थन:** खेल नीति, प्रतिभा मानचित्रण और बुनियादी ढाँचे के विकास के प्रबंधन के लिये एक राज्य खेल प्राधिकरण का गठन।
- **उत्कृष्टता केंद्र एवं बुनियादी ढाँचा:**
  - **पीपीपी मॉडल** के अंतर्गत **14 खेल-विशिष्ट उत्कृष्टता केंद्र।**
  - **उत्कृष्ट प्रशिक्षण** के लिये **पाँच उच्च प्रदर्शन केंद्र।**
  - प्रत्येक **ज़िले** में बेहतर सुविधाओं (छात्रावास, फिटनेस विशेषज्ञ, आहार विशेषज्ञ) के साथ **खेल केंद्र।**
  - **ज़िला, ब्लॉक और ग्राम स्तर** के **खेल बुनियादी ढाँचे** (स्टेडियम, मिनी स्टेडियम, खेल के मैदान) पर **ध्यान केंद्रित करना।**
- **एथलीट विकास: एथलीटों** को तीन स्तरों में विभाजित किया गया है:
  - ग्रासरूट (शुरुआती)
  - विकासात्मक (प्रतिभाशाली)
  - एलीट (शीर्ष प्रदर्शनकर्ता)

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- **समावेशिता पर ध्यान केंद्रित करना:**
  - महिलाओं की भागीदारी और पैरा-एथलीटों (विशेष प्रशिक्षकों के साथ) पर विशेष ज़ोर देना।
  - आयुष्मान योजना के तहत पंजीकृत खिलाड़ियों, कोचों और परिवारों के लिये 5 **लाख रुपए** तक का कैशलेस स्वास्थ्य बीमा।
  - **राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय स्तर** पर **उत्तर प्रदेश** का प्रतिनिधित्व करने वाले **खिलाड़ियों** को **राज्य पेंशन**।
- **ई-स्पोर्ट्स और स्वदेशी खेलों को बढ़ावा देना:**
  - आधिकारिक नीति में ई-स्पोर्ट्स को शामिल करने वाला भारत का पहला राज्य।
  - स्वदेशी/स्थानीय खेलों को प्रोत्साहन।
- **शिक्षा से जुड़ाव:**
  - स्कूल की समय-सारिणी में 40 मिनट का खेल, शारीरिक शिक्षा या योग शामिल किया गया।
  - स्कूलों में खेल नर्सरियों/अकादमियों को बढ़ावा देना।
- **खेल उद्योग और पर्यटन:**
  - उत्तर प्रदेश को खेल सामग्री विनिर्माण का केंद्र बनाने के लिये समर्थन (जैसे, मेरठ क्लस्टर)।
  - खेल पर्यटन को बढ़ावा देना।
- **व्यापक प्रतिभा खोज और खेलो इंडिया एकीकरण:**
  - खेलो इंडिया विश्वविद्यालय खेलों में सक्रिय भागीदारी।
  - विश्वविद्यालय और अकादमी प्रतियोगिताओं के माध्यम से प्रतिभा की पहचान।
- **स्वास्थ्य एवं कल्याण उपाय:**
  - **चोट के उपचार** एवं **कल्याण** के लिये **एकलव्य खेल निधि**।
  - **एथलीटों और प्रशिक्षकों** के लिये **व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा**।

उत्तर प्रदेश में बीज पार्क स्थापित

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश सरकार विभिन्न कृषि-जलवायु क्षेत्रों में **पाँच अत्याधुनिक बीज पार्क** स्थापित करके राज्य को उच्च गुणवत्ता वाले बीज उत्पादन में **आत्मनिर्भर** बनाने का लक्ष्य लेकर चल रही है।

मुख्य बिंदु

- **बीज पार्क के बारे में:**
  - बीज पार्क **क्षेत्र-विशिष्ट फसल आवश्यकताओं को पूरा करेंगे और अगले तीन वर्षों** में **2,500 करोड़ रुपए** के निवेश के साथ गुणवत्ता वाले बीजों की उपलब्धता सुनिश्चित करेंगे।
  - कृषि विभाग ने मौजूदा बुनियादी ढाँचे (200 से 400+ हेक्टेयर) वाले छह बड़े फार्मों की पहचान की है, जिन्हें बीज उत्पादन के लिये **निजी संस्थाओं को पट्टे** पर दिया जाएगा।
- **स्थान:**
  - बीज पार्क पश्चिमी उत्तर प्रदेश, तराई, मध्य उत्तर प्रदेश, बुंदेलखंड और पूर्वी उत्तर प्रदेश में स्थापित किये जाएंगे।
  - पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह के नाम पर पहला **बीज पार्क, अटारी, लखनऊ** में स्थापित किया जाएगा।
    - इसमें बीज उत्पादन, प्रसंस्करण, भंडारण, शीघ्र प्रजनन और संकर प्रयोगशालाओं की सुविधाएँ उपलब्ध होंगी।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

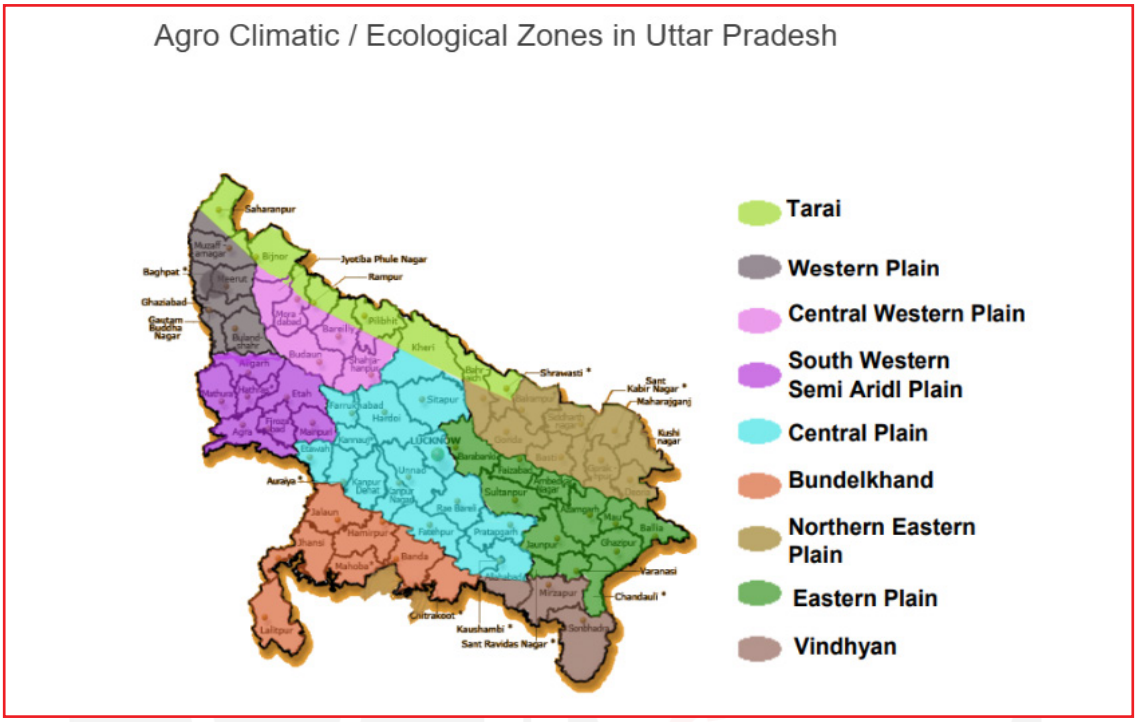

- **मॉडल:**
  - सरकार सार्वजनिक-निजी भागीदारी (PPP) मॉडल का उपयोग कर रही है, जिसके तहत निजी निवेशकों को 30 वर्षों के लिये भूमि पट्टे पर देने के साथ प्रोत्साहन दिया जा रहा है, जिसे 90 वर्षों तक बढ़ाया जा सकता है।
- **लाभ: अपने विस्तृत कृषि आधार** के कारण, उत्तर प्रदेश को इस पहल से बहुत लाभ होगा। प्रमुख लाभों में शामिल हैं:
  - **रोज़गार सृजन:** सभी पाँच पार्कों में लगभग **6,000 प्रत्यक्ष रोज़गार** और **15,000 अप्रत्यक्ष रोज़गार** सृजित होंगे, जिससे लगभग **40,000 बीज उत्पादक किसानों को लाभ मिलेगा।**
  - **बीज उत्पादन में आत्मनिर्भरता:** राज्य को स्थानीय स्तर पर बीज उत्पादन करके, **स्थानीय अर्थव्यवस्था को** मज़बूत करके तथा उत्पादन, रसद और परिवहन में रोज़गार सृजित करके प्रतिवर्ष लगभग 3,000 करोड़ रुपए की बचत होने की उम्मीद है।
  - बीज प्रतिस्थापन दर (SRR): इस पहल से **SRR में सुधार** होने की उम्मीद है, जिसका **सीधा असर फसल उत्पादन** पर पड़ेगा।
    - **उत्तर प्रदेश** में देश में **सबसे अधिक कृषि योग्य भूमि** और **सर्वाधिक सिंचित क्षेत्र** है, लेकिन **प्रति हेक्टेयर उपज** के मामले में यह **पंजाब** और **हरियाणा** जैसे राज्यों से पीछे है।
- **गुणवत्ता संबंधी मुद्दे:** इन **बीज पार्कों** की स्थापना से **उत्तर प्रदेश के किसानों** के लिये **बेहतर बीज गुणवत्ता** सुनिश्चित होगी।
- **बीज परीक्षण रिपोर्ट 2023-2024** में 1,33,588 परीक्षण नमूनों में से 3,630 में **खराब गुणवत्ता वाले बीजों की पहचान की गई है,** जिसके कारण अंकुरण दर कम होती है, पुन: बुवाई में देरी होती है, भूमि की तैयारी और उर्वरकों में निवेश व्यर्थ होता है तथा अंतत: फसल उत्पादन कम होता है।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

उत्तर प्रदेश का पहला ट्रांसकैथेटर महाधमनी वाल्व प्रत्यारोपण (TAVI)

चर्चा में क्यों?

कानपुर स्थित **LPS कार्डियोलॉजी संस्थान**, **वरिष्ठ रोगियों** में **हृदय वाल्व प्रतिस्थापन** के लिये TAVI (Transcatheter Aortic Valve Implantation) की सुविधा प्रदान करने वाला **उत्तर प्रदेश का पहला सरकारी मेडिकल कॉलेज** बन गया है।

- TAVI बिना किसी **गहन आक्रामक प्रक्रिया** के **नया वाल्व प्रत्यारोपित** करके ओपन-हार्ट सर्जरी से बचाता है। यह तकनीक **जोखिम को कम करने** तथा **वरिष्ठ हृदय रोगियों के जीवन की गुणवत्ता सुधारने** की दिशा में **महत्त्वपूर्ण उपलब्धि** मानी जा रही है।

मुख्य बिंदु

- **TAVI के बारे में:**
  - यह एक **न्यूनतम आक्रामक प्रक्रिया है** जिसमें रोगी के पैर की नस में **कैथेटर डालकर एक नया महाधमनी वाल्व प्रत्यारोपित किया जाता है।**
  - पारंपरिक ओपन-हार्ट सर्जरी के विपरीत, TAVI में बड़े चीरों की आवश्यकता नहीं होती, जिससे रिकवरी का समय और जोखिम कम हो जाता है, विशेष रूप से वरिष्ठ रोगियों के लिये।
- **प्रक्रिया और लाभ:**
  - पशु हृदय की झिल्ली से निर्मित नए वाल्व को **क्षतिग्रस्त वाल्व के स्थान पर प्रत्यारोपित किया जाता है।**
  - धातु वाल्वों के विपरीत, जिनमें अधिक जोखिम होता है, **पशु झिल्ली वाल्वों का जीवनकाल 15** वर्ष का होता है।
- **वैश्विक महत्त्व और इतिहास:**
  - TAVI तकनीक की शुरुआत जर्मन विशेषज्ञ **डॉ. एलेन क्रीबेयर ने 1990 के दशक** के प्रारंभ में की थी और इसे पहली बार वर्ष 2002 में लागू किया गया था।
  - भारत ने वर्ष **2010 में** इस नवीन प्रक्रिया को अपनाया।

मानव हृदय

- **कार्य:**
  - हृदय रक्त वाहिकाओं के माध्यम से पूरे शरीर में रक्त पंप करता है, जिससे **ऑक्सीजन एवं पोषक तत्त्वों** की आपूर्ति होती है तथा **अपशिष्ट पदार्थों** का निष्कासन होता है।
- हृदय की भित्ति (Heart Wall)
  - **एपिकार्डियम:** बाहरी परत
  - **मायोकार्डियम:** मध्य की पेशीय परत (हृदय संकुचन के लिये उत्तरदायी)
  - **एंडोकार्डियम:** भीतरी परत
- **हृदय के कक्ष:**
  - **एट्रिया (ऊपरी कोटरें):** रक्त प्राप्त करते हैं
  - **वेंट्रिकल्स (निचली कोटरें):** रक्त पंप करते हैं
  - **दायाँ हृदय:** दायाँ एट्रियम + दायाँ वेंट्रिकल
  - **बायाँ हृदय:** बायाँ एट्रियम + बायाँ वेंट्रिकल
  - **सेप्टम (झिल्ली):** हृदय के दाएँ और बाएँ भाग को विभाजित करता है
- **हृदय वाल्व:**
  - ये **रक्त के विपरीत प्रवाह** को रोकते हैं और **एक-दिशीय प्रवाह** सुनिश्चित करते हैं।
- **पेसमेकर एवं हृदय गति:**
  - हृदय की गति का नियंत्रण **सिनोएट्रियल (SA) नोड** द्वारा किया जाता है, जो **विद्युत संकेत उत्पन्न** करता है।
  - सामान्य **हृदय गति:** विश्राम की स्थिति में **60-100 धड़कन प्रति मिनट**
- **रक्त प्रवाह:**
  - **डीऑक्सीजन युक्त रक्त:** शरीर → दायाँ एट्रियम → दायाँ वेंट्रिकल → फेफड़े (ऑक्सीजन युक्त)
  - **ऑक्सीजन युक्त रक्त:** फेफड़े → बायाँ एट्रियम → बायाँ वेंट्रिकल → शरीर
- **टैकीकार्डिया:**
  - हृदय गति > 100 धड़कन प्रति मिनट
    - तनाव, दवाओं या अंतर्निहित हृदय स्थितियों के कारण।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- **मुख्य तथ्य:**
  - **विलियम हार्वे:** रक्त परिसंचरण की खोज की।
  - **डॉ. क्रिश्चियन बर्नार्ड:** वर्ष 1967 में पहला सफल हृदय प्रत्यारोपण किया।

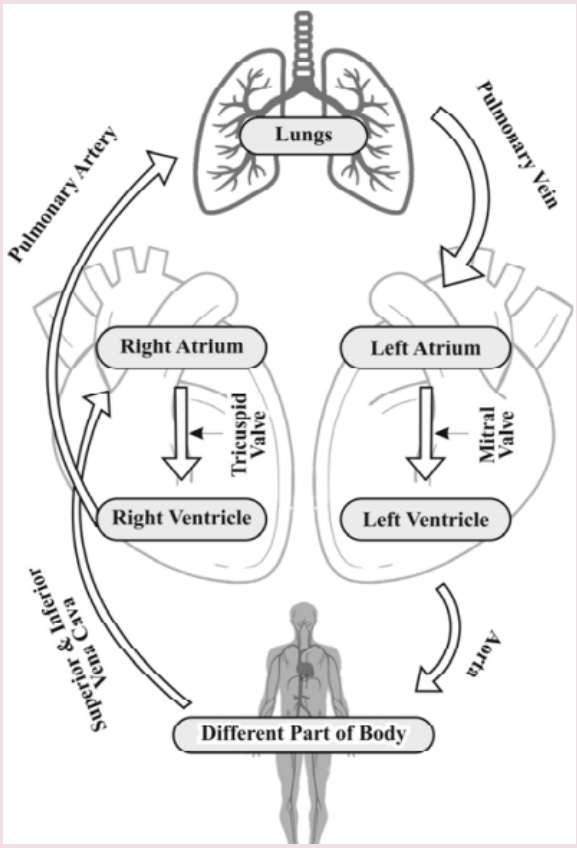

दिल्ली अपनाएगी उत्तर प्रदेश का डिजिटल शिकायत निवारण मॉडल

चर्चा में क्यों?

दिल्ली शासन में सुधार और **कुशल शिकायत प्रबंधन** सुनिश्चित करने के लिये **उत्तर प्रदेश** की एकीकृत शिकायत निवारण प्रणाली (IGRS) तथा सीएम डैशबोर्ड को लागू करेगी।

मुख्य बिंदु

- **IGRS के बारे में:**
  - यह उत्तर प्रदेश में एक **व्यापक शिकायत निवारण प्रणाली है,** जिसका उद्देश्य उन्नत प्रौद्योगिकी के उपयोग और सभी हितधारकों को शामिल करके सुशासन **को बढ़ावा देना है।**
- **प्रमुख विशेषताएँ:**
  - नागरिक आसानी से और सुविधाजनक ढंग से **शिकायत दर्ज करा सकते हैं,** विभिन्न प्लेटफार्मों पर उनकी निगरानी कर सकते हैं तथा गुणवत्ता और समाधान दोनों के संदर्भ में समय पर तथा संतोषजनक प्रतिक्रिया प्राप्त कर सकते हैं।
  - यह प्रणाली नागरिकों को **सरकारी विभागों/कार्यालयों के साथ पारदर्शी तरीके से बातचीत करने की सुविधा प्रदान करती है,** जिससे संचार प्रक्रिया सुचारू हो जाती है।
  - सभी शिकायतें, चाहे उनका स्रोत कुछ भी हो, **एक ही मंच पर केंद्रीकृत की जाती हैं,** जिससे संबंधित विभागों द्वारा पहुँच, निगरानी और प्रभावी समाधान में सुधार होता है।

यूपी-दर्पण डैशबोर्ड (सीएम डैशबोर्ड)

- मुख्यमंत्री के लिये **यूपी-दर्पण** डैशबोर्ड विभागीय रैंकिंग, ज़िला रैंकिंग, टाइमलाइन शृंखला और सांख्यिकीय ग्राफिकल रिपोर्ट के माध्यम से **परियोजनाओं/योजनाओं की विश्लेषणात्मक समीक्षा** में मदद करता है।
  - दर्पण (देश भर में परियोजनाओं की विश्लेषणात्मक समीक्षा के लिये डैशबोर्ड) राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (NIC) **का एक विन्यास योग्य बहुभाषी उत्पाद है।**
    - यह योजना, मूल्यांकन और निगरानी के लिये अधिकारियों के सभी स्तरों (राज्य, प्रभाग, ज़िला) को चयनित सरकारी योजनाओं/परियोजनाओं के प्रमुख प्रदर्शन संकेतकों (KPI) **पर वास्तविक समय डाटा** की प्रस्तुति की सुविधा प्रदान करता है।
    - दर्पण पूर्व निर्धारित आवृत्ति पर डाटा के स्वचालित अद्यतन के लिये **सुरक्षित API** के माध्यम से उपयोगकर्त्ता रिपोजिटरी के साथ निर्बाध प्रमाणीकरण और एकीकरण प्रदान करता है।

Prepare with DrishtiIAS

राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!

हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!

राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!

निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

सड़क सुरक्षा में एआई अपनाने वाला पहला राज्य

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश, **सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय (MoRTH)** द्वारा अनुमोदित आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) और बिग डाटा एनालिटिक्स आधारित **सड़क सुरक्षा पायलट परियोजना** शुरू करने वाला पहला भारतीय राज्य बन गया है।

- राज्य सरकार ने **परिवहन विभाग** के लिये 'डाटा आधारित प्रशासनिक मॉडल' विकसित करने के लिये अपने बजट 2025-26 में **10 करोड़ रुपए** आवंटित किये हैं।

मुख्य बिंदु

- **परियोजना के बारे में:**
  - पायलट परियोजना को सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यम **ITI लिमिटेड** द्वारा वैश्विक प्रौद्योगिकी फर्म **एमलॉजिका** के सहयोग से **निःशुल्क क्रियान्वित** किया जाएगा।
  - इस परियोजना के लिये **MoRTH द्वारा कोई वित्तीय सहायता प्रदान नहीं की गई है।**
- **व्यापक AI एकीकरण:**
  - यह परियोजना दुर्घटनाओं के कारणों की पहचान करने और **राजमार्गों पर ब्लैक स्पॉट** का पता लगाने के लिये दुर्घटना रिपोर्ट, मौसम की स्थिति, वाहन विवरण, चालक रिकॉर्ड और **सड़क बुनियादी ढाँचा** का विश्लेषण करेगी।
  - यह परियोजना डाटा संग्रह एवं **पूर्वानुमानात्मक एआई मॉडल** के निर्माण पर केंद्रित होगी, जिससे **दुर्घटना प्रवृत्तियाँ** एवं **उच्च जोखिम क्षेत्र** पहचाने जा सकें।
- **रीयल-टाइम डैशबोर्ड:**
  - एक डैशबोर्ड विकसित किया जाएगा, जो वाहनों की आवाजाही, उल्लंघन, आय विवरण एवं प्रवर्तन डाटा की **रीयल-टाइम निगरानी** करेगा।
- **धोखाधड़ी का पता लगाना और ई-चालान निगरानी:**
  - यह प्रणाली स्वचालित रूप से **धोखाधड़ी वाले आवेदनों** को चिह्नित करेगी, **वाहन के स्थानों को ट्रैक** करेगी, मौके पर प्रवर्तन में सहायता करेगी और ई-चालान वसूली करेगी।
  - लगभग 5 करोड़ वाहन और 3 करोड़ ड्राइविंग लाइसेंस धारक इस प्रणाली से जोड़े जाएंगे।
  - AI का उपयोग **अन्य परिवहन सेवाओं** में भी किया जाएगा, जैसे, **ड्राइविंग लाइसेंस और परमिट का फेसलेस निर्गमन, आवेदनों की स्वीकृति** तथा **दस्तावेज़ों की प्रिंटिंग** आदि।
- **परियोजना की वैधता:**
  - मंत्रालय ने यह भी स्पष्ट किया कि यह पहल मोटर वाहन अधिनियम, 1988, केंद्रीय मोटर वाहन नियम, 1989 तथा सभी **सड़क सुरक्षा मानक प्रक्रियाओं (SOPs)** के अंतर्गत **पूर्णतः विधिसम्मत** होनी चाहिये।

मुंशी प्रेमचंद की जयंती

चर्चा में क्यों?

मुंशी प्रेमचंद की **145वीं जयंती की पूर्व संध्या** पर **पोस्टमास्टर जनरल कृष्ण कुमार यादव** ने प्रेमचंद और **डाक परिवार के संबंध** को रेखांकित किया।

- उन्होंने कहा कि प्रेमचंद की आदर्शवाद से यथार्थवाद की यात्रा उनके साहित्य को आज के **सामाजिक परिवेश** में विशेषकर गरीबी, जातिवाद, लिंग भेद तथा शोषण जैसे समकालीन मुद्दों के संदर्भ में, अत्यंत **प्रासंगिक** बनाती है।

मुख्य बिंदु

मुंशी प्रेमचंद के बारे में:

- **परिचय**
  - **मुंशी प्रेमचंद**, जिनका जन्म **31 जुलाई 1880** को **वाराणसी** के पास **लमही गाँव** में **धनपत राय श्रीवास्तव** के रूप में हुआ था, को हिंदी और उर्दू साहित्य में सबसे प्रभावशाली उपन्यासकारों, कहानीकारों और विचारकों में से एक माना जाता है।
  - प्रेमचंद ने पहली असफल शादी के बाद वर्ष 1906 में **शिवरानी देवी** (जो कि एक बाल विधवा थीं) से विवाह किया, जिसे उस समय क्रांतिकारी कदम माना गया।
  - उनकी मृत्यु के बाद उनकी पत्नी शिवरानी देवी ने **'प्रेमचंद घर में'** शीर्षक से एक **संस्मरण** लिखा।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- **प्रारंभिक जीवन और शिक्षा:**
  - प्रेमचंद के पिता **मुंशी अज़ायब लाल** डाक विभाग में **क्लर्क** थे, जबकि माता का नाम **आनंदी देवी** था।
  - उन्होंने बचपन में ही **उर्दू और फारसी** सीख ली थी और **अंग्रेज़ी शिक्षा** के लिये **मिशनरी स्कूल** में प्रवेश लिया।
  - उन्होंने वर्ष **1898 में मैट्रिक** की पढ़ाई पूरी की और वर्ष **1919 में इलाहाबाद विश्वविद्यालय** से अंग्रेज़ी, फ़ारसी और इतिहास में **स्नातक की डिग्री** प्राप्त की।
- **कार्य-जीवन:**
  - वर्ष 1899 से 1921 तक प्रेमचंद ने एक **स्कूल शिक्षक** और **स्कूलों के उप-निरीक्षक** के रूप में कार्य किया।
  - वर्ष 1921 में गांधी जी के **असहयोग आंदोलन** के समर्थन में उन्होंने सरकारी सेवा से **त्यागपत्र** दे दिया।
- **साहित्यिक जीवन और उपनाम:**
  - शुरुआत में उन्होंने अपने बचपन के उपनाम **'नवाब राय'** से लेखन किया।
  - बाद में जब ब्रिटिश औपनिवेशिक सरकार ने वर्ष **1910 में उनके संग्रह 'सोज़-ए-वतन'** पर प्रतिबंध लगा दिया, तो उन्होंने **'प्रेमचंद'** नाम अपना लिया।
  - उनकी साहित्यिक प्रतिभा के कारण उन्हें समकालीन हिंदी लेखकों द्वारा **'उपन्यास सम्राट'** और **'कलम का जादूगर'** की उपाधि दी गई।
- **साहित्य में योगदान:**
  - प्रेमचंद को हिंदी और उर्दू साहित्य में यथार्थवाद का अग्रदूत माना जाता है।
  - उन्हें 300 से अधिक लघु कथाएँ और 18 उपन्यास लिखे, जिनमें सबसे उल्लेखनीय हैं **'गोदान', 'कफन', 'पूस की रात' और 'पंच परमेश्वर'**, जो समाज और मानवीय भावनाओं की आलोचना के लिये **आज भी प्रासंगिक हैं।**
  - उन्होंने **'ज़माना', 'सरस्वती', 'माधुरी', 'मर्यादा', 'चाँद' और 'सुधा'** जैसी प्रमुख हिंदी और उर्दू पत्रिकाओं में योगदान दिया। उन्होंने प्रमुख हिंदी समाचार-पत्र **'जागरण'** और साहित्यिक पत्रिका **'हंस'** का संपादन और प्रकाशन भी किया।
  - प्रेमचंद ने **सरस्वती प्रेस** भी खरीदी, परंतु बाद में आर्थिक घाटे के कारण यह बंद हो गई।
  - इसके बाद वे **मुंबई चले गए** जहाँ उन्होंने **फिल्म पटकथाएँ लिखना** प्रारंभ किया।
- **आधुनिक मान्यता:**
  - प्रेमचंद की **साहित्यिक विरासत** आज भी उतनी ही **समृद्ध** है। उनकी स्मृति में साहित्य अकादमी द्वारा 2005 में **'प्रेमचंद फैलोशिप'** की स्थापना की गई।
  - उनकी अनेक कृतियों पर **फिल्में बनाई गईं**, जिनमें विशेष रूप से **सत्यजीत रे** की फिल्म **'शतरंज के खिलाड़ी' (1977)** उल्लेखनीय है।
  - प्रेमचंद की कहानियाँ अनेक **भारतीय एवं अंतर्राष्ट्रीय भाषाओं** में अनुवादित की गईं, जिससे वे एक **वैश्विक** साहित्यिक प्रतीक के रूप में स्थापित हुए।
  - हिंदी साहित्य में वर्ष **1918 से 1936** का काल **'प्रेमचंद युग'** कहलाता है। इस अवधि में उनके साहित्य ने लगातार सामाजिक न्याय, समानता और स्वतंत्रता जैसे विषयों को उठाया, जो आज भी **प्रासंगिक** हैं।
  - भारतीय साहित्य और समाज में उनके अ**मूल्य योगदान के सम्मान में** डाक विभाग ने वर्ष 1980 में एक स्मारक **डाक टिकट** जारी किया।
- **अंतिम वर्ष और विरासत:**
  - **प्रेमचंद वर्ष 1936** में **अखिल भारतीय प्रगतिशील लेखक संघ** के पहले अध्यक्ष चुने गए।
  - **8 अक्तूबर, 1936 को** 56 वर्ष की आयु में वाराणसी में उनका निधन हो गया।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

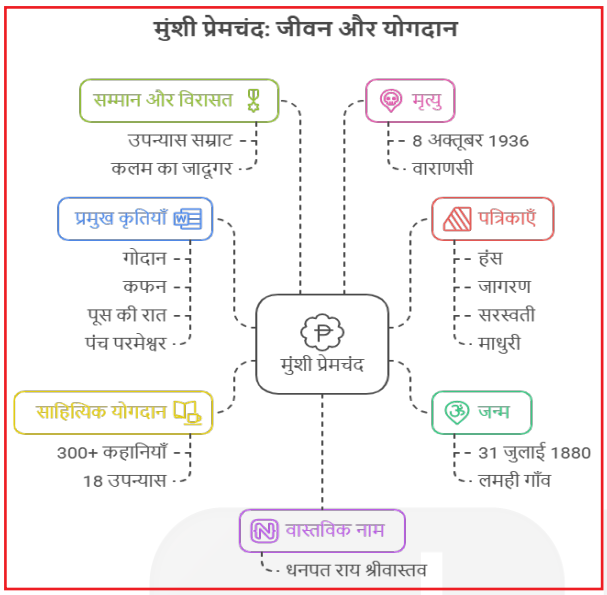

पिपरहवा अवशेषों की भारत वापसी

चर्चा में क्यों?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 127 वर्षों के पश्चात् भगवान बुद्ध के **पवित्र पिपरहवा अवशेषों** की **भारत वापसी** का स्वागत करते हुए इसे देश की सांस्कृतिक विरासत के लिये **गौरवपूर्ण** और **हर्ष का क्षण** बताया।

- **गोदरेज इंडस्ट्रीज़** ने सरकार के साथ मिलकर **औपनिवेशिक काल** के दौरान विदेश ले जाए गए इन अवशेषों को **सोथबी नीलामी गृह** से प्राप्त करने और उन्हें भारत वापस लाने में **महत्त्वपूर्ण भूमिका** निभाई। इसके फलस्वरूप ये अवशेष **नई दिल्ली स्थित राष्ट्रीय संग्रहालय** में **प्रदर्शित** किये जा सकेंगे।

मुख्य बिंदु

- **पिपरहवा अवशेषों के बारे में:**
  - **पिपरावा अवशेष**, जिन्हें **भगवान बुद्ध के अवशेष** माना जाता है, वर्ष **1898** में **विलियम क्लैक्सटन पेप्पे** द्वारा **उत्तर प्रदेश के पिपरहवा स्तूप** में खुदाई के दौरान प्राप्त हुए थे। यह स्थान भगवान बुद्ध का जन्मस्थान प्राचीन कपिलवस्तु माना जाता है।
  - इनमें **बुद्ध के अस्थि खंड**, **सोपस्टोन (पाषाण) पात्र**, **क्रिस्टल पात्र**, **रत्न**, **स्वर्णाभूषण** तथा अन्य **अनुष्ठानिक सामग्री** सम्मिलित हैं।।
    - एक पात्र पर **ब्राह्मी लिपि** उत्कीर्ण किया गया लेख, इन अवशेषों को **प्रत्यक्ष रूप से भगवान बुद्ध** से जोड़ता है, जिसमें कहा गया है कि इन्हें **शाक्य वंश** द्वारा समर्पित किया गया था।
- **अवशेषों का कानूनी संरक्षण:**
  - भारत ने इन अवशेषों को **'AA' पुरावशेष** (सबसे उच्चतम कानूनी संरक्षण स्तर) के अंतर्गत वर्गीकृत किया है।
  - भारतीय कानून के अनुसार, इन अवशेषों का **क्रय-विक्रय या निर्यात प्रतिबंधित** है और इन्हें **नीलामी या देश से बाहर ले जाना अवैध** है।
  - वर्ष **1899** में अधिकांश अवशेष **भारतीय संग्रहालय, कोलकाता** को सौंप दिये गए थे, किंतु **ब्रिटिश उत्खननकर्त्ता विलियम क्लैक्सटन पेप्पे के वंशजों** ने कुछ अवशेष जैसे **पिपरावा अवशेष** अपने पास रख लिये थे।

नोट: बुद्ध के अवशेष उनकी मृत्यु के बाद विभिन्न स्थानों पर निर्मित 9 स्तूपों में स्थापित किये गए थे, जिनमें शामिल हैं:
- बिहार में राजगृह, वैशाली, वेथादीपा और **पावा**
- नेपाल में **कपिलवस्तु**, अल्लाकप्पा और रामग्राम
- उत्तर प्रदेश में कुशीनगर और पिप्पलवीना

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

उत्तर प्रदेश के नए मुख्य सचिव नियुक्त

चर्चा में क्यों?

वरिष्ठ IAS अधिकारी शशि प्रकाश गोयल को **उत्तर प्रदेश के नए** मुख्य सचिव के रूप में नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति वर्तमान मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह के कार्यकाल की समाप्ति के पश्चात् की गई है।

- शशि प्रकाश गोयल का कार्यकाल **जनवरी 2027 में सेवानिवृत्ति** तक रहेगा।

मुख्य बिंदु

मुख्य सचिव के बारे में:

- **कार्यालय:**
  - भारत में मुख्य सचिव का कार्यालय वर्ष 1799 में ब्रिटिश शासन के दौरान लॉर्ड वेलेज़ली के अधीन अस्तित्व में आया और तब से यह **राज्य प्रशासन** का **अभिन्न अंग** है।
  - **मुख्य सचिव**, राज्य में कार्यरत **सर्वोच्च रैंक का प्रशासनिक अधिकारी** होता है, जो **राज्य सचिवालय** का नेतृत्व करता है तथा राज्य सरकार के विभिन्न कार्यों के समन्वय की ज़िम्मेदारी निभाता है।
- **नियुक्ति और स्थिति:**
  - मुख्य सचिव की नियुक्ति मुख्यमंत्री (**राज्यपाल** के नाम पर) द्वारा वरिष्ठ IAS अधिकारियों में से वरिष्ठता, योग्यता और विश्वास जैसे कारकों के आधार पर की जाती है।
  - वर्ष 1973 में इस कार्यालय को **भारत सरकार के सचिव** के पद के **समतुल्य** मानकीकृत किया गया।
- **शक्तियाँ और कार्य:**
  - राज्य प्रशासन के मामलों पर **प्रमुख सलाहकार** के रूप में कार्य करता है और नीतिगत मुद्दों पर मार्गदर्शन प्रदान करता है।
  - **कैबिनेट बैठक** का **एजेंडा तैयार** करता है, **कार्यवाही रिकॉर्ड** करता है और **निर्णयों के कार्यान्वयन** की देखरेख करता है।
  - राज्य सिविल सेवा में **नियुक्तियों**, **स्थानांतरणों** और **पदोन्नति** की देखरेख करता है तथा सिविल सेवकों का मनोबल बनाए रखता है।
  - अंतर-विभागीय समन्वय सुनिश्चित करता है, **समन्वय समितियों** की अध्यक्षता करता है और विभागों के बीच विवादों का समाधान करता है।
  - सामान्य प्रशासन, कार्मिक और योजना जैसे प्रमुख विभागों का सीधे प्रबंधन करता है।
  - बाढ़, सूखा और **सांप्रदायिक अशांति** जैसे संकट के दौरान राहत कार्यों का नेतृत्व करता है तथा **आपात स्थितियों** के दौरान राज्य सरकार का प्रतिनिधित्व करता है।

नोट:

- प्रोफेसर **अजीत कुमार चतुर्वेदी** को तीन साल के कार्यकाल के लिये बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (BHU) के **कुलपति** के रूप में नियुक्त किया गया है। जिसकी घोषणा भारत के राष्ट्रपति द्वारा की गई है।
- वर्ष 1989 बैच के **IIT कानपुर स्नातक** प्रोफेसर अजीत कुमार चतुर्वेदी को व्यापक शैक्षणिक अनुभव है, उन्होंने पहले IIT रुड़की (2017–2022) के निदेशक के रूप में कार्य किया है।
- उन्होंने IIT कानपुर में भी नेतृत्वकारी भूमिकाएँ निभाईं, जिनमें विद्युत अभियांत्रिकी विभागाध्यक्ष, अनुसंधान एवं विकास डीन तथा उप निदेशक के पद शामिल हैं।

उन्नाव में भारत का पहला निजी एआई-संवर्द्धित विश्वविद्यालय परिसर

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में **उन्नाव** में भारत के पहले **निजी** एआई-संवर्द्धित **बहु-विषयक चंडीगढ़ विश्वविद्यालय परिसर** का उद्घाटन करके उच्च शिक्षा में एक अग्रणी कदम उठाया है।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- इसका उद्देश्य आधुनिक शिक्षा को अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी और भारत की सांस्कृतिक विरासत के साथ मिश्रित करना है, जो उत्तर प्रदेश के शैक्षिक तथा तकनीकी परिदृश्य में एक महत्त्वपूर्ण उपलब्धि है।

मुख्य बिंदु

- **एआई-संवर्द्धित बहु-विषयक शिक्षा:**
  - नव-उद्घाटित परिसर शिक्षण पद्धतियों को बढ़ाने के लिये कृत्रिम बुद्धिमत्ता का लाभ उठाएगा, जिसमें **अनुसंधान**, **नवाचार** और **समग्र विकास** पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।
  - यह राष्ट्रीय शिक्षा नीति में बहु-विषयक शिक्षा के अनुरूप है।
- **राष्ट्रीय मिशनों के अनुरूप:**
  - मुख्यमंत्री ने विश्वविद्यालय की स्थापना को स्टार्टअप इंडिया जैसी राष्ट्रीय पहलों के साथ जोड़ते हुए इसे उत्तर प्रदेश की वैश्विक उपस्थिति को मज़बूत करने की दिशा में **उद्यमिता** और **उद्योग सहयोग** को बढ़ावा देने वाली पहल बताया।
- मुख्यमंत्री ने कहा कि विश्वविद्यालयों को विद्यार्थियों के लिये **करियर मार्गदर्शन**, **उद्योग-उन्मुख कौशल विकास** तथा अवसरों के द्वार के रूप में कार्य करना चाहिये।

उत्तर प्रदेश में शिक्षा सुधार और बुनियादी ढाँचा

- उत्तर प्रदेश में अब तक **23 नए निजी विश्वविद्यालयों** की स्थापना को प्रोत्साहन दिया गया है।
- प्रदेश में देश का पहला आयुष विश्वविद्यालय (महायोगी गुरु गोरक्षनाथ आयुष विश्वविद्यालय, गोरखपुर) स्थापित किया गया है तथा **एक खेल विश्वविद्यालय** (मेजर ध्यानचंद राज्य खेल विश्वविद्यालय) निर्माणाधीन है।
- नए सुधारों के तहत अब राज्य में **ग्रामीण क्षेत्रों** में 50 एकड़ तथा **शहरी क्षेत्रों** में 20 एकड़ भूमि पर निजी विश्वविद्यालय स्थापित किये जा सकते हैं।
- प्रदेश के विश्वविद्यालय अब **NAAC मूल्यांकन** और **NIRF रैंकिंग** सुधारने हेतु सतत् प्रयासरत हैं। परिणामस्वरूप, राज्य की **6 विश्वविद्यालयों** ने **A++ ग्रेड**, **2 विश्वविद्यालयों** ने **A+ ग्रेड** प्राप्त किया है तथा राष्ट्रीय स्तर पर उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की गई है।

उत्तर प्रदेश में नवाचार की संभावनाएँ

- उत्तर प्रदेश भारत का **तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप हब** बनकर उभरा है, जहाँ 7,200 से अधिक सक्रिय स्टार्टअप के माध्यम से **1 लाख से अधिक रोज़गार** सृजित हुए हैं।
- प्रदेश में अब तक 8 यूनिकॉर्न कंपनियाँ स्थापित हो चुकी हैं।
- लखनऊ में एक महत्त्वाकांक्षी **AI सिटी परियोजना** की शुरुआत की गई है, जिसका लक्ष्य 400 से अधिक कंपनियों की भागीदारी से 50,000 रोज़गार सृजित करना है।
- इस AI सेंटर की स्थापना का नेतृत्व IBM द्वारा किया जाएगा।

लखनऊ भारत का पहला AI शहर

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश **10,732 करोड़ रुपये** के निवेश के माध्यम से **लखनऊ** को भारत का पहला AI सिटी बनाने की दिशा में अग्रसर है।

- यह पहल मार्च 2024 में अनुमोदित IndiaAI मिशन के अंतर्गत प्रारंभ की गई है, जिसका उद्देश्य राज्य में सशक्त AI पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करना है।

मुख्य बिंदु

- **AI अवसंरचना में व्यापक निवेश:**
  - यह निवेश **10,000** ग्राफिक्स प्रोसेसिंग यूनिट्स (GPUs), **मल्टी-मॉडल भाषा मॉडल्स** तथा लखनऊ में AI नवाचार केंद्र की स्थापना हेतु किया जा रहा है।
  - यह निवेश देश में किसी भी अन्य प्रौद्योगिकी अवसंरचना की तुलना में **67% अधिक** है।
- **AI प्रज्ञा प्रशिक्षण पहल:**
  - इस पहल के अंतर्गत 10 लाख से अधिक लोगों जिनमें युवा, शिक्षक, ग्राम प्रधान, सरकारी कर्मचारी और किसान शामिल

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

हैं, को **AI, मशीन लर्निंग, डाटा एनालिटिक्स** तथा **साइबर सुरक्षा** का प्रशिक्षण दिया जाएगा।

- यह प्रशिक्षण Microsoft, Intel, Google और **Guvi** जैसी वैश्विक टेक्नोलॉजी कंपनियों के सहयोग से दिया जा रहा है।

- **AI ट्रैफिक प्रबंधन प्रणाली:**
  - लखनऊ में एक अत्याधुनिक **AI आधारित ट्रैफिक प्रबंधन प्रणाली** लागू की जाएगी, जो **वाराणसी** में विकसित प्रणाली के समान होगी।
- **कृषि और राजस्व प्रबंधन में AI:**
  - **यूपी एग्रीस परियोजना** के माध्यम से 10 लाख किसानों को स्मार्ट सिंचाई, ड्रोन मैपिंग, कीट पहचान और डिजिटल बाज़ार पहुँच जैसी AI-संचालित तकनीकों से जोड़ा जाएगा।
  - **राजस्व विभाग** द्वारा **सैटेलाइट इमेजिंग** और **AI एल्गोरिद्म** का उपयोग **भूमि समेकन** तथा **अभिलेख प्रबंधन** के लिये किया जा रहा है, जिससे पारदर्शिता बढ़ेगी एवं विवाद कम होंगे।
- **सुरक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्र में AI का उपयोग:**
  - CCTV निगरानी, चेहरे की पहचान, नंबर प्लेट ट्रैकिंग तथा SOS अलर्ट प्रणाली जैसे AI-सक्षम तंत्र प्रदेश के 17 नगर निगमों और **गौतम बुद्ध नगर** में लागू किये गए हैं।
  - इसके अतिरिक्त, **अवैध खनन रोकथाम** और **खनिज संसाधन संरक्षण** हेतु भी AI का उपयोग किया जा रहा है।
  - स्वास्थ्य क्षेत्र में, देश का पहला **AI आधारित स्तन कैंसर स्क्रीनिंग केंद्र फतेहपुर** में स्थापित किया गया है।

मेधा रूपम: गौतमबुद्ध नगर की पहली महिला डीएम

चर्चा में क्यों?

वर्ष 2014 बैच की IAS अधिकारी मेधा रूपम को उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्ध नगर की पहली महिला ज़िलाधिकारी (DM) नियुक्त किया गया है।

- **उन्होंने मनीष कुमार वर्मा** का स्थान लिया है, जिन्हें **प्रयागराज** स्थानांतरित किया गया है।

मुख्य बिंदु

- **शैक्षणिक पृष्ठभूमि:**
  - वर्ष 2014 में आयोजित UPSC सिविल सेवा परीक्षा में रूपम ने **अखिल भारतीय रैंक 10** प्राप्त की।
  - वह एक **राष्ट्रीय स्तर की राइफल शूटर** भी हैं और उन्होंने **केरल राज्य शूटिंग चैंपियनशिप** में **तीन स्वर्ण पदक** अर्जित किये हैं।
- **पारिवारिक पृष्ठभूमि:**
  - उनके पिता **ज्ञानेश कुमार**, केरल कैडर के **सेवानिवृत्त IAS अधिकारी** हैं तथा वर्तमान में भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त हैं।

71वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार

चर्चा में क्यों?

वर्ष 2023 के लिये भारत की सिनेमाई उत्कृष्टता को सम्मानित करने हेतु 71वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों की आधिकारिक घोषणा की गई।

मुख्य बिंदु

- **पुरस्कार के बारे में:**
  - वर्ष 2023 के संस्करण में **राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों के नियमों** के तहत क्षेत्र का विस्तार करते हुए कुल **31 फीचर फिल्में**, **24 गैर-फीचर फिल्में**, **सिनेमा पर 27 पुस्तकें** तथा **16 फिल्म समीक्षकों** को सम्मिलित किया गया।
  - शाहरुख खान को अपने 30 वर्ष से अधिक के फिल्मी करियर में प्रथम राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त हुआ।
- **राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार**
  - राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों का आयोजन भारत सरकार की ओर से **सूचना और प्रसारण मंत्रालय** के माध्यम से किया जाता है।
  - **पुरस्कार श्रेणियाँ:** ये वार्षिक पुरस्कार निम्नलिखित श्रेणियों में प्रदान किये जाते हैं— **फीचर फिल्म**, **गैर-फीचर फिल्म**,

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

सिनेमा पर सर्वश्रेष्ठ लेखन तथा **दादा साहेब फाल्के पुरस्कार**।

शीर्ष राष्ट्रीय विजेता	
वर्ग	**विजेता**
सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म	*12वीं फेल*
सर्वश्रेष्ठ निर्देशन	*सुदीप्तो सेन - द केरल स्टोरी*
सर्वश्रेष्ठ अभिनेता	*शाहरुख खान (जवान)*, *विक्रांत मैसी (12वीं फेल)*
सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री	*रानी मुखर्जी - मिसेज चटर्जी वर्सेज नॉर्वे*
सर्वश्रेष्ठ लोकप्रिय मनोरंजन फिल्म	*रॉकी और रानी की प्रेम कहानी*
किसी निर्देशक की सर्वश्रेष्ठ पहली फिल्म	*आत्मापंफलेट*
राष्ट्रीय, सामाजिक और पर्यावरणीय मूल्यों को बढ़ावा देने वाली सर्वश्रेष्ठ फिल्म	*सैम बहादुर*

फीचर फिल्म पुरस्कार	
पुरस्कार श्रेणी	**फिल्म / कलाकार**
सर्वश्रेष्ठ हिंदी फिल्म	*कटहल (Kathal)*
सर्वश्रेष्ठ बंगाली फिल्म	*डीप फ्रीज*
सर्वश्रेष्ठ मराठी फिल्म	*श्यामची आई*
सर्वश्रेष्ठ पृष्ठभूमि स्कोर	*एनीमल* (हर्षवर्द्धन रामेश्वर)
सर्वश्रेष्ठ महिला पार्श्व गायिका	*शिल्पा राव - छलिया (जवान)*
सर्वश्रेष्ठ पुरुष पार्श्व गायक	*PVN S रोहित - बेबी (तेलुगु)*
सर्वश्रेष्ठ संपादन	*पूक्कालम* – मिधुन मुरली
सर्वश्रेष्ठ छायांकन	*केरल की कहानी* – प्रशांतु महापात्रा
सर्वश्रेष्ठ कॉस्ट्यूम डिज़ाइन	*सैम बहादुर* - सचिन, दिव्या, निधि
सर्वश्रेष्ठ मेकअप	*सैम बहादुर* -श्रीकंठ देसाई
सर्वश्रेष्ठ कोरियोग्राफी	*ढिंढोरा बाजे रे - रॉकी और रानी* (वैभवी मर्चेंट)
सर्वश्रेष्ठ ध्वनि डिज़ाइन	*एनिमल* - सचिन सुधाकरन और हरिहरन

अभिनय पुरस्कार	
वर्ग	**विजेता**
सर्वश्रेष्ठ अभिनेता	*शाहरुख खान (जवान)*, *विक्रांत मैसी (12वीं फेल)*
सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री	*रानी मुखर्जी (मिसेज चटर्जी वर्सेज नॉर्वे)*
सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता	*विजय राघवन (पुक्कलम)*, *मुथुपेट्टई भास्कर (पार्किंग)*
सर्वश्रेष्ठ सह नायिका	*उर्वशी (उल्लोझुक्कू)*, *जानकी बोडीवाला (वाश)*
सर्वश्रेष्ठ बाल कलाकार	सुकृति बांदीरेड्डी (*गांधी थाथा चेट्टू*), कबीर खंडारे (*जिप्सी*), त्रिशा तोशर, श्रीनिवास पोकले, भार्गव (*नाल 2*)

गैर-फीचर फिल्म पुरस्कार	
पुरस्कार	**प्राप्तकर्त्ता**
सर्वश्रेष्ठ वृत्तचित्र	*गॉड, वल्चर एंड ह्यूमन*
सर्वश्रेष्ठ गैर-काल्पनिक फिल्म	*फ्लावरिंग मैन*
सर्वश्रेष्ठ लघु फिल्म	*गिद्ध – द स्कैवेंजर*
सर्वश्रेष्ठ बाल फिल्म	*नाल 2*
AVGC में सर्वश्रेष्ठ फिल्म	*हनुमान*
सर्वश्रेष्ठ वॉयसओवर	*द सेक्रेड जैक* - हरि कृष्णन एस
सर्वश्रेष्ठ डेब्यू (गैर-फीचर)	*द स्पिरिट ड्रीम्स ऑफ चेरॉ*
सर्वोत्तम सामाजिक और पर्यावरणीय मूल्य	द साइलेंट पैंडेमिक

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

उत्तर प्रदेश में FDI वृद्धि

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश सरकार के अनुसार, वर्ष **2019 से 2023** के दौरान प्रदेश में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (FDI) में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है।

मुख्य बिंदु

- **ऐतिहासिक चुनौतियाँ:** ऐतिहासिक रूप से, उत्तर प्रदेश एक खराब औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र से जूझता रहा है, जिसने विदेशी निवेशकों को हतोत्साहित किया है। इसके लिये कई कारक ज़िम्मेदार थे, जिनमें शामिल हैं:
  - व्यापार सुगमता में निम्न रैंकिंग
  - एकीकृत सिंगल विंडो क्लीयरेंस सिस्टम का अभाव
  - अपर्याप्त **बुनियादी ढाँचा**
  - अस्पष्ट औद्योगिक नीतियाँ
  - अस्थिर कानून-व्यवस्था की स्थिति
- **FDI प्रवृत्तियों में बदलाव:** वर्ष **2000 से 2017** तक उत्तर प्रदेश में FDI मात्र **3,000 करोड़ रुपये** तक सीमित था, किंतु हाल के वर्षों में इसमें तीव्र वृद्धि हुई है।
  - अब उत्तर प्रदेश FDI के लिये भारत का **11वाँ सबसे आकर्षक राज्य** है। **अक्तूबर 2019 से सितंबर 2024** तक राज्य में कुल **1.7 अरब डॉलर** का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश हुआ है।
- **उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात** में उत्तर प्रदेश भारत में **प्रथम स्थान** पर है। वर्तमान में राज्य में **196** इलेक्ट्रॉनिक्स सिस्टम डिज़ाइन और विनिर्माण (ESDM) कंपनियाँ संचालित हैं।
- **प्रमुख नीतिगत सुधार:**
  - वर्ष **2018 में आयोजित** UP इन्वेस्टर्स समिट ने निवेश-हितैषी पहलों के लिये मंच तैयार किया।
    - इस समिट में 4.28 लाख करोड़ रुपये मूल्य के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए।
  - इस सफलता के आधार पर वर्ष 2023 में आयोजित ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट (GIS) में 33.50 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए।
- **प्रमुख नीतियाँ:**
  - उत्तर प्रदेश प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (FDI) फॉर्च्यून ग्लोबल 500 और फॉर्च्यून इंडिया 500 कंपनियों के निवेश संवर्द्धन हेतु नीति-2023
  - उत्तर प्रदेश औद्योगिक निवेश एवं रोज़गार संवर्द्धन नीति 2022
  - उत्तर प्रदेश ग्रीन हाइड्रोजन नीति 2024
  - उत्तर प्रदेश वैश्विक क्षमता केंद्र नीति 2024
- **परियोजना कार्यान्वयन:**
  - उत्तर प्रदेश सरकार ने **ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनीज़ (GBCs)** की अवधारणा शुरू की।
    - ये आयोजन राज्यव्यापी बड़े निवेश परियोजनाओं के शुभारंभ के मंच होते हैं।
  - अब तक हुई पहली चार GBCs में 16,000 से अधिक परियोजनाओं की शुरुआत हो चुकी है, जिनमें से 8,000 से अधिक परियोजनाएँ क्रियाशील हैं।
  - **आगामी GBC-5** के लिये राज्य सरकार ने 5 लाख करोड़ रुपये की परियोजनाओं के ग्राउंडिंग का लक्ष्य रखा है, जिसे बढ़ाकर 10 लाख करोड़ रुपये तक किया जा सकता है।
  - कुल निवेश का अधिकांश भाग विनिर्माण, सेवा और **अवसंरचना क्षेत्रों** में गया है, जिसमें **विनिर्माण क्षेत्र** को सर्वाधिक **62.25%** का हिस्सा प्राप्त हुआ है।

उत्तर प्रदेश आर्थिक अपराध शाखा का पुनर्गठन

चर्चा में क्यों?

केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (CBI) से प्रेरणा लेते हुए उत्तर प्रदेश आर्थिक अपराध शाखा (EOW) ने अपनी क्षमताओं को बढ़ाने के लिये **पुनर्गठन** किया है।

- नए उपायों में उन्नत प्रौद्योगिकी उपकरणों को अपनाने, **तीव्र अन्वेषण और वित्तीय अपराधों की रिपोर्ट** करने के लिये सार्वजनिक पहुँच में सुधार लाने पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

मुख्य बिंदु

प्रमुख सुधार और उपाय

- **उन्नत सार्वजनिक पहुँच:**
  - एक प्रमुख सुधार के तहत नागरिकों को **आर्थिक अपराधों** की रिपोर्ट करने के लिये आसान पहुँच प्रदान की गई है।
  - राज्य की आपातकालीन हेल्पलाइन 112 को **EOW** के साथ एकीकृत किया गया है, ताकि जनता पोंजी स्कीम धोखाधड़ी, **स्टांप धोखाधड़ी**, **मल्टी-मार्केटिंग धोखाधड़ी** आदि जैसे मामलों की रिपोर्ट कर सके।
- **व्यावसायिक विशेषज्ञता और प्रशिक्षण:**
  - EOW का लक्ष्य प्रवर्तन तथा सार्वजनिक पहुँच दोनों के संदर्भ में एक **मज़बूत और विश्वसनीय संस्थान** बनना है।
  - अपने अधिकारियों की **व्यावसायिकता** बढ़ाने के लिये CBI, प्रवर्तन निदेशालय तथा अन्य केंद्रीय एजेंसियों के विशेषज्ञों के साथ एक दिवसीय **कार्यशाला** का आयोजन किया गया।
    - कार्यशाला का उद्देश्य **वित्तीय अपराधों के विभिन्न स्वरूपों** के बारे में शिक्षित करना, **जाँच की बारीकियों** पर ध्यान देना तथा वित्तीय अपराध प्रवर्तन में **उभरती चुनौतियों** से निपटना था।
- **जन जागरूकता और शिक्षा:**
  - EOW की रणनीति का एक मुख्य भाग **जन जागरूकता** है।
  - एजेंसी ने नागरिकों को विभिन्न आर्थिक अपराधों के बारे में **शिक्षित करने** तथा उन्हें **सतर्क और सुरक्षित** रहने के लिये जागरूक करने हेतु **डिजिटल और प्रिंट** दोनों प्रारूपों में आठ **एनिमेटेड पुस्तिकाएँ** तैयार की हैं।
  - जनता को शामिल करने के लिये वित्तीय अपराध रोकथाम पर एक **लघु फिल्म** भी लॉन्च की गई, साथ ही एक नया **EOW लोगो** भी जारी किया गया।
- **तकनीकी उन्नयन:**
  - EOW अब परिचालन को **सुव्यवस्थित** करने के लिये **अत्याधुनिक उपकरणों** से सुसज्जित है, जिसमें **वास्तविक समय पर केस की निगरानी** और **तीव्र समाधान** हेतु 24x7 केस प्रबंधन सॉफ्टवेयर (CMS) भी शामिल है।

आर्थिक अपराध शाखा (EOW)

- **आर्थिक अपराधों से निपटने** के लिये CID के अंतर्गत वर्ष 1970 में **आर्थिक अपराध शाखा (EOW)** की स्थापना की गई थी, जिसका विस्तार वर्ष 1972 में 10 **सरकारी विभागों** से संबंधित अपराधों को शामिल करने हेतु किया गया।
- वर्ष 1977 में EOW को उत्तर प्रदेश पुलिस की एक **अलग और विशेष जाँच शाखा** के रूप में **पुनर्गठित** किया गया।
- वर्ष 2006 में EOW के **अधिकार क्षेत्र** को और अधिक विस्तृत कर दिया गया तथा इसमें सभी सरकारी विभागों में **आर्थिक अपराधों की जाँच एवं पूछताछ** को शामिल कर लिया गया।
- वर्ष 2018 में सरकार ने **लखनऊ, वाराणसी, मेरठ** और **कानपुर** में EOW क्षेत्रों के अंतर्गत **चार पुलिस स्टेशन** स्थापित किये।
- EOW का नेतृत्व **महानिदेशक, EOW** द्वारा किया जाता है, जिसका **मुख्यालय लखनऊ** में स्थित है। इसे **पाँच सेक्टरों** में विभाजित किया गया है, जिनमें से प्रत्येक का प्रबंधन **एसपी रैंक** के अधिकारी द्वारा किया जाता है।

पिंगली वेंकैया जयंती

चर्चा में क्यों?

2 अगस्त, 2025 को प्रधानमंत्री ने पिंगली वेंकैया की 149वीं जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की और भारत के राष्ट्रीय ध्वज के निर्माण में उनके अतुलनीय योगदान को रेखांकित किया, जो राष्ट्र की **एकता**, **विविधता** तथा **स्वतंत्रता** का प्रतीक है।

- प्रधानमंत्री ने नागरिकों से अपने घरों पर तिरंगा फहराकर 'हर घर तिरंगा' अभियान का समर्थन करने का भी आग्रह किया।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

मुख्य बिंदु

पिंगली वेंकैया के बारे में:

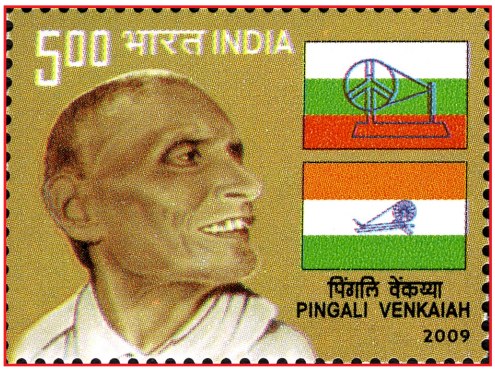

- उनका जन्म 2 अगस्त, 1876 को आंध्र प्रदेश के मछलीपट्टनम के पास भटलापेनुमरु **गाँव** में हुआ था और 4 जुलाई,1963 को 86 वर्ष की आयु में उनका निधन हो गया।
- उन्होंने 1899-1902 के दौरान द्वितीय बोअर युद्ध में भाग लिया।
- वर्ष 1913 में उन्होंने आंध्र प्रदेश के **बापटला** में जापानी भाषा में '**जापान वेंकैया**' नामक व्याख्यान दिया।
- **कंबोडिया कपास** पर अनुसंधान के कारण वे '**पट्टी वेंकय्या**' नाम से भी प्रसिद्ध थे।
- वर्ष 2009 में उनके योगदान के सम्मान में एक **डाक टिकट** जारी किया गया।

ध्वज का विकास

- वर्ष 1916 में पिंगली वेंकैया ने **भारत के लिये एक राष्ट्रीय ध्वज** शीर्षक से एक पुस्तिका प्रकाशित की, जिसमें भारत के संभावित ध्वज के लिये लगभग **30 डिज़ाइन** प्रस्तुत किये गए, जो अन्य देशों के ध्वजों से प्रेरित थे।
- राष्ट्रीय ध्वज के लिये **वेंकैया के डिज़ाइन को अंततः वर्ष** 1921 में **विजयवाड़ा** में कॉन्ग्रेस की बैठक में **महात्मा गांधी द्वारा अनुमोदित किया गया था।**
- प्रारंभिक ध्वज, जिसे **स्वराज ध्वज** कहा जाता था, में दो लाल और हरे रंग की पट्टियाँ थीं (जो हिंदू तथा मुस्लिम धार्मिक समुदायों का प्रतिनिधित्व करती थीं)। ध्वज में एक **चरखा** भी था, जो **स्वराज** का प्रतिनिधित्व करता था।
  - महात्मा गांधी ने **वेंकैया** को इसमें **शांति** का प्रतीक दर्शाने हेतु **सफेद पट्टी** जोड़ने की सलाह दी।
- **ध्वज समिति (1931)** ने लाल रंग को बदलकर **केसरिया** किया और रंगों को क्रमशः **केसरिया (ऊपर), सफेद (मध्य)** तथा **हरा (नीचे)** निर्धारित किया। सफेद पट्टी के मध्य में चरखा अंकित किया गया।
  - इन रंगों का समुदायों से नहीं, बल्कि **गुणों** से संबंध था, **केसरिया** साहस और बलिदान, **सफेद** सत्य और शांति तथा **हरा** विश्वास और शक्ति का प्रतीक था। चरखा **जनकल्याण** का प्रतीक था।
- स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद, राष्ट्रपति **डॉ. राजेंद्र प्रसाद** की अध्यक्षता में गठित राष्ट्रीय ध्वज समिति ने चरखे के स्थान पर अशोक चक्र को ध्वज में सम्मिलित किया।

ऑपरेशन महाकाल

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश की कानपुर पुलिस ने '**ऑपरेशन महाकाल**' के माध्यम से भू-माफिया और जबरन वसूली गिरोहों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की शुरुआत की है।

मुख्य बिंदु

- **अभियान के बारे में:**
  - यह अभियान **5 अगस्त 2025 को प्रारंभ किया गया**, जिसका उद्देश्य **अवैध भूमि कब्ज़ा** गतिविधियों की पहचान करना, उनके विरुद्ध विधिक कार्रवाई करना तथा इन गतिविधियों को संचालित करने वाले न केवल अपराधियों, बल्कि उन्हें सहयोग देने वाले प्रभावशाली व्यक्तियों को भी चिह्नित कर **सख्ती से कार्रवाई करना** है।
- **ऑपरेशन के चरण:** ऑपरेशन दो चरणों में संचालित किया जा रहा है:
  - **प्रथम चरण (5 सितंबर 2025 तक):** इसमें भूमि कब्ज़ा और जबरन वसूली में संलिप्त संदिग्ध व्यक्तियों की सूची तैयार करने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- **द्वितीय चरण (15 सितंबर 2025 से प्रारंभ):** इस चरण में कठोर कार्रवाई की जाएगी, जिसमें संपत्ति ज़ब्ती तथा आरोप दर्ज करने की प्रक्रिया शामिल होगी।

- **सहयोगियों के विरुद्ध कार्रवाई:**
  - भूमि माफिया का संबंध अनेक **श्वेतपोश पेशेवरों** से है, जिनमें **सरकारी कर्मचारी, जनप्रतिनिधि** तथा **पत्रकार** शामिल हैं।
  - इन समूहों के बीच हुई मिलीभगत की गहराई से जाँच की जाएगी और उनके विरुद्ध भी आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक का निधन

चर्चा में क्यों?

पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक का लंबी बीमारी के बाद 5 अगस्त 2025 को 79 वर्ष की आयु में निधन हो गया।

- उन्होंने **जम्मू-कश्मीर** सहित पाँच राज्यों के राज्यपाल के रूप में कार्य किया और वर्ष 2019 में अनुच्छेद 370 के निरसन के दौरान महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।

मुख्य बिंदु

- **प्रारंभिक जीवन:** सत्यपाल मलिक का जन्म 24 जुलाई 1946 को उत्तर प्रदेश के हिसावड़ा गाँव में हुआ था।
- **राजनीतिक यात्रा:**
  - वर्ष 1965 में मेरठ कॉलेज से अपना राजनीतिक जीवन शुरू किया।
  - **विधानसभा सदस्य:** वर्ष 1974 में **बागपत से विधायक** निर्वाचित हुए।
  - **राज्यसभा:** वर्ष 1980 में राज्यसभा में प्रवेश किया।
    - एक संक्षिप्त अंतराल के बाद वर्ष **1984 में पुन:** राज्यसभा के सदस्य बने।
  - **लोकसभा:** वर्ष 1989 में **अलीगढ़ से** लोकसभा **सदस्य** निर्वाचित हुए।
  - **राज्यपाल पद:**
    - बिहार (2017–2018)
    - ओडिशा (2018 में अतिरिक्त प्रभार)
    - जम्मू-कश्मीर (2018–2019)
    - गोवा (2019–2020)
    - मेघालय (2020–2022)

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन)
क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें!
क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें
क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग
क्लिक करें या स्कैन करें!

लखनऊ के चारबाग रेलवे स्टेशन के 100 वर्ष पूरे

चर्चा में क्यों?

1 अगस्त 2025 को लखनऊ स्थित चारबाग रेलवे स्टेशन ने अपने **100 वर्ष** पूरे कर लिये। इसकी **विशिष्ट** वास्तुकला और **ऐतिहासिक विरासत** लखनऊ की **अलग पहचान** का प्रतीक हैं।

मुख्य बिंदु

- **इतिहास और वास्तुकला:**
  - चारबाग रेलवे स्टेशन का निर्माण **मुगल, राजस्थानी और** अंग्रेज़ी स्थापत्य का सुंदर संगम है।
  - इसकी आधारशिला वर्ष **1914 में बिशप जॉर्ज हर्बर्ट** द्वारा रखी गई थी तथा निर्माण कार्य वर्ष **1923 में पूर्ण** हुआ।
  - इस भवन को **J.H. हॉर्निमैन** द्वारा **भारतीय-अंग्रेज़ स्थापत्य शैली** के समन्वय से निर्मित किया गया था।
  - 1 अगस्त 1925 को ईस्ट इंडिया रेलवे के एजेंट सी.एल. कॉल्विन ने इसी भवन के बुर्ज के भीतर एक **स्मृति-पेटिका** (casket) स्थापित की, जिसमें उस **समय का एक सिक्का और एक समाचार-पत्र रखा गया। य**ह भवन की नींव पूर्ण होने की स्मृति के रूप में किया गया था।
- **स्वतंत्रता आंदोलन में भूमिका:**
  - चारबाग स्टेशन स्वतंत्रता संग्राम के दौरान महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू और मौलाना आज़ाद जैसे प्रमुख नेताओं के आगमन का साक्षी रहा है।
  - ऐसा माना जाता है कि **गांधी जी और नेहरू के बीच पहली औपचारिक मुलाकात (26 दिसंबर 1916)** इसी स्टेशन पर हुई थी, जिससे यह एक महत्त्वपूर्ण ऐतिहासिक स्थल बन गया।

उत्तर प्रदेश ने छात्रों के लिये भरण-पोषण भत्ता बढ़ाया

चर्चा में क्यों?

प्री-मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना के तहत, उत्तर प्रदेश सरकार ने **दिव्यांग छात्रों** के लिये भरण-पोषण भत्ते को **2,000 रुपये से बढ़ाकर 4,000 रुपये प्रति माह** कर दिया है, जिससे राज्य के 28 आवासीय विद्यालयों में नामांकित 2,650 छात्रों को लाभ मिलेगा।

- उत्तर प्रदेश सरकार के आँकड़ों के अनुसार, **हर वर्ष 50 लाख से अधिक छात्र** राज्य की **छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति योजनाओं** से लाभान्वित होते हैं, जिनमें से लगभग **14 से 15 लाख छात्र** अनुसूचित जाति से संबंधित होते हैं।

मुख्य बिंदु

- **अयोग्यता मानदंड:**
  - अब **40 वर्ष से अधिक आयु के छात्र** छात्रवृत्ति के पात्र नहीं होंगे, जबकि पहले आवेदन के लिये कोई अधिकतम आयु सीमा नहीं थी।
  - जो छात्र **उत्तर प्रदेश से बाहर के राज्य बोर्डों** से हाईस्कूल परीक्षा उत्तीर्ण करते हैं, उन्हें अब छात्रवृत्ति नहीं मिलेगी; हालाँकि, CBSE और ICSE **जैसे केंद्रीय बोर्डों** से उत्तीर्ण छात्रों को यह लाभ मिलता रहेगा।
  - **उत्तर प्रदेश से बाहर स्थित विश्वविद्यालयों** द्वारा संचालित उत्तर प्रदेश के परिसरों में पढ़ने वाले छात्रों को भी संशोधित योजना के अंतर्गत छात्रवृत्ति से वंचित कर दिया गया है।
- **अनिवार्य डिजिलॉकर:**
  - **छात्रवृत्ति आवेदकों** के लिये अब डिजिलॉकर **पंजीकरण अनिवार्य** होगा, जिससे **स्वचालित आधार-आधारित डाटा सत्यापन** संभव हो सकेगा और **धोखाधड़ी की घटनाएँ** रोकी जा सकेंगी।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- **अनुसूचित जाति के छात्रों के लिये राशि में वृद्धि:**
  - अनुसूचित जाति (SC) के छात्रों के लिये **वार्षिक छात्रवृत्ति राशि** में **500 रुपये** की वृद्धि की जाएगी, जिससे कुल राशि **3,500 रुपये प्रति वर्ष** हो जाएगी।
- **विशेष छूट:**
  - **प्री-मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना** के अंतर्गत **अस्वच्छ पेशों** (जैसे, मैला ढोने, कच्चे चमड़े से संबधित कार्य आदि) से जुड़े परिवारों के बच्चों के लिये **आय सीमा की बाध्यता समाप्त** कर दी गई है, जिससे उन्हें **छात्रवृत्ति योजना** का लाभ मिल सके।

नोट:

- दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016 के अनुसार, **21 प्रकार की दिव्यांगताएँ** मान्यता प्राप्त हैं, जिनमें **दृष्टि बाधिता, श्रवण बाधिता, वाणी एवं भाषा विकार, बौद्धिक दिव्यांगता, बहु दिव्यांगता, सेरेब्रल पाल्सी और बौनापन** आदि शामिल हैं।

निवेश मित्र पोर्टल 3.0

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश के निवेश मित्र पोर्टल 3.0 **प्रक्रियात्मक विलंब** तथा लालफीताशाही को कम करके व्यापार करने में **सुगमता** को बढ़ाने के उद्देश्य से विकसित किया गया है।

मुख्य बिंदु

- **निवेश मित्र 3.0 के बारे में:**
  - **निवेश मित्र 3.0** एक **उन्नत, डिजिटल सिंगल-विंडो प्लेटफॉर्म** है जिसे **उत्तर प्रदेश सरकार** द्वारा **निवेश प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित** करने, **अनुमोदन में तीव्रता** लाने और **एकीकरण, स्वचालन** तथा AI-संचालित उपकरणों के माध्यम से **व्यापार सुगमता** बढ़ाने के लिये लॉन्च किया गया है।
- **विशेषताएँ:**
  - **एकीकृत डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र:** यह केंद्र और राज्य सरकार के पोर्टलों के साथ बेहतर **अंतर-संचालन** प्रदान करता है तथा सभी विभागों में निवेशक सेवाओं के लिये एक **समन्वित और एकीकृत इंटरफ़ेस** उपलब्ध कराता है।
  - **संशोधित सामान्य आवेदन प्रपत्र (CAF):** गतिशील आवेदन प्रपत्र अब **कई भाषाओं** में उपलब्ध है और **उपयोगकर्त्ता प्रोफाइल** के अनुकूल है, जिससे निवेशकों के लिये आवश्यक अनुमोदनों की पहचान करना तथा कुशलतापूर्वक आवेदन करना आसान हो जाता है।
  - **GIS-सक्षम भूमि बैंक:** निवेशक भौगोलिक सूचना प्रणाली (GIS) प्रौद्योगिकी का उपयोग करके केंद्रीकृत, वास्तविक समय भूमि डाटा तक पहुँच सकते हैं, जिससे कुशल भूमि चयन और नोडल एजेंसियों के साथ सहयोग संभव हो सकेगा।
  - **स्मार्ट डैशबोर्ड और रियल-टाइम एनालिटिक्स:** यह पोर्टल ज़िलावार **KPI रैंकिंग,** औद्योगिक पार्क रेटिंग और कार्रवाई योग्य जानकारी प्रदान करता है, जिससे निवेशकों तथा प्रशासन दोनों को प्रगति की निगरानी एवं निर्णय लेने में सहायता मिलती है।
  - **AI-संचालित बहुभाषी चैटबॉट:** कृत्रिम बुद्धिमत्ता-आधारित चैटबॉट त्वरित, बहुभाषी समर्थन और **शिकायत निवारण** प्रदान करते हैं, जिससे **प्रतिक्रिया समय** एवं **उपयोगकर्त्ता अनुभव** में काफी सुधार होता है।
  - **उन्नत शिकायत निवारण:** संपूर्ण शिकायत और फीडबैक प्रक्रिया स्वचालित है तथा पारदर्शिता तथा **तीव्र समाधान** के लिये **डिजिटल चैनलों** के माध्यम से संचालित की जाती है।
  - **सेवा वितरण समयसीमा में कमी:** इस प्लेटफॉर्म का उद्देश्य सेवा वितरण की समय सीमा में 30–50% तक की कटौती करना, **प्रक्रियागत देरी को न्यूनतम** करना तथा **भौतिक दस्तावेज़ीकरण** और **सरकारी कार्यालयों के चक्कर लगाने** की आवश्यकता को कम करना है।
  - **अनुपालन में कमी और विनियमन में ढील:** 45 विभागों में 4,600 से अधिक सुधारों को एकीकृत करके, जिसमें

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

फॉर्मों का सरलीकरण और **कानूनी आवश्यकताओं का विनियमन** शामिल है, **निवेश मित्र 3.0** का लक्ष्य एक अधिक **व्यापार-अनुकूल वातावरण** बनाना है।

- **व्यापक विभागीय कवरेज:** यह प्रणाली श्रम, अग्निशमन, आवास, शहरी नियोजन और पर्यावरण मंज़ूरी सहित 44 से अधिक विभागों की **525 से अधिक सेवाओं** को कवर करती है।

क्षमता निर्माण आयोग की नई अध्यक्ष

चर्चा में क्यों?

श्रीमती **एस. राधा चौहान** ने नई दिल्ली में क्षमता निर्माण आयोग के अध्यक्ष का पदभार ग्रहण किया। उन्होंने श्री **आदिल जैनुल भाई** का स्थान लिया, जो अप्रैल 2021 से इस पद पर थे।

- श्रीमती चौहान **उत्तर प्रदेश कैडर** (1988 बैच) की सेवानिवृत्त IAS अधिकारी हैं और उन्होंने कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग (DoPT) की सचिव के रूप में भी कार्य किया है।

मुख्य बिंदु

क्षमता निर्माण आयोग के बारे में:

- क्षमता निर्माण आयोग (CBC) पूर्ण कार्यकारी प्राधिकार वाला एक स्वायत्त निकाय **है, जो अप्रैल 2021 से कार्यरत है।**
- यह एक **तीन सदस्यीय आयोग है, जिसे** एक सचिव की अध्यक्षता वाले आंतरिक सचिवालय द्वारा सहायता प्रदान की जाती है।
- आयोग के सदस्य निजी क्षेत्र, शिक्षा जगत, सार्वजनिक क्षेत्र और **नागरिक समाज** जैसी विविध पृष्ठभूमियों से नियुक्त किये जाते हैं।
- आयोग का दायित्व भारत की नागरिक सेवाओं के परिदृश्य में **मानकीकरण** और **सामंजस्य** को आगे बढ़ाना है।
- **नागरिक सेवाओं के क्षमता निर्माण सुधारों** के संरक्षक के रूप में यह आयोग मिशन कर्मयोगी के संस्थागत ढाँचे में केंद्रीय भूमिका निभाता है।

मिशन कर्मयोगी

- **मिशन कर्मयोगी** को भारत सरकार द्वारा सितंबर 2020 में राष्ट्रीय सिविल सेवा क्षमता निर्माण कार्यक्रम (NPCSCB) के रूप में लॉन्च किया गया था।
- इसका उद्देश्य भारतीय **सिविल सेवकों** को अधिक **रचनात्मक**, **सक्रिय**, **पेशेवर**, **ऊर्जावान**, **पारदर्शी** और **प्रौद्योगिकी सक्षम** बनाकर भविष्य के लिये तैयार करना है।

11वाँ राष्ट्रीय हथकरघा दिवस

चर्चा में क्यों?

7 अगस्त 2025 को वस्त्र मंत्रालय ने भारत के हथकरघा क्षेत्र का उत्सव मनाते हुए 11वें राष्ट्रीय हथकरघा दिवस (NHD) का आयोजन किया, जिसका विषय था- **"वीविंग इनोवेशन इन्टू ट्रडिशन"**।

- 11वें NHD के अवसर पर **भारत मंडपम** में भारत के राष्ट्रपति ने वर्ष 2024 के लिये प्रतिष्ठित **5 संत कबीर हथकरघा पुरस्कार** तथा **19 राष्ट्रीय हथकरघा पुरस्कार** प्रदान किये।

मुख्य बिंदु

- **राष्ट्रीय हथकरघा दिवस के बारे में:**
  - 7 अगस्त 2015 को स्थापित NHD, 7 अगस्त 1905 से प्रारंभ हुए स्वदेशी आंदोलन की ऐतिहासिक स्मृति में मनाया जाता है, जिसने स्वदेशी **हथकरघा बुनाई उद्योगों** को प्रोत्साहन दिया।
    - NHD भारतीय हथकरघा के पीछे के कुशल **शिल्प कौशल** और **रचनात्मकता** का उत्सव मनाता है तथा एक समृद्ध **सांस्कृतिक विरासत** के रूप में उनके महत्त्व को मान्यता देता है।
  - **राष्ट्रीय हथकरघा विकास निगम (NHDC)** के साथ साझेदारी में मंत्रालय ने **एक्सक्लूसिव हैंडलूम एक्सपो** और **"हाट ऑन व्हील्स" मोबाइल रिटेल** पहल भी शुरू की।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- राष्ट्रीय हथकरघा दिवस के उपलक्ष्य में 1 से 7 अगस्त 2025 तक एक सप्ताह तक चलने वाले कार्यक्रम के रूप में वस्त्र मंत्रालय द्वारा **"अपने बुनकरों को जानें अभियान 2025"** भी शुरू किया गया।

हथकरघा पुरस्कार

- इन पुरस्कारों का उद्देश्य हथकरघा उद्योग में **उत्कृष्टता** को सम्मानित करना तथा ऐसे व्यक्तियों और संगठनों को मान्यता देना है जिन्होंने **शिल्प कौशल**, **नवाचार** तथा **विकास** में योगदान के मानक स्थापित किये हैं।

पुरस्कारों की श्रेणियाँ:

आयाम	संत कबीर हथकरघा पुरस्कार	राष्ट्रीय हथकरघा पुरस्कार
उद्देश्य	क्षेत्र के विकास और परंपरा में महत्त्वपूर्ण योगदान के लिये उत्कृष्ट हथकरघा बुनकरों को सम्मानित किया जाता है।	असाधारण शिल्प कौशल, समर्पण और नवाचार के लिये बुनकरों का सम्मान किया जाता है।
पात्रता	उत्कृष्ट हथकरघा बुनकर; इसमें राष्ट्रीय/राज्य पुरस्कार विजेता, योग्यता प्रमाण-पत्र धारक या असाधारण योगदानकर्त्ता शामिल हो सकते हैं।	अनुकरणीय शिल्प कौशल, नवाचार और समर्पण वाले बुनकर।
नकद राशि	3.5 लाख रुपये	2 लाख रुपये

हथकरघा क्षेत्र

परिचय:

- **हथकरघा क्षेत्र** भारत की ग्रामीण अर्थव्यवस्था और **सांस्कृतिक विरासत** का आधार बना हुआ है, जो 35 लाख से अधिक लोगों को **रोज़गार** प्रदान करता है जिसमें 70% महिलाएँ हैं।

वैश्विक उपस्थिति:

- भारत विश्व का एकमात्र प्रमुख देश है जो **व्यावसायिक स्तर** पर हथकरघा कपड़ों का उत्पादन करता है और यह वैश्विक हस्त-बुने कपड़ों के उत्पादन का लगभग **95%** हिस्सा है।
- भारत के **हथकरघा निर्यात** की वैश्विक बाज़ारों में मजबूत मांग बनी हुई है, जो 20 से अधिक देशों तक पहुँच रही है।
  - वित्त वर्ष 2024-25 में **संयुक्त राज्य अमेरिका** सबसे बड़ा निर्यात गंतव्य रहा, जहाँ 331.56 करोड़ रुपये के हथकरघा उत्पादों का निर्यात किया गया।

प्रमुख योजनाएँ:

- **राष्ट्रीय हथकरघा विकास कार्यक्रम (NHDP):** आत्मनिर्भर और प्रतिस्पर्द्धी इकाइयों का गठन करके मान्यता प्राप्त समूहों के भीतर तथा बाहर **हथकरघा बुनकरों** के सतत् विकास को बढ़ावा देना।
- **कच्चा माल आपूर्ति योजना (RMSS):** सस्ती कीमतों पर गुणवत्ता वाले **धागे** की उपलब्धता सुनिश्चित करके **हथकरघा बुनकरों** को समर्थन देना।
- **मुद्रा ऋण:** बुनकरों को बैंकों के माध्यम से 6% की कम ब्याज दर पर सब्सिडी युक्त ऋण प्रदान करना।

WHO–IRCH अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला

चर्चा में क्यों?

आयुष मंत्रालय के भारतीय चिकित्सा एवं होम्योपैथी फार्माकोपिया आयोग (PCIM&H) ने गाज़ियाबाद स्थित अपने मुख्यालय में **"हर्बल औषधियों की सुरक्षा और विनियमन"** (कार्य समूह-1) तथा **"हर्बल औषधियों की प्रभावकारिता** तथा **इच्छित उपयोग"** (कार्य समूह-3) पर WHO–हर्बल औषधियों के लिये अंतर्राष्ट्रीय नियामक सहयोग (IRCH) कार्यशालाओं के उद्घाटन सत्र की मेज़बानी की।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- कार्य समूह 1 और 3 के लिये अग्रणी देश के रूप में भारत, WHO-IRCH मंच के माध्यम से अंतर्राष्ट्रीय **नियामक सहयोग** को मज़बूत करने के लिये प्रतिबद्ध है।

मुख्य बिंदु

- **कार्यशाला के बारे में:**
  - आयुष मंत्रालय और विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित यह वैश्विक तकनीकी कार्यशाला 6 से 8 अगस्त 2025 तक आयोजित हुई, जिसमें WHO के सदस्य देशों, **नियामक प्राधिकरणों**, **शिक्षाविदों**, **अनुसंधान निकायों** और हर्बल औषधि उद्योग के वरिष्ठ प्रतिनिधियों ने भाग लिया।
  - इसका उद्देश्य **नियामक अभिसरण**, **गुणवत्ता आश्वासन** और स्वास्थ्य देखभाल की **पारंपरिक प्रणालियों** में **हर्बल औषधियों** की नैदानिक प्रासंगिकता जैसे प्रमुख पहलुओं पर विचार-विमर्श करना था।
  - एजेंडा में हर्बल औषधि **मानकीकरण तकनीकों** जैसे **फार्माकोग्नोस्टिक**, **रासायनिक** और **तत्त्व विश्लेषण** में व्यावहारिक प्रशिक्षण सत्र शामिल थे।
  - अंतर्राष्ट्रीय प्रतिभागियों को **नैदानिक**, **शैक्षणिक** और **विनिर्माण पद्धतियों** का प्रत्यक्ष अनुभव देने के लिये प्रमुख **आयुष संस्थानों** का दौरा भी कराया गया।
  - कार्यशालाओं में WHO-IRCH के अंतर्गत कई देशों के प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिनमें पोलैंड, **नेपाल**, **भूटान**, ब्रुनेई दारुस्सलाम, **जापान**, **इंडोनेशिया**, **श्रीलंका**, पैराग्वे आदि शामिल हैं।

भारतीय चिकित्सा एवं होम्योपैथी के लिये फार्माकोपिया आयोग (PCIM&H)

- PCIM&H, **आयुष मंत्रालय**, भारत सरकार के अधीन एक अधीनस्थ कार्यालय है।
- फार्माकोपिया और फार्मूलरी का विकास तथा भारतीय चिकित्सा एवं होम्योपैथी प्रणालियों के लिये केंद्रीय **औषधि परीक्षण सह अपीलीय प्रयोगशाला** के रूप में कार्य करना इसके प्रमुख कार्यक्षेत्र हैं।

हर्बल औषधियों के लिये अंतर्राष्ट्रीय नियामक सहयोग (IRCH)

- IRCH की स्थापना वर्ष 2006 में हुई थी। यह हर्बल औषधियों के विनियमन के लिये ज़िम्मेदार **नियामक प्राधिकरणों** का एक वैश्विक नेटवर्क है।
- **मिशन:**
  - WHO की सिफारिशों में सहायता हेतु **सर्वोत्तम प्रथाओं का आदान-प्रदान और सहयोग**।
  - हर्बल औषधियों के **सुरक्षित उपयोग** के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा स्वास्थ्य एवं कल्याण में इनके योगदान को प्रोत्साहित करना।

राष्ट्रीय मत्स्यपालक दिवस 2025

चर्चा में क्यों?

भारत की खाद्य सुरक्षा को **मज़बूत** करने, **मछली-आधारित प्रोटीन** की मांग को पूरा करने और ग्रामीण **रोज़गार** को बढ़ावा देने में **मत्स्यपालकों** के अथक प्रयास का सम्मान करने के लिये ICAR-केंद्रीय मीठाजल जीवपालन अनुसंधान संस्थान (CIFA) में 10 जुलाई, 2025 को राष्ट्रीय मत्स्यपालक दिवस मनाया गया।

मुख्य बिंदु

- **विरासत का सम्मान:**
  - राष्ट्रीय मत्स्यपलक दिवस वर्ष 1957 में **प्रोफेसर डॉ. हीरालाल चौधरी और डॉ. के.एच. अलीकुन्ही** द्वारा किये गए कार्यों की स्मृति में मनाया जाता है, जिन्होंने **हाइपोफिसेशन तकनीक** के माध्यम से भारतीय मत्स्य पालन में क्रांतिकारी परिवर्तन किया।
  - इस तकनीक ने **भारतीय मेजर कार्प्स** में कृत्रिम प्रजनन और प्रजनन को संभव बनाया। यह वैज्ञानिक उपलब्धि भारत में अंतर्देशीय जलीय कृषि (Inland Aquaculture) के विकास का मार्ग प्रशस्त करने वाली सिद्ध हुई।
- **प्रमुख पहल और निवेश:**
  - वर्ष 2015 से अब तक भारत सरकार ने मत्स्य क्षेत्र में 38,572 करोड़ रुपये का निवेश किया है।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- मत्स्य उत्पादन वित्त वर्ष 2013-14 में 95.79 लाख टन से बढ़कर वित्त वर्ष 2024-25 में 195 लाख टन हो गया है।
- भारत झींगा निर्यात में वैश्विक अग्रणी बन चुका है, जो 60,500 करोड़ रुपये से अधिक हो गया है तथा पिछले एक दशक में झींगा उत्पादन में 270% की वृद्धि हुई है।

भारत के मत्स्य पालन क्षेत्र की स्थिति

- भारत, **चीन** के बाद विश्व का दूसरा सबसे बड़ा **मछली उत्पादक** तथा दूसरा सबसे बड़ा जलीय कृषि देश है।
- भारत समुद्री उत्पादों का चौथा सबसे बड़ा **निर्यातक** बन गया है, जो वित्त वर्ष 2014-15 के आठवें स्थान से उल्लेखनीय सुधार दर्शाता है।
  - **अंतर्देशीय मत्स्य पालन** कुल उत्पादन का 75% से अधिक है।
- **शीर्ष मछली उत्पादक राज्य:** आंध्र प्रदेश, पश्चिम बंगाल, कर्नाटक।

केंद्रीय मीठाजल जीवपालन अनुसंधान संस्थान (CIFA)

- **स्थापना:** 1949 में ओडिशा के कटक स्थित CIFRI के तालाब संस्कृति प्रभाग (Pond Culture Division) से उत्पत्ति।
- यह भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (ICAR) के अधीन कार्य करता है।
- **उद्देश्य:**
  - **यह सतत् एवं विविधीकृत मीठे पानी की जलीय कृषि** प्रथाओं पर ध्यान केंद्रित करता है।
  - उत्पादकता, गुणवत्ता, **जल उपयोग दक्षता** और **कृषि** आय को बढ़ाना इसका मुख्य उद्देश्य है।

विश्व शेर दिवस 2025

चर्चा में क्यों?

10 अगस्त 2025 को पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (MoEF&CC) ने **गुजरात वन एवं पर्यावरण विभाग** के सहयोग से गुजरात के **द्वारका ज़िले** स्थित **बरदा वन्यजीव अभयारण्य** में विश्व शेर दिवस का आयोजन किया।

- यह कार्यक्रम एशियाई सिंह (Panthera leo persica) के संरक्षण हेतु चलाये जा रहे प्रोजेक्ट लायन के अंतर्गत प्राप्त उपलब्धियों के उत्सव के रूप में आयोजित किया गया।

मुख्य बिंदु

- **शेर गणना**
  - मई 2025 के **शेर** गणना अनुमान (16वीं जनगणना) के अनुसार गुजरात में शेरों की संख्या वर्ष 2020 से 32% बढ़ी है, जो 674 से बढ़कर 891 हो गई है।
  - **बर्दा वन्यजीव अभयारण्य** जो बड़े गिर शेर परिदृश्य का हिस्सा है, 17 **एशियाई शेरों** का आवास है।
- **प्रोजेक्ट लायन के बारे में**
  - यह गुजरात के **गिर परिदृश्य** में **एशियाई शेरों** के भविष्य को सुरक्षित करने के लिये वर्ष 2020 में लॉन्च किया गया।
  - **लक्षित क्षेत्र:** आवास सुधार, पारिस्थितिकी तंत्र स्वास्थ्य और मानव-वन्यजीव संघर्ष शमन।
- **प्रयुक्त प्रौद्योगिकियाँ:**
  - **रेडियो कॉलर** और **कैमरा ट्रैप:** शेर की गतिविधियों पर नज़र रखने के लिये।
  - **GPS ट्रैकिंग:** शेरों और वाहनों की प्रभावी निगरानी सुनिश्चित करने हेतु।
  - **स्वचालित सेंसर ग्रिड:** इसमें वन्यजीव ट्रैकिंग के लिये चुंबकीय, गति और अवरक्त ताप सेंसर शामिल हैं।
  - **GIS-आधारित वास्तविक समय निगरानी:** समयबद्ध विश्लेषण और संरक्षण प्रबंधन को सक्षम बनाने हेतु।

शेरों के बारे में मुख्य तथ्य

- **शेर** को दो उप-प्रजातियों में विभाजित किया गया है: **अफ्रीकी शेर** (*Panthera leo leo*) और **एशियाई शेर** (*Panthera leo persica*)।
  - **एशियाई शेर** अफ्रीकी शेरों से थोड़े छोटे होते हैं।
- **विशेषताएँ:**
  - शेर अपनी विशिष्ट विशेषताओं के लिये जाने जाते हैं, जिसमें नर शेरों में गहरे भूरे रंग का **फर**, गुच्छेदार **पूँछ** और **अयाल** शामिल हैं।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- ये सामाजिक प्राणी हैं और **प्राइड** नामक समूहों में रहते हैं। एक प्राइड में सामान्यत: कई मादाएँ, उनके शावक तथा कुछ वयस्क नर शामिल होते हैं।

- **वितरण और आवास:**
  - शेर उप-सहारा अफ्रीका में पाये जाते हैं, जबकि एक छोटी आबादी भारत के गिर राष्ट्रीय उद्यान में पाई जाती है।
- **संरक्षण स्थिति:**
  - IUCN रेड लिस्ट:
    - अफ्रीकी सिंह — **सुभेद्य** (वैश्विक स्तर पर)
    - एशियाई सिंह — **सुभेद्य**
  - **IUCN ग्रीन स्टेटस ऑफ स्पीशीज़ असेसमेंट:** शेर: **लार्जली डिप्लीटेड** श्रेणी
  - CITES: भारत की आबादी- परिशिष्ट-I; अन्य सभी आबादियाँ- परिशिष्ट-II
  - वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972: अनुसूची-I और IV
- **भारत में संरक्षण प्रयास:**
  - प्रोजेक्ट लायन
  - एशियाई सिंह संरक्षण परियोजना

बिजनौर जेल में सचींद्रनाथ बख्शी का सम्मान

चर्चा में क्यों?

काकोरी ट्रेन एक्शन के गुमनाम नायक **सचींद्रनाथ बख्शी को बिजनौर जेल में उनके स्मारक पर सम्मानित किया** गया है, जहाँ आजीवन कारावास की सज़ा सुनाए जाने के बाद उन्हें कैद किया गया था।

- 11 अगस्त, 2023 को **'स्मृतिका'** नामक स्मारक का उद्घाटन किया गया, जिसमें **बख्शी** की **प्रतिमा** के साथ-साथ ब्रिटिश काल के दौरान जेल में बंद **419** स्वतंत्रता सेनानियों के उत्कीर्ण नाम भी शामिल हैं।

मुख्य बिंदु

- **काकोरी ट्रेन एक्शन में भूमिका (9 अगस्त, 1925):**
  - बख्शी ने क्रांतिकारियों अशफाकउल्ला खान, चंद्रशेखर आज़ाद और **राजेंद्र लाहिड़ी** के साथ मिलकर **1925 के काकोरी ट्रेन एक्शन** में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई, जहाँ उन्होंने भारत की स्वतंत्रता के लिये ब्रिटिश खजाने को लूटा (अस्त्र-शस्त्र की प्राप्ति हेतु)।
  - उन्होंने ट्रेन के गार्ड डिब्बे पर हमला कर धन से भरा संदूक अपने कब्ज़े में लिया।
- **बख्शी का योगदान:**
  - टिकट की खरीद और इमरजेंसी चेन खींचने का कार्य बक्शी ने किया, जिससे यह क्रांतिकारी घटना संभव हो पाई।
- **बख्शी की विरासत:**
  - गिरफ्तारी के बाद बख्शी को आजीवन कारावास की सज़ा सुनाई गई, जबकि उनके अन्य साथियों को फाँसी दी गई।
  - उनका संस्मरण, **'क्रांति के पथ पर'**, उनके भाग्य में असमानता के बारे में उनकी भावनात्मक व्यथा को दर्शाता है।
  - बाद में उन्हें रिहा कर दिया गया और भारत की स्वतंत्रता के बाद **भी वे राजनीति में भाग लेते** रहे।
  - उन्होंने **स्वतंत्रता सेनानियों को राजनीतिक कैदी के रूप में मान्यता देने की मांग** के लिये विरोध प्रदर्शन और भूख हड़ताल (53 दिन) का नेतृत्व किया।

सचींद्रनाथ बख्शी

- **जन्म:** 25 दिसंबर, 1904 (वाराणसी, उत्तर प्रदेश)
- **मृत्यु:** 23 नवंबर, 1984 (सुल्तानपुर, उत्तर प्रदेश)
- **भूमिका:** प्रमुख स्वतंत्रता सेनानी, हिंदुस्तान रिपब्लिकन आर्मी (HRA) के **संस्थापक**
- **HRA का गठन:** वर्ष 1924 में, जिसका उद्देश्य ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन के विरुद्ध सशस्त्र संघर्ष करना था।
- **प्रारंभिक योगदान:**
  - वाराणसी में HRA के सिद्धांतों का प्रचार-प्रसार किया।
  - संगठन के विस्तार हेतु **झाँसी** स्थानांतरित होकर कार्य किया।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

कन्नौज FSL ने ISO 9001:2015 प्रमाणन प्राप्त किया

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश में कन्नौज फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला (FSL), ISO 9001:2015 गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली प्रमाणन प्राप्त करने वाली **राज्य की पहली प्रयोगशाला** बन गई है।

मुख्य बिंदु

- **प्रमाणन के बारे में:**
  - 8 अगस्त, 2025 को **तकनीकी सेवा मुख्यालय** के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक नवीन अरोरा ने यह प्रमाण-पत्र उत्तर प्रदेश के पुलिस महानिदेशक **राजीव कृष्ण** को औपचारिक रूप से प्रदान किया।
  - यह प्रमाणन प्रयोगशाला की फॉरेंसिक जाँच और विश्लेषण में उच्च मानकों की मान्यता देता है, जो क्षेत्र की कानून प्रवर्तन एजेंसियों को महत्त्वपूर्ण सहयोग प्रदान करती है।
  - प्रयोगशाला ने ISO 9001:2015 मानकों को पूरा करने के लिये विभिन्न परिचालन क्षेत्रों में **महत्त्वपूर्ण सुधार किये,** जैसे उन्नत उपकरण, भंडारण, स्टाफ सेवाएँ, नमूना संग्रह और ऑडिट।
- **महत्त्व:**
  - यह प्रमाणन न केवल कन्नौज प्रयोगशाला के परिचालन ढाँचे को मज़बूत बनाता है, बल्कि न्यायिक कार्यवाही में प्रस्तुत किये जाने वाले फॉरेंसिक साक्ष्यों की **विश्वसनीयता** भी बढ़ाता है।

उत्तर प्रदेश में फोरेंसिक प्रयोगशालाएँ

- वर्ष 2025 के मध्य तक, उत्तर प्रदेश में **कुल 12** (लखनऊ, वाराणसी, आगरा और गाज़ियाबाद, झाँसी, कन्नौज, प्रयागराज, गोरखपुर, बरेली, गोंडा, अलीगढ़ तथा मुरादाबाद) **परिचालन फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशालाएँ हैं** तथा 6 (अयोध्या, बस्ती, बाँदा, आज़मगढ़, मिर्ज़ापुर एवं सहारनपुर) और **प्रयोगशालाएँ स्थापित करने की प्रक्रिया चल रही है,** जिससे राज्य में **कुल फोरेंसिक प्रयोगशालाओं की संख्या 18** हो जाएगी।

ISO 9001:2015 प्रमाणन

- ISO 9001:2015 प्रमाणन गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली (QMS) के लिये एक **अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर** मान्यता प्राप्त मानक है, **जिसे** अंतर्राष्ट्रीय मानकीकरण संगठन (ISO) **द्वारा प्रकाशित** किया जाता है।
- **ISO** एक स्वतंत्र, गैर-सरकारी अंतर्राष्ट्रीय संगठन **है,** जो सर्वोत्तम प्रथाओं को स्थापित करने के लिये वैश्विक विशेषज्ञों को एकजुट करता है।
- किसी भी आकार या क्षेत्र के संगठन ग्राहक और **नियामक आवश्यकताओं को पूरा करने वाले उत्पाद** तथा **सेवाएँ** लगातार प्रदान करने की अपनी क्षमता प्रदर्शित करने के लिये इस प्रमाणन का प्रयास कर सकते हैं।
- इसके लाभों में **ग्राहकों का विश्वास बढ़ना,** कार्यकुशलता में सुधार, बाज़ार तक आसान पहुँच तथा निरंतर व्यावसायिक सुधार के लिये एक संरचित दृष्टिकोण शामिल हैं।

काकोरी ट्रेन कार्रवाई की शताब्दी

चर्चा में क्यों?

सौ वर्ष पहले, **9 अगस्त, 1925** को, **राम प्रसाद बिस्मिल** और **सचींद्रनाथ बक्शी** सहित दस युवा क्रांतिकारियों ने ब्रिटिश रेलवे खजाने पर एक साहसिक लूट को अंजाम दिया, जिसे काकोरी ट्रेन एक्शन के नाम से जाना जाता है।

- काकोरी ट्रेन एक्शन के क्रांतिकारियों को सम्मानित करने के लिये उत्तर प्रदेश ने काकोरी-मलिहाबाद क्षेत्र के अपने प्रसिद्ध दशहरी आमों को नए नाम '**काकोरी ब्रांड**' के तहत पुन: ब्रांड किया है।

मुख्य बिंदु

काकोरी कांड के बारे में:

- **घटना:**
  - यह घटना शाहजहाँपुर से लखनऊ जाने वाली **नंबर 8 डाउन पैसेंजर ट्रेन** की लूट से संबंधित थी।
  - ट्रेन में ब्रिटिश सरकार की **आधिकारिक नकदी (रेलवे संग्रह)** ले जाई जा रही थी, जिसका उपयोग ब्रिटिश

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

औपनिवेशिक शासन को कमज़ोर करने हेतु क्रांतिकारी गतिविधियों में किया जाना था।

- **प्रमुख व्यक्ति:**
  - **राम प्रसाद बिस्मिल**, अशफाकुल्लाह **खाँ**, **चंद्रशेखर आज़ाद**, **मन्मथनाथ गुप्ता** और राजेंद्र **नाथ लाहिड़ी**, सभी हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन (HRA) के प्रमुख सदस्य थे।
  - इस घटना में 17 लोगों को जेल हुई, 4 को आजीवन कारावास और 4 (**राम प्रसाद बिस्मिल, अशफाकउल्लाह, रोशन सिंह** तथा **राजेंद्र लाहिड़ी**) को फाँसी दी गई।
- **स्वतंत्रता संग्राम पर प्रभाव:**
  - काकोरी ट्रेन एक्शन ने HRA को आवश्यक आर्थिक मज़बूती प्रदान की, जिससे इसका विस्तार हुआ और बाद में यह चंद्रशेखर आज़ाद के नेतृत्व में **हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन (HSRA)** में परिवर्तित हो गया।

हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन (HRA)

- HRA की स्थापना **अक्तूबर, 1924** में कानपुर में **राम प्रसाद बिस्मिल**, **जोगेश चंद्र चटर्जी** और **सचिन सान्याल** द्वारा की गई थी, जिसका उद्देश्य औपनिवेशिक सरकार को उखाड़ फेंकने के लिये एक सशस्त्र क्रांति का आयोजन करना था तथा इसके स्थान पर **संयुक्त राज्य भारत के संघीय** गणराज्य की स्थापना करना था, जिसका मूल तत्त्व वयस्क मताधिकार था।

हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन (HSRA)

- काकोरी घटना की प्रतिकूलता को पार करने के लिये, समाजवादी विचारों से प्रेरित युवा क्रांतिकारियों ने **सितंबर 1928** में **दिल्ली** स्थित **फिरोज़शाह कोटला** के खंडहरों में आयोजित एक ऐतिहासिक बैठक में **हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन** के पुनर्गठन का संकल्प लिया।
- चंद्रशेखर आज़ाद के नेतृत्व में HRA का नाम बदलकर हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन (HSRA) कर दिया गया।
- प्रतिभागियों में **पंजाब से** भगत सिंह, सुखदेव थापर, **भगवती चरण वोहरा** और संयुक्त प्रांत से **बिजॉय कुमार सिन्हा, शिव वर्मा** तथा **जयदेव कपूर** शामिल थे।
- HSRA ने सामूहिक नेतृत्व के तहत काम करने का निर्णय लिया और समाजवाद को अपना आधिकारिक **लक्ष्य बनाया**।

विश्व हाथी दिवस 2025

चर्चा में क्यों?

12 अगस्त, 2025 को पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (MoEF&CC) ने तमिलनाडु वन विभाग के सहयोग से कोयंबटूर में विश्व हाथी दिवस समारोह की मेज़बानी की।

- मानव-हाथी संघर्ष (HEC) पर एक विशेष कार्यशाला भी आयोजित की गई, जिससे हाथी क्षेत्र वाले राज्यों को चुनौतियाँ साझा करने और शमन रणनीतियों पर चर्चा करने के लिये एक मंच प्रदान किया गया। यह प्रोजेक्ट एलीफेंट के उस लक्ष्य के अनुरूप था, जो मानव-हाथी संघर्षों को दूर करने के लिये सामुदायिक भागीदारी तथा वैज्ञानिक समाधानों पर ज़ोर देता है।
- राष्ट्रव्यापी जागरूकता कार्यक्रम का उद्देश्य भारत के 5,000 स्कूलों के लगभग **12 लाख** बच्चों को शामिल करना था।

मुख्य बिंदु

विश्व हाथी दिवस के बारे में:

- विश्व हाथी दिवस की स्थापना **12 अगस्त, 2012** को कनाडा की **पैट्रिशिया सिम्स** और थाईलैंड के **एलिफेंट रीइंट्रोडक्शन फाउंडेशन** द्वारा की गई थी।
- वैश्विक जागरूकता निर्माण के अपने आरंभ से ही इसने विश्व भर में 100 हाथी संरक्षण संगठनों के साथ साझेदारी की है तथा असंख्य व्यक्तियों तक अपनी पहुँच बनाई है।
- **वर्ष 2025** का विषय है- **"हाथियों की मदद के लिये विश्व को एक साथ लाना"।**
- **नवंबर 2015** में एक गैर-लाभकारी संगठन के रूप में स्थापित **विश्व हाथी सोसायटी** का उद्देश्य वार्षिक विश्व हाथी दिवस अभियान का समर्थन करना है।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- यह संगठन वैश्विक हाथी संरक्षण प्रयासों के बारे में जनता को शिक्षित करता है, विशेष रूप से विश्व हाथी दिवस के अवसर पर।

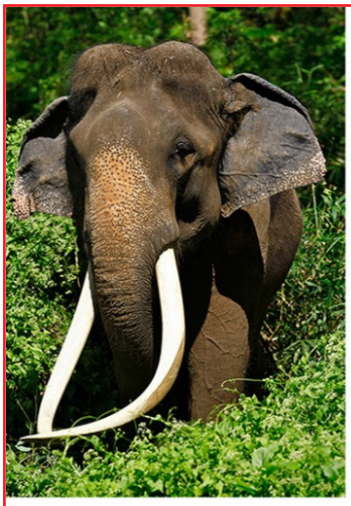

Asian Elephant

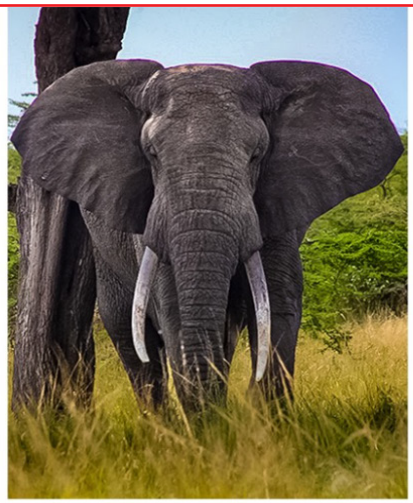

African Savanna Elephant

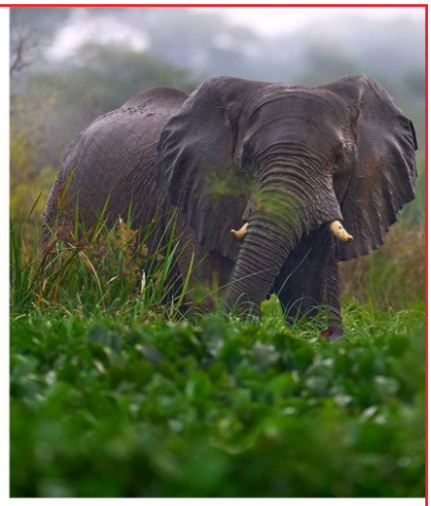

African Forest Elephant

हाथियों के बारे में तथ्य

- **प्रजातियाँ: तीन**- अफ्रीकी सवाना हाथी, अफ्रीकी वन हाथी और एशियाई हाथी।
- **आकार:** अफ्रीकी सवाना हाथी सबसे बड़े होते हैं (4 मीटर तक लंबे तथा 6,800 किलोग्राम वज़न तक)।
- **जीवनकाल:** जंगली हाथी आमतौर पर 60 से 70 वर्ष तक जीवित रहते हैं।
- **आहार:** हाथी शाकाहारी होते हैं।
- **सूंड:** सूंड एक बहुउपयोगी अंग है, जिसका प्रयोग **साँस लेने, सूँघने, स्पर्श करने, पकड़ने और ध्वनि** उत्पन्न करने के लिये किया जाता है।
- **दाँत (दंत):** हाथी के दाँत वास्तव में बड़े आकार के **कृंतक दाँत (incisors) होते हैं**, जो लगभग 2 वर्ष की आयु में विकसित हो जाते हैं।
  - हाथियों को उनके **दाँत (ivory)** के कारण निशाना बनाया जाता रहा है, जिसके कारण अवैध वन्यजीव व्यापार को बढ़ावा मिला है और उनकी आबादी में भारी गिरावट आई है।
- **बुद्धि:** हाथियों का मस्तिष्क किसी भी स्थलीय प्राणी की तुलना में सबसे बड़ा होता है।
- **सामाजिक संरचना:** मादा हाथी परिवार समूहों में रहती हैं जिन्हें झुंड कहा जाता है, जिनका नेतृत्व एक मादा करती है।
- **प्रजनन:** हथिनी का गर्भधारण लगभग 22 महीने तक रहता है तथा नवजात शिशु का वज़न 200-300 पाउंड होता है।
- संरक्षण स्थिति (IUCN रेड लिस्ट):
  - **एशियाई हाथी:** संकटग्रस्त (Endangered – EN)
  - **सवाना हाथी:** संकटग्रस्त (Endangered – EN)
  - **वन हाथी:** अति संकटग्रस्त (Critically Endangered – CR)

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

हाथियों के संरक्षण में भारत की भूमिका

- भारत में विश्व के लगभग 60% **जंगली हाथियों** की आबादी पाई जाती है।
- भारत में **33 हाथी अभयारण्य** और **150 हाथी गलियारे** (Elephant Corridors) चिह्नित किये गए हैं (भारतीय हाथी गलियारा रिपोर्ट, 2023 के अनुसार)।
- भारत ने हाथी को **राष्ट्रीय धरोहर पशु** का दर्जा प्रदान किया है।
- भारत में एशियाई हाथियों को **वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972** की **अनुसूची**-I में रखा गया है।

दीन दयाल स्पर्श योजना

चर्चा में क्यों?

डाक विभाग ने **वर्ष 2025-26** के लिये **दीन दयाल स्पर्श** (शौक के रूप में डाक टिकटों में योग्यता और अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिये छात्रवृत्ति) **योजना** की घोषणा की है, जिसके तहत **कक्षा 6 से 9 तक के छात्रों** को **छात्रवृत्ति** प्रदान की जाएगी।

- चयनित छात्रों को डाक टिकट संग्रह में रुचि बढ़ाने के लिये **500 रुपये** की मासिक छात्रवृत्ति मिलेगी।

मुख्य बिंदु

योजना के बारे में:

- **पात्रता:**
  - छात्रवृत्ति **अकादमिक प्रदर्शन**, डाक विभाग द्वारा आयोजित प्रश्नोत्तरी के परिणाम और एक **फिलैटली** परियोजना (फिलैटली डाक टिकटों का संग्रह तथा अध्ययन है) के आधार पर प्रदान की जाएगी।
  - जिन छात्रों ने पिछले वर्ष की परीक्षा में **न्यूनतम 60% अंक या समकक्ष ग्रेड** प्राप्त किये हैं, वे आवेदन करने के पात्र हैं।
    - अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के छात्रों को 5% की छूट दी जाएगी।
  - आवेदन करने के लिये, छात्रों को अपने स्कूल के फिलैटली क्लब का सदस्य होना चाहिये, या यदि ऐसा कोई क्लब मौजूद नहीं है, तो उनके पास व्यक्तिगत फिलैटली जमा खाता होना चाहिये।
  - छात्र अपना **आवेदन जनरल पोस्ट ऑफिस (GPO) स्थित फिलैटली ब्यूरो में** जमा कर सकते हैं।
- **उद्देश्य:**
  - छात्रवृत्ति का उद्देश्य युवा आयु के **बच्चों में स्थायी तरीके से डाक टिकट संग्रह को बढ़ावा देना** है, जो शैक्षणिक पाठ्यक्रम को सुदृढ़ और पूरक बना सके, साथ ही उन्हें एक ऐसा शौक प्रदान कर सके जो उन्हें तनावमुक्त करने में मदद कर सके।
- **महत्त्व:**
  - डाक टिकट संग्रह अपने समय के **सामाजिक-आर्थिक और राजनीतिक संदर्भ** में शैक्षिक अंतर्दृष्टि प्रदान करता है, तनाव से राहत देने वाला शौक है, सामाजिक संबंधों को बढ़ावा देता है तथा सूचना को व्यवस्थित तथा सूचीबद्ध करने के माध्यम से स्मृति कौशल को बढ़ाता है।

भारतीय डाक

- **स्थापना:** वर्ष 1 अक्तूबर 1854 को **लॉर्ड डलहौज़ी** (ब्रिटिश भारत के गवर्नर-जनरल) द्वारा
- **ऐतिहासिक समयरेखा**
  - **1766:** रॉबर्ट क्लाइव ने **ईस्ट इंडिया कंपनी** के तहत डाक प्रणाली स्थापित की (जिसे "कंपनी मेल" कहा जाता है)
  - **1774:** वॉरेन हेस्टिंग्स ने कलकत्ता जनरल पोस्ट ऑफिस खोला- पहला सार्वजनिक डाकघर
  - **1854:** लॉर्ड डलहौज़ी ने डाक सेवा को ब्रिटिश क्राउन के अधीन लाया
- **वर्तमान नेटवर्क**
  - **कुल डाकघर:** 1,64,999 डाकघर (ग्रामीण: 1,49,164 (कुल का 90%) और शहरी: 15,823)
  - **वैश्विक स्थिति:** दुनिया का सबसे बड़ा डाक नेटवर्क

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- **संगठनात्मक संरचना**
  - **मंत्रालय:** संचार मंत्रालय, भारत सरकार
  - **सर्किल:** भारत में 23 डाक सर्किल
- **सेवाएँ:**
  - बैंकिंग और वित्तीय सेवाएँ
  - डाक जीवन बीमा (PLI)
  - इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक
  - ई-कॉमर्स और खुदरा सेवाएँ
  - सरकारी योजना संवितरण (पेंशन, मनरेगा)

उत्तर प्रदेश: दूसरी तेज़ी से बढ़ती अर्थव्यवस्था

चर्चा में क्यों?

सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के आँकड़ों के अनुसार उत्तर प्रदेश सकल राज्य घरेलू उत्पाद (GSDP) के मामले में भारत में **दूसरा सबसे तेज़ी से वृद्धि करने वाला राज्य** बन गया है, जिसकी विकास दर 5.5% से बढ़कर **8.9%** हो गई है।

- **तमिलनाडु** 11.19% की GSDP वृद्धि दर के साथ **शीर्ष स्थान** पर है। अरुणाचल प्रदेश और मेघालय जैसे छोटे राज्यों ने भी 9.66% की उल्लेखनीय वृद्धि दर दर्ज की है।

मुख्य बिंदु

उत्तर प्रदेश की आर्थिक स्थिति के बारे में:

- नीति आयोग के अनुसार महाराष्ट्र और तमिलनाडु के बाद उत्तर प्रदेश भारत की तीसरी सबसे बड़ी **अर्थव्यवस्था** है।
- उत्तर प्रदेश ने वर्ष 2029 तक 1 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने का महत्त्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है।
  - इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिये 10 प्रमुख क्षेत्रों की पहचान की गई है, जिनमें कानून और व्यवस्था, कृषि, बुनियादी ढाँचा, औद्योगिक विकास, **सामाजिक सुरक्षा** आदि पर ध्यान केंद्रित किया गया है।
- वित्त वर्ष 2023-24 में उत्तर प्रदेश का GSDP 25.48 लाख करोड़ रुपये रहा, जो पिछले वित्त वर्ष में 22.58 लाख करोड़ रुपये था।
- राज्य में वित्त वर्ष 2016-17 से वित्त वर्ष 2019-20 तक प्रति व्यक्ति आय में 23% की वृद्धि दर्ज की गई।
- वित्त वर्ष 2023-24 में GSDP में कृषि क्षेत्र का योगदान 13.7% से बढ़कर 16.8% हो गया।
  - इस बीच द्वितीयक क्षेत्र का योगदान GSDP में 23% है, जबकि तृतीयक क्षेत्र का योगदान 45% है।
- उत्तर प्रदेश भारत के राष्ट्रीय सकल घरेलू उत्पाद **में 8% का योगदान** देता है।

डॉ. विक्रम साराभाई की 106वीं जयंती

चर्चा में क्यों?

डॉ. विक्रम साराभाई (12 अगस्त 1919 – 30 दिसंबर 1971), जिन्हें व्यापक रूप से भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम के जनक के रूप में जाना जाता है, की **106वीं जयंती 12 अगस्त, 2025 को** श्रद्धापूर्वक मनाई गई।

मुख्य बिंदु

डॉ. विक्रम साराभाई के बारे में:

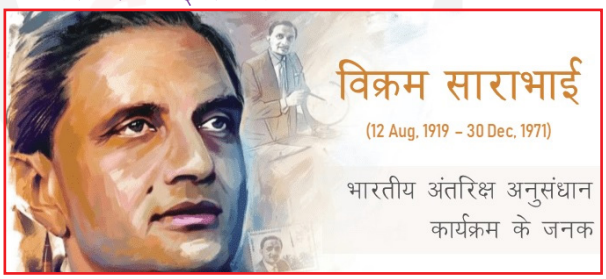

- **प्रारंभिक जीवन और शिक्षा:**
  - 12 अगस्त 1919 को अहमदाबाद, गुजरात में एक संपन्न जैन परिवार में जन्मे साराभाई अंबालाल और सरला देवी की आठ संतानों में से एक थे।
  - इन्होंने कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय से **भौतिकी एवं गणित में स्नातक उपाधि** प्राप्त की।
  - **भारतीय विज्ञान संस्थान (IISc) बंगलूरू** में नोबेल पुरस्कार विजेता सी.वी. रमन के निर्देशन में पीएचडी पूरी की, जिसका शोध प्रबंध "कॉस्मिक किरणों का समय वितरण" शीर्षक से वर्ष 1942 में प्रकाशित हुआ।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- **संस्थानिक धरोहर:** डॉ. साराभाई ने कई संस्थानों की स्थापना में प्रमुख भूमिका निभाई है जो भारत के वैज्ञानिक और औद्योगिक परिदृश्य को आकार देने में महत्त्वपूर्ण रही हैं जैसे:
  - **भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला (PRL), अहमदाबाद:** **वर्ष 1947** में स्थापित, PRL के साथ ही संस्थाओं के निर्माण की दिशा में साराभाई की यात्रा की शुरुआत हुई।
  - **भारतीय प्रबंधन संस्थान (IIM), अहमदाबाद:** इसके निर्माण में इनकी महत्त्वपूर्ण भूमिका रही।
  - **सामुदायिक विज्ञान केंद्र, अहमदाबाद:** इसे विज्ञान शिक्षा को बढ़ावा देने के लिये वर्ष 1966 में स्थापित किया गया।
  - **दर्पण एकेडमी फॉर परफॉर्मिंग आर्ट्स, अहमदाबाद:** इसे इन्होंने अपनी पत्नी मृणालिनी स्वामीनाथन के साथ मिलकर स्थापित किया।
  - **विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र (VSSC), तिरुवनंतपुरम:** भारत के अंतरिक्ष अभियानों का प्रमुख केंद्र।
- **भारतीय अंतरिक्ष और परमाणु कार्यक्रमों में योगदान:**
  - **भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO):** उन्होंने सामाजिक विकास के लिये अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के महत्त्व पर ज़ोर देते हुए ISRO की स्थापना में भूमिका निभाई।
  - **सैटेलाइट इंस्ट्रक्शनल टेलीविज़न एक्सपेरीमेंट (SITE):** NASA के साथ मिलकर तैयार किये गए SITE से ग्रामीण क्षेत्रों में शैक्षिक कार्यक्रमों का प्रसारण होने के साथ दूरदर्शन के कृषि दर्शन जैसे कार्यक्रमों का आधार तैयार हुआ।
  - **आर्यभट्ट उपग्रह:** इनके नेतृत्व में भारत के पहले उपग्रह, आर्यभट्ट का निर्माण आरंभ किया गया, जिसे वर्ष 1975 में रूसी कॉस्मोड्रोम से प्रक्षेपित किया गया।
  - **परमाणु ऊर्जा आयोग:** होमी भाभा की मृत्यु के बाद इसके अध्यक्ष बने तथा **परमाणु विज्ञान** को आगे बढ़ाने में भूमिका निभाई।
- **पुरस्कार और सम्मान:**
  - **पुरस्कार:**
    - शांति स्वरूप भटनागर पुरस्कार (1962)
    - पद्म भूषण (1966)
    - **पद्म विभूषण (मरणोपरांत, 1972)**
  - **प्रतिष्ठित पद:**
    - भारतीय विज्ञान कॉन्ग्रेस के भौतिकी अनुभाग के अध्यक्ष (1962)
    - अध्यक्ष, IAEA का महासम्मेलन, वियना (1970)
    - परमाणु ऊर्जा के शांतिपूर्ण उपयोग पर चौथे संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन के उपाध्यक्ष (1971)
  - **शीर्षक:**
    - भारतीय विज्ञान के **महात्मा गांधी** (पूर्व राष्ट्रपति **ए.पी. जे. अब्दुल कलाम** द्वारा)।
  - **विरासत:**
    - विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र (VSSC) का नाम उनके सम्मान में रखा गया।
    - एक चंद्र क्रेटर, "साराभाई क्रेटर" का नाम उनके नाम पर रखा गया।

उत्तर प्रदेश की MSME औद्योगिक संपदा प्रबंधन नीति 2025

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश सरकार ने **सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (MSME) औद्योगिक संपदा प्रबंधन नीति 2025** को अपनी

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

मंजूरी दे दी है, जिसका उद्देश्य **भूमि आवंटन को सरल बनाकर** तथा उद्योगों के लिये सुविधाओं में सुधार कर **औद्योगिक विकास** को प्रोत्साहित करना है।

- यह नई नीति वर्ष 1978 से जारी 19 पुराने सरकारी आदेशों का स्थान लेगी।

मुख्य बिंदु

नीति की मुख्य विशेषताएँ

- **भूमि आवंटन:**
  - औद्योगिक संपदाओं में भूमि, शेड और **भूखंडों का आवंटन** लीज़/किराये के आधार पर **नीलामी या ई-नीलामी** के माध्यम से किया जाएगा।
  - सफल बोलीदाता आरक्षित मूल्य का **10% बयाना राशि** के रूप में जमा करेंगे, शेष राशि एकमुश्त या एक से तीन वर्षों की किस्तों में चुकानी होगी। तत्काल भुगतान करने पर **2% की छूट** मिलेगी।
- **SC/ST उद्यमियों के लिये आरक्षण:**
  - सभी भूखंडों और शेड का 10% अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति उद्यमियों के लिये आरक्षित रहेगा।
  - यदि कोई पात्र आवेदक आगे नहीं आता है, तो निरंतर विकास सुनिश्चित करने के लिये भूखंडों को अन्य श्रेणियों में **पुन: आवंटित किया जा सकता** है।
- **मूल्य संरचना:**
  - यह नीति वित्त वर्ष 2025-26 के लिये **मध्यांचल, पश्चिमांचल,** बुंदेलखंड **और** पूर्वांचल सहित विभिन्न क्षेत्रों में औद्योगिक भूखंडों के लिये निश्चित आरक्षित मूल्य प्रस्तुत करती है।
  - प्रत्येक वर्ष 1 अप्रैल से दरों में **5% की वार्षिक वृद्धि** होगी।
- **एंकर इकाइयों के लिये अधिमान्य दरें:**
  - उन एंकर इकाइयों को विशेष दरों पर भूमि मिल सकती है, जिनसे औद्योगिक संपदाओं में MSME की महत्त्वपूर्ण वृद्धि होने की उम्मीद है।
- **बुनियादी सुविधाएँ:**
  - औद्योगिक संपदाओं को आवश्यक सुविधाओं से युक्त किया जाएगा, जिनमें सामान्य सुविधा केंद्र, विद्युत उपकेंद्र, **अग्निशमन केंद्र, महिला छात्रावास, शयनगृह, शिशुगृह, पर्यावरण अनुकूल पार्क, प्रशिक्षण संस्थान और** स्वास्थ्य सेवाएँ शामिल होंगी।
- **मानक संचालन प्रक्रिया (SOPs):**
  - भूमि आवंटन, संपत्ति हस्तांतरण, पुनरोद्धार,उप-पट्टे और सरेंडर के लिये SOPs का क्रियान्वयन **उद्योग आयुक्त एवं निदेशक** की देखरेख में किया जाएगा।

वर्गीकरण	सूक्ष्म	लघु	मध्यम
विनिर्माण और सेवा उद्यम	**निवेश:** 2.5 करोड़ रुपये तक **वार्षिक कारोबार:** 10 करोड़ रुपये तक	**निवेश:** 25 करोड़ रुपये तक **वार्षिक कारोबार:** 100 करोड़ रुपये तक	**निवेश:** 125 करोड़ रुपये तक **वार्षिक कारोबार:** 500 करोड़ रुपये तक

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

भारत का MSME क्षेत्र

(MSME- सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम)

विनिर्माण उद्यम और सेवाएँ प्रदान करने वाले उद्यम			
वर्गीकरण	सूक्ष्म	लघु	मध्यम
संयंत्र और मशीनरी या उपकरण में निवेश	≤ ₹1 करोड़	≤ ₹10 करोड़	≤ ₹50 करोड़
वार्षिक कारोबार	≤₹5 करोड़	≤ ₹50 करोड़	≤ ₹250 करोड़

MSME का विनियमन

- **नोडल मंत्रालय:** सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय
- **अधिनियम:** सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विकास अधिनियम, 2006

प्रमुख MSME राज्य- महाराष्ट्र (17.74%), तमिलनाडु (10.20%), उत्तर प्रदेश (9.34%), गुजरात (7.43%) और राजस्थान (7.38%)

भारतीय अर्थव्यवस्था में MSME की भागीदारी

- भारत का कुल निर्यात: 45%
- भारत का सकल घरेलू उत्पाद: 30%
- कुल विनिर्माण उत्पादन: 38.4%
- लगभग 11 करोड़ लोगों को रोज़गार प्रदान करता है

चुनौतियाँ

- केवल 16% SME को समय पर वित्त मिल पाता है
- भारत में 86% विनिर्माण MSME अपंजीकृत हैं
- पुरानी तकनीक, न्यून उत्पादकता स्तर, आवश्यक कौशल और ब्रांडिंग विशेषज्ञता की कमी
- बड़े उद्यमों या सरकारी अभिकरणों से भुगतान में विलंब

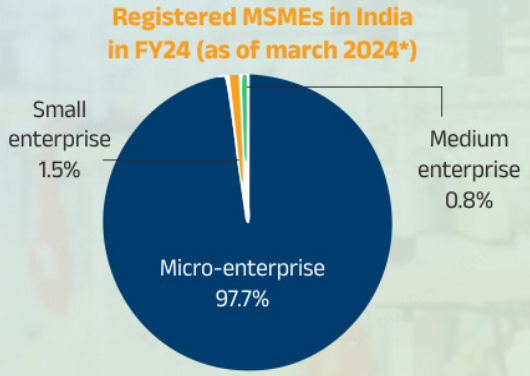

सरकारी पहल और समर्थन

प्रशासनिक सहायता

- चैंपियंस 2.0 पोर्टल
- क्लस्टर परियोजनाओं और प्रौद्योगिकी केंद्रों की जियो-टैगिंग हेतु मोबाइल ऐप
- उद्यम असिस्ट प्लेटफॉर्म
- ASPIRE योजना
- जीरो डिफेक्ट और जीरो इफेक्ट (ZED)

वित्तीय सहायता

- MSME निष्पादन को बढ़ाने और तेज़ करने (RAMP) की योजना
- व्यापार प्राप्य छूट प्रणाली (TReDS)
- प्रधानमंत्री रोज़गार सृजन कार्यक्रम (PMEGP)
- प्रधानमंत्री मुद्रा योजना (PMMY)
- सूक्ष्म और लघु उद्यमों के लिये ऋण गारंटी ट्रस्ट फंड (CGTMSE)
- ब्याज सब्सिडी पात्रता प्रमाण-पत्र (ISEC)

अंतर्राष्ट्रीय MSME दिवस 27 जून

Drishti IAS

Prepare with DrishtiIAS

राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) — क्लिक करें या स्कैन करें!

हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! — क्लिक करें या स्कैन करें!

राज्य पीसीएस पुस्तकें — क्लिक करें या स्कैन करें!

निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग — क्लिक करें या स्कैन करें!

मेगा टिंकरिंग दिवस 2025

चर्चा में क्यों?

राष्ट्रव्यापी नवाचार अभियान के अंतर्गत नीति आयोग के अटल इनोवेशन मिशन (AIM), ने **'मेगा टिंकरिंग दिवस 2025'** का आयोजन किया, जो भारत के **नवाचार परिदृश्य** में एक महत्त्वपूर्ण उपलब्धि है।

मुख्य बिंदु

- **परिचय:**
  - इस राष्ट्रव्यापी आयोजन में भारत के सभी 35 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के 10,000 से अधिक अटल टिंकरिंग लैब्स (ATLs) को जोड़ा गया।
  - इस कार्यक्रम में 9,467 ATL-युक्त विद्यालयों के 4,73,350 विद्यार्थियों ने भाग लिया और अपनी प्रयोगशालाओं में उपलब्ध सामान्य सामग्रियों का उपयोग कर एक **'डू-इट-योरसेल्फ'** (DIY) **वैक्यूम क्लीनर** बनाने की व्यवहारिक गतिविधि में भाग लिया।

अटल नवाचार मिशन

- **परिचय:** वर्ष 2016 में नीति आयोग द्वारा प्रारम्भ किया गया, AIM का उद्देश्य विद्यार्थियों में **समस्या-समाधान की सोच विकसित कर नवाचार और उद्यमिता को प्रोत्साहित करना** तथा विश्वविद्यालयों एवं शोध संस्थानों में **उद्यमिता पारितंत्र को सशक्त बनाना** है।
- **AIM 2.0:** इसका उद्देश्य AIM की सफलता के आधार पर भारत के नवाचार और उद्यमिता पारितंत्र को विस्तारित तथा मज़बूत करने के लिये नई पहलों को आगे बढ़ाना एवं उनका संचालन करना है।

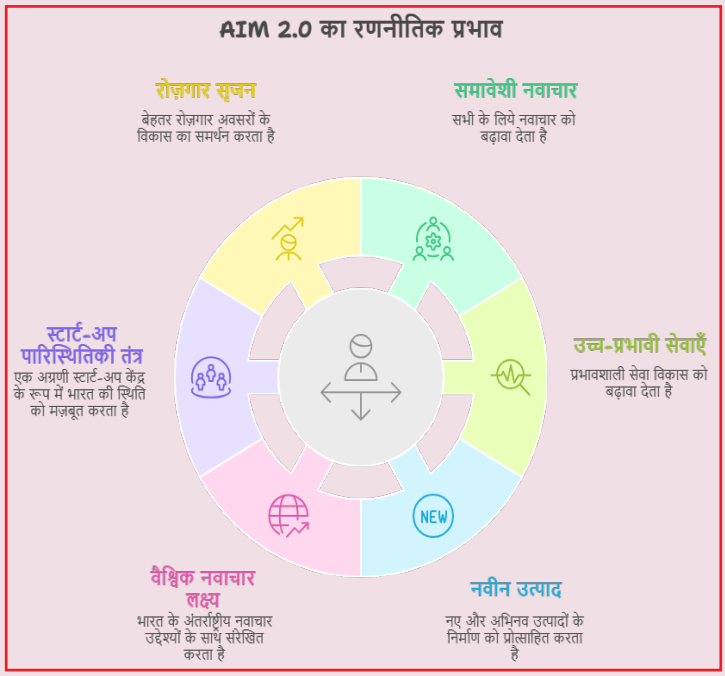

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- **कार्यक्रम प्रारूप:**
  - **वर्चुअल एवं सामूहिक आयोजन:** यह आयोजन पूरे भारत में विद्यालयों में वर्चुअल रूप से और एक साथ किया गया, जिसमें उत्तर (लेह, लद्दाख, कारगिल, कश्मीर), दक्षिण (कन्याकुमारी), पश्चिम (भुज, कच्छ), पूर्व (मणिपुर, मिज़ोरम, अरुणाचल प्रदेश) और आकांक्षी ज़िले (विरुधुनगर) शामिल थे।
  - **सहयोगात्मक शिक्षण:** ऑनलाइन प्रारूप ने छात्रों को भौगोलिक दूरियों के बावजूद वास्तविक समय में सहयोग करने में सक्षम बनाया।

उत्तर प्रदेश में बर्ड फ्लू अलर्ट

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने बर्ड फ्लू (H5N1) के बढ़ते खतरे के कारण राज्यव्यापी अलर्ट जारी किया है, जिसमें संबंधित विभागों को जानवरों और पक्षियों, विशेष रूप से **चिड़ियाघरों** और वन्यजीव अभयारण्यों **में सुरक्षा हेतु** सख्त **सुरक्षा प्रोटोकॉल** लागू करने के निर्देश दिये गए हैं।

मुख्य बिंदु

बर्ड फ्लू के बारे में

- **परिचय:** बर्ड फ्लू (एवियन इन्फ्लूएंजा) एक अत्यधिक संक्रामक वायरल रोग है, जो **एवियन इन्फ्लूएंजा ए वायरस,** विशेष रूप से उपप्रकार **H5N1 और H5N8** के कारण होता है तथा जंगली तथा घरेलू दोनों प्रकार के पक्षियों को प्रभावित करता है।
- **मानव पर इसके प्रभाव के मामले:** मानव पर इसका पहला संक्रमण **वर्ष 1997 (हांगकांग)** में दर्ज किया गया था। इसके अधिकांश मामले एशिया में दर्ज किये गए और इसका कारण संक्रमित पक्षियों के साथ निकट संपर्क था।
- **संचरण:** H5N1 मुख्य रूप से **संक्रमित जीवित अथवा मृत पक्षियों** अथवा **दूषित वातावरण** (जैसे, जीवित पक्षियों का बाज़ार) के साथ प्रत्यक्ष संपर्क होने के माध्यम से संचरित होता है।
  - इसलिये, H5N1 को विश्व स्वास्थ्य संगठन **के अनुसंधान एवं विकास ब्लूप्रिंट के तहत प्राथमिकता वाली बीमारी के रूप में** सूचीबद्ध किया गया है।
  - H5N1 का मानव संक्रमण दुर्लभ है, किंतु इसकी मृत्यु दर (~60%) बहुत अधिक है, जो कोविड-19 (~3%) से कहीं अधिक है।
  - स्तनधारियों से मनुष्यों में संचरण देखा गया है, परंतु वायु जनित एवं निरंतर मानव-से-मानव संचरण की पुष्टि नहीं हुई है।
  - विश्व स्वास्थ्य संगठन के **अनुसंधान एवं विकास ब्लूप्रिंट** के अंतर्गत H5N1 को प्राथमिकता वाली बीमारी के रूप में सूचीबद्ध किया गया है।
- **लक्षण:** सामान्य लक्षणों में तेज़ बुखार, खाँसी, गले में खराश तथा मांसपेशियों में दर्द शामिल हैं।
  - गंभीर मामलों में श्वसन विफलता या तंत्रिका संबंधी जटिलताएँ हो सकती हैं।
    - कुछ व्यक्ति संक्रमण के बावजूद लक्षणहीन भी रह सकते हैं।
- **उपचार:** वर्तमान मौसमी फ्लू के टीके H5N1 से सुरक्षा प्रदान नहीं करते।
  - **ओसेल्टामिविर** जैसी **एंटीवायरल दवाएँ** प्रभावी होती हैं, विशेषकर जब उच्च जोखिम वाले या गंभीर मामलों में इन्हें प्रारंभ में ही दिया जाए।

अजय साहनी को राष्ट्रपति वीरता पदक

चर्चा में क्यों?

52 मुठभेड़ों का नेतृत्व करने वाले वरिष्ठ IPS अधिकारी **अजय कुमार साहनी** को उनके करियर में तीसरी बार वीरता के लिये राष्ट्रपति पदक से सम्मानित किया गया है।

- उत्तर प्रदेश कैडर के वर्ष 2009 बैच के अधिकारी साहनी को गणतंत्र दिवस (26 जनवरी 2020) पर मेरठ में एक उच्च-जोखिम वाले ऑपरेशन के दौरान उनके असाधारण साहस के लिये **राष्ट्रपति पदक** से सम्मानित किया गया।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

मुख्य बिंदु

- **वीरता पुरस्कार के बारे में:**
  - ये पुरस्कार कार्मिकों को कर्त्तव्य के दौरान **अदम्य साहस, अद्वितीय बहादुरी तथा व्यक्तिगत सुरक्षा की पूर्ण उपेक्षा के लिये दिये जाते हैं।**
  - इन वीरता पुरस्कारों की घोषणा वर्ष में दो बार की जाती है, पहले **गणतंत्र दिवस** के अवसर पर और फिर **स्वतंत्रता दिवस** के अवसर पर।
- **प्रकार:**
  - **शत्रु के विरुद्ध कार्रवाई संबंधी वीरता पुरस्कार:**
    - **परम वीर चक्र (PVC):** विशिष्ट वीरता के लिये
    - **महावीर चक्र (MVC):** वीरता के कार्यों के लिये
    - **वीर चक्र:** साहसिक कार्यों के लिये
  - **शत्रु के विरुद्ध कार्रवाई के अलावा अन्य वीरता पुरस्कार:**
    - इसमें अशोक चक्र, कीर्ति चक्र और शौर्य चक्र शामिल हैं।
- **पुरस्कारों का वरीयता क्रम:**
  - परमवीर चक्र
  - अशोक चक्र
  - महावीर चक्र
  - कीर्ति चक्र
  - वीर चक्र
  - शौर्य चक्र

यूपी पुलिस का 'ऑपरेशन सवेरा'

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश पुलिस ने **मादक पदार्थों की तस्करी** को रोकने और **नशा-मुक्त समाज** को बढ़ावा देने के लिये सहारनपुर क्षेत्र में **'ऑपरेशन सवेरा'** शुरू किया है।

- यह अभियान **मुख्यमंत्री** योगी आदित्यनाथ और DGP राजीव कृष्ण के निर्देशानुसार संचालित किया जा रहा है, जिसका लक्ष्य अवैध नशीले पदार्थों की पूरी शृंखला; निर्माताओं से लेकर तस्करों तक को समाप्त करना है।

मुख्य बिंदु

- **उद्देश्य:**
  - यह अभियान सहारनपुर रेंज के तीन ज़िलों में **अवैध नशीले पदार्थों के निर्माता, बिचौलिये, आपूर्तिकर्त्ता और विक्रेताओं** पर केंद्रित है।
  - पुलिस नशीली दवाओं के व्यापार के अग्रिम और पश्चवर्ती दोनों संपर्कों को लक्षित करते हुए तस्करी नेटवर्क को ध्वस्त करेगी।
- **कानूनी अधिदेश:**
  - **स्वापक औषधि और मन:प्रभावी पदार्थ (NDPS) अधिनियम, 1985** तथा **स्वापक औषधि और मन:प्रभावी पदार्थ (PITNDPS) अधिनियम, 1988** के अवैध व्यापार की रोकथाम के तहत सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी, जिसमें अवैध दवा गतिविधियों के माध्यम से अर्जित संपत्तियों को ज़ब्त करना भी शामिल है।
    - दोषी व्यक्तियों की दोषसिद्धि सुनिश्चित करने के लिये चल रहे NDPS मामलों की समीक्षा की जाएगी।
- **जागरूकता:**
  - जागरूकता अभियान समाज, विशेषकर छात्रों को नशीली दवाओं के दुरुपयोग के हानिकारक प्रभावों के बारे में शिक्षित करेंगे।
  - **नशामुक्ति केंद्रों** का निरीक्षण कर उनकी सुविधाओं और चुनौतियों का आकलन किया जाएगा तथा **पुनर्वास सहयोग** के लिये विभागों के बीच समन्वय स्थापित किया जाएगा।

नोट: इससे पहले कानपुर पुलिस ने भू-माफिया, जबरन वसूली करने वाले गिरोहों और उनका समर्थन करने वाले प्रभावशाली व्यक्तियों के विरुद्ध 5 अगस्त, 2025 को **'ऑपरेशन महाकाल'** शुरू किया था।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

उत्तर प्रदेश का पहला ग्रीन हाइड्रोजन संयंत्र

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने गोरखपुर ज़िले के खानिमपुर गाँव में राज्य के पहले और देश में अपनी तरह के दूसरे ग्रीन हाइड्रोजन संयंत्र का उद्घाटन किया।

भारत की ग्रीन हाइड्रोजन उपलब्धियाँ

- गुजरात में कांडला बंदरगाह भारत के पहले मेक-इन-इंडिया ग्रीन हाइड्रोजन प्लांट का स्थल है, जो देश के नेट-ज़ीरो लक्ष्यों को आगे बढ़ा रहा है।
- हिसार स्थित **जिंदल स्टेनलेस लिमिटेड** भारत का पहला **ऑफ-ग्रिड ग्रीन हाइड्रोजन संयंत्र** है, जो स्टेनलेस स्टील उद्योग को समर्पित है, जिससे यह इस क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर पहला संयंत्र बन गया है।
- अडानी समूह ने गुजरात के कच्छ में भारत का पहला ऑफ-ग्रिड **5 मेगावाट ग्रीन हाइड्रोजन पायलट प्लांट** चालू किया, जो नवीकरणीय ऊर्जा से हाइड्रोजन उत्पादन में अग्रणी है।

मुख्य बिंदु

- **परिचय:**
  - टॉरेंट गैस और टॉरेंट पावर द्वारा स्थापित यह संयंत्र **भारत की स्वच्छ ऊर्जा संक्रमण यात्रा** में एक महत्त्वपूर्ण उपलब्धि है।
  - पायलट परियोजना के अंतर्गत संयंत्र प्राकृतिक गैस (CNG और PNG) के साथ अधिकतम 2% ग्रीन हाइड्रोजन का मिश्रण करेगा।
    - यह मिश्रित गैस घरेलू उपभोक्ताओं, CNG स्टेशनों और उद्योगों को स्थानीय गैस ग्रिड के माध्यम से उपलब्ध कराई जाएगी।
- **महत्त्व:**
  - यह परियोजना देश के *शहरी गैस वितरण क्षेत्र* में **ग्रीन हाइड्रोजन और प्राकृतिक गैस मिश्रण** की अब तक की सबसे बड़ी पहल है।
    - इससे प्रतिवर्ष 500 टन कार्बन उत्सर्जन **में कमी आएगी** और प्रचुर जल संसाधनों के कारण उत्तर प्रदेश को ग्रीन हाइड्रोजन का प्रमुख केंद्र स्थापित किया जा सकेगा।
- **ग्रीन हाइड्रोजन नीति:**
  - उत्तर प्रदेश ग्रीन हाइड्रोजन नीति 2024 निवेश को बढ़ावा देकर और ग्रीन हाइड्रोजन/ग्रीन अमोनिया उत्पादन सुविधाओं तथा ग्रीन हाइड्रोजन-आधारित उत्पाद विनिर्माण इकाइयों की स्थापना करके सुगम **व्यापार करने में** सक्षम बनाती है।
- उत्तर प्रदेश ने वर्ष 2028 तक ग्रीन हाइड्रोजन/ग्रीन अमोनिया की उत्पादन क्षमता को **1 मिलियन मीट्रिक टन प्रति वर्ष** तक बढ़ाने का लक्ष्य रखा है।
- नीति में **30% पूंजीगत सब्सिडी** शामिल है, जो राज्य में पहली चार परियोजनाओं के लिये **40%** तक जा सकती है।

ग्रीन हाइड्रोजन

- ग्रीन हाइड्रोजन का उत्पादन जल (H_2O) को **इलेक्ट्रोलिसिस की प्रक्रिया** से **हाइड्रोजन (H_2) और ऑक्सीजन (O_2) में विभाजित** करके किया जाता है। इस प्रक्रिया को **सौर ऊर्जा या** बायोमास **गैसीकरण जैसे नवीकरणीय स्रोतों** से संचालित किया जाता है।
- इसके उपयोगों में फ्यूल **सेल इलेक्ट्रिक वाहन (FCEVs)**, उर्वरक एवं रिफाइनरी जैसे औद्योगिक क्षेत्र तथा सड़क एवं रेल परिवहन क्षेत्र सम्मिलित हैं।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- हाइड्रोजन के अन्य प्रकार:

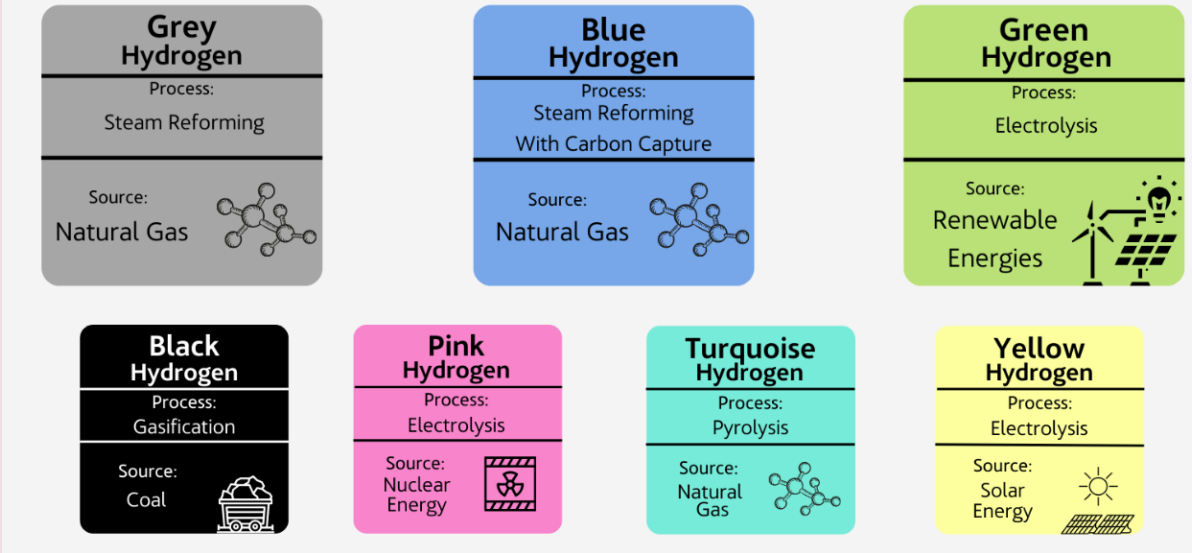

इटरनल फ्लेम ऑफ होम्योपैथी अवार्ड

चर्चा में क्यों?

लखनऊ के वरिष्ठ **होम्योपैथिक चिकित्सक डॉ. पी.के. शुक्ला** को होम्योपैथी में उनके **उत्कृष्ट योगदान** के लिये **इटरनल फ्लेम ऑफ होम्योपैथी अवार्ड** से सम्मानित किया गया।

- यह पुरस्कार क्रिकेट के दिग्गज **सुनील गावस्कर** द्वारा चौथे **अखिल भारतीय होम्योपैथी अनुसंधान शिखर सम्मेलन 2025** में प्रदान किया गया, जो 16 अगस्त 2025 को **JW मैरियट, गोवा** में **बर्नेट होम्योपैथी प्राइवेट लिमिटेड** द्वारा आयोजित किया गया था।

होम्योपैथी

- होम्योपैथी एक **चिकित्सा प्रणाली** है, जो शरीर की **प्राकृतिक उपचार क्षमता** को सक्रिय करती है तथा इसके प्रभावों को बढ़ाने और दुष्प्रभावों को कम करने के लिये अत्यधिक **तनुकृत पदार्थों** का उपयोग करती है।
- भारत में इसका प्रवेश 18वीं शताब्दी में हुआ। प्रत्येक वर्ष **10 अप्रैल को** 'विश्व होम्योपैथी दिवस' इसके संस्थापक **डॉ. हैनिमैन** के सम्मान में मनाया जाता है।

नोट: क्रॉसपैथी वह स्थिति है, जहाँ स्वास्थ्य देखभाल पेशेवर अपनी मान्यता प्राप्त विशेषज्ञता से परे उपचार प्रदान करते हैं या दवाएँ लिखते हैं, जैसे **आयुष चिकित्सक** (आयुर्वेद, योग, प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध, होम्योपैथी) यदि ऐसी चिकित्सीय प्रक्रियाएँ करें या दवाएँ लिखें जो सामान्यत: **एलोपैथिक** (आधुनिक) चिकित्सा के लिये आरक्षित होती हैं।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

शोधगंगा पोर्टल

चर्चा में क्यों?

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC) के **शोधगंगा पोर्टल** पर अपलोड किये गए शोध प्रबंधों के मामले में उत्तर प्रदेश के तीन विश्वविद्यालयों ने देश के **शीर्ष 10 संस्थानों** में स्थान प्राप्त किया।

मुख्य बिंदु

- शोधगंगा पोर्टल, जो देशभर के 840 विश्वविद्यालयों से 6,20,000 से अधिक प्रबंधों (Theses) का भंडार है, में उत्तर प्रदेश के संस्थान महत्त्वपूर्ण योगदानकर्त्ताओं के रूप में उभरे हैं।
- इसमें **अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (AMU), कानपुर विश्वविद्यालय और** बनारस हिंदू विश्वविद्यालय **(BHU)** ने प्रमुख स्थान प्राप्त किये हैं। यह उपलब्धि राज्य में उच्च शिक्षा, अनुसंधान और शैक्षणिक उत्कृष्टता पर बढ़ते ध्यान को रेखांकित करती है।
- **शीर्ष 10 राष्ट्रीय विश्वविद्यालय:**
  - अन्ना विश्वविद्यालय (17,028 शोध प्रबंध)
  - मद्रास विश्वविद्यालय (15,396)
  - कलकत्ता विश्वविद्यालय (14,837)
  - सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय (13,403)
  - मुंबई विश्वविद्यालय (12,527)
  - आंध्र विश्वविद्यालय (10,736)
  - अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (10,709): शीर्ष योगदानकर्त्ताओं में 7वाँ स्थान (UP में प्रथम)
  - छत्रपति साहूजी महाराज विश्वविद्यालय (10,279): शीर्ष योगदानकर्त्ताओं में 8वाँ स्थान (UP में दूसरा स्थान)
  - पंजाब विश्वविद्यालय (9,890)
  - बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (9,600): (UP में तीसरा स्थान)
- **अन्य UP विश्वविद्यालयों का योगदान:**
  - लखनऊ विश्वविद्यालय: 8,683 शोध प्रबंध
  - चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ: 3,645 शोध प्रबंध
  - बुंदेलखंड विश्वविद्यालय: 2,335 शोध प्रबंध
  - पं. दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय: 1,161 थीसिस
  - डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय, लखनऊ: 462 शोध प्रबंध

शोधगंगा: भारतीय शोध-प्रबंधों का एक डिजिटल भंडार

- **परिचय:**
  - **शोधगंगा** भारतीय **इलेक्ट्रॉनिक शोध-प्रबंधों** और शोध-प्रबंधों का एक **डिजिटल संग्रह** है, जिसे **INFLIBNET केंद्र** द्वारा होस्ट तथा अनुरक्षित किया जाता है।
  - यह **एम.फिल.** और **पीएच.डी. अनुसंधान** के लिये खुला मंच प्रदान करता है, जिससे व्यापक **दृश्यता** सुनिश्चित होती है, दोहराव कम होता है तथा भारतीय विश्वविद्यालयों में अनुसंधान की **गुणवत्ता** बढ़ती है।
- **अधिदेश:**
  - **UGC (एम.फिल./पीएच.डी. डिग्री प्रदान करने के लिये न्यूनतम मानक और प्रक्रिया) विनियमन, 2009 (संशोधित 2016)** के तहत, सभी शोधकर्त्ताओं को वैश्विक **पहुँच** तथा **संरक्षण** की सुविधा के लिये अपने शोध प्रबंधों के **इलेक्ट्रॉनिक संस्करण** प्रस्तुत करना आवश्यक है।
- **महत्त्व:**
  - "शोध" का अर्थ है **अनुसंधान**; "गंगा" भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक है।
  - दोनों मिलकर, **शोधगंगा** भारतीय **बौद्धिक उत्पादन** के भंडार का प्रतिनिधित्व करती है।
  - यह शोध के **दोहराव** को रोकता है, **गुणवत्ता** को बढ़ावा देता है तथा शोधकार्य को **डिजिटल रूप** में संरक्षित करता है।
- **विश्वविद्यालय एकीकरण:**
  - विश्वविद्यालय **शोधगंगा** को केंद्रीय **बैकअप** के रूप में उपयोग करते हुए अपने स्वयं के **संस्थागत भंडार** बनाए रख सकते हैं।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- सभी शोध-प्रबंधों तक **एकीकृत पहुँच** प्रदान करने के लिये वितरित रिपॉजिटरी से **मेटा डाटा** को केंद्रीय रूप से एकत्र किया जाता है।

श्री अरबिंदो की 153वीं जयंती

चर्चा में क्यों?

15 अगस्त, 2025 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दार्शनिक और स्वतंत्रता सेनानी श्री अरबिंदो को उनकी **153वीं जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की** तथा भारत की **राष्ट्र निर्माण यात्रा में उनके योगदान** को स्वीकार किया।

मुख्य बिंदु

श्री अरबिंदो के बारे में:

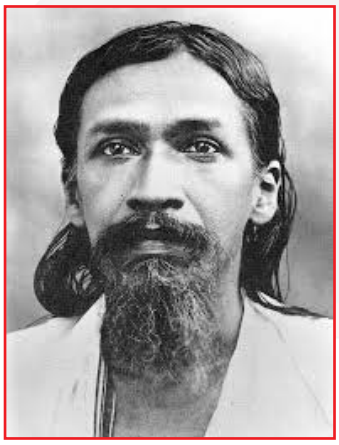

- **परिचय:**
  - अरबिंदो घोष का **जन्म 15 अगस्त, 1872 को कलकत्ता में हुआ था।** वह एक योगी, द्रष्टा, दार्शनिक, कवि और **भारतीय राष्ट्रवादी** थे जिन्होंने आध्यात्मिक विकास के माध्यम से संसार को ईश्वरीय अभिव्यक्ति के रूप में स्वीकार किया अर्थात् नव्य वेदांत दर्शन को प्रतिपादित किया।
  - 5 दिसंबर, 1950 को पुदुचेरी में उनका निधन हो गया।
- **शिक्षा:**
  - उनकी शिक्षा **दार्जिलिंग के एक क्रिश्चियन कॉन्वेंट स्कूल में शुरू हुई।**
  - उन्होंने कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय में प्रवेश लिया, जहाँ वे दो शास्त्रीय और कई आधुनिक यूरोपीय भाषाओं में कुशल हो गए।
  - वर्ष 1892 में उन्होंने बड़ौदा (वडोदरा) और कलकत्ता (कोलकाता) में विभिन्न प्रशासनिक पदों पर कार्य किया।
  - उन्होंने शास्त्रीय संस्कृत सहित योग और भारतीय भाषाओं का अध्ययन शुरू किया।
- **भारतीय क्रांतिकारी आंदोलन:**
  - वर्ष 1902 से 1910 तक उन्होंने **भारत को अंग्रेज़ो से मुक्त कराने के संघर्ष** में भाग लिया।
  - अपनी राजनीतिक गतिविधियों के परिणामस्वरूप, उन्हें 1908 में अलीपुर बम कांड में जेल में डाल दिया गया।
- **आध्यात्मिक यात्रा:**
  - पुदुचेरी में उन्होंने आध्यात्मिक साधकों के एक समुदाय की स्थापना की, जिसने वर्ष 1926 में श्री अरबिंदो आश्रम के रूप में आकार लिया।
  - उनका मानना था कि **पदार्थ, जीवन और मन के मूल सिद्धांतों को स्थलीय विकास के माध्यम से सुपरमाइंड के सिद्धांत द्वारा अनंत एवं परिमित दो क्षेत्रों के बीच एक मध्यवर्ती शक्ति के रूप में सफल किया जाएगा।**
- **साहित्यिक कृतियाँ:**
  - वर्ष 1906 में वे अंग्रेज़ी समाचार-पत्र **बंदे मातरम (जिसकी स्थापना 1905 में बिपिन चंद्र पाल ने की थी) के संपादक बने।**
  - योग के आधार
  - भगवद्गीता और उसका संदेश
  - मनुष्य का भविष्य विकास
  - पुनर्जन्म और कर्म
  - सावित्री: एक किंवदंती और एक प्रतीक
  - आवर ऑफ गॉड
- **श्री अरबिंदो के पाँच स्वप्न:**
  - वर्ष 1947 में, भारत की स्वतंत्रता के बाद, अरबिंदो ने अपने पाँच स्वप्न व्यक्त किये, जिनमें **स्वतंत्र और एकजुट**

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

भारत, एशिया का पुनरुत्थान, बेहतर जीवन के लिये एक वैश्विक संघ, विश्व को भारत का आध्यात्मिक उपहार तथा उच्चतर चेतना एवं सामाजिक पूर्णता की ओर मानव विकास में एक परिवर्तनकारी प्रयास शामिल थे।

- **ऑरोविले (Auroville):**
  - इसकी स्थापना वर्ष 1968 में **मिर्रा अल्फासा (The Mother)** द्वारा पुदुचेरी में की गई।
  - यह एक प्रायोगिक नगर है, जो अरबिंदो की उस दृष्टि को मूर्त रूप देता है जिसमें वैश्विक स्तर पर आध्यात्मिक रूप से एकीकृत समुदाय की परिकल्पना की गई है।
  - वर्ष 1966 में यूनेस्को द्वारा अनुमोदित यह सतत् जीवनशैली पर ज़ोर देता है और मानवता की भावी **सांस्कृतिक, पर्यावरणीय, सामाजिक** तथा **आध्यात्मिक आवश्यकताओं** को संबोधित करता है।

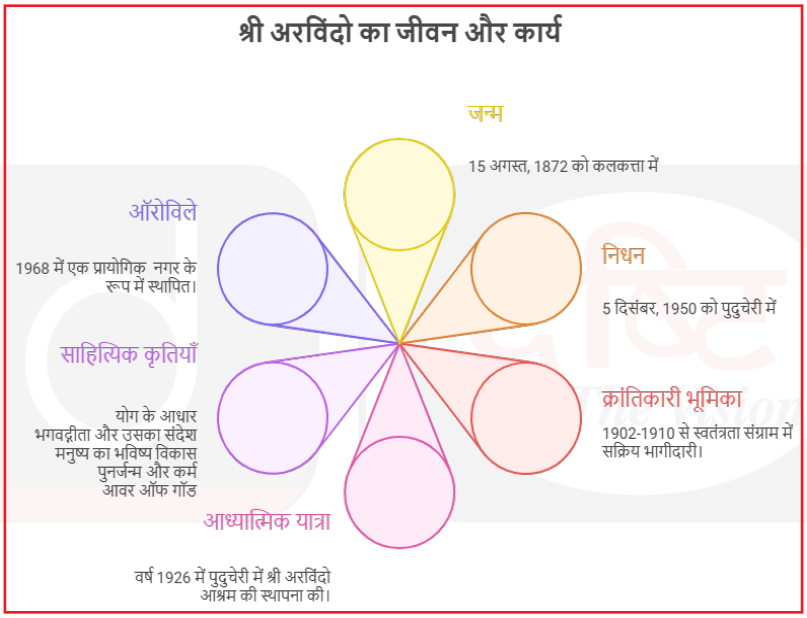

कारीकोट गाँव को ICRT पुरस्कार 2025 मिला

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश के बहराइच ज़िले में स्थित कारीकोट गाँव को प्रतिष्ठित **भारतीय उपमहाद्वीपीय** उत्तरदायी पर्यटन **(ICRT) पुरस्कार 2025** के लिये चुना गया है।

- यह पुरस्कार **ICRT इंडिया फाउंडेशन** द्वारा प्रदान किया जाता है और पर्यटन मंत्रालय द्वारा समर्थित है।

मुख्य बिंदु

- **ICRT पुरस्कार 2025:**
  - यह पुरस्कार **सतत् पर्यटन** में अग्रणी लोगों को सम्मानित करता है। इसका उद्देश्य नकारात्मक प्रभावों को घटाना और सकारात्मक प्रभावों को बढ़ाना है।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- यह पुरस्कार 13 सितंबर वर्ष 2025 को नई दिल्ली में प्रदान किया जाएगा।

- **श्रेणियाँ:**
  - पुरस्कार समारोह में विभिन्न श्रेणियों जैसे **वन टू वॉच, सिल्वर और गोल्ड** के अंतर्गत संस्थानों को सम्मानित किया जाएगा।
- **मानदंड:**
  - पैनल ने प्रामाणिकता, प्रतिकृति, सामुदायिक भागीदारी और दीर्घकालिक प्रभाव के आधार पर प्रविष्टियों का मूल्यांकन किया है।
  - इस प्रक्रिया में कारीकोट अपनी नवोन्मेषी और समुदाय-आधारित ग्रामीण पर्यटन दृष्टि के कारण विशेष रूप से उभरकर सामने आया, जो **स्थायित्व** तथा **प्रभाव** का उत्कृष्ट उदाहरण है।
- **कारीकोट गाँव मॉडल:**
  - भारत-नेपाल सीमा और कतर्नियाघाट वन्यजीव अभयारण्य के निकट स्थित कारीकोट में पर्यटन पहल मुख्य रूप से **थारू जनजातीय समुदाय** द्वारा संचालित है। इसमें **होमस्टे, इको-टूरिज्म और सांस्कृतिक अनुभवों** पर विशेष ज़ोर दिया जाता है।
  - इन पहलों ने पारंपरिक थारू शिल्प, व्यंजन और लोककलाओं को पुनर्जीवित करने में मदद की है, जिससे कारीकोट थारू विरासत का एक **जीवंत संग्रहालय** के रूप में उभरा है।
  - कारीकोट का समुदाय-आधारित और सतत् पर्यटन मॉडल विशेषकर **महिलाओं** तथा **युवाओं** के लिये नए रोज़गार के अवसर एवं दीर्घकालिक लाभ प्रदान करता है।
- **उत्तर प्रदेश की ग्रामीण पर्यटन रणनीति:**
  - कारीकोट को मिली यह मान्यता राज्य के **ग्रामीण पर्यटन** को विकास का प्रमुख केंद्र बनाने के प्रयास को रेखांकित करती है, जिसे उत्तर प्रदेश **बेड एंड ब्रेकफास्ट एवं होमस्टे नीति 2025** और **इको-पर्यटन प्रोत्साहन** जैसी पहलों का समर्थन प्राप्त है।

थारू जनजाति

- **थारू का शाब्दिक अर्थ:** ऐसा माना जाता है कि 'थारू' शब्द की उत्पत्ति '**स्थविर**' (Sthavir) से हुई है जिसका अर्थ होता है बौद्ध धर्म की **थेरवाद** शाखा/परंपरा को मानने वाला।
- **निवास स्थान:** थारू समुदाय **शिवालिक या निम्न हिमालय** की पर्वत श्रृंखला के बीच तराई क्षेत्र से संबंधित है।
  - तराई उत्तरी भारत और नेपाल के बीच हिमालय की निचली श्रेणियों के सामानांतर स्थित क्षेत्र है।
  - थारू समुदाय के लोग भारत और नेपाल दोनों देशों में पाए जाते हैं, भारतीय तराई क्षेत्र में ये अधिकांशत: उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश और बिहार में रहते हैं।
- **अनुसूचित जनजाति:** थारू समुदाय को उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश और बिहार राज्यों में एक अनुसूचित जनजाति के रूप में चिह्नित किया गया है।
- **आजीविका:** इस समुदाय के अधिकांश लोग अपनी आजीविका के लिये वनों पर आश्रित रहते हैं, हालाँकि समुदाय के कुछ लोग कृषि भी करते हैं।
- **भाषा:** इस समुदाय के लोग **थारू भाषा** (हिंद-आर्य उपसमूह की एक भाषा) की अलग-अलग बोलियाँ और हिंदी, उर्दू तथा **अवधी भाषा** के विभिन्न रूपों का प्रयोग बोलचाल के लिये करते हैं।

ICRT इंडिया फाउंडेशन

- ICRT इंडिया फाउंडेशन की स्थापना वर्ष 2017 में भारत में **उत्तरदायी पर्यटन** को समर्थन और विस्तार देने के लिये की गई थी।
- यह **केप टाउन उत्तरदायी पर्यटन घोषणा-पत्र 2002** का समर्थन करता है और इसके सिद्धांतों को बढ़ावा देता है।
- फाउंडेशन ने मैग्नाकार्टा द्वीप पर हस्ताक्षरित **उत्तरदायी पर्यटन चार्टर 2022** पर हस्ताक्षर किये और उसका समर्थन करता है।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

भारत की पहली ड्रोन फोरेंसिक प्रयोगशाला

चर्चा में क्यों?

देश में पहली बार एक **ड्रोन फॉरेंसिक प्रयोगशाला** उत्तर प्रदेश राज्य फॉरेंसिक विज्ञान संस्थान (UPSIFS), **लखनऊ** में स्थापित की गई है।

मुख्य बिंदु

- **प्रयोगशाला के बारे में:**
  - इस प्रयोगशाला का उद्घाटन उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया था और इसकी संकल्पना तथा स्थापना रोबोटिक्स और ड्रोन प्रौद्योगिकी के विशेषज्ञ **मिलिंद राज** द्वारा की गई है, जिन्हें '**भारत के ड्रोन मैन**' के रूप में भी जाना जाता है।
- **कार्य:**
  - यह प्रयोगशाला पुलिस को वास्तविक समय में ड्रोन को ट्रैक करने, डिकोड करने और जाँच करने में सक्षम बनाएगी, जिससे फोरेंसिक विशेषज्ञों को **ड्रोन के उड़ान पथ, टेक-ऑफ स्थान, पेलोड क्षमता एवं विस्फोटक** जैसे संभावित खतरों का पता लगाने में मदद मिलेगी।
  - इससे ड्रोनों के फोरेंसिक पोस्टमॉर्टम में सहायता मिलेगी, जिससे उनके उद्देश्य और खतरे की संभावना का आकलन किया जा सकेगा तथा कानून प्रवर्तन एजेंसियों को गैर कानूनी गतिविधियों में प्रयुक्त ड्रोनों को समझने में मदद मिलेगी।
- **प्रशिक्षण:**
  - यह प्रयोगशाला पुलिस कर्मियों और फोरेंसिक विशेषज्ञों के लिये एक प्रशिक्षण केंद्र के रूप में काम करेगी, जहाँ उन्हें मानव रहित हवाई वाहनों (UAV) का व्यावहारिक अनुभव प्रदान किया जाएगा।
  - इसके माध्यम से UP पुलिस में एक **समर्पित ड्रोन बल** तैयार किया जाएगा, जो सुरक्षा निगरानी, भीड़ नियंत्रण और आपराधिक घटनाओं में ड्रोन से जुड़े मामलों पर शीघ्र प्रतिक्रिया दे सकेगा।
- **तकनीकी नवाचार और भावी प्रभाव:**
  - प्रयोगशाला में उन्नत डाटा अधिग्रहण उपकरण, **रिवर्स-इंजीनियरिंग सिस्टम, कस्टमाइज्ड किट्स** और **हाई-टेक कंप्यूटिंग सिस्टम** उपलब्ध कराए गए हैं।
  - इनकी सहायता से अवैध गतिविधियों में प्रयुक्त ड्रोन को ट्रेस और विश्लेषित करना संभव होगा।
- **अनुप्रयोग:**
  - यह प्रयोगशाला **सीमा क्षेत्रों, कारागारों और हवाई अड्डों** जैसे संवेदनशील क्षेत्रों की सुरक्षा में सहायक होगी। साथ ही, यह आपदा प्रबंधन और **खोज एवं बचाव अभियानों** में भी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

वाराणसी: रेलवे ट्रैक के बीच सौर पैनल लगाने वाला भारत का पहला शहर

चर्चा में क्यों?

वाराणसी भारत का पहला शहर बन गया है, जहाँ रेलवे ट्रैक के बीच पोर्टेबल सोलर पैनल स्थापित किये गये हैं, जो **सतत् ऊर्जा** को बढ़ावा देते हैं।

- **बनारस लोकोमोटिव वर्क्स (BLW)** में संचालित यह पायलट परियोजना भारतीय रेलवे के कार्बन फुटप्रिंट को कम करने और नेट-जीरो उत्सर्जन हासिल करने के लक्ष्य का समर्थन करती है।

मुख्य बिंदु

- **परिचय:**
  - इस स्थापना में 70 मीटर लंबाई के रेलवे ट्रैक पर फैली **सौर पैनल प्रणाली** शामिल है, जिसमें 15 kWp क्षमता के 28 पैनल लगे हैं, जो प्रतिदिन प्रति किमी 880 यूनिट बिजली उत्पन्न करते हैं और प्रति किमी 220 kWp का **ऊर्जा घनत्व** प्रदान करते हैं।
- **पैनल डिज़ाइन:**
  - सौर पैनल **हटाने योग्य** हैं, जिससे **रखरखाव** और मौसमी अनुकूलन आसान होता है।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- इन्हें **स्वदेशी रूप से डिज़ाइन** की गई स्थापना प्रक्रिया के साथ स्लीपरों पर लगाया गया है, ताकि **रेल यातायात** को बाधित किये बिना सुरक्षित और मज़बूत स्थिरता सुनिश्चित की जा सके।
  - रबर माउंटिंग पैड गुजरती ट्रेनों से होने वाले कंपन को कम करते हैं, **इपॉक्सी** चिपकाने वाला पदार्थ पैनलों को सुरक्षित रखता है तथा पटरियों के बीच की जगह अतिरिक्त भूमि अधिग्रहण की आवश्यकता को समाप्त कर देती है।

पर्यावरणीय एवं परिचालन प्रभाव:

- **ऊर्जा उत्पादन क्षमता:** इस योजना से प्रति किमी प्रतिवर्ष लगभग 3.21 लाख यूनिट बिजली उत्पादन की संभावना है।
- **भारतीय रेलवे नेटवर्क:** 1.2 लाख किमी लंबाई वाले रेलवे ट्रैक पर इस तकनीक को व्यापक रूप से लागू किया जा सकता है, विशेषकर **यार्ड लाइन्स** पर।
- BLW परिसरों में पहले से स्थापित **रूफटॉप सौर विद्युत संयंत्रों** के साथ ये पैनल भारतीय रेलवे की नवीकरणीय ऊर्जा **प्रतिबद्धता** को और मज़बूत करते हैं।

चिवनिंग-अटल बिहारी वाजपेई छात्रवृत्ति योजना

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश सरकार ने **चिवनिंग-अटल बिहारी वाजपेयी उत्तर प्रदेश राज्य सरकार छात्रवृत्ति योजना** के लिये **ब्रिटेन के विदेश, राष्ट्रमंडल और विकास कार्यालय** (FCDO) के साथ एक समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किये हैं।

मुख्य बिंदु

योजना के बारे में:

- इस समझौता ज्ञापन पर भारत में ब्रिटिश उच्चायुक्त **लिंडी कैमरून** ने लखनऊ में मुख्यमंत्री **योगी आदित्यनाथ** की उपस्थिति में हस्ताक्षर किये।
- उत्तर प्रदेश सरकार ने चालू वित्तीय वर्ष (2025-26) में इसके लिये **2 करोड़ रुपये** आवंटित किये हैं।
- योजना के अंतर्गत उत्तर प्रदेश के **पाँच मेधावी छात्रों** को प्रतिवर्ष ब्रिटेन के अग्रणी विश्वविद्यालयों में मास्टर डिग्री करने का अवसर मिलेगा।

उद्देश्य:

- इस छात्रवृत्ति का उद्देश्य उत्तर प्रदेश के **मेधावी छात्रों को** अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर शिक्षा, अनुसंधान और नेतृत्व में उत्कृष्टता प्राप्त करने में सक्षम बनाकर उन्हें सशक्त बनाना है।
  - साथ ही इसका उद्देश्य **राज्य की शिक्षा प्रणाली में परिवर्तन लाना** तथा छात्रों को वैश्विक नेतृत्व की भूमिका के लिये तैयार करना है।

समय-सीमा:

- कार्यक्रम वर्ष 2025-26 के शैक्षणिक सत्र से प्रारम्भ होगा और तीन वर्षों तक चलेगा। वर्ष 2028-29 से इसे पुनः नवीनीकृत करने की संभावना है।

वित्तीय प्रावधान:

- छात्रवृत्ति के अंतर्गत **ट्यूशन फीस, परीक्षा एवं अनुसंधान शुल्क, जीवन-यापन भत्ता** तथा ब्रिटेन आने-जाने का **हवाई किराया** शामिल है।

लागत:

- प्रति छात्र अनुमानित कुल व्यय 38,048 पाउंड से 42,076 पाउंड (लगभग 45–48 लाख रुपये) होगा।

राज्य सरकार का योगदान: लगभग 19,800 पाउंड (23 लाख रुपये)। शेष राशि का वहन FCDO द्वारा किया जाएगा।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- **छात्र चयन:**
  - प्रत्येक वर्ष पाँच छात्रों को प्रतिष्ठित ब्रिटिश विश्वविद्यालयों, **ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय, कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय, एडिनबर्ग विश्वविद्यालय** तथा **लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स एंड पॉलिटिकल साइंस** में अध्ययन हेतु पूर्ण छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी।
- **सामरिक महत्त्व:**
  - यह योजना भारत और ब्रिटेन के बीच बढ़ते सहयोग को दर्शाती है, विशेष रूप से **प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की** हाल की ब्रिटेन यात्रा के बाद, जहाँ उन्होंने **व्यापार समझौते** तथा **विज़न 35** पर हस्ताक्षर किये, जिससे व्यापार एवं शिक्षा के लिये नए रास्ते खुले।

विश्व मानवतावादी दिवस

चर्चा में क्यों?

हर साल **19 अगस्त** को मनाया जाने वाला **विश्व मानवतावादी दिवस** का उद्देश्य उन समर्पित व्यक्तियों के प्रयासों को मान्यता देना है, जो संकट की घड़ी में दूसरों की सहायता करने के लिये अपने प्राणों को जोखिम में डालते हैं।

- यह दिवस उन लाखों लोगों के प्रति समर्थन व्यक्त करने का भी अवसर है, जिनका **जीवन संघर्ष** और **आपदाओं** के कारण संकटग्रस्त हो जाता है।

मुख्य बिंदु

विश्व मानवतावादी दिवस के बारे में:

- **परिचय**
  - यह दिवस **मानवीय मामलों के समन्वय हेतु संयुक्त राष्ट्र कार्यालय (OCHA)** के नेतृत्व में मनाया जाता है।
  - इसका उद्देश्य संकटों से प्रभावित लोगों की कल्याण, गरिमा **और अस्तित्व** सुनिश्चित करना तथा मानवीय कार्यकर्त्ताओं की सुरक्षा का समर्थन करना है।
- **इतिहास**
  - **19 अगस्त, 2003** को बगदाद स्थित कैनाल होटल पर हुए बम हमले में 22 मानवीय सहयोगी मारे गए थे, जिनमें संयुक्त राष्ट्र महासचिव के इराक हेतु विशेष प्रतिनिधि **सर्जियो विएरा डी मेलो** भी शामिल थे।
  - उनके सम्मान में **संयुक्त राष्ट्र महासभा** ने एक प्रस्ताव पारित कर इस दिन को विश्व मानवतावादी दिवस (WHD) के रूप में घोषित किया।
- **विषय (Theme)**
  - इस वर्ष का विषय मानवतावादियों और नागरिकों पर हो रहे हमलों को समाप्त करने तथा **अंतर्राष्ट्रीय मानवीय कानून** के तहत दंड-मुक्ति की प्रवृत्ति को रोकने का आह्वान करता है।
  - यह सत्ता में बैठे लोगों से **#ActForHumanity** का आग्रह करता है।
- **#ActForHumanity अभियान का आह्वान:**
  - मानवीय कार्यकर्त्ताओं और उनके द्वारा सेवा प्राप्त करने वाले नागरिकों की **सुरक्षा**।
  - **अंतर्राष्ट्रीय मानवीय कानून** को बनाए रखना।
  - मानवीय सहायता द्वारा उपलब्ध कराए जाने वाले महत्त्वपूर्ण जीवन-रेखीय (Vital Lifelines) संसाधनों हेतु वित्तपोषण।

राष्ट्रीय अनुभव पुरस्कारों की 10वीं वर्षगाँठ

चर्चा में क्यों?

केंद्रीय कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने विज्ञान भवन में आयोजित समारोह के दौरान 57वीं सेवानिवृत्ति-पूर्व परामर्श कार्यशाला के साथ 8वें **"राष्ट्रीय अनुभव पुरस्कार"** प्रदान किये।

मुख्य बिंदु

- **पुरस्कार 2025 के बारे में:**
  - वर्ष 2025 में **अनुभव पुरस्कार** की 10वीं वर्षगाँठ पर शासन और विविधता में महत्त्वपूर्ण उपलब्धियों पर प्रकाश डाला गया।
  - इस वर्ष पुरस्कार प्राप्त करने वालों में **एक-तिहाई महिलाएँ थीं**, जो शासन में महिला अधिकारियों की बढ़ती उपस्थिति को दर्शाता है।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- **11 मंत्रालयों और विभागों** के कुल 15 पुरस्कार विजेताओं को सम्मानित किया गया, जिनमें पहली बार एक सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक तथा एक केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यम के अधिकारी भी शामिल थे।

- **उल्लेखनीय पुरस्कार विजेता:**
  - **एम. वेंकटेशन:** वर्ष 2014 की **कश्मीर बाढ़ और वर्ष 2022 में यूक्रेन से निकासी अभियान** सहित संकट काल में उत्कृष्ट सेवाओं के लिये सम्मानित।
  - **हुकुम सिंह मीणा:** 6.4 लाख से अधिक गाँवों में भूमि अभिलेखों के डिजिटलीकरण का नेतृत्व किया।
  - **शालिनी कक्कड़ (SBI):** प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण, पेंशन सुधार और डिजिटल जीवन प्रमाण-पत्र अभियान में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।
  - **ओ. विरुपाक्षप्पा (डाक विभाग):** ग्रामीण क्षेत्रों में डाक बचत और बीमा योजनाओं का विस्तार किया।
  - **साजू पी.के. (CRPF):** असम और पुलवामा जैसे संवेदनशील परिचालन क्षेत्रों में सेवा प्रदान की।

- **नई पहलों का शुभारंभ:**
  - कार्यक्रम में कई पहलें प्रारम्भ की गईं, जिनमें प्रमुख हैं–
    - **डिजिटल जीवन प्रमाण-पत्र अभियान 4.0** के लिये दिशानिर्देश जारी किये गए।
    - विशेष अभियान 2.0 की सफलता की कहानियों पर आधारित कॉफी टेबल ई-बुक का विमोचन।
    - अनुभव पोर्टल पर प्रस्तुत संस्मरणों के विश्लेषण के लिये कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) का उपयोग करने की घोषणा की गई।

राष्ट्रीय अनुभव पुरस्कार

- **परिचय:** अनुभव पुरस्कार की शुरुआत पेंशन एवं पेंशनभोगी कल्याण विभाग (DoPPW) द्वारा की गई है। इसका उद्देश्य सेवानिवृत्त एवं सेवानिवृत्त होने वाले केंद्रीय सरकारी कर्मचारियों के अनुभवों को **सम्मानित एवं प्रलेखित** करना है।
- **प्रारंभ:** इस पहल की शुरुआत भारत के प्रधानमंत्री के निर्देशानुसार **मार्च 2015 में** अनुभव पोर्टल के माध्यम से की गई। इसका लक्ष्य अनुभव साझा करने की संस्कृति विकसित करना, सुशासन को बढ़ावा देना और प्रशासनिक सुधारों को प्रोत्साहित करना है।
- **पात्रता:** सेवानिवृत्त होने वाले **केंद्रीय सरकारी कर्मचारी/पेंशनभोगी** इसके पात्र हैं। DoPPW द्वारा अधिसूचित समयावधि के अंतर्गत अनुभव पोर्टल पर प्रकाशित लेखन को इन पुरस्कारों के लिये विचारार्थ लिया जाता है।

पीएम-सूर्य घर योजना में उत्तर प्रदेश अग्रणी

चर्चा में क्यों?

जुलाई 2025 में उत्तर प्रदेश पीएम-सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत प्रतिदिन सौर इकाइयाँ स्थापित करने में देश का अग्रणी राज्य बन गया।

मुख्य बिंदु

- **सौर इकाइयाँ**
  - जुलाई में उत्तर प्रदेश ने **प्रतिदिन 891 सौर इकाइयाँ स्थापित करके** गुजरात (830 प्रतिदिन) और महाराष्ट्र (781 प्रतिदिन) को पीछे छोड़ दिया, जबकि अप्रैल वर्ष 2025 में यह उनसे पीछे था।
  - राज्य ने प्रयासों को और आगे बढ़ाने के लिये प्रतिदिन 1,300 सौर ऊर्जा संयंत्रों की स्थापना का नया लक्ष्य निर्धारित किया है।
- **प्रमुख रणनीतियाँ:**
  - उत्तर प्रदेश अपनी विकास रणनीति में सौर ऊर्जा इकाइयों को प्राथमिकता दे रहा है, जिसमें **सूर्य मित्रों** (सौर श्रमिकों) को प्रशिक्षित एवं सशक्त बनाने पर विशेष ज़ोर दिया जा रहा है तथा **उद्यमिता एवं उपभोक्ता संतुष्टि को प्रमुख लक्ष्य बनाया गया है।**
  - इस प्रयास के अंतर्गत सौर ऊर्जा दिवस' पर आयोजित आंतरिक कार्यक्रम में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले **पाँच सूर्य मित्रों को सम्मानित किया गया।**

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- **प्रभाव:**
  - राज्य के प्रयासों से **सौर ऊर्जा विक्रेता नेटवर्क** का विस्तार हुआ है, जो पीएम-सूर्य घर योजना के शुभारंभ के समय 86 विक्रेताओं से बढ़कर वर्तमान में 3,000 से अधिक विक्रेताओं तक पहुँच गया है।
  - यह वृद्धि सौर क्षेत्र में **रोज़गार** को बढ़ावा दे रही है और वर्ष 2029 तक एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के उत्तर प्रदेश के लक्ष्य का समर्थन कर रही है।
- **दीर्घकालिक लक्ष्य:**
  - उत्तर प्रदेश की योजना वर्ष 2027 तक 22 गीगावाट की स्थापित सौर क्षमता हासिल करने की है। इसे अनुकूल नीतिगत ढाँचे और सार्वजनिक-निजी भागीदारी (PPP) के माध्यम से गति दी जाएगी।

श्रेणी	विवरण
राज्य की सौर क्षमता	23 गीगावाट
स्थापित सौर ऊर्जा क्षमता	2,632 मेगावाट
PM-KUSUM योजना के अंतर्गत जोड़ी जाने वाली सौर क्षमता	2,000 मेगावाट
कुल विद्युत उत्पादन क्षमता (वित्त वर्ष 2028 तक)	40,191 मेगावाट (30,003 मेगावाट क्रियाशील)
उत्तर प्रदेश सौर ऊर्जा नीति 2022	वित्त वर्ष 2028 तक 14 गीगावाट यूटिलिटी स्केल सौर ऊर्जा परियोजनाएँ प्रस्तावित
हरित विद्युत शुल्क	0.54 रुपये प्रति kWh (अतिरिक्त लागत का 50%)
नेट बिलिंग / नेट फीड-इन	UPERC द्वारा रूफटॉप सौर PV ग्रिड-इंटरएक्टिव प्रणाली (ग्रॉस/नेट मीटरिंग) हेतु लागू

पीएम-सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना

- **शुरुआत:** **नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (MNRE)** द्वारा **फरवरी 2024** में शुरू की गई इस योजना का उद्देश्य छत पर सौर पैनल लगाकर एक करोड़ घरों को मुफ्त बिजली उपलब्ध कराना है।
- **बजट:** कुल 75,021 करोड़ रुपये के बजट के साथ, इस योजना को **वित्त वर्ष 2026-27** तक लागू करने की योजना है।
- **लाभ:** यह **प्रति माह 300 यूनिट तक मुफ्त बिजली प्रदान** करती है तथा स्थापना लागत का 40% तक सब्सिडी देती है, जिससे पूरे देश में **सौर ऊर्जा** को व्यापक रूप से अपनाने को बढ़ावा मिलता है।
- **पात्रता:** भारतीय नागरिक, मकान मालिक, **वैध बिजली कनेक्शन** रखने वाले तथा जिन्होंने पूर्व में कोई सौर सब्सिडी प्राप्त न की हो।
- **कार्यान्वयन:**
  - राष्ट्रीय स्तर पर – **राष्ट्रीय कार्यक्रम कार्यान्वयन एजेंसी (NPIA)**
  - राज्य स्तर पर – **राज्य कार्यान्वयन एजेंसियाँ (SIA)**
- **मुख्य भाग:**
  - **केंद्रीय वित्तीय सहायता (CFA):** राष्ट्रीय पोर्टल के माध्यम से छत पर सौर पैनल स्थापित करने वाले आवासीय उपभोक्ताओं को वित्तीय सहायता प्रदान करना।
  - **आदर्श सौर ग्राम:** प्रत्येक ज़िले में एक आदर्श सौर ग्राम का निर्माण, ताकि सौर ऊर्जा अपनाने को बढ़ावा मिले।

काशी विश्वनाथ धाम प्लास्टिक मुक्त क्षेत्र

चर्चा में क्यों?

11 अगस्त, 2025 से काशी विश्वनाथ धाम को आधिकारिक तौर पर प्लास्टिक-मुक्त क्षेत्र घोषित किया गया।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

मुख्य बिंदु

- **मुद्दे के बारे में:**
  - मंदिर परिसर में प्लास्टिक के उपयोग को समाप्त करने के लिये कई उपाय लागू किये गये, जिससे यह सतत् विकास और पर्यावरण-मित्रता का आदर्श उदाहरण बन गया।
- **पहल और प्रतिबंध:**
  - श्रावण मास से पूर्व एकल-उपयोग प्लास्टिक पर पूर्ण प्रतिबंध के बाद, काशी विश्वनाथ धाम प्रशासन ने जल ले जाने हेतु प्रयुक्त प्लास्टिक बर्तनों, प्रसाद के लिये दूध, फूल और अन्य पूजा सामग्री ले जाने हेतु प्रयुक्त प्लास्टिक की टोकरियों पर भी प्रतिबंध लगा दिया है।
- **पर्यावरण अनुकूल विकल्प:**
  - इस पहल को समर्थन देने के लिये विक्रेताओं को धातु के बर्तनों के साथ-साथ बाँस की पट्टियों और स्टेनलेस स्टील से बनी **पर्यावरण-अनुकूल टोकरियाँ** उपलब्ध कराई गईं।

काशी विश्वनाथ मंदिर

- **स्थान:** वाराणसी, **गंगा नदी** (भारत की सबसे पवित्र नदी) के पश्चिमी तट पर।
- **महत्त्व:**
  - भारत के सबसे प्राचीन नगर और **सांस्कृतिक राजधानी** का प्रतीक।
  - यहाँ भगवान शिव का ज्योतिर्लिंग 'विश्वेश्वर' (विश्वनाथ) विराजमान है, जो 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक है।
  - यह मंदिर आदि शंकराचार्य, रामकृष्ण परमहंस, स्वामी विवेकानंद, गोस्वामी तुलसीदास, महर्षि दयानंद सरस्वती, गुरु नानक आदि महान संतों का **आध्यात्मिक केंद्र** रहा है।
- **मंदिर निर्माण:**
  - वर्ष 1780 में इंदौर की महारानी अहिल्याबाई होल्कर द्वारा निर्मित।
  - वर्ष 1785 में **मोहम्मद इब्राहीम खाँ** ने (गवर्नर जनरल वॉरेन हेस्टिंग्स के आदेश पर) 'नौबतखाना' (नक्कारखाना) का निर्माण कराया।
  - वर्ष 1839 में महाराजा रणजीत सिंह ने दो गुंबदों को स्वर्ण मंडित करने हेतु स्वर्ण दान दिया; तीसरा गुंबद आज भी आच्छादित नहीं है।

जलालाबाद का नया नाम परशुरामपुरी

चर्चा में क्यों?

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने उत्तर प्रदेश के शाहजहाँपुर ज़िले स्थित **जलालाबाद** नगर का नाम बदलकर आधिकारिक रूप से **"परशुरामपुरी"** करने की स्वीकृति दे दी है।

मुख्य बिंदु

- केंद्र सरकार ने उत्तर प्रदेश सरकार को नया नाम **परशुरामपुरी** अधिसूचित करने और इसे सभी क्षेत्रीय भाषाओं के साथ-साथ देवनागरी (हिंदी) तथा **रोमन (अंग्रेज़ी)** दोनों लिपियों में पंजीकृत करने का निर्देश दिया है।
- उत्तर प्रदेश सरकार ने गृह मंत्रालय (MHA) को भेजे अपने अनुरोध में इस बात पर ज़ोर दिया था कि जलालाबाद को **परशुराम की जन्मस्थली** माना जाता है और यहाँ उनको समर्पित एक **प्राचीन मंदिर** भी है।
- **इतिहास:** जलालाबाद की स्थापना वर्ष **1560 के आसपास हुई थी** और इसका नाम मुगल सम्राट जलालुद्दीन मुहम्मद अकबर (हुमायूँ के पुत्र) के नाम पर रखा गया था, जिन्हें अकबर महान के नाम से जाना जाता था। राज्य सरकार ने वर्ष 2016 में जलालाबाद को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करना शुरू किया था।
- **ज़िले का नाम बदलने की प्रक्रिया:** ज़िलों के नाम बदलने या गठन में **केंद्र की कोई भूमिका नहीं** होती है, क्योंकि यह अधिकार राज्यों के पास होता है, लेकिन जब कोई राज्य किसी ज़िले या रेलवे स्टेशन का नाम बदलना चाहता है तो **गृह मंत्रालय की सहमति** आवश्यक होती है।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- राज्य सरकार का प्रस्ताव अन्य विभागों एवं एजेंसियों जैसे **पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, इंटेलिजेंस ब्यूरो, डाक विभाग, भूगर्भ सर्वेक्षण विभाग तथा रेलवे मंत्रालय** को भेजा जाता है ताकि उनसे अनुमोदन प्राप्त किया जा सके।
- उनकी प्रतिक्रियाओं की जाँच के बाद ***अनापत्ति प्रमाण-पत्र (NOC)*** जारी किया जा सकता है।

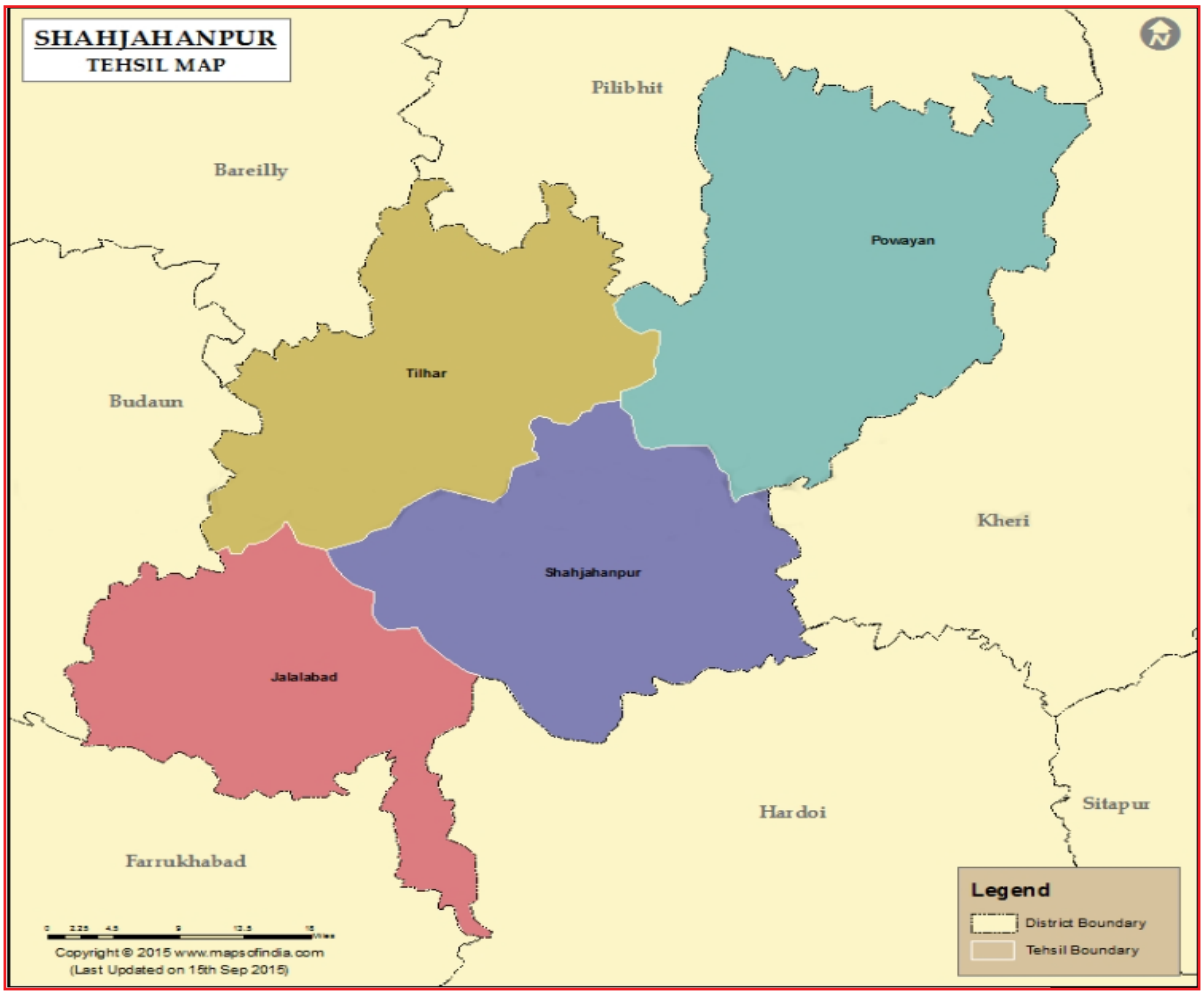

उत्तर प्रदेश में पूर्व में बदले गए स्थानों के नाम

पुराना नाम	नया नाम	पुराना नाम	नया नाम
इलाहाबाद	प्रयागराज	मुगलसराय रेलवे स्टेशन	पं. दीन दयाल उपाध्याय नगर
फैज़ाबाद	अयोध्या	झाँसी रेलवे स्टेशन	वीरांगना लक्ष्मी बाई
बनारस	वाराणसी		

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

उत्तर प्रदेश फुटवियर, चमड़ा एवं गैर-चमड़ा क्षेत्र विकास नीति 2025

चर्चा में क्यों?

राज्य में वैश्विक फुटवियर एवं चमड़ा क्षेत्र की स्थिति को सुदृढ़ करने हेतु उत्तर प्रदेश सरकार ने **'उत्तर प्रदेश फुटवियर, चमड़ा एवं गैर-चमड़ा क्षेत्र विकास नीति 2025'** को मंज़ूरी दे दी है।

मुख्य बिंदु

नीति की मुख्य विशेषताएँ

- **निर्यात को बढ़ावा:**
  - इस नीति का उद्देश्य **अंतर्राष्ट्रीय निवेश को आकर्षित करके चमड़ा और गैर-चमड़ा निर्यात में उत्तर प्रदेश की हिस्सेदारी को बढ़ाना है,** जिसके लिये **चीन तथा जापान** जैसे देशों में समर्पित निवेश अभियान चलाए जाएंगे।
- **आधुनिकीकरण:**
  - उत्पाद की गुणवत्ता में सुधार लाने तथा रोज़गार सृजन के लिये **प्रौद्योगिकी को उन्नत करने,** उत्पादन सुविधाओं को आधुनिक बनाने तथा **प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू करने** पर ज़ोर दिया जाएगा।
    - चमड़ा और फुटवियर क्षेत्र में उत्कृष्टता केंद्र स्थापित किये जाएंगे।
  - IPR (बौद्धिक संपदा अधिकार) विकास को समर्थन देने के लिये अनुदान प्रदान किये जाएंगे, जिसमें प्रति इकाई **1 करोड़ रुपये** तक का प्रावधान है।
- **कौशल विकास:**
  - प्रशिक्षण केंद्र युवाओं के **कौशल उन्नयन** पर ध्यान केंद्रित करेंगे तथा शैक्षिक संस्थानों के साथ साझेदारी में विशेष **पाठ्यक्रम** तैयार किये जाएंगे।
  - अगले पाँच वर्षों में इस क्षेत्र में लगभग 22 लाख **नौकरियाँ** सृजित करने का लक्ष्य रखा गया है, जिसमें महिलाओं और दिव्यांग लोगों को रोज़गार देने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।
- **समर्पित चमड़ा पार्क:**
  - सरकार बड़े भूखंडों का निर्माण करेगी और **प्लग-एंड-प्ले सुविधाओं**, अपशिष्ट उपचार संयंत्रों तथा अत्याधुनिक बुनियादी ढाँचे के साथ समर्पित चमड़ा पार्क स्थापित करेगी।
  - बढ़ती मांग को पूरा करने के लिये कानपुर, आगरा और उन्नाव में **मेगा-लेदर पार्क** की स्थापना की जाएगी।
    - बुंदेलखंड और पूर्वांचल जैसे वंचित क्षेत्रों में परिचालन स्थापित करने के लिये विशेष प्रोत्साहन दिया जाएगा।
- **वित्तीय प्रोत्साहन:**
  - इस नीति में नए चमड़ा पार्क और क्लस्टर स्थापित करने के लिये **प्रोत्साहन** तथा **सब्सिडी प्रदान** करके नए एवं मौजूदा दोनों व्यवसायों को समर्थन देने के प्रावधान शामिल हैं।
    - 50 एकड़ से अधिक भूमि पर चमड़ा पार्क या क्लस्टर स्थापित करने के लिये **25% पूंजीगत सब्सिडी।**
    - परियोजना से संबंधित भूमि खरीद के लिये **स्टांप ड्यूटी पर 100% छूट।**
    - **पहले तीन वर्षों** के लिये नेपाल, बांग्लादेश और भूटान के बाहर के बाज़ारों में उत्पादों के निर्यात के लिये **50% परिवहन लागत** की प्रतिपूर्ति।
- **सतत् विकास पर ध्यान:**
  - कार्बन क्रेडिट प्रमाणन, नवीकरणीय ऊर्जा प्रमाणन और **ऊर्जा ऑडिट** अपनाने पर 50% प्रतिपूर्ति।
  - अंतर्राष्ट्रीय सतत् प्रमाणन प्राप्त करने पर 75% सब्सिडी।
  - **बायोडिग्रेडेबल टैनिंग एजेंट और वाटरलेस डाईंग तकनीक** अपनाने का समर्थन।

उद्योग अंतर्दृष्टि

- **बाजार स्थिति:** उत्तर प्रदेश भारत के प्रमुख चमड़ा और फुटवियर हब में से एक है, जो भारत के **कुल चमड़ा निर्यात का लगभग 46% योगदान** देता है।
- **मुख्य स्थान: आगरा 'भारत की फुटवियर राजधानी'** के रूप में प्रसिद्ध है, जबकि कानपुर चमड़े के सामान और काठी के सामान में प्रमुख है।
- **अनुमानित बाज़ार आकार:** उत्तर प्रदेश के चमड़ा उद्योग का बाज़ार आकार लगभग 3.5 अरब डॉलर है, जिसमें फुटवियर खंड का महत्त्वपूर्ण योगदान है।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

प्रथम खेलो इंडिया वाटर स्पोर्ट्स फेस्टिवल 2025

चर्चा में क्यों?

प्रथम खेलो इंडिया वाटर स्पोर्ट्स फेस्टिवल (KIWSF) 21 से 23 अगस्त 2025 तक डल झील में आयोजित किया जाएगा, जिसमें 400 से अधिक प्रतिभागी **रोइंग, कैनोइंग और कयाकिंग** में प्रतिस्पर्द्धा करेंगे।

- गुलमर्ग में खेलो इंडिया शीतकालीन खेलों के बाद यह जम्मू-कश्मीर में दूसरा खेलो इंडिया आयोजन होगा, जिससे यह क्षेत्र भारत के शीतकालीन खेल केंद्र के रूप में स्थापित हो जाएगा।

मुख्य बिंदु

- **स्पोर्ट्स फेस्टिवल के बारे में:**
  - KIWSF 2025 का आयोजन सरकार की **खेलो भारत** पहल के तहत भारतीय खेल प्राधिकरण (SAI) और **जम्मू-कश्मीर खेल परिषद** द्वारा संयुक्त रूप से किया जा रहा है।
- **उद्देश्य:**
  - **उद्देश्य:** इसका उद्देश्य **ज़मीनी स्तर** पर खेलों का विस्तार करना, **स्थानीय रोजगार सृजित** करना और **अवसंरचना का आधुनिकीकरण** करना है।
- **प्रतियोगिताएँ:**
  - यह पहली समेकित ओपन-एज श्रेणी चैंपियनशिप होगी, जिसमें सभी 14 कयाकिंग और कैनोइंग प्रतियोगिताएँ तथा 10 रोइंग प्रतियोगिताएँ ओलंपिक **प्रतियोगिताएँ** होंगी।
  - इसके अलावा तीन प्रदर्शन कार्यक्रम भी होंगे - वाटर स्कीइंग, शिखर बोट स्प्रिंग और ड्रैगन बोट रेस।
- **योग्यता:**
  - टिहरी (उत्तराखंड) में नवंबर 2024 में आयोजित कयाकिंग और कैनोइंग राष्ट्रीय प्रतियोगिता क्वालीफायर के रूप में आयोजित की गई थी, जिसमें एकल तथा युगल में शीर्ष 15 तथा चतुर्थ वर्ग में शीर्ष आठ खिलाड़ी KIWSF में पहुँचे थे।
  - नौकायन में, मार्च 2025 में भोपाल में आयोजित राष्ट्रीय प्रतियोगिता के शीर्ष आठ खिलाड़ी इसमें भाग लेंगे।
- **प्रतिभागी:**
  - KIWSF में **36 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के एथलीट शामिल होंगे,** जिसमें सेवा टीम शामिल नहीं होगी।
  - खेलों में **लगभग समान प्रतिनिधित्व होगा,** जिसमें 409 एथलीट पदक के लिये प्रतिस्पर्द्धा करेंगे, जिनमें 202 महिलाएँ शामिल होंगी।
  - **मध्य प्रदेश (44),** हरियाणा (37), ओडिशा (34) और केरल (33) का KIWSF 2025 में सबसे बड़ा दल होगा।
  - **गुजरात,** पुदुचेरी और पश्चिम बंगाल की टीमें सबसे छोटे दल होंगे।

खेलो इंडिया

- भारत सरकार द्वारा **वर्ष 2017** में शुरू किये गए खेलो इंडिया का उद्देश्य ज़मीनी स्तर पर बच्चों को शामिल करके और विभिन्न खेलों के लिये बुनियादी ढाँचे तथा अकादमियों को बढ़ाकर देश की खेल संस्कृति को पुनर्जीवित करना है।
  - इस पहल की शुरुआत वर्ष 2018 में नई दिल्ली में **खेलो इंडिया स्कूल गेम्स** के साथ हुई थी और **वर्ष 2018 में** भारतीय ओलंपिक संघ (IOA) के शामिल होने के बाद, खेलों का नाम बदलकर **खेलो इंडिया यूथ गेम्स** कर दिया गया, जिसका पहला संस्करण वर्ष 2019 में पुणे में आयोजित किया गया था।
- **खेलो इंडिया आंदोलन** ने **खेलो इंडिया युवा खेल (KIYG), खेलो इंडिया विश्वविद्यालय खेल (KIUG)** और **खेलो इंडिया शीतकालीन खेल (KIWG)** को वार्षिक राष्ट्रीय खेल आयोजनों के रूप में पेश किया, जहाँ विभिन्न राज्यों तथा विश्वविद्यालयों के युवा अपने कौशल का प्रदर्शन करते हैं एवं पदक के लिये प्रतिस्पर्द्धा करते हैं।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- **खेलो इंडिया कैलेंडर** में एक नया शामिल, **खेलो इंडिया वाटर स्पोर्ट्स फेस्टिवल** और **खेलो इंडिया बीच गेम्स**, जो मई 2025 में दीव में आयोजित किये गए, इस पहल के तहत आयोजनों के विस्तार पर प्रकाश डालते हैं।
- **खेलो इंडिया यूथ गेम्स**, जो वर्ष 2018 में 18 खेलों के साथ शुरू हुआ था, वर्ष 2025 में बिहार में आयोजित होने पर 27 खेलों तक विस्तारित हो गया, जिसमें पुरुष और महिलाओं दोनों के लिये अंडर-17 तथा अंडर-21 श्रेणियों में प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं।
- **खेलो इंडिया सेंटर** पहल, **खेलो इंडिया स्टेट सेंटर ऑफ एक्सीलेंस** (KISCE) योजना का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य भारत में ज़मीनी स्तर पर खेल बुनियादी ढाँचे को मज़बूत करना है।

IOAA 2025 में भारत का प्रदर्शन

चर्चा में क्यों?

भारत की राष्ट्रीय टीम ने 15 से 21 अगस्त तक **मुंबई** में आयोजित **18वें** अंतर्राष्ट्रीय खगोल विज्ञान और खगोल भौतिकी ओलंपियाड (IOAA) **2025** में चार स्वर्ण पदक और एक रजत पदक जीते।

मुख्य बिंदु

पदक विजेताओं के बारे में:

- **स्वर्ण पदक विजेता:**
  - आरुष मिश्रा (बंगलूरू)
  - बनीब्रत माजी (दिल्ली)
  - पाणिनि (पटना)
  - अक्षत श्रीवास्तव (कोलकाता)
- **रजत पदक विजेता:**
  - **गुरुग्राम** के **सुमंत गुप्ता ने रजत पदक** जीता।
- **प्रतियोगिता की मुख्य विशेषताएँ:**
  - इस वर्ष IOAA में विश्व के **288 विद्यार्थियों** ने भाग लिया, जहाँ व्यावहारिक और सैद्धांतिक परीक्षाओं की शृंखला आयोजित की गई।
  - **ईरान ने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया** और उसके सभी पाँच प्रतिभागियों ने स्वर्ण पदक जीते।
- **समापन समारोह और पुरस्कार:**
  - IOAA का समापन 21 अगस्त, 2025 को भव्य समारोह के साथ हुआ। इस दौरान कुल 145 पदक प्रदान किये गए, जिनमें 50 स्वर्ण, 44 रजत और 51 कांस्य पदक शामिल थे।
  - होमी भाभा नेशनल इंस्टीट्यूट के कुलपति ने विजेताओं को बधाई दी और उनके वैज्ञानिक उत्कृष्टता के प्रयासों की सराहना की।
  - साथ ही, उन्होंने खगोल विज्ञान और अंतरिक्ष अनुसंधान में भारत के बढ़ते निवेशों को भी रेखांकित किया।
- **वैश्विक भागीदारी:**
  - **ऑस्ट्रेलिया** और **हांगकांग** ने इस बार पहली बार सफलता हासिल की। ऑस्ट्रेलिया ने रजत पदक जीता जबकि हांगकांग ने भी रजत पदक अर्जित किया।
  - इटली ने तीन कांस्य पदक प्राप्त किये, जो अंतरिक्ष विज्ञान शिक्षा के प्रति वैश्विक रुचि को दर्शाता है।
- **IOAA के बारे में:**
  - वर्ष **2007** में स्थापित **IOAA** खगोल विज्ञान और खगोल भौतिकी में रुचि रखने वाले हाई स्कूल के छात्रों के लिये एक प्रमुख वैश्विक कार्यक्रम है।
  - इस वर्ष इसका आयोजन **होमी भाभा विज्ञान शिक्षा केंद्र** (HBCSE) द्वारा किया गया, जो टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च (TIFR) का एक अंग है।

द कुंज का उद्घाटन

चर्चा में क्यों?

केंद्रीय कपड़ा मंत्री श्री गिरिराज सिंह ने नई दिल्ली में भारतीय हस्तशिल्प और हथकरघा की विविध विरासत के उत्सव तथा उसके प्रोत्साहन हेतु समर्पित एक **खुदरा एवं सांस्कृतिक गंतव्य "द कुंज"** का उद्घाटन किया।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

मुख्य बिंदु

- **द कुंज के बारे में:**
  - **द कुंज** एक अभिनव पहल है, जो कारीगरों को सशक्त बनाने, बाज़ार पहुँच में सुधार लाने और **डिज़ाइन-संचालित** अनुभवात्मक दृष्टिकोण के साथ शिल्प क्षेत्र की पुनर्कल्पना करने पर केंद्रित है।
  - **विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) कार्यालय द्वारा** परिकल्पित और विकसित इस पहल का उद्देश्य अपने अद्वितीय डिज़ाइन-आधारित दृष्टिकोण के माध्यम से हस्तशिल्प क्षेत्र में परिवर्तन लाना है।
  - यह भारत की अपनी तरह की पहली पहल है, जिसे बड़े पैमाने पर **शिल्पों को बढ़ावा देने** और कारीगरों को ***"गाँव से ग्लोबल"*** तक पहुँचाने की केंद्र सरकार की परिकल्पना के अनुरूप तैयार किया गया है।
  - **द कुंज** तीन महीने के उद्घाटन समारोह की शुरुआत का प्रतीक है, जिसमें **शोरूम**, **लाइव शिल्प प्रदर्शननी**, कारीगरों के नेतृत्व वाली कार्यशालाएँ, खाद्य-कला अनुभव तथा आकर्षक प्रदर्शनियों का सुव्यवस्थित संयोजन प्रस्तुत किया गया है।
  - इस पहल की सफलता से यह अपेक्षा है कि यह भारत में इसी प्रकार की अन्य परियोजनाओं के लिये एक आदर्श के रूप में कार्य करेगी तथा पारंपरिक शिल्पकला तथा हस्तनिर्मित उत्कृष्टता के **वैश्विक केंद्र** के रूप में भारत की भूमिका को और अधिक **मज़बूत** बनाएगी।

उत्तर प्रदेश पुलिस की सवेरा योजना

चर्चा में क्यों?

21 अगस्त, 2025 को विश्व वरिष्ठ नागरिक दिवस के अवसर पर उत्तर प्रदेश पुलिस की आपातकालीन इकाई **UP-112** ने 'सवेरा योजना' में पंजीकृत वरिष्ठ नागरिकों से पुन: जुड़ने के लिये एक विशेष पहल की शुरुआत की।

- इस पहल का उद्देश्य स्वास्थ्य की जाँच (wellness checks) करके तथा प्रारंभिक स्तर पर सहायता प्रदान करके वरिष्ठ नागरिकों की सुरक्षा, **कल्याण** और **सम्मान** सुनिश्चित करना है।

मुख्य बिंदु

सवेरा योजना के बारे में:

- **शुभारंभ:** इस पहल का शुभारंभ **26 अक्तूबर, 2019** को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा किया गया।
- **उद्देश्य:** इसका उद्देश्य नागरिकों के साथ नियमित **सामुदायिक संपर्क स्थापित करना** तथा उनकी व्यक्तिगत और सामूहिक समस्याओं का प्रारंभिक स्तर पर ही समाधान करना है, ताकि नागरिकों में सुरक्षा की भावना उत्पन्न की जा सके।
- **पंजीकरण:** वरिष्ठ नागरिक पंजीकरण के लिये UP-112 पर कॉल कर सकते हैं और पंजीकरण के बाद, यदि आवश्यक हो तो उन्हें निकटतम पुलिस स्टेशन या पुलिस प्रतिक्रिया वाहन से सुरक्षा सहायता प्राप्त होगी।
- **विशेष प्रकोष्ठ:** वरिष्ठ नागरिकों से संबंधित मुद्दों के समाधान में सहायता के लिये ज़िला स्तर पर तथा प्रत्येक पुलिस थाने में एक विशेष वरिष्ठ नागरिक प्रकोष्ठ (*Senior Citizen Cell*) का गठन किया गया है।

विश्व वरिष्ठ नागरिक दिवस

- यह दिवस हर साल **21 अगस्त** को वरिष्ठ नागरिकों के योगदान को सम्मानित करने, वैश्विक स्तर पर उनके सामने आने वाली चुनौतियों के बारे में जागरूकता बढ़ाने और सिल्वर अर्थव्यवस्था के बढ़ते महत्त्व को उजागर करने के लिये मनाया जाता है।
  - **सिल्वर अर्थव्यवस्था** से तात्पर्य वरिष्ठ नागरिकों के लिये सभी आर्थिक गतिविधियों, वस्तुओं और सेवाओं से है।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- विश्व वरिष्ठ नागरिक दिवस की शुरुआत वर्ष 1988 में हुई थी, जब अमेरिका के राष्ट्रपति **रोनाल्ड रीगन** ने 21 अगस्त को वरिष्ठ नागरिकों के सम्मान और समर्थक नीतियों को बढ़ावा देने हेतु समर्पित किया।
- यह अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस से अलग है। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने **1 अक्तूबर** को अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के रूप में घोषित किया था, जिसे पहली बार वर्ष 1991 में मनाया गया था।

राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस उत्सव

चर्चा में क्यों?

23 अगस्त, 2025 को मनाए गए राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस पर **लखनऊ** के सभी स्कूलों में अंतरिक्ष विज्ञान में भारत की प्रगति का उत्सव मनाया गया।

मुख्य बिंदु

- उत्सव के बारे में:
  - समारोह में NCERT द्वारा विकसित एक नया शैक्षिक मॉड्यूल '**भारत: एक उभरती हुई अंतरिक्ष शक्ति**' लॉन्च किया गया।
  - इस कार्यक्रम का उद्देश्य ऑनलाइन/ऑफलाइन सत्रों के माध्यम से छात्रों को विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित (STEM) में करियर के लिये प्रेरित करना है।
  - छात्रों को अंतरिक्ष अन्वेषण से अवगत कराने के लिये दीक्षा, निष्ठा और इंडिया ऑन द मून पोर्टल जैसे संसाधनों का भी उपयोग किया गया।
- राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस
  - यह दिवस चंद्रयान-3 मिशन के **विक्रम लैंडर** की सफल लैंडिंग और 23 अगस्त, 2023 को चंद्रमा पर **प्रज्ञान रोवर** की **स्थापना (deployment)** की स्मृति में मनाया जाता है।
  - चंद्रयान-3 के प्रक्षेपण के साथ ही भारत चंद्रमा पर **सफलतापूर्वक उतरने वाला चौथा देश** और उसके **दक्षिणी ध्रुवीय क्षेत्र तक पहुँचने वाला पहला देश** बन गया।
  - भारत ने अपना **पहला राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस 23 अगस्त, 2024** को मनाया।
- **थीम 2025:**
  - आर्यभट्ट से गगनयान: प्राचीन ज्ञान से अनंत संभावनाओं तक
- **आयोजन:**
  - **राष्ट्रीय सम्मेलन 2025**, जिसका विषय था *"विकसित भारत 2047 के लिये अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी का लाभ उठाना"*, इसमें विभिन्न क्षेत्रों में राष्ट्रीय प्राथमिकताओं को आगे बढ़ाने में अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी की भूमिका पर विचार किया गया।
  - **भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला (PRL)** ने *"आर्यभट्ट से गगनयान: प्राचीन ज्ञान से अनंत संभावनाओं तक"* विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया।
- **महत्त्व:**
  - यह भारत की अंतरिक्ष अन्वेषण **क्षमताओं पर प्रकाश डालता** है और इसका उद्देश्य भविष्य की पीढ़ियों को **विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित (STEM)** में करियर बनाने के लिये प्रेरित करना है, जिससे भारत के चल रहे अंतरिक्ष प्रयासों में योगदान मिलेगा।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

अंतरिक्ष क्षेत्र में भारत

भारत की अंतरिक्ष यात्रा - शुरुआत

- 1962- डॉ. विक्रम साराभाई द्वारा INCOSPAR की स्थापना
- 1963- अमेरिका द्वारा आपूर्ति किये गए रॉकेट नाइक-अपाचे को थुम्बा (केरल) से लॉन्च किया गया

शुरुआती दिनों में

- 1969 - INCOSPAR, इसरो (ISRO) में परिवर्तित हुआ
- 1975 -
  - भारत का पहला उपग्रह- आर्यभट्ट लॉन्च किया गया
  - सैटेलाइट इंस्ट्रक्शनल टेलीविज़न एक्सपेरिमेंट (SITE) लॉन्च किया गया
    - भारत की पहली बड़ी परियोजना; प्रौद्योगिकी को एक शैक्षिक उपकरण के रूप में उपयोग करने का प्रयास किया
- 1980 - INSAT सीरीज और SLV-3 को लॉन्च किया गया
- 1994 - PSLV को लॉन्च किया गया
- 2001 - GSAT-1 (GSAT श्रृंखला का पहला) लॉन्च किया गया

मिशन शक्ति (2019) - सैन्य और सामरिक उद्देश्यों की पूर्ति के लिये उपग्रहों को नष्ट करने हेतु DRDO और इसरो द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित एक एंटी-सैटेलाइट मिसाइल परीक्षण

SSLV-D2 इसरो का सबसे छोटा लॉन्च व्हीकल है जिसे हाल ही में वर्ष 2023 में लॉन्च किया गया था

भारत की अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था

- 2020 में ~9.6 बिलियन डॉलर; 2025 तक 13 बिलियन डॉलर होने की उम्मीद है
- शेयर - सरकार (~20%), मीडिया और मनोरंजन (26%), उपभोक्ता और खुदरा सेवाएँ (21%)

भारत और विश्व अंतरिक्ष डोमेन

- वैश्विक अंतरिक्ष उद्योग में छठा सबसे बड़ा खिलाड़ी; विश्व की की स्पेस-टेक कंपनियों का ~3.6% (2021 तक)
- इसमें अग्रणी स्थान अमेरिका का है (अंतरिक्ष-तकनीक पारिस्थितिकी तंत्र में सभी कंपनियों का 56.4%)
- अन्य शीर्ष 5 खिलाड़ी - यूके (6.5%), कनाडा (5.3%), चीन (4.7%) और जर्मनी (4.1%)

भारतीय निजी कंपनियाँ

- वर्तमान में अंतरिक्ष डोमेन में 100+ स्टार्टअप काम कर रहे हैं
- निवेश- ↑ 3 मिलियन डॉलर (2018) से 65+ मिलियन डॉलर (2021) तक

स्काईरूट एयरोस्पेस अपने विक्रम एस स्पेस लॉन्चर के साथ, अंतरिक्ष में रॉकेट भेजने वाली पहली भारतीय प्राइवेट कंपनी बन गई

निजी क्षेत्र की भागीदारी के लिये पहल

- इन-स्पेस
- न्यूस्पेस इंडिया लिमिटेड (NSIL)
- इंडियन स्पेस एसोसिएशन (ISpA)

पहला अंतरिक्ष युग

- यह 1951 में उपग्रह स्पुतनिक 1 (USSR द्वारा) के प्रक्षेपण के साथ शुरू हुआ
- 1961 में, यूरी गगारिन अंतरिक्ष में जाने वाले विश्व के पहले व्यक्ति बने

दूसरा अंतरिक्ष युग

- वर्तमान समय में जहाँ अधिकांश खिलाड़ी निजी कंपनियाँ हैं
- 2020 के बाद से वैश्विक अंतरिक्ष लॉन्चिंग का 90% कार्य निजी क्षेत्र द्वारा किया गया है
- वर्ष 2022 में 180 रॉकेट लॉन्च हुए; उनमें से 61 स्पेसएक्स द्वारा किये गए
- स्टारलिंक वर्तमान में 3,500 से अधिक उपग्रहों के समूह का संचालन करता है

दृष्टि The Vision | d Drishti IAS

Prepare with DrishtiIAS

राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!

हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!

राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!

निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

जीबी नगर और श्रावस्ती शिकायत निवारण में अग्रणी

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश सरकार ने **एकीकृत शिकायत निवारण प्रणाली** (Integrated Grievance Redressal System) के माध्यम से अपनी **शिकायत निवारण रिपोर्ट** जारी की, जिसमें उन ज़िलों को हाइलाइट किया गया जहाँ नागरिक संतुष्टि सबसे अधिक थी।

मुख्य बिंदु

- **पुलिस शिकायत निवारण: गौतम बुद्ध (जीबी) नगर 98.72% संतुष्ट प्रतिक्रिया दर** के साथ शीर्ष पर रहा, इसके बाद पीलीभीत (98.23%), बलिया (96.04%), बस्ती (95.43%) और श्रावस्ती (95.14%) हैं।
- **ज़िला मजिस्ट्रेट शिकायत निवारण:** श्रावस्ती 90.2% संतुष्टि के साथ अग्रणी रहा, इसके बाद शाहजहाँपुर (89.08%), बलरामपुर (83.44%), हमीरपुर (82.15%) और बरेली (80.11%) हैं।
- **पारदर्शिता के लिये तंत्र:** जिन अधिकारियों के विरुद्ध शिकायत दर्ज की गई है, उनके द्वारा शिकायतों को बंद नहीं किया जा सकता; वरिष्ठ अधिकारी जैसे ADM, ASP, DCP या DCP-स्तरीय अधिकारी निवारण की समीक्षा करते हैं और सीधे शिकायतकर्त्ताओं के साथ संवाद करते हैं।

शुभांशु शुक्ला को लखनऊ में सम्मानित किया गया

चर्चा में क्यों?

अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (ISS) की यात्रा करने वाले पहले भारतीय ग्रुप कैप्टन **शुभांशु शुक्ला** को अपने गृह नगर लखनऊ लौटने पर उत्तर प्रदेश सरकार ने लोकभवन में एक विशेष सम्मान समारोह का आयोजन किया जहाँ मुख्यमंत्री **योगी आदित्यनाथ** ने शुभांशु शुक्ला और उनके परिवार को सम्मानित किया।

मुख्य बिंदु

- **छात्रवृत्ति:** मुख्यमंत्री ने अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी का अध्ययन करने वाले छात्रों के लिये शुभांशु के नाम पर छात्रवृत्ति की स्थापना की घोषणा की तथा इस बात पर प्रकाश डाला कि चार दशक बाद किसी भारतीय को अंतरिक्ष की यात्रा करने का अवसर मिला है।
  - अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में राज्य की सक्रिय भागीदारी को भी रेखांकित किया गया जहाँ उत्तर प्रदेश में एक दर्जन से अधिक संस्थान अब इससे संबंधित पाठ्यक्रम चला रहे हैं।
- **डाक टिकट:** भारतीय डाक ने शुभांशु के अंतरिक्ष मिशन के सम्मान में एक डाक आवरण और टिकट भी जारी किया।
- **मोबाइल इनोवेशन प्रोग्राम:** सिटी मॉन्टेसरी स्कूल (CMS), लखनऊ ने डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम टेक्निकल यूनिवर्सिटी (AKTU) के सहयोग से शुभांशु शुक्ला इनोवेशन एक्सप्रेस नामक एक मोबाइल इनोवेशन प्रोग्राम की शुरुआत की।
- **आपदा प्रबंधन में भूमिका:** मुख्यमंत्री ने प्राकृतिक आपदाओं के प्रबंधन में सुधार लाने में अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी की **महत्त्वपूर्ण** भूमिका पर भी ज़ोर दिया।

शुभांशु शुक्ला

- भारतीय वायु सेना के ग्रुप कैप्टन **शुभांशु शुक्ला** वर्ष 2025 में निजी मिशन पर अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (ISS) की यात्रा करने वाले पहले **भारतीय अंतरिक्ष यात्री** हैं।
  - इसका नेतृत्व NASA की अंतरिक्ष यात्री **पैगी व्हिटसन** ने किया और शुभांशु शुक्ला ने मिशन पायलट के रूप में कार्य किया।
  - वे भारत के मानव अंतरिक्ष कार्यक्रम 'गगनयान' के लिये भी अंतरिक्ष यात्री-नामांकित (astronaut-designate) हैं।
- वे NASA और ISRO के बीच एक संयुक्त उद्यम **एक्सिओम मिशन**-4 (Ax-4) के हिस्से के रूप में फ्लोरिडा के कैनेडी स्पेस सेंटर से स्पेसएक्स ड्रैगन अंतरिक्षयान में सवार हुए।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- Ax-4 मिशन में भारत, पोलैंड और हंगरी के अंतरिक्ष यात्री शामिल थे तथा यह चार दशक बाद इस प्रकार का पहला बहु-देशीय सहयोग बना।
  - अंतरिक्ष यात्री दल ने ISS पर **14 दिन** व्यतीत किये और इस दौरान NASA तथा ISRO के साथ मिलकर वैज्ञानिक प्रयोगों, शैक्षिक गतिविधियों तथा वाणिज्यिक कार्यों का संचालन किया।
- उल्लेखनीय है कि **वर्ष 1984 में** राकेश शर्मा सोवियत संघ के सोयूज T-11 मिशन (इंटरकोस्मोस कार्यक्रम) के तहत अंतरिक्ष में जाने वाले पहले भारतीय थे।

लोक संवर्द्धन पर्व

चर्चा में क्यों?

भारत सरकार के अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय द्वारा *लोक संवर्द्धन पर्व* का **पाँचवाँ संस्करण** 26 अगस्त से 4 सितंबर, 2025 तक **कोच्चि (केरल)** में आयोजित किया जा रहा है।

- यह केरल में आयोजित होने वाला पहला *लोक संवर्द्धन पर्व* होगा। इसमें देशभर से 100 से अधिक शिल्पकार तथा 15 खाद्य कला-विशेषज्ञ भाग लेंगे।

मुख्य बिंदु

- **लोक संवर्द्धन पर्व** अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय की एक प्रमुख पहल है, जिसका उद्देश्य अल्पसंख्यक समुदायों के कारीगरों, शिल्पकारों, बुनकरों, खाद्य कला विशेषज्ञों और उद्यमियों को बाज़ार संपर्क तथा राष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शन का अवसर प्रदान कर उन्हें **सशक्त बनाना** है।
- **उद्देश्य:** इस महोत्सव का उद्देश्य भारत की **समृद्ध विविधता** का उत्सव मनाना तथा अल्पसंख्यक समुदायों को *अपने कला, शिल्प और पाक-कौशल को प्रदर्शित करने* के लिये एक मंच उपलब्ध कराना है। यह पहल अल्पसंख्यक समुदायों के बीच समावेशी विकास और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिये सरकार के दृष्टिकोण के अनुरूप है।
- **शिल्प:** इस महोत्सव में विभिन्न प्रकार के पारंपरिक शिल्प प्रदर्शित किये जाएंगे, जिनमें सम्मिलित हैं:

शिल्प/कला	क्षेत्र
ज़री और चिकनकारी	उत्तर प्रदेश
मधुबनी पेंटिंग	बिहार
पश्मीना बुनाई	लद्दाख
चन्नपटना लकड़ी के खिलौने	कर्नाटक
फूलकारी कढ़ाई	पंजाब
ब्लू पॉटरी	राजस्थान
बस्तर लौह शिल्प	छत्तीसगढ़
नेट्टिपट्टम निर्माण	केरल

भारत के अल्पसंख्यक समुदाय

- **अल्पसंख्यक समुदाय:**
  - केंद्र सरकार *राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग अधिनियम (NCMA), 1992* के तहत अल्पसंख्यक का दर्जा निर्धारित करती है।
  - इसके अंतर्गत मुस्लिम, सिख, ईसाई, बौद्ध, जैन (वर्ष 2014 में जोड़े गए) और **पारसी** को आधिकारिक रूप से **अल्पसंख्यक समुदाय** के रूप में मान्यता दी जाती है।
    - जनगणना 2011 के अनुसार ये भारत की कुल जनसंख्या का लगभग **19.3%** हैं।
  - अधिकांश राज्य केंद्रीय सूची का पालन करते हैं, किंतु महाराष्ट्र जैसे कुछ राज्यों की अपनी सूची भी हो सकती है (उदाहरणार्थ, महाराष्ट्र में यहूदी अधिसूचित अल्पसंख्यक हैं)।
- **संवैधानिक प्रावधान:**
  - **अनुच्छेद 29:** अल्पसंख्यकों को अपनी विशिष्ट भाषा, लिपि और संस्कृति को संरक्षित रखने का अधिकार प्रदान करता है तथा धर्म, वंश, जाति या भाषा के आधार पर भेदभाव पर प्रतिबंध लगाता है।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- **अनुच्छेद 30:** अल्पसंख्यकों को शैक्षणिक संस्थान स्थापित करने और उनका प्रबंधन करने का अधिकार देता है।

- **अल्पसंख्यक अधिकारों की रक्षा हेतु संस्थाएँ:**
  - **अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय:** वर्ष 2006 में स्थापित, यह ***सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय*** से अलग होकर गठित हुआ। इसका उद्देश्य भारत में अल्पसंख्यक समुदायों के सामाजिक-आर्थिक विकास के लिये कार्यक्रमों का समन्वय करना है।
  - **राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग (NCM):** *NCMA, 1992* के तहत गठित यह आयोग संविधान और संसद द्वारा अधिनियमित कानूनों के अनुरूप अल्पसंख्यक समूहों के हितों की रक्षा करता है।

राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार 2025

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश से **मधुरिमा तिवारी (मिर्ज़ापुर)** और **रामलाल सिंह यादव (भदोही)** का चयन वर्ष 2025 में राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार हेतु किया गया है। यह पुरस्कार उन्हें शिक्षक दिवस (5 सितंबर, 2025) के अवसर पर प्रदान किया जाएगा।

- शिक्षक दिवस, डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन (1888-1975) की जयंती के रूप में मनाया जाता है।

मुख्य बिंदु

राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार के बारे में:

- वर्ष 1958 में स्थापित ये पुरस्कार शिक्षा मंत्रालय (MoE) की देखरेख में भारत के राष्ट्रपति अथवा उपराष्ट्रपति द्वारा प्रतिवर्ष शिक्षक दिवस (5 सितंबर) पर प्रदान किये जाते हैं।
- यह पुरस्कार देश के **असाधारण शिक्षकों को शिक्षा की गुणवत्ता** तथा छात्र विकास में सुधार लाने में उनके **योगदान** के लिये प्रदान किये जाते हैं।
  - इसमें योग्यता प्रशस्ति-पत्र, **50,000 रुपये का नकद पुरस्कार** और एक रजत पदक प्रदान किया जाता है।
- **राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार 2025:** भारत के 45 शिक्षकों को वर्ष 2025 में उनके समर्पण, नवाचार, छात्र नामांकन में सुधार, ड्रॉपआउट दर को कम करने तथा रचनात्मक शिक्षण विधियों की शुरुआत करने में योगदान हेतु सम्मानित किया जाएगा।
- **महत्त्व:** यह पुरस्कार प्राथमिक, माध्यमिक और उच्च माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों के *उल्लेखनीय प्रयासों* को मान्यता देता है, जिनके माध्यम से शिक्षा व्यवस्था में सुधार, विद्यार्थियों को प्रेरणा तथा समाज में सार्थक परिवर्तन संभव होता है।

डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन

- **जन्म:**
  - इनका जन्म 5 सितंबर, 1888 को तमिलनाडु के तिरुत्तनी नगर में एक तेलुगु परिवार में हुआ।
- **शैक्षणिक उपलब्धियाँ:**
  - इन्होंने कई प्रतिष्ठित पदों पर कार्य किया, जिनमें सम्मिलित हैं—कलकत्ता विश्वविद्यालय में *किंग जॉर्ज पंचम चेयर* (1921-1932), आंध्र विश्वविद्यालय के दूसरे कुलपति (1931-1936) और बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के चौथे कुलपति (1939-1948)।
  - इसके अतिरिक्त, वर्ष 1936 से 1952 तक ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में *ईस्टर्न रिलीजन एंड एथिक्स* के प्रोफेसर रहे।
- **राजनीतिक जीवन:**
  - उन्होंने वर्ष 1952 से 1962 तक **भारत के प्रथम उपराष्ट्रपति** और वर्ष 1962 से 1967 तक **भारत के दूसरे राष्ट्रपति** के रूप में कार्य किया।
- **दार्शनिक योगदान:**
  - दार्शनिक क्षेत्र में इन्हें भारत और पश्चिम के बीच *सेतु-निर्माता* के रूप में मान्यता प्राप्त है।
- **सम्मान:**
  - वर्ष 1984 में उन्हें मरणोपरांत (मृत्यु के बाद) **भारत रत्न** से सम्मानित किया गया।
  - वर्ष 1931 में ब्रिटेन के तत्कालीन सम्राट *किंग जॉर्ज पंचम* द्वारा उल्लेखनीय शैक्षणिक योगदान हेतु इन्हें ***नाइटहुड*** से सम्मानित किया गया।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

भारत ने AIBD के कार्यकारी बोर्ड की अध्यक्षता की

चर्चा में क्यों?

भारत को थाईलैंड के फुकेट में 19 से 21 अगस्त, 2025 तक आयोजित 23वें **AIBD महासम्मेलन** के दौरान एशिया-प्रशांत प्रसारण विकास संस्थान (AIBD) के कार्यकारी बोर्ड का अध्यक्ष चुना गया। इससे पहले भारत ने वर्ष 2016 में AIBD कार्यकारी परिषद के अध्यक्ष का पद संभाला था।

मुख्य बिंदु

- **AIBD सामान्य सम्मेलन (GC 2025) के बारे में:**
  - AIBD की 23वीं **GC 2025** और संबद्ध बैठकों ने इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के वैश्विक हितधारकों को एकत्र किया, जिसका उद्देश्य नीतिगत चर्चाओं तथा संसाधन साझाकरण के माध्यम से एशिया-प्रशांत क्षेत्र में एक गतिशील और सहयोगात्मक मीडिया परिदृश्य को बढ़ावा देना था।
  - भारत **AIBD GC** का अध्यक्ष है। प्रसार भारती के सीईओ **गौरव द्विवेदी** अगस्त, 2025 तक AIBD GC के अध्यक्ष के रूप में कार्य करेंगे।
- **विषय:**
  - इस वर्ष का विषय था ***"शांति, समृद्धि और जनता के लिये मीडिया"***।
- **महत्त्व:**
  - यह प्रसारण के क्षेत्र में भारत के नेतृत्व में वैश्विक विश्वास को उजागर करता है तथा दुनिया भर में मीडिया विकास को आकार देने में भारत के लिये और भी अधिक रणनीतिक तथा प्रभावशाली भूमिका निभाने का मंच तैयार करता है।

एशिया-पैसिफिक इंस्टीट्यूट फॉर ब्रॉडकास्टिंग डेवलपमेंट (AIBD)

- **स्थापना:** AIBD की स्थापना वर्ष 1977 में UNESCO के मार्गदर्शन में हुई थी, जिसमें भारत एक **संस्थापक सदस्य** है।
- **संस्थापक संगठन:** इंटरनेशनल टेलीकम्युनिकेशन यूनियन (ITU), संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (UNDP) और एशिया-पैसिफिक ब्रॉडकास्टिंग यूनियन (ABU) संस्थापक संगठन हैं, जो **सामान्य सम्मेलन के गैर-मतदान सदस्य** हैं।
- **भारत का प्रतिनिधित्व:** भारत का प्रतिनिधित्व प्रसार भारती, जो सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय की सार्वजनिक सेवा प्रसारक संस्था है, द्वारा किया जाता है।
- **सदस्यता:** यह एक **विशिष्ट क्षेत्रीय अंतर-सरकारी संगठन** है, जिसमें 45 देशों के 92 से अधिक सदस्य संगठन हैं।
- **सचिवालय:** इसका सचिवालय कुआलालंपुर में स्थित है और इसे **मलेशिया सरकार द्वारा संचालित** किया जाता है।

अर्थ ओवरशूट डे 2025

चर्चा में क्यों?

इस वर्ष **24 जुलाई, 2025** को अर्थ ओवरशूट डे मनाया गया। **यह अब तक की सबसे प्रारंभिक तिथि है,** जब मानवता की **पारिस्थितिकी संसाधनों की मांग,** पृथ्वी द्वारा एक वर्ष में पुनर्जीवित किये जाने वाले संसाधनों से अधिक हो गई।

- इसका अर्थ यह है कि मनुष्य ने **सात महीनों से भी कम समय में पूरे वर्ष के संसाधनों का उपभोग** कर लिया है।

मुख्य बिंदु

अर्थ ओवरशूट डे के बारे में:

- **परिभाषा:**
  - अर्थ ओवरशूट डे उस तिथि को चिह्नित करता है, जब मानवता की **पारिस्थितिकी संसाधनों एवं सेवाओं की**

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

मांग पृथ्वी की उस वर्ष की पुनर्जीवन क्षमता से अधिक हो जाती है।

- **प्रारंभ:**
  - अर्थ ओवरशूट डे का विचार सबसे पहले यूके थिंक टैंक **न्यू इकोनॉमिक्स फाउंडेशन** के एंड्रयू सिम्स द्वारा प्रस्तावित किया गया था। न्यू इकोनॉमिक्स फाउंडेशन ने वर्ष 2006 में **ग्लोबल फुटप्रिंट नेटवर्क** के साथ मिलकर यह अभियान शुरू किया था। वर्ष 2007 से, वर्ल्ड वाइड फंड (WWF) इस पहल में सहयोग कर रहा है।
- **आकलन:**
  - इस दिवस का आकलन ग्लोबल फुटप्रिंट नेटवर्क द्वारा **यॉर्क विश्वविद्यालय** के राष्ट्रीय फ़ुटप्रिंट और बायोकैपेसिटी खातों के आधार पर किया जाता है।
  - वैश्विक उपभोग पैटर्न को अधिक सटीक एवं अद्यतन रूप में दर्शाने हेतु आँकड़ों को प्रतिवर्ष अद्यतन किया जाता है।
- **सूत्र:**

$$\text{Earth Overshoot Day} = \left(\frac{\text{Earth's Biocapacity}}{\text{Humanity's Ecological Footprint}}\right) \times 365$$

- **जैवक्षमता (Biocapacity) बनाम पारिस्थितिकी पदचिह्न (Ecological Footprint):**
  - **जैवक्षमता:** वह मात्रा जिसे पृथ्वी एक वर्ष में पुन: उत्पन्न कर सकती है, जैसे- वन, चराई भूमि, कृषि भूमि एवं मत्स्य क्षेत्र आदि।
    - यह पृथ्वी के **उत्पादक भूमि और समुद्री क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करती है**, जिसमें वन, चरागाह भूमि, कृषि भूमि तथा मत्स्य शामिल हैं।
  - **पारिस्थितिकी पदचिह्न:** इन संसाधनों पर मानवता की कुल मांग (जिसमें भोजन, लकड़ी, शहरी बुनियादी ढाँचे के लिये स्थान और **कार्बन डाइऑक्साइड** अवशोषण शामिल हैं)।
    - यह जीवाश्म ईंधन से उत्पन्न CO_2 उत्सर्जन को अवशोषित करने के लिये भोजन, फाइबर, लकड़ी और स्थान जैसे संसाधनों की जनसंख्या की मांग को मापता है।
- **वैश्विक प्रभाव**
  - **पारिस्थितिकी हानि:** जब किसी क्षेत्र की मांग उसकी पारिस्थितिकी आपूर्ति से अधिक हो जाती है, तो वहाँ **पारिस्थितिकी हानि** होती है। इस हानि को संसाधनों के आयात, स्थानीय पारिस्थितिकी तंत्रों के अति-दोहन (जैसे अत्यधिक मछली पकड़ना) और वायुमंडल में CO_2 उत्सर्जन द्वारा पूरा किया जाता है।
  - **वैश्विक ओवरशूट:** वैश्विक स्तर पर, **पारिस्थितिकी हानि और ओवरशूट समानार्थी** हैं, क्योंकि ग्रह पर संसाधनों का कोई शुद्ध आयात नहीं है।

सड़क सुरक्षा मित्र कार्यक्रम

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश परिवहन विभाग ने युवाओं को सड़क सुरक्षा उपायों में सहभागी बनाने तथा दुर्घटनाओं तथा मृत्यु-दर को कम करने के लिये, सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय (MoRTH) द्वारा प्रारंभ किये गये **सड़क सुरक्षा मित्र (SSM) कार्यक्रम** का शुभारंभ किया।

मुख्य बिंदु

- **सड़क सुरक्षा मित्र (SSM) कार्यक्रम के बारे में:**
  - यह पहल **युवा मामले और खेल मंत्रालय** के सहयोग से प्रारम्भ की गई है। इसके अंतर्गत MYBharat प्लेटफॉर्म के माध्यम से स्वयंसेवकों को प्रशिक्षित कर तैनात किया जाएगा।
- **लक्ष्य:**
  - इस कार्यक्रम का लक्ष्य **18 से 28 वर्ष की आयु के ऐसे युवा हैं**, जिनका कोई यातायात चालान लंबित नहीं है। इसके **पहले चरण में** देशभर के **100 ज़िलों** को शामिल किया जाएगा।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- **प्रशिक्षण कार्यक्रम:**
  - **सामान्य स्वयंसेवक:** एक सप्ताह का प्रशिक्षण दिया जाएगा, जिसमें प्राथमिक उपचार एवं सड़क सुरक्षा जागरूकता सम्मिलित होगी।
  - **सिविल इंजीनियरिंग स्नातक:** 15-दिवसीय प्रशिक्षण, जिसमें रोड सेफ्टी ऑडिट, ब्लैक स्पॉट की पहचान, जागरूकता अभियान एवं फील्ड सर्वे शामिल होंगे।
- **सम्मान:**
  - उत्कृष्ट कार्य करने वाले स्वयंसेवकों को **प्रमाण-पत्र और गुड समेरिटन पुरस्कार** प्रदान किये जाएंगे।
- **कार्यान्वयन:**
  - यह पहल उत्तर प्रदेश के **28 ज़िलों** में लागू की जाएगी, जिनमें कानपुर नगर, बुलंदशहर, प्रयागराज और आगरा आदि शामिल हैं।
- **कार्यक्रम निरीक्षण:**
  - **ज़िला सड़क सुरक्षा समितियाँ (DRSC)**, सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के 12-चरणीय रोडमैप के अनुरूप, स्वयंसेवकों को शामिल करने, प्रशिक्षण देने और मासिक निष्पादन समीक्षा सहित कार्यान्वयन सुनिश्चित करेंगी।
- **अपेक्षित परिणाम:**
  - सड़क दुर्घटनाओं एवं चोटों में कमी
  - आपातकालीन सेवाओं में सुधार
  - सड़क सुरक्षा में युवाओं की भागीदारी में वृद्धि
  - प्रशिक्षण, क्षेत्र अध्ययन और डाटा-आधारित रिपोर्टिंग के माध्यम से ज़िला-स्तरीय सड़क सुरक्षा प्रणाली का सशक्तीकरण

आयुर्वेद दिवस 2025

चर्चा में क्यों?

आयुर्वेद दिवस, जिसे पहली बार वर्ष 2016 में मनाया गया था, **अब प्रत्येक वर्ष 23 सितंबर को मनाया जाएगा** तथा पूर्व में धन्वंतरि जयंती (धनतेरस) **पर मनाने की प्रथा को समाप्त** कर दिया जाएगा।

मुख्य बिंदु

- **आयुर्वेद दिवस के बारे में:**
  - 23 सितंबर की **निश्चित तिथि** के साथ, आयुर्वेद दिवस वैश्विक कैलेंडर में एक स्थायी स्थान प्राप्त करने के लिये अग्रसर है, जो आयुर्वेद की **समृद्ध परंपरा** के माध्यम से विश्वव्यापी स्वास्थ्य, कल्याण तथा पारिस्थितिकीय स्थिरता में योगदान देगा।
  - आयुर्वेद **व्यापार और सांस्कृतिक आदान-प्रदान के माध्यम** से विश्व स्तर पर फैल चुका है, जिसने **तिब्बत, चीन और अन्य क्षेत्रों में** पारंपरिक औषधि-प्रणालियों को प्रभावित किया है।
  - यह एक **वैश्विक आंदोलन** के रूप में विकसित हो चुका है, जिसे 24 देशों में पारंपरिक चिकित्सा प्रणाली के रूप में मान्यता प्राप्त है तथा **100 से अधिक देश इसके उत्पादों का आयात** करते हैं।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

आयुष चिकित्सा पद्धति

आयुष में आयुर्वेद, योग और प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध, सोवा रिग्पा और होम्योपैथी शामिल हैं, आयुर्वेद का 5000+ वर्षों का प्रलेखित इतिहास है।

आयुर्वेद

भगवान ब्रह्मा को आयुर्वेद का प्रथम प्रवर्तक माना जाता है

- **संहिता काल (1000 ईसा पूर्व):** परिपक्व चिकित्सा प्रणाली के रूप में उभरा
  - **चरक संहिता:** सबसे प्राचीन और आधिकारिक संहिता
  - **सुश्रुत संहिता:** आठ विशिष्टताओं में मौलिक सिद्धांत और चिकित्सीय विधियाँ प्रदान करती है
- **मुख्य शाखा:**
  - **आत्रेय पुनर्वसु-** चिकित्सकों की शाखा
  - **दिवोदास धन्वंतरि -** शल्यचिकित्सकों की शाखा

आयुर्वेद की शाखाएँ

- काय चिकित्सा- चिकित्सा।
- शल्य चिकित्सा- सर्जरी।
- शालाक्य तंत्र- ईएनटी और नेत्र विज्ञान।
- बाल रोग चिकित्सा।
- अगद तंत्र- विष विज्ञान।
- भूतविद्या - मनोरोग।
- रसायन- कायाकल्प चिकित्सा और जराचिकित्सा।
- वाजीकरण तंत्र- सेक्सोलॉजी।

योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा

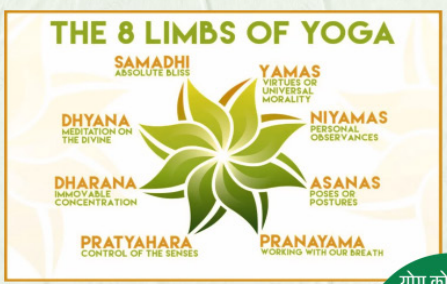

योग को सर्वप्रथम महर्षि पतंजलि ने व्यवस्थित रूप में योगसूत्र के रूप में प्रतिपादित किया

- **प्राकृतिक चिकित्सा:** 5 प्राकृतिक तत्वों - पृथ्वी, जल, वायु, अग्नि और आकाश की सहायता से उपचार
  - शरीर की स्व-उपचार क्षमता सिद्धांतों और स्वस्थ जीवन के सिद्धांतों पर आधारित
  - रोग-केंद्रित दृष्टिकोण के स्थान पर व्यक्ति-केंद्रित दृष्टिकोण को प्रोत्साहित करता है

यूनानी

ग्रीस में अग्रणी, अरबों द्वारा 7 सिद्धांतों के रूप में विकसित (उमूर-ए-तब्बिया)

- बुकरात (हिप्पोक्रेट्स) और जालीनूस (गैलेन) की शिक्षाओं के ढाँचे के आधार पर
  - चार ह्यूमर्स का हिप्पोक्रेटिक सिद्धांत अर्थात् रक्त, कफ, पीला पित्त और काला पित्त
- WHO द्वारा मान्यता प्राप्त और भारत द्वारा वैकल्पिक स्वास्थ्य प्रणाली के रूप में आधिकारिक दर्जा प्रदान किया गया

सिद्ध

10000 - 4000 ईसा पूर्व; सिद्धर अगस्तियार- सिद्ध चिकित्सा के जनक

- निवारक, प्रोत्साहनात्मक, उपचारात्मक, पुनर्जीवनात्मक और पुनर्वासात्मक स्वास्थ्य देखभाल
- **4 घटक:** लैट्रो-रसायन विज्ञान, चिकित्सा अभ्यास, योग अभ्यास और बुद्धि
- 3 निदानात्मक ह्यूमर्स (मुक्कुट्रम) और 8 महत्त्वपूर्ण परीक्षणों (एन्वागई थेरवु) पर आधारित है

आयुर्वेद के 3 गुण (त्रिदोष): वात, पित्त और कफ

सोवा रिग्पा

उत्पत्ति: भगवान बुद्ध के समय 2500 वर्ष पूर्व भारत में

- लद्दाख, हिमाचल प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश आदि के हिमालयी क्षेत्रों में पारंपरिक चिकित्सा।
- भारतीय चिकित्सा केंद्रीय परिषद् अधिनियम, 1970 (वर्ष 2010 में संशोधित) द्वारा भारत में मान्यता प्राप्त।

होम्योपैथी

जर्मन चिकित्सक डॉ. क्रिश्चियन फ्रेडरिक सैमुअल हैनिमैन ने इसके मूलभूत सिद्धांतों को संहिताबद्ध किया

- जर्मन चिकित्सक डॉ. क्रिश्चियन फ्रेडरिक सैमुअल हैनिमैन ने इसके मूलभूत सिद्धांतों को संहिताबद्ध किया।
- औषधियाँ मुख्यतः प्राकृतिक पदार्थों (पौधे उत्पाद, खनिज, पशु स्रोत) से तैयार की जाती हैं।
- वर्ष 1810 में यूरोपीय मिशनरियों द्वारा भारत में लाया गया; वर्ष 1948 में आधिकारिक मान्यता प्रदान की गई।
- **3 प्रमुख सिद्धांत:**
  - सिमिलिया सिमिलिबस क्यूरेंटूर ("समः समम् शमयति" या "समरूपता")
  - सिंगल मेडिसिन
  - मिनिमम डोज़

दृष्टि The Vision | d Drishti IAS

Prepare with DrishtiIAS

राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) — क्लिक करें या स्कैन करें!

हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! — क्लिक करें या स्कैन करें!

राज्य पीसीएस पुस्तकें — क्लिक करें या स्कैन करें!

निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग — क्लिक करें या स्कैन करें!

- **आयुर्वेद दिवस 2025**
  - **विषय है- "लोगों और ग्रह के लिये आयुर्वेद"**, जिसमें वैश्विक कल्याण तथा पर्यावरणीय स्थिरता पर विशेष ज़ोर दिया जाएगा।
    - समारोह में **जीवनशैली संबंधी विकार, जलवायु संबंधी रोग और तनाव प्रबंधन** जैसी वैश्विक चुनौतियों के समाधान पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा, जिसमें आयुर्वेद को एक व्यवहार्य समाधान के रूप में प्रस्तुत किया जाएगा।
  - आयुष मंत्रालय जागरूकता अभियान, युवा सहभागिता कार्यक्रम, स्वास्थ्य परामर्श और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग सहित विभिन्न गतिविधियों का नेतृत्व करेगा।
- **आयुर्वेद दिवस 2024 की उपलब्धियाँ**
  - 9वें आयुर्वेद दिवस (2024) ने भारत के स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में महत्त्वपूर्ण उपलब्धियों को चिह्नित किया:
  - अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (AIIA) के द्वितीय चरण का उद्घाटन।
  - आयुर्वेद में **चार उत्कृष्टता केंद्रों** का शुभारंभ।
  - **"देश का प्रकृति संरक्षण अभियान"** का परिचय।
- **महत्त्व**
  - प्रथम अखिल भारतीय NSSO सर्वेक्षण ने पुष्टि की है कि आयुर्वेद **भारत के ग्रामीण और शहरी,** दोनों ही क्षेत्रों में सर्वाधिक उपयोग की जाने वाली उपचार प्रणाली है।
- **आयुर्वेद के विकास के लिये की गई पहल**
  - राष्ट्रीय आयुष मिशन
  - आयुष क्षेत्र पर नए पोर्टल
  - ACCR पोर्टल और आयुष संजीवनी ऐप

अटल आवासीय विद्यालयों हेतु आईएमएस

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश के **मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ** ने लखनऊ के **इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान** में आयोजित **रोज़गार महाकुंभ 2025** में अटल आवासीय विद्यालयों के लिये **एकीकृत निगरानी प्रणाली (IMS)** का शुभारंभ किया।

मुख्य बिंदु

- **IMS के बारे में:**
  - यह उत्तर प्रदेश के 18 **अटल आवासीय विद्यालयों** की निगरानी करेगी, जिससे लगभग **18,000 छात्रों** को लाभ मिलेगा।
  - चयनित छात्रों को **मुफ्त भोजन एवं आवास** मिलेगा तथा विद्यालयों की **डिजिटल निगरानी** भी की जाएगी।
    - इन विद्यालयों का उद्देश्य श्रमिकों के बच्चों, विशेषकर **भवन एवं अन्य निर्माण श्रमिक (BOC) बोर्ड** के अंतर्गत पंजीकृत श्रमिकों के बच्चों को **आधुनिक एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा** प्रदान करना है।
    - पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के नाम पर स्थापित ये विद्यालय कक्षा 1 से 12 तक के विद्यार्थियों को सेवा प्रदान करते हैं, जिसमें **बाल वाटिकाएँ** भी शामिल हैं।
- **प्रमुख विशेषताएँ:**
  - **उद्यम संसाधन योजना (ERP) प्रणाली:** अटल कमांड सेंटर, कमांड हब के रूप में कार्य करता है, जिससे विद्यालयों की **डिजिटल निगरानी** संभव होती है।
  - **वास्तविक समय उपस्थिति प्रबंधन:** छात्रों एवं कर्मचारियों की उपस्थिति का **दैनिक अद्यतन**।
  - **शैक्षणिक निगरानी:** छात्रों की **प्रोफाइल, शैक्षणिक प्रगति, परीक्षा परिणाम** एवं **रिपोर्ट कार्ड** की ऑनलाइन उपलब्धता।
  - **स्टाफ प्रोफाइल:** शिक्षकों एवं कर्मचारियों की जानकारी का एकीकृत भंडारण, जिससे **उत्तरदायित्व एवं अनुशासन** सुनिश्चित होता है।
  - **वित्तीय प्रबंधन:** ERP प्रणाली पर बजट, **व्यय एवं बिलिंग** का पारदर्शी रिकॉर्ड।
  - **CCTV एकीकरण:** विद्यालय परिसरों की **लाइव निगरानी**, जिससे सुरक्षा एवं अनुशासन में वृद्धि।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- **छात्र प्रोफाइल:** प्रत्येक छात्र के **व्यक्तिगत विवरण एवं शैक्षणिक प्रगति** का विस्तृत मूल्यांकन।

रोज़गार महाकुंभ 2025

- **रोज़गार महाकुंभ 2025** उत्तर प्रदेश की सबसे बड़ी **एकीकृत रोज़गार और प्लेसमेंट पहल** है, जिसे **क्षमता** तथा **अवसर के बीच की खाई** को पाटने के लिये विकसित किया गया है।
- **मुख्य पहल:**
  - **श्रम न्याय सेतु पोर्टल:** इस पोर्टल का उद्देश्य श्रम विवादों के **ऑनलाइन निपटान** और **24/7 सेवाओं** के माध्यम से श्रमिकों को **त्वरित, पारदर्शी** तथा **समयबद्ध न्याय** प्रदान करना है।
  - **औद्योगिक न्यायाधिकरण वेबसाइट और ई-कोर्ट पोर्टल:** इन पोर्टलों को **कुशल कानूनी कार्यवाही** तथा **श्रमिक-संबंधित विवादों के समाधान** की सुविधा के लिये लॉन्च किया गया था।
  - **बेसिक शिक्षा:** IMS प्रणाली को बेसिक शिक्षा में लागू किया जाएगा, जिसके **प्रथम चरण** में **57 मुख्यमंत्री अभ्युदय और समग्र विद्यालयों** की स्थापना पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

विश्व मुक्केबाज़ी कप की मेज़बानी करेगा उत्तर प्रदेश

चर्चा में क्यों?

भारत पहली बार **उत्तर प्रदेश** के **ग्रेटर नोएडा** में 13 से 24 नवंबर, 2025 तक **विजय पथिक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स** में विश्व मुक्केबाज़ी कप **(पुरुष और महिला)** की मेज़बानी करेगा।

- इस आयोजन में **80 से अधिक देशों** के लगभग **450 मुक्केबाज़ों** के साथ लगभग **150 अधिकारी** भाग लेंगे और यह **विश्व मुक्केबाज़ी कांग्रेस** के साथ **23 नवंबर, 2025** को आयोजित होगी।

मुख्य बिंदु

मुक्केबाज़ी विश्व कप के बारे में:

- **परिचय:**
  - यह एक **वार्षिक शृंखला** है जिसमें **शीर्ष मुक्केबाज़ पूरे वर्ष विभिन्न चरणों में प्रतिस्पर्द्धा** करते हैं और रैंकिंग अंक अर्जित करते हैं।
  - साल का समापन एक फाइनल्स आयोजन के साथ होता है, जिसमें शीर्ष रैंक वाले मुक्केबाज़ **अंतिम ट्रॉफी** के लिये आमने-सामने होते हैं।
- **मुक्केबाज़ी विश्व कप (2023-2025):**
  - **पहली विश्व मुक्केबाज़ी कप प्रतियोगिता** अक्तूबर 2023 में **जर्मनी के कोलोन में** आयोजित की गई थी।
  - वर्ष 2024 की शृंखला इंग्लैंड, अमेरिका और मंगोलिया में आयोजित हुई तथा इसका समापन नवंबर 2024 में इंग्लैंड में फाइनल्स आयोजन के साथ हुआ।
  - वर्ष 2025 के आयोजन ब्राज़ील, जर्मनी और कज़ाकिस्तान में होंगे तथा फाइनल्स भारत में नवंबर 2025 में आयोजित होगा।
- **विश्व मुक्केबाज़ी कप 2025:**
  - भारत पहली बार इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता की मेज़बानी करेगा, जिसमें भारतीय मुक्केबाज़ी महासंघ (BFI) **निविदा** का प्रमुख दावेदार है।
  - भारत इससे पहले दो बार (2018 और 2023 में **दिल्ली**) में **महिला विश्व मुक्केबाज़ी चैंपियनशिप** की मेज़बानी कर चुका है।
  - वर्ष 2017 में **विश्व मुक्केबाज़ी कांग्रेस** भी **ग्रेटर नोएडा** में आयोजित की गई थी।
- **अन्य प्रमुख मुक्केबाज़ी आयोजन:**
  - **U-19 विश्व मुक्केबाज़ी चैंपियनशिप (अक्तूबर 2024):** अमेरिका के कोलोराडो स्प्रिंग्स में आयोजित, जिसमें 17 और 18 वर्ष की आयु के 180 से अधिक पुरुष और महिला **मुक्केबाज़ों** भाग लिया।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- **एलीट विश्व मुक्केबाज़ी चैंपियनशिप (सितंबर 2025):** पहला आयोजन इंग्लैंड के लिवरपूल में 4-14 **सितंबर**, 2025 को होगा।
- **एलीट विश्व मुक्केबाज़ी चैंपियनशिप (2027):** सफल निविदा प्रक्रिया के बाद, वर्ष 2027 का आयोजन कज़ाकिस्तान के अस्ताना में किया जाएगा।

विश्व मुक्केबाज़ी

- विश्व मुक्केबाज़ी, वर्ष 2023 के उत्तरार्द्ध से, **मुक्केबाज़ों के विकास और प्रगति** में मदद करने हेतु **उच्च-गुणवत्ता वाली प्रतियोगिताओं के आयोजन के लिये** प्रतिबद्ध है।
- यह संगठन विभिन्न स्तरों पर पुरुष और महिला मुक्केबाज़ों के लिये **प्रतिस्पर्द्धात्मक अवसर** प्रदान करने हेतु **राष्ट्रीय महासंघों** और **प्रमुख हितधारकों** के साथ सहयोग करता है।

भारतीय मुक्केबाज़ी महासंघ (BFI)

- यह देश में **शौकिया मुक्केबाज़ी** की निगरानी करने वाला **राष्ट्रीय संस्थान** है, जो खेल को राष्ट्रीय स्तर पर प्रोत्साहित करता है और **ओलंपिक** तथा **विश्व चैंपियनशिप** जैसी अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भारत का प्रतिनिधित्व करता है।
- **नेतृत्व:** प्रमोद कुमार हाल ही में मुक्केबाज़ी महासंघ ऑफ इंडिया (BFI) के महासचिव चुने गए हैं और अजय सिंह इसके अध्यक्ष बने हैं।
  - प्रमोद कुमार ने वर्ष 1986 के एशियाई खेलों में सियोल में 5000 मीटर दौड़ में भारत का प्रतिनिधित्व किया था।

प्रोजेक्ट आरोहण

चर्चा में क्यों?

भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (NHAI) ने **वर्टिस इंफ्रास्ट्रक्चर ट्रस्ट** के सहयोग से **टोल प्लाज़ा कर्मचारियों** के बच्चों की **शैक्षिक आकांक्षाओं** का समर्थन करने के लिये **'प्रोजेक्ट आरोहण'** का **शुभारंभ** किया, जिसका शुभारंभ **समारोह** नई दिल्ली स्थित **NHAI मुख्यालय** में आयोजित किया गया।

मुख्य बिंदु

- यह कार्यक्रम **आर्थिक रूप से कमज़ोर वर्गों (EWS)**, प्रथम पीढ़ी के शिक्षार्थियों और **अनुसूचित जाति (SC), अनुसूचित जनजाति (ST), अन्य पिछड़ा वर्ग (OBC)** तथा **अल्पसंख्यक समुदायों** सहित हाशिये पर रहने वाले छात्रों के लिये गुणवत्ता शिक्षा तक समान पहुँच सुनिश्चित करने और वित्तीय बाधाओं को दूर करने का लक्ष्य रखता है।
- **उद्देश्य:** यह कार्यक्रम छात्रों के **समग्र शैक्षिक अनुभव** को बढ़ाने के लिये **संरचित मार्गदर्शन, कौशल निर्माण कार्यशालाएँ** और **करियर मार्गदर्शन** के साथ **वित्तीय सहायता** को जोड़ता है।
  - इस पहल का उद्देश्य छात्रों को न केवल **उच्च शिक्षा** के लिये बल्कि भविष्य में **रोज़गार** और **उद्यमिता** के लिये भी तैयार करना है।
- **वित्त पोषण:** परियोजना के पहले चरण के लिये वित्तीय वर्ष **2025-26 के लिये 1 करोड़ रुपये का कोष आवंटित किया गया है।**
- यह परियोजना **कक्षा 11 से स्नातक के अंतिम वर्ष** तक के 500 छात्रों को **वित्तीय वर्ष 2025-26** के लिये **12,000 रुपये** की **वार्षिक छात्रवृत्ति** प्रदान करेगी।
- **स्नातकोत्तर** और **उच्च शिक्षा** के इच्छुक 50 प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को **50,000 रुपये प्रति विद्यार्थी** की **छात्रवृत्ति** दी जाएगी।

भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (NHAI)

- इसकी स्थापना **NHAI अधिनियम, 1988** द्वारा **राष्ट्रीय राजमार्गों** के विकास, रखरखाव और **प्रबंधन** की निगरानी हेतु की गई थी।
- NHAI की प्रमुख ज़िम्मेदारी **राष्ट्रीय राजमार्ग विकास परियोजना (NHDP)** का **क्रियान्वयन** करना है, जिसमें **50,329 किमी** राजमार्ग शामिल हैं तथा **सुचारू यातायात प्रवाह** के लिये **सड़क अवसंरचना** में सुधार करना है।
- कुल 132,499 किमी लंबाई के साथ, राष्ट्रीय राजमार्ग भारत में **कुल सड़क यातायात का लगभग 40% वहन करते हैं**, जबकि वे **सड़क नेटवर्क का केवल 2%** ही हैं।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

संत मदर टेरेसा की 115वीं जयंती

चर्चा में क्यों?

संत मदर टेरेसा की 115वीं जयंती **26 अगस्त, 2025** को मदर्स हाउस, कोलकाता में मनाई गई।

मुख्य बिंदु

मदर टेरेसा के बारे में:

- मदर टेरेसा, जिनका जन्म वर्ष 1910 में स्कोप्जे, ओटोमन साम्राज्य (अब उत्तरी मैसेडोनिया) में **एग्नेस गोंक्सा बोजाक्सीहु** (Agnes Gonxha Bojaxhiu) के रूप में हुआ था, ने अपना जीवन गरीब लोगों की सेवा के लिये समर्पित कर दिया।
  - उनकी यात्रा 12 वर्ष की आयु में शुरू हुई जब उन्हें मिशनरी के रूप में सेवा करने का आह्वान महसूस हुआ।
  - वर्ष 1928 में, 18 वर्ष की आयु में, वह भारत गईं, जहाँ उन्होंने वर्ष 1931 में अपनी धार्मिक प्रतिज्ञा ली। 17 वर्षों तक उन्होंने कलकत्ता के सेंट मैरी हाई स्कूल में पढ़ाया।
- मदर टेरेसा ने वेटिकन से अनुमोदन प्राप्त करने के बाद 7 अक्तूबर, 1950 को **मिशनरीज ऑफ चैरिटी** की स्थापना की।
  - उनका संगठन, जो विश्व स्तर पर विस्तारित था, शरणार्थियों, बुज़ुर्गों और एड्स से पीड़ित लोगों सहित निराश्रित लोगों की देखभाल पर ध्यान केंद्रित करता था।
- 1990 के दशक तक, मिशनरीज ऑफ चैरिटी के 40 देशों में दस लाख से अधिक स्वयंसेवक थे, जो मदर टेरेसा की करुणा की भावना का प्रसार कर रहे थे।
- **शांति और समझ** को बढ़ावा देने में उनके अथक कार्य के लिये उन्हें अनेक पुरस्कार प्राप्त हुए जिनमें पोप जॉन XXIII शांति पुरस्कार (1971), नेहरू पुरस्कार (1972) और वर्ष 1979 में नोबेल शांति पुरस्कार शामिल हैं।
- मदर टेरेसा का निधन 5 सितंबर, 1997 को हुआ और वे अपने पीछे करुणा तथा सेवा की एक स्थायी विरासत छोड़ गईं।
- वर्ष 2016 में पोप फ्राँसिस ने उन्हें संत घोषित किया जिससे दुनिया में सबसे प्रिय मानवतावादी हस्तियों में से एक के रूप में उनकी स्थिति और मज़बूत हो गई।

नोट: मदर टेरेसा भारत की एकमात्र प्राकृतिकीकरण द्वारा नागरिकता प्राप्त नागरिक हैं, जिन्हें भारत का **सर्वोच्च नागरिक सम्मान** भारत रत्न **(1980) से सम्मानित किया गया।**

- वह भारत रत्न पाने वाले केवल दो विदेशियों में से एक हैं। दूसरे हैं खान अब्दुल गफ्फार खान, जिन्हें ***सीमांत गांधी*** के नाम से जाना जाता है, जिन्हें वर्ष 1987 में यह सम्मान दिया गया था।

भारत FIDE विश्व कप 2025 की मेज़बानी करेगा

चर्चा में क्यों?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने FIDE विश्व कप 2025 की मेज़बानी मिलने पर भारत के गौरव को व्यक्त किया। क्योंकि लगभग 23 वर्षों के अंतराल के बाद यह प्रतियोगिता भारतीय धरती पर आयोजित होने जा रही है।

- यह टूर्नामेंट 30 अक्तूबर से 27 नवंबर, 2025 तक गोवा में आयोजित होगा। इसमें 2 मिलियन अमेरिकी डॉलर की पुरस्कार राशि और अगले वर्ष के **कैंडिडेट्स टूर्नामेंट** के लिये तीन स्थान निर्धारित किये जाएंगे।
- 206 खिलाड़ियों वाले इस टूर्नामेंट में विश्व चैंपियन **डी. गुकेश**, मैग्नस कार्लसन, फैबियानो कारूआना और **भारत के आर. प्रज्ञानंदधा** जैसे **शीर्ष खिलाड़ी शामिल हैं।**

मुख्य बिंदु

- **भारत की पूर्व मेज़बानी:**
  - भारत ने वर्ष 2002 में हैदराबाद में अंतिम बार FIDE विश्व कप का आयोजन किया था।
  - इस प्रतियोगिता में विश्वनाथन आनंद विजेता तथा **रुस्तम कासिमदजानोव** उपविजेता रहे थे।
- **शतरंज की उत्पत्ति:**
  - शतरंज की उत्पत्ति छठी शताब्दी ईस्वी में गुप्त साम्राज्य के दौरान *उत्तरी भारत* में हुई थी।
  - इसे प्रारम्भ में **'चतुरंग'** कहा जाता था, जो वास्तविक जीवन की युद्ध-रणनीति को दर्शाता था।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- 8×8 बोर्ड पर खेले जाने वाले इस खेल में पैदल सेना, घुड़सवार सेना, हाथी और रथ का प्रतिनिधित्व करने वाले मोहरे होते थे।
- यह खेल भारत से फारस पहुँचा और फिर यूरोप में फैला। 15वीं शताब्दी तक यह आधुनिक शतरंज के रूप में विकसित हुआ, जिसमें **रानी** तथा **ऊँट (बिशप)** की शक्तियों में महत्त्वपूर्ण वृद्धि की गई।

अंतर्राष्ट्रीय शतरंज दिवस:

- वर्ष 2019 में संयुक्त राष्ट्र ने **20 जुलाई** को *अंतर्राष्ट्रीय शतरंज दिवस* घोषित किया।
- इस दिवस को शिक्षा, शांति और लैंगिक समानता को बढ़ावा देने में शतरंज की भूमिका को मान्यता देने हेतु घोषित किया गया।
- साथ ही यह सतत् विकास लक्ष्यों (SDGs)—SDG 4 (गुणवत्तापूर्ण शिक्षा), SDG 5 (लैंगिक समानता), SDG 11 (सतत् शहर एवं समुदाय) तथा SDG 16 (शांति, न्याय और सशक्त संस्थानों) का भी समर्थन करता है।

FIDE (अंतर्राष्ट्रीय शतरंज महासंघ):

- **FIDE** विश्व कप 2025 का आयोजन **FIDE** द्वारा किया जा रहा है, जो विश्व स्तर पर शतरंज का प्रमुख शासी निकाय है।
- **अखिल भारतीय शतरंज महासंघ (AICF) स्थानीय आयोजक के रूप में FIDE के सहयोग से कार्य कर रहा है।**
- FIDE की स्थापना वर्ष **1924 में पेरिस** में की गई थी, जिसने शतरंज को औपचारिक रूप से *अंतर्राष्ट्रीय खेल* का दर्जा प्रदान किया।

उत्तर प्रदेश भारत की औद्योगिक वृद्धि में अग्रणी

चर्चा में क्यों?

केंद्रीय सांख्यिकी और कार्यक्रम-कार्यान्वयन मंत्रालय द्वारा जारी वार्षिक उद्योग सर्वेक्षण (ASI) **2023-24** के अनुसार, उत्तर प्रदेश ने औद्योगिक विकास में एक नया मानक स्थापित किया है।

- राज्य ने तीन प्रमुख मानकों- सकल मूल्य वर्द्धन (GVA), **कारखानों की संख्या और रोज़गार सृजन** पर सभी प्रमुख औद्योगिक राज्यों से बेहतर प्रदर्शन किया है।

मुख्य बिंदु

सकल मूल्य वर्द्धन (GVA):

- राज्य का GVA वर्ष 2022-23 में 1.34 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर वर्ष 2023-24 में 1.67 लाख करोड़ रुपये हो गया, जो **25.03% की वृद्धि** दर्शाता है।
- यह **राष्ट्रीय औसत 11.9% से दोगुने से भी अधिक है।** परिणामस्वरूप, उत्तर प्रदेश ने GVA वृद्धि के मामले में भारतीय राज्यों में **शीर्ष स्थान** प्राप्त किया है।

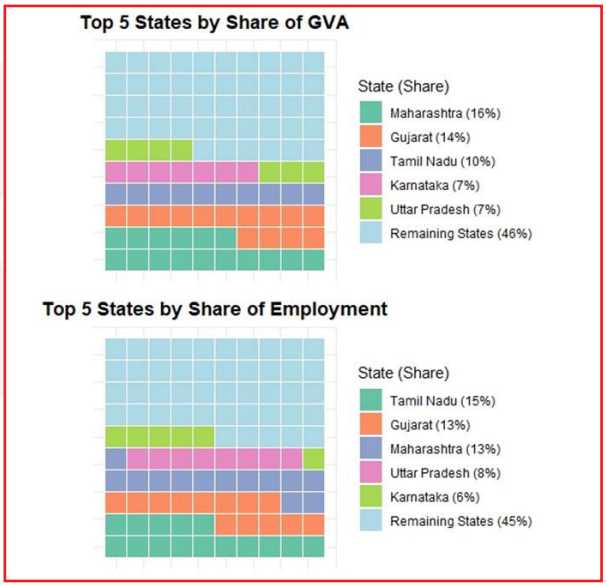

कारखानों की संख्या:

- उत्तर प्रदेश में **कारखानों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि** दर्ज की गई है। यह संख्या वर्ष 2022-23 में 19,102 से बढ़कर वर्ष 2023-24 में 22,141 हो गई है, जो **15.91% की वृद्धि** है।
- यह वृद्धि **राष्ट्रीय औसत 2.7% से लगभग सात गुना** अधिक है।
- भारत में कुल कारखानों की संख्या में **उत्तर प्रदेश की हिस्सेदारी 8.51% है**, जो तमिलनाडु (15.43%), गुजरात

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

(12.81%) और महाराष्ट्र (10.20%) के बाद देश में **चौथे स्थान** पर है।

- **रोजगार सृजन:**
  - उत्तर प्रदेश के औद्योगिक क्षेत्र में रोज़गार वर्ष 2022-23 में 14.86 लाख से बढ़कर वर्ष 2023-24 में 16.26 लाख हो गया, जो **9.37% की वृद्धि** दर्शाता है। यह वृद्धि अखिल भारतीय औसत 5.9% से कहीं अधिक है।
  - औद्योगिक रोज़गार के मामले में उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु, गुजरात, महाराष्ट्र और कर्नाटक के साथ **शीर्ष पाँच राज्यों** में शामिल हो गया है। राष्ट्रीय रोज़गार में राज्य की हिस्सेदारी **8%** है।

उद्योगों का वार्षिक सर्वेक्षण (ASI):

- **परिचय**
  - वार्षिक उद्योग सर्वेक्षण (ASI) भारत में **औद्योगिक आँकड़ों का प्राथमिक स्रोत** है।
  - इसकी **शुरुआत वर्ष 1960** में हुई थी, जिसमें वर्ष 1959 को आधार-वर्ष माना गया था, तब से यह प्रतिवर्ष आयोजित किया जाता रहा है, वर्ष 1972 को छोड़कर। यह सर्वेक्षण ***सांख्यिकी संकलन अधिनियम, 1953*** के अंतर्गत संचालित था।
  - वर्ष 2010-11 से, यह सर्वेक्षण ***सांख्यिकी संकलन अधिनियम, 2008*** के अंतर्गत संचालित किया जा रहा है, जिसे वर्ष **2017 में संशोधित** किया गया था ताकि इसका कवरेज अखिल भारतीय स्तर तक बढ़ाया जा सके।
- **कार्यान्वयन एजेंसी:**
  - **राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (NSO)**, जो *सांख्यिकी और कार्यक्रम-कार्यान्वयन मंत्रालय (MoSPI)* का अंग है, ASI का संचालन करता है।
  - यह मंत्रालय जारी किये गए **आँकड़ों की व्यापकता और गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिये** उत्तरदायी है।
- **क्षेत्र:**
  - ASI का विस्तार पूरे देश में है। इसके अंतर्गत ***कारखाना अधिनियम, 1948*** की धारा 2(m)(i) और 2(m)(ii) के अंतर्गत पंजीकृत सभी कारखाने आते हैं।

उत्तर प्रदेश के एनसीआर ज़िलों में पटाखों पर प्रतिबंध

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश सरकार ने **राज्य के राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (NCR) ज़िलों** में पटाखों के निर्माण, भंडारण, बिक्री और उपयोग पर **पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया है।**

मुख्य बिंदु

- **प्रतिबंध के बारे में:**
  - यह प्रतिबंध **दिल्ली-NCR क्षेत्र** के अंतर्गत आठ ज़िलों पर लागू होता है, जिनमें **मेरठ, गाज़ियाबाद, गौतमबुद्ध नगर, बुलंदशहर, हापुड़, बागपत, शामली और मुज़फ्फरनगर** शामिल हैं।
  - प्रतिबंध का क्रियान्वयन **दशहरा और दीपावली** जैसे त्योहारों से पूर्व **सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के अनुरूप** किया गया है, ताकि **NCR में प्रदूषण स्तर को नियंत्रित** किया जा सके।
  - **पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986** की धारा 15 के तहत उल्लंघन करने पर पाँच वर्ष तक का कारावास और 1 लाख रुपये तक का जुर्माना या दोनों हो सकते हैं।
    - धारा 15 केंद्र सरकार को किसी भी प्राधिकरण या अधिकारी को पर्यावरण संरक्षण के लिये कार्य करने का निर्देश देने का अधिकार देती है।
  - बार-बार अपराध करने पर, अनुपालन होने तक **प्रतिदिन 5,000 रुपये का अतिरिक्त जुर्माना** लगाया जाएगा।
- **प्रतिबंध के उद्देश्य:**
  - **वायु प्रदूषण नियंत्रण:** इस प्रतिबंध का उद्देश्य त्योहारों के समय **वायु प्रदूषण में होने वाली वृद्धि**, विशेष रूप से पटाखों के उपयोग के कारण होने वाली वृद्धि को रोकना है।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- **सार्वजनिक स्वास्थ्य संरक्षण:** इस उपाय का उद्देश्य सार्वजनिक स्वास्थ्य को वायु प्रदूषण के हानिकारक प्रभावों से बचाना है, विशेष रूप से उच्च प्रदूषण वाले महीनों के दौरान।

पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986

- **पृष्ठभूमि:**
  - **संसद** ने इस अधिनियम को भोपाल गैस त्रासदी के बाद पारित किया, जिसने **पर्यावरण और जन-स्वास्थ्य संरक्षण** हेतु एक समग्र कानून की तात्कालिक आवश्यकता को रेखांकित किया।
- **संवैधानिक आधार:**
  - यह अधिनियम **संविधान के अनुच्छेद 253** के अंतर्गत पारित किया गया, जो संसद को अंतर्राष्ट्रीय समझौतों को लागू करने हेतु कानून बनाने का अधिकार देता है। इसे **1972 के स्टॉकहोम सम्मेलन** में भारत द्वारा की गई अंतर्राष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं को पूरा करने के लिये लागू किया गया।
  - यह अधिनियम केंद्र सरकार को **पर्यावरण प्रदूषण** को रोकने, **नियंत्रित करने** और उसका प्रत्युत्तर देने का अधिकार देता है।
    - इसके अंतर्गत केंद्र सरकार को मानक निर्धारित करने, उत्सर्जन विनियमित करने, प्रदूषणकारी उद्योगों को बंद करने तथा आवश्यक सेवाओं को नियंत्रित करने का अधिकार है।
- **संवैधानिक प्रावधान:**
  - **अनुच्छेद 48A** राज्य को पर्यावरण, वन और वन्य जीवन की रक्षा करने का निर्देश देता है।
  - **अनुच्छेद 51A (g)** प्रत्येक नागरिक का यह कर्त्तव्य है कि वह प्राकृतिक पर्यावरण की रक्षा करें और उसे सुधारने का प्रयास करें।

विश्व जल सप्ताह 2025

चर्चा में क्यों?

24-28 अगस्त, 2025 को **स्वीडन की राजधानी** स्टॉकहोम में **विश्व जल सप्ताह** का आयोजन किया गया।

- इस कार्यक्रम के दौरान, राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन (NMCG) **को** नदी पुनरुद्धार और समुदाय-संचालित प्रयासों के लिये एक वैश्विक प्रेरणा के रूप में मान्यता दी गई।

मुख्य बिंदु

- **विश्व जल सप्ताह के बारे में:**
  - **वर्ष 1991** में स्थापित, यह कार्यक्रम **स्टॉकहोम अंतर्राष्ट्रीय जल संस्थान (SIWI) द्वारा आयोजित किया जाता है** तथा जल प्रबंधन से संबंधित ज्ञान, समाधान और प्रतिबद्धताओं के आदान-प्रदान के लिये एक महत्त्वपूर्ण मंच प्रदान करता है।
  - वर्ष 2025 संस्करण, जो अपने 35वें वर्ष को चिह्नित करता है, **' जलवायु कार्रवाई हेतु जल' विषय** पर केंद्रित था, जिसमें जलवायु परिवर्तन से निपटने और सतत् विकास प्राप्त करने में जल की भूमिका पर प्रकाश डाला गया।
- **भारत की भूमिका:**
  - विश्व जल सप्ताह 2025 के दौरान, NMCG ***'नदी शहरों की पुनर्कल्पना:*** *जलवायु-स्मार्ट और बेसिन-केंद्रित शहरी विकास'* सत्र का हिस्सा था, जिसमें जलवायु-लचीले शहरों को सुनिश्चित करने में **नदी-केंद्रित शहरी विकास** की भूमिका पर प्रकाश डाला गया।
    - सत्र में सतत् शहरी नियोजन के लाभों और **बेसिन-केंद्रित दृष्टिकोण** की आवश्यकता पर ज़ोर दिया गया, जिसमें संपूर्ण नदी पारिस्थितिकी तंत्र पर विचार किया गया।
    - सत्र का नेतृत्व NMCG, **नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ अर्बन अफेयर्स (NIUA)** और **डॉयचे गेसेलशाफ्ट फर इंटरनेशनेल ज़ुसामेनरबीट (GIZ)** ने किया।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

नमामि गंगे मिशन

- **यह गंगा नदी और इसकी सहायक नदियों के पुनर्जीवन** हेतु एक प्रमुख कार्यक्रम है, जिसका उद्देश्य **प्रदूषण को कम करना, जल की गुणवत्ता में सुधार करना तथा नदी के पारितंत्र** को पुनर्स्थापित करना है।
- **कार्यान्वयन:** हाइब्रिड-एन्यूटी-मॉडल (HAM) के तहत चयनित बोलीदाता द्वारा गठित विशेष प्रयोजन निकाय (SPV) शोधन संयंत्रों (STP) के विकास, संचालन और अनुरक्षण की ज़िम्मेदारी संभालता है।
  - लागत का **40% निर्माण के बाद तथा शेष 60% परियोजना की पूरी अवधि के दौरान** प्रदान किया जाता है।

भारत जल सप्ताह (IWW)

- भारत सरकार के जल शक्ति मंत्रालय ने वर्ष 2012 में **भारत जल सप्ताह** की संकल्पना की और इसे प्रारंभ किया, जिसे अब प्रत्येक दो वर्ष में आयोजित किया जाता है।
- इसका उद्देश्य जल प्रबंधन **से संबंधित महत्त्वपूर्ण चुनौतियों का समाधान करना** तथा जल-संबंधी प्रौद्योगिकियों और प्रक्रियाओं में नवाचार को प्रोत्साहित करना है।
- **IWW वैश्विक जल कूटनीति का एक महत्त्वपूर्ण मंच बन चुका** है, जो जल-संबंधी प्रमुख चुनौतियों पर संवाद, नवाचार और ज्ञान के आदान-प्रदान को सुगम बनाता है।

AI संचालित यूपी स्किल गैप डैशबोर्ड

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन (UPSDM) ने राज्य में रोज़गार-क्षमता बढ़ाने हेतु **AI संचालित यूपी स्किल गैप डैशबोर्ड** नामक एक अभिनव उपकरण की शुरुआत की है।

मुख्य बिंदु

- **डैशबोर्ड के बारे में:**
  - यह पहली बार है जब उत्तर प्रदेश में **ज़िलावार कौशल आवश्यकताओं का आकलन** करने के लिये AI का उपयोग किया जा रहा है, जिससे स्थानीय स्तर पर आजीविका के अवसर सृजित करने में सहायता मिलेगी।
- **विशेषताएँ:**
  - **AI और डेटा एनालिटिक्स एकीकरण:** डैशबोर्ड ज़िला-विशिष्ट क्षेत्रों और रोज़गार डेटा का विश्लेषण करने के लिये उन्नत मशीन लर्निंग एल्गोरिदम **तथा डेटा एनालिटिक्स** का उपयोग करता है।
    - यह प्रमुख क्षेत्रों और उद्योगों के लिये ज़िलावार आँकड़े प्राप्त करता है तथा प्रशिक्षण भागीदारों से व्यापार-विशिष्ट मांगे भी प्राप्त करता है।
  - **ज़िला-विशिष्ट कौशल मूल्यांकन:** यह विभिन्न ज़िलों में कौशल **अंतराल की पहचान करने में** मदद करता है तथा एक व्यापक कौशल मूल्यांकन प्रदान करता है।
    - यह प्रत्येक ज़िले में क्षेत्र-विशिष्ट विकास और रोज़गार आवश्यकताओं के आधार पर आवश्यक प्रशिक्षण की सिफारिश करता है।
- **लाभ:**
  - **ज़िला स्तरीय कौशल विकास:** डैशबोर्ड वैज्ञानिक विश्लेषण के माध्यम से उन क्षेत्रों की पहचान करता है जहाँ प्रशिक्षित जनशक्ति की ज़रूरत है।
    - इससे स्थानीय आवश्यकताओं के आधार पर प्रशिक्षण लक्ष्यों का बेहतर आवंटन संभव होगा और प्रत्येक ज़िले में रोज़गार-क्षमता में वृद्धि होगी।
  - **नौकरी छोड़ने की प्रवृत्ति में कमी:** स्थानीय रोज़गार बाज़ार से प्रशिक्षण को संरेखित कर यह सुनिश्चित किया जाता है कि उम्मीदवारों को अन्य ज़िलों में नौकरी खोजने के लिये पलायन न करना पड़े।
  - **प्रशिक्षण भागीदार के रूप में उद्योगों की भागीदारी:** पहली बार **कौशल विकास** प्रक्रिया में उद्योगों को प्रशिक्षण भागीदार के रूप में शामिल किया गया है।
    - अब 45 से अधिक उद्योग, उद्योग-विशिष्ट प्रशिक्षण प्रयासों में सक्रिय रूप से योगदान दे रहे हैं।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- **प्रशिक्षण साझेदार मूल्यांकन:** प्रशिक्षण साझेदारों का मूल्यांकन प्रशिक्षण और प्लेसमेंट में उनके पिछले प्रदर्शन के आधार पर किया जाता है।
  - शीर्ष प्रदर्शन करने वाले भागीदारों को प्रशिक्षण लक्ष्य आवंटित किये जाते हैं जिससे यह सुनिश्चित होता है कि अभ्यर्थियों को उच्च गुणवत्ता वाला प्रशिक्षण प्रदान किया जाए।
- **प्रशिक्षण लक्ष्य आवंटन के लिये AI संचालित अंतर्दृष्टि:** डैशबोर्ड क्षेत्रवार प्रशिक्षण लक्ष्यों को प्रोजेक्ट करने के लिये वास्तविक समय डेटा स्क्रैपिंग और प्राथमिक अनुसंधान का उपयोग करता है।
  - यह प्रत्येक ज़िले में शीर्ष उद्योगों, नौकरी भूमिकाओं और कौशल अंतराल का मानचित्रण करता है जिससे प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिये सटीक तथा अद्यतन जानकारी सुनिश्चित होती है।

एकीकरण:

- यह प्रणाली UPSDM के लिये **इंटरैक्टिव समर्थन** प्रदान करने के लिये **लार्ज लैंग्वेज मॉडल (LLM) संचालित** चैटबॉट के साथ एकीकृत किया गया है।
  - AI आधारित उपकरण वास्तविक समय सहायता प्रदान करता है, प्रक्रिया के माध्यम से उपयोगकर्त्ताओं का मार्गदर्शन करता है और प्रशिक्षण व रोज़गार से संबंधित प्रश्नों का उत्तर देता है।

71वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार

चर्चा में क्यों?

वर्ष 2023 के लिये भारत की सिनेमाई उत्कृष्टता को सम्मानित करने हेतु 71वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों की आधिकारिक घोषणा की गई।

मुख्य बिंदु

पुरस्कार के बारे में:

- वर्ष 2023 के संस्करण में **राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों के नियमों** के तहत क्षेत्र का विस्तार करते हुए कुल **31 फीचर फिल्में**, **24 गैर-फीचर फिल्में**, **सिनेमा पर 27 पुस्तकें** तथा **16 फिल्म समीक्षकों** को सम्मिलित किया गया।
- शाहरुख खान को अपने 30 वर्ष से अधिक के फिल्मी करियर में प्रथम राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त हुआ।

राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार

- राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों का आयोजन भारत सरकार की ओर से **सूचना और प्रसारण मंत्रालय** के माध्यम से किया जाता है।
- **पुरस्कार श्रेणियाँ:** ये वार्षिक पुरस्कार निम्नलिखित श्रेणियों में प्रदान किये जाते हैं— **फीचर फिल्म**, **गैर-फीचर फिल्म**, **सिनेमा पर सर्वश्रेष्ठ लेखन** तथा दादा साहेब फाल्के पुरस्कार।

शीर्ष राष्ट्रीय विजेता	
वर्ग	**विजेता**
सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म	*12th फेल*
सर्वश्रेष्ठ निर्देशन	*सुदीप्तो सेन - द केरल स्टोरी*
सर्वश्रेष्ठ अभिनेता	*शाहरुख खान (जवान), विक्रांत मैसी (12th फेल)*
सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री	*रानी मुखर्जी - मिसेज चटर्जी वर्सेज नॉर्वे*
सर्वश्रेष्ठ लोकप्रिय मनोरंजन फिल्म	*रॉकी और रानी की प्रेम कहानी*
किसी निर्देशक की सर्वश्रेष्ठ पहली फिल्म	*आत्मापंफलेट*
राष्ट्रीय, सामाजिक और पर्यावरणीय मूल्यों को बढ़ावा देने वाली सर्वश्रेष्ठ फिल्म	*सैम बहादुर*

फीचर फिल्म पुरस्कार	
पुरस्कार श्रेणी	**फिल्म / कलाकार**
सर्वश्रेष्ठ हिंदी फिल्म	*कटहल (Kathal)*
सर्वश्रेष्ठ बंगाली फिल्म	*डीप फ्रीज*

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

सर्वश्रेष्ठ मराठी फिल्म	*श्यामची आई*
सर्वश्रेष्ठ पृष्ठभूमि स्कोर	*एनीमल* (हर्षवर्द्धन रामेश्वर)
सर्वश्रेष्ठ महिला पार्श्व गायिका	*शिल्पा राव - छलिया (जवान)*
सर्वश्रेष्ठ पुरुष पार्श्व गायक	*PVN S रोहित - बेबी (तेलुगु)*
सर्वश्रेष्ठ संपादन	*पूक्कालम* – मिधुन मुरली
सर्वश्रेष्ठ छायांकन	*केरल की कहानी* – प्रशांतु महापात्रा
सर्वश्रेष्ठ कॉस्ट्यूम डिज़ाइन	*सैम बहादुर* - सचिन, दिव्या, निधि
सर्वश्रेष्ठ मेकअप	*सैम बहादुर* -श्रीकंठ देसाई
सर्वश्रेष्ठ कोरियोग्राफी	*ढिंढोरा बाजे रे - रॉकी और रानी* (वैभवी मर्चेंट)
सर्वश्रेष्ठ ध्वनि डिज़ाइन	*एनिमल* - सचिन सुधाकरन और हरिहरन

अभिनय पुरस्कार

वर्ग	विजेता
सर्वश्रेष्ठ अभिनेता	*शाहरुख खान (जवान), विक्रांत मैसी (12th फेल)*
सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री	*रानी मुखर्जी (मिसेज चटर्जी वर्सेज नॉर्वे)*
सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता	*विजय राघवन (पुक्कलम), मुथुपेट्टई भास्कर (पार्किंग)*
सर्वश्रेष्ठ सह नायिका	*उर्वशी (उल्लोझुक्कू), जानकी बोडीवाला (वश)*
सर्वश्रेष्ठ बाल कलाकार	सुकृति बांदीरेड्डी (*गांधी थाथा चेट्टू*), कबीर खंडारे (*जिप्सी*), त्रिशा तोशर, श्रीनिवास पोकले, भार्गव (*नाल 2*)

गैर-फीचर फिल्म पुरस्कार

पुरस्कार	प्राप्तकर्त्ता
सर्वश्रेष्ठ वृत्तचित्र	*गॉड, वल्चर एंड ह्यूमन*
सर्वश्रेष्ठ गैर-काल्पनिक फिल्म	*फ्लावरिंग मैन*
सर्वश्रेष्ठ लघु फिल्म	*गिद्ध – द स्कैवेंजर*
सर्वश्रेष्ठ बाल फिल्म	*नाल 2*
AVGC में सर्वश्रेष्ठ फिल्म	*हनुमान*
सर्वश्रेष्ठ वॉयसओवर	*द सेक्रेड जैक* - हरि कृष्णन एस
सर्वश्रेष्ठ डेब्यू (गैर-फीचर)	*द स्पिरिट ड्रीम्स ऑफ चेरॉ*
सर्वोत्तम सामाजिक और पर्यावरणीय मूल्य	द साइलेंट पैंडेमिक

राष्ट्रीय मत्स्यपालक दिवस 2025

चर्चा में क्यों?

भारत की खाद्य सुरक्षा को **मज़बूत** करने, **मछली-आधारित प्रोटीन** की मांग को पूरा करने और ग्रामीण **रोज़गार** को बढ़ावा देने में **मत्स्यपालकों** के अथक प्रयास का सम्मान करने के लिये ICAR-केंद्रीय मीठाजल जीवपालन अनुसंधान संस्थान (CIFA) में 10 जुलाई, 2025 को राष्ट्रीय मत्स्यपालक दिवस मनाया गया।

प्रमुख बिंदु

- **विरासत का सम्मान:**
  - राष्ट्रीय मत्स्यपलक दिवस वर्ष 1957 में **प्रोफेसर डॉ. हीरालाल चौधरी और डॉ. के.एच. अलीकुन्ही** द्वारा किये गए कार्यों की स्मृति में मनाया जाता है, जिन्होंने **हाइपोफिसेशन तकनीक** के माध्यम से भारतीय मत्स्य पालन में क्रांतिकारी परिवर्तन किया।
  - इस तकनीक ने **भारतीय मेजर कार्प्स** में कृत्रिम प्रजनन और प्रजनन को संभव बनाया। यह वैज्ञानिक उपलब्धि भारत में अंतर्देशीय जलीय कृषि (Inland Aquaculture) के विकास का मार्ग प्रशस्त करने वाली सिद्ध हुई।
- **प्रमुख पहल और निवेश:**
  - वर्ष 2015 से अब तक भारत सरकार ने मत्स्य क्षेत्र में 38,572 करोड़ रुपए का निवेश किया है।
  - मत्स्य उत्पादन वित्त वर्ष 2013-14 में 95.79 लाख टन से बढ़कर वित्त वर्ष 2024-25 में 195 लाख टन हो गया है।
  - भारत झींगा निर्यात में वैश्विक अग्रणी बन चुका है, जो 60,500 करोड़ रुपए से अधिक हो गया है तथा पिछले एक दशक में झींगा उत्पादन में 270% की वृद्धि हुई है।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

भारत के मत्स्य पालन क्षेत्र की स्थिति

- भारत, **चीन** के बाद विश्व का दूसरा सबसे बड़ा **मछली उत्पादक** तथा दूसरा सबसे बड़ा जलीय कृषि देश है।
- भारत समुद्री उत्पादों का चौथा सबसे बड़ा **निर्यातक** बन गया है, जो वित्त वर्ष 2014-15 के आठवें स्थान से उल्लेखनीय सुधार दर्शाता है।
  - **अंतर्देशीय मत्स्य पालन** कुल उत्पादन का 75% से अधिक है।
- **शीर्ष मछली उत्पादक राज्य:** आंध्र प्रदेश, पश्चिम बंगाल, कर्नाटक।

केंद्रीय मीठाजल जीवपालन अनुसंधान संस्थान (CIFA)

- **स्थापना:** 1949 में ओडिशा के कटक स्थित CIFRI के तालाब संस्कृति प्रभाग (Pond Culture Division) से उत्पत्ति।
- यह भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (ICAR) के अधीन कार्य करता है।
- **उद्देश्य:**
  - **यह सतत् एवं विविधीकृत मीठे पानी की जलीय कृषि** प्रथाओं पर ध्यान केंद्रित करता है।
  - उत्पादकता, गुणवत्ता, **जल उपयोग दक्षता** और **कृषि** आय को बढ़ाना इसका मुख्य उद्देश्य है।

7 अगस्त 2025 को वस्त्र मंत्रालय ने भारत के हथकरघा क्षेत्र का उत्सव मनाते हुए 11वें राष्ट्रीय हथकरघा दिवस (NHD) का आयोजन किया, जिसका विषय था- **"वीविंग इनोवेशन इन्टू ट्रडिशन"**।

- 11वें NHD के अवसर पर **भारत मंडपम** में भारत के राष्ट्रपति ने वर्ष 2024 के लिये प्रतिष्ठित **5 संत कबीर हथकरघा पुरस्कार** तथा **19 राष्ट्रीय हथकरघा पुरस्कार** प्रदान किये।

मुख्य बिंदु

- **राष्ट्रीय हथकरघा दिवस के बारे में:**
  - 7 अगस्त 2015 को स्थापित NHD, 7 अगस्त 1905 से प्रारंभ हुए स्वदेशी आंदोलन की ऐतिहासिक स्मृति में मनाया जाता है, जिसने स्वदेशी **हथकरघा बुनाई उद्योगों** को प्रोत्साहन दिया।
    - NHD भारतीय हथकरघा के पीछे के कुशल **शिल्प कौशल** और **रचनात्मकता** का उत्सव मनाता है तथा एक समृद्ध **सांस्कृतिक विरासत** के रूप में उनके महत्त्व को मान्यता देता है।
  - **राष्ट्रीय हथकरघा विकास निगम (NHDC)** के साथ साझेदारी में मंत्रालय ने **एक्सक्लूसिव हैंडलूम एक्सपो** और **"हाट ऑन व्हील्स" मोबाइल रिटेल** पहल भी शुरू की।
  - राष्ट्रीय हथकरघा दिवस के उपलक्ष्य में 1 से 7 अगस्त 2025 तक एक सप्ताह तक चलने वाले कार्यक्रम के रूप में वस्त्र मंत्रालय द्वारा **"अपने बुनकरों को जानें अभियान 2025"** भी शुरू किया गया।
- **हथकरघा पुरस्कार**
  - इन पुरस्कारों का उद्देश्य हथकरघा उद्योग में **उत्कृष्टता** को सम्मानित करना तथा ऐसे व्यक्तियों और संगठनों को मान्यता देना है जिन्होंने **शिल्प कौशल**, **नवाचार** तथा **विकास** में योगदान के मानक स्थापित किये हैं।
- **पुरस्कारों की श्रेणियाँ:**

आयाम	संत कबीर हथकरघा पुरस्कार	राष्ट्रीय हथकरघा पुरस्कार
उद्देश्य	क्षेत्र के विकास और परंपरा में महत्त्वपूर्ण योगदान के लिये उत्कृष्ट हथकरघा बुनकरों को सम्मानित किया जाता है।	असाधारण शिल्प कौशल, समर्पण और नवाचार के लिये बुनकरों का सम्मान किया जाता है।
पात्रता	उत्कृष्ट हथकरघा बुनकर; इसमें राष्ट्रीय/राज्य पुरस्कार विजेता, योग्यता प्रमाण-पत्र धारक या असाधारण योगदानकर्त्ता शामिल हो सकते हैं।	अनुकरणीय शिल्प कौशल, नवाचार और समर्पण वाले बुनकर।
नकद राशि	3.5 लाख रुपए	2 लाख रुपए

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

हथकरघा क्षेत्र

- **परिचय:**
  - **हथकरघा क्षेत्र** भारत की ग्रामीण अर्थव्यवस्था और **सांस्कृतिक विरासत** का आधार बना हुआ है, जो 35 लाख से अधिक लोगों को **रोज़गार** प्रदान करता है जिसमें 70% महिलाएँ हैं।
- **वैश्विक उपस्थिति:**
  - भारत विश्व का एकमात्र प्रमुख देश है जो **व्यावसायिक स्तर** पर हथकरघा कपड़ों का उत्पादन करता है और यह वैश्विक हस्त-बुने कपड़ों के उत्पादन का लगभग **95%** हिस्सा है।
  - भारत के **हथकरघा निर्यात** की वैश्विक बाज़ारों में मजबूत मांग बनी हुई है, जो 20 से अधिक देशों तक पहुँच रही है।
    - वित्त वर्ष 2024-25 में **संयुक्त राज्य अमेरिका** सबसे बड़ा निर्यात गंतव्य रहा, जहाँ 331.56 करोड़ रुपए के हथकरघा उत्पादों का निर्यात किया गया।
- **प्रमुख योजनाएँ:**
  - **राष्ट्रीय हथकरघा विकास कार्यक्रम (NHDP):** आत्मनिर्भर और प्रतिस्पर्द्धी इकाइयों का गठन करके मान्यता प्राप्त समूहों के भीतर तथा बाहर **हथकरघा बुनकरों** के सतत् विकास को बढ़ावा देना।
  - **कच्चा माल आपूर्ति योजना (RMSS):** सस्ती कीमतों पर गुणवत्ता वाले **धागे** की उपलब्धता सुनिश्चित करके **हथकरघा बुनकरों** को समर्थन देना।
  - **मुद्रा ऋण:** बुनकरों को बैंकों के माध्यम से 6% की कम ब्याज दर पर सब्सिडी युक्त ऋण प्रदान करना।

विश्व शेर दिवस 2025

चर्चा में क्यों?

10 अगस्त 2025 को पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (MoEF&CC) ने **गुजरात वन एवं पर्यावरण विभाग** के सहयोग से गुजरात के **द्वारका ज़िले** स्थित **बरदा वन्यजीव अभयारण्य** में विश्व शेर दिवस का आयोजन किया।

- यह कार्यक्रम एशियाई सिंह (*Panthera leo persica*) के संरक्षण हेतु चलाये जा रहे प्रोजेक्ट लायन के अंतर्गत प्राप्त उपलब्धियों के उत्सव के रूप में आयोजित किया गया।

मुख्य बिंदु

- **शेर गणना**
  - मई 2025 के **शेर** गणना अनुमान (16वीं जनगणना) के अनुसार गुजरात में शेरों की संख्या वर्ष 2020 से 32% बढ़ी है, जो 674 से बढ़कर 891 हो गई है।
  - **बर्दा वन्यजीव अभयारण्य** जो बड़े गिर शेर परिदृश्य का हिस्सा है, 17 **एशियाई शेरों** का आवास है।
- **प्रोजेक्ट लायन के बारे में**
  - यह गुजरात के **गिर परिदृश्य** में **एशियाई शेरों** के भविष्य को सुरक्षित करने के लिये वर्ष 2020 में लॉन्च किया गया।
  - **लक्षित क्षेत्र:** आवास सुधार, पारिस्थितिकी तंत्र स्वास्थ्य और मानव-वन्यजीव संघर्ष शमन।
- **प्रयुक्त प्रौद्योगिकियाँ:**
  - **रेडियो कॉलर** और **कैमरा ट्रैप:** शेर की गतिविधियों पर नज़र रखने के लिये।
  - **GPS ट्रैकिंग:** शेरों और वाहनों की प्रभावी निगरानी सुनिश्चित करने हेतु।
  - **स्वचालित सेंसर ग्रिड:** इसमें वन्यजीव ट्रैकिंग के लिये चुंबकीय, गति और अवरक्त ताप सेंसर शामिल हैं।
  - **GIS-आधारित वास्तविक समय निगरानी:** समयबद्ध विश्लेषण और संरक्षण प्रबंधन को सक्षम बनाने हेतु।

शेरों के बारे में मुख्य तथ्य

- **शेर** को दो उप-प्रजातियों में विभाजित किया गया है: **अफ्रीकी शेर** (*Panthera leo leo*) और **एशियाई शेर** (*Panthera leo persica*)।
  - **एशियाई शेर** अफ्रीकी शेरों से थोड़े छोटे होते हैं।
- **विशेषताएँ:**
  - शेर अपनी विशिष्ट विशेषताओं के लिये जाने जाते हैं, जिसमें नर शेरों में गहरे भूरे रंग का **फर**, गुच्छेदार **पूँछ** और **अयाल** शामिल हैं।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- ये सामाजिक प्राणी हैं और **प्राइड** नामक समूहों में रहते हैं। एक प्राइड में सामान्यत: कई मादाएँ, उनके शावक तथा कुछ वयस्क नर शामिल होते हैं।
- **वितरण और आवास:**
  - शेर उप-सहारा अफ्रीका में पाये जाते हैं, जबकि एक छोटी आबादी भारत के गिर राष्ट्रीय उद्यान में पाई जाती है।
- **संरक्षण स्थिति:**
  - IUCN रेड लिस्ट:
    - अफ्रीकी सिंह — **सुभेद्य** (वैश्विक स्तर पर)
    - एशियाई सिंह — **सुभेद्य**
  - **IUCN ग्रीन स्टेटस ऑफ स्पीशीज़ असेसमेंट:** शेर: **लार्जली डिप्लीटेड** श्रेणी
  - CITES: भारत की आबादी- परिशिष्ट-I; अन्य सभी आबादियाँ- परिशिष्ट-II
  - वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972: अनुसूची-I और IV
- **भारत में संरक्षण प्रयास:**
  - प्रोजेक्ट लायन
  - एशियाई सिंह संरक्षण परियोजना

केन्या में निद्रा रोग का उन्मूलन

चर्चा में क्यों?

विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने आधिकारिक रूप से **केन्या** को **मानव अफ्रीकी ट्रिपानोसोमायसिस**, जिसे आमतौर पर निद्रा रोग के नाम से जाना जाता है, से मुक्त प्रमाणित किया है।

- इस उपलब्धि के साथ, **केन्या** विश्व स्तर पर इस रोग को समाप्त करने वाला दसवाँ देश बन गया है।
- यह **केन्या** में समाप्त किया गया दूसरा **उपेक्षित उष्णकटिबंधीय रोग** है; इससे पहले वर्ष 2018 में देश को WHO द्वारा गिनी कृमि रोग मुक्त प्रमाणित किया गया था।

मुख्य बिंदु

निद्रा रोग के बारे में:

- निद्रा रोग **त्सेत्से मक्खियों** द्वारा प्रसारित **प्रोटोजोआ परजीवियों** के कारण होता है।
- इस रोग के प्रारंभिक लक्षणों में **बुखार**, **सिरदर्द** और **जोड़ों में दर्द** शामिल हैं।
- उन्नत चरणों में रोगी को **तंत्रिका संबंधी प्रभाव**, **नींद के पैटर्न में व्यवधान**, **भ्रम** और **व्यवहारिक परिवर्तन** की समस्या होती है।
  - निद्रा रोग उप-सहारा **अफ्रीका** में स्थानिक है।
- निद्रा रोग से **मानव** और **मवेशियों** दोनों की उत्पादकता में उल्लेखनीय कमी आती है, विशेषकर पूर्वी अफ्रीका के मासाई जनजाति द्वारा पाले जाने वाले **ज़ेबू मवेशियों** में।

भारत द्वारा रोग का उन्मूलन

- भारत ने चेचक (1980), पोलियो (2014), प्लेग, रिंडरपेस्ट (मवेशी प्लेग), यॉज और मातृ एवं नवजात टेटनस (2015), ट्रेकोमा (2024) का उन्मूलन कर दिया है।
  - भारत को वर्ष 2000 में **विश्व स्वास्थ्य संगठन** से गिनी कृमि रोग मुक्त प्रमाणन का दर्जा प्राप्त हुआ।

भारत में उन्मूलन के लिये लक्षित रोग

- मलेरिया: वर्ष 2030 तक देश में स्थानीय संक्रमण के शून्य मामले लाना।
- **लिंफैटिक फाइलेरियासिस (LF):** स्थानिक क्षेत्रों में <1% माइक्रोफाइलेरिया दर प्राप्त करना (2030 तक उन्मूलन)।
- कालाज़ार: ब्लॉक स्तर पर प्रति 10,000 जनसंख्या पर 1 से कम वार्षिक मामले दर्ज करना।
  - प्रमाणीकरण के लिये 3 वर्ष तक निरंतर निष्कासन की आवश्यकता होती है।
- टीबी (Tuberculosis): **राष्ट्रीय टीबी उन्मूलन कार्यक्रम** (NTEP) के तहत वर्ष 2025 तक टीबी समाप्त करना।

विश्व आदिवासी दिवस

चर्चा में क्यों?

विश्व आदिवासी दिवस या विश्व के स्वदेशी लोगों का अंतर्राष्ट्रीय दिवस के अवसर पर, मध्य प्रदेश डाक विभाग ने इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय (IGRMS) के सहयोग से तीन दिवसीय डाक टिकट प्रदर्शनी का आयोजन किया है।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

मुख्य बिंदु

- **विश्व आदिवासी दिवस के बारे में:**
  - दिसंबर 1994 में संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा इस दिवस को मान्यता दिये जाने के बाद, इसे प्रतिवर्ष **9 अगस्त** को मनाया जाता है।
  - यह दिवस वर्ष **1982** में जिनेवा में स्वदेशी जनसंख्या पर संयुक्त राष्ट्र कार्य समूह की पहली बैठक के उपलक्ष्य में मनाया जाता है।
- **2025 का विषय:**
  - "स्वदेशी लोग और AI: अधिकारों की रक्षा, भविष्य को आकार देना।"
- **विश्व स्तर पर स्वदेशी लोगों से संबंधित मुख्य तथ्य:**
  - अनुमान है कि विश्व के **90 देशों** में **476 मिलियन** मूल निवासी रहते हैं।
  - वे विश्व की जनसंख्या का 6% से भी कम हैं, लेकिन सबसे गरीब लोगों में कम-से-कम 15% हिस्सा उनका है।
  - वे विश्व की अनुमानित **7,000 भाषाओं** में से अधिकांश बोलते हैं तथा **5,000 विभिन्न संस्कृतियों** का प्रतिनिधित्व करते हैं।

2025 इक्वेटर पुरस्कार

- संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (UNDP) ने **2025 इक्वेटर पुरस्कार** के लिये चुने गए दस स्वदेशी नेतृत्व वाले, समुदाय-आधारित संगठनों की घोषणा की है तथा उनके **पर्यावरण-केंद्रित समाधानों** को मान्यता दी है, जो इस वर्ष के पुरस्कार विषय, **"जलवायु कार्रवाई के लिये प्रकृति"** के अनुरूप हैं।
- विजेताओं में से एक, भारत की **बिबिफातिमा स्व सहाय**, बहु-फसल, बीज बैंकों और सौर ऊर्जा प्रसंस्करण के माध्यम से गाँव के किसानों का समर्थन करती हैं तथा पारंपरिक ज्ञान को पुनर्योजी कृषि तथा नवीकरणीय ऊर्जा के साथ मिश्रित करती हैं।

भारत में आदिवासियों से संबंधित प्रमुख तथ्य

- भारत में, 'आदिवासी' शब्द का तात्पर्य विभिन्न जातीय और जनजातीय समूहों से है, जिन्हें आदिवासी आबादी के रूप में मान्यता प्राप्त है।
- अनुसूचित जनजाति (एसटी) वे स्वदेशी समुदाय हैं, जिन्हें सरकार द्वारा विशेष सुरक्षा और समर्थन के लिये मान्यता दी गई है।
  - **2011 की जनगणना के अनुसार** ये पैतृक समूह भारत की सामान्य जनसंख्या का लगभग 8.6% हैं, जो कुल मिलाकर लगभग 104 मिलियन है।
- **मुख्य विशेषताएँ:**
  - लोकुर समिति (1965) के अनुसार, जनजातियों की मुख्य विशेषताएँ हैं:
    - आदिम लक्षणों का संकेत
    - विशिष्ट संस्कृति
    - बड़े पैमाने पर समुदाय के साथ संपर्क करने में संकोच
    - भौगोलिक अलगाव
    - पिछड़ापन
- **अनुसूचित जनजातियों के लिये संवैधानिक प्रावधान:**
  - **अनुच्छेद 15(4):** अन्य पिछड़े वर्गों (इसमें अनुसूचित जनजातियाँ भी शामिल हैं) की उन्नति के लिये विशेष प्रावधान
  - **अनुच्छेद 29:** अल्पसंख्यकों के हितों का संरक्षण (इसमें अनुसूचित जनजातियाँ भी शामिल हैं)
  - **अनुच्छेद 46:** राज्य कमज़ोर वर्गों (अनुसूचित जनजातियों सहित) का कल्याण सुनिश्चित करेगा तथा उन्हें अन्याय और शोषण से बचाएगा।
  - **अनुच्छेद 275:** अनुसूचित जनजातियों के कल्याण और प्रशासन को बढ़ाने के लिये केंद्र सरकार से राज्य सरकार को विशेष निधि का आवंटन।
  - **अनुच्छेद 350:** विशिष्ट भाषा, लिपि या संस्कृति के संरक्षण का अधिकार।
  - **अनुच्छेद 330 और 332:** लोकसभा तथा राज्य विधानसभाओं में अनुसूचित जनजातियों के लिये सीटों का आरक्षण।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

विश्व हाथी दिवस 2025

चर्चा में क्यों?

12 अगस्त, 2025 को पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (MoEF&CC) ने तमिलनाडु वन विभाग के सहयोग से कोयंबटूर में विश्व हाथी दिवस समारोह की मेज़बानी की।

- मानव-हाथी संघर्ष (HEC) पर एक विशेष कार्यशाला भी आयोजित की गई, जिससे हाथी क्षेत्र वाले राज्यों को चुनौतियाँ साझा करने और शमन रणनीतियों पर चर्चा करने के लिये एक मंच प्रदान किया गया। यह प्रोजेक्ट एलीफेंट के उस लक्ष्य के अनुरूप था, जो मानव-हाथी संघर्षों को दूर करने के लिये सामुदायिक भागीदारी तथा वैज्ञानिक समाधानों पर ज़ोर देता है।
- राष्ट्रव्यापी जागरूकता कार्यक्रम का उद्देश्य भारत के 5,000 स्कूलों के लगभग **12 लाख** बच्चों को शामिल करना था।

मुख्य बिंदु

विश्व हाथी दिवस के बारे में:

- विश्व हाथी दिवस की स्थापना **12 अगस्त, 2012** को कनाडा की **पैट्रिशिया सिम्स** और थाईलैंड के **एलिफेंट रीइंट्रोडक्शन फाउंडेशन** द्वारा की गई थी।
- वैश्विक जागरूकता निर्माण के अपने आरंभ से ही इसने विश्व भर में 100 हाथी संरक्षण संगठनों के साथ साझेदारी की है तथा असंख्य व्यक्तियों तक अपनी पहुँच बनाई है।
- **वर्ष 2025** का विषय है- **"हाथियों की मदद के लिये विश्व को एक साथ लाना"।**
- **नवंबर 2015** में एक गैर-लाभकारी संगठन के रूप में स्थापित **विश्व हाथी सोसायटी** का उद्देश्य वार्षिक विश्व हाथी दिवस अभियान का समर्थन करना है।
- यह संगठन वैश्विक हाथी संरक्षण प्रयासों के बारे में जनता को शिक्षित करता है, विशेष रूप से विश्व हाथी दिवस के अवसर पर।

मेगा टिंकरिंग दिवस 2025

चर्चा में क्यों?

राष्ट्रव्यापी नवाचार अभियान के अंतर्गत नीति आयोग के अटल इनोवेशन मिशन (AIM), ने **'मेगा टिंकरिंग दिवस 2025'** का आयोजन किया, जो भारत के **नवाचार परिदृश्य** में एक महत्त्वपूर्ण उपलब्धि है।

मुख्य बिंदु

- **परिचय:**
  - इस राष्ट्रव्यापी आयोजन में भारत के सभी 35 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के 10,000 से अधिक अटल टिंकरिंग लैब्स (ATLs) को जोड़ा गया।
  - इस कार्यक्रम में 9,467 ATL-युक्त विद्यालयों के 4,73,350 विद्यार्थियों ने भाग लिया और अपनी प्रयोगशालाओं में उपलब्ध सामान्य सामग्रियों का उपयोग कर एक **'डू-इट-योरसेल्फ'** (DIY) **वैक्यूम क्लीनर** बनाने की व्यवहारिक गतिविधि में भाग लिया।
- **कार्यक्रम प्रारूप:**
  - **वर्चुअल एवं सामूहिक आयोजन:** यह आयोजन पूरे भारत में विद्यालयों में वर्चुअल रूप से और एक साथ किया गया, जिसमें उत्तर (लेह, लद्दाख, कारगिल, कश्मीर), दक्षिण (कन्याकुमारी), पश्चिम (भुज, कच्छ), पूर्व (मणिपुर, मिज़ोरम, अरुणाचल प्रदेश) और आकांक्षी ज़िले (विरुधुनगर) शामिल थे।
  - **सहयोगात्मक शिक्षण:** ऑनलाइन प्रारूप ने छात्रों को भौगोलिक दूरियों के बावजूद वास्तविक समय में सहयोग करने में सक्षम बनाया।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

अटल नवाचार मिशन

- **परिचय:**
  - वर्ष 2016 में नीति आयोग द्वारा प्रारम्भ किया गया, AIM का उद्देश्य विद्यार्थियों में **समस्या-समाधान की सोच विकसित कर नवाचार और उद्यमिता को प्रोत्साहित करना** तथा विश्वविद्यालयों एवं शोध संस्थानों में **उद्यमिता पारितंत्र को सशक्त बनाना** है।
- **AIM 2.0:**
  - इसका उद्देश्य AIM की सफलता के आधार पर भारत के नवाचार और उद्यमिता पारितंत्र को विस्तारित तथा मज़बूत करने के लिये नई पहलों को आगे बढ़ाना एवं उनका संचालन करना है।

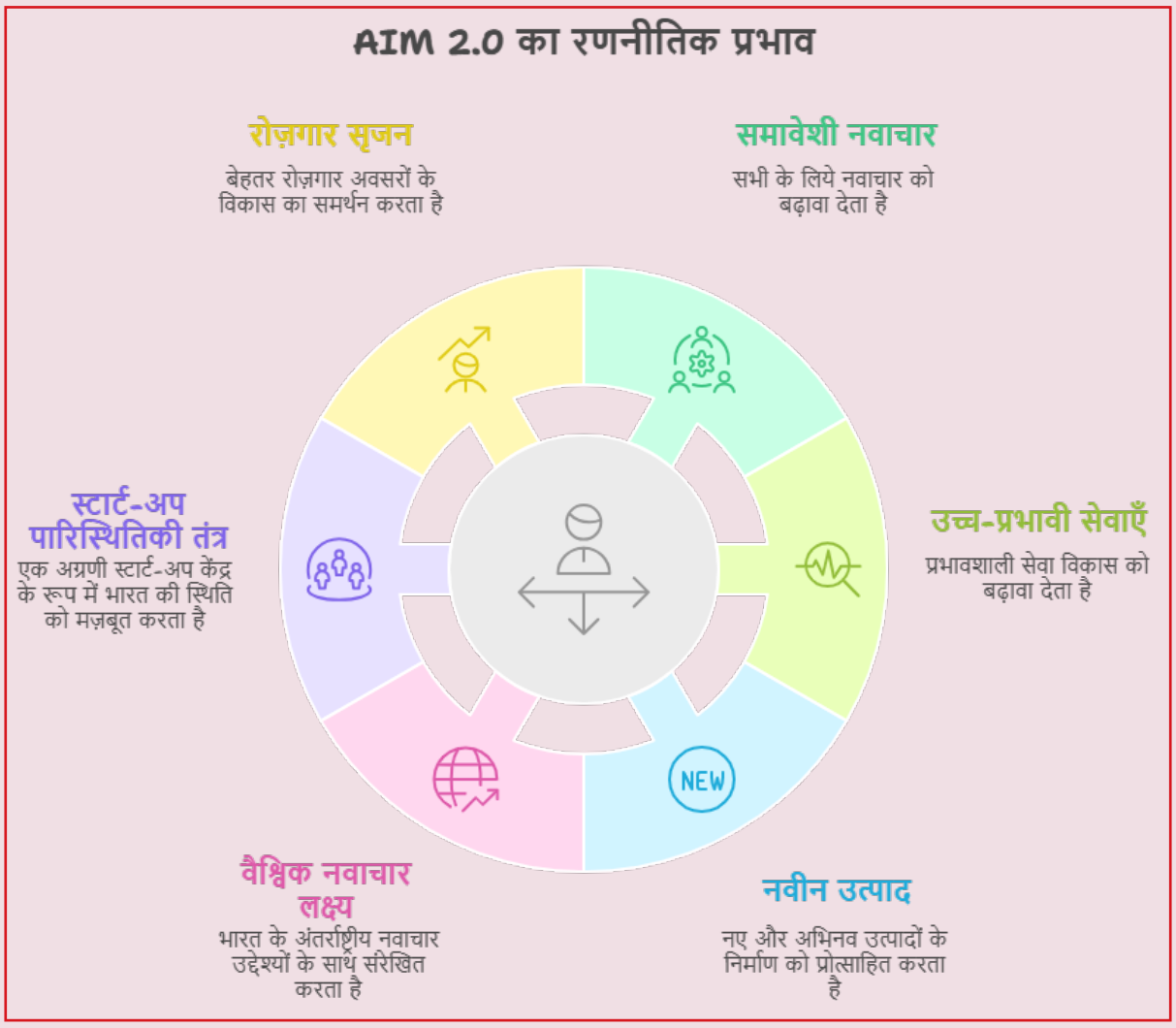

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन)
क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें!
क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें
क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग
क्लिक करें या स्कैन करें!

विश्व अंगदान दिवस

चर्चा में क्यों?

अंगदान के जीवन-रक्षक प्रभाव के बारे में **जागरूकता बढ़ाने के लिये** 13 अगस्त, 2025 को विश्व अंगदान दिवस मनाया गया।

मुख्य बिंदु

- **विश्व अंगदान दिवस के बारे में:**
  - **विश्व अंगदान दिवस** अंग दाताओं और उनके परिवारों के **निस्वार्थ योगदान का सम्मान करता** है तथा अधिक सार्वजनिक भागीदारी की तत्काल आवश्यकता पर प्रकाश डालता है।
- **उद्देश्य:**
  - विश्व अंगदान दिवस का उद्देश्य अंगदान के बारे में जागरूकता बढ़ाना, प्रत्यारोपण के लिये अंगों की गंभीर कमी को उजागर करना, **अंग दाताओं के रूप में प्रतिज्ञा को प्रोत्साहित** करना तथा **जीवन-रक्षक** प्रत्यारोपण को सक्षम करने के लिये दाताओं और उनके परिवारों को श्रद्धांजलि अर्पित करना है।
- **वर्ष 2025 के लिये थीम:**
  - इस वर्ष का थीम **"आह्वान का उत्तर देना"** है, जैसा कि **अंगदान और प्रत्यारोपण गठबंधन** द्वारा निर्धारित किया गया है।
    - यह इस क्षेत्र में स्वास्थ्य-देखभाल पेशेवरों के महत्त्वपूर्ण योगदान को मान्यता देता है, साथ ही अंगदान में अधिक-से-अधिक सार्वजनिक भागीदारी को प्रोत्साहित करता है।
- **वर्तमान आँकड़े:**
  - **यूनाइटेड नेटवर्क फॉर ऑर्गन शेयरिंग (UNOS)** के अनुसार, दुनिया भर में 1,03,993 से अधिक लोग अंग प्रत्यारोपण की प्रतीक्षा कर रहे हैं।
- **अंग प्रत्यारोपण का इतिहास:**
  - विश्व का पहला सफल अंग प्रत्यारोपण वर्ष 1954 में हुआ, जब रोनाल्ड ली हेरिक ने अपने जुड़वाँ भाई को किडनी दान की।
  - अग्रणी शल्य-चिकित्सक डॉ. जोसेफ मरे को अंग प्रत्यारोपण के क्षेत्र में उनके अभूतपूर्व कार्य के लिये वर्ष 1990 में फिज़ियोलॉजी या चिकित्सा का नोबेल पुरस्कार मिला।
- **भारत में राष्ट्रीय अंग दिवस:**
  - प्रारंभ में (वर्ष 2010 से) भारत में राष्ट्रीय अंगदान दिवस 27 नवंबर को मनाया जाता था, लेकिन भारत के पहले सफल मृतक दाता हृदय प्रत्यारोपण के उपलक्ष्य में वर्ष 2023 में इसे **3 अगस्त** को स्थानांतरित कर दिया गया। यह प्रत्यारोपण वर्ष 1994 में हुआ था।

राष्ट्रीय अंग और ऊतक प्रत्यारोपण संगठन (NOTTO)

- स्वास्थ्य मंत्रालय के अंतर्गत NOTTO की स्थापना मानव अंग प्रत्यारोपण (संशोधन) अधिनियम, 2011 के अनुसार की गई थी।
- इसका **राष्ट्रीय नेटवर्क प्रभाग** भारत में अंग और ऊतक दान व प्रत्यारोपण की रजिस्ट्री के समन्वय, क्रय, वितरण और रखरखाव के लिये शीर्ष केंद्र के रूप में कार्य करता है।
- क्षेत्रीय और राज्य स्तर पर नेटवर्क को सशक्त बनाने के लिये **5 क्षेत्रीय अंग और ऊतक प्रत्यारोपण संगठन (ROTTO)** तथा 14 **राज्य अंग और ऊतक प्रत्यारोपण संगठन (SOTTO)** स्थापित किये गए हैं।

अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्यतिथि

चर्चा में क्यों?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और अन्य गणमान्य व्यक्तियों के साथ पूर्व प्रधानमंत्री **अटल बिहारी वाजपेयी** की **सातवीं पुण्यतिथि (16 अगस्त)** पर नई दिल्ली में उनके स्मारक 'सदैव अटल' पर पुष्पांजलि अर्पित की।

मुख्य बिंदु

- **अटल बिहारी वाजपेयी के बारे में:**
  - **अटल बिहारी वाजपेयी का** जन्म 25 दिसंबर, 1924 को तत्कालीन ग्वालियर रियासत (अब मध्य प्रदेश का हिस्सा) में हुआ था।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- **उन्होंने वर्ष 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन** के दौरान राष्ट्रीय राजनीति में प्रवेश किया, जिसने **ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन के अंत** को गति प्रदान की

व्यावसायिक करियर:

- **वर्ष 1947 में वाजपेयी ने दीनदयाल उपाध्याय के समाचार पत्रों - राष्ट्रधर्म (एक हिंदी मासिक), पांचजन्य (एक हिंदी साप्ताहिक)** और **स्वदेश तथा वीर अर्जुन जैसे दैनिक** के लिये एक पत्रकार के रूप में काम करना शुरू किया।
  - **बाद में श्यामा प्रसाद मुखर्जी** से प्रभावित होकर वह वर्ष 1951 में भारतीय जनसंघ में शामिल हुए।

राजनीतिक यात्रा:

- **तीन बार भारत के प्रधानमंत्री बने:**
  - पहला कार्यकाल: 16 मई – 1 जून 1996 (13 दिन)
  - दूसरा कार्यकाल: 19 मार्च 1998 – 13 अक्तूबर 1999
  - तीसरा कार्यकाल: 13 अक्तूबर 1999 – 22 मई 2004
- वे नौ बार लोकसभा और दो बार राज्यसभा के लिये चुने गए।

पुरस्कार और सम्मान:

- वर्ष 2015 में भारत रत्न।
- वर्ष 1994 में पद्म विभूषण।
- वर्ष 1994 में पंडित गोविंद बल्लभ पंत पुरस्कार (सर्वश्रेष्ठ सांसद) से सम्मानित।
- उनके जन्मदिन (25 दिसंबर) को सुशासन दिवस के रूप में मनाया जाता है।

निधन:

- 16 अगस्त वर्ष 2018 को उनका निधन हुआ।

मुख्य उपलब्धियाँ:

- **स्वर्णिम चतुर्भुज परियोजना:** दिल्ली, मुंबई, चेन्नई और कोलकाता को जोड़ने वाले राष्ट्रीय राजमार्गों का नेटवर्क।
- दूसरी पीढ़ी के **आर्थिक सुधारों** द्वारा औद्योगिक विकास और विदेशी निवेश को बढ़ावा दिया।
- वर्ष 1998 में पोखरण परमाणु परीक्षण के दौरान भारत को परमाणु शक्ति के रूप में स्थापित किया।
- वर्ष 2000 में ग्रामीण संपर्क हेतु प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (PMGSY) का शुभारंभ किया।

श्री अरबिंदो की 153वीं जयंती

चर्चा में क्यों?

15 अगस्त, 2025 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दार्शनिक और स्वतंत्रता सेनानी श्री अरबिंदो को उनकी **153वीं जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की** तथा भारत की **राष्ट्र निर्माण यात्रा में उनके योगदान** को स्वीकार किया।

मुख्य बिंदु

श्री अरबिंदो के बारे में:

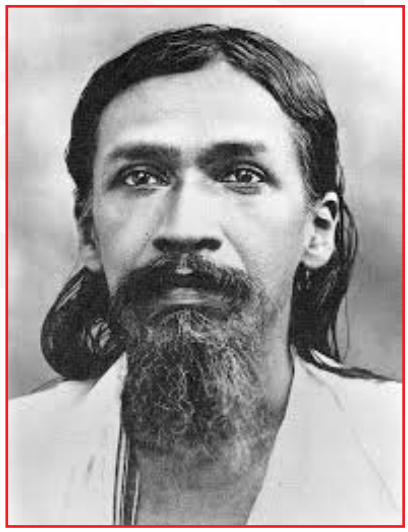

परिचय:

- अरबिंदो घोष का **जन्म 15 अगस्त, 1872 को कलकत्ता में हुआ था।** वह एक योगी, द्रष्टा, दार्शनिक, कवि और **भारतीय राष्ट्रवादी** थे जिन्होंने आध्यात्मिक विकास के माध्यम से संसार को ईश्वरीय अभिव्यक्ति के रूप में स्वीकार किया अर्थात् नव्य वेदांत दर्शन को प्रतिपादित किया।
- 5 दिसंबर, 1950 को पुदुचेरी में उनका निधन हो गया।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- **शिक्षा:**
  - उनकी शिक्षा **दार्जिलिंग के एक क्रिश्चियन कॉन्वेंट स्कूल में शुरू हुई।**
  - उन्होंने कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय में प्रवेश लिया, जहाँ वे दो शास्त्रीय और कई आधुनिक यूरोपीय भाषाओं में कुशल हो गए।
  - वर्ष 1892 में उन्होंने बड़ौदा (वडोदरा) और कलकत्ता (कोलकाता) में विभिन्न प्रशासनिक पदों पर कार्य किया।
  - उन्होंने शास्त्रीय संस्कृत सहित योग और भारतीय भाषाओं का अध्ययन शुरू किया।
- **भारतीय क्रांतिकारी आंदोलन:**
  - वर्ष 1902 से 1910 तक उन्होंने **भारत को अंग्रेज़ो से मुक्त कराने के संघर्ष** में भाग लिया।
  - अपनी राजनीतिक गतिविधियों के परिणामस्वरूप, उन्हें 1908 में अलीपुर बम कांड में जेल में डाल दिया गया।
- **आध्यात्मिक यात्रा:**
  - पुदुचेरी में उन्होंने आध्यात्मिक साधकों के एक समुदाय की स्थापना की, जिसने वर्ष 1926 में श्री अरबिंदो आश्रम के रूप में आकार लिया।
  - उनका मानना था कि **पदार्थ, जीवन और मन के मूल सिद्धांतों को स्थलीय विकास के माध्यम से सुपरमाइंड के सिद्धांत द्वारा अनंत एवं परिमित दो क्षेत्रों के बीच एक मध्यवर्ती शक्ति के रूप में सफल किया जाएगा।**
- **साहित्यिक कृतियाँ:**
  - वर्ष 1906 में वे अंग्रेज़ी समाचार-पत्र **बंदे मातरम (जिसकी स्थापना 1905 में बिपिन चंद्र पाल ने की थी) के संपादक बने।**
  - योग के आधार
  - भगवद्गीता और उसका संदेश
  - मनुष्य का भविष्य विकास
  - पुनर्जन्म और कर्म
  - सावित्री: एक किंवदंती और एक प्रतीक
  - आवर ऑफ गॉड
- **श्री अरबिंदो के पाँच स्वप्न:**
  - वर्ष 1947 में, भारत की स्वतंत्रता के बाद, अरबिंदो ने अपने पाँच स्वप्न व्यक्त किये, जिनमें **स्वतंत्र और एकजुट भारत, एशिया का पुनरुत्थान, बेहतर जीवन के लिये एक वैश्विक संघ, विश्व को भारत का आध्यात्मिक उपहार तथा उच्चतर चेतना एवं सामाजिक पूर्णता की ओर मानव विकास में एक परिवर्तनकारी प्रयास** शामिल थे।
- **ऑरोविले (Auroville):**
  - इसकी स्थापना वर्ष 1968 में **मिर्रा अल्फासा (The Mother)** द्वारा पुदुचेरी में की गई।
  - यह एक प्रायोगिक नगर है, जो अरबिंदो की उस दृष्टि को मूर्त रूप देता है जिसमें वैश्विक स्तर पर आध्यात्मिक रूप से एकीकृत समुदाय की परिकल्पना की गई है।
  - वर्ष 1966 में यूनेस्को द्वारा अनुमोदित यह सतत् जीवनशैली पर ज़ोर देता है और मानवता की भावी **सांस्कृतिक, पर्यावरणीय, सामाजिक** तथा **आध्यात्मिक आवश्यकताओं** को संबोधित करता है।

विश्व मानवतावादी दिवस

चर्चा में क्यों?

हर साल **19 अगस्त** को मनाया जाने वाला विश्व मानवतावादी दिवस का उद्देश्य उन समर्पित व्यक्तियों के प्रयासों को मान्यता देना है, जो संकट की घड़ी में दूसरों की सहायता करने के लिये अपने प्राणों को जोखिम में डालते हैं।

- यह दिवस उन लाखों लोगों के प्रति समर्थन व्यक्त करने का भी अवसर है, जिनका **जीवन संघर्ष** और आपदाओं के कारण संकटग्रस्त हो जाता है।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

मुख्य बिंदु

विश्व मानवतावादी दिवस के बारे में:

- **परिचय**
  - यह दिवस **मानवीय मामलों के समन्वय हेतु संयुक्त राष्ट्र कार्यालय (OCHA)** के नेतृत्व में मनाया जाता है।
  - इसका उद्देश्य संकटों से प्रभावित लोगों की कल्याण, गरिमा **और अस्तित्व** सुनिश्चित करना तथा मानवीय कार्यकर्त्ताओं की सुरक्षा का समर्थन करना है।
- **इतिहास**
  - **19 अगस्त, 2003** को बगदाद स्थित कैनाल होटल पर हुए बम हमले में 22 मानवीय सहयोगी मारे गए थे, जिनमें संयुक्त राष्ट्र महासचिव के इराक हेतु विशेष प्रतिनिधि **सर्जियो विएरा डी मेलो** भी शामिल थे।
  - उनके सम्मान में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने एक प्रस्ताव पारित कर इस दिन को विश्व मानवतावादी दिवस (WHD) के रूप में घोषित किया।
- **विषय (Theme)**
  - इस वर्ष का विषय मानवतावादियों और नागरिकों पर हो रहे हमलों को समाप्त करने तथा **अंतर्राष्ट्रीय मानवीय कानून** के तहत दंड-मुक्ति की प्रवृत्ति को रोकने का आह्वान करता है।
  - यह सत्ता में बैठे लोगों से **#ActForHumanity** का आग्रह करता है।
- **#ActForHumanity अभियान का आह्वान:**
  - मानवीय कार्यकर्त्ताओं और उनके द्वारा सेवा प्राप्त करने वाले नागरिकों की **सुरक्षा**।
  - **अंतर्राष्ट्रीय मानवीय कानून** को बनाए रखना।
  - मानवीय सहायता द्वारा उपलब्ध कराए जाने वाले महत्त्वपूर्ण जीवन-रेखीय (Vital Lifelines) संसाधनों हेतु वित्तपोषण।

डॉ. शंकर दयाल शर्मा की 104वीं जयंती

चर्चा में क्यों?

भारत के नौवें राष्ट्रपति **(25 जुलाई, 1992 से 25 जुलाई, 1997 तक) डॉ. शंकर दयाल शर्मा की 104 वीं जयंती** के अवसर पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्रपति भवन में पुष्पांजलि अर्पित की।

मुख्य बिंदु

डॉ. शंकर दयाल शर्मा के बारे में:

- **परिचय:**
  - डॉ. शंकर दयाल शर्मा का जन्म **19 अगस्त 1918** को भोपाल (मध्य प्रदेश) में हुआ था।
  - वे एक प्रतिष्ठित **वकील, राजनीतिज्ञ** और भारत के नौवें राष्ट्रपति थे।
  - उन्होंने भारत के स्वतंत्रता संग्राम में सक्रिय भूमिका निभाई तथा विभिन्न राजनीतिक दायित्वों में महत्त्वपूर्ण योगदान दिया।
- **शिक्षा:**
  - उन्होंने अपनी उच्च शिक्षा **आगरा और लखनऊ** विश्वविद्यालयों से प्राप्त की।
  - **कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय** से विधि में डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त करने के बाद, उन्होंने लंदन में लिंकन इन और हार्वर्ड विश्वविद्यालय में अध्ययन किया।
  - उन्होंने वर्ष 1940 में लखनऊ में अपनी वकालत शुरू की।
- **साहित्यिक कार्य:**
  - वे एक प्रख्यात कवि और लेखक भी थे। उन्होंने कई पुस्तकें लिखीं और ***लखनऊ लॉ जर्नल*** *(1941-43)* तथा ***सोशलिस्ट इंडिया*** *(1971-74)* जैसी प्रतिष्ठित पत्रिकाओं का संपादन किया।
- **राजनीतिक यात्रा:**
  - वर्ष 1952 से 1956 तक वे भोपाल विधानसभा के सदस्य रहे और राज्य के सबसे युवा मुख्यमंत्री बने।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- वह 1956 से 1971 तक मध्य प्रदेश विधानसभा के लिये पुन: निर्वाचित हुए और उन्होंने आंध्र प्रदेश, पंजाब तथा महाराष्ट्र के राज्यपाल के रूप में भी कार्य किया।
- वर्ष 1971 में वे लोकसभा के लिये चुने गए और वर्ष 1974 से 1977 तक संचार मंत्री रहे।

उपराष्ट्रपति पद और राष्ट्रपति पद:

- वर्ष 1984 में वे भारत के आठवें उपराष्ट्रपति निर्वाचित हुए और दो कार्यकाल तक इस पद पर रहे।
- वर्ष 1992 में वे भारत के राष्ट्रपति बने।
- अक्तूबर 2000 में राष्ट्रपति के. आर. नारायणन ने उनके सम्मान में विशेष स्मारक डाक टिकट जारी किया।

मृत्यु:

- 26 दिसंबर 1999 को दिल का दौरा पड़ने से उनका निधन हो गया।

भारत के राष्ट्रपति के बारे में मुख्य तथ्य

- **दो कार्यकाल:** भारत के एकमात्र राष्ट्रपति, जिन्होंने दो कार्यकाल पूरे किये – डॉ. राजेन्द्र प्रसाद।
- **राष्ट्रपति की मृत्यु :** अब तक दो राष्ट्रपतियों, **डॉ. जाकिर हुसैन और फखरुद्दीन अली अहमद** का अपने कार्यकाल के दौरान निधन हो चुका है।
- **कार्यवाहक राष्ट्रपति :** मई,1969 में जब डॉ. जाकिर हुसैन का निधन हुआ, तो तत्कालीन उपराष्ट्रपति **वी.वी. गिरि कार्यवाहक राष्ट्रपति बने।**
  - इसके बाद वी.वी. गिरि ने राष्ट्रपति चुनाव लड़ने के लिये इस्तीफा दे दिया।
- **CJI कार्यवाहक राष्ट्रपति:** वी.वी. गिरि के इस्तीफे के बाद, मुख्य न्यायाधीश एम. हिदायतुल्ला ने 20 जुलाई,1969 से 24 अगस्त,1969 तक कार्यवाहक राष्ट्रपति के रूप में कार्य किया।

नोट: न्यायमूर्ति हिदायतुल्लाह भारतीय इतिहास में एकमात्र ऐसे व्यक्ति हैं जिन्होंने तीनों सर्वोच्च संवैधानिक पदों पर कार्य किया है: **भारत के मुख्य न्यायाधीश, कार्यवाहक राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति।**

भारत के राष्ट्रपति (1950-2025)

क्र.सं.	नाम	पदग्रहण	पदमुक्त	अवधि	मुख्य विवरण
1	डॉ. राजेंद्र प्रसाद	26 जनवरी, 1950	13 मई, 1962	12 वर्ष, 107 दिन	भारत के प्रथम राष्ट्रपति; दो कार्यकाल तक सेवा करने वाले एकमात्र राष्ट्रपति
2	डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन	13 मई, 1962	13 मई, 1967	5 साल	दार्शनिक-राष्ट्रपति; **उनके जन्मदिन को शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है।**
3	डॉ. ज़ाकिर हुसैन	13 मई, 1967	3 मई, 1969	1 वर्ष, 355 दिन	**प्रथम मुस्लिम राष्ट्रपति; पद पर रहते हुए मृत्यु हो गई।**
कार्यवाहक	वी.वी. गिरि	3 मई, 1969	20 जुलाई, 1969	78 दिन	ज़ाकिर हुसैन की मृत्यु के बाद कार्यवाहक राष्ट्रपति
कार्यवाहक	न्यायमूर्ति मोहम्मद हिदायतुल्लाह	20 जुलाई, 1969	24 अगस्त, 1969	35 दिन	**CJI ने राष्ट्रपति के रूप में कार्य किया; वी.वी. गिरि ने चुनाव लड़ने के लिये इस्तीफा दिया**
4	वी.वी. गिरि	24 अगस्त. 1969	24 अगस्त. 1974	5 साल	आधिकारिक कॉन्ग्रेस उम्मीदवार के खिलाफ स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में जीत हासिल की

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

5	फखरुद्दीन अली अहमद	24 अगस्त, 1974	11 फरवरी, 1977	2 वर्ष, 171 दिन	**आपातकालीन अवधि के दौरान कार्यालय में मृत्यु हो गई**
कार्यवाहक	बी.डी. जट्टी	11 फरवरी, 1977	25 जुलाई, 1977	164 दिन	कार्यवाहक राष्ट्रपति; कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री
6	नीलम संजीव रेड्डी	25 जुलाई, 1977	25 जुलाई, 1982	5 साल	**प्रथम राष्ट्रपति निर्विरोध चुने गए**
7	ज्ञानी जैल सिंह	25 जुलाई, 1982	25 जुलाई, 1987	5 साल	**पहले सिख राष्ट्रपति**
8	आर. वेंकटरमन	25 जुलाई, 1987	25 जुलाई, 1992	5 साल	**पूर्व उपराष्ट्रपति और रक्षा मंत्री**
9	डॉ. शंकर दयाल शर्मा	25 जुलाई, 1992	25 जुलाई, 1997	5 साल	**मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री**
10	के.आर. नारायणन	25 जुलाई, 1997	25 जुलाई, 2002	5 साल	**प्रथम दलित राष्ट्रपति; राजनयिक**
11	डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम	25 जुलाई, 2002	25 जुलाई, 2007	5 साल	"जनता के राष्ट्रपति"; भारत के मिसाइल मैन
12	प्रतिभा पाटिल	25 जुलाई, 2007	25 जुलाई, 2012	5 साल	**भारत की पहली महिला राष्ट्रपति**
13	प्रणब मुखर्जी	25 जुलाई, 2012	25 जुलाई, 2017	5 साल	अनुभवी राजनीतिज्ञ; पूर्व वित्त मंत्री
14	राम नाथ कोविंद	25 जुलाई, 2017	25 जुलाई, 2022	5 साल	दूसरे दलित राष्ट्रपति; बिहार के पूर्व राज्यपाल
15	द्रौपदी मुर्मू	25 जुलाई, 2022	वर्तमान	3+ वर्ष	वर्तमान राष्ट्रपति; **पहली आदिवासी महिला राष्ट्रपति**

राष्ट्रीय अनुभव पुरस्कारों की 10वीं वर्षगाँठ

चर्चा में क्यों?

केंद्रीय कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने विज्ञान भवन में आयोजित समारोह के दौरान 57वीं सेवानिवृत्ति-पूर्व परामर्श कार्यशाला के साथ 8वें "राष्ट्रीय अनुभव पुरस्कार" प्रदान किये।

मुख्य बिंदु

- **पुरस्कार 2025 के बारे में:**
  - वर्ष 2025 में **अनुभव पुरस्कार** की 10वीं वर्षगाँठ पर शासन और विविधता में महत्त्वपूर्ण उपलब्धियों पर प्रकाश डाला गया।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- इस वर्ष पुरस्कार प्राप्त करने वालों में **एक-तिहाई महिलाएँ थीं**, जो शासन में महिला अधिकारियों की बढ़ती उपस्थिति को दर्शाता है।
- **11 मंत्रालयों और विभागों** के कुल 15 पुरस्कार विजेताओं को सम्मानित किया गया, जिनमें पहली बार एक सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक तथा एक केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यम के अधिकारी भी शामिल थे।

उल्लेखनीय पुरस्कार विजेता:

- **एम. वेंकटेशन:** वर्ष 2014 की **कश्मीर बाढ़ और वर्ष 2022 में यूक्रेन से निकासी अभियान** सहित संकट काल में उत्कृष्ट सेवाओं के लिये सम्मानित।
- **हुकुम सिंह मीणा:** 6.4 लाख से अधिक गाँवों में भूमि अभिलेखों के डिजिटलीकरण का नेतृत्व किया।
- **शालिनी कक्कड़ (SBI):** प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण, पेंशन सुधार और डिजिटल जीवन प्रमाण-पत्र अभियान में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।
- **ओ. विरुपाक्षप्पा (डाक विभाग):** ग्रामीण क्षेत्रों में डाक बचत और बीमा योजनाओं का विस्तार किया।
- **साजू पी.के. (CRPF):** असम और पुलवामा जैसे संवेदनशील परिचालन क्षेत्रों में सेवा प्रदान की।

नई पहलों का शुभारंभ:

- कार्यक्रम में कई पहलें प्रारम्भ की गईं, जिनमें प्रमुख हैं–
  - **डिजिटल जीवन प्रमाण-पत्र अभियान 4.0** के लिये दिशानिर्देश जारी किये गए।
  - विशेष अभियान 2.0 की सफलता की कहानियों पर आधारित कॉफी टेबल ई-बुक का विमोचन।
  - अनुभव पोर्टल पर प्रस्तुत संस्मरणों के विश्लेषण के लिये कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) का उपयोग करने की घोषणा की गई।

राष्ट्रीय अनुभव पुरस्कार

- **परिचय:** अनुभव पुरस्कार की शुरुआत पेंशन एवं पेंशनभोगी कल्याण विभाग (DoPPW) द्वारा की गई है। इसका उद्देश्य सेवानिवृत्त एवं सेवानिवृत्त होने वाले केंद्रीय सरकारी कर्मचारियों के अनुभवों को **सम्मानित एवं प्रलेखित** करना है।
- **प्रारंभ:** इस पहल की शुरुआत भारत के प्रधानमंत्री के निर्देशानुसार **मार्च 2015 में** अनुभव पोर्टल के माध्यम से की गई। इसका लक्ष्य अनुभव साझा करने की संस्कृति विकसित करना, सुशासन को बढ़ावा देना और प्रशासनिक सुधारों को प्रोत्साहित करना है।
- **पात्रता:** सेवानिवृत्त होने वाले **केंद्रीय सरकारी कर्मचारी/पेंशनभोगी** इसके पात्र हैं। DoPPW द्वारा अधिसूचित समयावधि के अंतर्गत अनुभव पोर्टल पर प्रकाशित लेखन को इन पुरस्कारों के लिये विचारार्थ लिया जाता है।

IOAA 2025 में भारत का प्रदर्शन

चर्चा में क्यों?

भारत की राष्ट्रीय टीम ने 15 से 21 अगस्त तक **मुंबई** में आयोजित **18वें** अंतर्राष्ट्रीय खगोल विज्ञान और खगोल भौतिकी ओलंपियाड (IOAA) **2025** में चार स्वर्ण पदक और एक रजत पदक जीते।

प्रमुख बिंदु

पदक विजेताओं के बारे में:

- **स्वर्ण पदक विजेता:**
  - आरुष मिश्रा (बंगलूरू)
  - बनीब्रत माजी (दिल्ली)
  - पाणिनि (पटना)
  - अक्षत श्रीवास्तव (कोलकाता)

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- **रजत पदक विजेता:**
  - **गुरुग्राम** के **सुमंत गुप्ता ने रजत पदक** जीता।
- **प्रतियोगिता की मुख्य विशेषताएँ:**
  - इस वर्ष IOAA में विश्व के **288 विद्यार्थियों** ने भाग लिया, जहाँ व्यावहारिक और सैद्धांतिक परीक्षाओं की श्रृंखला आयोजित की गई।
  - **ईरान ने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया** और उसके सभी पाँच प्रतिभागियों ने स्वर्ण पदक जीते।
- **समापन समारोह और पुरस्कार:**
  - IOAA का समापन 21 अगस्त, 2025 को भव्य समारोह के साथ हुआ। इस दौरान कुल 145 पदक प्रदान किये गए, जिनमें 50 स्वर्ण, 44 रजत और 51 कांस्य पदक शामिल थे।
  - होमी भाभा नेशनल इंस्टीट्यूट के कुलपति ने विजेताओं को बधाई दी और उनके वैज्ञानिक उत्कृष्टता के प्रयासों की सराहना की।
  - साथ ही, उन्होंने खगोल विज्ञान और अंतरिक्ष अनुसंधान में भारत के बढ़ते निवेशों को भी रेखांकित किया।
- **वैश्विक भागीदारी:**
  - **ऑस्ट्रेलिया** और **हांगकांग** ने इस बार पहली बार सफलता हासिल की। ऑस्ट्रेलिया ने रजत पदक जीता जबकि हांगकांग ने भी रजत पदक अर्जित किया।
  - इटली ने तीन कांस्य पदक प्राप्त किये, जो अंतरिक्ष विज्ञान शिक्षा के प्रति वैश्विक रुचि को दर्शाता है।
- **IOAA के बारे में:**
  - वर्ष **2007** में स्थापित **IOAA** खगोल विज्ञान और खगोल भौतिकी में रुचि रखने वाले हाई स्कूल के छात्रों के लिये एक प्रमुख वैश्विक कार्यक्रम है।
  - इस वर्ष इसका आयोजन **होमी भाभा विज्ञान शिक्षा केंद्र** (HBCSE) द्वारा किया गया, जो टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च (TIFR) का एक अंग है।

SEMICON इंडिया 2025 का उद्घाटन

चर्चा में क्यों?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी **2 सितंबर, 2025** को **नई दिल्ली के यशोभूमि में** SEMICON इंडिया **2025** के **चौथे संस्करण का उद्घाटन** करेंगे।

- यह आयोजन **भारत का सबसे बड़ा सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक्स प्रदर्शनी** होगा, जिसमें वैश्विक नेता, उद्योग विशेषज्ञ, नीति निर्माता और छात्र शामिल होंगे। इसका उद्देश्य सेमीकंडक्टर पारिस्थितिकी तंत्र में हुई प्रगति को प्रदर्शित करना और भारत के आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण को सशक्त करना है।

मुख्य बिंदु

- **सेमिकॉन इंडिया (SEMICON India):** यह आठ वार्षिक सेमिकॉन प्रदर्शनियों में से एक है, जिसे वैश्विक स्तर पर **SEMI** द्वारा आयोजित किया जाता है। इसका उद्देश्य सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक्स पारिस्थितिकी तंत्र में शीर्ष अधिकारियों, विशेषज्ञों और नवप्रवर्तकों को जोड़ना है।
  - **SEMI:** SEMI एक वैश्विक उद्योग संगठन है, जिसके **3,000 से अधिक सदस्य कंपनियाँ** और 1.5 मिलियन पेशेवर जुड़े हुए हैं। यह सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक्स निर्माण में सहयोग को गति देने के लिये कार्य करता है।
- थीम: अगले सेमीकंडक्टर पॉवरहाउस का निर्माण (Building the Next Semiconductor Powerhouse)।
- **भागीदारी:** 33 देश, 50+ वैश्विक CXOs, 350 प्रदर्शक, 50+ दूरदर्शी वक्ता, 6 अंतरराष्ट्रीय देश गोलमेज़ बैठकें और 9 राज्य मंडप।
- **फोकस क्षेत्र:** फेब्स, उन्नत पैकेजिंग, स्मार्ट मैन्युफैक्चरिंग, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI), आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन, सतत् विकास, कार्यबल विकास, डिज़ाइन नवाचार और स्टार्ट-अप्स।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- **इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन (ISM):** ISM, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY) के अंतर्गत सेमिकॉन इंडिया कार्यक्रम की प्रमुख एजेंसी है। इसका उद्देश्य भारत में सतत् और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्द्धी सेमीकंडक्टर विनिर्माण को प्रोत्साहित करना है।
  - ISM प्रस्तावों का मूल्यांकन करता है, सरकारों के साथ समन्वय करता है, वित्तीय प्रोत्साहनों का प्रबंधन करता है तथा यह सुनिश्चित करता है कि भारत सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक्स निर्माण के लिये एक विश्वसनीय वैश्विक केंद्र बने।

आयुर्वेद दिवस 2025

चर्चा में क्यों?

आयुर्वेद दिवस, जिसे पहली बार वर्ष 2016 में मनाया गया था, **अब प्रत्येक वर्ष 23 सितंबर को मनाया जाएगा** तथा पूर्व में धन्वंतरि जयंती (धनतेरस) **पर मनाने की प्रथा को समाप्त** कर दिया जाएगा।

मुख्य बिंदु

- **आयुर्वेद दिवस के बारे में:**
  - 23 सितंबर की **निश्चित तिथि** के साथ, आयुर्वेद दिवस वैश्विक कैलेंडर में एक स्थायी स्थान प्राप्त करने के लिये अग्रसर है, जो आयुर्वेद की **समृद्ध परंपरा** के माध्यम से विश्वव्यापी स्वास्थ्य, कल्याण तथा पारिस्थितिकीय स्थिरता में योगदान देगा।
  - आयुर्वेद **व्यापार और सांस्कृतिक आदान-प्रदान के माध्यम** से विश्व स्तर पर फैल चुका है, जिसने **तिब्बत, चीन और अन्य क्षेत्रों में** पारंपरिक औषधि-प्रणालियों को प्रभावित किया है।
  - यह एक **वैश्विक आंदोलन** के रूप में विकसित हो चुका है, जिसे 24 देशों में पारंपरिक चिकित्सा प्रणाली के रूप में मान्यता प्राप्त है तथा **100 से अधिक देश इसके उत्पादों का आयात** करते हैं।
- **आयुर्वेद दिवस 2025**
  - **विषय है- "लोगों और ग्रह के लिये आयुर्वेद",** जिसमें वैश्विक कल्याण तथा पर्यावरणीय स्थिरता पर विशेष ज़ोर दिया जाएगा।
    - समारोह में **जीवनशैली संबंधी विकार, जलवायु संबंधी रोग और तनाव प्रबंधन** जैसी वैश्विक चुनौतियों के समाधान पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा, जिसमें आयुर्वेद को एक व्यवहार्य समाधान के रूप में प्रस्तुत किया जाएगा।
  - आयुष मंत्रालय जागरूकता अभियान, युवा सहभागिता कार्यक्रम, स्वास्थ्य परामर्श और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग सहित विभिन्न गतिविधियों का नेतृत्व करेगा।
- **आयुर्वेद दिवस 2024 की उपलब्धियाँ**
  - 9वें आयुर्वेद दिवस (2024) ने भारत के स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में महत्त्वपूर्ण उपलब्धियों को चिह्नित किया:
  - अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (AIIA) के द्वितीय चरण का उद्घाटन।
  - आयुर्वेद में **चार उत्कृष्टता केंद्रों** का शुभारंभ।
  - **"देश का प्रकृति संरक्षण अभियान"** का परिचय।
- **महत्त्व**
  - प्रथम अखिल भारतीय NSSO सर्वेक्षण ने पुष्टि की है कि आयुर्वेद **भारत के ग्रामीण और शहरी,** दोनों ही क्षेत्रों में सर्वाधिक उपयोग की जाने वाली उपचार प्रणाली है।
- **आयुर्वेद के विकास के लिये की गई पहल**
  - राष्ट्रीय आयुष मिशन
  - आयुष क्षेत्र पर नए पोर्टल
  - ACCR पोर्टल और आयुष संजीवनी ऐप

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

आयुष चिकित्सा पद्धति

आयुष में आयुर्वेद, योग और प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध, सोवा रिग्पा और होम्योपैथी शामिल हैं, आयुर्वेद का 5000+ वर्षों का प्रलेखित इतिहास है।

आयुर्वेद

भगवान ब्रह्मा को आयुर्वेद का प्रथम प्रवर्तक माना जाता है

- **संहिता काल (1000 ईसा पूर्व):** परिपक्व चिकित्सा प्रणाली के रूप में उभरा
  - **चरक संहिता:** सबसे प्राचीन और आधिकारिक संहिता
  - **सुश्रुत संहिता:** आठ विशिष्टताओं में मौलिक सिद्धांत और चिकित्सीय विधियाँ प्रदान करती है
- **मुख्य शाखा:**
  - **आत्रेय पुनर्वसु-** चिकित्सकों की शाखा
  - **दिवोदास धन्वंतरि -** शल्यचिकित्सकों की शाखा

आयुर्वेद की शाखाएँ

- काय चिकित्सा- चिकित्सा।
- शल्य चिकित्सा- सर्जरी।
- शालाक्य तंत्र- ईएनटी और नेत्र विज्ञान।
- बाल रोग चिकित्सा।
- अगद तंत्र- विष विज्ञान।
- भूतविद्या - मनोरोग।
- रसायन- कायाकल्प चिकित्सा और जराचिकित्सा।
- वाजीकरण तंत्र- सेक्सोलॉजी।

योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा

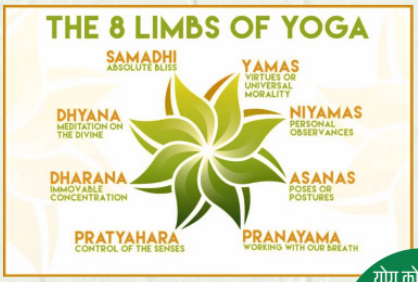

योग को सर्वप्रथम महर्षि पतंजलि ने व्यवस्थित रूप में योगसूत्र के रूप में प्रतिपादित किया

- **प्राकृतिक चिकित्सा:** 5 प्राकृतिक तत्वों - पृथ्वी, जल, वायु, अग्नि और आकाश की सहायता से उपचार
  - शरीर की स्व-उपचार क्षमता सिद्धांतों और स्वस्थ जीवन के सिद्धांतों पर आधारित
  - रोग-केंद्रित दृष्टिकोण के स्थान पर व्यक्ति-केंद्रित दृष्टिकोण को प्रोत्साहित करता है

यूनानी

ग्रीस में अग्रणी, अरबों द्वारा 7 सिद्धांतों के रूप में विकसित (उमूर-ए-तब्बिया)

- बुकरात (हिप्पोक्रेट्स) और जालीनूस (गैलेन) की शिक्षाओं के ढाँचे के आधार पर
  - चार ह्यूमर्स का हिप्पोक्रेटिक सिद्धांत अर्थात् रक्त, कफ, पीला पित्त और काला पित्त
- WHO द्वारा मान्यता प्राप्त और भारत द्वारा वैकल्पिक स्वास्थ्य प्रणाली के रूप में आधिकारिक दर्जा प्रदान किया गया

सिद्ध

10000 - 4000 ईसा पूर्व; सिद्धर अगस्तियार- सिद्ध चिकित्सा के जनक

- निवारक, प्रोत्साहनात्मक, उपचारात्मक, पुनर्जीवनात्मक और पुनर्वासात्मक स्वास्थ्य देखभाल
- **4 घटक:** लैट्रो-रसायन विज्ञान, चिकित्सा अभ्यास, योग अभ्यास और बुद्धि
- 3 निदानात्मक ह्यूमर्स (मुक्कुट्टरम) और 8 महत्त्वपूर्ण परीक्षणों (एन्वागई थेरवु) पर आधारित है

आयुर्वेद के 3 गुण (त्रिदोष): वात, पित्त और कफ

सोवा रिग्पा

उत्पत्ति: भगवान बुद्ध के समय 2500 वर्ष पूर्व भारत में

- लद्दाख, हिमाचल प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश आदि के हिमालयी क्षेत्रों में पारंपरिक चिकित्सा।
- भारतीय चिकित्सा केंद्रीय परिषद् अधिनियम, 1970 (वर्ष 2010 में संशोधित) द्वारा भारत में मान्यता प्राप्त।

होम्योपैथी

जर्मन चिकित्सक डॉ. क्रिश्चियन फ्रेडरिक सैमुअल हैनिमैन ने इसके मूलभूत सिद्धांतों को संहिताबद्ध किया

- जर्मन चिकित्सक डॉ. क्रिश्चियन फ्रेडरिक सैमुअल हैनिमैन ने इसके मूलभूत सिद्धांतों को संहिताबद्ध किया।
- औषधियाँ मुख्यतः प्राकृतिक पदार्थों (पौधे उत्पाद, खनिज, पशु स्रोत) से तैयार की जाती हैं।
- वर्ष 1810 में यूरोपीय मिशनरियों द्वारा भारत में लाया गया; वर्ष 1948 में आधिकारिक मान्यता प्रदान की गई।
- **3 प्रमुख सिद्धांत:**
  - सिमिलिया सिमिलिबस क्यूरेंटूर ("सम: समम् शमयति" या "समरूपता")
  - सिंगल मेडिसिन
  - मिनिमम डोज़

Drishti IAS

Prepare with DrishtiIAS

राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!

हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!

राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!

निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

संत मदर टेरेसा की 115वीं जयंती

चर्चा में क्यों?

संत मदर टेरेसा की 115वीं जयंती **26 अगस्त, 2025** को मदर्स हाउस, कोलकाता में मनाई गई।

मुख्य बिंदु

मदर टेरेसा के बारे में:

- मदर टेरेसा, जिनका जन्म वर्ष 1910 में स्कोप्जे, ओटोमन साम्राज्य (अब उत्तरी मैसेडोनिया) में **एग्नेस गोंक्सा बोजाक्सीहु** (Agnes Gonxha Bojaxhiu) के रूप में हुआ था, ने अपना जीवन गरीब लोगों की सेवा के लिये समर्पित कर दिया।
  - उनकी यात्रा 12 वर्ष की आयु में शुरू हुई जब उन्हें मिशनरी के रूप में सेवा करने का आह्वान महसूस हुआ।
  - वर्ष 1928 में, 18 वर्ष की आयु में, वह भारत गईं, जहाँ उन्होंने वर्ष 1931 में अपनी धार्मिक प्रतिज्ञा ली। 17 वर्षों तक उन्होंने कलकत्ता के सेंट मैरी हाई स्कूल में पढ़ाया।
- मदर टेरेसा ने वेटिकन से अनुमोदन प्राप्त करने के बाद 7 अक्तूबर, 1950 को **मिशनरीज ऑफ चैरिटी** की स्थापना की।
  - उनका संगठन, जो विश्व स्तर पर विस्तारित था, शरणार्थियों, बुज़ुर्गों और एड्स से पीड़ित लोगों सहित निराश्रित लोगों की देखभाल पर ध्यान केंद्रित करता था।
- 1990 के दशक तक, मिशनरीज ऑफ चैरिटी के 40 देशों में दस लाख से अधिक स्वयंसेवक थे, जो मदर टेरेसा की करुणा की भावना का प्रसार कर रहे थे।
- **शांति और समझ** को बढ़ावा देने में उनके अथक कार्य के लिये उन्हें अनेक पुरस्कार प्राप्त हुए जिनमें पोप जॉन XXIII शांति पुरस्कार (1971), नेहरू पुरस्कार (1972) और वर्ष 1979 में नोबेल शांति पुरस्कार शामिल हैं।
- मदर टेरेसा का निधन 5 सितंबर, 1997 को हुआ और वे अपने पीछे करुणा तथा सेवा की एक स्थायी विरासत छोड़ गईं।
- वर्ष 2016 में पोप फ्राँसिस ने उन्हें संत घोषित किया जिससे दुनिया में सबसे प्रिय मानवतावादी हस्तियों में से एक के रूप में उनकी स्थिति और मज़बूत हो गई।

नोट: मदर टेरेसा भारत की एकमात्र प्राकृतिकीकरण द्वारा नागरिकता प्राप्त नागरिक हैं, जिन्हें भारत का **सर्वोच्च नागरिक सम्मान** भारत रत्न **(1980) से सम्मानित किया गया।**

- वह भारत रत्न पाने वाले केवल दो विदेशियों में से एक हैं। दूसरे हैं खान अब्दुल गफ्फार खान, जिन्हें ***सीमांत गांधी*** के नाम से जाना जाता है, जिन्हें वर्ष 1987 में यह सम्मान दिया गया था।

अभ्यास ब्राइट स्टार 2025

चर्चा में क्यों?

रक्षा मंत्रालय ने घोषणा की है कि भारतीय सशस्त्र सेनाओं तथा मुख्यालय समन्वित रक्षा स्टाफ के 700 से अधिक कर्मी 28 अगस्त से 10 सितंबर, 2025 तक आयोजित होने वाले बहुपक्षीय सैन्य अभ्यास ***'ब्राइट स्टार*** में भाग लेंगे।

- यह अभ्यास **मिस्र द्वारा संयुक्त राज्य अमेरिका के सहयोग से** आयोजित किया जा रहा है, जिसमें भारत सहित अनेक देश भाग ले रहे हैं।

मुख्य बिंदु

- **ब्राइट स्टार अभ्यास के बारे में:**
  - यह अभ्यास वर्ष 1980 से संयुक्त राज्य अमेरिका के सहयोग से मिस्र द्वारा आयोजित एक **द्विवार्षिक बहुपक्षीय सैन्य अभ्यास** है।
  - यह क्षेत्र के सबसे बड़े त्रि-सेवा बहुपक्षीय अभ्यासों में से एक है। इस अभ्यास का पिछला संस्करण वर्ष 2023 में हुआ था, जिसमें भारत सहित कई देशों ने भाग लिया था।
- **गतिविधियाँ और विशेषताएँ:** इस अभ्यास में सैन्य गतिविधियों की एक व्यापक श्रृंखला शामिल होगी, जिसमें शामिल हैं:
  - **लाइव फायरिंग अभ्यास:** भारतीय सेना, भारतीय नौसेना और भारतीय वायु सेना की परिचालन क्षमताओं का प्रदर्शन।
  - **कमांड पोस्ट अभ्यास:** भाग लेने वाले बलों के बीच संयुक्त योजना, निर्णय-लेने और परिचालन समन्वय को बढ़ाने के लिये विकसित किया गया।
  - **लघु प्रशिक्षण अभ्यास:** आधुनिक युद्ध के विभिन्न पहलुओं पर केंद्रित, जिन्हें तीनों सेनाओं द्वारा आयोजित किया जाएगा।

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!

- **विशेषज्ञों से संवाद:** समकालीन सैन्य अभियानों के विविध क्षेत्रों के विशेषज्ञों के साथ चर्चा और सहयोग किया जाएगा।

- **महत्त्व:**
  - भारत की *'ब्राइट स्टार 2025'* में भागीदारी क्षेत्रीय शांति, स्थिरता और सुरक्षा के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है।
  - इस अभ्यास का उद्देश्य भारतीय सशस्त्र सेनाओं और मित्र राष्ट्रों की सेनाओं के बीच **सामरिक एकीकरण, पारस्परिक सहयोग** तथा **अंतर-संचालन** को सुदृढ़ करना भी है।

विश्व जल सप्ताह 2025

चर्चा में क्यों?

24-28 अगस्त, 2025 को **स्वीडन की राजधानी** स्टॉकहोम में **विश्व जल सप्ताह** का आयोजन किया गया।

- इस कार्यक्रम के दौरान, राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन (NMCG) **को** नदी पुनरुद्धार और समुदाय-संचालित प्रयासों के लिये एक वैश्विक प्रेरणा के रूप में मान्यता दी गई।

मुख्य बिंदु

- **विश्व जल सप्ताह के बारे में:**
  - **वर्ष 1991** में स्थापित, यह कार्यक्रम **स्टॉकहोम अंतर्राष्ट्रीय जल संस्थान (SIWI) द्वारा आयोजित किया जाता है** तथा जल प्रबंधन से संबंधित ज्ञान, समाधान और प्रतिबद्धताओं के आदान-प्रदान के लिये एक महत्त्वपूर्ण मंच प्रदान करता है।
  - वर्ष 2025 संस्करण, जो अपने 35वें वर्ष को चिह्नित करता है, **' जलवायु कार्रवाई हेतु जल' विषय** पर केंद्रित था, जिसमें जलवायु परिवर्तन से निपटने और सतत् विकास प्राप्त करने में जल की भूमिका पर प्रकाश डाला गया।
- **भारत की भूमिका:**
  - विश्व जल सप्ताह 2025 के दौरान, NMCG ***'नदी शहरों की पुनर्कल्पना:*** *जलवायु-स्मार्ट और बेसिन-केंद्रित शहरी विकास'* सत्र का हिस्सा था, जिसमें जलवायु-लचीले शहरों को सुनिश्चित करने में **नदी-केंद्रित शहरी विकास** की भूमिका पर प्रकाश डाला गया।
    - सत्र में सतत् शहरी नियोजन के लाभों और **बेसिन-केंद्रित दृष्टिकोण** की आवश्यकता पर ज़ोर दिया गया, जिसमें संपूर्ण नदी पारिस्थितिकी तंत्र पर विचार किया गया।
    - सत्र का नेतृत्व NMCG, **नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ अर्बन अफेयर्स (NIUA)** और **डॉयचे गेसेलशाफ्ट फर इंटरनेशनेल ज़ुसामेनरबीट (GIZ)** ने किया।

नमामि गंगे मिशन

- **यह** गंगा नदी और इसकी **सहायक नदियों के पुनर्जीवन** हेतु एक प्रमुख कार्यक्रम है, जिसका उद्देश्य **प्रदूषण को कम करना, जल की गुणवत्ता में सुधार करना तथा नदी के पारितंत्र** को पुनर्स्थापित करना है।
- **कार्यान्वयन:** हाइब्रिड-एन्यूटी-मॉडल (HAM) के तहत चयनित बोलीदाता द्वारा गठित विशेष प्रयोजन निकाय (SPV) शोधन संयंत्रों (STP) के विकास, संचालन और अनुरक्षण की ज़िम्मेदारी संभालता है।
  - लागत का **40% निर्माण के बाद तथा शेष 60% परियोजना की पूरी अवधि के दौरान** प्रदान किया जाता है।

भारत जल सप्ताह (IWW)

- भारत सरकार के जल शक्ति मंत्रालय ने वर्ष 2012 में **भारत जल सप्ताह** की संकल्पना की और इसे प्रारंभ किया, जिसे अब प्रत्येक दो वर्ष में आयोजित किया जाता है।
- इसका उद्देश्य जल प्रबंधन **से संबंधित महत्त्वपूर्ण चुनौतियों का समाधान करना** तथा जल-संबंधी प्रौद्योगिकियों और प्रक्रियाओं में नवाचार को प्रोत्साहित करना है।
- **IWW वैश्विक जल कूटनीति का एक महत्त्वपूर्ण मंच बन चुका** है, जो जल-संबंधी प्रमुख चुनौतियों पर संवाद, नवाचार और ज्ञान के आदान-प्रदान को सुगम बनाता है।

❑❑❑

Prepare with DrishtiIAS
राज्य पीसीएस पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) क्लिक करें या स्कैन करें!
हमारे ऑफलाइन कक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानें! क्लिक करें या स्कैन करें!
राज्य पीसीएस पुस्तकें क्लिक करें या स्कैन करें!
निशुल्क मॉक टेस्ट और आंसर राइटिंग क्लिक करें या स्कैन करें!